ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵏⴰⵊⵎⵉ

حسن نجمي



ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

جيرترود

ⵓⵏⴳⴰⵍ

رواية

ⴰⵙⵓⵖⵍ ⴼⴰⵟⵉⵎⴰ ⵡⴰⵍⵄⴰⵍⵉ

ترجمة فاطمة والعالي

ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵏⴰⵊⵎⵉ
حسن نجمي

جيرترود
ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

ⵓⵏⴳⴰⵍ
رواية

ⴰⵙⵓⵖⵍ ⴼⴰⵟⵉⵎⴰ ⵡⴰⵍⵄⴰⵍⵉ
ترجمة فاطمة والعالي

منشورات المعهد الملكي للثقافة الأمازيغية
ⵜⵉⵥⵕⵉⴳⵉⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⵏⴳ ⴰⴳⵍⴷⴰⵏ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ

Publications de l'Institut Royal de la Culture Amazighe
Centre de la traduction, de la documentation et de l'Edition
Série : traductions n°47

Titre

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ جيرترود

Auteur

Hassan Nejmi

Traduction

Fatima Walali

Expertise linguistique

Hamid Souifi

Editeur

Institut Royal de la Culture Amazighe

Impression

Editions OKAD - Rabat - 2020

Dépôt légal

2020 MO 1627

ISBN

978-9920-739-16-0

لماذا ترجمة هذه الرواية؟

قدمنا في هذا الكتاب ترجمة لِرواية «جيرترود» للكاتب والشاعر المغربي حسن نجمي، من العربية إلى الأمازيغية. وتكونت فكرة ترجمة هذه الرواية بعد تجربة قمنا بها في حقل الترجمة، إذْ أنجزنا ترجمة روايتين من الإسبانية إلى الأمازيغية وهما: رواية «إيمان» مدريد 1930، للكاتب الإسباني، رامون خوصي صندر (1901-1982) ورواية «الحمار الذهبي» للكاتب الأمازيغي القديم، أبوليوس (125م–170م). بالإضافة إلى أعمال أخرى، منها ترجمة مجموعة قصصية عن أدبيات الطفل. تبين لنا من خلالها أهمية الترجمة في تطوير اللغة الأمازيغية والنهوض بهذه الثقافة الذي أصبح في الوقت الحاضر مسؤولية وطنية بعد خطاب أجدير 2001.

في هذا السياق الثقافي، ولإعادة الاعتبار لهذه اللغة بشكل شامل، تعد الترجمة بين العربية والأمازيغية حاجة ماسة لبلوغ هذه الغاية، فلابد من تفاعل اللغتين، العربية والأمازيغية، وذلك لخلق فضاء ثقافي لغوي يحترم ثقافة المواطن وهويته، فيشعر أن هناك جسورا ممدودة بينه وبين محيطه السوسيوثقافي، وليكتشف ذاته وما تملكهُ من طاقات إبداعية وإنتاجية. وبالتالي لكي يعي دوره كمواطن تجاه تراثه الثقافي وتقدمه الفكري.

يندرج هذا العمل إذن في هذا الاتجاه، لملامسة التراث الوطني الزاخر بالتنوع، وللتفاعل مع الوضعية اللسانية الراهنة التي ما زالت تفتقد إلى المزيد من مساهمات الفاعلين الثقافيين والأكاديميين من أجل تجسير العلائق بين اللغتين. ومن ثمَّ جاءت هذه الترجمة كاهتمامٍ فعلي ملموس بالبعد الأمازيغي في الثقافة المغربية، ولتمكين اللغة الأمازيغية من مرافقة أختها العربية لتحقيق دورها في التنمية الشاملة، المحلية والوطنية.

وتجدر الإشارة إلى أن هذه الترجمة لم تكن أمرا هينا علينا، فإذا كانت الترجمة بطبيعتها تعد عملا شاقا فقد واجهتنا مع الأمازيغية صعوبات وعراقيل مضاعفة. وكما هو معلوم قد ظلت هذه اللغة إلى زمننا لغة شفاهية، مازالت في طور التقعيد والتوحيد لقواعد صرفها ونحوها ومعجمها وفي بدايتها من حيث الممارسات الكتابية. لذا نعتذر عن أي نقص ممكن غير مقصود.

أشير أيضا إلى أن هذه الترجمة قدمناها بحرف تيفيناغ وخاضعة للقواعد الإملائية والنحوية المعمول بها في المعهد الملكي للثقافة الأمازيغية. لذا لا أغفل هنا عن أن أنوه به على جهوده القيمة في خلق الظروف الملائمة لممارسة اللغة الأمازيغية. فقد كان لنا المرجع والسند الأول لإنجاز هذه الترجمة واستفدنا كثيرا من مختصيه فيما أبدوه من ملاحظات واستدراكات ثمينة، محمودة ومشكورة.

هذه الرواية

«جيرترود» رواية مغربية للروائي حسن نجمي (1960)، كاتب وشاعر مغربي. شغل عدة مهام ذات صلة بالحقل الثقافي والإبداعي. أسس بيت الشعر بالمغرب سنة 1996. اشتغل في الصحافة وانتخب رئيسا لاتحاد كتاب المغرب. (2005-1998). كما تَحمَّل مسؤولية إدارة مديرية الكتاب والمطبوعات في المغرب. وتعتبر روايته «جيرترود» عمله الروائي الثاني بعد روايته الأولى «الحجاب» 1996، والتي حظيت باهتمام النقاد والمهتمين، وترجمت إلى لغات أجنبية. كما صدرت منها طبعة ثانية بالقاهرة. وهي رواية شيقة، تحتوي تطلعات وتخدع لرؤية تعكس الواقع بأفق من التخيل المنفتح على التاريخ والأمكنة.

تحكي أحداث الرواية جانبا من حياة الكاتبة الأمريكية « جيرترود» وعلاقتها بمحمد المغربي. يبتدئ في الفصل الأول بالكلام عن صديق جيرترود حين حضر احتضاره في المستشفى، فسلم له هذا الأخير «مذكراته» وطلب منه أن يتولى هو كتابة سيرته. مرت الأيام فوجد الكاتب نفسه يلبي النداء ويشرع في التدوين. يستجيب لرغبة واقعية فينطلق بخياله الروائي فينسج أحاسيسه وتأملاته الشخصية ويعيد بناء العالم وفق رؤيته. يستدرج النصُّ حياة كاتبة أمريكية «جيرترود ستاين» (1874-1946) مبتدئا بالزيارة التي قامت بها إلى المغرب 1912 حيث التقت بالشاب المغربي محمد الطنجاوي الذي كان «مرشدا سياحيا» لها. ثم ينتقل إلى إقامتها في باريس وصالونها الأدبي الذي كان محفلا للزوار والفنانين، يطلعون على لوحاتها الفنية ويتواصلون مع تجربتها وأفقها ككاتبة وفاعلة.

وفي بيتها في 27، زنقة دو فلوريس الشهيرة تعرف محمد على مشاهير الأدباء والفنانين أثناء اللقاءات الأدبية بصالون جيرترود، أمثال: بيكاسو، ماتيس، أبولينير،

فتزجرالد، هيمينغواي وغيرهم، من الذين كانت جيرترود تستقبلهم في صالونها الأدبي وتُعرِّفُهم على صديقها المغربي. ثم يروي كيف تمضي الأيام هناك بالشاب المندهش في الحضارة الأوروبية وتواجده مع شابة تنتمي إلى ثقافة وعالم آخر يجهله: تساءل حول سر تلك العلاقات التي لم يفهمها: علاقة «جيرترود» بصديقتها أليس طوكلاس، ثم علاقته هو بشابة أمريكية غريبة دون ان يكون لتلك الصلة معنى أو هدف. حيث تنتهي بعودته إلى وطنه خائبا مكسور الخاطر، بعد أن طردته جيرترود من منزلها. وأمسى بذكرياته المريرة تلك ينتظر المصير، وما انفك أن رماها إلى صديقه الذي حضر وفاته في المستشفى بالرباط متوسلا إليه أن يتولى الاهتمام بذلك المصير، ويكتب تلك الذكريات.

بعد تردد يأخذ الكاتب قراره لتدوين الأحداث التي ألقيت على كتفيه أمانة. ينطلق من ذلك الواقع فينسج لنا حسن نجمي قصة رائعة تتشابك فيها الأحداث وتمتزج الشخصيات والتأملات متنازلا عن اسمه للراوي كما لو كان يتلبس صوته ونظرته ثم يروي قصة موازية للمحكي المركزي في النص، وهي قصة العلاقة التي جمعت الراوي مع ليديا الشخصية الأمريكية كذلك. والتي كانت تعمل آنذاك بالسفارة الأمريكية المقيمة في الرباط. وكان على اتصال بها لتزوده بالمعلومات على جيرترود لكتابة سيرة صديقِهِ الراحل. من ثم يبدو لنا الكاتب كما لو كان يتحول، من حين لآخر، إلى بطل روايته. تبدو شخصيته إلى حدٍّ ما في شخصية محمد، فتحدثنا روايته عن نفسه في صورة الآخر الذي هو بطل روايته، ويمزج أحداث الكاتب مع أحداث أبطاله ليحكي لنا ما طاب له من تطلعاته.

هذا وآمل أن تكون هذه الخطوة في الترجمة من العربية إلى الأمازيغية لحظة أخرى تنضاف إلى ما قمنا به سابقا، متطلعة إلى المزيد من العمل على ترجمة وتقديم نصوص من المتن السردي المغربي المعاصر باللسان الأمازيغي وفي أفقه الثقافي والأدبي والحضاري.

ⵜⴰⵣⵓⴻⵔⵜ

ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴰⵙⴻⵖⵍ ⴰ?

ⴻⵏⴳⴰⵍ “ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ” ⵏ ⴻⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⴻⵏⵛⵛⴰⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵇⴰⵙⴰⵏ ⵏⴰⵊⵎⵉ. ⵏⵙⵙⴻⵖⵍ ⵉⵜⵜ ⵣⵉ ⵜⵄⵔⴰⴱⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ. ⴰⵙⴻⵖⵍ ⴰ ⵢⴻⵙ ⴷ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵎⴰ ⵏⵙⵙⴻⵖⵍ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵣⵉ ⵜⵙⴱⴱⴰⵏⵢⴻⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ, ⴻⵏⴳⴰⵍ “ⵉⵎⴰⵏ” ⵕⴰⵎⴻⵏ ⵅⴻⵚⵉ ⵚⵉⵏⴷⵔ[1] ⴷ ⴻⵏⴳⴰⵍ “ⴰⵖⵢⴻⵍ ⵏ ⵓⴻⵔⵖ” ⵏ ⴻⵎⴰⵔⵉ ⴰⵣⴰⵢⴽⴻ, ⴰⴱⴻⵍⵢⴻⵙ (125–170)[2]. ⴰⵙⴻⵖⵍ ⵏⵏⵉⴹⵏ, ⵏⴳⴳ ⵉⵜ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵅⴼ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⵏ ⵉⵇⵔⵎⴻⵛⵏ, ⵏⵙⴻⵖⵍ ⵉⵜⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⴻⵜⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ.

ⴰⵙⴻⵖⵍ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵉⵙⵜⴰⵀⵎⵎⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵙⴻⴳⴻⵔ ⴷ ⴻⵙⴳⴳⴷ ⵏ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⴷ ⴻⵙⴻⵄⵍⵉ ⵏ ⵜⴻⵙⵙⵏⴰ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ. ⴰⵙⵙⴰ, ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵏⴰⵔⵔ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵜⴷⵓⵍ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⵏⴻⵙ ⵏ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵜⵏⴰⵓⵜ ⵏ ⴻⵊⴷⵉⵔ 2001, ⵙⴻⵢⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵅⵙ ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵉ ⵜⴻⵜⵍⴰⵢⵜ ⴰ ⵣⴳ ⵉⵖⵙⴷⵉⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⴰⵙⵙ ⴰ ⵏⵇⴷⴰⵊ ⴰⵙⴻⵖⵍ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⵓⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⵖⴰⵔⴰⵢ ⴰ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵙⴷⴰⵓⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⴷ ⵜⵄⵕⴰⴱⵜ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⴳⴳⵏⵜ ⵜⴻⵜⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴻⵙⵙⵏⴰ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵓⵃⵃⵔⵏ ⴰⵏⴰⵎⵎⴻⵔ ⴷ ⵉⵏⵜⵉ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓⴰⵔⴰ ⵕⵃⵏⴹⴰⵕⵜ ⵏⵏⵉ ⴳⵔⴰⵙ ⴷ ⵜⵓⵏⵏⴰⴹⵜ ⵏ ⵜⴻⵙⵙⵏⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵉⵙⵜⴰⵎⵏ ⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵅⵎⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵜⵉⵥⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵓⵉⵏⴳⵎ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵉ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴰⴳⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⴻⵙⵙⵏⴰ ⴻⵛⴰ ⴰⴷ ⵢⴻⴳⴻⵔ ⵙ ⴻⵙⵓⵉⵏⴳⵎ ⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⴷⴰⵜ. ⴷ ⵓⴰ ⴷ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵉ ⵏⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⴹⴼⵕ ⴷⵉ ⵜⵓⴻⵔⵉ ⴰ, ⵏⴳⴳⴰ ⴰⵙⴻⵔⵉⴼ ⴰ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵎⵢⴰⵓⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵓⴰⴳⵔⴰ ⵏ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏⵏⵖ ⴰⵎⵃⵃⵔⴰⵏ ⴷ ⴻⵙⴷⴰⵓⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⴰⵙⴻⵔⵙ ⵏ ⵓⴰⴽⴻⴷ ⴰ, ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵄⴰⴷ ⵜⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵉⵎⴳⴳⴰⵢⵏ ⵉⵙⵙⵏⵏ ⴷ ⵉⴽⴰⴷⵉⵎⵢⵢⵏ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵎⴻⵏⵏ ⵜⴻⵜⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⴰⴽⴷ ⴻⵍⵜⵎⴰⵙ ⵜⴰⵄⵕⴰⴱⵜ ⴷⴳ ⴻⵙⴻⵄⵍⵉ ⴰⵏⴰⵎⴻⵔ.

1 Imán, Ramon Jose Sender, Madrid (1930)
2 Asno de Oro, Apuliyus (127-170)

ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⵙⵓⵖⵍ ⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⴰⵔⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵏⴳⴳⴰ ⵣⴷⴰⵜ, ⵏⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵙⵓⵖⵍ ⵏⵏⵉⴹⵏ ⵉ ⵉⴹⵕⵉⵚⵏ ⵏ ⵡⵓⴳⴰⵍ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⴰ ⵙ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⴷ ⵓⵙⵓⴼⵍⵉ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⴷ ⵜⵖⵔⵎⴰ ⵏⵏⵙ.

ⵉⵛⵇⴰ ⵏⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ, ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵙⵓⵖⵍ ⴰ ⵓⵔ ⵅⴰⵄⵏⵖ ⵉⵀⵡⵉⵏ ⵛⴰ. ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵙⵓⵖⵍ ⵉⵔⴰ ⵢⵓⴼⴰⵔ ⵍⴱⴷⴰ, ⵙ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⵏⵎⴰⵔⵔⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⵓⵔ ⵜⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵣⴷⴰⵜ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⴰⵔ ⵉⵙⴳⴳⵯⵙⵏ ⴰ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ, ⴼⴰⴷ ⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⴳ ⴰⵙⵙⵔⵓⵙ ⵏ ⵉⵍⵓⴳⴰⵏ ⵏ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⵉⵙⵙⵎⴰⵍⵏ ⵎⴰⵎⵎⵏⴽ ⵜⵙⵡⵓⵔⴰ. ⵔⵓⵅⴰ ⴼⴰⴷ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⴳ ⵉⵙⵓⵔⵉⵄⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵓⵇⵢⵢⴷ. ⵙ ⵓⵢⴰ, ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⵓⵔ ⵜ ⵏⵜⵜⴱⴱⵉⵇ ⵛⴰ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵓⵖⵍ ⵉⵡⴹ ⵉⵎⵢⴰⵡⴰⵢⵏ ⵏ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ.

ⵓⵏⴳⴰⵍ

“ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ” ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏ ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵏⵊⴰⵎⵉ 1960, ⴰⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⵓⵏⵛⵛⴰⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⵉⵙⵡⵓⵔⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⵔⴰ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷ ⵓⵙⵏⴼⵍⵓⵍ. ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙⵉⵍⴰ ⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ 1996. ⵉⵙⵡⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵏⵖⵎⴰⵙⵜ. ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵖⴰⵔ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵎⵓⵏⵜ ⵏ ⵉⵎⴰⵔⴰ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵣⵉ 1998 ⴰⵔ 2005. ⵉⵟⵟⴼ ⵔⴰ ⵜⴰⵎⴰⵙⵙⴰⵢⵜ ⵏ ⵓⵙⵓⴳⵓⵔ ⵉ ⵜⵙⵏⵙⴷⴰⴷⵜ ⵏ ⵉⵎⴰⵔⴰ ⴷ ⵓⵙⴼⵙⵔ ⴷⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏⵏⵙ “ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ” ⴷ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵓⵏⴳⴰⵍ “ⵍⵃⵉⵊⴰⴱ” 1996. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵙⵜⴰⵡⵏ ⵙⵜⴰⵀⵎⵎⵏ ⵥⵥⴰⵢⵙ. ⵜⵙⵙⵓⵖⵍ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵉⵏ. ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ ⵜⵙⵙⵉⴳⵣ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ. ⵓⵏⴳⴰⵍ ⴰ ⵉⵙⵙⵄⵛⵉⵇ, ⵜⵙⵎⵓⵏ ⴰⵙⵉⵜⵎ ⴷ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ, ⵉⵢⵙⵉ ⴷ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴷ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵅⴼ ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ. ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍ ⴰ ⵄⴰⵡⴷⵏ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ “ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ” ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴳⵏⴰⴼ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵍⵎ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵥⴰⵡⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵃⵓⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵢⴰⵔⵉ ⵜⴰⵔⵉⴷⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵄⴷⵓⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ, ⵉⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ. ⵉⵏⵏⴰ ⵡⴰⵀ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵟⵓ ⵙ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴰⵍ, ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⴳⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⴳⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ“ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ” (1874–1946) ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ 1912 ⴷ ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ, ⵉⵔⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⴳⵡⴹ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵎⴰⵍⵏ ⴰⵙ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵏⵖ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⴹⴼⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ ⴷ ⴰⵏⵡⵊⵉⵡ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ “ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ” 27. ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵙⴰ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴳⵣⵔⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵥⵥⵓⵡⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⵓⵙⵙⵓⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⵉⵛⵏⵖⵏ ⴷ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⴰⵎ, “ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⴰⴱⵓⵍⵉⵏⵉⵔ, ⴼⵉⵜⵥⵊⵉⵔⴰⵍⴷ, ⵀⵉⵎⵉⵏⵖⵡⴰⵢ” ⴷ ⵡⵉⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⴰⵔⵃⵃⴱ ⵥⵥⴰⵢⵙⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ, ⵜⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵉⵜⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵓ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵖⵔⵎⴰ ⵏ ⵓⵔⵓⴱⴱⴰ. ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⴹⴰⵍ ⴷ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵏⵉⴹⵏ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵏⵉ. ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵊⴰⵔ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵔⵎⵉⵙ, ⴰⵎ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ

ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴰⵡⵜⵜⴰⵙ ⵉ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵜⵇⴹⴰ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵏⵏⵙⵏ, ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵕⵥⴰ, ⵓⵎⵉ ⵜ ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⵣⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⵣⴳⵏ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵏⵜ ⵉⵏⴷⵔ ⵅⴼ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⵏⴰⴼ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵣⴰⵡⴰⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵢⴰⵔⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉⵜⵜⵀⵓⴷⴷⴰ, ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵉⵄⵡⵍ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵖⵓⵔⵙ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷ ⵕⵎⴰⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵔⴰ ⵏⵖ ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵏⵊⵎⵉ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⴰ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ. ⵉⵙⵎⵓⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵎⵖⵓⵔⵏ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ, ⵉⵡⵛⴰ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ, ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵜⵓⵜⵜⵎⵣⵓⵖⵓⵔ ⴰⴽⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⵅⴼ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵡⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵡⵛ ⵉⵙⴼⴽⴰⵏ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵏⵜⵜⴰⴼ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵏⵏⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵏⴱⵔⴰⵥ ⵏ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵉⴷⴳⴳⵍ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵏⵖ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵡⵓⴷⵎ ⵏ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏⵉ ⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⴰⵏⴱⵔⴰⵥ ⵏ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵉⵔⵡⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵅⴼ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ.

ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴰⵡⴰⵍ ⴰ, ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴼⵎ ⵓⴳⴰⵍ ⴰ ⵙ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ, ⵏⵓⵔⴰ ⵜ ⵙ ⵓⵙⴽⴽⵉⵍⵏ ⵜⴼⵉⵏⴰⵖ ⴷ ⵜⵊⵕⵕⵓⵎⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵜⵜⴰⵔⴰ ⵓⵙⵉⵏⴰⴳ ⴰⴳⵍⴷⴰⵏⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵜⴰⵎⴰⵣⵉⵖⵜ. ⵙ ⵓⵢⴰ, ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵍⵉⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵅⴼ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ ⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵏⵖ ⵉⵙⵙⵡⵊⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵏⵜⵜⵃⴷⴰⵊⵊⴰ ⵉ ⵓⵇⵢⵢⴷ ⵏ ⵜⵎⴰⵣⵉⵖⵜ. ⵄⵎⴷⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⴹⵖ ⴰⵙⵓⵖⵍ ⴰ, ⴹⴼⵕⵖ ⴰⵡⴳⴳⴹ ⴷ ⵓⵎⵎⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵙⵏⵉⵎⵎⵉⵔⵖ ⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

ⵉ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ: ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ, ⵙⴰⵔⴽⵓⵏ ⴱⵓⵍⵙ.

ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵍⵖⵍⴰⵎⵉ.

“ⵉ ⵜⵙⵖⴷⴰ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵀⵉⵏⴷⴰⵡⵉⵜ ⵜⴰⵣⴳⴳⵯⴰⵖⵜ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵣⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ “ⵙⵙⵉⵢⴰⵟⵍ” ⵓⵎⵉ ⴷ ⴷⵡⵍⵏ ⵣⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵥⵙⵙⴰⵔ: ⴷⵉⵀⴰ, ⵜⵎⵎⴰⵍ ⵙ ⵓⴹⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵛⵉⵀⴷ, ⵜⵔⴰ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⴷ ⵜⴰⵣⴳⵣⴰⵡⵜ ⵜⵓⴼⵍⴰ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⴽⴽⵙⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ ⵏⵏ!”.

ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⴰⴷⵉⵛ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴳⵍⵓⵥⵜ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ. ⵖⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⴷⵄ ⵖⴰⵔ ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵉⵜⵜⵛⵛⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ, ⵡⴰⴳⴳⴰ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵉ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵔⵎⵙ ⴰⵙⵙⵓⵏⵖ. ⵜⵙⵖⴰ ⴳⴰⵄⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵓⵔⴰ ⵉⵊⵊ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵏⵜ.

ⴱⴰⴱⵍⵓ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ

ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵜⵔⵉⵥⵥ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⵄ ⵙ ⵓⵏⵎⵖⵓⵔ ⵏⵏⵙ ⴳⵄ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵥⵥⵉⵎⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ.

ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵢⵏ. ⴰⵍ ⵢⵡⵎⵉⵢⴰⵜ: ⵜⴰⵙⵖⴰⵔⵜ 2

(...)

“ⵏⵥⵥⵉⵎ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ, ⵏⵙⵙⴼⴷⵓ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ. ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵏⵇⴰⵃ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ”.

ⵉⵡⵙⵔ ⴰⵏⵖ ⴰⵎⵙⵎⵍ ⵏⵏⵖ, ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ. ⵥⵥⴰⵇⵏ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵉⵔⵉⵥⵥ ⵣⵣⴰⵢⵏⵖ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵖⴰ ⴷ ⴰⵎⵙⵎⵍ ⵏⵏⵖ ⵡⴰⵀⴰ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵕⴱⵃ. ⵏⵜⵜⵎⵓⵏ, ⵏⵜⵜⵏⵏⵟ ⴰⵥⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴰⴹⴹⴰⵕ. ⵉⵙⵏⵡⵊⵉⵡ ⴰⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⵉⴼⵍⵍⴰⵃⵏ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ. ⵏⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⴱⴷⵀⵉⵛⵏⵜ ⵙ ⵜⵣⴷⵓⴳⵉ. ⵏⵙⵡⴰ ⴰⵜⴰⵢ, ⵏⵙⵙⵖⴷⵓ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵕⴱⵃⵏ ⴰⴹⴹⴰⵕ. ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵏⵖ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵜⵙⵔⵜⵉⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴳⵎⴰ ⴷⵉ ⵓⴱⵔⴳⵎⵎⵉ ⵏ ⵎⵓⵍⴰⵢ ⵄⴰⴱⴷ ⵍⵃⴰⴼⵉⵟ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵉⵡⵛⴰ ⴰⵏⵖ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵅⴼ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⴹⴹⴼ ⵎⵓⵍⴰⵢ ⵄⴰⴱⴷ ⵍⵃⴰⴼⵉⵟ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⵣⵉ ⵔⴰⴽⴰⵎ. ⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵉⵙⵙⵓⵊⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜⵉⵛⵍⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵎⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵥⴷ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⵎⴰⵔⵛⴰⵏ, ⵅⴼ ⵓⵇⵓⵃⵉ ⵏⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵏⵄⴰⵡⴷ ⴰⵙ ⵜⵃⴰⵏⵉⵜ ⴰ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵏⵖ: “ⵡⴰⵀ ⴷ ⵜⴰ, ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⴰ, ⵜⵓⵖⴰ ⴽⵏⵏⵉⵡ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵣⴳ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵙⵙⵏⵏ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏ ⵔⵎⵅⵣⵏ ⵏ ⴼⵇⴰⵏⵕⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵏ. ⴽⵏⵏⵉⵡ ⵜⵙⵙⵏⵎ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⴳⴳⵉⵎ ⵛⴰ ⵛⵛⴰⵏ”. ⵏⵜⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ, ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵜⵉⵃⵓⵊⴰ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙⴼⵔⴰⵃⵏⵜ ⴰⵏⵖ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵃⵓⵊⴰ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵏⵖ: “ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍⵎ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵏⵏⵟⵏⵉ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⵓⵔⵏⵖ «ⵜⵔⴰⵎ ⵡⴰⵢ», ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⴳⴳⵓⵔⵎ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵉⵟⴰⵇⵏ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵍⵎⵍⵉⵃ.” ⵓⵎⵉ ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⵏⵖⵔⴰ ⵏ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷⵉ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ. ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⴷⴰⵜ. ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵏⵥⵥⵉⵎ ⵛⵉ ⵏⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵄⵎⵎⴰⵇⵕ.

1

ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ

ⵜⴻⵖⴰ ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵅⵛⵛⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴷ ⵜ ⴰⴼⴰⵖ ⵉⵎⵎⴻⵜ.

ⴳⴳⴻⵔⵖ ⵖⴰⵔⵙ, ⵜⵣⵓⴻⵔ ⴰⵢⵉ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⵉⵏⴻ. ⵕⴻⵃⵖ ⵙ ⵜⵣⵣⵡⴰ ⴻⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⵜⵉⵡⵉⴼⴻⵏ ⵣⴳ ⴻⵙⴳⵏⴰⴼ. ⵀⵓⵉⵖ ⵏⵟⵟⵓⵖ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵡ ⵖⴰⵔ ⵟⵟⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵉⵏⴻ, ⵜⴻⵖⴰ ⵜⴱⴷⴷ ⴷⵉ ⵜⵖⵎⵔⵜ ⵏ ⴻⴱⵔⵉⴷ. ⴻⵣⵣⵡⵖ ⵎⵉⵏ ⵣⵎⵔⵖ ⴷⴳ ⴻⵏⴷⴰⵀ. ⵜⵜⴻⵖ ⴻⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⴱⵢⴰⵙ ⵏ ⵔⴰⵎⴰⵏ, ⵜⵍⵉ ⴰⵎ ⵡⴱⴷⴰ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵡⴰⵢⵜ ⵜⴰⵄⴼⴼⴰⵏⵜ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⴰⵢⵉ. ⵜⵜⴻⵖ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵓⴽⴽⴷⵖ ⵎⴰ ⵖⴰⵔⵉ ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵟⵟⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⴷⵉ ⵊⵊⵉⴱ ⵏ ⴻⵇⴱⴱⴻ ⵉⵏⴻ ⵏⵉⵖ ⵡⵡⴰ.

ⵣⵉ ⵜⴱⴻⵔⵊⵜ ⵏ ⴻⴳⴳⴰⵎ ⵍⵙ ⴷⴳ ⴻⵙⴳⵏⴰⴼ, ⵜⵜⵓⴰⵔⵉⵖ ⴰⵊⵍⴰ ⴷ ⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴻⵔ ⵥⵕⵉⵖ ⵜⴰⵢⵢⴻⵜ ⴰⵎ ⵜⵍⵉ ⵉⵥⵕⵉⵖ ⵜⴻⵢⵡ ⴷⴳ ⴻⵊⵍⴰ ⵍⵉ ⵢⴻⵄⵡⴰⵏ, ⵜⴻⵖⴰ ⵜⴻⵜⵜⵃⵍⴰⵇ. ⵉⵙⴳⴳⵯⴷ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵓⴰⵔⵀⴰⵜ ⵍⵙ. ⵅⵣⵔⵖ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ ⵍⵙ, ⵉⵔⴰⵖⴰ ⵢⵉ ⴷ ⵙ ⴻⴹⴰⴹ ⵍⵙ ⵏ ⵛⵛⵉⵀⴷ ⴰⴼⴻⵙⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵇⴰⵕⴱⵖ ⵖⴰⵔⵙ. ⴻⵛⴰ ⵕⴻⵃⵖ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵀⴻⴷⴷⵉⵖ ⵙ ⵉⵙⴻⵔⵉⴼⵏ ⵉⵏⴻ, ⵣⵣⴻⵖ ⴰⵇⵢⵢⴻⵄ ⴷⵉ ⵜⵎⴻⵔⵜ. ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵉⵙⵙⵉⵓⵡ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵢⵉⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵡⴰⵢⵜ ⵜⵎⵖⴰⵔ ⵙ ⵜⵍⴻⴼⵔⴰ, ⴰⵎⵍⵉ ⵉⵍⴻⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴷⵉ ⵕⵇⵀⵓⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵡⴱⴷⴰ ⵉⵙⵙⴰⵓⴰⵡ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵙ ⵡⵃⴱⴱ, ⵉⵊⴱⴷ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ, ⵉⵜⵜⵍⴹ ⴰⵖⵉⵡ ⵍⵙ ⵅⴼ ⴻⵇⵢⵢⴻⵄ ⵉⵏⴻ ⴻⵛⴰ ⵉⵙⴰⵓⴰⵡ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵡⴰⵢⵉⵏ ⵍⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⴻⵔ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵏ ⵛⵉ ⵃⴷⴷ. ⵡⴱⴷⴰ ⵉⵙⵙⴰⵓⴰⵡ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴰⵎⵍⵉ ⵅⴼ ⵓⴰⴽⴻⴷ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵉ ⵉⵙⵙⵄⴷⴻ ⴷⵉⵍⵉ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ. ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⴻ ⴷ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⴱⵔⴰⴽ ⴷ ⵎⴻⴷⵉⵡⵢⴰⵏⵉ ⴷ ⴰⴱⴻⵡⵉⵏⵉⵔ ⴷ ⵊⴰⵏ ⴽⴻⴽⵏⴻ ⴷ ⵀⵉⵎⵉⵏⴳⵓⴰⵢ ⴷ ⵙⴽⴻⵜ ⴷ ⴼⵉⵜⵣⵉⵊⵉⵕⴰⵡⴷ ⴷ ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⴻⴱ... ⴷ ⵓⵉⵍⵉⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵍⵛ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴻⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵖ ⵓⴰⵡⴻ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵏⴻⴼⴼⵔ. ⵉⵜⵜⴳⴳⵯⴷ ⵣⴳ ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ ⵍⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵓⴰⴹⴻ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵏⵀⵣⵣ. ⵓⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵍⵉ, ⵏⵛⵛ ⵡⴱⴷⴰ ⴹⴼⴼⵕⵖ ⵜ, ⵜⵜⵓⵇⵇⴰⵔⵖ ⵜ ⵅⵎⵉ ⵉⵙⴽⵙⵉⵓ ⴰⴱⴱⵉⵔⵀ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵓⴰⵡ. ⵜⵜⴰⵊⵊⵉⵖ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵓⵡ ⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵓⵇⵜ.

ⵉⵎⵎⴰⵍ, ⵉⵙⵙⵍⵎⴰⴷ, ⵉⵙⴼⴳⴳⴰⴷ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ, ⵉⵜⵜⵎⵄⴰⴹⴰⵇ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵔⵉⵄⵄⴰ ⴰⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⴽⵜⴰ ⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵜⵓⴳⵜⵏ ⵉⴽⵜⵜⴰⵢⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ... ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⴰⵎⵙⵖⵎⵣ ⴷ ⵔⵎⵇⴰⵏⵉ ⴷ ⵓⵎⵍⵍⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴹⵚⵚⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵇⵎⵎⴰⵕⵚ ⵎⴰ ⵢⵓⵏⵓⴹ ⴷⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵅⵓⵎⴱⴱⵔ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ, ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵄⵄⵉⵎ ⵉⵜⵜⵇⴰⵡⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵉⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴽⵜⵜⴰⵢⵏ. ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵙ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵇⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵏⵖⵔⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵏⵥⵕⵉ ⵄⵄⴰⵇ.

ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ, ⵉⵔⴰ ⵙⵏⵏⵊ ⴷⵉ ⵡⵉⵙ ⴽⵕⴰⴹ. ⴷⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵉ ⵔⵀⵔⴰⵛ ⵏ ⵡⵓⵍ ⴷ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ. ⵉⵙⵔⴰⴳ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴷⴰⵔ, ⵉⵃⵚⴰⵕ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ, ⵉⴽⵙⵙⵉ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵄⴰⵎⴰ ⵏ ⵓⵎⴰⴹⵓⵏ ⴷ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵏ ⵓⵣⵣⴰⵍ ⴷ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ, ⵉⵎⵔⵓⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏ ⵔⵎⵇⴷⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵙⴰⴼⴰⵔ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏ ⵓⴽⴼⴼⴰⵢ ⴷ ⵡⴰⵍⵓⴳ ⵏ ⵓⵄⵢⵢⴷ ⴷ ⵓⵖⴰⵏⵉⴱ.

ⵜⴰⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵔⵉⵡ, ⵜⵏⵏⵓⵕⵥⵎ, ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵅⴼ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵓⵙⴳⵏⴰⴼ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴳⵏⴰⵔⵏ ⵉⵡⵔⴰⵖⵏ, ⵓⵥⵖⵏ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⴰⴷⵉⵔ ⵉⵙⵙⵓⵍⵍⵙ, ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⴹⵀⵕⵏ ⴷ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵃⵏⵢⵉⵏ ⴷ ⵓⵥⵥⴰⵍ ⵏ ⵙⵙⴽⵜ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⴷ ⵜⵙⴽⴰ ⴷ ⴰⵥⴰⵢⴽⵓ ⵏ ⵉⵊⴰⵕⴷⴰⵎⵢⵢⵏ. ⵜⵓⵜⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⴷ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵜⵙⵇⵇⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴱⴷⴷⵏ, ⵜⵓⵢⵍ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⴰⴹⴰⴼⵜ, ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵜ.

ⵙⵙⵓⵇⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵜⵙⵓⵎⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵇⵎⵎⴷ, ⴰⴷ ⵉⵅⵏⴼⴰ.

ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵜ ⵥⵕⵉⵖ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴱⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⴰⵡⴰⵍⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ.

ⵓⵔ ⴳⵣⵉⵔⵖ ⵛⵉ ⵎⵍⵉⵃ ⴷⴰⵢⵙ, ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵙ ⵜⵖⵏⵏⴰⵏⵜ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⵍⵏ ⵡⴰⵀⴰ. ⵉⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴰⵡⴰⵍ ⵓⵙⵉⵏ ⴷ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⴰⵎⵄ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵏⵉⵖ ⵓⵙⵉⵏⵜ ⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵄⵢⵢⵓⵇ ⵜⴰⵍⵖⵉⵡⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵉ ⵉⵜⵜⴼⵖⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵏⵀⴰⵛ ⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵎⵏⵏⴰⵡⵜ.

ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵏⴳⵔⵇⵖ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⴱⴱⵜⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵔⵢⴰⵣⵜ ⴷ ⵚⴱⴰⵕ. ⵜⵜⵙⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵄⵄⵙⵏ: "ⵓⵔ

ⵅⴰⴼⵉ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵛⵉ ⵙ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴽ ⵏⵏⵉⵖ, ⵊⵊⵉⵖ ⵖⵓⵔⴽ ⵜⴰⵖⵍⵉⴼⵜ ⵉⵏⵓ ⵛⵛⴽ, ⵜⵡⵛⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⵔⵄⴰⵀⴷ …” ⵓⵛⴰ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴷ: “ⵜⵜⵣⴰⵡⴰⴳⵖ ⵛⴽⴽ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⵍⴼⴷ ⵙ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⵉⵏⵓ, ⴰⴷ ⵜⴳⴳⴷ ⵊⵊⵀⴷ ⵏⵏⴽ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙⵏⵜ…” (ⵢⵓⵙⵓ ⵛⵡⴰⵢⵜ) ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ?». ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵔⵎⵉⵙⵖ ⵛⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⴼⵍⵍⵉⵖ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵙ ⵜⵏⵏⵓⴼⵔⴰ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵙⵙⴷⵃⵉⵖ ⵙ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵔⵓⵇⴰⵕ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵥⵥⵉⴷⵥ ⴰⵢⵉ. ⴳⴳⵉⵖ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵉⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⴱⵓⵔⴰⵢ ⴷⵉ ⵔⵊⵢⵓⴱ ⵏ ⵜⵛⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵏ ⵢⵉⵔⵎ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ, ⵓⵛⴰ ⴷⴷⵓⵖ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵄⵔⵎⵖ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵖ. ⴰⴷ ⵔⴰⵖⵉⵖ ⵅⴼ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵙⵙⵏⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵓⵊⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵃⴷⴰⵊⵊ ⵉ ⵡⴰⵏⴷⵔ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵄⵔⵎ ⴰⵏⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⵙ ⵏⴳⴳ ⵔⴳⵏⴰⵣⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ, ⴰⴷ ⵉⵏⴷⵔ ⴷⵉ “ⵎⵔⵛⴰⵏ”, ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵎⵏⴰⵡⵜ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎⵢⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⵉⵏⵓ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵄⵔⵎ ⴰⵎⵙⵅⵏⴰⴼ ⵥⴷⴰⵜ.

ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵔⵓⵖ, ⵀⵡⴰⵏ ⴰⵢⵉ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⵀⵛⵖ ⴷⴳ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵏⵏⵉ. ⵡⴰ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⴷ ⴰⵖⵕⵉⴱ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵃⴷⴷ ⵥⵉ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⵔⴰⵖⴰ. ⵔⵓⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵙⵜⴰⵀⵍⵍⵏ ⵜⵏ ⵍⵡⴰⵍⵉⴷⵉⵏ. ⵜⵏⵏⵉ, ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉ ⵅⴰⴼⵉ ⵀⵡⵏⵏ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⵏⵛⵛ, ⵏⴷⵀⵖ ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵅⵥⵥⵔⵖ ⴰⵖⵉⵔⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⵓⵄⵍⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵜⴰ, ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⴷⵔⴰⵙ ⴰⵎ ⵜⵉⵏⴳⵓⵍⵉⵏ. ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⵉⵎⵙⴱⴹⵉ ⵛⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵏⴳⴰⵔⵓ, ⵓⵔ ⵉⵇⴹⵉ ⵛⵉ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵥⴳ ⵉⵎⵥⵥⵓⵢⵏ ⵉⵏⵓ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵜⵄⵕⴰⴱⵜ ⵏⵏⵙ ⵍⴼⵓⵚⵃⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ. “ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵎⵎⵜ ⵜⵜⴰⵎⴰⵔⴰ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵜⵜⴰⵎⴰⵔⴰ ⵢⴰ ⵜⵎⴰⵔⵔⵜ ⴰⵢⵉ ⵡⵃⴷⵉ. ⵙⵄⴷⵓⵖ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ: ⵙ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵉⵏ ⴷ ⵜⵙⵄⵄⴰⵜⵉⵏ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⴰ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉⵖ ⴰⵎⵏ ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ. ⵏⵛⵛ, ⵏⵀⵣⵎⵖ ⵛⴽⴽ ⴷ ⵜⵔⵏⴰⵡⵜ ⵏ ⵡⵓⵎⴰⴽ!”.

ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⴰⵍⵍⴰⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵉ, ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⵓⵎⵖⴰⵔ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⵙⵙⵔⴽⵜⵉ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵜ ⵢⴰⵔⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵓⵜⵜⵓ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵙⵔⴰⵢⵉⵏ ⵏⵛⵛ, ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵃⵙⴰⴱⵖ ⵜⵜ ⵖⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ ⵏ ⵜⴹⵚⴰ ⵡⴰⵀⴰ, ⴷⴰⵢⵙ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵙⵔⴰⵢⵉⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵉⵡⵜⴰⵏ ⵡⴰⵀⴰ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵣⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏⵏ ⵉⵡⵙⵙⵓⵔⴰ ⵅⵎⵉ ⵎⵖⵖⴰⵔⵏ ⵓⵔ ⵜⵜⵙⴰⵍⵉⵏ ⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ, ⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵓⵅⵏⴰⵔ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ, ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵣⵕⵉⵖ ⴰⵡⴽⴽⴷ ⵏⵏⵉ, ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⴰⵎⵛ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵏⵛⵛ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵓⵣⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵙ ⵏⵏⵉⵢⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ,

ⴻⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵢⵢⴰⵙⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⵅⵎⵎⴻⵎ ⵓⴰⵀⴰ, ⵜⴻⵖⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵢⴰⴼⵜ ⵜⴰⵔⵃⴰ ⵣⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ!.

ⵜⵜⵓⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵢⴱⴷⴰ ⴱⵢⴰ ⵜⴻⵔⴷⴰ, ⴻⵔ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⵡⴰ ⴰⴷ ⴰⴼⵉ ⵉⵙⵙⵇⵏⵃ ⵓⴰⵀⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⴼⵉ ⵉⵛⵛⴰⵔ ⵙ ⵜⵢⵢⴰⵙⵜ ⵍⵙ. ⴻⵛⴰ ⵉⵓⵛⴰ ⴼⵉ ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⵍⵙ ⵙ ⵉⵃⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ ⴷⴰⴼⵙⵏ ⵜⵉⴷⵉ, ⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵏ, ⴷⴰⴼⵙⵏ ⵜⵉⵏⵇⵇⵉⴹⵉⵏ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵉⵔⴰⵔ ⵙ ⵜⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⵍⵉ. ⵥⴻⵕⵖ ⵜ ⵙ ⴻⵥⴻⵕⵉ ⵉⵇⵇⵙ ⵅⵃ ⴻⴼⵏⴰⵔ ⵍⵙ ⴻⵃⵉⵖ ⵜ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⵚⵎⵉⴹ. ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵓⵙⵙⴰⵔ ⴷⴰⴼⵙ ⵜⴰⵖⵍⴰⵏⵜ, ⵉⵃⵟⵟⴰ ⵅⵃ ⴻⵎⵙⴻⵎⴻⵡ ⵍⵙ. ⵔⵅⵣⵔⵜ ⴷⴰⴼⵙ ⵜⴻⵜⵜⵙⵅⴼⵉⵇ ⴰⵎ ⵛⵉⵏ ⴻⵃⵢⵉⵎ ⴷ ⴰⵎⵉⵚⵕⵉ ⵙ ⴻⵛⵎⵢⴰⵢ ⴷ ⴻⴱⴰⵔⴽⴰⵏ.

ⵉⵙⵙⵃⴷⴻ ⵎⴻⵡⵎⵎⴷ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ. ⴻⵛⴰ ⴷⴳ ⵓⴻⵙⵙⴰⵏ ⵍⵙ ⵉⵏⴳⴳⴻⵔⴰ ⵉⴷⵓⵢ ⵉⵜⵜⵉⵇⵇ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵜⵍⴹⵉⵏⵉ ⵜⴳⴳⴻⵔⴷ ⵖⴰⵔⵙ. ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⴻⵔ ⵉⵅⵎⵎⴻⵎ ⴱⵢⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⴼⴻⵔⴰⵏ ⴰⴷ ⵜ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⴼⵉ ⴰⵏⴹⴰⵓ ⵍⵙ ⴷ ⵓⴰⵔⵊⵃ ⵍⵙ ⵅⵃ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⴼⴻⴷⵔⴻⵙⵏ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴻⵔ ⴼⴰⵔⵔⵉ ⵜⴰⴼⵏⵉⵜ ⵉ ⴼⵉⵅⵃ ⵍⵙ.

ⵜⵜⵙⵇⵙⵉⵖ ⵢⴱⴷⴰ ⵉⵅⵃ ⵉⵏⴻ: ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵍⵉ ⵉⵍⴻⵃⵃⵔⵏ ⴷⴰⴼⵙ? ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ: ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵔⴳⴰⵣ ⵉⵙⵎⴻⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⵓⴻⵢ ⵍⵙ. ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵍⵙ ⴰⵇⴰ ⵜⵏⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⵓⴻⵢ ⵍⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴼⵙ ⵉⵕⵛⴰⵏ, ⴰⵇⴰ ⵜ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵓⴻⵢ ⵍⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴻⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵅⵅ ⴻⵢ ⵍⵙ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵊⵊ ⴷⵉ ⵔⴰⵎⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴱⴻⵇⴰ ⴻⵎⵉ ⵉⵃⵟⵟⴰ ⵙ ⵓⴰⵟⵟⴰⵚ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵢⵢⵉ ⴻⵢ ⵍⵙ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵃⵍⴰ. ⵜⴰⵕⴻⵜ ⵍⵙ, ⴻⵔ ⵉⵜⵜⴰⵓⴹ ⵛⵉ ⵔⵃⵓⵉⵏ ⵉⵣⴷⵉⵅⵏ ⵖⴰⵔⵙ. ⵓⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵍⵉ ⵎⵉⴷⴷⵏ! ⵉⵊⵊ ⵣⵣⴰⴼⵙⵏ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵓⵉⵍⵉⴹⵏⵉ ⵢⴱⴷⴰ ⴰⵔⵔⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⴰⴼⵏⵉⵜ, ⵇⵢⴱⵏ ⵅⴰⵃⵙ ⴰⵓⴰⵢ. ⴰⵔⵏⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⵎⵙⵢⴰⴼⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵛⵇⴰⵏⵜ ⵏⵉⵖ ⴻⵔ ⵛⵇⵉⵏⵜ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵢⴰⴼⵉⵏ ⵜⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ ⵙ ⴻⵎⵀⵔⴷⵃ ⵓⴰⵀⴰ, ⴱⵢⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴻⵣⵢⵢⵉⵃ ⵍⵖ ⴷ ⵓⴻⵢ ⵍⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴻⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵎⴰⵏⴰⵓⴼⵍⵉ, ⵏⵉⵖ ⵏⵜⵜⴻⵜⵜⴻ ⵜ. ⴰⵎⴼⴰ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵢⴱⴷⴰ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵏⵔⵣⵥⴻ ⵎⴰⴼⵎⵎⵉ. ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵙ ⴼⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵍⵙ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵓⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⴻⵜⵜⴷⵓⵉⵢ ⵜⴰⵎⵥⵥⴼⴰⵏⵜ ⵜⴻⵜⵜⵅⵅ ⴽⴻⵔⵛⵉ, ⵜⴻⵜⵜⵙⵓⴹⴹⴰⵕ ⵉⵅⵃ ⵍⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵃⵏⴰ. ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⴻⵔ ⵖⴻⵔⵏⵖ ⴱⴻ ⵜⵉⴷⵜ, ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵢⵢⵉ ⴽⴻⵔⵛⵉ ⵉⴷⵃⵃⴰⵔ ⴰⵙⵢⵅⵏ ⵍⵙ. ⵏⵜⵜⴻⵜⵜⴻ ⴱⵢⵢⵉ ⵔⴰ ⵏⵉⴼⴼⵜ ⴷ ⴰⵅⴰⵎⴰ ⴷ ⵜⵎⵣⵉ ⴷ ⵜⴻⴱⴻⵀⵢⴼⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⵅⵉⵏ ⵍⴹⵉⵏⵉ ⴻⵔ ⴼⴰⵔⵓⵙ ⵛⴰ ⴷⴳ ⴻⵎⵅⵉⵏ, ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵎ ⵉⵣⵢⴰⵏ ⴷ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ. ⴰⵎⴼⴰ ⵏⵛⵛ ⵔⵎⵙⵖ ⵢⴱⴷⴰ ⵅⵎⵉ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⴳ ⴼⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⴷⴷⴻⴽⵢ ⵉⴹⵃⵕ ⴻⵢ ⵍⵙ ⴻⵛⴰ ⵉⵙⵙⴻⵃⵖ ⵉⵜ ⵅⵃ ⴻⴱⵔⵉⴷ.

ⵔⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵛⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵣⴳ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵖ. ⵔⵓⵅⴰ, ⵓⵔ ⵜⵏ ⵜⴷⵛⴰⵔⵖ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵄⵏⵏ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵄⴼⴼⴰⵏⵏ ⴰⵎ ⵉⵟⴰⵏ. ⵍⴱⴷⴰ ⵙⵙⵃⵇⴰⵔⵏⵜ. ⵜⴹⵚⵚⴰⵏ ⵅⴼ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⵅⴼ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵎⵛⵛⴹ ⴷ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⴽⴽⵎⵛⵏ, ⴷ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵀⵡⴰⵏ ⵛⵡⴰⵢ... ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵜⵜⵄⵢⵢⴰⴱⵏ ⵜ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴰⴽⴷ ⵉⵔⴼⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵉⵇⵇⵙⵜ ⴷ ⵓⵢⵣⵣⵉⵎ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵏⵀⵛ ⴰⴽⴷ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ.

ⵏⵛⵛ, ⵏⵏⵉⵖ: ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵛⵉ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴷⵖⵢⴰ, ⵉⵎⵔⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵜ ⵉⴷⵖⵉⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵖⴰ ⵜⴰⵎⵏⵏⴰⵡⵜ ⵡⵃⴷⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵖⴰ ⵉⵀⵏⴰ.

ⵎⵉⵏⵅⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵢⵓⴼⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⵏⴰ ⵣⴳ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⵏ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⴷⴷⵓⵏ. ⵓⵔⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⴷⴰⵀⵏⴷ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵅⴼ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵡⵡⴹ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵙ!

ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴰⴷ ⵔⵎⵙⵖ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵓⵔ ⵉⵙⴱⴷⴷⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵅⴰⴼⵙ. ...ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴰⴳⵉ ⵅⴰⴼⵏⵖ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵏⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵖ!

ⵏⵛⵛ, ⵅⵎⵎⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵉ ⵖⴰ ⵉⴹⴼⵕ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵕⴰⵏⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵊⵊⴰ, ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵥⵕⵉ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵇⴹⵄ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵓⵜⵜⵓ ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⴷⴷⵓ, ⴰⴷ ⵉⴷⴷⵓ ⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵡⴽⴽⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵇⴹⵄ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵛⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵓⵔ ⵉⴼⵔⵔⵣ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵜⵜⵉⵇⵇⴷ ⵃⴷⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵏⵛⵛ, ⵡⵃⴷⵉ ⵉ ⵢⵓⵛⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵉⵊⵊⵏ ⵏ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ. ⵉⵚⴱⴰⵕ ⵉ ⴹⴹⵇⵍ ⵏⵏⵙ, ⵉⵊⵊⴰ ⵜ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵏⵢⵙⵉ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴰⴷ ⵉ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵖ ⵙⵙⵏⵖ ⵣⴷⴰⵜ. ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵙⵎⵎⴰⵍⵏ ⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵏ ⵛⵉ ⵣⴷⴰⵜ.

ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵣⵉⴽⴽ ⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵛⵇⵇⴰ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵢⵉⵏⵉ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⴰⵍⵍⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ

ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵉⵏ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵉⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⵛⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓ ⵛⵉ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵡⵄⵔⵏ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵓⵔ ⵉⵄⵔⵉⵎ ⵖⴰ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⴷⵉⵅⵔ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵏⵊⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵔⴰⵜⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵙⵏⵏ ⵉⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵔⴳⴳⵯⵍ ⴷ ⵖⴰⵔⵏⵖ, ⵏⵉⵖ ⵖⴰⵔⵉ ⴽⵜⴰ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵣⴳ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷ ⵔⵡⵄⴷ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⴰⵍⵓ. ⵎⴰ ⵙ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵇⵇⴰⵄ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵙⵀⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵇⵉ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⴳⴳⴰ, ⵏⵉⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⴷ ⵜ ⴰⵡⵙⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵉⵚⵍⵃ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⴽⵜⵉ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰⵙⴽⵜⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵔⵔⵜ ⵉⵜ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵚⴱⵃ ⵉⵛⵏⴰ.

ⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⴳⵕⵣⴰⵡⵜ ⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⴰⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵃⵓⵢⵣ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⴰⵎⵏ ⵉⵔⴰ ⵓⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵢⵓⵛⴰ ⵙ ⵓⵃⵓⵢⵣ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕⵏ, ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⵉⵏⵛⵛⴰⴷⵏ. ⵉⵊⵏ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵓⵃⵓⵢⵣ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵓⵔⴰ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⴷ ⵉⴳⴳⵓⵔⵏ!

ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵢⴰⵔ ⵜⵓⴼⴼⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⴼⵇⴷ ⵖⵉⵔ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵔⵣⵎⵏ. ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⴷⵉ ⵜⵏⵣⵔⵓⴼⵜ ⵏ ⵓⴷⴼⵍ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵉⵔⵖⵉⵏ. ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵜⵉⴳⵓⵔⵉⵡⵉⵏ! ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙⵉⵜⵎ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵇⵇⵏ ⵢⵓⵢⵍ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ... ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵢⵙⵉⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵎⵏⵓⵙ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⴰ ⵎⴰⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⴷ ⵉⵏⵇⴰⵔⵏ ⴷ ⵎⴰⵏ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵉⵎ ⵉⵜ ⵉⵏⴷⵀⵏ ⵖⴰⵔⵉ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⴰⵢⵉ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵙⵀⵡⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵉⵛⵇⵉ ⵢⵉ ⵛⴰ, ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵉ ⴱⵓ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵉⵙⵎⵓⵏⵏ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ. ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵉⵏⵓ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵖ ⵛⵉ ⵡⵏⴷⵖ ⴰⴷ ⵀⵡⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵢⵙⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵖⴰ ⵚⴰⵔⵖ.

ⵓⵎⵉ ⵡⵛⵉⵖ ⴰⵙ ⵔⵄⴰⵀⴷ, ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵙ ⵓⵎⵀⵔⴷⴼ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵙ ⵔⵄⴰⵀⴷ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⴷ ⵇⴰⵕⴱⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴼⴰⵡⵜ! ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵡⵛⵉⵖ ⵣⴷⴰⵜ ⴳⴳⵓⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⴷⵄⵇⵖ ⵉⴼⵔⵉⵡⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵔⵉⵖ ⵄⴰⴷ ⴰⵇⴰ ⵉⵢⵉ ⴰⵎ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵉⵏⵓ, ⵉⵇⵔⵉⵏⵏ ⵉⵏⵓ ⵏⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵛⴰⵕⵕⵀ ⴰⵙⴰⵜⵓ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵏⴽⴽⵕⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵏⵛⵛ, ⴰⵎ ⵉⵇⵔⵉⵏⵏ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔ ⵏⵔⵎⵉⵙ ⵛⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵟⵟⴼⵏ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ, ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⴰⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵜⴰⵎⵏⵜⵉⵍⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵓⵔ ⴰⵏⵖ ⵉⵛⵇⵉ ⵛⴰ ⵜⴰⵎⵏⵜⵉⵍⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵔⴰ ⵜⴰⵎⵜⵉⵍⵜ ⵏⵏⵉ.

ⵓⵔ ⵣⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵅⴼ ⵓⵙⵜⴰⵍ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵣⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴷ ⵎⴰⵏ ⵢⵓⵔ. ⵎⴰⵛⴰ ⴽⵜⵓⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⵔ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ ⵙ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴷ ⵓⵥⴳⵏ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ, ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵥⴰⵡⴰⴳ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴰⵔⵉⵖ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ. ⵉⵄⵊⴱ ⴰⵢⵉ ⵔⵃⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵃⴷⴰⵊⵏⵜ, ⴰⵎⵏ ⵔⵎⵙⵖ, ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵖⵔⵖ ⵡⴰⵀⴰ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵢⵓⵔⴰ ⵛⵉ. ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵄⴰⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵅ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵙ ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ, ⴰⵎⵏ ⵄⴰⴷ ⵉ ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ. ⴼⵙⵙⵙⵔⵖ..., ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵖⵔⵉⵏ ⵉⵥⵍⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵉⴹⵕⵉⵚⵏ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵎⵖⴰⵔⵏⵜ ⴰⵎ ⵜⵉⵏ ⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵅⵎⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵜⵉⵇⵇⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⵎⵏⵓⵙ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷⵅ ⵉⵥⵍⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ ⵛⴰ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵏ ⵓⵎⴰⵍⴰⵙ ⵉⵛⵏⴰ.

ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⵀⵛⵖ, ⵉⵊⵊⴰ ⵢⵉ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⴷⵅ ⵡⴰⵍⵖⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴳⴳⵖ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ, ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⴰⵔⵉⵖ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⴳⴳⵖ. ⵓⵔ ⵙⵏⵓⴼⴼⵔⵖ ⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵖⵓⵔⵉ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵜⵏⵏⴰⴹⵜ ⵏⵏⵙ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵙⵙⴰⵍⴰⵢ ⵣⴳ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴹⵕⵉⵚ ⵏⵏⴽ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵔⵎⵇⵔⵓⴱ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵥⴰⵡⴰⵔ ⵉⵥⵍⴰⵏ ⵏⵏⴽ! ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⴰⵊⴼⵊⴼ ⵉⵏⵓ. ⵎⵉⵏⵥⵉ ⴽⵜⵓⵖ ⵉⵙⵎⴷ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ: «ⵢⴰⵍⵍⴰⵀ ⴼⵙⵓⵙ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵃⴷⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵖⴰⵙ ⵛⴽⴽ. ⵓⵔ ⵜⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵃⴹⴹⵓ ⵏ ⵉⵏⵛⵛⴰⴷⵏ. ⵛⴽⴽ, ⴷ ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵜⴰⵍⵙⴷ». ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⴰⴳⴳⵯⵊⵖ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵙⵙⵏⵖ. ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵖⴰ ⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⴷⵡⵍⵖ ⴷ ⴰⵙⵎⵖ. ⴰⵖⴰⵏⵉⴱ ⵉⵏⵓ, ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⴽⵔ ⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵥⵍⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⵚⴼⴰⵏ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⵅ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵛⵜⵉ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵎ ⴰⵔⴱⴰⴱ ⵏ ⵓⴱⴰⴽⴰⴹ. ⵅⵎⵎⵖ ⴰⵎⵎⵓ, ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ: "ⵍⵍⴰ!"

ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵛⵉ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵣⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵉⵙⵙⴼⵀⵎ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⵉⵏⵓ, ⵙ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⵉⵏⵓ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵡⵛⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⴷ ⴰⵔⵉⵖ, ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵜⴰⵎⵏ ⵡⴰⵀⴰ ⵅⴼ ⵙⵙⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵔⵉⵇⵖ ⴰⵙ, ⵏⵉⵖ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵉⵏⵓ, ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵙⵙⵉⵏⵖ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵀⵓⴷⴷⵉⵖ, ⵜⵜⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ! ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵜⵅⵢⵢⴰⵇⵖ ⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⴱⵓⵇⵉⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵉⵎⵔⵉ ⵓⵔ ⵔⴰⵊⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵔⵉ ⵃⵙⵏ ⴰⵢⵉ, ⵉⵔⵉ ⴰⵡⵙⵖ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⴰⵎⵏ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵉⵔⵉ ⵉⵙⵙⵏⵇⵙ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵔⵓⵅⴰ. ⵎⴰⵛⴰ, ⴰⵎⵢⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵉ ⵜⵜⴹⵀⵕⵏⵜ. ⵉⵇⵇⵏ

ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵎⵃⴰ ⵣⴳ ⵓⵇⵢⵢⵓⵄ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵛⵔⵔⴳ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴹⴹⵕ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵏⵇⴹⵄ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵏⵏⴼⵙⵔ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ. ⵓⵔ ⵓⴳⵉⵖ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴼ ⵓⵖⴰⵏⵉⴱ ⵉⵏⵓ, ⵓⵎⵉ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ 'ⴱⴱⴰ' ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ 'ⴰⵊⴱⵍⵉ'. ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵔⴰⵖⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵙ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵉⵖ 'ⴱⴱⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ' ⵓⵎⵉ ⵉⵡⵙⴰⵔ, ⵉⵖⵔⴱ ⵅⴰⴼⵙ ⵣⵣⵎⴰⵏ. ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵇⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵇⵙⵉⵖ ⵣⴷⴰⵜ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵔⴰⵖⵏ ⴰⵙ: «ⵟⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ», ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵉ ⵉⵣⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵔⴰⵖⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ: «ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ» ⵏⵉⵖ «ⴰⵎⴰⵔⵉ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ». ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵛⵖⵔ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⵙⵔⴽⵍⴰ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵃⵙⴱⵏⵜ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏ ⵜⵙⵔⴽⵍⴰ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵃⵙⴰⴱ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵉⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ, ⵜⵜⵎⵓⵏⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵉⵜⵜⵙⵙⵏ ⴰⵙⵏ, ⵉⵜⵜⵎⵛⴰⵡⵕ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⵔⴰ ⵙ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⴷ ⵓⵖⵣⴰⵢ ⵏ ⵙⵉⵔⴰⵎⵉⴽ... ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵄⵔⵉⵎ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵎⴰⵡⵀⵉⴱⴰ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉ “ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵓⵥⵕⵉ”, ⵏⵛⵛ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔ ⵡⴹⵉⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵜ ⵉⵅⵙⵙⵏ ⵉ ⵎⵉⵅⴼ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵏ ⵙⵉⵔⴰⵎⵉⴽ!

ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵥⵕⵉⵖ ⵃⴷⴷ ⵣⴳ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵎⵍⵉⵃ ⵅⴼ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴷ ⵓⵖⵣⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⵉⴽⴽⴰⵏ. ⵏⵃⵟⵟⴰ ⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⴼⵙⵔ ⵏⵏⵙ, ⵏⵜⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵙ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵉⵙⴼⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵓⵎⴳⵔⴰⵡ. ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵡⵙ ⵜ ⵙ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵅⴼ ⵓⵏⵖⵎⵓⵙ ⵏⵏⵙ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵙ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⵙⵏ ⵉⵜ ⵖⴰ ⵙ ⵓⵙⵓⵏⵖ ⴷ ⵓⴳⵣⴰⵢ ⵡⴰⵀⴰ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵏⵖⵔⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴹⵕⵉⵚ ⵉⴼⵙⵙ ⵏⵏⵙ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳⴰ ⵜⵙⵔⴽⵍⴰ ⵏⵏⵙ, ⵏⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵉⴽⵜⵜⴰⵢⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵛⵛⵏⵄⵜ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵉ. ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵏⵜⵉⵍ ⵉⵊⵊⴰ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵉⵎⵃⴹⴰⵕⵏ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⵉ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵉⵙⵉⴳⴳⵍⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵇⵢⵢⴰⴷⵏ ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵉ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵙⵔⴽⵍⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⴷⵔⵓⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴼⵙⵔⵏ ⴰⵙ ⵣⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵖ ⵏⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵔⴽⵍⴰ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵉⵜ ⵉⴷ ⵣⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵏⴷⴷⴰⵔ ⴰⵎⵎⵓ.

ⵔⵓⵅⴰ, ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴱⵓⵇⵇⴰ ⴷⴳ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵉⴱⵓⵇⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵓⵎⵉ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⵓⵖ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ ⴰⵎ ⵏⵛⵛ ⴷⵉ ⵜⵔⵉⴷⵉⵔⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ, ⵜⵓⵖⴰ ⵓⵔ ⵉⵅⵎⵎ ⵛⵉ ⵎⵍⵉⵃ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵡⵡⴹ ⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵄⴷⴷⵓⵏ ⴷⵖⵢⴰ. ⵣⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵉⵜⵜⴽⵍ ⵅⴼ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ

ⵖⴰⵔⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵓⴰⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵓⵜ ⴷⴳ ⴻⵊⵍⴰ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ ⵉⵜⵔⵉ ⵉⵜⵜⵓⵉⴳⴳⵉⴷ, ⵉⴳⴳⴻⵔ ⴷ ⵖⴰⵔ ⴻⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⵙ. ⵎⴰ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⴽⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴳⴳⵖ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵍⵙ, ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⴻⵖⴰ ⵉⵜⵜⵉⵇⵇⴰ ⴷⴰⴳⵉ ⵙ ⵓⴰⵟⵟⴰⵚ ⴻⵎⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴻⵔ ⵜ ⵄⴰⴷⵉⵖ ⴷ ⴻⵎⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴻⵔ ⵜⵜⵚⴹⵉⵖ ⵅⴰⴼ ⵓⴰⴼⵔⴰⴽ ⵍⵙ, ⵏⵉⵖ ⴻⵔ ⵜⵜⵓⵇⵇⴰⵔⵖ ⵉⵢⵜⵜⴰⴽⵏ ⵍⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⴻⵖⴰ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⴻⵄⴰⵓⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ. ⴻⵔⴰ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⴽⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵔⴳⴰⵣ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⴽⵎⵎⵉ?

ⵉⵜⵜⵖⵉⵡ ⴰⴽ ⵜⴰⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏ ⴱⴷⴷⴻ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴳⴼ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵜⴻⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⴷⴳ ⵓⴰⵢⴻⴷ ⵍⵙ. ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵜⴰⵎⵣⵣⴽⴰⵏⵜ ⵣⵉ ⵜⵓⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵍⵉ ⴷ ⵉⵃⴷⴷⴻⵏ ⴷⵖⴽⴰ ⵟⵟⴰⵓⵏⵜ ⴻⵛⴰ ⵜⵜⵓⴹⴹⴰⵕⵏⵜ ⴷⵖⴽⴰ. ⵉⵜⵜⵓⴰⵔⴰ ⵉⵓⴷⴰⵏ ⵙⵓⵉⵏⴳⵉⵎⵏ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⴷⵡⵉⵙ ⴳⴼ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙⵏ ⵅⵎⵉ ⵇⵇⴰⵕⵏ ⵛⵉ ⵏ ⴻⴷⵡⵉⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⴽⵙⵏ ⴳⴼ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⴷⵖⴽⴰ ⵜⵜⴻⵜⵜⴻⵏ ⵜⴰⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵍⵉ, ⵙⵎⵃⵏ ⴷⴰⴽⵙ, ⵔⵙⵀⴰⵏ ⴰⵢⴷ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ ⴷ ⵉⵎⴳⴻⵎⴱⴰⵔ ⴰⵢⴷ ⵔⵎⵃⴰⴽⵏ ⵍⵙ. ⵃⴰⵛⴰ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴷⵉ ⵜⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵉⵜⵜ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ ⴻⵔ ⵜⵡⵡⵉ ⵛⵉ ⵖⴰ ⴷⴳ ⴻⵡⴳⴼ ⵍⵙ ⵓⴰⵀⴰ. ⵜⴻⵖⴰ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵍⵙ ⵉⴼⵔⵣ, ⵉⵎⵜⵏ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵜⴰⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵍⵉ ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵍⵙ ⴷ ⴽⵉⵡⵙ ⵍⵙ.

ⵜⴻⵖⴰ ⴽⴻⵎⵏ ⴳⴼ ⴻⵅⵏⴼⴻⴼ ⵍⵙ, ⴷⵉ ⵜⴹⵚⴰ ⵍⵙ ⵉⵙⵅⵔⵔⴰⵇⵏ ⴱⵡⵡⵉ ⵜⴰⵓⵏⴳⵉⵎⵜ ⵍⵉ ⵜⴻⵊⴰⵔ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵍⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵅⴽⴽⵉⵇ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵡⵡⵉ ⵉⵄⴷⴻ ⵅⴰⴼⵙ ⵕⵇⴰⵏ ⴷ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵓ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⵓⴰⵀⴰ ⴻⵔ ⴷⴰⴽⵙ ⵉⴳⴳⵉ ⵓⴰⵡⴻ. ⵉⵍⴰ ⴽⵉ: ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴱⵡⴰ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⴻⵔⴰ ⴷⵉ ⵔⵎⴻⵜ. ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵓⴰⵓⴰⵡ ⴰ ⴻⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵄⴰⵓⴰⴷ ⵉⵜ ⵉ ⵓⵉⵍⵍⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵙⵡⵡⴰⵏ ⵖⴰⵔⵙ. ⵓⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵍⵍⵉ, ⴽⴻⴳⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⴽⴰⵔⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⴽⴰⵔⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴷ ⴽⵉⵔⵉ. ⵜⴻⵖⴰ ⴱⴻⵀⵡⴽⵖ ⵙ ⴻⵅⵎⵎⴻⵎ ⴻⵛⴰ ⵙⵏⴳⵔⵄⵖ ⵜ ⵙ ⴽⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵙⵇⵙⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵓⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵖⴰⵔ ⴽⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵉⵙⵀⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ: ⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜ ⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵙⵙⴻⴼⴼⵖⵖ ⵜⴰⴼⵇⵇⵃⵜ ⵍⵙ ⴷⴳ ⴻⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ ⵣⴳ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⴻⵏ ⵏⵛⵛ ⴻⵔ ⵜ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⵛⵉ, ⵣⴳ ⴽⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴻⵔ ⵜⵜ ⵥⵕⵉⵖ ⵛⵉ. ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵜⴻⵖⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵎⵃ ⴷⴰⴽⵙ? ⴻⵛⴰ ⵉⵅⴽⴽⵇ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵅⵎⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⴻⵎⵉ ⴽⴻⴳⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵟⵟⴼ ⴰⵙⵙⴰⵖ. “ⵛⵢⵢ, ⵜⵙⵙⴰⵓⴰⵡⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵓⴰⵡ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⵓⴰⵀⴰ...”, ⴻⵛⴰ ⵙⴱⴷⴷⵖ ⵜ: “ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵙⵙⴰⵓⴰⵡ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓⴰⵙⵡⵡⴰ!...”

ⵔⵅⴷⵍⵍⵉ, ⵜⴻⵖⴰ ⵜⴱⴷⴰ ⵔⵎⴻⵜ ⵜⴹⵀⵕ ⴳⴼ ⴻⵅⵏⴼⴻⴼ ⵍⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵕⵊⴰ ⵣⵣⴰⴽⵙ, ⵉⵣⵓⴰⵔ ⵜ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵙⴻⵊⴷ ⵉ ⵜⵉⵛⵡⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⴻⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵃⴷⴷ ⵎⴰⵏⴰⵓⴽⵍⵍⵉ ⴷⴳ ⵓⴰⵢⴻⴷ

ⵏⵏⵙ. ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⵀⴰⴷ ⵉ ⵔⵎⵙⵖ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⵄⴷ ⵓⵙⵙⵓⵊⴷ ⵏⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⴳⴳⵯⴷⵖ ⵜ ⵉⵢⵓⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ, ⵔⵉⵖ ⵅⴽⴽⵔⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵔⴳⴽⵔⴰⵜ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⴰⵏⴰⵎⵥ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⴽⴽⵔⴷ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵀⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⴷ ⵀⴰⴷ ⴰⵄⵉⴷⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵎⵔⵓⵙ ⴳⴼ ⵓⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⴰⴹⵟⵓ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ. ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵡⵉⵔⵉ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵢⵓⵛⵉ ⴽⴽⴰⵢⵙ ⵓⵎⵉ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ ⵉⴼⵙⵓⵙ.

ⵔⵓⵅⴰ, ⵏⵛⵛ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⴼⵔⵃⵏ. ⵅⴽⴽⵔⵖ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵙⵀⴷⴰ ⵏⵏⵙ. ⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⵏⵎⵎⴰⴷⴷⵓⵜⵏ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⵖⵢⴰ ⵙ ⵓⵎⵇⴰⵔⴷⴼ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵉⵜⵜⴰⴽⴽⵍ. ⵓⵛⴰ ⵎⵄⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⴽⴽⴰⵢⵏⵖ ⵉⵀⴰⵡⴷ ⵉ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⵜⵉⵙⵀⴷⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵛⴰ ⵉⵀⴷⵓ.

2

ⴷⴳ ⵓⵙⴳⵏⴰⴼ

ⵓⴼⵉⵖ ⵜ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⵏⴰⴼ, ⵉⵙⵢⵓⵔⴰ ⵄⵛⴷⵙ, ⵉⴷⵥⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⵙⵓ ⵍⵙ, ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵡⵉⵏ ⵢⵉⵣⴽⵢⴰⵏ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵍⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴱⴷⴷⵖ ⵅⴼ ⵜⵡⵥⴰⵏⵏ ⵓⵇⴷⴷⵓⵛⵏ ⵜⵏⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵉⵕⵣ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵉⵎⵙⴰⵔ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵄⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⵄⴰ ⵣⴳ ⵓⵃⴷⴷⵉⵙ ⵏ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴼⴽ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵣⴳ ⵄⴰⴷⴰⵏ ⵍⵙ. ⵓⵡⴰ ⵉⵏⴹⵓ ⴰⵏⴹⴰⵄ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵄⵛⴷⵙ ⵓⵡⴰ ⵉⵀⵄⴰ ⵙ ⵥⵛⵙⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵙⵀⵄⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵡⵉⵏ ⴰⵔⵄⴰⵇ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⵙⵜ, ⵢⵓⴷⴼ ⴷⴰⵢⵙ, ⵉⵃⴷⵓ ⵙ ⵜⵣⵣⵥⴰ ⵉⴷⵄⵥ ⵖⴰⵔ ⵓⵃⴷⴷⵉⵙ ⵏ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ.

ⵜⴱⴷⴷ ⵜⵎⵙⴳⵏⴰⴼⵜ ⵍⵉ ⵜⴰⵟⴱⵛⴰⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵙⴷⵉⵙ ⵏ ⵇⴰⵎⴰ ⵍⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ. ⵜⴳⵔⴰ ⵜⵉⵎⵙⵥⴰⵢⵉⵏ ⵍⵙ ⵜⴳⴳⵉ ⵜⵏⵜ ⴷⴳ ⵢⵉⵡⵜ ⵏ ⵜⵅⴰⵏⵡⵜ ⵏ ⵡⵡⴰⴽ. ⵜⴹⴼⵟ ⴰⵙ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵍⵙ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜ ⵙⵓⴼⵔⵜ ⵓⵡⴰ ⵜⵄⵡⴰ ⵢⵉ ⵜⵏ. ⴳⴳⵉⵖ ⵔⴳⴹ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵄⵜ ⵉ ⵣⵉ ⵢⵓⴷⴼ ⴷⵉⵍⵉ. ⵏⵡⵡ, ⵜⵄⴰⵊⴰⴱⵖ ⵜⵜ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵣⵎⵔⵖ ⵅⴼ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵍⵙ. ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵏⵀⴰⵔ ⵍⵙ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵥ ⵍⵙ ⴷ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵉⵏ ⵍⵉ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⵔⴳⴷⵍⵉ.

ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴳⵣⵣⵔⵖ ⴷⴳ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵉⵎⵓⵜⵏ, ⴰⵅⵎⵉ ⴳⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵏⴷⵔⵖ ⴷⴳ ⵓⵣⵥⵥⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵉⵄⴹⴹⴰⵕ ⵉ ⵥⴱⴷⴰ. ⵄⴰⴳⴳⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜ, ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⴳⵎⵉ ⵉⵃⴰⴷⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ. ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵜⴹⵟⴰ ⵍⵉ ⵜⴰⵎⵇⵇⵕⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵄⴰⵏⵡⵓⵡⵏ ⵍⵙ ⵉ ⵛⵏⵇⵏ, ⵜⴰⴹⵟⴰ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵜⴼⴰⵛ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵓⵡⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵎⴰⵏⴰⵛⵙⵏ. ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵃⵎⵎⴰⵕⵟ ⵓⵔ ⵥⵥⵉⵏⵜ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵍⵙ ⴰⵎⵍⵉ ⴼⵔⵣⵏⵜ ⴳ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ, ⴰⵎ ⵄⴰⵙⵙ ⵍⵉ. ⵥⴱⴷⴰ ⴰⴳⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵢⵓⵣⵖ, ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵜⵜⴱⴰⵏ ⵄⴰⵥⵓ ⵛⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕⵏ ⵅⴰⴼ ⵉⵖⵙⵎⵉⵙⵏ ⵙ ⵓⴳⵉⵢⵢⵇ ⵍⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵄⵓⵥ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰ ⴰⵔⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵜ, ⵎⴰⵡⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵃⵎⵎⴰⵕⵟ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵡⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵔⵎⵓⵜ ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵣⵕⵉⵖ ⵎⵓⵛⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵊⴰⵔ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ.

ⵣⴷⴰⵜ ⴳⵡⴰⵙⵜ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⴷⴰ, ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵡⴱⴱⵉ, ⵉⵜⵜⵡⵕⵕⴰⴷ ⵅⴼ ⵔⵄⴰⵀⴷ. ⵎⵉⵏ ⵜⵄⵍⴰ ⵔⵎⵓⵜ? ⵎⴰ ⴷ ⵜⵉⴳⴽⵉ ⴰ ⴷⵖⵙⴰ? ⵏⵉⵖ ⴷ ⵜⴰⵅⵇⵥⴰⵡⵜ ⴰ ⵜⴰⵏⵅⵅⴰⵔⵓⵜ? ⵏⵉⵖ ⴷ ⵙⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⴱⴱⴰⵃⵜ ⴷ ⵜⴰⴳⵎⴽⴰⴽⵜ ⵜⵎⵖⴰⵔ? ⵜⵊⵊⴰ ⴰⵎⴳⵏ ⴷ ⴰⵎⵚⵚⵇⵏ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳⴰⵔ ⴱ ⵉⵖⵓⵙⵙⴰⵏ ⵓⵔⴰ ⴱ ⵙⵉⵎⴹⴹⴰⵡⵏ. ⵉⵜⵜⴳⴳⴰⵔ ⵃⴰ ⴱ ⵙⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴱⵖⴷⵉ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓⵍ. ⴰⵜⵜⵓ ⵍⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵟⵓⴳ ⴷⵅ ⵓⵥⴽⴽⵉⴼ ⵉⵟⴷⴷⴰ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵙⵏ ⵓⴳⴰ ⵉⵜⵜⵎⵖⴰⵇ ⴰⵕⴷ ⵡⵓⴱⴱⴰⵏ. ⵎⴰ ⴱ ⵜⵉⴷⵜ ⴷ ⵣⵎⴰⵏ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵕⵕⴱⵏ ⵕⵓⵔⴳⵉ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⴱⵄⴷⴰ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵕⵕⴱⵏ ⵕⵓⵔⴳⵉ? ⵎⵓⵃⴰⵔ ⵎⴰ ⴱ ⵜⵉⴷⵜ? ⵜⵍⵉ, ⴷ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴱⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⵍⵓⵎⵏ ⵜⵜⵅⵅⵏ ⵜⵜ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵅⵥⵥⵉⵏ ⴰⵥⵇⵓ ⵏ ⵜⵉⵏⴷⴰⵔ ⵉ ⵖⴰ ⵥⵥⵏⵥⵏ.

ⵜⵉⴱⵄⴷⴰ ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏⵜ ⴷⴷⴰⵔⵏⵜ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵟⴰⵟ ⵍⴱⵏⵜ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴱⵉⵡⴽⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⴱ ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵙⴰ ⵡⴰⵀⴰ. ⵄⵎⵎⴰⵇⴻ ⵓⵔ ⴷⴰⵅⵉ ⵉⵅⵙⵙⵚ ⴳⵉ ⴰⵎⴳ ⴷⴰⵅⵉ ⵜⵅⵙⵙⵚ ⵔⵎⵓⵜ ⵍⴱ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⵏⵅⵔⵄⵖ! ⵓⵔ ⴱⴱⵉⵏⵖ ⵎⴰⵙⵎⵎⵉ ⵜⵎⴱⵟⴻⴰ ⵔⵎⵓⵜ ⵏ ⵙⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⵕⴽ ⵅⴼ ⵡⵍⵉⴻⵏ? ⵉⴳⵜ ⵜⵚⵚⴱ ⴰⴹⴹⴰⴻ, ⵉⴳⵜ ⴳⵡⴰⵙⵜ ⵡⴰⵀⴰ! ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵔⵎⵓⵜ ⴷ ⵉⴳⵜ, ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴷ ⵏⴳⴳⵉⵏ! ⵓⵔⴰ ⴷ ⵔⴰⴷⴰⴱ ⵍⵖ ⵖⴰⵔⴱⵏ ⵅⵎⵉ ⴷⴷⴰⵔⵏ ⵉ ⵉⴱⴱⴰⴷⴰⴱⵏ ⴰⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⵔⵎⵓⵜ ⵍⴱⵏ? ⵏⵉⵖ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⴳ ⵏⵜⵜⵉⵔⵉ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴱⴽⴰ ⴰⵏⵖⵎⵉⴱ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ. ⵎⴰⴳⴰ ⵏⴳⴳ, ⵎⴰⵙⵎⵎⵉ ⵅⵅⵯⴷⵖ ⴰⴹⴹⴰⴻ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ? ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴳⴰ ⴷ ⴰⵚⵔⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ ⴳⵉ ⵏ ⵜⵎⴱⴽⴰⵙⵜ ⵜⴱⵔⵎⵓⵏ ⴰⵏⵖ. ⵓⴳⴰ ⴱⵙⴰⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵙⵉ ⵜⴰⵅⵇⵥⴰⵡⵜ ⵅⴼ ⵙⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵕⵓⴷ ⵓⵔ ⵜ ⴱⵄⴷⵓⵖ ⴳⵉ ⵎⴽⵉⵃ. ⵎⴰ ⴷ ⴳⵉ ⵍⴻⵏⵉ ⴰⴽⴰⵎⵉ ⴱⵙⴰⴼⵖ ⵏⴷⵔⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴱ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵍⴱ. ⵏⵉⵖ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱ ⵙⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⴱ, ⴱ ⵜⵅⴽⴰ ⵍⴱ ⴷ ⵔⵅⴰⴻⴰⵇ ⵍⴱ ⴷ ⵜⵓⴱⴱⵏⴰ ⵍⴱ ⴷ ⵜⵎⵅⴱⴰ ⵍⴱ ⴷ ⵜⵔⵊⵉⵏ ⵍⴱ ⴷ ⵓⴱⵀⵉ ⵍⴱ ⴷ ⵜⴱⵄⴷⴰ ⵍⴱ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵍⴱ ⴷ ⵔⵡⵃⴷⴰⵏⴳⵜ ⵍⴱ ⵓⵎⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵙⴰ ⵉ ⴱⵙⴰⴼⵖ ⴱ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵉ ⴷⴰⵙⵉ ⵉⵅⵅⵉⵏ ⴰⵎⵓ.

ⵉⵅⴱⴱ ⴰⵙⵉ ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵓⵖ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵅⵉ ⵉⵍⴰ ⴷⵅ ⵡⴰⵎⵎⴰⴱ ⵏ ⵡⴰⴱⴱ ⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⴽⴽⵉⵖ ⵏⴳⴳ ⵜⵜⴱⴽⵉⵖ ⵉ ⵜⵡⵉⵏⴱⵜ ⵍⴱ ⵜⴰⵏⵅⵅⴰⵔⵓⵜ. ⵉⴹⴹⴼ ⴷⵅ ⵙⵉⴻⵓⴻⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴱ ⵊⵊⵀⴷ: "ⵉⵚⴻⴰ ⴰⴼⴽⵉⵎ ⴰ ⵟⵟⴰ ⵃⴰⴱⴰⵏ? ⵏⴳⴳ, ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⴱⴰⴽⵉⵖ ⵣⵉ ⴱⴱⵉⵏⴰⵇⵙⵓ!" ⵓⴳⴰ ⵔⵎⴱⵖ ⵜⴰⴼⵚⵚⵃⵜ ⵍⴱ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵏ ⵡⵓⴱⴱⴰⵏ ⵍⴱ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵡⵡⴻ ⴳⴰ ⴰⴷ ⵙⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⴱⴱ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⴱ. ⵓⴳⴰ ⵅⵅⵉⵖ ⵟⴱⴱⵔⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⴱ ⵅⵅⵖ ⵔⵖⴰⵇⴰⴻ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴷⴰⵙⵉ ⵉⵜⵜⵉⵚⵚ, ⵅⵅⵉⵖ ⴰⴹⴹⴰⴱ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵍⵓⵎ ⵣⵥⴰⵙⵉ ⴽⵟⴷⴰ ⵜⵜⵅⵅⵖ ⵜ ⵉ ⵓⵕⵜⵜⴰⵙ ⵍⴱ ⴷ ⵜⴱⵄⴷⴰ ⵍⴱ. ⵡⴳⵉⵖ ⵔⵄⴰⵀⴷ ⵉ ⵙⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵅⵖ ⵜⵉⵣⵎⴰⵔ ⵉⵏⵓ ⴰⵕⴷ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵡⵉⵏ ⵍⴱ ⵉ ⵙⵉⵊⵊⴰ ⵖⴰⵔⵉ. ⴱⵡⵉⵏⵅⵎⵖ ⴱ ⵜⵉⴷⵜ ⴷⵅ ⵡⴰⴱⵜⴽ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⵔⵜ ⵍⴱ. ⴱⵚⵏⵄⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⵔⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵃⴰ ⴱ ⵎⵉⵏ ⵏⴱⴱⵄⴷⴰ ⴰⵕⴷ ⵡⴰⵙⴰⵡⵙⴰ ⴷⵅ ⵓⴱⴰⴽⵉ ⵏ ⵔⵚⵀⵡⴰ ⴷⵉ

ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⴽⵓⵙⵎⵓⴱⵓⵍⵉⵜⵉⵢⴰ[1]. ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵜⵡⵟⵟⴰ ⵜⵃⴰⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵖ ⵎⴽⵓⵔ ⴰⵙⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵜⵜⵓ ⴷ ⴰⵔⵅⵓ ⵏⵉⵖ ⴰⵙⵎⵃ ⵏ ⵜⵎⵙⵓⵜⴰⵍ ⵉ ⵉⵜⵜⴰⵎⵔⵔⵏ ⵅ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ, ⵓⵔ ⵣⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵖ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⵍⴱⴷⴰ.

ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵎⵙⴰⴼⴰⴹⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵓⵎⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⴳⴳⴰ ⴰⴽⴰⵍ ⴷⴳ ⵓⵎⴹⵍ ⵏⵏⵉ, ⵉⵃⴰⵣ ⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵓⴳⴰⴷⵉⵔ ⵏ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵏⴷⵔⵉⵏ ⵏ ⵎⵔⵛⴰⵏ, ⵣⵉ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵙⵉⴳⴳⵯⵊⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵓⵇⵙⵙⴰⵔ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵅⴼ ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵉ ⵏⵏⵉ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⴰⴳⴳⵯⵊ ⵏⵏⵉ, ⵊⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⵔⴰ ⵏⵏⵓⵎⵖ ⵜ, ⴳⴳⵉⵖ ⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴽⵓⵔⵎⵉⵙ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵏⵉⵖ ⵔⵡⵍⵖ ⵣⵉ ⵜⴳⴳⵯⴷⵉ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵊⵊⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵏⵉⵖ ⴰⵡⵓⵔⵉ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵡⵓⵔⵉ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⴳⵡⵉⵏ. ⵔⵏⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵓⵎⵉ ⵔⵀⵉⵖ ⴷⴳ ⵉⵙⵍⴰⴽⵏ ⵏ ⵜⵏⵎⵍⵉⵏ ⴷ ⵉⵙⵉⵏⴰⵏ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵜ ⵉⴹⴼⴼⴰⵕⵏ.

ⵓⴷⴼⵖ ⵉⵙⵍⴰⴽⵏ ⴰⵎ ⵢⵉⵏⵏⴹⵏ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵃⴷⴷ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵢⵓⴷⵉⴼ ⴷⴰⵢⵙ ⵙ ⵜⵎⵓⴽⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵓⵙⵓⵔⵙ ⵏ ⵜⵏⵄⴰⵛⵉⵏ. ⵏⵉⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵊⵊⵏ ⵔⵄⵉⵣⵣ ⴷ ⵜⵢⴰⵔⵙⵜ ⵡⴰⵀⴰ ⴰⵎ ⵏⵛⵛ. ⵏⵉⵖ ⵜⵜⴰⴼⵏ ⵜⴰⵎⵏⵜⵉⵍⵜ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵅⴷⵎⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⵍⵎⴷ. ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ, ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵍⴰⵏ ⴰⵙⴰⵍⴰⴽ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⴰⵙ ⴰⵣⵎⵉ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⴳⴳⴰ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵍⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ. ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⴼⴷ ⴷⵉ ⵔⵊⴱⵓⴱ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵢⵓⵊⴰⵔⵏ ⵜⵥⴰ ⵏ ⵏⴽⴰⵡⵉ, ⵉⵏⵎⵓⵍⵍⴰ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⴰⴳ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ, ⵉⵔⴱⵃ ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵉⵔⴱⵉⵃ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ!.

ⵣⵣⵄⴰⵎⵜ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵙⵇⵇⴰ, ⵡⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵓⵛⴰ ⵔⴰⵖⴰⵏ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ. ⵙⵙⴷⵃⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵓⵣⵣⵍⵏ ⵅⴰⴼⵉ, ⴰⵎⵛ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵍⵎⵅⵣⵏ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵣⴳ ⵓⵙⴱⴷⴷⵉ ⴷ ⵔⵃⴱⵙ ⴷ ⵔⵃⴽⴰⵎ ⵅⴼ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⴰⴳ. ⵏⵛⵛ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵙⵙⵉⵡⵍⵏ ⴷⴳ ⵓⵖⵎⵉⵙ ⵙ ⵔⵀⵎⵎⵜ ⵓⵔ ⵍⵍⵉ ⵖⴰ ⵏⵛⵛ ⵔⴰ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⵢⵢⴰⵏ ⵢⵓⴷⴼ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⴷⵓⵙⵜⵓⵔ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵔⵎⵅⵣⵏ ⵉⵙⵙⵃⵇⴰⵔ ⵉⵜⵏ, ⵉⴹⴼⴼⴰⵕ ⵉⵜⵏ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵛⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⴰⴳ. ⵓⵔ ⵓⴷⵉⴼⵖ ⵛⵉ ⵔⵃⴱⵙ ⴰⵎ ⵢⵉⵏⵏⴹⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵡⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⵉⵏⵓ, ⵜⵙⵎⵃ ⴷⴰⴳⵉ ⵡⴰⵡⴰⴽ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵅⴰⴼⵉ.

1 ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⴹⴰⵏⵊⴰ.

ⴰⴽⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⴱⴷⴷⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵔⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵄⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ, ⵉⵔⵉ ⵉⴹⵚⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⴷ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵉⵏⵓ. ⵔⵓⵅⴰ ⵉⴹⵚⵚⴰ ⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⵡⴰⵍ ⴰ. ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵣⴰⵔⵖ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ, ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⴹⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵏⵉⵖ ⵉⴽⵜⵜⵓ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵖⵎⵎⵣ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵉⵟⵟ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴰⵔⵔⵏ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⴽⴷ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⵉⵜⵜⴹⵕⵄ ⴰⵢⵉ, ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ: ⵀⴰ ⵏⵛⵛ ⴰⵡⴹⵖ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉⵏⵓ! ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵀⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⴳ ⵓⵎⴳⵓⵎⴱⵔ ⵓⵔ ⴰⵙⵏ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⵍⵃⵙⴰⴱ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⴽ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ, ⴰⵊⵊ ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ ⵏⵏⴽ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⵉⵎⴳⴳⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴽ.

ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⵏⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵉⵊⵊ ⴰⵅⴰⴼⵙ ⴹⵚⵚⴰⵏ. ⵍⴱⴷⴰ ⵔⴳⵣⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵅⴼ ⵢⵏⵏⴹⵉ. ⴰⴽⴷ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵓⴽⵣⵏ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵏⵙ, ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⵉⴷⵡⵍ ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵃⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵖⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵡⵙⴰⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵉⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵔⵚⵎⵉⴹ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵇⵎⵉⵊⵊⴰⵜ ⵜⴰⵛⵎⵍⴰⵍⵜ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵉⵚⴱⵃ, ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⴼⵙⵓⵙⵏ ⵅⴼ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ. ⵜⴰⵖⵏⵏⴰⵏⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⴰⵢⵙ, ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⵃⴷⵙ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⵜⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵇⵇⴷ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ ⴷⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵎⵏⵖⴰⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⵍⴰⴱⵢⵉⵔⵄⴽⵓⵍⴰ ⵅⴼ ⵢⵉⵍⵍ ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⵃⵎⵎⴰⵙ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⵍⵃⴰⴼⴰ. ⵔⴰ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵍⴱⴷⴰ. ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵎⵍⵍⴰⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⵛⵛⴱ ⵅⴼ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵉⴹⵚⵚⴰ. ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵔⵎⵙ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ, ⵉⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵉⵣⴰⵡⴰⵔ ⵉⵜ ⵙⴰⵄⵉⴷ ⵛⵓ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵇⵔⵉⵏ ⵏⵏⵖ, ⵢⵓⵔⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵙ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵢⵓⵔⴰ. ⵉⵃⵙⴱⵉ ⵉⵜ ⵣⴳ ⵉⵎⴰⵔⴰ ⵏ ⵉⴳⴰⵔⵔⵉⵇⵏ. ⵉⵣⴰⵡⴰⵔ ⵉⵜ ⵓⵎⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⴼⵙⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⴹⵚⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵕⴰⵊⴰⵏ ⵖⴰⵔⵙ. “ⵏⵜⵜⴰ, ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵙ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵓⵔ ⵢⵓⵔⴰ ⵖⴰ ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵉⴱⴷⴷⵍ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵛⴽⴽ ⴰⵎ ⵜⴰⵇⵏⵉⵏⵏⵉⵜ! ⵎⴽⵓⵔ ⴰⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵜⵙⵙⵓⴼⵓⵖⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵉⵖⵔⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ”. ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⴽⴷ ⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵢⵏ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵙⵙⵓⵄⵍⴰⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵛⵛ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵖ, ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵎⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⵍⵎⴷ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⴽⴽⵔⵀⵖ ⴰⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵜⵜⴰ ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. “ⵛⴽⴽ ⵄⴰⴷ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ, ⵍⵎⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⵜⵙⵇⴰⵔⵏ ⴷ

ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵙⵍⵍⴰⵏ. ⵅⵣⵔ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴽ ⵢⵓⵔⴰⵏ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵛⴰ!”. ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴹⵚⵚⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵄⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ: “... ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵄⵉⵎⴰ ⵛⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵙⵇⴰⵔ”. ⵓⵛⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵏⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵉⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵖ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⵉⵎⵔⵉ ⵉⵄⵡⵍ ⵉⵎⵔⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵉ ⵢⵓⵔⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⵃⴰ ⴰⴷ ⴹⵚⵚⴰⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵢⵙⵉⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⵙⵓⴳⴳⴰⵏ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ: ⵉⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⴷ ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ ⴷ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵉⵏⵓ, ⵉⵎⴰⵔⴰⵏ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵓⵎⵥⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ ⴷ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⴼⵓⵊⵜ ⵏⵏⵙ, ⵙⵎⵔⵔⵙⵖⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵙ ⵓⵇⵎⵎⵓⵎ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵎⵓⵎⵎⵉⵙ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ, ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵏⵀⵣⵣⵉ ⵛⵉ ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ.

ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵍⴰ ⵉⵖⴰⴱ. ⵏⵛⵛ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵊⴱⴱⴷ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⵎⴰⵔⴰ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ, ⵉⵅⵙⵙⴰ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵢⵓⴷⴼ ⴷⴰⵢⵏⵖ. ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵏⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵖ ⵉⵏⵏⴰ ⵣⴳ ⴰⵙⵙⴰⵖⴰⵡⵏ ⵜⵜⴹⵚⵚⴰⵏ ⴰⵏⵖ, ⵉⵜⵜⵔⴰⵖⴰ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ. ⵏⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵏⴽⵙⵙⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵖ. ⵏⵛⵛ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ, ⵜⵓⵖⴰⵢ ⵜⵜⵅⵙⵖ ⵜ, ⵜⵜⴳⴳⵖ ⴰⵙ ⵛⵛⴰⵏ, ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵉⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵉⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵛⵏⴰⵡ ⵏⵜⵜⴰ, ⵜⵓⵖⴰⵜ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵉⵏⵏⴰ: “ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵜⴰⵙⵍⵎⴰⴷⵜ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏ ⵀⵉⵎⵉⵏⴳⵡⴰⵢ!” ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵉⵖ ⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵊⵊ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵎⴽⵯⵍⵓ ⵉⵊⵍⵍⵓ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵀⵎⵕ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ, ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⴳⵔⴰⵜⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⵥⵍⵍⵉⴼ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ (ⵙⴰⵎⵃ ⴰⵢⵉ) ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵏ ⵊⵓⵔⵊ ⴱⵔⴰⴽ, ⵏ ⴷⵓⵍⵓⵏⵢⴰ, ⵏ ⵅⵡⴰⵏ ⵖⵔⵉ, ⵏ ⵓⵎⴰⴷⵉⵢⵓ ⵎⵓⴷⵉⵍⵢⴰⵏⵉ. ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ: ⵊⵢⵓⵎ ⵓⴱⵓⵍⵉⵏⵉⵥ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵍⵍⵎ ⵅⴼ ⴱⵢⵉⵔ ⵔⵉⴼⵉⵔⴷⵉ ⵏⵉⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴱⵀⵉⵎⵉⵏⴳⵡⴰⵢ ⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵢⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⴰⴽⴷ ⵙⴽⵓⵜ ⴼⵉⵜⵣⵊⵉⵕⴰⵍⴷ... ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵢⵉⵏⴰ ⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵢⵉⵏⴰ ⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ!

ⵜⴰⵃⴰⵊⵉⵜ ⵏ ⵢⵉⵏⴰ ⵜⵎⵖⴰⵔ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵓⵥⵍⵍⵉⴼ ⵉⵏⵓ. ⵉⵡⵄⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⴷ ⵜ ⴰⴼⵖ ⴷⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⵍⴰⴼ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵎⵍⵖⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵏⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ:

“ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵛⵛ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵥⵕⵉⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ... ⴷ ⵓⵢⵥⵉⵎ ⵏ ⵀⵓⵇⴱⴱⴰⵔ: ⴰⴱⵓⵍⵉⵏⵉⵔ!” ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ, ⵉⵜⵜⵥⵡⵉⵖ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ. ⵄⴰⵡⴷ ⵉⴹⵚⵚⴰ ⵜⴰⴹⵚⵚⴰ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⴰⵙ: ⵏⵛⵛ, ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉ ⵉⵥⵕⵉⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⴰⵃⵥⵥⵓⵟⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ! ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵙⵙⵎⵄⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⴰ ⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ.

ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵙⵙⵓⵍⵍⵙ ⵓⵔ ⵜⴼⵔⵥ ⵛⵉ. ⵓⵔ ⵏⵇⴱⵔ ⵛⵉ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵏⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵜ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⵜⴹⵀⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵃⴰⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵏⴰⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵃⴰⵊⵉⵜ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵍⴱⴷⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵡⴰⴼⴹⴰⵍ ⵏ ⴽⵉⵍⵓⵎⵜⵔ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⵜⴹⵀⵕ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵙ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⴳⵣⴰ, ⵉⵚⴼⴰⵏ, ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ.

ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵏⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵏⵖ ⵍⴱⴷⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵔⴱⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵓⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ. ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⵥⵡⴰ, ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴼ ⵡⵏⵏⵉ ⵏⵏⵖ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵡⵙ ⵙ ⵢⵉⵍⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵄⴰⴷⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏⵜ ⵏⵏⵖ. ⴰⵅⵎⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴽⵜⴰⵢ ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵏⵏⵖ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵔⴽⵔⴰⵙⵉ ⵏⵏⵉ ⵎⵉⵅⴼ ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵓⵔ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⵉ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵔⵎⵉⵙ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵏⵖ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵛⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⵉⵏⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⵣⵉ ⵡⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵛⴰ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ ⵉⵅⴷⴰⵔ ⵏⵉⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⴰ ⵉⵙⴱⴹⴰ ⵏⵖ, ⵡⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵎⵉⵏ ⵉⴽⴽⵉⵏ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⵎⴷ ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⴷⴳ ⵉⵙⴳⴳⵯⵙⴰ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵉⵔⴰ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰ ⵅⴼ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵏⵙⵙⵏⴷⴼ ⴰⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵉⵢⵥⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵉⵢⵥⵉⵎⵏ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏ ⵜⴹⵀⵕⵏ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ, ⵍⵍⴰⵏ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵅⴼ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⵙⴳⵏⴰⴼ ⵓⵔ ⵓⴼⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵜⴰⵎⴳⴳⴰⵔⵓⵜ ⵅⴼ ⵓⵢⵥⵥⵉⵎ ⵉⵜ ⵉⵄⴷⵎⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵉⵜ ⵉⵏⵖⵉⵏ.

ⵡⵉ ⵉⵙⵙⵏⵏ, ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⴰⵔⵏⵉⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵜⵜⵓⵖ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵉⵓ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵓⵎⵉ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ. ⵣⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓ ⵏ ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵇⵇⴰⵔ ⴰⵙ ⴰⵏⵎⴰⵍⵍⵓ.

ⵓⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⴰⵎⵍⵍⵉ, ⴰⵎⵣⵔⵓⵢ ⵍⵍⵉ ⵉⵖⵣⴰ ⴷⴰⵢⵏⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵢⵣⵣⵉⵎ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵢⵣⵣⵉⵎ ⵉⵖⵣⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵉⵙⵙⵏⵣⴵ ⵉⵜ ⴰⵀⴰⵎⵉ ⵜ ⵉⵏⵖⴰ. ⵉⵙⵢⴵⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵀⵀⴰⵏ ⵙⵙⵍ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵍⵍⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵎⵉ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴱⵀⴰ ⵔⵙⴱⴰⴱ ⵏⵛⵛ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵀ ⴰⵢ ⴱⵀⵀⵉ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵉⵜⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵡⵀ ⵣⵉ ⵔⵃⵔⵉⵇ. ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵔⵅⵣⵔⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⴹⴼⵕ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⵓⵜⵜⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉ ⵓⵔⵓⴱⴱⴰ. ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵍⵙ. ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⵔⵉⵙⵜⵓⵇⵔⴰⵜⵉⵜ. ⵔⵎⵙⵖ ⴱⵀⵀⵉ ⴰⵎⵙⵅⵣⵔ ⵍⵍⵉ ⵉⵜⵜⴹⴼⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵣⵉ ⵙⵍⵊ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⴷⵉ ⵜⵖⵔⵎⴰ ⴷ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ. ⵙ ⵓⵢⵍⵍⵉ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛ ⴰ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴽⵎⵎⵣ ⵉⴵⴰⵙⵙⵏ ⵍⵍⵙ ⵙ ⵔⴵⵔⵃⵜ, ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴰⵅⵏⴵⵓⴵ ⵍⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ, ⵉⵜⵜⴰⵀⵉ ⵔⵃⵎⵓ ⴷⴰⵢⵙ, ⵉⵙⵙⵓⴵⴵⴰ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵍⵍⵙ ⵙ ⵢⵉⵀⵙ ⵍⵍⵙ, ⵇⵇⴷⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵍⵙ.

ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵍⵍⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴵ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵍⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ. ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵙⵙⵍ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ, ⵍⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵜⵎⵙⵀⴰⵢⵜ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏⵇⵔⵉⵙ ⴷ ⵜⴳⵓⵜ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵃⴰ ⴷⵉ ⵔⴱⴰⵕⵓⴹ ⴷ ⵓⵙⴷⵓⵇⵇⵣ ⴷ ⵓⵎⴱⴷⴷⵔ ⵏ ⵔⵙⵔⴰⵃ!

ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵢⴰⴵⴰⵖ ⵙ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵏⵉⵖ ⵜⵜⴰⴵⵖ ⴷⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵅⵏⴵⵓⴵⵏ ⴰⵔⵡⵙⵏ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴵⵓⴵ ⵍⵍⵙ. ⵏⵉⵖ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵛⵓⵛⵛⴰⵢ ⴰⵎ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵏⵜⵜⴰ. ⵏⵉⵖ ⵄⴰⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵡⵙⵙⴰⵔ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴱⵔⴰ ⵙ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⵊⵊ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵎⵔⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵎⵉⵃ ⴷⵉ ⵜⵎⵥⵉ ⵍⵍⵙ. ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵀⴱⴷⴰ. ⵉⵙⵏⵓⴵⴵⵔ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏ ⵓⵡⵜⴰⵢ ⵍⵍⵙ ⵉ ⵢⵓⵊⴰⵔⵏ ⵙⴰ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵉ ⵉⵙⵡⴰⴹⴼⴰⵕ ⴱⴷⵓⵙ ⵍⵍⵙ, ⵉⵙⵔⵎⵓⵏ ⴰⵛⵡⵡⴰⴵ ⵍⵍⵙ ⵖⴰⵔ ⴷⴵⴵⵉⵔ ⴰⵎ ⴰⵏⵡⵡⴰⵕ ⵏ ⵓⵢⵉⵙ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴵⵉⵙⵜⴰⵜ ⵜⵉⵛⵎⵀⴰⵀⵉⵏ ⴷ ⵜⵇⵎⵉⵊⵊⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵓⵏⴱⴷⵓ ⵜⵉⴱⵔⴱⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵜⵛⵓⵛⴰⵢ ⵏ ⵡⴰⵜⵉⴳ ⴷ ⵜⵙⵎⴰⵇⵇⴰⵀⵉⵏ ⵏ ⵎⵓⴹⴰ ⴷ ⵜⴽⵓⵔⴱⴰⵟⴰⵜ ⵏ ⵔⵃⵔⴰ ⵙⵙⵓⵏⵖⵏ ⵜ, ⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹⵏⵜ. ⴰⴵⵓⵙ ⵍⵍⵙ ⵀⴱⴷⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵏ ⵢⵉⵔⵎ. ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵙ ⵉⵖⴰⵏⵉⴱⵏ ⵏ ⵡⵓⵔⵖ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⴷⴳ ⵉⵀⵓⴳⵏ ⵉⵖⵔⴰⵏ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵍⵍⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵉⵛⴰⵔⵉⴷⵏ.

ⵏⵛⵛ, ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵢⴰⴵⴰⵖ ⵙ ⵡⴰⴹⵓⴵ ⵍⵍⵙ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⴳ ⵓⴵⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⴰⴵⵓⵙⵉ. ⵉⵍⵍⴰ ⵢⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵉⵎⵃⴹ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵙⵔⵙⵜ ⵏ ⵉⵡⵀⴰⴵⵏ ⵏ ⴷⵉⴳⵕ, ⵉⵍⵍⵓⴵⴵⵔⵏ. ⵎⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵍⵍⵉ

ⵜⴰⵛⵎⵃⴰⵃⵜ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⴹⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵍⵙ ⴰⴷ ⵉⵊⵃⵓ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴷⴳ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ, ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵙ ⴷ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⴱⴰⵅⵜⴰⵜ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ. ⵉⵃⵃⵉⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ, ⵜⵍⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔ, ⵜⵡⵡⴹ ⵊⵊⵀⴷ ⵏ ⵔⵎⵔⴰⵛ, ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⵜⴰⵎⵖⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵥⵕⵉ. ⵇⵎⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵉⵎ ⵜⴰⴼⴽⴽⵇⵜ ⵍⴹⵏⵉ ⴷⴳ ⵡⵓⵃ ⵍⵙ. ⵏⵉⵖ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵢⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ. ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵉⴽⵜⵉ ⵇⴷⴷ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵢⵜ ⴽⴽⴰⵄ. ⵎⵉⵣⵉ ⵔⵎⵓⵜ ⵅⵎⵉ ⵜⵅⵛⵛⴰ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵡⵍⵍⵉ ⵖⴰ ⵉⵎⵜⵏ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵇⴷⴷ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵍⵙ ⵉⵍⵓⴼⴼⵔⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵍⵙ. ⵉⵜⵜⴷⴷⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵥⵕⵉ ⵛⵉ ⴽⴽⴰⵄ, ⵓⵔ ⵉⴷⴷⵉⵔ ⴰⵅⵎⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ!

3

ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉⴹⵏ

ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴽ, ⵙⵜⴰⵎⵏ ⴰ ⴱⴱⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ! ⵉ ⴷⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ.

ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⵓⵔ ⵓⵔⵉⵖ ⵡⴰⵍⵓ. ⵓⵔ ⵓⵔⵉⵖ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵛⵛ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵙⵅⵔⵔⵇⵖ ⵛⵉ, ⵃⴰ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵡⴰⵀⴰ, ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵉ ⵉⴼⵔⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ. ⴳⴳⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵉⴷⵔⵓⵙⵏ, ⴳⴳⵉⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵅⴰⴼⵉ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴼⵔⵔⵣⵖ, ⵏⵛⵛ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵙⵅⵔⵔⵇⵖ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵔⴰ ⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⴽⵯⵜⵉⵖ ⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⵙⵅⵔⵔⵇⵖ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰⵅⵔⵔⵉⵇ ⴷ ⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏ ⵏ ⵓⴽⵏⴰⴹ ⴷ ⵓⵅⴷⴰⵄ, ⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵎ ⵓⵅⴰⵔⵔⵉⵇ ⴰ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ, ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ, ⵉⵚⴱⵃ, ⵢⴰⴹⴼ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ. ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⴽⴽⵙⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⴷ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⴷ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ. ⴰⵎ ⵢⵉⵏⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⵙⵅⴰⵔⵔⵇⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ ⴷ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⴷ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ.

ⵓⵔ ⵙⵏⵓⴼⴼⵔⵖ ⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ, ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉⵕⴰⵃ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⴹ ⴷ ⵡⴰⴷⴰⴼ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⵣⵣⵓⵍⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⵅ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵙⵍⵉⵖ ⴷ ⵉⵏⵖⵎⴰⵙ. ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⴷ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵜ ⵄⴰⵀⴷⵖ.

ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴰⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ, ⵉⵙⴽⵜⵓ ⵙ ⵔⵄⴰⵀⴷ ⵉⵏⵓ ⴰⵔ ⵡⴰⵎⵉ ⵙⵙⴷⵃⵉⵖ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ. ⵕⴰⵃⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵏⵏⵙⵏ. ⵄⴷⵓⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⴰⴼⵓⵙⵉ, ⵉ ⴷⴹⵏ, ⵙ ⵙⵎⵓⵙ ⵏ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵛⵛⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵎⵇⵓⴷⴷⵉⵏ. ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ

ⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵃⴰⵣⵏ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵏ, ⵜⵉⵛⴰⵔⵉⴷⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⴼⴼⵔⵖⵏ, ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⴰ ⵙⴰⵔⵃⵏ, ⴷ ⵉⵛⵎⵍⴰⵍⵏ, ⵅⵡⴰⵏ, ⵓⵀⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙⵏ ⵉ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⵜ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵙ ⵢⵉⵣⵓⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴼⴼⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ. ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⵢⵉⵏ ⴰ ⵜⵜⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵏ ⵔⵓⵅⴰ, ⴰⵎ ⵓⵍⵎⴹⴰⴹ ⴼⵙⴰⵔⵏ ⵅⴼ ⵜⵄⵉⵏⴼⵜ ⵏ ⵓⴼⵙⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵙⵄⵙⵉⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴰⵙⵄⵙⵉ ⵉⵏⵓ ⵉⵙⵏⵅⵔⴰⵀⵏ ⵍⴱⴷⴰ. ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⴰⴼⵓⵙ ⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵙ ⵔⵀⴰⵇⴷ, ⵓⵔ ⵜⵇⵏⵉ ⵛⵉ ⵣⵉ ⴷⴷⵄⵔ ⵏ ⵜⵙⵀⴷⴰ? ⵍⴰⴱⵓⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵏⵓ, ⴰⴷ ⵛⵖⵔⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵣⵉ ⵔⵡⵄⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⵙ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵏⵙⵙⵀⴷⵓ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵉⵔⵉⵖ ⵀⴰⴷ ⵓⵔ ⵜⵉⵄⵄⵉⵖ ⵛⵉ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵀⴰⴷ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵏⵓ, ⵀⵔⴰⵃⴰⵔ ⴰⵎⵏ ⵉⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵀⵉⵎⵖ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵉ.

ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵀⴷⵓⵏ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵄⵄⴰⵕ ⵉⵜⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⴰⵙⵏ ⵏⵜⵜⴰⵕⵕⵉ ⵛⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵀⴷⵓⵏ, ⵏⵜⵜⴰⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵖ, ⵙ ⵓⵎⵇⴰⵔⴷⴼ, ⵏⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵢⵙ. ⵓⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⴰⵜⵏⵜ ⴷ ⵅⴰⴼⵏⵖ, ⵏⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵜⴷⵡⵉⵍⵏⵜ ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ, ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵏⵖ ⴰⵎⵏⵓⵙ, ⵜⵓⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⴰⵢⵏⵖ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ, ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵇⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵣⴷⵖ ⴷⴰⵢⵏⵖ, ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵀⴰⴷ ⵉ ⵏⵙⵙⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵖ ⵙ ⵓⵎⵇⴰⵔⴷⴼ .ⴰⴽⵉⴷⵙ.

ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵍⴱⴷⴰ ⵉ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⴷ ⵜⵎⴳⵔⵉⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏ ⵓⵊⵔⵉⵙ ⵏ ⴷⵊⵢⴰⵔⵉ ⵏ ⴷⵓⵊⵊⴱⵉⵔ ⵏ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵉⵀⴷⵓⵏ, ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ, ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵟⵟⵚⵏ ⵣⵉⴽⴽ ⴰⵎⵛ ⵏⵏⵓⵎⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴰⵣⵓⵏⵜ ⵏ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜⵉⵏ ⵉⵙⵄⵏⵉⴹⵏ. ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴷ ⵜⴰⴽⵎⵎⵓⵛⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵄⵉⵏ ⵉ ⵍⵍⵉⵖ ⵍⴱⴷⴰ ⵙⵀⴹⵟⴰⵔⵖ ⵜⵉⵖⵔⵉ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵄⵄⵉⵎⵖ ⵜⵜⵔⴰⵊⵉⵖ ⴰⵔ ⵖⴰⵔⵉ ⵉⵔⴰ ⵔⵡⵄⵜ, ⴰⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵖⴰ ⵉⵔⵉⵄⵄ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵉⵏⵓ, ⵎⴰⵛⴰ ⵔⵡⵄⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵜⵜⵓⵙⵉ, ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵄⵄ. ⵜⵄⵄⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵜⴰⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵎⵉⴽⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵕⵎⴰⴼⵀ ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵉⵙⴷⴰⵡⵏ ⴷ ⵜⵡⵔⵉⵄⵉⵏ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵄⴰⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵉⵜⵜⵡⴰⵅⵎⵎⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵏⵛⵛ, ⴷⵔⵓⵙ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵀⵄⴰⵔⵖ, ⴰⴷ ⴰⵙ ⵅⵣⵔⵖ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⴷ ⵜⵡⴹⴹⴰⵕ ⵣⵉ ⵕⵎⴰⴼⵀ ⵏⵏⵉ ⵉⵢⵓⴷⴼⵏ ⴷⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵕⵃⵉⴹ ⵉⴳⴷⴰⵔ. ⵎⴰⵛⴰ, ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵎⵛⵏ ⵉ ⴷⵉ ⵏⵜⵓⵜⵜⵓ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵡⵔⵉⵄⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵍⵍⵏⵜ ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴷⴷⵓ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⴷ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⴰⵢⵉ.

ⴷⵔⵇⵖ ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⵍⵉ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵟⵟⴰⴱⵄⴰ ⵏ ⵜⵎⴰⵜⵛⴰ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ, ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵜⵏⵜ, ⵙⵖⴻⵔⵉⵖ ⵜⵏⵜ ⵏⵛⵛ ⵓⵃⴷⵉ ⴷⵉ ⵜⵅⵅⴰⵎⵜ ⵍⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵓⵉⵙ ⴽⴽⴻⵥ. ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵉⵃⴰⵔⵎⴻⵛⵏ ⴻⴷⴼⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⴻⵜ ⵍⵙⵏ, ⵜⴰⵎⵟⵟⴻⴹⵜ ⵉⵏⴻ ⵜⵕⴰⵃ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⵍⵉ ⵜⴰⵚⵎⵎⴰⴹⵜ. ⴷⵓⵄⵖ ⵙⵖⴻⵏⴼⵖ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ ⵍⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵙⵎⴹⵄ ⵉⵙⵎⴻⵏ ⴰⵢⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵍⵉ ⵉⵎⵎⴻⵜⵏ. ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵜⵉⵃⴻⵊⴰ ⵏ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ, ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵙⵙⴻⵄⵙⵏⵜ ⵏⵇⵙⵏⵜ, ⴰⵙⵓⵉⵏⴳⵎ ⴷ ⵜⵓⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⴷ ⵓⴰⵓⴰⵄⵏ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⴻⵔ ⵉⴼⵔⵣⵏ. ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ, ⵜⵉⴳⴱⵉⵛⵉⵏ ⵙ ⴻⴽⵕⵕⴰⵊ ⴷ ⵓⵉⵍⵉ ⵏ ⵓⵉⵍⵉⵜⵏ. ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵍⵉ ⵜⴻⵖⴰⵜⵜ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ, ⵜⴰⵓⵏⵖⴰ ⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉ ⵙⵙⵏⵖ ⵙ ⵜⵣⴷⴰⴷ ⵏ ⵉⵙⴽⴽⵉⵄⵏ ⵍⵙ ⴷ ⴻⵙⴻⵏⵖ ⵍⵙ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ. ⴰⵎ ⵄⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴰⵙⵓⴻⵔⵉ ⵍⵙ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⵙⴼⵔⵉ ⴷⴳ ⵉⴱⵔⴳⵎⵎⵉ ⵏ ⴻⵣⵄⵄⵉⴷ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵏⴻⵔⴰⵢⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴼⴰⵇⵇ, ⵉⵓⵓⴹ ⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⵍⵉ.

ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ, ⵏⵛⵛ, ⴷⵀⵛⵖ. ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵙ ⵜⵎⵍⴰⵓⵜ ⵉⵏⴻ ⵜⴻⵜⵜⴰⵄⵉ ⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵜⵕⵣⴳ. ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵉⵏ ⵍⵉ ⴷ ⵜⴽⴰⵕⵟⴻⵏⵉⵏ ⵍⵉ ⵉⵛⵏⵃⵏ ⴷⴳ ⴻⵎⵣⵔⴻⵢ ⵏ ⵜⵙⴽⵄⴰ. ⵎⵎⴻⵜⵏ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵙⵏ. ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵜⵉⵊⵊⴰⵄⵉⵏ ⴻⵔ ⵜⵜⵓⴰⵙⵍⵜ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵜⴰⵔⵓⴰ ⴻⵔ ⵛⴷⵉⵔⵏ ⴰⵎ ⵉⵖⵢⴻⵄⵏ ⴻⵔ ⵙⵙⵉⵍ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵏ ⵔⵏⴷⴻⴷ ⵍⵙⵏ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰⴼ ⵉⵜⵏⵜ ⵃⴰⵣⵏⵜ, ⵙⵙⴻⵄⵙⵏⵜ, ⴻⵔ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵃⴷⴷ, ⴻⵛⴰ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵏ ⴰⵔⵜⵔ ⵕⴰⵎⴱⴻ ⴷ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵏ ⴼⵉⵕⵏⴰⵏⴹⴻ ⴱⵉⵢⵙⵓⴰ ⴷ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵉⵛⵏⵃⵏ ⵏ ⴱⴻⵄ ⴼⴰⵄⵉⵔⵉ. ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵉⵏ ⵍⴹⵏⵉⵜ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵜⴰⵔⴻⵙⵉ ⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⴻⵎⵚⴰⵓⴰⴹ ⵉⵍⴻⴼⴼⵔⵏ ⴷ ⴻⵎⵉ ⴻⵔ ⴷ ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⵄⴽⵉⵏⴰⵏ ⴷ ⵓⵍⵉ ⵜⵏⵜ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵓⴰⵄⴼⴰⵏ ⵍⵙⵏ ⴷ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷ ⵜⴼⵉⴼⵖⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴻⵔ ⵉⵜⵜⵙⴰⵄⴰⵏ, ⵜⵍⴹⵏⵉ ⵃⵔⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵜⵙⴰⵄⴰ, ⵜⵜⵍⴹⵏⵉ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ, ⴷ ⵜⵓⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵜⵜⵓⴰⵜⵜⴻⵏⵜ.

ⵜⵉⵛⴽⴽⴰⵔⵉⵏ ⴰ ⵜⵓⴰⴼⵏⵜ ⵙ ⴻⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵓⴰⵀⴰ.ⴱⵇⴹⵏⵜ ⵙ ⵉⴼⵔⵇⵉⴷⵏ ⴷ ⵜⵉⴹⵉ ⴷ ⵔⵢⴻⴷⵏⵜ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ. ⵏⵉⵖ ⵜⵓⴰⴼⵜⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵓⴷⴰⵏ ⵏⵀⵛⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⵎⴻⵜⵏ. ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵏⵜ ⵏ ⵉⵓⴷⴰⵏ ⵛⵏⵃⵏ, ⵎⵎⴻⵜⵏ ⵓⵃⴷⵙⵏ, ⵜⵓⴰⵀⵎⵔⵏ, ⵊⵊⵉⵏ ⴰⵅⵔⴰ ⵍⵙⵏ ⴰⵓⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙⵏ.ⴻⵛⴰ ⵃⵓⵓⵙⵏ ⵜ ⴽⴽⴻⵙⵏ ⵜ ⵓⵉⵍⵉ ⴻⵔ ⵜⵏ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵃⴷⴷ ⵃⴰ ⵉⵏⴳⵎⴰⵔ ⵉⵎⵉⵖⵉⵙⵏ ⵉⵃⴼⴼⴰⵍ. ⵓⵉⵍⵉ ⵉⵙⵙⵍ ⴰⴷ ⴳⴳⵏ ⵣⴳ ⴻⵥⵕⴰⴹ ⵏ ⴻⵎⴰⵔⵉ ⵉⵎⵎⴻⵜⵏ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵃⴰⵊⵉⵜ ⵜⵍⴹⵉⵏ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⴻⵜ ⵜⴰⵔⵔⴰ ⴷ ⴻⵔⵖ ⴷ ⵜⵏⵃⴰⵛⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ. ⵏⵛⵛ, ⴻⵔ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⴱⵄⵄⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴻⵔⵉ ⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⴻ ⵔⴻⵅⴰ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵓⵔⵉⵇⵉⵏ ⴰⵎ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵉⵏ ⵍⵉ ⵉⵛⵏⵃⵏ ⵏⵉⵖ ⵖⴰⵔⵙⵏⵜ ⵛⵉ ⵏ ⵛⵛⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵕⴰⵏ ⴻⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵏⵛⵛ ⵛⵏⵃⵏⵜ ⵖⴻⵔⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴻⴼⵉⵖ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⴻ ⴷ ⵓⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⴻⴽⴰⵄ ⵍⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⵓⴰⵓⴰⵄ ⵏ ⵕⵎⴰⵃⴻⵎ ⵅⴼ

ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏ ⴷ ‘ⴱⴰⵔⵉⵣ’ ⴷ ‘ⴽⴽⵓⵟ ⴷⴰⵣⵓⵔ’ⴷ “ⵕⵓⵏ” ... ⴷ ⴳⵉ ⵏⵏⵉⴹⵏ.

ⵓⴼⵉⵖ ⵄⴰⵡⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏⴳⴳ ⵜⵜⵅⵙⵖ ⴰⵡⵙⵙⴰⵔ ⴰ! ⵅⴷⵄⵖ ⵜ ⵊⵊⵉⵖ ⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵢⵉ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵡⴰⴽⴰⵍ. ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵉⵇⵍⵍⵇ, ⵉⵅⵢⵢⵇ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ. ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵅⵅⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵔⵃⴰⵔ, ⵉⵇⵏⴹ, ⵓⴳⴰ ⵅⵣⵔⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ : “ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⴳⵉ, ⵏⴳⴳ ⵓⵔ ⴷⴰⴽ ⵜⵜⵓⵖ ⴳⵉ. ⵏⴳⴳ, ⵜⵜⵓⵖ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵀⴰ ⵏⴳⴳ ⴷⵡⵍⵖ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵖⴰⵔⴽ!”. ⵙⵙⵓⵄⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵜⵎⵏ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵣⵣⴰⵢⵉ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⴳⴳ ⵙⵙⵓⵊⴷⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵡⴰⵀⴰ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⴳⵉ, ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵉⵖⴰⴱⵏ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵃⵙⵏ.

ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵖ ⵏⵉⵖ ⵜⵜⴼⴰⵇⵉⵖ ⴷ ⵣⵉ ⴳⵉ ⵏ ⵜⵔⵊⵉⵜ ⵏ ⵓⵣⵉⵔ ⵏⵉⵖ ⵣⵉ ⴳⵉ ⵏ ⵓⴼⵉⵍⵎ ⵏ ‘ⵀⵓⵍⵉⵢⵓⴷ’ ⵉⵙⵙⵃⴷⵓ ⴷ ⵜⵉⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⴳⵡⴰⵢ ⴳⵡⴰⵢ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴱⴷⴷ ⴷⵉⵀⴰ ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⵢⵢⵇⵏ, ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⴰⵎ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⴷⵅ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵙⵙⵏⵖ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰ ⴱⴱⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ! ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⴽ ⵓⵔ ⵜⵓⵖⴰ ⴳⵉ ⴷ ⵉⴳⵜⵜⵉⵃⵏ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴳⵉ ⴷ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⵟⵜ ⵎⴰⵎⵎⴳ ⵎⴰ ⵡⴰⵀⴰ! ⵔⴰ ⴷ ⴳⴳⴽ, ⵓⵔ ⵜⵀⵡⵉⵏⴷ ⴳⵉ ... ⴰ ⴱⴱⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ!. ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵉⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵥⵍⵎⴰⴹ, ⵓⴳⴰ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵉⴼⴰⵊⴰ ⵓⵍ ⵉⵏⵓ. ⵣⵎⵓⵎⵢⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⴼⵔⵃⵖ, ⵕⵥⵎⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵡⴽⴽⴷⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵓⵔ ⵟⵟⵚⵖ ⴳⵉ. ⵏⵉⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵟⵟⵚⵖ ⴰⴽⴷ ⴳⴰ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵙⴷⴰⵀⵏ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⴼⴰⵇⵇⵖ. ⵄⴰⵡⴷ ⵓⵙⵉⵏⵜ ⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⴳⵜ ⵙ ⵢⵉⴳⵜ, ⴰⵎ ⴳⵉ ⵏ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵉⵕⵥⵎ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵓⴳⴰ ⵀⵡⴰⵏ ⴷ ⵜⵉⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵙ ⵓⴳⵎⵍⴰⵍ ⴷ ⵓⴱⴰⵔⴽⴰⵏ ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⵏⵟⵚⵚⴰ. ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⵏⵙⵙⵏⴼⴰⵢ. ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴰⴽⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵟⵏⵉ, ⵏⴳⴳⵉⵏ ⵏⵙⵓⵙⵙ, ⵏⵜⵓⵜⵜ, ⵏⵜⵜⵉⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ, ⵏⵔⴽⴽⵣ. ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴷⵅ ⵢⵉⵍⵍ ⵏ ‘ⵎⴰⵍⴰⴱⴰⵟⴰ’ ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴷⵉ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵢⵉⵖⵔⵎ ⴷⵉ «ⵊⴰⵀⴽⵓⴽⴰ». ⵏⴳⴳⵉⵏ, ⴷⵉ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⴼⵍⴰⵎⵉⵏⴽⵓ ⴷⵅ ⵓⵙⵉⵏⴰⵅ ⵏ ⵙⵉⵔⴱⴰⵏⵟⵉⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴽⴽⴰⵜ ⴷⵅ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵢⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴱⴰⵏⵢⵓ ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵙ ⵅⵅⵉⵜⴰⵕⵕⴰ. ⵉⵜⵜⵥⵓⵕ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵢⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵢⴰⵣⵜ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⵉ ⵙⵎⵓⴽⵉⵏⵅ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⴷⴷⵓ ⴰⵙⴼⵙⵔ ⵏⵏⵙ ... ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵡⵃⴷⵙ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵇⵇⴰⵃ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵙⵏⵏⵓⴼⴼⵔ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⴰ ⵣⵉ ⵔⵎⵃⴰⵢⵏ ⵇⵇⵙⵏⵜ ⴰⵙ, ⵙⵙⵉⵅⵅⵯⴷⵏ ⵜ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴳⵉ ⴰⵎⴳ ⵜⵜⴹⵀⵕ ⴷⵅ ⵉⴼⵍⵉⵎⵏ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ.

ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵀⵡⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵎⵉⵏ ⵅⴰⵙⵏ, ⵜⵜⵃⴽⴰⵎⵏ ⵅⴼ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵍ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⵓⵎⵓⵃ. ⵍⵍⴰⵏ ⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⵔ. ⵜⵃⵙⴰⴱⴰⵏ ⵜ ⴷ ⴰⵊⴱⵍⵉ ⵉⵅⴹⴰ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵢⵓⵙ ⴷ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴷⵔⴰⵔ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⴼⵍ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵇⵏ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵛⴰ. ⵓⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵉⵖⵕⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵉⵖ ⵉⵥⵕⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⴼⵍⵉⵎⵏ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵎⵉⴳⵍ ⵜⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴷⴳ ⵓⴷⵍⵉⵙ... ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵃⴰ ⵅⴼ ⵓⵙⵙⴰⵖ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵡⵃⴷⵙ!: «ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ!» “ⵉⵡⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵡⴰⵀⴰ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵢⵏ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ... !” . (....) “ⵙ ⵓⵢⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵍⵍⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ(....) ⵍⵍⴰ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰ.. ⵉ ⴷⴰⴽ ⵏⵏⵉⵖ! ⵍⵍⴰ ⴰⵡⴷⴷⵉ!”. ...ⴰⵅⵎⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵔⵡⴰ ⵏⵏⵙ. ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴰⵛⵔⴰⵀ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⴰ ⵣⵉ ⵜⵉⵣⵣⴰ ⵏ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ, ⵓⵔⴰ ⵣⴳ ⵉⵅⵓⴱⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵜⵔⵎⵛⵜ ⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵢⵓⴹⵏⵏ, ⵣⴳ ⵡⵓⵍⴰⵡⵏ ⵏⵏⵙⵏ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵍⴱⴷⴰ ⵓⵔ ⵉⵥⵕⵉ ⵛⵉ ⵡⴰⵥⵥⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉ ⵃⴷⴷ.

ⵃⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵔⴰ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵉⵏⵓ, ⵉⵎⵔⵉ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵔⵎⵓⵜ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵙⵙⵓⴼⵖⵏ ⵣⴳ ⵓⵙⵍⵎⴷ. ⵜⵜⴰⵡⵙⴰ ⵢⵉ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⴱⴷⴷⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⴼⵖ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵔⵀⵉⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⴷⴳ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵍⴱⴷⴰ ⵏⵅⵔⵄⵖ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⴽⴽⵔⵙⵏ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵅⴼ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴳⴳⵉⵏ ⵜⵜ ⵅⴼ ⴰⵙⴰⵖⵓⵔⵙ. ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵄⴰⴷ ⵉ ⵔⵎⵙⵖ: “ⵜⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⴰ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵙⵔⵔⵀⵉ ⵛⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⵜⵓⴷⴼ ⴷⴰⵢⵉ ⴷⴳ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⴷ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ. ⵓⴼⵉⵖ ⵔⵄⵛⴰⵛ ⵉⵄⴼⴼⴰⵏⵏ ⴷ ⵉⵅⵓⴱⴰⵔ ⵏ ⵉⴼⵉⵖⵔⴰⵏ. ⵔⵎⵙⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵀⵡⵏ ⴰⵃⵔⵓⵊⵊⴹ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ”!

ⴰⵎⵓⵜⵉ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ ⵣⵉ ‘ⵔⴰⵙ ⵙⴱⴰⵔⵟⵉⵍ’ ⵖⴰⵔ ⵉⵖⵣⴰⵔ ⵏ ⴰⴱⵉ ⵔⵇⵔⴰⵇ, ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵓⴳⴰⵔⵓ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵓⵜⵉ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵣⵣⵎⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵢⵔⴰⵡ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙⵏ. ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⵛⴽⴽ ⵍⴱⴷⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ, ⵃⵟⵟⴰⵏ ⵛⴽⴽ, ⵃⵟⵟⴰⵏ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⴽ, ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⴽ, ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⴽ. ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉⴷ ⴷ ⵛⴽⴽ, ⵛⴽⴽ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵛⴽⴽ, ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵅⵙⵙⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵛⴽⴽ, ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⴷ ⵛⴽⴽ, ⵛⴽⴽ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏ!

ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵕⵥⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵏⴷⴷⴰⵎ ⵜⴳⴳⵔⵓ ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⵉⵙⴽⴰⵏⴷⴰⵔⵉⵢⴰ, ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⴱⴰⵢⵔⵓⵜ, ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⴰⵜⵉⵏⴰ, ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⴼⵉⵏⵉⵜⵙⵢⴰ, ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵇⴼⵔ, ⵜⵔⵡⵙ ⵃⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵏⵜⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵡⴰⴽⴰⵍ. ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵜⵏⵀⵥⵥⴰ, ⵜⵜⵕⵥⵥⴰ ⵔⵅⴰⵄⴰⵕ. ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴳⴳⵯⵊⴷ ⵢⵏⵏⵄⵏⵉ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⵜⵜⴷⴷⵔⴷ. ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵃⴰⵣⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⵅⴼ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⵜⵜⴷⴷⴰⵔⴷ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵄⵓ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⴷ ⵉⵎⵙⵍⵎⵏ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵢⴰⴼⴰⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵀⵡⵉⴷ ⵣⵉ ⵙⵏⵏⵊ ⵏ ⵜⴽⴰⵕⵄⴰ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵜⵀⵡⵉⴷ ⴷⴳ ⵓⵃⴱⵓⵄ ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⴷ ⵙⵏⵏⵉ, ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵣⵣⵉⴷⵊⵉⵣ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵢⴷⵉ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⴳⵓⵢⴰ.

ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴰⵎ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⵜⴰⵇⵔⵣⴰⵣⵜ, ⵜⵙⵙⵓⵍⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵉⵔⵡⵉ ⵔⵃⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵓⵜⵜⴷⴷⵔⴷ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⴰⵎⵛ ⵜⵍⵍⵉⴷ ⵜⵓⵜⵜⴷⴷⵔⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴱⵍⴰ ⵛⵉ. ⵙ ⵜⵏⴹⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⴱⵍⴰ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ. ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵙ ⴷⵔⵓⵙⵜ ⵏ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ ⴰⴷ ⵜⴳⴳⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴽ. ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ ⵉ ⵜⵓⵛⴷⵇⴰ ⵡⴰⵀⴰ. ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵉ ⵜⴰⵣⵣⵍⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵔⵃⴽⴰⵎ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵎⵛⵉⵏ ⵉⵃⵟⵟⴰⵏ ⵜⵉⵏⴹⴰⵛⵉⵏ. ⵡⵏⵏⵉ, ⴷ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵉⵏⵓ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵎⵔⵉ ⵇⵇⴰⴹ ⵓⵔ ⵣⴷⵖⵖ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⵢⵓⴳⵓⵔⵏ ⴷⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵢⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴰⵣⵣⴰⵍ ⵅⴼ ⵔⵅⵢⴰⵔ, ⵉⵜⵜⴰⵍⵉ ⴷⵉ ⵔⵓⵀⵉ. «ⵕⵕⴱⴰⵟ ⴷ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⴰⵎⵓⵔⵉⵙⴽⵉⵜ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵡⵎ» ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ, ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ, ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵉⵏⴷⴷⴰⵎ ⵜⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵉⵏ ⵔⵡⵙⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵡⴰⵏⴷⴰⵍⵓⵙ ⴷⵡⵍⵏⵜ ⴰⵎ ⵉⵖⵔⵎⴰⵏ. ⴹⵔⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵜⵏⵊⵎ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵃⴰ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵜⴷⵡⵍ ⵡⴰⵏⴷⴰⵍⵓⵙ ⴷ ⴰⵙⴽⵜⵉ ⵜⵔⵙⵡⵙ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⴷ ⵎⴰⵏⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳ ⵡⴰⵎⵢⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵃⴰ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵢⵔⴰⵡ ⵏ ⵡⵓⴷⴰⵢⵏ ⵡⴰⵀⴰ. ⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵉⵏ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵟⵟⴼⵏⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏⵜ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵍⵍⵉⵙⵜ ⵜⵏⵏⵄⵏⵉ.

ⵓⵎⵉ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⵅⴼ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⵜⵜⵓⵖ ⵓⵔ ⵏⵏⵉⵖ: ⵏⵏⵓⵊⵡⵖ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵏⵙⵉ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵢⵢⵓⵔⵏ ⵉⴷⵔⵓⵙⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⵜⵜⵡⴰⵇⴼⵔ. ⵊⵊⵉⵏ ⵖⴰ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⵉ ⴷⴷⴰⵔ ⵍⴱⵉⵄⴰ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵉⵙⴼⵔⵃ ⴷⴳ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ, ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵎⵚⵟⴰⴼⴰ ⵙⵓⵍⴰⵎⵉ, ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵉⵏⵓ, ⵉⵅⴷⵎ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⴰⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⴰⵔⵔⵖ ⴰⵙⴽⵜⵉ ⵉⵏⵓ, ⴷⵡⵍⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ. ⵡⴰⴳⴳⴰ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵡⵜⴰⵢ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ.

ⵖⴰⵔⵉ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵃⴷⴰⵊⵖ ⵣⴳ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖⵏ ⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ. ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵊⵊⴰⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵉⵢⵉ ⵜⵜⴽⴽⵙⵖ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵙⴽⵉⵜ ⵉⵏⵓ. ⵣⴳ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⴷ ⵡⴰⵏⵙⴰⵏ ⴷ ⵓⵟⵟⵓⵏⵏ ⵏ ⵜⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵓⵛⵉⵖ ⵙ ⵔⵄⴰⵛⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵇⴰⴹⵏ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵉⵎⵔⵉ ⵓⵔ ⴰⵊⵖ ⴱⴹⵉⵏ ⵛⵉ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ.

ⴰⵎⵛ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ. ⵏⴳⴳⴰ ⵓⵔⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵏⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵏⵜⵜⵎⵔⴰⵖⴰ ⵙ ⵜⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ. ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵙⵖⴰⵜⵖ ⵙ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏ ⵓⵎⵙⵍⵎⴰⴷ ⵏ ⵜⵏⴳⵍⵉⵙⵜ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ, ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵅⴷⴷⵎ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵎⵓⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⴷ ⵉⵎⵢⴰⵙⵏ ⵉⵎⴰⵜⴰⵢⵏ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜ ⵙⵙⵏⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏ ⵉⵎⵢⴰⵙⵏ ⵉⵎⴰⵜⴰⵢⵏ ⵓⵔⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵓⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵣⵉ ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷⵖⵢⴰ. ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ, ⴰⴷ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⴰⴽⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵎⴰⵏⴽⵜⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵏⵏⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵉⵏⵏ. ⵉⵔⴰ ⵉⵥⵥⵓⵖⵓⵔ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⵉⴷⴷⵏ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰⵏ ⵜ, ⵜⵜⵎⵓⵏⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵍⴱⴷⴰ. ⵉⵚⴱⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵚⵡⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ. ⵎⵉⵏ ⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵎⴰⵍ ⵃⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵙⴼⵔⴰⵃⵏ. ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵡⴰⵍⵓ ⵓⵎⵉ ⵏⵎⵙⴱⴹⴰ. ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵉⵎⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ‘ⴹⴹⴰⵕ ⵍⴱⵉⴹⴰ’ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⴰⵍⵎⵓⴷ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⴰⵙⵙⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵏⴰⵏ ⵏ ⵓⵙⵎⴷⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⴰⵍⵎⵓⴷ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵙⴽⵍⴰ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⴽⴽⵏ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⴷⴳ “ⵙⵜⵜⴰⵜ”. ⵓⵛⴰ ⵏⵎⵚⴱⴹⴰ ⵣⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ.

ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵚⴼⴰ, ⵓⵔ ⵅⴰⵙ ⵜⵄⴷⴷⵓ ⵜⵥⴰⵍⵍⵉⵜ. ⴰⴷⵔⵉⵣ ⵏ ⵜⵥⴰⵍⵍⵉⵜ ⴷⴳ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵊⵊⵉ ⵛⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵄⴼⴼⴰⵏⵉⵏ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵛⵇⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ, ⵉⴳⴳⴰ ⵢⵉ ⵛⵛⵏⵄⵜ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵜⴰⵎⴰⵔⵉⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵅ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⴰ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⴰⴷ ⵔⴰⵊⵉⵖ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵜⴰⵙⴽⵍⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵔⵎⵙⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⴰⵏⵙⴼⴰⵡ ⵏ ⵓⵙⵏⵖⵎⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵙⵡⵓⵔⴰ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵖⵍⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⴽⵍⵍⴼ ⵙ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏ ⵜⵄⵕⴰⴱⵜ.

ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⴷ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵙ ⵔⵄⴰⵀⴷ ⵉ ⵡⵛⵉⵖ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵣⵉ ⵎⵙⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⵅ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⴰ ⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⴰⵎⵢⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵔⴰ ⵕⵎⴰⵃⵓⵎ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵔⴰ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ,

ⵉⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵉⵙⵢⴻⵔⵉⵜⵏ, ⵉⵜⵜⵛⴷⴷⴰⵇ ⵣⴳ ⵉⵎⵢⴰⵙⵙⴰⵏ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵜⴻⴷⴷⴻⴽⵃⴰ. ⵉⵃⵎⴷ ⵜⴰⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⴰ ⵜⴰⵚⴱⵡⴰⵏⵜ ⵏⴻⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⴷⴳ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵍⵉ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ. ⵏⵉⵖ ⴻⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵙⵎⵡ ⵢⴻⵙⴰ ⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵉⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴻⵃ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⴻⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵉⵍⵉⵄⵏⵉ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵀⴰⵛⴰⵕ ⴰⴽⴷ ⵉⵓⴷⴰⵏ.

ⵉⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ, ⴻⵎⵉ ⵀⴷⴻⵖ ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵜⵉⵃⵉⴼⴻⵏ ⴰⵎⴰⵜⴰⵢ ⴳⴳⵉⵖ ⵉ ⵙⴻⵃⵃⴰⵎⵉ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵇⵙⵉⵖ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵍⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⴻⴽⵃⵜ ⵍⵙ ⴷ ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⵛⵉ ⴳ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⵏⵉⵖ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⴼⴳⴳⴷ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵥⴰⵢⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵓⴰⵃ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵀⴰⴷ ⴻⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵍⴰ ⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴼⴰⵡ ⵙ ⴻⵙⵃⵜⴰⵃ, ⵜⵓⵊⴷ ⵡⵎⴰ ⴰⴷ ⴽⵉⴷⵉ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⴳ ⵜⵙⴷⵃⵉⵙⵜ ⵍⵙ ⵎⵉⵃⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵅⵙⵖ ⵏⵛⵛ. ⴻⵛⴰ ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵖⵢⴰ. ⵕⴰⵡⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵓⵛⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵏⵡⵄⵖ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⴻ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵡⵜ.

ⵀⵎⵎⵕⵚ ⴻⵔ ⴻⴷⵉⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴷⵉ ⵙⵙⴻⵇ ⵏ ⵟⴰⵕⵉⵇ ⴱⵏ ⵣⵉⵢⴰⴷ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⵣⴳ ⴻⵔⴰⵔⵏ ⵏ ⴻⵏⵖⵎⵉⵙ ⴷ ⵜⴻⵙⵙⵏⴰ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵎⴻⵃⵡⴰⵇⴰ ⴷⴳ ⴻⴱⵔⵉⴷ ⵏ «ⴱⵃⴰ ⴼⵔⵉⵊ». ⵖⴰⵔ ⵜⵓⵓⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉⵔⵇⴰ ⵢⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⵅⴰⵣⵏⵉ, ⵉⵎⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴰⴷⴼⵖ ⵣⵉ ⵜⵓⵓⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⴼⴼⵉⵔ. ⵏⵛⵛ, ⴰⵅⵎⵉ ⵀⵎⵎⴰⵕⵚ ⴻⵔ ⵣⵕⵉⵖ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ, ⵓⴰⵅⵅⴰ ⵃⴱⴷⴰ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵜ. ⵜⴰⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵍⵉ ⵜⵜⴻⵎⴰⵏ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵔⵇⵛⵔⵜ ⵙ ⵢⵉⵎⵅⴰⵣⵏⵢⵏ, ⴻⵏⴻⵄⵏ ⴰⵙ ⵣⵉ ⵙⵍⵊ ⵖⴰⵔ ⴻⴱⴰⴷⴻ ⵍⵉ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵉⵖⵣⴰⵔ ⵏ «ⴰⴱⵉ ⵔⵇⵔⴰⵇ». ⴰⵛⵊⵢⴰⵃ ⵢⴻⵀⵔⴰ ⴷⴳ ⴻⵊⵍⴰ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵛⵊⵢⴰⵃⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵉⵏ ⵍⵄⵏⵉ ⵢⴻⴷⵙⵏ. ⴷⵉⵍⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵢⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵊⵢⵉⵏ ⴷ ⵔⵙⵔⴻⴽ ⴷ ⵜⴷⴰⴱⴻⵜⵉⵏ ⵜⵉⴱⵔⴱⴰⵛⵉⵏ. ⴷ ⵕⵡⵉⵄ ⵍⵉ ⵏ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ ⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵢⴻⵏⴻⵄ ⴰⵙ ⵉⵇⵄⵉⴱⵏ ⵏ ⴻⵣⵣⴰⵃ ⴷ ⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵍ, ⴰⵔⵏⵉⵏ ⴰⵙ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ ⵡⵄⴰⵏ ⵜ ⵜⵉⴼⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵔⵎⵅⵣⵏ ⴰⵎⴰⵜⴰⵢ ⴷ ⵓⵍⵉ ⵏ ⴷⵉⴳⵔ. ⴻⴷⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⴷⵉⴳⵔ ⵙⵙⵀⴷⵉⵖ ⵔⵣⵣⴻ ⴷⵖⵢⴰ ⵙ ⵚⵓⴰⴱ ⴻⵛⴰ ⵏⴷⴹⵏ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵙⴰⵃⴻⵏ ⵉⵛⵛⴻⵔ ⵙ ⵜⴼⴰⵓⵜ. ⵅⴼ ⵔⵡⵢⴻⵄ ⵍⵙ ⴻⵢⵃⵏⵜ ⵅⴰⴼⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⵃⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⴻⵎⵖⴰⵔ ⵏ ⴻⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷ ⵜⵓⵃⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ. ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵔⴰ ⴷ ⵜⴱⵡⵉⵔⵜ ⵍⵉ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ, ⵜⴻⵖⴰ ⵙⵉⵓⵃⵏ ⴽⵉⴷⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⴻⴽⴰⵃ ⴷ ⴻⵔⴰⵔⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⴷⵉⵍⵉ ⴷⵉ ⴽⴽⴻⵣ ⵏ ⵢⴻⵔ ⵏ ⵢⴻⵃⵢⴻⵣ ⵏ ⵎⴽⴻⵔ ⴰⵙⴳⴳⵯⴰⵙ. ⴻⵔ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⵉ ⵡⴷⴷ ⴻⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵜⵜⵕⴰⵡ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵉⵏⵎⵖⴰⵔⵏ ⵏ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⴷ ⵢⵉⵎⴰⵓⴰⵖⵏ ⴷ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵜⵏⵀⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵜⵓⴻⵔⵉ ⴷ ⴻⵏⵖⵎⵉⵙ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵓⴷⴰⵏ ⵏ ⴻⵙⵏⵓⵉ ⴷ ⵃⵓⵉⵙⵔⴽⵉ ⴷ ⵃⴽⴻⵏⵢⴰⴽ ⴳ ⵎⴰⵣⴻⵃⵜ.

ⵍⴰⵏ ⴰⵙ ⵉ ⴰⵃⵎⵉⵙ ⵃⵉⴷⵢⴰ ⴱⵃⵃⵉ ⴳⵛⵛⵖ, ⴻⵛⴰ ⵜⵔⵇⴰ ⵢⵉ ⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ, ⵜⴱⴱⴷ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵢⵉ. ⵜⵙⵃⵃⵎ ⵅⴰⴼⵉ ⵙ ⴻⴼⴻⵙ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵙⵃⴰⵎ ⵉⵡⴰⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⴰⵢⵉ

ⵣⴷⴰⵜ. ⵜⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴱⴷⴷⵏⵜ ⵓⵎⵉ ⵏⴹⵃⵏⵜ ⴷⴰⵢⵉ, ⵕⵃⵃⴱⵏⵜ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵙⵉⵡⴰ ⵉⵛⵜ ⵜⵡⵛ ⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵚⵎⵎⴰⴹ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵔⵀⴰ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⴽⵓⵎⴱⵢⵓⵜⵔ. ⵙⵉⵜⵎⵖ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵏⵅⵔⵉⵄⵖ. ⵜⵕⵃⴱ ⵣⵣⴰⵢⵉ, ⵜⵙⵖⵉⵎ ⴰⵢⵉ ⴷⴳ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ. ⴱⴷⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵀⵓⴷⴷⵉⵖ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ. ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵖⴰⵔ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵉⵏⵓ.«ⵎⴰⵕⵃⴱⴰ, ⵇⵇⵉⵎ! ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⴱⴷⴷⵓⴷ». ⵓⵛⴰ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵡⴰⵀ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵇⴰⵏ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⴳⴳⵉⵖ ⵙ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵣⵉ ⵄⴰⵀⴷⵖ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ. ⵓⵛⴰ ⵣⵉⴷⵖ ⴰⵙ.

ⵜⵄⴰⵀⴷ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵛⴰ ⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵜⵓⵔⴰ ⵜⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ ⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵙⵊⵊⵍ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⵀⵛⵖ ⴷⴰⵢⵙ: ⴷⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔⵏ. ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ, ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵙⵙⵏⵏ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ. ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵏⵏⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵛⵉ ⵃⴰ ⴳ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵡⴰⵀⴰ, ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵕⵕⴱⴰⴹ ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ... ⵏⵏⴹⵓ ⵖⴰⵔ ⵍⵎⵓⵜⵡⴰⵙⵙⵉⴹ ⴷ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ ⴷ ⵡⴰⵏⴷⴰⵍⵓⵙ ⴷ ⵉⵎⵓⵔⵉⵙⴽⵉⵢⵢⵏ ⴷ ... ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⵔⵓ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⴷ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷ ⵓⵙⵎⵎⴰⴽⵍ ⴷ ⵓⵣⵡⴰⴳ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵏⵟⵟⴼ ⵜⴰⵙⴽⵍⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴷ «ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵓⵔⴱⵉⵄ» ⵏ ⵡⵓⵍⵜ ⵡⴰⵢⵜⵎⴰⵏ ⴷ ⴼⵓⵍⴽⵏⵔ ⴷ ⵅⵉⵏⵙⴱⵉⵔⵖ ⴷ ⴽⵉⵔⵡⴰⴽ ⴷ ⴳⵔⵉⴳⵓⵔⵉ ⴽⵓⵔⵚⵓ ⴷ ⴼⵉⵔⵍⵉⵏⴳⵉⵜⵉ ⴷ ⴱⵓⵍ ⵓⵙⵜⵉⵔ ⴷ ⵟⵓⵏⵉ ⵎⵓⵔⵉⵙⵓⵏ ⴷ ⵀⵓⵍⵉⵡⵓⴷ ⴷ ⵎⴰⴽⴷⵓⵏⴰⵍⴷ. ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⴳ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵏⵎⵙⴱⴹⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵡⴰⵊⴱⵖ, ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⵏⵉⵛⵏ."...ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴳ ⵜⵎⵓⵔⵜ? ⵉⴷⵓⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵉⵏ ⵙⵙⵏⵏ ⵃⴰ ⵎⵉⵏ ⴳⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵏ! ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵡⵜ ⴽⵙⵙⵉⵏ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⴰⵔⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰⵏ..."ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵓⴳⴷⵓⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵡⵊⴷⵏ, ⵎⵉⵏ ⵙⵍⵎⴰⴷⵏⵜ ⵜⵉⵏⵎⴰⵍⵉⵏ ⵜⵉⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵉⵏ». "ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⵙⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⴽ ⴽⵜⴰⵔ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵛⴽ..." ⵓⵛⴰ ⵏⵡⴹⴹⴰⵕ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ, ⵛⴰ ⵉⵊⴱⴱⴷ ⴷ ⵛⴰ...

ⵏⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵏ ⵔⵓⵇⴰⵕ ⵎⴰⵛⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵜⵎⵖⴰⵏⴰⵏ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ : ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵚⴱⵃ ⵣⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵅⴹⴰ ⴷⴳ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ

ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵜⴰⵔⵔ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴳⴰⴼⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵉⵔⵉⵖ ⵎⵍⵉⵃ ⴳⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵜⵉⴷⵜ! ⵜⴱⵓⵇⵉⵖ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴳⵎⵉ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⴳⴼ ⵉⵏⵓ ⵡⴰⵀⴰ! ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ, ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⵓⵎⵉ ⵙⵇⵏⵅⵖ ⵛⵎⵎ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵜⵙⵇⵏⵅⴷ ⵉⴳⴼ ⵏⵏⴽ! ⵏⵛⵛ, ⵜⵙⵏⵍⵉⵖ ⴰⴽ ⵡⴰⵀⴰ! “ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵜⵉⵇⵇⵖ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵎ.” ⵏⵉⵖ ⴰⵙ: “ⵏⵛⵛ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ: “ⵍⵍⴰ ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵇⵏⵉⵅⴷ ⵛⵉ, ⵜⵏⵏⵉⴷ ⵡⴰⵀ ⵖⵉⵔ ⴰⵎⵢⴰ”. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵏⵀⵣⵣ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵔⴱⵀⵓⵜ: “ⵛⴽⴽ, ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵛⴽⴽ ⵙⵙⵏⵖ, ⵀⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⵉⵢⴰⵙⵉ?. ⵉⵙⵙⵎⵀⴰⴼⴰ ⵢⵉ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵙⵏ, ⴰⴳⵎⵉ ⵔⵉⵖ ⵡⵊⴷⵖ. “ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⴰⴳⴳⵯⵏⵖ ⴳ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ”. ⵓⵛⴰ ⴱⴷⴷⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ. ⵜⵓⵜⵜⵔ ⴰⵢⵉ ⵜⴰⵙⵓⵖⵍⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⵖⴰⵔ, ⵎⴰⵔⴰ ⴳⵙⵙⵖ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: ⵉⴳⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴽⵎⵎⵍ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵖ ⴳ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵉ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵅⴰⴼⴰⴽ ⴰⴹⴹⴰⵚ, ⵎⴰⵛⴰ ⵣⴰⵢⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵢⴰⴼⵉⵖ. “ⵜⵍⵍⵉⴷ ⵜⵜⵔⵖⵍⴷ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⴷⴳ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵎ, ⵅⴰⴼⴰⴽ”. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵏⴳⵔⵅ ⴰⵢⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ: “ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⵔⵖⵍⵖ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵅⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵏⵎⵓⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ!” ⵓⵛⴰ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⵜⵜⴰⵣⵣⵍⵖ, ⵏⴳⵔⵅⵖ ⴰⴳⵎⵉ ⴰⵡⵔⵖ ⴷ ⵙⵏⵏⵉ.

ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ: “ⵓⵎⵉ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⵙ ⴳ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵖ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴹⴹⵓⴹⵜ ⵜⵚⴱⵃ, ⵜⵓⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵙ”. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴹⴹⵓⴹⵜ ⵜⵙⴳⴳⴹ ⵜⴼⵔⵣ, ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⵜⴳⵙⵙⴰⵏⵜ ⵙ ⵜⵚⴱⵃ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⴹⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴼⵔⵣ ⵏⵏⵙ. ⵃⴰ ⴰⵎⵙⵇⴰⴷ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵙⴷⴰⵀⴷⵊ ⵡⴰⴳⴳⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵙⵙⴰ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵉⵏⵓ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵍⵍⵖ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵙⵙⴰⴳⵯⴷⵏ ⵏ ⵓⵊⵎⵎⵔ ⵏ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⴰ. “ⵅⵎⵎⴷ ⴳⴰⴼⵙ, ⵓⵔ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⴽ ⵜⴰⵡⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵜⵍ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ...” ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵜⵡⵛ ⴰⵢⵉ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵜⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵜⵏⵜ ⵉⴷ ⴳⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⵉ “ⵎⴰⵡⵙⵓⵅⴰⵜ” ⵜⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⵇⵍⵉⵎⵏ ⴷ ⵉⵏⵎⵖⵓⵔⵏ ⵉⵛⵏⵅⵏ. ⴷ ⵡⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵙⵖⴰⵔⵜⵉⵏ ⵣⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ. ⵜⵡⵛⴰ ⵢⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: «ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵉⵎⵓⴷⴰⵔ»[1] ⵙ ⵜⵏⴳⵍⵉⵣⵜ ⴷ ⵜⵙⴳⵓⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴳⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⴹⵓⴽⵍⴰⵙ. ⵣⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴰ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ

1 Three lives

ⴰⴷⵍⵉⵙ :«ⵜⴰⵏⵡⴰⵛⵜ ⵜⵉⵙ ⴽⵕⴰⴹⵜ»[1] ⴷ ⵓⴷⵍⵉⵙ :«ⴷⴰⵢⴰⵜ ⵉⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴷⵏ: ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴷ ⵜⴰⴳⵔⴰⵡⵜ»[2] ⴷ ⵓⴷⵍⵉⵙ «ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ»[3] ⵜⴳⵔⵓⵢⵉ ⴷ ⵔⴰ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⴽⴽⵙ ⵉⵜⵏⵜ ⵉⴷ, ⵏⵉⵖ ⵜⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵉⵜⵏⵜ ⵉⴷ ⵣⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵙⵖⵓⵏⵉⵏ ⴷ ⵎⴰⵡⵙⵓⵅⴰⵜ.

ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⴳⴳⵯⵊⵖ ⴳ ⵜⵎⵓⵔⵜ, ⵖⴹⵚⵖ, ⵕⴰⵃⵖ. ⵜⵣⵣⵓⵖⵓⵔ ⴰⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵔⵃⵙⴰⴱ. ⵅⵔⴰⵢⵏ ⵓⴷⴼⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵉⵏⵓ ⴳⴼ ⵔⴰⵙⵔ ⵏⵏⵙ, ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵙⵉⵡⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵏⵇⵇⵉⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⴷⴳ ⵢⵉⵍⵍ ⵉⵀⴰⵊⵊ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⴼⴳⴳⴰⴷⵖ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⴰⵊⴱⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ, ⵉⵇⵇⴰⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⵔⵉⵙⵉⵏⵟⵉ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵛⵎⴹ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⵉⴳⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵖⴹⵚ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵉⴳⵣⵔ ⴷⵉ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵜⴰⵔⵖⴰ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ ⵙ ⵙⴱⴰⵖⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵓⵎⵉ ⵙⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⴼⴼⵖ, ⵉⴷⵡⵍ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⴰⵎ ⵣⴷⴰⵜ. ⵜⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⵙ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⴰⴳⵎⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵟⴹⴰⵡⵉⵏ. ⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⴼⵕⵥ ⴷⴳ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴹⵏ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵓⴹⵏ ⵔⴰ ⵜⴰⵏⴳⵍⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ, ⵜⵟⵟⴼ ⵉⵜ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ.

ⵜⵡⵛⴰ ⵢⵉ ⵜⴰⴷⵓⴽⴹⵓⵔⵜ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⴼⵓⵜⵓⴽⵓⴱⴱⵉ ⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⵣⴳ ⵉⵙⵇⵍⵉⵎⵏ ⴷ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⵏ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷ ⵓⵇⵢⵢⴷ. ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴳⵎⵉ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⴰⵔⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵡⴹⴹⴰⵕⵏⵜ ⴰⵢⵉ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴳⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵜ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵢⵓⵅⴰⵔ ⴳⴰⴼⵉ ⴰⴷ ⴽⵜⵓⵖ ⴳⴼ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⵏ ⵔⵇⵀⴰⵡⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵏⵏⵉ, ⵉⵔⴰ ⵉⵙⴰⵡⴰⵍ ⴳⴰⴼⵙⵏⵜ. ⴷ ⵜⵉⵡⵉⵏⵙⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵜⵏⵜ ⵣⴳ ⵉⵍⵙⴰⵡⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵔⵓⴳⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⴼⴳⴳⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⴳⴼ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵡⴹⴹⴰⵕⵏ.

ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⵃⴹⴰ ⵜⴰⵎⴳⵙⴰ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵃⵢⵓⴹⵜ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴳⵣⵣⵔ, ⵜⵜⵔⵣⵣⵓ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⵜⵙⴷⵍⵍⵉⵙⵉⵏ ⴷⵉ ⴽⵓⵎⴱⵢⵓⵜⵕ ⵏⵏⵙ. ⵜⵜⴰⵡⵉ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⴰⵙⵙ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⴷⵀⴰⵛⵏ, ⵜⵜⴰⴼⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕⵏ.

---
1 The third rose
2 Charmed circle : G. STEIN and Campany
3 Every body who was any body.

ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵡⴰⴽⴽⵏⵜ ⵜⵉⵎⴽⴽⴰ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⵃ, ⴷⵡⵛⵖ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⵕⵛⵜ ⵉⵏⵓ. ⴰⵔⵡⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵊⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵛⵉⴷⵢⴰ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵛ ⴰⵢ ⵔⴰ ⴷ ⵏⴳⴳ, ⵜⵜⴱⵔⵉⵖ ⵙ ⵢⵉⴷⴷⴰⴷ ⴰ ⴰⵎⵉⵔⵉⵕⴰⵏ?. ⵓⵎⵉ ⵙⵢⴰⵃⵖ ⵙ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ, ⵙⵎⵟⵖ ⴰⵙ ⵉ ⵓⵎⴷⴷⵓⵕⵛ ⵉⵏⵓ ⴰⵣⴰⵢⵕⵓ. ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴳⵉ ⵉⵄⵉⵣ ⴽⴰⵃⵉ. ⵜⵓⵖⴰ ⵙⵙⵟⵇⴰⵔⵖ ⵜⴰⵎⵇⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⴽⴽ ⴳⴳⴰⵏ ⵉ ⵡⴰⵃⵔⴰⵢ ⵍⵉ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵜⵜⴱⵔⴰ ⴰⴹⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵖⵔⴰ ⵜⴰⵎⴷⵓⵔⵜ ⵏ ⵢⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⵕⵉⴷⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⴽⴰⵃⵙ ⵜⵙⵙⵉⵡⵛ ⴳⵉ ⴰⴹⴹⴰⴼ. ⵜⵉⴷⴳⴰⵔ ⵜ ⴷⵖⵢⴰ, ⵓⵔ ⵜⴷⴳⴰⵔ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⵕⴰⵏⵜ ⵍⵉ ⴽⴷⴰⵔⵏ, ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⴳⵜ ⵜⴳⵏⵄ, ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵎⵖⴰⵔ. ⵓⵔ ⵜⵜⵉⴳ ⴳⵉ ⵉⴽⵃ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵟⴷⴷ.ⵏⵜⵜⴰⵜ,ⵏ ⵢⵉⴽⵃ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ!ⵄⵔⴰⵢⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ ⴷⵉⴽⵔ ⵏⵏⵙ.ⵜⴰⵎⵙⵛⴰⵢⵜ ⵜⵎⵙⴱⴻⴰ ⴽⵃ ⵎⵓⵟⵎⵎⴷ. ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵜⵉⵔⵉ ⴳⵉ ⴷ ⴳⵉ ⵉⵄⴷⵓ ⴽⴰⵃⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⵓⴳⴰ ⵜⵙⵎⵟ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵎⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵊⴽⴰⵔⵓ ⴷⵉ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵣⴷⵖ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ.

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⴳⵉ ⵉⴳⵏⵄ. ⵎⴰⴳⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵜ ⵉⵙⴽⵙⵢⵏ ⵣⵉⵕⵕ. ⵏⵉⵖ ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵛⵛⵉ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⴳⵏⴰⵡ ⵡⵍⵉ ⵏ ⵉⵟⵓⴷⵔⵉⵢⵢⵏ ⵍⵉ ⵍⴹⵏⵉ ⵉ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵅ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⴳⴰ ⵜⵓⵜⵜⵓⵜⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵢⴰⵃⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵙⵓⵏⵖ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵉⵖⵉⵙ ⴰⴹⴹⴰⴼ, ⵉⵙⵢⴰⵃⴰ ⵙ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵓⵢⵍⵉ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵛ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵇⵇⵙ ⴰⵙ ⵔⵟⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵜⵣⵕⵔ ⵉⵜ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ, ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵊⴰⵔ ⵉⵃⴰⵙⵙⵏ, ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵟⴰ ⵙ ⵜⵃⵇⵇⵟⵜ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵍⵉ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ, ⵉⵕⴳⵃⵏ, ⵢⵓⵣⵖⵏ, ⵉⴼⵎⴹⵏ, ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⴽⴽⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜⵓⵔⴰ ⴽⵃ ⵢⵉⵛⵙ ⵏ ⴰⵛⵉⵙ ⴹⵓⵕⵛⴰⵙ. ⴰⵎⵢⴰ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⴱⵛⵛⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵎⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵃⵖ ⵜⴰⵃⵇⵇⵟⵜ ⵏ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⵔⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵕⴷ ⵜⵎⵉⵔⵉⵕⴰⵏⵜ, ⵎⴰⵎⵏⵕ ⵉⵔⵣⵎ ⴰⴷ ⵜ ⵢⴰⵔⵉ. ⵎⴰⴳⴰ ⵓⵔ ⵉⵡⵡⴻ ⴳⵉ ⴰⴷ ⵉⴽⴽ ⵎⴰⵏⴰⵢⵍⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ, ⵓⵔⴰ ⵉⴽⴽⵯⴷ ⴰⴷ ⵉⴱⵓⵇⴰ ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵏⵉⵖ ⵉⵇⵇⵙ ⴰⵙ ⴳⵉ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ!

ⵜⵉⵔⵔⴰ, ⵓⵔ ⵜⵜⵔⵉ ⴳⵉ ⵛⴱⴷⴰ ⵜⵡⵊⴷ, ⵎⵉⵛⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⴽⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⵏⵉⵖ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⴷⴽ ⵓⵃⵓⵙ ⵎⵉⵛⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⵟⴷⴰⵊ ⵉⵜⵜ. ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵄⵉⵃⵏ ⴰⵏⵖ ⴳⵉ ⵛⴱⴷⴰ ⴰⵎⴳ ⵜⵜⴽⵎⵉⵎⵏ ⴰⴹⴹⴰⴼ ⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ. ⵓⵔ ⵜ ⵉⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴳⵉ ⵡⴰⵀⴰ ⴷⴽ ⵓⵙⵓⵡⵊⴷ ⵏ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵜⵉⴳⵎⵛⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵓⵖⴰⵏⵉⴱ ⴷ ⴹⴹⴰⴱⵛⴰ ⴷ ⵔⵡⵇⵜ. ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰⵏ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵡⵊⴷⵏ. ⴳⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵜⵀⵇⵇⴰ ⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵣⵉ ⵙⵍⵊ. ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⵃ, ⵜⵜⴰⴽⴽⵯⵔ ⵅⵎⵉ ⴽⴰⵃⵙ ⵜⴽⴽⵯⵏ ⴱⵣⵣⵓⵣ. ⵜⴰⵙⴰ ⴷ ⵡⵟⴷⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵀⵡⵏ

ⵙ ⵜⵕⴱⵃ ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵡⴹⴹⴰⵇ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⵜⴰⴼⵥⵥⵃⵜ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ....

ⵉⵡⵛⴰ ⵢⵉ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵅⴼ ⵡⵟⵟⵓ ⵏ ⵓⵙⵏⴼⴰⵔ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵎⵎⵔ ⵣⴷⴰⵜ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ: "ⵓⵔ ⵜ ⵅⴷⵄⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵜ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ. ⴰⴷ ⴹⴼⵇⵖ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⴹⴼⵇ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵄⴷⵎ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵅⵊⵓⵜ! ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵡⵃⴷⵉ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⴷⴼⵖ ⴷⴳ ⵓⵊⴼⵊⴼ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵥⵥⵉⵎⵖ ⴳⴳⵯⵊⵖ, ⴷⵀⵛⵖ ⴷⴳ ⵓⵏⴷⵔ ⵉ ⴷⴰⵙ ⴳⴳⵉⵏ. ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴰⵅⵎⵉ ⴳⴳⵓⵔ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵛⵔⴰⴼ ⵏ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵙⵓⵄⵍⵉ ⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵅⴼ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵏⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵓⵏⵀⵣⵣⵉ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵣⵉ ⵜⴰⵙⵓⵜⴰ ⵜⴰⴼⴰⵏⵜ, ⵍⵎⴷⵖ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵥⵥⵙⵏ, ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵄⴷⵓ ⴰⵢⵉ ⴰⵟⵟⴰⵕ. ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵃⴰⵔⴹⵖ ⵅⴼ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ."

ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵎⵙⴽⵔⵉⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⵎⴰⵔⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⴳⴳⵍ, ⵖⵔⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵓⴼⵉⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵥⴰ ⵉⵢⵉ ⵙⵙⵡⵊⴰⴷⵖ ⵉ ⵛⵛⴰⵀⴰⴷⴰ ⵉⵏⵓ. ⵜⵙⵙⵍⵎⴷ ⴰⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵏⴷⵡⵍ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵢⵓⵔⴰⵏ. ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵏⵅⵣⵣⵔ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵖⴰ ⵏⴰⵔⵉ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵏⵢⵔⴰⵡ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵖⵉⵎⵎⵉ ⵏ ⵓⵖⵓⵊⵊⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⵙⵥⴰⴷ ⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵍⴱⴷⴰ ⵉ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵏⵜⵜⴰⴼ ⴰⴽⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⵍ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⵅⴼ ⵓⵙⵜⵍ ⵏⵏⵖ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ. "ⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵡⴹⴷ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⴽ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ?" (....) ⵖⵓⵔⵎ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ?». ⵜⴷⵡⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵣⵣⴰⵍ ⵏ ⵜⵡⵉⵣⴰ ⴳⵔⴰⵜⵏⵖ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵛⴽⴽⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵖ, ⴳⴳⵉⵖ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ.

ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⵏ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵍⵜⵎⴰⵏ ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴱⴰⵏ ⵛⵉ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⴰⵡⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵜⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵙⵎⵎⵓⵙ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ. ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⵉⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⴰⵜ, ⵉⵅⴷⴰⵔ, ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔ ⴰⵎ ⵏⵏⵃⴰⵙ ⵉⴽⵛⴼ, ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵣⵉ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ. ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⵉⵡⵏ, ⴱⴷⴷⵏ, ⵜⴹⵀⵇ ⵜⴰⵏⴼⵔⵓⵃⵜ, ⵜⵀⵏⴰ, ⵜⴼⴰⵥ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵜⵀⵎⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ. ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴱⴰⵏ ⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵛⵉ ⵅ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵔⵙⵙⴰⵏⵜ. ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵛⵥⵉⵖ ⵜⵜ ⵏⵛⵛ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵛⵥⴰⵏ ⵣⴳ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵊⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉ ⵡⴰⵟⵟⴰⵕ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵏⵉ

ⴷⵉ ⵔⵣⵣⵓ ⴷⴳ ⵓⵙⵎⵍ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵙ. “ⵏⵃⴷⴰⵊ ⴰⵔⴽⵢⵓⵍⵓⵊⵉⵢⴰ ⵜⵎⵓⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ”. ⵜⵡⵚⵚⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⵕⴰⵏⵉⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵃⴹⵉⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵡⵉⵜ « ⵢⴰⵍ » ⴷ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ «ⴱⵉⵏⴽⵔⵓⴼⵜ» ⴷⵉ «ⴱⵉⵔⴽⵍⵉ» ⴷ ⵜⴰⵥⵥⵓⵎⵜ ⵏ ⵓⵙⵉⴳⴳⵍ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⴷⵡⵉⵜ ⵏ “ⵜⵉⴽⵙⴰⵙ”.(ⵜⴰⵥⵥⵓⵎⵜ ⵀⴰⵔⵉ ⵔⴰⵏⵙⵓⵏ)[1] ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ, ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵉⵜ ⵙ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⵓⵛⵛⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ ⵉⵛⵏⵄⵏ «ⴽⴰⵔⵟⵓⵏ ⵍⴰⵢⴽ».[2] ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵎⵔⴰⵡⴰⵜ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷ ⵏⵏⴽⴰⵡⵉ ⴷ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵓⵔⵉⵏⵜ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ? ⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵔⵣⵣⵓⴷ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⴷⴰⴽ ⵉⴳⵙⵙⵏ?. ⵓⵛⴰ ⵖⵏⵊⵖ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵉⵣⵍⵉ ⵣⵉ « ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵍⵢⴰⴱⴰⴱ» ⵏ «ⵜ. ⵙ. ⵉⵍⵢⵓⵜ» ⴳⴳⵉⵖ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵜⴰⵙⵓⵖⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ. ⵙ ⵜⵜⴰⵎⴰⵔⴰ ⵓⴼⵉⵖ ⴰⵏⴰⵎⵇ ⴰ: ⴰⵡⴰⵍⵏ ⴰ ⵉⵣⵉ ⵏⴱⴰⵔⵖ ⵜⴰⵕⵥⵥⵉⵜ ⵉⵏⵓ»!. These fragments i have shored against my ruins »

ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵖ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵖ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ, ⴷⵉ ⵥⵏⵇⵜ ⵏ ⵓⴳⴰⵔⵓ.ⵏⵎⵓⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⴷⴰⴱⵓⵜ ⵏ ⵙⴽⵔⵙⵓ.ⵉⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏ ⵎⵚⵟⴰⴼⴰ ⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴳⴷⵎⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ. ⵎⴰⵔⵜⵉⵏ Martin, ⵙⵓⵣⴰⵏ Susan, ⵚⴰⵎ Sam, ⴷⴰⴱⵉⴷ David, ⵊⵓⵍⵢⴰ Julia, ⵊⵉⵔⵔⵉ Jerry, ⴰⵏⵊⵉⵍⵢⴰ Angelia, ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ ⵜⴰⵛⵉⵟⴰⵏⵛⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵄⵜ: ⵎⵉⵏ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⴽ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓ? ⵎⴰⵏⵡⵢⴰ ⴷ ⵔⵄⵊⴰⴱ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵓⴽⵔⵉⵙⵜ ⴷⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⴳⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⵅⵛⵏ ⴰⵎ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: “ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⴳⵙⵙ ⴷ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ ... ⴷ ⵢⵏⵏⴹⵏⵉ.ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⴼ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⴼ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ”. ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵏⴹⵚⵚⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵉ. ⵏⴹⵚⵚⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵏⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵎⵚⵟⴰⴼⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵏⵖ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⵚⵟⴰⴼⴰ ⵢⴰⵔⵏⵉ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⵉ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵅⵟⵟⴰ ⵛⵉ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵎⵉⴽⴷ ⵏⵜⵜⴷⴷⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵓⵔⴰ ⵅⴰⴼⵏⵖ, ⵜⵎⵔⵓⵙⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ, ⵓⵛⴰ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴷⵔⵉⵏ, ⵏⵉⵖ ⵜⴰⵕⵕⵥ ⴰⵙ ⴰⵇⵛⵇⴰⵛ ⵏⵏⵙ !”. ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵀⵡⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⴷⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ, ⵔⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵓⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ ⴷ ⵓⵟⴰⵍⵢⴰⵏⵏⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵣⴳ ⵉⵥⵓⵕⴰⵏ

1 Harry RANSON مركزهاري رانسون
2 Carlton LAKE

ⵏⵏⵙ. ⵣⴷⴰⵜ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵓⴳⵓⵔ ⵙⵙⵏⵏⵉ.” ⵏⴻⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵉ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⵅⴼ ⵙⴽⵙⵓ ⵏⵏⵙ ⵉⵚⴱⵃⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵙⵓⵣⴰⵏ, ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵉⵏⵓ ⵉⴹⵀⵕ ⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵓⵙⵏⵖⵎⵙ ⵉⵔⵛⵃⵏ ⴰⴷ ⵎⵓⴷⴷⵓⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵢⵙ ⵉⵙⵓⴳⴳⵏ ⵉⵡⵉⵏⴰⴽ. «ⵎⴰⵔⴰ ⵇⴱⵍⵏ ⵅⴰⴼⴽ ⴷⵉ ⵡⴰⵛⵉⵏⵟⵓⵏ ⴰⴷ ⵜⴰⴼⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⴷ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵅⵙⵉⵜ ⵏⵏⴽ!» ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ. ⴷⵉ ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵏ, ⵊⵓⵍⵢⴰ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵎⴰⵔⵏⵉ ⵔⵖⴰⵕⴰⴹ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⴰ. ⵓⵛⴰ ⵅⵙⵙⵖ ⵜⵜ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵏⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵅⴼ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵍⴱⴷⴰ ⵏⵜⵜⴽⵎⵎⴰⵍ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵉⵄⴷⵓⵏ. «ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ, ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵙⵙⵇⵙⵉⴷ... ». «ⵉⵔⴰ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⵢⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ, ⵉⵔⵉⵖ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ... ». ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵡⴽⴽⴰⴷⵖ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⴷⴰⵢⵙ. ⵜⵟⵟⴼ ⴰⵢⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵊⴰⵊⵊⵉⵜ ⵅⵎⵉ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵖⴰⵔⵙ. ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵜⴻⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⴻⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵢⵉ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ.

ⵙⵙⵏⵖ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵡⵡⴹ ⵔⵓⴳⴰ, ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⴷ ⵏⵎⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴽⵎⵎⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵖ. ⵔⵓⴳⴰ, ⵏⵛⵛ, ⴷⴷⵓⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵣⴷⴷⵖ ⴷⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵎⴰⵕⵕⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵣⵣⵍⴰ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵊⴰ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴹⴰⵕ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵇⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⵡⵏⴷⵖ ⵉ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⵎⴰ ⵉⵔⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⴱⵓⵇⵉⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵅⵎⵎⴻⵎ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵢⵢⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⴼⴰⵇⵇⵏ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵜⵉⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⴰⵜ ⵜⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵏ. ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵃⵣⵏ ⴰⴷ ⵎⴰⵔⵔⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰⵎ ⵜⵉⵏ ⴰ. ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⴳⴳⵓⵔⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⴽⵜⴰ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵓⵍ ⵉⵏⵓ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵇⴹⴰ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵓⵅⵎⵎⴻⵎ ⴷ ⵓⵇⴰⵙⵉ. ⵉⵅⵛⵛ ⴷ ⴰⴽⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵏⴹⵓ ⵣⵉ ⵙⵍⵍⵓⵎ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏⵏⵙ!

ⵓⴷⴼⵖ ⵣⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⵍⵍⴰ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ. ⵓⴷⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵛⵔⵉⵛⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⴼⵉⵖ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⴱⴷⴷ, ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵢⵉ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵙ ⵔⵓⵇⴰⵕ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵜⵕⵣⵎ ⴰⵢⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵜⴽⵍⵍⴼ ⵛⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵔⵇⴰ, ⵓⵔ ⵜⴳⴳⵉ ⵛⵉ ⴽⵜⴰ ⵣⴳ ⵡⴰⵕⵃⴰⴱ ⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⵏⵏⵖ. ⵜⴻⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵢⵉ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵓⵎⵉ ⵓⴼⵉⵖ ⴰⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵎⵔ ⴰⵢⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵖⴰⵏⵉⵎ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⴳⵏⴼⵉⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ: ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵜⵎⵙⵃⵎⵉⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⵟⴰⵏ!

ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵜⵄⵉⵣⵣⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴷⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⵉⵛ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵎⵛⵉⵛⵜ, ⵉⵏⵟⵟⵓ ⵅⴼ ⵡⴰⴽⴹⵉⴼ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⵜⴰⵛⵎⵍⴰⵍⵜ ⴷ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵙⵓⵎⵜⵉⵏ ⵎⵔⵓⵙⵏⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵎⴰⵏⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵄⵎⵎⴷ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⵅⵣⵔ ⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴰⴷ ⵣⴰⵢⵙ ⵜⵔⴰⵊⵉⴷ ⴰⵊⵏⵏⴰ. ⵙⵏⵀⵣⵣⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⵖⵢⴰ, ⵅⵣⵔⵖ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ. ⵉⵙⵙⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ. ⵔⴽⵔⴰⵙⵉ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵔⴽⵔⴰⵙⵉ ⵏ ⵢⵉⵔⴰⵎ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵜⵎⵢⵢⵔ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖⵏ ⵜⴰⵙⴽⴰ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵉⵖⵔⴰⵏ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⴷ ⵜⵙⴽⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⵔⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ. ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵅⴼ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ: ⵅⴼ ⵜⵉⵏⴷⴷⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵉⵏ ⴷ ⵉⴷⵓⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵙⵃⴰⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵣⵣⵓⵍⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵄⵇⵇⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⵓⴹ. ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⴰⵙⵓⵏⵖ ⵡⴰⵀⴰ! ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ ⵛⵉ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵉⵛⵏⵄⵏ “ⵖⵓⵔⵎ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⴰⵅⵔⴰ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵉⵖⵔⴰⵏ, ⵄⴰⴷ ⴰⵙⵓⵏⵖ ⴰ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵓⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵎⴰⵊⵓⵔⵉⵍ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⵏⵏⵖ ⵎⵓⵜⵏ ⴰⵎ: ⵛⴰⵔⵇⴰⵡⵉ, ⴷ ⵍⵖⴰⵔⴱⴰⵡⵉ ⴷ ⵍⵇⴰⵙⵉⵎⵉ!” ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⴰⵅⵔⴰ ⵢⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵏⵏⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ”. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: «ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵜⵜⴰ ⵏⵛⵛ ⵣⴷⵖⵖ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⵅⵎⵉ ⵖⴰ ⵓⵅⵓⵔⵖ ⵣⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵡⵎ. ⴰⴷ ⵜⵉⵔⵉ ⵖⵓⵔⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵏⵛⵛ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵜⵡⴹⴹⴰⵕ ⴷⵅ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵜⴷⴷⴰⵔⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ». ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵙⵎⵃⴰ ⵢⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⵙⴽⵜⵉ ⵖ ⵜⵜ ⵙ ⵛⵉ ⵉⵇⵇⵙ ⴰⵙ. “ⵍⵍⴰ, ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ, ⵛⴽⴽ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵙⵙⵇⵙⴷ, ⵏⵛⵛ ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵅⴰⴽ ⵡⴰⵊⴱⵖ!”

ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵏⵖ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ, ⵜⵅⵅⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉ ⵖⴰ ⵏⵙⵄⴷⵓ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⴷⵅ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰⴷ ⵏⵙⵓ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴷⴰⴱⵓⵜ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵡⵊⴷ ⵓⵎⵏⵙⵉ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵏⵅⵙⵙ. ⴰⴷ ⵏⵅⵅ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵖ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵎⵏⵢⵉ ⵛⵉ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵣⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏ ⵓⵅⴷⵓⴷ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵔⵎⵙⵖ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵎⵏⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵓⵅⴷⵓⴷ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: «ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⴷ ⴰⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⴷⵜ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵏⵜⵜⴰⴼ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏ ⵓⵅⴷⵓⴷ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵖ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏⵏⵖ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏⵏⵖ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵡⵉ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ. ⵡⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴱⵓⵇⵉ ⵜⵜⵅⵅⵏ ⵜ ⵉⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵢⵢⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵢⵢⵏ. ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴱⵓⵇⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵏⵄⵎ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵓⴱⵓⵇⵉ ⵏⵏⵙ. ⵙⵏⵓⴼⴼⵓⵔⵏ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ.

ⵏⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⴽⴷ ⵜⵙⵙⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵣⴷⴰⵜ

ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⴱⵢⴰⵏⴻ ⵜⵖⵏⵏⵊ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴻⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴻⵔ ⵜⴻⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵣⵣⴰⵢⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⵅⵙⵙⴷ, ⵜⵙⵏⵀⵣ ⵉⴹⴻⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵡⴻⴷⵎ ⵉⵏⴻ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵙⵡⴰ ⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⴽⴰⵙ ⴷ ⴰⵚⴱⵓⴰⵏ. ⴻⵛⴰ ⵜⴻⵛⴰ ⵜⵙⵜⴰⵎⵏ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⴻⴼⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⴻⵖⴰ ⵜⴻⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ. ⵜⴳⴳⴰ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵓⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴹⴼⵕⵖ ⴷⴳ ⴻⵣⴰⵡⴰⵏ ⴷ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⴼⵙⴻⵙⵏ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉⵏⴻ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⵛⴻⵎⴰⵏ ⴷ ⵍⵉⵙⵜ ⴷ ⵍⴰⴱⵔⴰⵎⵣ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵙ ⵓⵙⵏ ⴰⴽⴷ ⴻⴱⵢⴰⵏⴻ. ⵜⵙⵙⴽ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵙ ⴱⴽⴻⵏⴷⴻⵍⵉⵣⴰ ⵔⴰⵢⵙ; ⵡⴰⵀ! ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵛⵛⴰⵜ ⴷⵉ ⴱⵢⴰⵏⴻ ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵏⵉⵖ? ⵡⴰⵀ ⵓⴻⵢⵣⵖ ⵉⴼⴰⴷⴷⵏ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵏ ⵥⵕⵉⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵙⵙⴻⵏⵖⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵖⴻⵏⵜ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ. ⵅⵎⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⴻⵟⵜ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⴰⵎ ⵜⴰ, ⵜⴻⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ, ⵜⵙⵙⴰⵔⵖⴰ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ! ⴻⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⴳⴳ ⵜⴱⴹⴰ ⵜⵉⵢⵜⵉ ⵏ ⴻⴱⵢⴰⵏⴻ ⵅⴼ ⵜⵉⵢⵜⵉ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵔⴱⴰⵕⴻⴹ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⴽⴻⵏⴷⵉ ⴻⵔ ⵜⴻⵜⵜⴻ ⵛⵉ ⴰⵣⴷⴻⵇⵇⵣ ⵏⵏⵉ ⵉⵄⴷⴻⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⴻⵎⵉ ⵏⵖⵉⵏ ⵜⵉⵎⵓⴹⴰⵕⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵉⵏ ⵉⵛⵜ ⵥⵥⴰⵢⵙⵏⵜ ⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⴻⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ ⵜⵔⵣⴳ. ⵎⴰⵛⴰ, ⴰⵊⵊ ⴰⵏⵖ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ! ⵓⵎⴰ ⴻⵔ ⵏⴼⵏⵏⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵙ ⴽⴻⵏⴷⵉ ⴷ ⵉⵎⴳⴻⵎⴱⴰⵔ ⵏ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ!

ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵕⵥⵎⵖ ⴰⵇⵎⵎⴻⵎ ⵛⵡⴰⵢ ⴷⵉ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⴻⵙⵏ. ⵜⵙⵍⵉⵖ ⵉ ⴻⵖⵏⵏⵊ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ ⴰⵢⵉ ⴷⴳ ⵢⵉⵖⵙ ⵙ ⵍⵓⵙⵙ ⴰⵎ ⵜⵉⵎⵇⵇⴰ ⵏ ⴻⵏⵥⴰⵕ. ⴻⵛⴰ ⵏⵎⵎⴻⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴷⴰⴱⴻⵜ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⵜⴹⵀⵕ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵜⵙⵍⵍⴰⵖ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵥⴻⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ. ⴷ ⵜⵖⴻⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⴰⴳⴳⴰⵣⵜ ⴷⵉ ⵀⴰⵔⴱⴰⵔⴷ. ⴱⴰⴱⴰⵙ, ⵉⵔⴰ ⵉⵎⵎⴻⵜ, ⵉⵎⵎⴰⵙ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⵜⴰⵡⵓⴷⴰⵏⵛⵜ ⴷⵉ ⴰⵍⴱⴻⴽⵉⵔⴽⵉ ⴷⵉ ⵏⵢ ⵎⵉⴽⵙⵉⴽⴻ. ⵜⵡⴰⵛⴻⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⴷⴳ ⵍⵡⵉⵍⴰⵢⴰⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴻⵛⴰ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⴻ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ. ⵡⴰⴳⴳⴰ ⵏⵛⵛ ⴻⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⴰⴷ ⵄⴰⵡⴷⵖ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⴻ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰ, ⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵅⴼ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ.ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜⵜ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴰⵡⵓⴷⴰⵏⵛⵜ. ⵜⵡⴰⵊⴱ ⴰⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴹⵚⵚⴰ: ⵎⴰⵖⴰⵔ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏⵡⵎ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵍⵎⵎⵙⵉ ⵏ ⵜⴰⴽⵜⴻⵜ ⴰⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵕⴰⵓⵖ? ⵙⵎⵓ ⴰⵢⵉ, ⵙⵎⵓ ⴰⵢⵉ, ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⵡⴰⵀⴰ! ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉ ⵔⵇⵛⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴻⵍⵙⵏ, ⵜⵜⵕⵢⵢⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵉⵜⵜⵕⵢⵢⴰⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⴳ ⴻⵥⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙⵏ ⵡⴰⵀⴰ, ⴻⵔ ⵉⵜⵜⵎⵙⵉⵡⵉⴹ ⵓⴷⴷ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ! ⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⴽⵉⴷⵡⵎ? ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙⵏ ⵓⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴹⵀⵕⵏ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⴻⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ... ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵉⵏⴻ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴳ, ⵖⴻⵔⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ. ⴻⵛⴰ ⵜⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ

ⵏⵏⵙ ⵜⵇⵙⵃ, ⵜⵙⵢⵓⵔⴰ ⵜⵇⵙⵃ. ⵜⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴷ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ, ⵉⵎⵔⵔⵜ ⵉⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏ ⵜⵙⴷⵡⵉⵜ ⴷⵉ ⴱⵓⵚⵟⵓⵏ ⴷ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⴷⵉ ⵡⴰⵛⵉⵏⵟⵓⵏ ⴷ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ .ⴷ ⵓⵎⵉ ⵎⵎⵏⵖⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵜⴳⵙⵙ ⴰⴷ ⵎⵎⵙⴱⴹⴰⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵙⴰ ⴰⵙ ⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⴷⵉ "ⵛⵛⴰⵕⵇ ⵍⵡⴰⵚⴰⴹ", ⵜⴰⵏⵖⵎⵉⵙⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴳⴼ "ⴷⵉⵎⴰⵛⵇ". ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ, ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵉⵔⵜ ⴳⴼ ⵕⵇⵏⵟⴰⵕⵜ ⵏ "ⴱⵓⵔⴽⵍⵉⵏ" ⵜⵙⵙⵏⴼⵊⵄ ⵜⵜ. "ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴳⵢⵢⵇⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵓⵔ ⵙⵏⵓⴼⴼⵔⵖ ⵛⵉ ⴳⴰⴽ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⴷⵎⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴳⴼ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵉⵏⵓ ⵉⵙⵙⵍⵙⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵢⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵉⵏⵓ ⴰⴳⵎⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⵉ ⵜⴳⵙⵙⵖ ⵜ ⴰⵎ ⵣⴷⴰⵜ ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵖⴰ ⵉⴳⴼ ⵏⵏⵙ!".

ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵡⵚⵚⴳⵏⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴳⵣⵣⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵔⵣⵣⵓ ⴳⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉ ⵉⵜⵜⵡⴹⴹⴰⵕⵏ ⴷ ⵉⴽⵜⵜⴰⵢⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵓⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵣⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ, ⵣⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⵣⴳ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰⵏ. ⵓⵛⴰ ⵏⵀⵣⵖ ⴰⴷ ⵓⵢⵓⵔⵖ. ⵉⵙⴰⵍⴰ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵉⵏⵓ. ⵜⵙⵇⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ? ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵙⵉⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵖⵓⵔⴽ ⴰⴽⵓⴷ! ⵓⵛⴰ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵙⵇⴰⵔ, ⵜⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⴹⵔⵖ: ⵎⴰ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵓⴳⵓⵔⵖ. ⴱⴷⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ? ⵃⴰⴷⵉⵖ ⵜⴰⵖⵔⵓⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵙⴳⵏⴼⵉⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ. ⵓⵛⵉⵖ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛ ⵉ ⵉⵙⴼⴰⴼⴰⵏ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵇⵇⵙⵏ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵓⵛⵉⵖ ⴰⵃⴰⴷⵉ ⵉⵏⵓ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵉⵚⴼⴰ. ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴰⴳⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵃⴰⴷⵉ ⵏⵏⵉ. ⵜⵏⵇⵔⴱ ⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⵓⵛⴰ ⵜⴷⴰⵔⵔⵄ ⴰⵢⵉ. ⴷⴳ ⵓⵎⵥⵡⴰⵔⵓ ⵜⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⴰⵢⵉ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⴳⴳ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵏⵏⵙ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵜⵥⵢⵢⴰⵕ ⴳⴰⴼⵉ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ ⵜⵥⵓⵕ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵥⵓⵕⵉ ⵏⵜⵙⵍⴰ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⴳⴰⵎⵏ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵕⴰⵊⵉ ⵛⵉ, ⵜⵙⴰⵔⵙ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⴳⴼ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ. ⵏⵛⵛ, ⵜⵃⴰⵡⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵥⵡⴰⵔⵓⵜ. ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ.

4

ⴰⵅⵛⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ

ⵄⴰⴷ ⵉⵙⵙⴽⵜⵉ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵢⵉⵍⵍ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵣⵉⴽⴽ, ⵜⵓⵖⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵍⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: “ⵔⵓⵅⴰ ⵖⴰⵔⴽ ⴰⵏⵙⴰ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵙⴷ ⵖⴰⵡⵔ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵏⵛⵛ ⵙⵏⴱⵖⵉⵡⵖ ⵛⴽⴽ, ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵇⵎⵎⵓⵎ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵥⵥⵓⵖ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵉ ⵉⵙⴹⵓⵏ ⴰⵍⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵥⵥⵔ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵅⴼ ⵓⵙⵏⴱⵖⵡ ⵏⵏⵙ ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵉⵖ? ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣ ⴰⵙ ⵉⵖⵉⵍⵏ, ⵉⵙⵙⵉⵔⵉⵡ ⵜⵉⵎⵎⵉⵡⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ: “ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ...!” ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵙⵏⴱⵖⵉⵡ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵉⵜⵜⵉⵇⵇ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⵃⴷⵙ. ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵔⵡⵇⵜ ⵡⴰⵀⴰ.

ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵣⵉⴽⴽ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵍⵍⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵜⵜⵓ. ⵉⴱⴷⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⴰⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏ ⵉⵍⵍⵏ: ⵎⵓⵜⴰⵡⴰⵚⵉⵟ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⴷ ⵓⴳⴰⵔⵓ ⴰⵟⵍⴰⵚⵉ ⴷ ⵊⴱⵍ ⵟⴰⵕⵉⵇ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⴷ ⵣⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵍⵉ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏ ⵓⵖⵕⵕⴰⴱⵓ ⵏⵏⵉ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ ⵉⵎⴰⵔ ⵢⵓⵍⵉ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵟⵟⴼ ⵜⴰⴳⵕⵥⴰⵡⵜ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵊⵊⴰ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⴷ ⵉⴷⵡⵉⵍ ⵛⵉ, ⵃⴰ ⵉⵍⵍⵉⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ, ⵜⵏⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵅⵎ ⴰⴷ ⵉⵎⵔⵛ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⵣⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⴷⴳ ⵓⵃⵙⵉ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵎⴰ ⵜⵙⴷⴰⵀⵊⵊ ⴰⵅⵢⵢⵇ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⵏ ⵔⵅⴷⵏⵜ. ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ, ⵉⵚⴼⴰⵏ, ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⴳⴳⴰⵎⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⴷⵉ ⵍⵇⵙⴱⴰ ⴷⵉ ⵎⴰⵍⴰⴱⴰⵟⴰ. ⵜⴰⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ.

ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵛⵛⵏⵄⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵜⴷⵡⵉⵍ ⴷ ⵛⵉ. ⵓⵔ ⵉⵇⴹⴰ ⵛⵉ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⴹⵓ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ, ⵏⵉⵖ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⴹⵓ ⵙ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⴰⴷⵉⵔ ⵢⵓⵄⵍⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵎⵛ ⵜ ⵏⵙⵙⵏ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵔ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ, ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵢⵢⵓⴹ ⵓⵎⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ. ⵢⴰⵔⵡⵍ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ. ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵓⵣⴳⵔ ⵉⵏⵏⵓⴼⵙⵔ ⵣⵉ ⵜⵇⵉⵏⴼⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵍⵄ.

ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵡⵓⵔⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⴱⵔⴳⵎⵎⵉ ⵏ ⵓⴳⵍⵍⵉⴷ, ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵖⵍⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵏⵓⵔⴰⵢⵜ ⵏ ⵓⴳⵍⵍⵉⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵉⵎⴹⵍ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵅ ⵓⴱⵏⴰⴱⴰⴽ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵎⵓⴷⴷⵓ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵉⵣⵕⴰ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⴷ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ ⴷ ⵡⴰⵏⴳⵍⵉⵣ ⵓⵎⵉ ⵉⵕⴰⵃ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ. ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉ ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⴼⴼⵖⵏ ⴰⴷ ⵍⵎⴷⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ. ⵏⵙⵙⵏ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵍⵎⴷⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵓⵎⵉ ⵓⴷⴼⵏ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵓⴼⵉⵏ ⴰⵍⵎⵎⵓⴷ ⵏⵏⵙⵏ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵉⵏⴼⵉⵄ ⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⵔⵃⴽⴰⵎ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵓⴳⵍⵍⵉⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵡⵏⵏⴹⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵍⵎⴰⴷⵏ ⵏⵏⵉ ⴽⵙⵙⵉⵏ ⵟⵕⴰⵅⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵕⴹⵏ ⵜⵉⵊⵍⵍⴰⴱⵉⵏ ⴷ ⵉⵙⵍⵀⴰⵎⵏ ⴷ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⴰⵎⵙⵍⵎ ⵏⵏⵙⵏ. ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵎⴹⵕⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴰⵙⵖⵏⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⵉⵔⵉ ⵃⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴷⵓⵍⵉ ⴷⵍⵉⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⴰⵔⵊⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵚⴱⵃⴰⵏⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵢⴰⵕⵥⵏ.

ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⴱⴷⴷⵍ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⴷⵉⵊⵊ ⵎⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵢⵢⵇ ⵏⵉⵖ ⵉⵇⴹⴰ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⵉⵅⵍⵓ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵢⵏⵓⵏ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ. ⵉⵏⵏⴹⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⴰⵔⵣⵣⵓⵏ ⵅ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴷ ⵜⴰⵎⵔⴰⵔⵉⵡⵜ ⵅⴼ ⵓⵙⵇⵙⵉ. ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵓⵛⴰ ⵙⵙⵔⵣⴰⵎⵏ ⵜ ⵅⴰⴽ. ⵓⵔ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⵃⴷⴷ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉ ⵔⵀⵏⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⵎⴰⵏ ⴰⵙ ⵓⵛⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉ ⵖⴰ ⴰⵙ ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵏⵉ: ⵡⴰⵀ ⵉ ⵎⴰⵏ ⴰⵙ ⵙⵙⵓⵊⴷⵏ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵄⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵢⴰⴳⴳⵯⵊ ⵓⵛⴰ ⵜⵡⵉ ⵜ ⵜⴰⵖⴰⵕⵕⴰⴱⵓⵜ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵅⵙ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ. ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⴷⴰⵢⵙ ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵓⴽⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵖⴰ ⵉⴳⴳ ⴷ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⴽⵍ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏⵉⵖ ⴱⵍⴰ ⵇⵇⴰⵃ ⴰⵙⵙⵓⴽⵍ. ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵎⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵕⵉⵃ ⵛⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵜⵉⵏⵄⴰⵛⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵉⴳⵔⵓ.

ⵣⴳ ⵓⵖⴰⵕⵕⴰⴱⵓ ⵖⴰⵔ ⴰⵍⴰⵡⴰⵢ, ⵣⵉ ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵏⵉ

ⵉⴳⴳⵓⵔ, ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵏⵙⴰ ⴳⵡⵓⵃⵍⵙ. ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵡⵓⵟⵟⵓⵍ ⴷ ⵢⵉⵏⵙⴰⵡⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵢⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵣⵖⵏⵜ ⴰⵏⵖ ⵛⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ, ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵙⵜⵀⵃⵃⵏⵜ ⴰⴷ ⵏⵣⵖⵏⵜ, ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔⴰⵏⵜ ⴰⵏⵖ, ⵏⵉⵖ ⵏⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵜⴰⵔⴳⵉⵜ ⵍⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ. ⵣⴳ ⵓⵙⵔⵔⵙⵉ ⵏ ⵓⵙⵜⵉⵔⵃⵉⵜⵣ ⵉⵏⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵓⵃⴷⵉⵜ ⵉⴳⴳⵓⵔⵏ ⵙ ⵉⵢⵙⴰⵏ. ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴼ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ. ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵔⴰⵙⴱⴰⵢ ⴷⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵓⴱⴰⵔⴰⵣ ⵏ ⵓⴷⵢⵓⵏ ⴷ ⴼⵓⵊⵉⵔⴰⵔ ⴷ ⵎⵉⴷⵉ ⵙⵉⵙ ⴷⴰⵜ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⴼ ⴰⵎⵏⴷⴰⵀ ⵙ ⵢⵓⵍⵉ ⵉⵏⵢⵉⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⴽⵉⵏⵎⵉⵔ ⴷ ⴼⵃⵓⵔⵉⵙ. “ⵀⴰ ⵛⴽⴽ ⵄⵃⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵜⴳⵛⵛⴷ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⴽ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵡⴰⵀⴰ! ⵙⵃⵃⵎ ⵅⴼ ⵡⵍⵉ ⵜⴳⵙⴷ ⴰ ⵢⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ”. ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵍⴰ ⵓⵎⴰⵏⴷⵀ ⵍⵉ ⵓⵛⴰ ⵉⵊⵊⵉ ⵉⵜ ⵉⴼⴰⵃ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ.

ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵡⵓⵟⵟⵓⵍ ⵏ ⵜⵡⵡⵓⵔⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ. ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵓⵔ ⵉⵣⴰⵕ ⵓⵟⵟⵏ ⵏ 27 ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⴱⵓⵇⴰ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵙⴳⵔⵔⵇ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙ ⵅⴰⴼⵙ, ⴰⵎⵛ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ. ⵃⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵡⴰⵀⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵜⴰⵔⵜ, ⵉⵣⵣⵓⵖⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⴰⵙⵓⴼⵔⵜ ⵍⵙ ⴷ ⵜⵛⴽⴽⴰⵕⵜ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⴽⴽⵓ ⴷⵉ ⵡⴰⴽⵯⵃ ⴰⴽⴰⴽⵉ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵣⴳⵣⵡⵜ ⵍⵉ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵜⵓⵔⴰ ⵙ ⵓⵙⴽⴽⵓⵃ ⴰⵛⵎⵃⴰⵃ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ :ⴷⵓ ⴼⵃⵓⵔⵉⵙ. ⵖⴰⵔ ⴱⴷⴷⵓ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵓⵔⵜⵉⵜ ⵏ ⵃⵓⴽⵙⴰⵎⴱⵓⵔⵖ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵜⴰⵎⵏ ⵣⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴷ ⵡⵍⵉ. ⵉⵡⴽⴽⴷ ⴷⵉ ⵜⵉⴽⵃⵉ ⵍⵙ ⴱⵃⵃⵉ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵏ ⵉⵙⵙⵉⴷⵏ ⵏ ⴷⵓ ⴼⵃⵓⵔⵉⵙ ⴷ ⵎⴰⴷⴰⵎ. ⵉⴹⴼⵕ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⵓⵟⵟⵓⵍ ⵍⵉ ⵉ ⵅⴼ ⵉⵔⵣⵣⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵎⵃⵉⵣⵡⵔ ⵙ ⵉⵢⵙⴰⵏ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵜ, ⵀⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴷ ⵜⵉⵣⵇⵇⴰ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ, ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵣⴷⴷⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴷ ⵜⵔⴱⵉⵃⵜ ⵍⵙ. ⵀⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵜⴰⴷⴼⵏ. ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵉⵖⵣⴰ, ⵙⵍⵊ ⵍⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⴷⵖ ⴷ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⴳ. ⴱⴰⵙⴳⵉⵢⵉⵔ[1]. ⵡⵍⵉ ⵉⴱⵏⴰⵏ ⵜⴰⵣⵇⵇⴰ ⵍⵉ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵏ 1894. ⵛⵉ ⵏ ⵜⴰⵙⴽⴰ ⵢⵓⵄⵃⴰ ⵉⴱⵏⴰ ⵙ ⵓⵥⵕⵓ. ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵍⵉ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ. ⴰⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⴹⵏⵉ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵅⴼ ⵔⵎⵔⴰⵃ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ. ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ. ⵜⵉⵔⵉⵡ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ: ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵜⵣⴷⵖ ⴷⴰⵢⵙ, ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉⴹⵏ ⵜⴳⴳ ⵉⵜ ⴷ ⴰⵙⴰⵃⵓⵏ ⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ, ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵉⵡⵃ ⴰⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵡⵍⵉ ⵜⴳⴳ ⵉⵜ ⵉ ⵉⵏⴱⴳⵉⵡⵏ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⵓⴳⴳⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ.

ⵓⵎⵉ ⵜⵕⵥⵎ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵓⵔ ⵜⵜ ⵢⵓⴼⵉ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⵃⵉⵙ. ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵍⴹⵏⵉ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵅⵣⵣⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵍⵙ ⴰⵃⴰⵎⵉ ⵢⴰⵔⵊⵉⵊ. ⵎⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ

1 G.Pasquier

ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵓⵎⵉ ⵇⵇⴰⵕⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰ ⵔⴰⵍⵍⴰ? ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰⵏ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ? ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵎⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ, ⵀⵉⵍⵉⵏ, ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ: ⵀⵉⵍⵉⵏ, ⵡⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ? ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵊ ⴷ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵏⵣⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵇⵡⵙⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⵜⵎⵀⴷ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ. ⵓⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ ⵡⵡⴹⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⵙ ⴰⴱⵔⵉⴷ. ⵎⵙⵍⵍⴰⵎⵏ, ⵎⵙⵇⵙⴰⵏ, ⵉⵙⵙⵔⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⴷⵇⵍ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵉⵄⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵉⵚⴱⵃ. ⴰⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵢⴰⵔⵢⵃ, ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵊⴰ ⴰⴷ ⵜⵀⵡⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⵉ ⵜⵅⵅⴰⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴼ ⵀⵉⵍⵉⵏ. ⵀⵉⵍⵉⵏ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵜⵛⵏⴰ, ⵜⵚⴱⵃ, ⵜⵙⵙⵏ ⵉ ⵜⵎⴳⴳⴰ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵜⵚⴱⴱⴰⵕ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵜⴰⵏⴼⵔⵓⵃⵜ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵀⵛ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵃⴰ ⵙⵙⵖⴷ ⵡⴰⵀⴰ! ⵔⵓⵅⴰ ⵜⴽⵎⵎⵍ ⵡⵉⵙ ⵜⵥⴰ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⴳⵓⵔ. ⵢⵓⴳⵉ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜⵅⴷⵎ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⴹⴼⵕ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵜⵅⵢⵢⵇ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵜ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴰⴼⵙ. ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵍⵍⵙⵜ ⵏⵏⵙ: “ⴰⵎⵛ ⵜⵅⵥⵥⵔⴷ ⵛⴽⴽ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴰⴼⵙ ⵔⴰ ⴷⴳ ⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⴰ ⵜⵓⴼⴰ ⴰⴱⵔⵉⴷ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ, ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵓⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵅⵎⵎⵓⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵉⵖⵉⵍ ⴷⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵉⵖⵏ ⴷ ⵉⵎⴰⵔⴰⵏ.” ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ? ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵥ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵍⵎⴷⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜⵜ ⵏⵛⵛ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ? ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵙ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷ ⴰⵎⵙⴳⵏⴰⴼ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵙ.

ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⴹⵕⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵥⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ. ⵉⵥⵡⴰⵔ ⵉ ⵜⵜ ⵉⴷ ⴰⴹⵓ ⵏ ⵓⵙⵔⵉⵔⵉ. ⵜⴳⴳ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴷⴰⵎⵓⵎ ⵉⵜⵜⵓⵄⵍⴰ ⵥⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵎⵢⵍ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴼⴰⵃ, ⵉⵥⵡⵖ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ, ⴷⵍⵇⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⴹⵔⵄ. ⵎⴹⴰⵔⴰⵄⵏ, ⵎⵙⵍⵍⴰⵎⵏ ⵙ ⵡⵓⴷⵎⴰⵡⵏ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵓⵔ ⵜⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ, ⵉⵔⴰ ⵅ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⴰⴷⴰⴱ ⵏⵉⵖ ⵙⴰⴷⵓ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⵓⵛ. “ⵜⵄⵟⵟⴰⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵛⴽⴽ? ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵓⵙⵉⴷ?.. ⴰⵍⵍⵉⵙ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵔⵀⴰ ⵛⴽⴽ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅ ⵜⵛⵔⵉⵛⵉⵏ. ⵡⵏⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⴰⵙⵜⵍ ⵏⵏⵙ, ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵍⴱⴷⴰ ⵅⴼ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⴷ ⵓⵙⵏⵡⵉ!”.

ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵅⴷⵔⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⵓⵏⵏⴰⵔⵉ. ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵉⴼⵙⵉ ⴷ ⴰⵢⵅⵅⴰⵖ ⴰⵎ ⵜⵉⴹⵄⵉⵏ ⵏ ⵓⵅⵢⵢⵉⴷ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⴷ ⴰⵛⵎⵢⴰⵢ 'ⴱⴰⵙⴽⵉⵟ' ⵉⵜⵜⵉⵔⴰⵔ ⴰⵙ ⵖⴰⵔ ⵉⴹⴰⵄⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⵕⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵛⵎⵢⴰⵢ, ⵓⴼⴼⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⵇⵚⴰⵔ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵡⴰⵕⴰⵡⵕⴰ. ⵍⴰⵛⴰ ⴰⵢⵉⵙ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵕⵙⵏ ⵙ ⵢⵍⵙⵙ. ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵎⵓⴹ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵓⵏⵕⵓⵜ ⵜⴰⵢⵅⵅⴰⵖⵜ ⵜⵀⵡⴰ ⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵉⵏ. ⵜⵉⵏⵣⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵣⵉⵔⴰⵔⵉⵏ, ⵛⵉ ⵏ ⵛⵢⴰⵖⵎ ⵓⴷⵔⵓⵙⵏ ⵅ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵙⵏⵏⵊ. ⵓⵛⴰ ⵜⵡⵡⵉ ⴷ ⵀⵉⵢⵉⵏ ⵙⵙⵉⵏⵕⵕⵜ ⵏ ⵔⵇⵀⵡⴰ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴼⴰⵔⵔⵖ ⵄⵇⴰⵀⵡⴰ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵏⵊⴰⵄⵉⵏ ⵜⵉⴱⵔⴱⴰⵛⵉⵏ. ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⴷⴰⵕⵙⵏⵜ ⵜⵉⵡⵢⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵙⵉ ⴷ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵚⴱⵍⴰⵏⵜ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⴼⴰⵔⵔⵖ ⵄⵇⴰⵀⵡⴰ, ⵜⵅⵣⵔ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⵎⵓⵍⵎⵎⴷ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵢ ⴰⴽⵉⴷⵙ. “ⵓⵀ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ, ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⵅⵅⵉⴷ ⵜⵓⵅⵓⵔⴷ ⵣⵉ ⵙⵏⵏⵉ. ⵣⵉ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵜ!” ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵜⵜⵙⵍⵇⴰⵔ ⵉⵜⵜ: ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵜⵡⵡⵉⴷ ⴰⵡⴰⵢ ⴰ ⴰⴱⵓⵀⴰⵢⵉ ⴰ ⵀⵉⵢⵉⵏ ?. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⵎⵓⵍⵎⵎⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵡⴰⵡⴰⵢ ⵍⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵢ ⵅⴼ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ ⵏⵏⵉ, ⵜⵙⵙⴷⵍⴰ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ. “ⴰⵊⵊ ⵉⵜⵜ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ, ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵀⵉⵢⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴷⵍⴰ. “ⵢⵢⴰ! ⴰ ⵔⴰⵢⵢⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵙⵉⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵕⴰ... ⴷⴰⵕⵙ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵇⴰⵔⵔⴰ ⵉⴼⴽⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵎⴰⵄⵄⴰ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: “ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵎⴰⵄⵄⴰ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ... ⴰ ⵀⵉⵢⵉⵏ”.

ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵡⴰ ⴰⴼⵏⵊⴰⵄ ⵏ ⵚⵇⴰⵀⵡⴰ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵜⴽⴽⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵜⴼⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵔⴰⵊⴰ ⵜⵜ ⵍⴷⴷ, ⵓⵛⴰ ⵉⴹⴼⵄ ⵉⵜⵜ 'ⴱⴰⵙⴽⵉⵟ', ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉ ⵎⵓⵍⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵔⵡⵇⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⵔⵉ ⵙ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵣⵣⵕⴰⵏ, ⴰⵏⵓⴱⵓⴹ ⵏⵏⵙ. ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵢⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⵎⵓⵏⴱⴰⵔⵏⴰⵙ’: ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵕⵉ ⵖⴰ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵔⴰⵅⵅⵯⴰⵏ ⴰ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ? ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵙ ⵜⵏⵎⵢⴰⵢⵜ ⴰⵢⴰⵎⵉ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵅⵎⵎ ⵅ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵏⵏⵉ ⵇⵇⴰⵃ: “ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⴷⴰⵀⴷⵊⵏ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵃⴰⵡⴷ!”. ⵜⴷⵀⵛ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷⵅ ⵔⵏⵡⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⴰⵚⵎⵎⴰⴹ. ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵙⴱⴷⴷ, ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ, ⵜⵅⵅⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴱⵢⵢⵟ ⴷⴰⵕⵙ: “ⵎⴰⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵕⴰ ⵡⴰⵀⴰ ⵉ ⵣⵉ ⴷⴰⵕⵉ ⵖⴰ ⵜⵡⴰⵏⴱⴷ ⵅⴼ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵉⵏⵓ, ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴱⴹⴰ ⴷⴰ ⵡⴰⵀ, ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴰ”. ⵉⵙⵕⴰⴼⴰ ⴱⵢⵢⵉ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵕⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵔⵍⴰⵔ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⵓⵎⵓⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵢ ⴰⵙ ⵅⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵉⵙⵙⵉⵡⵢ ⴰⵙ ⴷⵖⵕⴰ ⵅⴼ ⵕⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵅⵅⴰ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ, ⵜⴰⵎⵣⵕⴰⵏⵜ ⴷ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵢ ⵅⴼ ⵕⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ

ⵏ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵉⴷⴷⵓⵜⵏ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴷ ⵉⵙⵏⵜⵉⵜⵏ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴷ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵓⵎⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵜⴷⵡⵉⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵔⵉⵇⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵡⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ, ⵜⵔⵀⴰ ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵉⴼⵔⵃⵏ: “ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵉⴷ ⵜⵜⵓⴳⴳⵓⵔⴷ… ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ”. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵢⴰⵔⵔ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵜⵡⵜⵎⵜ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵖⴰⵔ ⵛⵎⵎ ⵉⴷ ⵓⵙⵉⵖ, ⵖⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ… ⵜⵙⴷⴰⵀⵊⵊ”. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ: “ⵜⴳⴳⵉⴷ ⵔⵎⵣⵉⵢⵜ ⵜⵓⵙⵉⴷ, ⴰⵕⴰⵃⵉⴷ…”

ⵜⵉⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵎⴰⵔⵔⴰ ⵉⵙⵔⵡⵏⵜ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⵏⵏⵉ ⵉⵄⵟⵟⴰⵏ. ⴰⵙⵢⵏⵓ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵄⴳⵣ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⵓ ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⴼⴼⵣ ⵣⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⵎⵉⵔ ⵏ ⵜⴼⵓⵙⵓⵜ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵛⵉ ⴰⵅⴷ ⵓⵚⵎⵎⵉⴹ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵜ ⵉⵔⵇⴰⵏ ⵓⵎⵉ ⵉⴹⵕ ⴷ ⵣⴳ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ. ⵓⵎⵉ ⵉⴼⴼⵖ ⵣⵉ ⵜⵙⵔⵙⵉⵜ ⵙ ⵓⵥⴰⵥⵓ ⵏ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ ⴷ ⵜⵛⵛⴽⴽⴰⵕⵜ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉⵢⵓⵏⵓⴹⵏ ⴷⴳ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ. ⵖⴰⵔⵙ ⵙⵙⵄⴷ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵇⵓⴱⴱⵓ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⵉⵙⵙⵉⵃⵎⴰ ⵜ ⵔⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵙⵍⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵓⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷ ⵉⵏⴷⵀⵏ. ⵉⵢⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴳⴳⵓⵔⵏ ⵙ ⵉⵖⵓⵢⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ, ⵓⵔ ⴳⴳⵓⵔⵏ ⵛⵉ ⵙ ⵜⵖⵔⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴽⴽⴰⵜ ⴷⵉ ⵜⵓⴳⴳⴰⵡⵜ. ⵓⵔ ⵉⵙⴱⵉⴷⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵇⵇⴰⵄ, ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⵣⴳ ⵓⵙⵔⵙⵉⵡ ⵏ “ⵓⵙⵜⵔⵍⵉⵜⵣ” ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵉ ⴷ ⵉⵏⴷⵀ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⴷ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⵉⵥⵏⵓⵥⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴷ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⵃⵓⵏⴰ, ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵉⴼ ⵃⴷⴷ ⵎⵉ ⴽⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴻⵏⵏⵉ ⴰⵙ: “ⵏⵀⵣⵣ ⴰ ⵢⴰⵖⵏⴷⴰⴼ ⵓⵔ ⵙⵎⵢⵢⴰⵍ ⵛⵉ ⵍⵃⵎⵍ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⴰⴽ!”. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴷⵡⵉⵍ ⵖⴰⵔ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵙⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵜⵇⵙⵙⵉⵙⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⴷ ⵉⵎⵏⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵚⴱⵃ, ⵉⵜⵜⴹⵚⵚⴰ, ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⴰⵖ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⵎⴰⵏⵉ ⵜ ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ. ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ, ⵉⵙⴼⴰⴼⴰ ⵜⵏ: ⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵉⵙⵎⵇⵇⴰⵍⵉⵏ, ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⵏⵏⴽ! ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴰ. ⴰ ⵔⴰⵍⵍⴰ, ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵎ ⴽⵜⴰⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ, ⵢⴰⵍⵍⴰⵀ ⵀⵡⴰ! ⵓⵔ ⵜⴻⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⴷ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⵏⵏⴽ!.

ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵙⵜⵓⴼⴰ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵇⵇⴰⵄ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ. ⵜⵓⴼⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵄⴰⴼ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵛⵏⴰ ⵓⵎⵀⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵙⵄⴷⴰⵏ ⵔⵡⵇⵜ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉ ⴷ ⵉⵡⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵣⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ

ⵍⵙ, ⵜⵉⵣⵓⵣⴰⴼ, ⵜⵉⴼⵉⵔⵓⵜⵉⵏ ⵜⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵉⵏ, ⵜⵉⴳⵓⴷⴰⵎ, ⵉⵣⴱⴳⴰⵏ ⵏ ⵍⵓⵇⴰⵔⵜ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵉⵎⴰⵣⵉⵖⵏ ⵣⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵚⴱⵃⵏⵜ, ⵣⵉ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ ⵜⵉⵣⵏⵉⵜ ⴷ ⵜⵔⵓⴷⴰⵏⵜ ⴷ ⵎⵕⵕⴰⴽⵛ ⴷ ⴷⴷⵛⵓⵕⴰⵜ ⴷ ⵜⵄⵛⵓⵛⵉⵏ ⵏ ⵛⵛⴰⵕⵇ, ⵙⵍⵊ ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵍⴰⵙ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ. ⴷ ⵜⵙⵏⴷⵓⵇⵉⵏ ⵜⵉⵇⵓⵍⴰⵔⵉⵏ ⵏ ⵍⵓⵇⴰⵔⵜ ⵉⵜⵜⴰⵃⴷⴰⵊⵏⵜ ⵜⵉⵎⵟⵟⵓⴹⵉⵏ ⴷ ⵍⵃⵙⴽⴰⵜ ⵏ ⵜⵛⵓⵎⵄⵜⵉⵏ: ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵏ ⵙⵉⵔⴰⵎⵉⴽ, ⵜⵍⴹⵏⵉ ⵏ ⵓⵥⵕⵓ. ⴷ ⵜⵛⵓⵎⵄⴰⵜⵉⵏ ⵜⵉⵇⴰⵔⵇⴰⵛⵉⵏ ⵣⵉ ⵜⵍⵉ ⵜⵉⵣⵢⴽⵓⵜⵉⵏ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵥⵕⴰ ⵜⵡⴳⴳⵉⴹⵏ ⵉ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⴷⴷⵉⴽⵓⵕ, ⵜⵜⵎⵔⵓⵙⵏ ⴳⴼ ⵔⵎⵔⴰⴼⵄ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ ⵙ ⵍⵊ ⵉ ⵜⵙⵓⵍⵟⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵅ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵙⵜⵓⴼⴰⵜ. ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵉⵔⵖⵎⴰⵏ ⵖⴷⵍⵏ ⵙ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⴷ ⵓⵣⵍⴰⵏ ⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵏ ⵉ ⵣⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵎⵏⵖⴰⵏ ⵎⵉⴷⴰⵏ ⵏ ⵣⵉⴽ ⵊⴰⵔ ⵔⵇⴱⴰⵢⵍ, ⵔⵓⴳⴰ ⵜⴰⵢⵔⵏⵜ ⵏ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ. ⵢⵡⵡⵉ ⴷ ⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵇⵛⵓⵄ ⵏ ⵡⴰⵜⴰⵢ. ⴰⴱⴰⵔⵔⴰⴷ ⵏ ⵍⵓⵇⴰⵔⵜ ⵉⵚⴱⵃ ⴷ ⵓⵣⵏⴱⵉⵔ ⴷ ⵔⴽⵉⵙⴰⵏ ⵏ ⵍⵃⴰⵢⴰⵜⵉ ⴷ ⵉⵇⴰⵔⵇⴰⵛⵏ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵔⴽⵜⵜⴰⵏ ⵏ ⵔⵃⵔⵉⵔ ⴷ ⵔⵣⵢⵓⴼ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵓⵏⵓⵖ, ⵜⵎⵔⵓⵙⵏ ⴳⴼ ⵎⵉⵙⵙⴰⵜ ⴷ ⵜⵉⵙⴷⵍⵉⵙⵉⵏ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴽⵟⵉⴼⵜ ⵜⵛⵏⴰ. ⴷ ⵉⴱⵓⴼⴰⵔ ⵏ ⵓⵙⵏⵓⵍⵉ ⵍⵖ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏ ⵉⵊⴷⴷⵉⴳⵏ ⵉⵏⵇⵄⵏ ... ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵙⴷⵀⴰⵛⵏⵜ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵍⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴽⵙⵉⵏ ⵜⴰⵙⵖⴰⵔⵜ ⵍⵙⵏ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ. ⵎⵉⵏ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵇⵇⴰⵄ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵡⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴼⵔⵃⵏ ⵜⴽⵎⵎⵎⵍ ⴰⵍⵉⵙ ⴳⴼ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵍⵙ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⴰⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴳⴼ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ. “ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⴼⵔⵃⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵛⴰ ⵏ ⵔⵄⵉⴱ”. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⴷⵢⵙⵏⵜ ⵔⵄⵉⴱ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵅⴷⵎⵏⵜ ⴰ ⴰⵍⵉⵙ». ⵓⵛⴰ ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵛⵛⵉⵜ ⵡⵓⵍ ⵍⵙ ⴳⴼ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ, ⵜⵍⴰ ⴰⵙ: “ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⴰⵎ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵙⵙⵉⴷⴼⴷ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⴽ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⴽ, ⵓⵛⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵓⴳⵓⵔ, ⴰⴷ ⵜⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⴽ ⴱⵍⴰ ⵔⵙⴱⴰⴱ!”. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴳⴼ ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵅⴷⵎⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵏ ⵡⵓⵟⵟⵓⵏ ⵏ 27 ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ’ⴷⵉⴼⵍⵓⵔⵉⵙ’. ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⵉⵅⴷⵎⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵜⴽⵜⵉ ⴳⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⴳⴼ ⵜⵇⵙⵙⵉⵙⵜ ⵏ ⵙⵉⵍⵉⵙⵢⴰ ⵣⵉ ⵙⵡⵉⵙⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵟⴰⵍⵢⴰ, ⵜⵡⵡⵉ ⵜⵜ ⵉⴷ ⴷⵉⵍⵉ ⵅⴰⵍⵜⵙ ⵉⵅⴷⵎⵏ ⵜⴰⵎⴹⵓⴼⵜ ⴳⴼ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵓⵣⵇⵇⴰ ⵜⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔⵙⵏ. ⵜⵓⴳⵓⵔ ⵙⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵓⵙⵍ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵓⵎⵍⵉⵟ ⵍⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⴳⴼ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⴳⴼ ⵜⴱⵙⵉ ⵍⵙ ⵉ ⵜⵍⵓⵎ ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵓⵎⵍⵉⵟ? ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵜⵓⵙ ⴷ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵍⴹⵏⵉ ⵎⴰⵔⵉⵢⴰ ⵍⴰⴽⵓⵔⵊ[1] ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵡⵙⴰⵔ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵜⴰⵎⴰⵔⴰ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵜⵓⵙ ⴷ ⵎⴰⵔⵉⵢⴰ

1 Maria LASGOURGES

ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵣⵉ 'ⴱⵡⵉⵙⵔⴰ'. ⵇⵇⴰⵔⵏ ⴰⵙ: ⵎⴰⵔⵉⵢⴰ ⵉⵏⵜⵉⵙ, ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ? ⵓⵔ ⵜⵄⵟⵟⴰ ⵛⵉ ⵖⵓⵔⵏⵖ, ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵓⴳⵓⵔ ⵜⵎⵔⵛ. ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏⵜ, ⵅⵎⵎⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵏⵜ ⵎⵎ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵎⴰⴷⵊⵉ ⵎⵓⵍ[1] ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵍⵍⵙⵜ ⵜⴰⵇⵓⴹⴰⵜ. ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ, ⵉⵅⴷⴷⵎ ⴷⵉ ⵔⵎⵅⵣⵏ, ⵉⵜⵜⵎⵓⵜⵓⵢ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵡⵏⵏⴹⵏ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴼ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⵊⴰⵏ, ⵜⵙⵙⴽⵜⵉⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵉⵖ ⵍⵍⴰ? ⵓⵛⴰ ⵜⵅⵢⵢⵇ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵜⵓⴳⵓⵔ ⴰⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⴹⵏ ⵣⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ? ⵜⵜⴳⴳⵯⴷ ⵣⵉ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴷ ⵔⵎⵔⴰⵛ.

ⵙⵙⵉⵡⵍⵏⵜ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵊⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵔⵅⴷⵎⵜ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵎⵉ ⴼⴼⵖⵏⵜ ⵔⵣⵣⵓⵏⵜ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏⵜ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵄⴷⵍ ⵜⵉⵊⴰⵕⵕⴰⵢⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉ ⵜⵜ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉⵏ ⵖⴰⵔⵔⵙⵏⵜ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⵉⵢⵢⵇ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ. ⵜⵄⴰⵡⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴰⴼⵙ: ⵖⴰⵔⵔⵙ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ, ⵜⴳⴳ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴽⵢⵓⴹⵜ ⵜⵚⴱⵃ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵜⵙⵏⵏ. ⴷ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ, ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵏ ⴰⵏⵡⴰⵍ. ⵜⵅⵥⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ: ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴷ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵀⵡⴰ, ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ, ⵉⴳⴳⵯⵊ. ⵓⵔ ⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵜⵊⵊⴰ ⴷⴰⵢⵉ ⵔⴰⵜⴰⵔ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷⵔⵓⵙⵜ. ⵜⵙⵙⵖⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴹⴼⴼⴰⵕ ⵉⵜⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵕⴱⴱⵉ. ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⴷ ⴽⵕⴰⴹ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⵡⵃⴷⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵓⴼⴰ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ. ⵓⵛⴰ ⵜⵕⴰⵃ ⵓⵔ ⵜⴷⵡⵉⵍ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ, ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ ⵜⵎⴰⵔⵔⵜ.

ⵀⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⴹⴼⵕ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ. ⵏⵜⵜⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴰⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵉⵥⵕⴰ ⵜⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵎⵙⵓⵎⵓⵃ, ⵜⵉⵚⴱⵃⴰⵏⵉⵏ, ⵅⴼ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴹⵚⴰ ⵏ ⵡⴰⵥⵍⵉ ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ. “ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⴰⵎ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⴽ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵏⵉⵖ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴱⴷⵍⵏ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵔ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⵅⵄⵄⴷ ⴰⴽⴷ ⵀⵉⵍⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵙⵏⵏⵊ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵙⵓⵊⴷ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵏⵓⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵉⵜⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵅⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵄⵟⵟⴰ ⵛⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: “ⵅⵙⵖ ⵛⵎⵎ ⵓⵎⵉ ⵥⵕⵉⵖ ⵛⵎⵎ ⵙ

1 Muggie MOLL

ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ". ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ: "ⵉⵅⵙⵙ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵛⵉ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ". ⵜⵅⵎⵎ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ 'ⴱⵉⵍⵍⴰ ⴷⵓ ⴼⵕⴰⵏⵚ[1]' ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⴰⵇⴷⴷⴰⵛ ⵏⵏⵉ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴷⵉ ⵍⴱⴰⵕ. ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵣⵣⵏⵣⴰⵏ ⵜⵔⵓⵙⵙⵉ ⵜⵓⴷⵙ ⴰⵙⵏⵙⵓ. ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵣⵣⵏⵓⵣⴰⵏ ⵜⵉⵏⴳⵓⵍⵉⵏ ⵏ ⵓⵢⵔⵓⵎ ⴷⵉⵍⵍⵉ. ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵚⴹⵔⴰⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵊⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵓ. ⵉⵙⵖⵓⵢⵢⵓ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ: "ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵀⵉⵏⵔⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵉⵜ ⵉⴷ ⵣⵉ ⵙⵙⵉⵀⴰ ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜⵉⵏ ⵙⵏⵏⵊ!". ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵙ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵏⵏⴰⵏ: "ⵣⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ ⵉⵍⵓⵍⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵣⵇⴰ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵇⵇⵉⵙⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ, ⴷⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ". ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵖⵓⵢⵢⵉⵜ ⴷⵉ ⵓⵔⵜⴰⴱⵓⵣ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵙⵜⵓⴷⵢⵓ ⵏ ⵓⵙⵊⵊⵍ: ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ? ⵉⵔⵉⵖ ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⴼⴰⵃⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ. ⴰⴷ ⴰⴽ ⵣⵣⵓⵍⵍⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵙⵔⵉⵔⴷ ⴰⵢⵉ ⴰ ⵢⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⴼⵔⵃⵏ, ⵜⴱⴷⵍⴷ ⴰⵢⵉ! ⵎⵉⵏ ⴰⵢⵉ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵙⵙⵀⵡⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵣⵉ ⵙⵏⵏⵊ, ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵉⵏⵓ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵓⵔⵜ? ⵡⴰⵀ! ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵅⵎⵎⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵓⴷⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⵊⵏⵏⵜ, ⵓⵛⴰ ⴼⴼⵖⵖ ⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵓⵔ ⵜⴷⵡⵉⵍ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ...

ⵜⴷⵡⵉⵍ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⴽⵎⵎⵍ ⵅⴼ ⵓⵇⵙⵙⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵃⵎⴰⵏ ⵙ ⵙⵜⵓⴼⴰ, ⵇⵉⵎⵎⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⴷ ⵔⵓⵏⵡⴰⵔ ⴷ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉ ⵢⵓⵢⵍⵏ ⵅⴼ ⵕⵃⵉⴹ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ[2] ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. "ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⴽ ⵉⵙⵙⵓ, ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵙⴷ ⴰⵍⵉ ⵖⴰⵔⵙ". ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵓⵛⴰ ⵜⴽⵎⵎⵍ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵄⴷⵍ ⴰⵔⵚⵎⵉⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⵛⵛⵉⵏⵉ. ⵣⵉ ⵡⴰⵎⵉ ⵉ ⴷ ⴷⵡⵍⵖ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵙⵇⵙⵉⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⵉⵡⵏ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵡⴰⵍⵓ? ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⵛⵏⴰ! ⵜⵙⴷⵀⴰⵛ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵎ ⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⴰⵎ ⵛⴽⴽ ⵄⴰⴷ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: "ⵍⴰⴱⵓⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ ⵄⴰⴼⴰⵎ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵎ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⴷⵔⵓⵙⵏⵜ, ⵢⵓⴷⵔⵓⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵔⵉⴷ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵣⵣⵓⵖⵓⵔⵏⵜ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵥⴰⵕⵕⵖ ⴷⴷⵓⵏⵛⵜ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴷ ⵛⵎⵎ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⵓⵄⵍⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ!”.(...).

– ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵊⵊⵉⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ.. ⴷ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ. ⵄⴷⵍⵏ ⵍⵎⴰⵔⴰⵙⴰ? ⵎⴰ ⴱⴷⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵜⵉ ⵏ «ⵜⵔⴰⵎⵡⴰⵢ» ⵎⵉ ⵅⴼ ⵜⵓⵖⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ?

---

1 Hotel Villa de Franc

2 بروتريه

– ⵄⴰⴷ «ⵜⵔⴰⵎⵡⴰⵢ» ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵜⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴼⵙⵏ! ⵢⵓⴷⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⴰⴷ ⵙⴰⵍⴰⵏ ⵉ ⵍⵎⴰⵔⵙⴰ, ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⵜⵜ, ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵊⵊⵉ ⵜⵜ. ⵔⵓⵅⴰ, ⵓⵔ ⵜⵃⴷⴰⵊⵊⵉⴷ ⵃⴷⴷ ⴰ ⵛⵎⵎ ⵉⵙⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵣⵡⵉⴹ, ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵓⴼⴼⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵎ... (ⵀⵉ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ? ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ! ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⴱⴹⴰⵏ ⵜⵜ ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ ⴷ ⵉⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵛⵎⵎ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⴰ ⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵙ. ⴽⴽⵙⵏ ⴰⵣⵍⵍⵉⴷ? ⴳⴳⵉⵏ ⵓⵎⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵃⴰⵛⴰ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵜⴰⵎⴰⴹⵍⴰⵏⵜ? ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵜⵜⵃⴽⴰⵎ ⵃⴷⴷ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ ⵜⵜⴳⴳⵉⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵃⵡⵡⵙⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⵜⵜⵙⴼⴰⵇⵇⴰ ⵜⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ.(...)

ⵉⵔⵉⵏ ⵖⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⴳⴳⵓⵔⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵉⵜⵜⵔⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵚⴼⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ ⴰⵏⵉⵍⵍⵉ ⵏ ⵢⵉⴹ ⵏⵏⵉ. ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵉ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ: ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ: ⵎⵙⵢⵓ ⵎⴰⵔⵛⴰⵏ, ⵡⴰ ⴷ ⵍⵇⵓⵏⵙⵓⵍ ⵍⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵡⴰ ⵉⵡⵚⵚⴰ ⵜⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵄⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⴰⵔⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵎⵍⵉⵃ, ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵓⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵙⵙ ⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵍ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵖⴰ ⵜⴽⴽ. ⴰⵔ ⵡⴰⵎⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵢⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵎⵉⵏⵅⴼ ⵜⵜⵖⵇⴰⵔⵖ ⵣⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ, ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴽⴽⵉ ⵛⵉ ⵉⴹⵚ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⵟⵟⵚ ⴷⵖⵢⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴼⴰⵇ ⵉⵜⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴱⴱⵉⵔⵉⵀ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵙⵙⴷⵃⴰ ⵙ ⵓⵙⵅⵓⵔ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵟⵟⵚ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵅⵎⵉ ⴰⵣⴳⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵎⵓⵜ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵟⵟⵚ. ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵔⴰ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵡⴰⴷⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵄⴰⴷⴰ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵏⵏⵙ!.

ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ: “ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷⴳ ⵢⵉⵎⵉⵔ ⵏ ⵜⴼⵙⵓⵜ ⵉⵚⴱⵃ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴷⴰⵢ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵓⵙⵢⵏⵓ ⵓⵎⵉ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵡⴰⵍⵓ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵖⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵓⵙⵢⵏⵓ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰ ⵉⵃⵎⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵎⴰ ⵔⵃⴰⵔ ⵉⵚⴼⴰ ⵏⵉⵖ ⵉⵛⵛⴰⵜ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⵏⵉⵖ ⵉⵊⵀⴷ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ. ⵏⵛⵛ, ⵅⵙⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⴳⵛⵛ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⵉⴼⵙⵓⵙ ⵓⵔ ⵉⵙⴱⴷⴷⵉ ⵛⵉ ⴰⵏⵀⵣⵣⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⴽⴽⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴳ ⵉⵙⵜⵓⵎⵏ ⴷ ⵜⵙⴽⴰ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ‘ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ’ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵍⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ

ⵉⵏⴷⵀⵏ ⵉⵢⵙⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵙ ⵓⵥⴰⵥⵓ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵔⴱⵓ ⵏ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ ⴷ ⵜⵛⴽⴰⵕⵜ ⴷ ⵜⴽⴹⵉⴼⵜ ⵜⵏⵏⵓⴹ ⴰⵙ ⵜⵇⵉⵏⴼⵜ ⵜⵎⵎⵓⴷ ⴰⵎⵓⴷⵉ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴷ ⴰⴳⴳⵯⴰ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴳ ⵓⴼⵓⵙ, ⵙⴰⴷⵓ ⵓⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ, ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ. ⵇⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵎⵢⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵎⵎⵓⴷⴷⵓⵏ, ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ, ⵜⵓⵜⵜⴷⴳⴽⵯⵍ ⴷ ⵙⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⴽⵜⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉ ⴷ ⵙⵎⵓⵏⵏ.

ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵙⵇⵔⵇⴱ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⴽⴽⵉ ⴷ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⵎⵚⵕⵉⵢⵜ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵀⵉⵍⵉⵏ ⵜⵜⵕⵥⵥⵎ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ. ⵅⵎⵎⵖ ⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ‘ⴱⴰⵙⴽⵉⵜ’ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵡⵙ ⵉⵜ, ⵜⵟⵟⴼ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵔⵚⵎⵉⴹ, ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵥⵓⵔ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵙ ⵓⴱⴷⴷⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵓⴹⴰⵕ ⵛⵉ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙⵏⵜ ⵙ ⵍⵃⵙ, ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⴱⴷⵍⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵎⴰⵔⵏⵉⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵇⵙⵏ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ. ⵄⴰⵡⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵣⴳ ⵡⴰⵏⵏⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⵜⵏⵟⵟⵓ ⴳ ⵜⴼⴷⵏⵉⵏ ⵙ ⵔⵃⴼⴰ ⵜⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵜⵡⵉ ⴷ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏ ⵉⵍⴰⴼⵏ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵎⴰⵔ ⵜⵏⵜ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵍⴰⴼⵏ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ ⵄⴰⴷ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵙⵎⵔ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⵉⵍⴰⴼⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵥⴰⵢⴽⵓⵜⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵃⵓⵢⵥ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⴷ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ. ⵄⴰⵡⴷ ⵉⵔⴰⵥⵎ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵚⵚⵡⴰⴱ ⵏ ⵓⵏⴱⴳⵉⵡ. ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵎⵎⵍ ⴱⴷⴷⵓ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵄⴰⵡⴷ ⴰⵙ ⴷⵉ ⵎⵔⴰⵡ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ.

ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵓⴼⴰ ⵜ ⵉⵕⴹ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ, ⵉⴳⴳⴰ ⵜⵕⵉⴽⴽⵓ ⵖⴰⵔ ⴷⵉⵅⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⵣⵉ ⵜⵇⵎⵉⵊⵊⴰⵜ ⵜⵇⴼⴼⵔ ⵖⴰⵔ ⵣⴷⴰⵜ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵕⵉⴽⴽⵓ ⵙⵏⵊ ⵏ ⵜⴹⵓⴼⵜ ⵉⴷⵍⴰ ⴰⵙ ⵉⵔⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵏⵇⵚ ⵣⴳ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵉⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵃⴷⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴷⵇⵍ ⵏ ⵉⵀⴰⴷⵓⵎⵏ ⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵉⵀⵏⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵡⴰⵍⴰⴼⵏ. ⵜⵕⵥⵎ ⴰⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏⵏⵉ ⵜⵙⵎⴰⵍ ⴰⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵅⵣⵔ ⴷⴰ ⴷ ⴷⴰ... ⴰⵍⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⵜⵅⵢⵢⵇ, ⵉⵇⵇⵙ ⴰⵙ ⵓⵄⴷⴷⵉⵙ ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ. ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵃⴷⴷ ⵢⴰⵍⵍⴰⵀ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵙ ⵜⵉⵙⵎⵉⵏ ⴰⵔⵖⵍⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏⵏⵉ ⵏⵜⵜⵏⵉ ⵜⵎⵙⵇⵙⴰⵏ ⵅⴼ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ. ⵇⵇⴰⵄ ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵏ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙⵏ.

ⵅⵣⵔ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵓⵎⵉ ⵍⵍⵉⵖ ⵖⵓⵔⵉ ⴽⵓⵥⵥ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵅⵣⵔ ⵉⵀⴷⵓⵎⵏ ⴷ ⵉⵛⵎⵍⴰⵍⵏ, ⴰ ⵜⵙⵉⵇⵙⵏ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵜⵡⴰⴳⵏ. ⵅⵣⵔ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵎⵖⴰⵔ, ⵉⵎⵎⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵇⵉⵏⴼⵜ. ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵔⵉⵖ ⴱⴱⵉⵔⵀⵖ. ⵎⵉⵏ ⵄⵏⴰⵏ ⵢⵉⵏ ⴰ? ⵢⵉⵏ ⴰ ⴷ ⴽⵓⵥⵥ ⵏ ⵢⵉⵙⵜⵎⴰ. ⵡⴰ ⴷ ⵎⵉⴳⵉⵍ ⵢⵓⵊⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵜⵥⴰ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵡⴰ ⴷ ⵙⵉⵎⵓⵏ, ⵉⵎⵥⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⴰ ⴷ ⵓⵍⵜⵎⴰ ⴱⵉⵔⵜⴰ ⵜⵓⵊⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⵙ ⴽⵓⵥⵥ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵡⴰ ⴷ ⵀⵓⵍⵉⵢⵓ, ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⵓⵎⴰ ⵉⵛⵏⴰ ⵢⵓⵊⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵏⵛⵛ, ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵎⵏ ⵉ ⴷⴰⴽ ⵏⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵢⴰⴽ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ? ⵡⴰⵀ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵡⴰ, ⴷ ⵓⵎⴰ ⵎⵉⴳⵉⵍ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⵔⴰ. (ⵜⴰ, ⴷ ⵜⵙⵉⵔⵜ ⵏ ⵍⵡⴰⵍⵉⴷⵉⵏ ⵏⵏⵎ, ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ!). ⵡⴰⵀ, ⴷ ⵡⴰ ⴱⴰⴱⴰ ⴷⴰⵏⵢⵉⵍ, ⴷⴰⵏⵢⵉⵍ ⵙⵜⴰⵢⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ, ⵉⵣⵓⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵓⵍⵉⵎⴰⵏ, ⵣⵉ ⴱⴰⴱⴰⵔⵢⴰ. ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵢⵎⵎⴰ, ⴰⵎⵉⵍⵢⴰ ⴽⴰⵢⵣⴰⵔ. ⵜⵍⵓⵍ ⴷⵉ ⵍⵡⵉⵍⴰⵢⴰⵜ ⵍⵎⵓⵜⴰⵃⴷⴰ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⴱⴰⴱⴰⵔⵢⴰ. ⵜⴽⴽⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏⵏⵉ, ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⴱⴰⴱⴰ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵙⵎⵎⵓⵙ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵣⴷⵖⵏ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵡⴰⴽⵍⴰⵏⴷⴰ. ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⴷⵡⵍ ⴱⴰⴱⴰ ⴷ ⴰⵕⵕⵢⵚ ⵅⴼ ⵓⴷⵡⵍ ⵏ ⵜⵔⴰⵎⵡⴰⵢ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⵢⵎⵎⴰ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴰⵙ ⴽⵕⴰⴹ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵎⵓⵜ, ⵉⴷⵡⵍ ⵓⵎⴰ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵙⵓⴳⵓⵔ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵏⵄⴰⵛⵉⵏ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵖ. ⵅⵣⵔ ⵡⴰ ⴷ ⵍⵃⴰⴽⵉⵎ ⵎⵉⴳⵉⵍ, ⵙ ⵔⵅⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵃⴽⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴷⴷⵔ ⴷⵉ ⵔⵀⵏⴰ, ⵍⴰⴱⴰⵙ ⵅⴰⴼⵏⵖ. ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⴷⴰⵏⵖ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴰⴷ ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ. ⵜ ⴰ ⴷ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⵏ ⵙⴰⵔⴰ, ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⵡⵓⵎⴰ ⵎⵉⴳⵉⵍ ⴷ ⵎⵎⵉⵜⵙⵏ ⴰⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ. ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⴰⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏ ⵙⴰⵔⴰ ⵙ ⴰⵕⵕⵉⵛ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴼ. ⵡⴰⵀ! ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉⵏⵓ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⴰⵍⵉⵏ ⵓⵎⵉ ⵢⴰⵕⴹ ⵟⵕⴰⵅⵉ ⵏ ⵎⴰⵔⵉⵏⵣ ⵉⵎⵥⵉ ⵅⴰⴼⵙ. ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⵢⵢⵓ ⴷⵉ ⵍⵓⵏⴷⵓⵏ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵉ. ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵚⵎⵎⴰⴹⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⵢⵢⵓⵏ ⵄⴰⵡⴷ ⴷⵉ ⴽⴰⵎⴱⵔⵉⴷⵊ ⴷⵉ ‘ⵎⴰⵙⴰⵜⵛⵓⵙⵉⵜ’. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⴰⴽⴷ ⵀⵏⵔⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⴰⵥⵓⵕ ⵉⵛⵏⴰ. (ⵡⴰⵀ! ⵡⴰⵀ! ⵏⵛⵛ ⵙⵏⵉⵖ ⵜ) ⵡⴰⵀ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ... ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⵙⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⴰ ⵓⵎⵉ ⵏⵙⵖⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵔⵡⵉⵃⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵉ: “ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ”. ⴷⵉ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⴰ, ⵏⵛⵛ ⴱⴷⴷⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵖ. ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵣⵉ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴷ ⵏⴱⴷⴷⵍ ⴰⴽⵛⵛⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⵛⴰⵏ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⴽⵔⵔⴰ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⴷ ⵜⵡⵡⵉⴹ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵜⵓⵙ

ⴷ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵡⴰⵡⵍⴰⴼ ⴰ ⵙ ⴽⴽⵓⵥ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⴼⵖ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵉⵏⵓ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ: "ⵜⵉⵎⵔⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰⵎⵏ ⵍⵍⴰⵏⵜ" ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⴰⴽ ⵡⵛⵖ ⵜⵓⵏⵖⵉⵍⵜ. ⵡⴰⵀ! ⵎⴰⵛⴰ ⵙ ⵔⴳⴹ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵎ ⵓⵍⴰⴱⵓⴷⴷⴰ. ⵡⴰⵀ...

ⵡⴰ ⴷ ⴱⴰⴱⵍⵓ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵜⵙⵍⵍⵉⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⴹⴰⵏⵊⴰ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ, ⵃⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖⵏ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉⵏⵏ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵏⵏⴽ .ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵇⵇⵉⵎ, ⵜⵙⵙⵎⴰⵍ ⴰⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵍⴰⴼⵜ ⵏⵏⵉ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⴰⵣⵖⴰⵔⵜ ⵉⵃⵎⴰⵏ, ⴰⵛⵄⵓⵔ ⵏ ⵜⵎⵙⵙⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ, ⵉⵊⵊⴰ ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵃⵎⴰ, ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⴰ ⵏⴳⴳ ⵜ ⴷⵉ ⵍⵎⴰⵃⴰⵍ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴱⴱⴰⴱ ⵉⵣⵣⵏⵣⴰ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ, ⴽⵍⵓⴼⵉⵙ ⵚⴰⴳⵓ. ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⵕⴰⵃ ⵉⴷ, ⵖⴰⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴰ ⵉⵛⵏⵄⴰⵏ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵉ ⵛⵎⵎ ⵀⴰⵎⵓ, ⵎⴰ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⴰⵢⵎ ⵣⵉ ⵔⴳⴳⵯⴰⵊ?. ⵍⵍⴰ! ⵜⵓⵖⴰ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵥⴰ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ, ⵜⴰⵎ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵜⴰⵎⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵙ ⵍⵃⵙⴰⴱ. ⵉⵔⵉⵖ ⵜⵜⵖⵉⵎⵉⵖ ⴰⵎ ⵡⴰⵏⴰⵡ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵡⴰⵏⴰⵡ ⴷⵉ ⵜⵥⵓⵕⵉ? ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⴰⴽ ⴼⵔⵔⵣⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ. ⵄⴰⴷ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵔⵡⵇⵜ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢ ⴰ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ, ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵔⴰ ⵉⵡⵊⴷ, ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴰⵢⵉ ⵡⵊⴷⵖ. ⵓⵛⴰ ⵉⵊⵊⴰ ⴰⵡⴰⵍ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵜⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⴰⵔ ⵔⵡⵇⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴼⵙⵓⵙⵏⵜ ⴷⵖⵢⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ ⴷⴳ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵉ.

ⵡⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵍⵉⵢⵢⵓⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⴳⴰⵏⵜ ⵏ ⵙⵜⵓⴷⵢⵓ. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵏⵄⴷⵍ ⴰⵔ ⵡⴰⵎⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵎⵎⵓ. ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⵍⴰⴼ ⴰ, ⵊⴰⵔ ⵍⵉⵢⵓ ⴷ ⵎⵉⴽⴰⵢⵉⵍ, ⴷ ⵏⵏⵛ ⵜⴰⵡⴰⵛⵓⵏⵜ...ⵜⴰⵎⵙⵎⵓⵏⵜ ⵏ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵙⵜⴰⵢ, ⵜⵏⵏⴰ ⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴹⵚⵚⴰ. ⵡⴰⵀ! ⵜⴰ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵜ ⵏ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ. ⵅⵣⵔ ⵡⴰ ⴷ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⴱⴷⴷ ⵊⴰⵔ ⵓⵎⴰ ⵎⵉⴳⵉⵍ ⴷ ⵙⴰⵔⴰ, ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵀⴰⵏⵙ ⴱⵓⵔⵎⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏⵏⵖ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ... ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ ⵎⴰⴷⴰⵎ, ⵓⴹⴹⵓ ⵏ 58. ⵜⴰ, ⴷ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⴼⵉⵔⵏⴰⵏⴷⵓ ⵓⵍⵉⴼⵢⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⴰⵃⴰⵔⵎⵓⵛ ⴰ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ. ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵓⵙⴰ ⵜⵙⵉⵔⵜ ⴰ? ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ! ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⴰ ⵎⴰ ⴳⴳⵉⵖ ⵜⵜ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵉⵏⵓ? ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵜ ⴰⵔⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ. ⵎⴰ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵜ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵥⵉ ⵉⵏⵓ? ⵜⵜⵅⵢⵉⵇⵖ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵜⵉⵎⵙⵍⵎⴰⴷⵉⵏ ⵉⵏⵓ! ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⵜⴳⴳⵏⵜ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵙⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵍⵎⴷ ⵉⵏⵓ ⵏⵛⵛ, ⵙⵙⵃⵔⵖ ⵜⵏⵜ ⵙ ⵙⵔⴰⴱⵜ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵇⴹⴹⵉⵏ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵓⵃⴰ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ ⵜⵎⵙⵍⵎⴰⴷⵜ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵢⵉⵎⵎⴰ? ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ ⵓⵔ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ!. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵅⵢⵢⴰⵇ ⵢⵉⵎⵎⴰ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴰ. ⵃⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵥⵥⴰⵢⵉ, ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⴰⵛⵉⵖ ⵥⵥⴰⵢⵙ. ⵙⵓⵢⴰ ⵉ ⵥⵥⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ

ⴰⵙⵙⵓⵏⵖ .ⵜⵇⵇⵉⵎⵖ ⵍⴱⴷⴰ ⴷ ⵜⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⵍⴰⴼ. ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴼⴼⵖ ⴷ ⵣⴳ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⵏⵜⵜⵡⵙⴰⵔ ⴷⵖⵢⴰ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ? ⴰⵃ, ⵡⴰⵀ. ⵡⴰⵀ!.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵙⵙⵓⵊⵓⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵟⵟⴰⵡ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵉⵎⵢⴰⵙⴰⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴷ ⵉⵎⵢⴰⵙⴰⵏ ⵏ ⵜⵎⵅⴱⴰ ⵜⵙⵙⵉⵣⵡⴰⵔ ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵓⵙⵜⵎⵀⴹ ⴷ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵓⴷⵜ ⵜⵙⵙⵓⵍⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵀⵣⵣⵉ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⴰⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ ⵉⵃⴷⴰⵊⵊⴰ ⴷ ⵉⴳⵔⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ ⵉⵜⵜⵡⴹⵏ, ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⴰⵎⵙⴼⵀⴰⵎ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵔⵅⵛⴱⴰⵜ ⴷ ⵓⵎⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵎⴰⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵄⴷⵓ ⴽⵕⴰⴹ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ, ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵙⵙⵏ ⴰⵎ ⵉⵎⵎⴰ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴷⵢⴰⵔⵡⵍⵏ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵊⴷⵉⴷ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⴷ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵜⵜⵡⴰⴽⴽⵙⵏ ⴰⵙ ⵉⴼⵔⵉⵡⵏ ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵔⵓⵙ ⵅⴼ ⵔⵙⵔⵓⴽ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⴼ, ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ, ⵢⵓⵏⵏⵓⴹⵏ...

ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵉⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵢⵓⵔⵎ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵅⴱⴰ. ⵔⴰ ⴷ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴷ ⵓⵙⵓⵏⵖ ⴷ ⵓⵖⵣⵉ ⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵏ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ, ⵛⵛⵓⵔⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ. ⵜⵙⵎⴰⵍ ⴰⵙ ⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⴰ ⵏⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⴰⵀⴰ...ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊⵉ ⵜ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵛⵉⵜ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⵓⴷⵔⵓⵙ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵚⴱⵃ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ. ⵃⴰⵎⴷⵓ ⵍⵍⴰⵀ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⵔⴷⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵡⴰⵍⵓ ⵅⴼ ⵡⴰⵙⵓⵏⵖ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵙⵙⵇⵙⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵃⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵉⵙⵍⵍⴰ.

ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵢⵍⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵛⵡⴰⵢⵛⵡⴰⵢⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ, ⵉⵜⵜⵙⵇⴰⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ! ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵓ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵛⵄⴰⵍⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⵙ ⵔⴼⵔⵃⵜ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴰⵙ ⵓⵙⵉⵏⵜ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵊⵊⵉⵏⵜ ⵉⵜⵛⴰ ⵙ ⵡⴰⴹⵓ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏⵜ ⵉⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵡⴰⵅⵅⵏⵜ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵡⵃⴷⵙ. ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵏⵏⵉⵏⵜ ⵡⴰⵍⵓ ⴰⵅⵎⵉ

ⵜⵎⵏⵖⴰⵏⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵍⵄⵏⵉ, ⵎⵙⴱⵄⴰⵏⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵜⵍⵄⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴱⴷⴷⵓ ⵍⵙⵏⵜ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵍⵙⵏⵜ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵃⴰ ⴰⴽⵡⴰⴷⵔⵓ ⵍⵙⵏⵜ ⵉⵜⵜⵡⵉⴳⵉⵄⵏ, ⵏⵉⵖ ⵏ ⵡⵓⵔⵖ ⵉⴳⵣⴰ... ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴱⴷⴷ, ⵉⵙⵇⴰⵔ, ⵉⵅⵣⵔ, ⵉⴷⵀⵛ, ⵉⵙⵜⵎⵀⵄ. ⴰⵎ ⵡⵍⵉ ⵉⵢⵓⴷⴼⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴼⵙⵔⵔⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⵉⵄⵄⴰⵚ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵃⴰⴷⵉ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵢⴰⵕⵥ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵜⵕⵥⵥⴰ.ⵏⵛⵛ, ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵓⵛⵉⵖ ⵙ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⵓⴷⴼⵖ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴼⵙⵔⵔ ⵏ ⴹⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵔⵉⵖ ⵙⵇⴰⵔⵖ, ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵍⵎⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⵔⵎⵙⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵡⵄⵏⵜ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵙⵍⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵓⵜⵜⵉⵏⵉ. ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵓⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵍⵙ ⵅⴼ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵍⵉ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ. ⵙ ⵓⵢⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⵉ ⵓⵙⵓⵔⵔ ⵍⵙ ⵢⵓⵛⴰ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⵛⵛⴰⵏ.

ⵎⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵍⵉ ⴷⵉ ⵡⴰⵙⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ? ⵍⵍⴰ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴷ ⵓⵖⵣⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵍⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵎⵎⴰⵍⵏ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵜⵍⴰ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵍⵉⵄⵏⵉ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵜⵓⵜⵜⵙⵍⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵛⵉ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵎⵍⵉⵃ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵜⴹⴹⵉⵇ ⴷⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ: ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ ⵍⴱⴷⴰ: “ⵏⵛⵛ, ⴷ ⵛⵛⵎ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵃⴷⴷ ⵍⵉⵄⵏ ⵖⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⴷ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵅⵙⵙⴷ. “ⵖⴰⵔⵡⴰⵎ ⵛⴽⴽ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵚⴰⵕⵄⵏⵜ!” ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵔⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⵞⵍⴰⵢⵏ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵙⵍⵉ: “ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⴷ ⵜⵉⵎⵜⵛⴰ ⵍⵉ”.

5

ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵜⵣⵥⵥⴰ

ⵄⵎⵎⴰⵇⵕ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵣⵥⵥⴰ, ⵜⵙⵙⵓⵊⴷ ⵉⵜ ⵀⵉⵍⵉⵏ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵄⵔⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵉⵅⵛⵛ ⵃⴷⴷ ⴷ ⴰⵏⴱⴳⵉⵡ. ⵉⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵕⵕⵓⴹ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵉⵡⵡⴹ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙ ⴱⵣⵣⵓⵣ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⵙⴳⵏⴼⵉ ⴷ ⵜⵛⵓⵏⵏⵉ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵣⴷⵖⵏ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵜⵜ ⵉⴹⴹⴰⵕ ⵙ ⵉⴼⵔⵉⵡⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⴹⵡⴰ.

ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⵕ, ⴰⴷ ⵉⵎⵃⴹ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵢⵃ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵓⵎⵙⵓⴳⴳⵔ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ, ⵢⵓⵢⵍⵏ ⵅ ⵇⵃⵉⴹ ⵔⴰⴷⴰⵙ ⵉ ⵥⴰⵎⴰ. “ⵅⵎⵎ ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵜⵡⴹⴷ, ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵥⴰⵔⵥⴱⴷ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ! ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵡⴰⵀⴰ! ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵎ ⵉⵎⵔⵉ ⵜⵜ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⴳⵉ ⵅⴰⴽ. ⵅⵎⵎ ⵉⵎⵔⵉ ⵛⴽⴽ ⵜⵡⴰⵄⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵡⴰⵀⴰ. ⵅⵎⵎ ⵉⵎⵔⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴹⴷⴷ ⵜⵏⵏⵓⴼⴼⵔ ⵣⵣⴰⵢⴽ. ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵡⴰⵀⴰ! ⵀⵓⴼ, ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵛⵏⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⵜⵜⴰⴼⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵣⵙⴷ, ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵣⵙⴷ... ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ!”. ⵉⴽⴽⵙ ⴰⵇⵇⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⵢⵓⴷⴼ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵉⵃⵎⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵙ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⴷ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⵓ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵖⴰⵇⵇⴰⴱⵓ ⴷⵉ ⵢⵉⵍⵍ ⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⵎⴰⵇⵙⵉⵍⵢⴰ ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵉⴽⵙⵙⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉⵥⵥⴰⵔ ⵉⵜ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵡⴰⵀⴰ! ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵅⵛⵛⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵔⵉⵔ ⵉⵅⵎⵓⵎ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵓⵔ ⴷⵉ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ.

ⵉⵊⵊ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵇ ⵏⵏⵙ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵔⵉⵔ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵙ ⵜⴰⴷⵓⵔⵜ ⵣⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⵊⵊⵓⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵥⴰ ⵜⵜ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴰⴷⴷⵅⵜ. ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵙⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⴹⵕⵕⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵉⴹⵕⵕⴰ ⵖⴰⵔⵙ. ⵜⵏⵀⵣ, ⵉⵏⵀⵣ. ⵓⵔ ⵜⵖⵎⵣ ⴰⵙ ⵡⴰⵀⴰ! ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜ, ⵓⵔⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ,

ⵉⵜⵜⵔⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔⵙ, ⵓⵎⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵔⴰⴷⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵡⴰⵜⵜⴰⴳ ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵉⵔⵙⵇ ⵖⴰⵔⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵎⴰⵍ ⴰⵙ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵜ ⵉⵖⴰⵔⵔⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵎⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⴰⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇⵏ ⴷⴰⵢⵙ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ.

ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵇⴱⴰⵔ, ⵓⵎⵉ ⵉⵡⴹⴰ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⵡⴰⵏ, ⵜⴰⵛⵎⵍⴰⵍⵜ, ⵉⵔⵉⵡⵏ. ⵉⵎⵃⴹ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ. ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵣⵇⵇⴰ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⵜⵣⵣⴳⵣⵡ ⵙ ⵜⴰⵚⵎⵓⴹⵉ. ⵉⵅⵎ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵣⴷⴳ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⴰⵎ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ. ⵉⵅⵎⵎ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⵉ ⵉⴱⵓⵇⴰⵍ ⵏ ⵓⴽⴰⵍ ⴷ ⵉⵥⵓⵕⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵉⵥⵥⵓ, ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵙ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵡⵜ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴹⴼⴼⵕ ⵙ ⵜⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵖⵣⴷⵉⵙⵏ, ⵉⵅⵣⵔ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ, ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ, ⵉⵜⵜⵇⵕⵇⵓⴱⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵏⵏⵙ. ⴷⴳ ⵓⵊⵎⵉⵔ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵉⵔⵙⵇⵏ ⵅⴼ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⴷ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵙⵔⵉⵔⵉ ⴷ ⵎⴰⵔⵢⵓ ⵏ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⴷ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⴷ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⴷ ⵍⴰⵎⵀⴰ ⵏ ⵍⴳⴰⵣ ⴰⴽⵉⴷⵙ.

ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⵃⴷⴰⵊⵊ ⴰⴱⵢⵢⴹ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙⵏⵏⵊ, ⴷⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵢⵍⵏ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵙⵊⵊⴰ ⵙⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵎⴰⵢⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵙⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⵓⵎⵛⴰⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵉⵎⵖⴰⵔ. ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵔⴱⴰⵕⴰⵊ ⵉⴼⵉⵍ, ⵉⵙⵙⴹⵓ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵃⴰⵊⵉⵜ, ⵎⵛⴱⴱⴰⴽⵏ ⵓⵣⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵙⵙⴷⵀⴰⵛ, ⵜⵇⴰⴷⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴰⵢⵙ. ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵕⵇⵏⴹⴰⵕⵜ ⵙⵏⵏⵊ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ: ⵙⵙⵉⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵄⵎⵓⴷⵏ ⵏ ⵜⵉⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⵎⵛⴱⴰⴽⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵉⵡⵛ ⵔⵄⴰⵀⴷ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵔⴰ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵉⵖⵣⴰⵔ ⵏⵏⵉ, ⵉⵅⴼ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⴰⴹⵟⴰⵚ. ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵄⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵇⴰⵎⴰ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵇⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵏⵏⴰⵎ ⴰⴽⴷ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵄⵍⵏ, ⴰⴽⴷ ⵓⵇⵣⵉⵍ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵣⵓⵏ. ⵉⵅⵢⵢⵇ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵣⴷⵉⵖ ⵛⴰ ⴰⵎ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵜⵓⵏⵏⵓⴹ ⴰⵙ ⴷ ⵜⴰⴱⵃⵉⵔⵜ ⵜⴰⵣⵉⴳⵣⵡⵜ. ⵉⵥⵓ ⵜⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵃⴹⴰ ⵜⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵢⵢⵇ ⵉⵜ ⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔ ⴰⴹⵟⴰⵚ. ⵜⵉⴱⵓⵔⵊⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⵄⵏⵜ ⵓⵔ ⵙⴼⵓⵡⵉⵊⵏⵜ ⵛⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵢⴰⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵎⴰⵢⵏ ⴷⴰⵙ ⵖⴰ ⵢⴰⵡⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵉⵃⴷⴰⵊ ⵉⵜ. ⴰⴷ ⵜ ⵉ ⴷ ⵜⴹⴼⵕ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴰⵔ ⴷ ⴰ...ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⴷ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵢⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵢⵓⵙⴰ ⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷ ⵉⵅⵊⴼⵓⴼⵏ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⵅⵢⵢⵇ ⵓⵎⵉ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⵍⵍⵉⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ, ⵜⵜⵛⵢⵔ ⴰⵙ ⴷ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵛⴰⵍ ⴷ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ.

ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵎⴵⵉⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵜⵜⵎⵃⴰⵛⴰⵕ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵔⵡⵄⴷⴰⵏⵛⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔⴰ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵙ ⴵⵄⵙⵙ! ⵜⵡⴵⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵜⵔⵡⴰ ⵏ ⵃⵣⵉⵣⵙ, ⵉⴼⴵⴵⴰⵄⵏ, ⵉⵚⴱⵄⴰⵏⵏ, ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ ⵜⴰⴳⴰⵎⴰ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵡⴵⴰⴼⵏ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ. “ⵙⵙⵓⵇ ⴷⴷⴰⵅⴵ” ⴷ “ⴵⵄⴰⴼⴰ”, “ⴽⴰⵙⴰⴱⴰⵔⴰⵟⴰ”, “ⵎⴰⵖⵔⴰⵜ ⵀⵉⵔⴰⵇⴵ”, ⴰⵎⴹⴵ ⵏ ⵔⴰⴵⴵⴰ ⵊⴰⵎⵉⴵⴰ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⴱⵏ ⴱⴰⵟⵓⵟⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵀⵎⵔⵏ. ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵢⴵ. ⵡⴰⵀ! ⴷ ⵎⴰⵔⵙⴰ! ⵓⵛⴰ ⵎⵓⵏⵓⵏ ⴷ ⵉⵡⴵⴰⴼⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴰⴵⵉⵙ, ⵜⵉⵙⵓⴼⵔⵜⵉⵏ, ⵉⵇⵔⴰⴱⵏ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ. ⴷ ⵉⵄⵎⵎⴰⴵⵏ ⵜⵜⵏⵏⴹⵏ ⵉ ⵜⵉⵎⵟⵟⵓⴹⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⵢⵙⵉⵏ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⴰⵥⴰⵥⵓ ⴰⵔ ⴰⵖⵉⵔⵉⵏ ⵉ ⵓⵖⴰⵔⵔⴰⴱⵓ? ⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ, ⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵡⴰⵎⴰⵏ. ⵃⴰⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ, ⵉⵙⴵⴵⵎ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ, ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵉ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⴵ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⴵ ⵔⴰ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵉⵅⵎⵎ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ ‘ⴱⵉⴵⴵⴰ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵚ’. ⴷ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵙⵙⵉⵡⴵ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵙⵔⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ, ⵉ ⵅⴼ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⴵ ⴰⵙ ⵎⵓⵙⵢⵓ ⵎⴰⵔⵛⴰⵏ ⴷ ⵉⵎⴽⴵⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵄⵎⵎⴰⵚ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵓ. ⴷ ⵓⵎⵉ ⵎⵙⴰⵙⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵉⴳⴳⵉⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷ ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⵄⵓⵊⴰ ⵜⵉⵃⴼⴼⴰⵏⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⴵⵉⵙ ⴰⴵⴰⵎⵉ ⵏⵏⵓⵎⵏⵜ. ⴰⵏⵏⴰⴹ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⴵⴵ ⴰⵟⴵⴰⵙⵉ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵅⴼ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵃⴵⵏ ⵉⵙⵉⴳⴳⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⴵⴵ “ⵢⴰⴵⴵⴰⵀ! ⵏⴹⵓ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⴰⵏ”. ⵓⵛⴰ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. “ⵎⴰ ⵜⴰⵄⵢⵓⴹⴷⵜ, ⴰⴷ ⵏⴹⵓⵖ ⵙ ⴰ? ⵡⴰⵅⵅⴰ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵏⵟⵟⵓ ⵛⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⵛⴽⴽ?”. ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵛⴰ ⴵⴵⴰ! “ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵎⵙⵏⴼⵢ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵏⴹⵓ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⴽⴷ ⴰⵢⴰ ⴷ ⵓⵡⵢⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ” ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵓⵜⵜⵉⵏⵉ ⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ...”

ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⴵⴰⵢⵜ ⵜⴰⵚⴱⵄⴰⵏⵏⵜ ⵓⵎⵉ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⴵ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⵉⵜⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⴳⴳⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ “ⵎⴰⵢⵓⵔⴽⴰ”. ⵉⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵎⵣⵔⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⴷ ⵡⴰⵡⴰⴵ ⵏ ⴵⵇⵏⵙⵓⴵ ⵏ ⵥⴷⴰⵜ, ⵎⵙⵢⵓ ⵎⴰⵔⵛⴰⵏ, ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⴵⴵⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵄⵓⴷⵔⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵔⵓⵇⴰⵔ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵎⵎⴵ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⴵⵜ ⵏⵏⵙ. ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉ ⴷ ⵉⵔⵇⴰⵏ ⵢⵏⵏⵉ ⵉⵥⵡⵡⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ. ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵚⴱⵄ, ⵉⵜⵜⵖⴰⵔⵔⴰ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵥⵡⴰ ⵎⵔⴰⵡ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⴽⵉⴵⵓⵎⵉⵜⵔⴰⵜ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵡⴰⵎⴰⵏ, ⵊⴰⵔ ⵓⵔⵓⴱⴱⴰ ⴷ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ. “ⵉⵀⵡⵏ ⵔⵄⴰⵔ! ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵅⵎⵎⵖ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ” ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵎⵉ ⴵⴵⴰⵏ ⵖⴰⵙ ⵏⵉⵜⵏⵉ.

“ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ ⵃⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴰ ⴰⵚⴱⵄⴰⵏ”. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵔ

ⵅⴰⴹⵔ : ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⵀⴰⵔⴷⴹ, ⵜⵜⵏⴷⵀ ⵉ ⵜ ⵜⴰⴷⵎⵎⴰⵡⵜ ⵍⵙ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵍⵄⵏⵉⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵇⴰⵊⴰ ⵜ. ⵓⵔ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⴰⵜ ⵃⴷⴰⵊⵏ ⴰⴷ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵙⵏ. ⴰⵃⴰⴷⵉ ⵍⵉ ⵉⵚⴱⵃ, ⵉⵥⴰⴷ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵜ ⴰⵡⴰⴼⵏ ⵉⴹⵔⴰⵃⵏ ⵉⵏⵜⵜⵙⴼⴼⴰ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⴼⵏ ⵉⵜⵜⵍⴰ ⵉⴷ ⵉⵍⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ: “ⴰⵡⴰⴼ ⵍⵉ ⵉ ⵏⵖⵔⴰ ⵣⴷⴰⵜ, ⵍⴰⵏⵜⵏ ⵏⵉⵖ ⵏⵜⵜⵙⴼⴼⴰ ⴰⵙⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⴰⵡⴰⴼⵏ ⴰ, ⵔⴳⴷⵍⵉ ⵏⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵏⵖⴰⵔ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵏⵜⵜⵙⴼⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⵍⵄⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵅⵙⵙⴰ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵉⵥⵥⵉ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⵏⵖⵔⴰ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⴼⵏ ⵍⵉ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵢⵉⵅⴹ ⵍⵙ ⵢⵓⵊⴰⵔ ⵡⵉⵍⵉⵄⵏⵉ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵍⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴰⴷⴹ ⵉⵜ ⵜⵎⵖⴰⵔ ⵅⴹ ⵡⵉⵍⵉⵄⵏⵉ. ⵔⴳⴷⵍⵉ ⴰⵡⴰⴼⵏ ⵍⵉ ⵜⴷⵡⵡⴼⵏ ⴷ ⵛⵏⵃⵜ ⵡⴰⵀⴰ...”

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⵜ ⵢⵉⵄⵚ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵜⵣⵥⵥⴰ ⵍⵙ ⵙⵍⵊ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⵄ. ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵉ ⵉⵃⵙⴰⵔⵏ, ⵉⵜⵜⴷⴰⵔ ⵙ ⵓⵣⴼⴼⵉⴹ ⵍⵙ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵃⴰⴷⵉ ⵜⴰⵣⵥⵥⴰ ⵍⵉ ⵢⵓⴷⴰⵔⵏ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴹ ⵍⵉ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵖⵉⴼ. ⵉⵅⵎⵎ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵡⴰⴼ ⵣⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵍⵉ, ⵜⵙⵙⵓⴼⴼⵙ, ⵜⵙⵙⴰⴳⴳⵯⴷ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵇ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⴷⵉⵍⵉ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵥⵥⴰⵏ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵉ ⵃⴷⴷ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵄⴹⵇ ⴷ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵍⵙ, ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵓⵔ ⵅⴰⴹⵙ ⴱⵓ ⵜⵉⵣⵎⵉⵏ. ⵔⵓⵅⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵢⵓⵡⵄ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵜⵎⵜ ⵉ ⴳ ⵉⵅⵙⵙ, ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵃⵎⵓ ⵉⵅⴹ ⵍⵙ ⵣⵉ ⵜⵚⵎⵄ ⵍⵉ ⵏ ⵜⴳⴰⵔⵙⵜ!

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵏⵓⴹⴹⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⵡⵓⴼ ⵍⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵣⴼⴼⵉⴹ ⵍⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜ ⵉⵙⵏⵓⴹⴹⵔ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴽⵎⵎⵓⵙⵜ ⵏ ⵔⴽⵜⵜⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⴰⵙ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⴼⴱⴷⴰ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵟⵟⴹ ⵔⵏⵡⴰⴱ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵃⵟⴰⵇ ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵥⵥ ⵣⴳ ⵓⵙⴼⵎⴰⴷ ⵍⵙ. ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵓⵜⵜⴰⵡⵄ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴷⵔⵓⵙ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⴼⵏ ⵍⵙ ⵜⵙⵙⴰⵔⵊⴰⴹ ⵉⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⴳ ⵡⵓⴼ ⵍⵙ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴷ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵅⴹ ⵣⴷⴰⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⴰⴽⴰⵇⵄⴰ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵓⵃⴼⴰ ⵙⵍⵊ. ⵜⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴹⵙ, ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵜⵜⵃⴰⴷⵉ ⵛⵉ. ⵏⵜⵜⴰ ⴷⵉⵍⵉ, ⴰⴽⴷ ⵜⵙⵃⴷⴰ, ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴹ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⴰⵔⵊⴰ ⵙ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵍⵉ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵉⵅⴹ ⵍⵙ ⵙⵍⵊ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵙ. ⵉⵎⵎⵓⵜⵉ ⵣⵉ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵏ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵏ ⵢⵉⵄⵚ ⴰⵅⵎⵉ ⵃⵎⵎⴰⵇⵚ ⴰⴷ ⵉⵎⵀⴰⴹⴰ. ⵉⵙⴹⴰⴹⴰ ⵜ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵥⴰⵇⵥⴱ ⵏ ⵀⵉⴼⵉⵏ. ⵜⵓⵙ ⴷ ⵜⵔⴰⵃⴰ ⵅⴰⴹⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵏⵙⵓ. ⵙⵡⵊⴷⵏ ⴰⵙ ⵎⴰⵜⵛⴰ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵙⵓⵃⴼⴰ ⵙ ⵓⵙⵏⵡⵉ ⵏ ⴰⴼⵉⵙ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵙⵙⵓⵊⴷ ⵣⵉ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵡⴰⵀ. ⵥⵥⵉⵎⵏ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵜⵎⵀⵔⵔⴰⵜⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴰⵙⴰⴼⵓⵏ ⵍⵉ ⵉⵇⵣⵎⵏ ⴷⵉⵍⵉ. ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⵣⵉ ⵏ ⵡⵓⵣⴰⴼ ⴷ ⴰⵛⵎⴼⴰⴼ ⴰⴽⴷ

ⵓⴱⴰⵔⴽⴰⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⴳⴳⵉⵏ ⵜ ⵙ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵓⴽⴰⵟⵓⵏ, ⵉⵟⵡⴰ ⴰⴹⴼⵓⵙ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ, ⵉⵎⵔⵓⵙ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵙⵙⵏⴷⵓⵇ ⵏ ⵣⵣⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ. ⴳⴳⵉⵏ ⵜ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⵓⵏⵜⴰ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵏⴰⵜⵉⵏ ⵓⵄⵍⴰⵏⵜ, ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⵙⵉⵏ ⵏ ⴰⵔⵡⴰⵇ ⴽⵛⴼⵏ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵃⵙⴰⴱ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵎⵎⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵙⵏⴰⵜ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵓⵏⵓⵖ ⴷ ⵓⴳⵣⴰⵢ ⵃⴰ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵙⴰⵜ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵅⵡⴰⵏ ⵖⵔⵉ. ⵙⵏⴰⵜ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵔⵓⵣ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵜⵙⵙⵓⵍⵍⵙ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⴰⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵜⵜ ⵛⵉ. “ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⵙⵓⴳⵏ ⵅⴰⴼⵏⵖ, ⵅⵎⵉ ⵜⵜⴰⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵣⴰⵍⵉⵎⴰⵜ!” ⵜⴹⴼⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⴱⵓⵍ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⴷ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⴷⵔⴰⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵙⵉⵏ ⵏ ⴱⵓⵍ ⴳⵓⴳⴰⵏ, ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵎⵓⴽⴰⵏ, ⵙⵉⵏ ⵏ ⵎⵓⵜⵛⵉⵍⵍⵉ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⴰⵃⵥⵥⵓⴹⵜ ⵏ ⴼⴰⵍⵓⴹⵓⵏ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵍⵓⵣ ⵍⵓⵜⵔⵉⴽ. ⵜⵎⵎⵍ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⵜⵜ ⴼⴰⵍⵓⴹⵓⵏ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵎⵓⵔⵉⵙ ⴷⵓⵏⵉ. ⴷ ⵙⵉⵏ ⵏ ⴷⵓⵍⵓⵏⴰⵢ. ⴷ ⵛⵉ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙ ⵏ ⵢⵓⵊⵉⵏ ⴷⵓⴽⵍⴰⵢ. ⴷ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵉⵡⵄⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⴽⴷ ⵎⴰⵜⵛⴰ.

ⵓⵢⵍⵏⵜ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⴹⵀⵕⵏⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⴼⵙⵔ. ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵙⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵔⵓⴽⵓⵜⵏ ⵏ ⵏⵏⵃⴰⵙ ⵓⵢⵍⵏ ⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵙⵙⴰ ⵉⵎⵔⵓⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ, ⵛⵉ ⴷ ⵉⵎⵙⵎⵉⵔⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵙⵔⴰⵃ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⵃⴷⴰⵊ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵖⴰⵏⵉⴱⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵎⵎⵙⵉⴳⴰⵣ ⵓⵔ ⵜⵜⵡⴰⵃⴷⵉⵊⵏⵜ ⴷ ⵜⵙⴰⵔⵓⵜⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ...ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⴰⵍⴰ ⴰⵎⵏⵙⵉ.ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴷⵀⵛ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵎⵎⴰⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵊⴰⵔ ⵔⴽⵔⴰⵙⵉ ⴷ ⵜⵉⵙⵓⵏⵜⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⵉⵖⵣⵉⵏ. ⴷ ⵙⵙⴰⵊⴰⴷⴰⵜ ⵜⵉⴱⵕⴱⴰⵛⵉⵏ ⵜⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵉⵏ, ⵎⵎⵡⵛⵏⵜⵏ ⴰⵙ ⵣⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ.

ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵙ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵡⴰⵏⴰⴱ ⵉⵜ ⵅⴼ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵏⵏⵙ. ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵙ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵉⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵛⵉ ⵡⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⴰⵎⵏ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵍ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⴰⵔⴰ, ⵜⵓⵜⵜⴳⴳ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵉⵎⵙⴳⵏⴼⴰ ⵜⵓⵜⵜⵥⵓⵕ ⵉⵏⵓⴹⴰ.ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵉⵏⵓⴹⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⴰ ⵉⵔⵙⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵜⴰⵣⵣⵓⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵃⴷⴰⵊ ⵉⵜ

ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵏⵏⵉ ⵛⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⵀⴰ ⵏⴽⴽ. ⵜⵔⵉⵇⵇ ⴰⵙ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵃⵊⴱ ⴰⵙ ⵔⵄⴰⵔ, ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⴰⵍⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: "ⵃⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⴽ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵡⵄⴷⵏⵖ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵛⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵅⴰⴼⵏⵃ ⵉⵄⴹⴰⵏ, ⵏⵄⴷⴰⵊ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ!" ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵉⵙⴷⵄⵉ ⵛⴰ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ. ⵙ ⵔⵎⵇⵔⵓⴱ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵓⵙⵓⵔⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⵙ ⵢⵉⵖⵉⵍ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵙⵓⵔⵉⴼ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴰⴷ ⵜ ⵉⴷ ⴹⴼⵕⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⴹⵊⵉ.

ⵓⵔ ⵏⵏⵓⴼⴼⵔⵖ ⵛⴰ ⵣⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵉⵏⵓ, ⵙⵍⵎⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴷⵖⵢⴰ ⵉ ⵡⵓⵍ ⵉⵏⵓ, ⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⵊⴱⴷ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵙ ⵓⴹⵕⵃ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⵏ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵓⵄⵎⵎⴰⵙ ⵏ ⵍⵊⵓⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵟ. ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵜⵎⵓⵏⵙⵉⵡ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵛⵓⵎⵃⵜ, ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⵉ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⴱⴰⴱⴰ ⵏ ⵓⵄⵎⵎⴰⵙ ⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵚⴱⵄⴰⵏ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵕⴰⵄ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵊⴰⵔ ⵎⵉⵙⵙⴰⵜ, ⵉⵜⵜⴰⵄⵄⴱ ⵣⵣⴰⵢⵏⵖ. ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⴰ ⵉⴷⵡⵍⵏ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ ⴷ ⴰⵅⴷⴷⴰⵃ, ⵉⴱⴷⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏⵏⵖ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵄⴰⵊⵉⵜ ⵜⴰⵃⴼⴼⴰⵏⵜ ⵙ ⵜⵃⵔⴰⵀⵜ ⵏ ⵍⵎⵃⵔⵉⴱ. ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⴰⵔⵔⵉ ⵎⵥⵕⵉ ⴰⵎ ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵃⵏ, ⵍⴱⴷⴰ ⵜⴰⵎⴰⵡⴰⵙⵜ ⴷ ⴷⵓⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵢⵉⵏ ⵜⵜⴰⴷⴼⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵄⵎⵎⴰⵙ ⵏⵏⵙ.

ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⵓⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵏⵏⴹⵊⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⵙⵎⵖⴰⵔⵖ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⵎⵉ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵅⴼ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵢⴰ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ. ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵙⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⴰⵡⵍⵖ ⵅⴼ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⴰⴳⵎⵉ ⵏⵛⵛ, ⴷ ⴰⵎⵓⴼⴰⵢ ⵏⵉⵖ ⵓⵊⴰⵔⵖ ⵜ ⵙ ⵓⵙⵡⵉⵊⴳⵎ ⵉⵏⵓ. ⵏⵉⵖ ⵉⵎⵔⵉ ⵏⵛⵛ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵔⵉ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⵏⵜⵜⴰ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵙⴷⵄⵉⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵛⵛ ⴰⵔⵣⵣⵓⵖ ⴰⴷ ⵜⵙⵄⵇⴰⵔⵖ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⵉⵖ. ⵏⵛⵛ, ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵔⵄⴰⵔ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰ ⵊⴰⵔ ⵣⴷⴰⵜ ⴷ ⵔⵓⵅⴰ. ⵔⵓⵅⴰ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵃⴷⵓ. ⵙ ⵓⵢⴰ ⵏⵛⵛ, ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵢⴰⴼⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵎⵔⵉ ⵏⵛⵛ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵔⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ. ⵏⵛⵛ, ⵄⴰ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵡⴰⵀⴰ, ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⵙⴼⵖ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵃⴷⵓⵏ. ⵔⵉⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⵡⴰⵀⴰ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉ ⵖⴰ ⵏⵎⵏⵖ ⴰⴽⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵃⴷⵓⵏ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⴰⵏⴰⵎⴰⴽ. ⵏⵛⵛ, ⵔⵎⵙⵖ ⴰⵙ, ⵔⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵔⵎⵙⵖ, ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵔⵎⵉⵙⵖ ⴷ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏ ⵊⵓⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ.

— ⵛⴽⴽ, ⵜⵜⵉⵏⵉⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵥⵕⵓⴹ?

– ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⴰⵔ ⵎⵣⵣⵔⵉ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⵉ ⵛⴰⵇ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵙ ⵛⴰ ⵏⵏⴹⵏⵉ ...

– ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵎⵔⵉ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⵉ ⵓⵙⵏⵇⵔ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⴰ ⵅⴰⵄⵙⵏ ⵜⵔⵣⵣⵓ?

– ⵍⵉⴷⵢⴰ! ⵛⵎ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵃⵙⵏ ⵣⵣⴰⵢⵉ, ⵡⵏⵏⵉ ⵜⵎⵙⴳⴰⵔⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵎⵉ ⴽⴷⵜⵎⵙⴳⴰⵔⴷ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵎ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵣⵉ ⵟⵟⴰⵄ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ.

– ⵍⵍⴰ! ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵛⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵡⴰⵍ ⴰ ⴳⵄ ⵜⴳⴰⵣⵜ. ⴰⵡⵎⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⵎⵎⵓⵎ ⵉⴼⴷⵓ ⴳⴰⵄⵙ ⵔⵡⵇⵜ. ⵔⵄⵃⵓⵔ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⵎⴰⵏⵉⵎⴰ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵎⴹⵏ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⵎⴰ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵔⴳⴷⵔⵏⵛⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵔⵎⵙⵖ. ⵎⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⴽ ⵉⵔⴰ ⵣⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏⵏ ⵜⵣⴰⵜ ⵏ ⵜⴳⵓⴱⵉⵔⵉⵏ ⵏ ⵜⵡⵜⵎⵉⵏ? ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⴼⴽⴽⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵏⵏⵙ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵡⵜⵎⵜ ⵜⴽⵎⵔ. ⵇⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴼⴰⴷ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⵔⵣⵣⵓ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ... ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵙⵙⵓⵍⵍⵙ!

ⵖⴰⵔ ⵍⴽⵉⵍⵓⵎⵜⵔ 6 ⴷ 600, ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵣⴼⵉⵜⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴼⴼⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵣⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵜⵏⴷⵀ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⴰⵀⵉⵔⵉⵜ ⵏⵏⵙ "ⴽⴰⵟⴽⴰⵟ" ⵏ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⴰ, ⵜⵕⴰⵃ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴰⵄⵓⵙⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⴼⴰⴷ ⵓⵎⵙⴳⴷⴰⵍ ⴳⵄ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. "ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⴱⵍⵍⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵟⵟⴰⵄ ⵜⴰⵖⵏⵏⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵏⵏⵉⴷ, ⵛⴽⴽ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵓⵔⵙ ⵉⵙⵃⵇⴰⵔ. ⵎⴰⵔⴰ ⵏⴳⴳⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵇⵇⴰⴼ, ⵉⵎⵔⵉ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⴳⵄ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ? ⵉⵎⵔⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵇⵙⵉⴷ ⴳⵄ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⵏⵉⴹⵏ... ⴷ ⵏⵛⵛ? ⵉⵎⵔⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⴷⵄⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵅⵙⵙ ⴰⵢⴰ ⵡⵢⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ. ⴰⴷ ⵏⵛⴰⵔⵛ ⴰⵏⴰⵎⵇ. ⵜⵙⴰⵔⵃ ⴷ ⴰⵄⵓⵙ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⵃⴰⴷⴰ ⴰⵢⵏⴰⵔ ⵉⵏⵓ. ⵙ ⵛⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵢ ⴹⴰⴹ ⴳⵄ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ, ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⵓⵔ ⵇⵇⴰⵔ ⵡⴰⵍⵓ. ⵜⵣⵓⵔ ⴰⵢⵉ, "ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵔⴷ ⵣⵎⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⴷⵄⵄⵉⵔ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵃⴷⵍ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵎⴰⵢⵏ ⵢⵓⵔⴰ ⵕⴱⴱⵉ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔ. ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵡⴰⵀⴰ!".

ⵜⴹⵀⵇ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷⵉ ⵥⴰⵎⴰ ⵜⴹⵀⵇ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⵙⵙⵏ, ⵜⵙⵙⵏ ⴰⴹⴰⵇⵄ, ⴰⵙⵄⵉⵣⵉ, ⴰⵥⵓⵔⵉ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⵜⵣⵎ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ, ⵜⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵓⴼⵉⵢⴰⵔ, ⵙⵢⴰⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵥⴰ ⵢⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵄⴷⵉⵖ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴷⵅ ⵓⵥⵎⵎⵓⵎ ⵏⵏⵙ. ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⵜⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵥⴰⵎⴰ ⴰⵎⵏ ⵜⵃⴹⴰ ⴰⵇⵇⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵉⵙⵥⵏⵉⴹ ⴰⵢⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⵉ ⵛⵉ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵉⵜⵜⴰⵢⴰⵏ. ⵏⵛⵛ, ⴰⴷ ⵃⵎⵔⵖ ⵜⵖⵓⵢⵉⵜ ⵏ ⵜⵓⵛⵛⵏⵜ ⴷⵉ ⵔⵅⵔⴰ, ⵃⵙⵏ ⵖⴰⵔⵉ ⵣⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵟⵟⵚⵖ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵙⵓⵊⴷⴰⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵥⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⴼⵍⵉⵎ ⵏ ⵜⵍⵉⴱⵉⵣⵢⵓⵏ! ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ, ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵉ ⵉⵏⴷⵀⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ, ⵜⵜⴰⵔⵏⵉ ⵜⵡⵅⵅⴰⴹ. ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵙⵙⵏⵏ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵙⵏ ⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛ, ⵛⴰⵔⵀⵖ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵖⵔⵉⵏ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⴼⴰⵥⵥⵏ ⵛⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵛⴰⵔⵀⵖ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵅⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⵔⵅⴰⴹⴰⵇ ⵏⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⴰ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵅⴰⴼⵏⵖ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵔⵎⵉⵙ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵙ? ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵎⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵡⵛ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵉⵎⵔⵉ ⵉⴷⵖⵔ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⴷ ⵖⴰ ⵉⴷⵖⵔ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ. ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⴰⵔⵡⵙⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵄⴷⵓ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵜⵎⵙⴼⵀⴰⵎ. ⵏⵛⵛ, ⵎⵙⴱⴹⵉⵖ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵓⵎⵏⴰⴷ ⵏ ⵜⵓⵔⵏⵜⵓⵏ ⵡⵉⵍⴷⴰⵔ, ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵏⵏⵙ, ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵜⵜⵄⵉⵣⵣⵣⵏ, ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵊⵅⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵏⵔⵎⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵏⵖⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵡⴰⵏ ⵉ ⵍⵥⴰⵢⵙⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵙⵙⵛⵎⴹ ⵜⵎⴰⵜⵛⴰ!

ⵔⵃⴰⵚⵓⵇ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵣⵉ ⵜⵎⵣⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⵅⴼ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵥⴱⴰⵔⵏ. ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵣⵣⵖ, ⵓⵛⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵣⵉ ⵓⵔⵓⴱⴱⴰ, ⵢⵓⴷⴰⵔ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵉ ⵜⵃⴰⵢⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵀⴰⵊⵊ ⴷ ⵉⴼⵥⵉⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵓⵙⵏ ⵛⵉ ⵜⵎⵙⵙⵏⴰ ⵉⵅⵅⵯⵊⵏ. ⵃⴼⴷⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵏ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵏ. ⵙⵙⵓⵄⵍⴰⵏ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⵅ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵙ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵉⵀⵡⴰ ⵊⵊⵀⴷ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏ ⵉⵀⵡⴰ ⵊⵊⵀⴷ ⵏ ⵢⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵓⵅⵓⵔⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵖⴰⵏ ⴷ ⵜⵓⵙⵙⵓⵏⵜ ⵏ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ. ⵃⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵉⵜⵜⵥⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵡⵉⵊⵅⵎ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵃⴰ ⵣⵉ ⴱⴰⵇⵇⴰ, ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ! ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴱⵓⵥⴰ ⵅ ⵓⵎⵓⵜⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⴷⵔ ⴰⵣⵇⵓ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵃⴰ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ, ⴷⵅ ⵓⵃⴱⵓⴹ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ. ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵅⵯⴷ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵏⴷⵔ ⴰⵎⵏ ⵉⴷⴷⴰⵔ, ⵓⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⵣⵉⴽⴽ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⴼⴰⵡⵜ, ... ⵢⵓⵅⵓⵔ.

ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵙⵏⵏⵊ ⵏ ⵜⵣⵕⵕⴰ, ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵉ ⴷⵉ ⵉⵙⵎⴹ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵖⴰⴷ ⴰⵕⴰ ⵜⵏ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰⵕⴰ ⵜⵏⵜ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵢⵢⵕⵏ. ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ, ⵉⵔⵙⵕ ⴰⵙ ⴷⵉ ⵎⵓⵎⵎⵓ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵙ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ. ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵎⴰⵢⵏ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵄⵇ ⵎⴰⵢⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵉⵙⵙⵓⵃⵍⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵜⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵜ, ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵓⵏⵥⴰⵇ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰ ⵜⵓⴳⴰⴷ ⵙⵏⵏⵉ, ⵏⵉⵖ ⵜⵓⴳⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ? ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴰⵄⴰⵇ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵛⵜ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵎⵉⵕⵕⴰ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⵉ ⵉⵀⵕⵕⵏ ⵅⴼ ⵣⵣⴰⵊ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ. ⵏⵀⵔⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵉⵜⵜⵔⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ, ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵡⵉⵏ ⵣⵉ ⵜⵡⵔⵉⵕⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵓⴼⵉⵖ ⵢⵓⵔⴰ ⵜⵏⵜ ⴷⵉ ⵔⵡⵕⵜ ⵏⵏⵉ. ⵏⵛⵛ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰ ⵉⵔⴰ ⵉ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⴽⵜⵜⵓ ⵓⵔⴰ ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⵡⴰⵀⴰ. “ⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵏⵥⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⴷⴼ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵖ. ⵔⵃⵡⵉⵏ ⵉⵚⴼⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵏⵙⵢⴰⴼⴰ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ ⵛⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⵔⵓⵜ ⵏⵏⵖ!”.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵃⴰⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ. ⵉⴷⵡⵍ ⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵣⵎⴰⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵙ. ⵅⵎⵉ ⵜⵜⴰⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⴳⴳ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵍⵓⵍ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵏⵉⵖ ⵉⵍⵓⵍ ⴷ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⴹⵙⵉ ⵏⵏⵙ. ⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵉⵔⵉⵡ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ ⵉⴹⵙⴰⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵊⵊⵉ ⵔⴼⵔⴰⴹⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵄⵓ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⴽⵙⵙⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵔⵓ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵇⵇⵓⵄ ⵏⵏⵙ ⵏ ⴷⵉⵅⵔ ⵉⴹⵙⴰⵔⵏ, ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵢⴹ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵓⵔ ⵉⵕⵕⵉⵎ ⵛⵉ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜ, ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ.

ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵃⴼⴼⴰⵏⵉⵏ. ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵅⴼ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⴹⵎⴰ ⴰⴷ ⴼⵔⵣⵖ ⴽⵜⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⴰ ⵉⵄⵄⴰⵚ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴼ ⵉⵜ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵉⵙⵙⵓⴼⴼ ⵙ ⵜⵉⵄⵉ, ⴷⴰⵢⵙ ⵔⴼⵡⴰⴹⵜ ⵜⴰⵚⴱⴹⴰⵏⵜ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵃⵏⴰ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⵃⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ. ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⴱⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵅ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵓⵃⵍⴰ ⵜⵜⵀⵕⵕⴰ ⴰⵎ ⵢⵉⵔⴼ. ⵉⵡⵄⵄⵇ ⴷⵉ ⵜⴱⴹⵉⵔⵜ. ⵏⵛⵛ, ⵃⴰⴷ ⵜⵜⵃⵕⴰⵔⵖ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵇⴼⵄⴰⵢⴹ “ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴼⵔⴹⵏ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵙⵉⵢⴰⴹ ⵅⴰⴼⴽ ⴰⵔ ⵛⴽⴽ ⵖⴰ ⵜⴷⴷⵔ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵔⴹⵡⴰⵄ ⵉⴷⵔ ⵙ ⵡⴰⴳⴳⵓ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵃⴷⵍ ⵉⵜ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴹⴰⵢⴰⵜ ⵜⴼⵙⵓⵙ

ⵜⵙⵙⵉⵣⵖ ⴰⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ”!ⵀⵉ ⵏⵜⵜⴰ ..ⴰ ⴱⴱⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ?ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ?ⵏⵜⵜⴰ?ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⴽⵙⵓⵎ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵙⵙⵏ.ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ?...

ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵏⵓ. ⵜⵔⵣⵣⵓ ⴷⴳ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵉⵏⵓ, ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵙ ⵓⵎⵛⴰⵏ, ⵜⴱⴱⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ.ⵏⵛⵛ,ⵜⵓⵖⴰ ⵙⵏⵀⵣⵣⵉⵖ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵉⵍⵙ ⵉⵏⵓ ⵙ ⵍⵃⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⴱⵍⴰ ⴰⵡⴰⵍ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵓⴽⵙⵓⵎ ⵉⵏⵓ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵜⵅⵓⴱⵉⵔⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵔⵎ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⵜⵜⵔⴰⵊⵉ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵏⵓ, ⵏⵜⵜⴰ ⵜⴳⴳ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵉⵃⵎⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵛⵛⵀⵡⵜ ⵜⵊⵀⴷ, ⵜⴰⵎⵛⵓⵏⵜ. ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⵅⵙⵖ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⴹⴰⵡ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⴷⵀⴰⵛⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵜⵓⵔⴰⵔ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵢⵉⵙ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏ ⵓⵥⵕⵓ ⵜⵇⵙⵃ ⵣⵉ ⵜⵚⵓⴹⴰⵕ ⵜⵉⵔⵇⴰⵖⵉⵏ. ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⴼ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵢⴰⵏⵓ ⴰⵢ ⴷ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⵉⵜⵜⵡⴰⴽⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵉⵖⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵔⵓⵅⴰ ⴷⵡⵍⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵙⵄⴷⴰ ⵡⴰⵀⴰ, ⴳⴳⵯⵊⵏⵜ ⵅⴰⴼⵏⵖ.

ⵉⵄⵟⵟⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ, ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵅⴼ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵉⵍⵎⴰⴷ ⵛⵉ ⵄⴰⴷ ⴰⵡⴰⵍⵏ ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵖⵢⴰ ⵅⴼ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵉⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵄⴰⴷ ⵉⵃⴷⴰⵊ ⴰⴷ ⵉⵍⵎⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵄⴰⴷ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ, ⵄⴰⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵔⵓⵅⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⵉⵔⵇⵇⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵙⵎⵓⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴳⵣⵣⵔⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵉ ⴷⵍⵉⵏ ⵔⵃⵢⵓⴹ. ⵛⵉ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ, ⵛⵉ ⴷ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵣⴰⵔⵏ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⴰⵢ. ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵜⵃⴹⴰ ⵅⴼ ⵔⵖⴰⴱⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⵛⵉ ⵢⵓⵢⵍ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ, ⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ, ⵛⵉ ⴷⵉ ⵙⵙⵏⴷⵓⵇ ⵏ ⵓⴽⴰⵟⵓⵏ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵉⵏ. ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⴰⵎⵎⵓ ⵜⵃⵟⵟⵉⴹ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵣⴰⵔⵏ. ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⵜⵜⵣⵔⵓⵣⵉⴷ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵏⵜ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵜⵙⴼⵔⵣ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴱⵍⴰ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ. “ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵎⵎⵓⵜⵖ, ⴰⴷ ⵖⵓⵔⵖ, ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ, ⴰⴷ ⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⴰ, ⴰⴷ ⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⴰⴷ ⴰⵥⵖ ⵖⴰⵔ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴰⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⴰⵥⴰⵏ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵉⵎⵅⵔⵓⵇⵉⵏ ⴰ ⵜⵉⵇⴰⵔⵇⴰⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵜⴰⵃⵍⵏⵜ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵉ, ⵓⵔ ⵙⵙⴰⵃⴰⵍⵏⵜ ⴰⵢⵉ ⵛⵉ. ⵏⵛⵛ ⵛⵛⵓⵔⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ, ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵖⴰ ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⴷⴷⴰⵔⵏⵜ!”

ⵄⴷⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵇⵣⵎⵏ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵥⴼⵕⵏ. ⵊⴰⵔ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵃⵎⴰⵏ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵚⵎⴹⵏ. ⵉⵜⵜⵏⴰⵎ, ⵛⴰ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵛⴰ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ. ⵉⵜⵜⵏⴰⵎ ⴰⴽⴷ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵏⴰⵎ ⴰⴽⴷ ⵢⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵕ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⵯⵏ. ⵡⵏⵏⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏⵏ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜ ⵉⵜⵜⵄⴰⵛⴰⵇⵏ. ⴷ ⴰⵎⵟⵓⴼ ⴷ ⵓⵎⴰⵏⴷⵀ. ⵉⵎⵙⵔⵙⵥ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⵜⴰⵕⵉⵜ ⴷ ⵀⵥⵥⵓ, ⴷ ⵓⵔⵓⵃⵉ ⴷ ⵜⵡⴰⵙⵉⵜ, ⴰⵕⴰⵎⵉ ⵉⴷⵡⵕ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵜⵉⵇⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵇⵉ ⵏⵏⵙ. ⴰⵔⵡⵢⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⴽⴷ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵛⵕⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⵕⴰⵎⵉ ⵜⴹⵀⵇⵏ ⴷ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⴼ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵖⵉⵕ ⵜⵜⴳⴳ ⵜ ⵏⵄⵎⴷⴰ. ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵔⵉⵥⵥ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ.

ⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵏⵄⵎ ⵜⵉⴷⵜ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉ ⵜ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⵜⵙⵕⵎⴷ ⵉⵜ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵙⵕⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵇ ⵏⵏⵙ. ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵙ ⵓⴽⵇⵇⴰⵊ ⴰⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵏⵥⵉⵙ ⵡⴰⵕⵓ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵚⵃⵉⵃ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵉⵄⴷⵕ ⵛⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ! ⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⴱⵕⵕⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵜⵡⴹ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⴰⵔⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴰⵔⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⵖⴰ ⵔⵙⵏ ⵎⴰⵢⵏ ⵖⴰ ⴳⴳⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴱⵄⴷⴰ ⵜⵓⴼⴰ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴼⵙⵔ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵖⵓⵏⵜ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵙ ⵜⵏⵄⴰⵛⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⵕⵉⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵓⵜⵜⴰⴼ ⵔⵡⵥⵜ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵜⵅⴷⵎⵉⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵔⵡⵕⵏⵜ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ, ⵜⵇⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵙⵏⴳⴰⵕⵜ ⵏ ⵊⴰⵏ ⵅⴰⴱⵔⵉⵢⵢⵉⵕ ⴷⴰⵔⴰⵏⵢⵉ ⵜⵓⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⵉⵙⴽⴽⴰⵕ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ, ⵜⵓⵜⵜⴰⵎⵙ ⵕⵎⴷⴰⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵓⵕ ⴷⴳ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵏ ⵜⵙⵏⴳⴰⵕⵜ ⴰⴷ ⵏⵣⵖⵏ ⴷⵖⵢⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵕⴱⴷⴰ ⵜⴳⴳ ⵎⵕⵉⵃ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ. ⵃⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ, ⵜⵅⵔⵔⵓ ⵜⵉⵡⵔⵉⵥⵥⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵕⵓⴳⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵕ.

ⵉⴷⵡⵕ ⴷ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴱⴹⵉ ⵥⵥⴰⵄ. ⵜⵜⵓⵏⵓⴹⵖ ⴷⵉ ⵇⵇⴱⴰⵟ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵜⵜⵇⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵙⵙⵓⵥ ⵉⵜⵜⵙⵡⵡⴰⵥ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵜⵓⵖⴰ ⵄⵕⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵃⴰⴹⵖ ⵅⴼ ⵙⵓⵕⵕⵜ ⵏ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⵉⴽⵙⵙⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉ ⴰⵕⵉⵙ. ⵜⵉⵣⵡⴰⵔ ⵉⵜ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵚⵓⵇⵇⵉⴼⵏ. ⵜⴷⵖⵔ ⵜⵓⵎⴰⵟⵉⵛ ⴷ ⴱⴰⵟⴰⵟⴰ ⴷ ⵓⵣⴰⵕⵉⵎ. ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ. ⵜⵖⵕⵉ ⵜⴼⵓⴽ ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵜ ⵜⵏⵏⵓⴼⵔ ⴷⵉⵀⴰ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⵔⵙⴷⵓⴷ ⴷⵉ ⵜⵣⴰⵢⵢⵇⵜ ⵏ ⵡⵉⵙ ⵚⴹⵉⵚ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ‘ⵕⵓⴽⵙⴰⵎⴱⵓⵔⵖ’ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⵙⴰⵏ ⵊⵉⵔⵎⴰⵏ ’. ⵜⴼⵓⴽ ⵏⵏⵉ ⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⴷ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵢⵢⵓⵜ, ⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ ⴷⵉ ⵜⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵙ ⵟⵢⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵡⵔⴰⵖⵜ, ⴰⵎⵖⴷⴷⵓⴷⵉ ⵉⵙⵙⵥⵏⵉⴹ. ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴼ

ⵍⵡⵉⴷⵊⵉ[1] ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵊⵊⴰⵎ ⴷ ⵉⵟⴰⵍⵉ ⴷ ⴰⵃⵏⵉⵏ ⴷ ⴰⵙⵅⵅⴰⵡⵉ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴷ ⴰⵔⵉⴼⵉ ⵟⴰⴼ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⵏⴷⵔⵉⵢⴰ. ⵓⵛⴰ ⵎⵙⵍⵍⴰⵎⵏ ⵙ ⵔⵃⵏⵓⵏⵛⵜ. ⵢⵓⴳⵉ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵟⵟⴼ ⵜⵉⵏⵄⴰⵛⵉⵏ. «ⵓⵔ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⴽ, ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ, ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ!» ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵍⵍⵎ ⵅⴼ ⵓⵢⵣⴰⵔ, ⵎⵙⵢⵓ ⵎⵉⵛⵓ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵅⴼ ⵉⵏⴱⵖⵉⵡⵏ, ⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵙ ⴷ ⵃⴷⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵓⵎⴰⵍⴰⵙ ⴰ? ⵉⵢⵙⵎⴰⵏ ⵉⵣⴳⴳⵯⴰⵖⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵎⵍⴰⵍⵏ ⴷ ⵍⵇⴷⴷⵉⴷ ⵡⵊⴷⵏ.

ⵜⵜⵙⵔⵉⵖ ⵃⴰ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵔⵀⴰⵔⴰⵊ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⴽⴰⵔⵔⵓⵜⵏ ⵄⴷⴷⵓⵏ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵉⵣⴼⵜ ⵏ ⵓⵥⵕⵓ. ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵏ ⵢⵉⵔⵓⵎⵢⵏ ⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⴷⵓⴳⵉ ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⵉⵣⵣⵏⵣⴰⵏ ⴷ ⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵢⵏ ⵉⵣⵏⵓⵣⵏ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴼ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵣⵏⵓⵣⵏ ⵜⵉⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵓⵔ ⵜⴳⴳⵉⵊ ⵛⵉ ⵅⴼ ‘ⵙⴰⵏ ⵙⵓⵍⴱⵉⵙ’, ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵎⵖⵔⵏ ⵓⵔ ⵜⵎⵔⵛ ⵛⵉ, ⵎⵎ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⵎⵉ ⵜⴰⴼ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵅⴼ ⵃⴷⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⴹⵚⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⵜⵜⵙⴷⵃⴰⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵜⴹⵀⵕ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵅⴱⴱⵉⵛ ⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵓⵏⵛⵓⵛⵏ. ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵉⴱⴷⴷ ⵔⴰⴷⴰⵙ ⵏ ⵓⴼⴰⵕⵕⴰⵏ ⵏ ⵓⵖⵔⵓⵎ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵔⴳⵣⴰⵢⴰ, ⵙⵙⵉ ⴱⵔⴰⵀⵉⵎ ⵍⵡⴰⵏⵏⴰⵙ, ⵜⵓⴷⴷⴽⴽⵯⵍⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⵛⵏⴰ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⵙ ⵓⵎⵍⵍⵖ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵔⵡⵓⵔⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⵏ ‘ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ’, ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵉⵙⵄⴷⴷⵓ ⵔⵡⵇⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵏⴰ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵔⴰ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵡⵡⵇ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ: “ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵇⵇⴰⵃ ⵓⵔ ⴰⵏⵖ ⵉⵀⵡⵉⵔ ⵙ ⵛⵉ, ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⴰ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ”. ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ, ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⵅⴼ ⵜⴼⴷⵏⵉⵏ ⴰⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⴷ ⵜⵎⵏⴰⴼⴰ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ. ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⵖⵓⵢⵢⵉⵜ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵓⵙⵇⴰⵔⵇⴱ ⵏ ⵜⵔⵓⵔⴰ ⵓⵔⴰ ⵜⴰⵕⵥⵉⵜ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ ⴷⵉ ⵜⵏⵡⴰⵍⵜ. ⵜⵉⵎⵏⴰⴼⴰ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔⵏⵜ ⵙ ⵍⵃⴼⴰ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⴷⴷⵉⵄⵏⵜ ⵙ ⵓⵙⵇⴰⵔⵇⴱ ⵏ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ. ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵔⴷⵏⵜ ⵜⵉⵔⵓⵔⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⴻⵜⵜⵉⵔⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ. ⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⴰⵢⴷⵉ ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵉ ⵜⴻⵜⵜⵔⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵙⴳⴰⵔ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⴻⵜⵜⵙⵍⵉ.

[1] Luigi

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ! ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵛⵉ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵙ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵉⵎⵓⵥⵖⴰ ⵉⵎⵖⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⴹⴹⴰⵚ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵄⵏ! ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵏ ⵙⵉⵍⴱⵢⴰ ⴱⵉⵜⵛ, ‘ⴰⵏⴳⵍⵓⵙⵓⴽⵙⵓⵏⵉⵢⴰ’, ⴷⵉⵀⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵙⴷⵡⵉⵜ ⵏ ⵉⵎⵙⴳⵏⴰⴼ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵢⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ. ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ‘ⵓⴷⵢⵓⵏ’. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⴷ ⵔⵇⵔⴰⵎⵜ ⵉⵜⵜⵃⴷⴰⵊⴰ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵅⵔⵓ, ⵜⴰⵔⵉⵜⵏ ⵙ ⵔⵇⵔⵎ ⵏ ⵍⵎⴷⴰⴷ. ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵜⵃⴷⴰⵊⵊⴰ ⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵥⵍⵢⵏ, ⵇⵙⵃⵏ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵍⵎⴰⵃⴰⵍ ⵏ ⵙⵙⵉ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵢⵙⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵢⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵛⵛⵏⵄⵜ ⵏⵏⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⴽⴽⵔⵏ ⵅⴼ ⵓⵙⴱⴱⴰⴱ ⴰ ⴰⵎⵉⵖⵉⵙ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵜⵥⵓⵕⵉ, ⵉⵔⴰ ⵉⵥⵏⵓⵥⴰ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⵙ ⵊⵊⵎⵔⵜ! ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴱⴱⴰⴱ ⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⵏⵏⴰⵖ ⵜⵓⵇⵔⵉⵔⵉⵏ, ⵎⵙⵢⵓ ⵎⴰⵜⴰⵔⴰⵙⵓ[1] ⵛⵛⵉⵟⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⵔⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵔⴰⵎⴱⵓ. ⵏⵏⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵓⵖⴰⵊⴰⵔ ⵉⵅⴳⵓⵔⵏ ⵙ ⵜⵙⵉⵔⴰ ⵏ ⵡⴰⴹⵓ ⴷ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵔⴰ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵢⴰⵔⵔⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰ ⵉⵔⴰ ⵏ ⵔⴰⵎⴱⵓ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵔⵄⴼⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵔⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵏ ⵓⵥⵢⵏ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏⵏⵙⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵉⵃⴰⴹ. ⵍⴰⴱⵓⴷⴷⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⵉⵔⵜⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⵍⵉⵙ, ⵎⵙⵢⵓ ⵎⴰⵔⴽ ⵍⵓⵍⵉ ⴷ ⵜⵎⴹⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⴱⵉⵍⵊⵉⵅⵉⵜ, ⵜⴰⵛⵎⵔⵓⵇⵜ, ⵜⴰⵎⵓⵅⴷⵉⵔⵜ, ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⴰⵖⵏⵏⵊ ⵏ "ⵓⴱⴱⵉⵔⴰ"[2]. ⵜⵓⵖⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙⵉ ⵃⴷⴷ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵉ ⵃⴷⴷ ⵃⴰ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵜⵜⵔⴰⵖⴰ ⴰ «ⴽⴰⵔⵎⵉⵏ»!

ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵙⵉⵜⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⴷ ⵜⴹⵚⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⴳⴳ ⵔⴰⵎⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵅⵢⵢⴰⵇ, ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵜⵜⵅⵢⴰⵇ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵉⵜⵜⵄⵊⵉⴱ ⴰⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ.. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ: ⴰⵎⵛⵓⵎ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵀⴰⵏⵔⵉ – ⴱⵢⵉⵔ ⵔⵓⵛⵉ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵃⵏⵉⵏ, ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⴼⴰⵢ[3], ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴳⵔⴰⵏ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵜⵜⵖⴰⵔ ⵎⴰ ⵜⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ. ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵉⵍⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰ ⵜⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵜⵖⴰⵔ ⵙ ⵓⵖⵏⵏⵊ ⴰⵎ ⵉⵥⵍⴰⵏ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ

1 MATARASO
2 أوبيرا
3 Henri-Pierre ROCHE, Bernard FAY

ⵉⵇⵥⵎ ⵉⵎⵣⵣⵓⵖⵏ ⵎⵍⵉⵃ ⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⴹⵀⴰⵇ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵔⵉⵚⵚ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ.

ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ, ⵢⵓⴷⴼ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵚⵚⴰⵄ ⵍⵃⵙⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵜⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵎⵃⴹⵏⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉⵏ ⵓⵎⵛⵍⵉ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏⵜ. “ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵜⴰⵔⵊⴰⵊⵊⵉⵜ ⵏ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵎ.. ⵡⴰⵀ ⴰ ⴰⵍⵉⵙ! ⵡⴰⵀ ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵙⴰⵏⵀⵣⵣⴷ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵎ ⴰⵎⵎⵓ ⴰⵎ ⵓⵢⴰⵣⵉⴹ ⵉⵙⵙⵓⴼⴼ. ⵡⴰⵀ ⵀⵀⵀ!” “ⴰⵍⵉⵙ...ⴰⵍⵉⵙ, ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵎ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⴼⵓⵏⴰⵙⵜ ⵜⵀⴷⴷⴰ ⵜⵓⴳⴰ ⴰⵣⴳⵣⴰⵡ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⴰⵛⵛⴰⵡⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵄⴷⴷⵓⵏ! ⵡⴰⵀ ⴰ ⵜⴰⴼⵓⵏⴰⵙⵜ ⵉⵏⵓ, ⵡⴰⵀ.. ⴰⵍⵉⵙ!...”. ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵛⵡⴰⵢ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴼⵙ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵢⵓⵍⵉ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ, ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵔⴼⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ, ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ!.

ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ, ⵉⵅⵙⵙ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵜⵓⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ, ⵖⴰⵔ ⵓⵄⵛⵛⵉ ⵏⵏⵉ, ⵉⵚⵚⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵔⵓ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⵓ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵙⵓⵎⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵇⵥ ⴰⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵇ. ⵓⵎⵉ ⵉⴱⴷⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵙⵉⵜ, ⵉⵙⵙⵔⵉⵔ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎⴰⵏ ⵅⴼ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵏⵏⵉ ⵀⵡⴰⵏ ⴰⵙ ⴷ ⵙ ⵔⵚⵏⴹ ⵏ ⵓⵃⵢⵣ! ⵉⵎⵔⵉ ⵜ ⵜⵥⵇⴰ ⴰⵍⵉⵙ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵚⴰ ⵜⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵃⵟⵟⴰ ⵜ, ⵉⵎⵔⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ: «ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵔⵉⵔⵉⴷ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵙⴷ, ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⴽ ⵜⵏⵃⴹⴷ ⵜⵏ ⴰⵟⵟⴰⵕ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵜⵊⵊⵉⴷ ⵡⴰⵍⵓ! ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵎⴰⵏ ⵜⵜⴽⴽⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵅⵎⵉ ⵜⵄⴷⴷⵓ ⵅⴰⴼⵙ ⵔⵡⵚⵜ, ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵄⴼⴼⴰⵏⵜ ⵉⵏⵏⵓⴼⵔⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵉⴽⵛⵛⴰⵡⵉⵏ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴷ ⵔⴳⵛⴱⵜ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ.

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵃⴰⵣ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴱⴰⴱⴰ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ! ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵄⵉⵣⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵃⵟⵟⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵉⵣⴷⵉⴳⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵣⵉ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵏ ⵜⵏⴷⴷⴰⵎ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵓⴳⵥⵉ ⴷ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵖⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵜⵡⵛⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⵔⵉⵜ ⵉⵚⴱⵔ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵓⵙⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱⴰ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵎⵡⵛⴰ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵏ ⵓⵙⴰⴹⵔⴰⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵏⵢⵔⴰⵡⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵥⵓⵇⵉ ⴷ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⴰⵎ ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⵓⴱ ⴷ ⴰⵔⵟⵓ, ⴰⴷ ⵉⵃⴹⴰ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⴰⵚⵕⵕⴰⵇ ⵏⵏⵉ. ⵜⵄⵔⵎ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵃⴹⴰ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵓ ⵎⵍⵉⵃ ⵓⵔⴰⵔ ⵏⵏⵉ. ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⵙ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵙⵉⵏⵚⵔ ⵉⴱⴷⴷ, ⵉⵏⵏⵓⵎ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵃⴹⴰ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵚⵚⵉⵎ ⵢⴰⵔⵙⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⴽⵙ ⴷⴳ

ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵅⴼ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⴳⵙⵙⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵏⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵊⵉⵢⵓⵏ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⵚⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵓⵊⴳⵔⴰⵡ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ, ⵉⴼⴼⵖ ⵣⵉ ⵜⴰⵥⴰⵢⵚⵜ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵚⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵜⵡⵉⵢ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⴽⵔ ⵙ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴷ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⴼ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵢⵜⵉ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵙ ⵡⴰⵔⵣⵣⵜ ⵏ ⴱⵉⵏⴷⴰ ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⵎⴰ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵏⵟⵡⴰⵏ ⴰⵔⵟⵓ ⵉⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⴽⴷ ⴰⴱⵓⵀⵍⵉ ⵏ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⴷ ⵜⵥⵓⵚⵉ. ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰⵏ ⵙ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⴰⵔ ⵖⴰ ⴰⵡⴹⵏ ⵖⴰⵔ (ⵛⵉⵣⵓⴼⵔⵉⵏⵢⴰ)! ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵙⵏⵏⵉ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵚⴰⵃ ⵃⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⴰⵏⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ, ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⴰⵎⵄⴷⵓⵔⵜ ⴷⵉ ⵙⵃⵃⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵜⵡⵇⵇⴰⵔ ⵉⴱⵓⵀⴰⵍⵢⵏ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵔⵟⵓ ⵅⵎⵉ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ’ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⴱⴷⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵓⵄⵍ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ, ⵔⴰ ⵉⴳⵙⵙ ⵔⴰ ⵢⵓⴽⴹ, ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵙⴼⴼⴰⵔ ⵙ ⵓⵇⵎⵎⵓⵎ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵟⵟⴰⵡ, ⵉⵕⴼⴰ!

ⵉⵙⵙⵓⴳⵓⵔ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵜⴰⵎⵙⴽⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴳⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⵜ ⵉⴷ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵎ ⵓⵛⵜⵉ ⴷ ⴰⵍⵅⵅⴰⵖ, ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵜⴰⵡⵔⵉⵇⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵕⴼⴰⵏ. ⵓⵔ ⵉⵄⴰⴹⵉ ⵃⴷⴷ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵔⵀⵉⴱⵜ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙ ⵃⵟⵟⵓ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⴰ ⵉ ⵉⵏⵉⵖ ⵔⵓⴳⴰ. ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵎⵙⴽⵉⵔⵜⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵏⵢⵔⴰⵡⵏⵜ ⴳⴰⴼⵙ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵚ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⴳⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵏⵉⵙ. “ⵏⵛⵛ, ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵛⵛⵏⵄⵖ, ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵀⵡⴰⵏ ⵣⵉ ⵙⵍⵍⵓⵎ ⴷⵉ ⵔⵓⵀⵉ, ⵓⵔ ⵢⵓⴼⵉ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵊⵎⵎ! ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵎⴰⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵜ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⴳⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵎⵙⴰⴳⵔ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵢⵓⴼⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵉⴳⴳ. ⵓⵔⴰ ⵜⵉⵎⴳⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⵢⴰⵊⴼⵏ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵜⵙⵡⴰ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⴳⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵡⴹⴹⴰⵚ ⴷⵉ ⵔⴳⵔⴰ ⵢⵓⵣⵣⵖⵏ.

ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵥⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵎⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⵎⵏⴰⴼⵓ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⵎⵏⴷⵀ ⵏⵉⵖ ⵉⵃⵟⵟⴰ ⴰⴳⴳⴰⵎ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⴹⵀⵚ. ⴰⵍⵜⵓ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵥⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⴷⵉ ⵃⴷⴷ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵜⴳⵙⵙⴰⵏ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵏ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵎⵓⵏⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎⵛ ⵔⵎⵙⵖ ⵓⵔ ⵜ ⵢⵉⴷⵛⴰⵔ ⵃⴷⴷ. ⵔⴰ ⵜⵉⴱⴰⵔⵉⵣⵉⵜⵉⵏ ⵜⵉⵊⵉⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴰⵎ ⵎⴰⵔⵉ ⵍⵓⴱⵔⴰⵏⵛⵓ,

ⴷⵓⵏⵉⵣ ⴼⵉⵍ, ⴽⵍⵓⴷⵉⵏ ⵀⵉⵔⴼⵉ, ⵀⵉⵍⵉⵏ ⵍⴰⵣⴰⵔ, ⵊⴰⴽⵍⵉⵏ ⵔⵓⵙⵉⵏⵢⵓⵍ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙⵏⵜ ⵛⵉ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵍⵍⴰⵏⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵙⵇⵙⴰⵏⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵣⵏⵓⵣⵏ ⴰⵖⵔⵓⵎ ⴷ ⴱⵓ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⴷ ⵓⵢⵥⵥⴰⵔ ⴷ ⴰⵎⵙⴳⵏⴼⵓ ⵏ ⵜⵉⵖⵎⴰⵙ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵣⵏⵓⵣⴰⵏ ⵉⵖⵎⵉⵙⵏ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵣⵏⵓⵣⴰⵏ ⴰⴽⴼⴼⴰⵢ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵉⵊⴰⵔⵔⴰⵔⵉⵏ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵢⵉⵏⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵙⵙⵏⵏ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⴰ ⵙⵙⵏⵏⵜ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⴽⵯⵍⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵢⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ.

ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵊⵊ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙⵙⴰⵔ ⵏⵏⵙ, ⴰⵔⴳⴰⵣ ⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ, ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⴽⴰⵛⵓ , ⵏⵜⵜⴰ ⵡⵃⴷⵙ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵛⵓⵏⵉ. ⵉⵎⵙⵓⵅⵔⵓⴼ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵎⵅⵉⵣⵣⴰⵏ. ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵣⵉ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼⵏ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⴷⵖⵢⴰ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵀⵡⵏ, ⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⴷ ⴰⵃⵎⴰⵢⵎⵉ ⵉⵃⴷⵇ ⴰⵎ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏ ⵢⵉⵏⵉ ⵙⵡⵓⵔⵓⵢⵏ ⴷⵉ ⵢⵉⵍⵍ. ⵓⵔⴰ ⵜⵔⵙⵇ ⴷⴰⵢⵙ ⴹⴱⵉⵅⵜ ⵏⵏⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ, ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴳⴷⴷⵎ ⴷⵉ ⵙⵔⴽⴽⵜ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵉ ⴷⵉ ⵉⵙⵎⵃ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ, ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵉⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵇⴰⴱⵔ ⵉⵎⵎⴰⵙ, ⵜⴰⵎⴰⵄⵓⵏⵜ, ⵜⴰⵎⵅⵄⵓⵕⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵓⵍⵜⵎⴰⵙ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵜⴰⵎⵅⵄⵓⵕⵜ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴷⴷⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴱⵍⴰ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵙⵙⴰⵡⵍ ⵓⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵡⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵏⴷⴷⴰⵎ ⵉ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵜⵏⵜ ⴰⵎⵏ ⵉⵙⵙⵏ ⵜⵉⵛⴰⵔⵉⵄⵉⵏ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⴷⴷⴰⵔⵜ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵣⴷⴷⵖ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ. ⵔⴽⵉⵙⴰⵏ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙⵏ ... ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵅⴼ ⵜⵙⵅⴷⴰ ⴷ ⵣⵣⵎⴰⵏ. ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵉⵜⵜⵓⵜⵜⵓ ⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⵎⴰ ⴰⵙ ⵢⵓⵏⵏⵓⵄⵏ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵢⴰⵔⵣⵣⵓ ⵙ ⵉⵄⵓⵄⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵎⵢⴰⵔ ⵉⵜ ⴰⴼⵓⵙⵉ ⴷ ⵓⵣⵔⵎⴰⵄ. ⵉⵜⵜⵙⵀⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵉⵙⵙⵏⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵡⵇⵇⵔ ⴰⵙⵖⴷⵉ. ⵉⵜⵜⵊⵊⴰ ⵜ ⴰⴷ ⵉⴳⵎⵎ ⴷⴳ ⵓⵙⵀⵉ ⵏⵏⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵉⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵜⵅⴷⵓ ⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⴰⵍⵉⵙ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵙⵙⵓⵇ. ⵜⵙⵎⵓⵏ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵔⴰⵛⵛⴰ. ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵅⵔⴰⵣⵉⵏ ⵜⵉⵎⵉⵔⵉⵡⵉⵏ ⴷⴳ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴰⴹⴹⵓⵄⵜ ⴷ ⵜⴱⵓⵀⵉⵎⵉⵜ. ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⵙ ⵜⵉⵄⴰⵕⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⴰⵎ ⵜⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ. ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵜⵅⴷⴷⵓ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⵡⵄ ⴷ ⵔⵡⵇⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⵔⵉ ⵙ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵏⴽⴽⵔ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⵓⵙⵉ, ⴰⵇⵣⵉⵏ ⵅⴼ ⵓⵥⵕⵎⴰⵄ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴼⴰⴹⴹⵓ, ⵜⵇⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⵜⴳⴳ ⵜⵔⵉⴽⴽⵓ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⴰⵄⵓⴼⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⴳⴷⴷⵓⴷⵉ ⵉⵃⴷⵇⵏ

ⴷ ⴻⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ ⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏ ⵏ ⴰⵔⵔⵉⵛ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵉⵙⴼⵉⵡ ⴰⵏⵛⴻⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵢⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⵢⴻⴼⴼⵏ, ⵜⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ.

ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴽⴻⵔⵛⵉ ⵅⴼ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵎⵎⴰⵍ ⴰⵙ ⵜⵉⵣⵉⴹⵔⵜ: “ⵛⴽⴽ ⵉ ⵉⴷⵖⵔⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴽ, ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵇⴱⵔⴷ ⵎⴰ ⵜⵅⵅⵉⴷ”. ⵜⴻⵖⴰ ⵉⵎⵎⴰⵍ ⴰⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵅⵅ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵜⵏⵏⴻⵕⵣ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ. ⴻⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵏⵏⴻⵕⵣⵎ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵉⵊⵊ ⵉⵜⵜ ⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⴻⵛⴰ ⵜⵇⵇⵏ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵢⴻⵅⴻⵔ ⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵇⵇⵏⵏ ⵜⴰⵃⴰⵏⴻⵜ ⵉⵙⵙⵏⴼⵍ ⴰⵙⵡⴻⵔⵉ. “ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴼⵍⴷ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⴰ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ?” ⴻⵛⴰ ⵉⵙⵙⴷⵃⴰ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵏⵏⵉ ⵣⵉ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⴻⵎⵉ ⵜ ⵢⴻⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵉⵢⵢⵇ ⴰⵅⵏⴼⴻⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴻⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴻⵔ ⵅⵅⵉⵖ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏ ⴻⴼⵍⵍⴰⵃ ⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔⵉ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵉⵏⴻ? ⴰⴼⵍⵍⴰⵃ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⵙⵔⴻⵙⴰ ⵉⵎⵣⵣⴻⵖⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⴻⵛⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉⵙⴻⵔⵉⴼⵏ ⵉ ⵉⵄⴷⴷⴻⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ. ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵇⵔⴰⵄⵏ ⴰⵙ ⵉⵎⵣⵣⴻⵖⵏ ⴰⵎⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ. ⴻⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵣⴻⵕⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⴻⵛⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵙ ⵍⵄⵇⵍ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵛⴽⴽ ⵔⴻⵅⴰ ⵜⴷⴷⴰⵔⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵜⵇⴰⴷ, ⴻⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏⴷ ⵜⵚⴱⵃ ⵏⵏⵙ. ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵔⴻⵅⴰ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⴼⵍⵍⴰⵃⵜ ⵉⵣⴷⵖⵏ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ[1], ⵉⵜⵜⵏⵏⴹ, ⵉⵜⵜⵎⴻⴷⴷⴻ, ⴱⵍⴰ ⵉⵣⴻⵕⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴻⵔⵜ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵎⵉⵏ ⴷ ⴰⴽ ⵏⵏⵉⵖ? ⵡⴰⵀ! ⵡⴰⵀ! ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⴻⵔ ⵉⵜⵜⵙⵍⵉ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴻⵔⵜ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴻⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⴱⴻ ⵜⵎⴻⵔⵜ ⵇⵇⴰⵄ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵍⴰ ⴰⴹⴻ ⴻⵛⴰ ⵉⵙⵍⴰ ⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵙⵍⵉⵜⵏ ⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⴰⵢⵉ? ⵡⴰⵀ!... ⵡⴰⵀ! ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⴰⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵣⴷⵖ ⵊⴰⵔ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴷ ⵉⵏⴱⴱⴰⵛⵏ ⴷ ⴷⵔⴰⵡⵛ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴻⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⴷⴰⵙ ⵜⵡⵛⴰ ⴱⴰⵍⴰⴷⵉⵢⴰ ⴰⴽⴷ ⵔⵛⵔⴰ ⴷ ⵔⵎⵙⵔⴻⴼ ⵏ ⵡⴻⵙⵙⴰⵏ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵢⴻⴼⴰ ⴰⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⴷⴷⴻⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴻⴽⵛⵛⴻⴹ ⴱⵍⴰ ⵜⵉⵏⵄⴰⵛⵉⵏ. « ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴻⵛⴰ ⴰⴷ ⴰⴽ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⵏⵏⴽ, ⵜⵙⵙⴻⵊⴷⴷ ⵉ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵏ ⴰⵣⵇⵇⴰ. ⵜⵇⴰⴱⴰⵍⴷ ⵜⴰⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏⵏⴽ ⵢⴻⵢⵍⵏ. ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⵙⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙⴷ. ⴰⴷ ⴰⴽ ⵊⵊⵖ ⴰⵏⵙⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⴻⵙⵉⴷ». ⴻⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⵟⵟⴼ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵛⵡⵡⴰⵔ.

1 الغجر

ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵢⵢⵉ ⴰⴷ ⵜⵄⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⴰ ⵅⴰⵛⵙ ⵜⵙⵢⵢⵎ, ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴳⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵢⴰⵡⵜ. ⵜⴰⴼⵉⵔⵉⵜ ⵍⵙ ⵏ ⵛⵓⵔⴷ ⵜⵚⵊⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵣⵢⵢⴰ ⵚⴰⵢⵓ, ⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⴰⵎⴳⴰⵏ ⵍⵙ ⵉⵅⵚⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵢⴱⴷⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵥⴱⵃ, ⵉⵏⵛⵛⵀ... ⵓⴳⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵢⵢⵉ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⴷ ⵜⵙⵖ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵍⴹⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⴰⵔⴰ ⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵇⵣⵉⵍ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴳⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵃⴰⴳⴰ ⴰⵎⴳⵉⴳ ⵍⵉ ⴰⵎⵏⵃⵓⵙ ⵢⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⵃⵟⵟⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵔⵙ ⵔⵀⵛⵏ ⵍⵙ. ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰ ⵀⴰⴷ ⴰ ⵣⵣⴰⵡⵙ ⵜⵍⴹ. ⵢⵢⴰ, ⵜⵟⵟⵛ ⵉⵜ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ, ⵉⵔⴰ ⵉⵀⵟⵟⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⵢⵉⵙ ⴷ ⵔⵓⴳⵉ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵢⵢⴰⵏ ⴷⵅ ⵓⵙⴰⵢⵓⵏ ⵜⵜⵓⵔⴰⵔⵏ ⵔⴽⴰⵟⵜ. ⵓⴳⴰ ⵜⵓⴷⵙ ⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ: “ⵀⴰⵛⴰⴽ ⵉⵔⴰⵔ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵡⵎⵎⵉ ⵜⵎⴰⵔⵔⵉⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵄⴰⵃⴷ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ ⵍⵎ?” ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⴼⴰⵏⵔⵉ ⴱⵡⵉⵔ ⵔⵓⴳⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵉⵇⵉ ⴳⵉ ⴷⵅ ⵉⴹⵥ ⵍⵙ ⵏ ⵣⵉⴽ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⴰⵎ ⵚⵓⴳⴳⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵏⵖ ⵜⵖⵔⴱ ⵚⴰⴼⴰ. ⵓⴳⴰ ⵜⴹⵥⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵊⵊⴼⴷ, ⵜⵙⵇⴼⵇⴼ, ⵓⴳⴰ ⴹⵥⴰⵏ ⵎⴰⵄⵄⴰ. ⵔⴰ ⴷ ⵚⵍⵉ ⵉⵙⵏⵚⴰⵏ ⴰⵔⵅⴰⵣ ⵍⵉ ⵣⵉ ⴰⵙⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⴰⵡⵏⵓ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴹⵥⵥⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵊⴰ ⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵏ ⵎⴰⵡⵏ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ, ⵓⴳⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⴷⵖⵡⴰ ⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⴰⵔ ⵜⵉⵚⴳⴳⴰ ⵜⵉⴳⵢⵉ ⵍⵙ! ⵉⴱⵓⵇⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⴷ ⵚⴰⵚⴰⵢ ⴷⵖⵡⴰ ⴷ ⵜⵚⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵍⵙⵏ ⵜⵉⵇⵓⴹⴰⴹⵉⵏ ⵙ ⵜⴰⵙⵓⵔⴰⵔⵜ ⵏ ⵔⴽⴰⵟⵜ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴳⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵍⴰⵏ. ⵎⴰⴳⴰ ⵉⴳⴷⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵉⵛⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ, ⵡⵓⴳⴰ ⵔⴰ ⵙ ⵎⴰⵡⵎⵎⵉ ⵜⵎⴰⵄⵄⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵎⴰⵡⵎⵎⵉ ⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⵢⵉⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵅⵛ ⵓⵎⴰⵔⵔⵉ ⵍⵙ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵡⵙ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵉ.

6

ⵔⴷⵛⵓⵔ ⵏ ⵡⵖⴰⵊⴰⵔ

ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵓⵏⵥⴰⵇ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ ⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵛⵛⴰⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵥ ⴷⴳ ⵎⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ ⵉⵃⴷⵓⵏ. ⵢⵓⵊⴰⵔ ⵢⴰⵔ ⵣⴳⴳⵯⴰⵍⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵇⵇⴰ. ⵓⵍⵉ ⵉⵍⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵍⵓⵄⵍⵍⴷ ⴰⵡⴰⵍⵉ ⵉⵎⵎⴹ ⵜⴰⵣⴷⴷⵓⵖⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵍⴰⵢⵏⵓⵜ ⵏ ⵔⵕⵙⴹⴰ.

ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⴷⵎⵡ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵙⵙⵉⵊⵊ, ⵍⵉⵏⵣⵉ ⵉⵎⵛⵉⵏ ⴰⵎⴰⵡ ⵉ ⵎⴰⵢⴰⵎⵢⴰ ⵣⴷⴰⵜ. ⵍⵓⵄⵍⵍⴷ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵙⵉⵊⵊⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⴹⴰⵇ ⵔⵕⵏⴹ. ⴰⵍⵛⵏⴰⵎ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵓⵔ ⵉⵣⵍⵍⵔ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵙⵉⵎⴹ, ⴰⴷ ⵉⵙⵍⵄ ⴷⵉ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵍⴰⵢⵏⵓⵜ. ⵍⴰⵛⴰ ⴱⵡⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵖⴰⵔⵙ ⵍⴰⵏⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵏⵎⵊⵉ ⴰⵍⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⵍⵉⵡⵍⵉ ⵍⵍⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵏⴹⴰⵇ ⵔⵕⵏⴹ.

ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵔⵓⵊⵉⵔⴷ: ⴰⴷ ⵅⴰⵙ ⵜⴽⴽ ⵖⵔ ⵓⵄⴼⴼⴰⴼ ⴰⵟⴰⵡⵢⴰⵏⵉ ⵡⵎⵉⴷⵏⵉ ⵍⵉⵏⴰⵔⴷⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵏⵏⵓⵍ ⵜⵜⵇⴰⵄ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵡⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⵥⵥⵢⴰⵏ ⵏ ⴷⴷⵔⴰⵎⵛ. ⵓⵔ ⵜⵕⵕⵉⵍ ⵛⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵕⵕⴰ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵇⴰⵄⵖ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵡⵓⵏ ⵏ ⵍⴰⴷⴰⵍ ⴱⵉⵛⵓⵏ ⵜⴰⵄⴼⴼⴰⴼⵜ ⵏ ⵜⵍⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵟⴰⵡⵢⴰⵏⵉ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⴼⵙⵓⵙⵉ ⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵡⴳⴳⵯⴰⵖⵏ ⵅⵍⵉ ⵉⵜⵜⴼⴰⴼⴰ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵛⵎⵎⴰⴼ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵎⵉⵡ ⵛⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵍ ⵜⵛⴽⴽⴰⵍⵜ ⵜⵏⵏⵉ ⵜⴰⴼⵇⵏⵚⵉⵚⵉⵜ. “ⴰⴷ ⴰⴽ ⵉⵙⵉⵖ ⵙⵙⵏⵏⵉ, ⵅⴼ ⵓⵃⵔⵓⵔ ⵏ ⵅⴰⵡⵜⵉ ⵜⴰⵏⵜⵉⵜⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵔⴷⵛⵓⵔ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ... ⵍⴰⵔⴰ ⵜⵅⵙⴷ”. ⵍⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵃⴹⵇ ⴰⵙ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⴰⵄ ⴷⵉ ⵜⵡⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵣⵥⵓⵖⵓⵔⵏ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⵄⵙⵏ ⴰⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵍⵡⵡⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ: ⴰⵔ ⵜⵎⴰⵔⴰⵜ ⵜⵏⵏⴹⵉ ⴰⴷ ⵏⵇⴰⵄ ⴱⴰⵇⵇⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵢⵉⵔⵉⵎ ⵔⵄⴰⵔ, ⵜⵣⵍⵍⴰⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵡⵍⴷⵉⴷ ⴰⴷ ⵜⵏⴷⵀⴷ ⵟⵟⵓⵍⵓⴱⵉⵏ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴷⵖⵢⴰ. ⵍⴰⵔⴰ ⵃⴰⴷ ⵟⵟⵓⵍⵓⴱⵉⵏ ⵏⵏⵍ ⵜⵣⵍⵍⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵣⴷⴰⵜ. ⵍⵓⵄⵍⵍⴰⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵄⴰ ⴰⵍⵣⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵍⵉⵏ ⵉⵅⴷⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵙⵙⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵍⵛⵄⴰⵡ ⵏ ⵟⵟⵓⵍⵓⴱⵉⵏⴰⵜ ⵉ ⵜⴳⴳⴰ. ⵣⵉ ⵅⴰⵡⵜⵙ ⴱⴰⵎⵡⵉⵏ ⴰⵔ ⵅⴰⵡⵜⵙ ⵜⴰⵏⵜⵉⵏ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵙⴱⴷⴷⵉ ⴷⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵉⴷ ⴰⵙⵏ ⵜⴳⴳⴰ ⵟⵟⵓⵍⵓⴱⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⵔⴰ

ⵜⵄⵃⴰⵏ ⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵏ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴷⴳ ⴻⴱⵔⵉⴷ. ⴳ ⴻⵎⴰⵍⴰⵙ ⵉⵀⴷⴻⵏ ⵀⴰⵡⴷⵏⵜ ⴰⵙ ⵜⵉⵃⴻⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵍⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙⵏⵜ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵍⵉ ⵜⴰⵀⴼⴼⴰⵏⵜ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⴱⵔⴳⵎⵎⵉ ⵏ ⵍⴻⴽⵙⴰⵎⴱⴻⵔⵖ ⵏⵉⵛⴰⵏ. ⵜⴻⴳⵉ ⴰⴷ ⵜⵏⵟⵣ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵜ ⵀⴰⵍ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵔⵎⴳⵣⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴰⴷ ⵉⵀⴷⴻ ⴰⵎⵖⴰⵔ ⵏ ⵛⴻⵢⴻⴳ ⵖⴰⵔ ⴻⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ.

ⵜⵡⵃⵍ ⵙ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵍⵙ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⴻⵜ, ⴻⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵉ ⴰⵎⵙⵎⵍ, ⴻⵔⴰ ⵜⴰⵎⵙⵔⴰⴳⵜ, ⴻⵔⴰ ⵜⴰⴼⴰⵢⵜ, ⴻⵔⴰ ⵜⴰⵣⵉⵢⴰⴼⵜ. ⴻⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵀⵎⵎⴷⴷ ⴻⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵙⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵣⴷⴷⵖ ⵎⵉⵍⴷⵔⵉⴷ ⴰⵍⴷⵔⵉⵛ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⴻ ⵉ ⵢⴻⴷⵙⵏ. ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⴰⵎⴷⴷⴻⴽⵍ ⵍⵙⵏ ⵉⵃⴷⵍⵏ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⴷⵉ ⵍⴳⴰⵔⴰⵊ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵏⴻⵙ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵍⵉ ⵎⴽⴻⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ. ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⴻⵔ ⵉⵤⵤⵉⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⴻ ⵜⵉⵣⵉ ⴷ ⵜⵉⵤⵤⵜ. ⵔⴰ ⴷ ⵊⴻⵔⵊ ⵎⴰⵔⵜⵉⵏⵉ, ⴰⵎⴷⴷⴻⴽⵯⵍ ⵍⵙⵏ, ⵉⵍⴰ ⴰⵙⵏ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⴰⴷ ⵜⵏⴷⵟ ⵜⴰⵎⵔⵣⴻⵜ ⵍⵉ ⵏ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵏⵟⵔ ⵍⵙⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵖⴰⵎⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⵜ ⵜⴻⴳⵉ ⴰⵙⵏ. ⵜⵀⴷⵍ ⵉⵜⵜ ⵜⵊⵊⴰ ⵜⵜ ⴰⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⵏⵟⵣⵣ ⵃⴰ ⴷⵔⴻⵙⵜ ⵏ ⵡⴻⵙⵙⴰⵏ ⵡⴰⵟⴰ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵜⴳⵛⵛ ⴼⴻⵔⴷ ⵍⵙ ⵜⴰⵎⴰⵢⵍⴻⵜ. ⴰⵎⵛ ⴰⵙ ⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⴻⵔⵉ ⵃⵎⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵙⵉⵏ ⵉⵏⴻⵄⴰⵏ ⵉⴼⵇⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⵏ ⵔⴱⴰⵔⴻⵄ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵎⵉⴽⴰⵏⵉⴽ ⵍⵉ ⵉⴹⴹⴼ ⵜⴰⵖⵍⴰⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⴹⴹⴻⵎⴻⴱⵉⵏ ⵍⵉ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⵀⴷⵍ ⵉⵜⵜ. ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵊⴰ ⴰⵔ ⵖⴰ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵡⵍⵉ ⵜ ⵉⴳⴷⵎⵏ ⵣⵉ ⵜⵉⴳⴳⴰ ⵍⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵀⴹⴹⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⴰⴹⴹⴰⵚ, ⴰⵎⵛ ⵍⴻⵎⵏ ⵜⴳⴳⵏ ⵊⵊⵉⵔ ⵏ ⵡⴰⴽⴻⴷ ⴰ. ⵉⵜⵜⵔⵉⵤⵤⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵜⴰⵙⴻⵔⴰⵔⵜ ⴷ ⴻⵖⵉⵎⵉ.«ⴻⴼⴼ, ⵛⵎⵎ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵊⵊⵉⵔ ⴰ ⵉⵜⵜⵎⵏⴷⵔⵏ!» ⵉⵔⵉⵤⵤ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⴰ, ⴻⵛⴰ ⴰⵎⵍⵉ ⵜⵤⵤⵉⵎ ⵜⵀⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ.

ⵜⵉⵙⴽⵔⴻⵜⵉⵏ ⵏ ⴻⴱⴰⴳⵔⵉⵊ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵇⵥⵎⵏⵜ, ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏⵜ ⵔⵛⴳⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⵍⴻⴽⵙⴰⵏⴱⴻⵔⵖ. ⴷⵉⵍⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵉⵍⵉ ⵉⵙⵢⴰⵎⵏ, ⴻⵙⵉⵏⵜ ⵉⴷ ⵙ ⵉⵃⴰⵔⵎⴻⵛⵏ ⴰⴷ ⵉⵔⴰⵔⵏ, ⴰⴷ ⵏⴷⵔⵏ ⵔⵤⵏⵄ. ⴷⵉⵍⵉ ⵔⴰ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵉⵡⵙⵙⴻⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⵀⵄⴻⵔⵏ ⵙ ⵉⵀⴽⴽⴰⵣⵏ ⵏ ⴻⵎⵙⴳⵏⴼⴻ. ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵄⵟⵇ ⵉⴱⴱⵉⵔⵟ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵀⴷⴻ ⵙⵍⵉ, ⵎⵙⵍⵍⵎⵏ, ⵉⵙⵙⵤⵙⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵎⴷⴷⴻⴽⵍ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵜ ⴷⵉⵍⵉ. ⵉⵛⵉⵢⵢⴰⵔ ⴰⵙ ⵙ ⴻⴼⴻⵙ: “ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵎⵙⵢⴻ ⵔⵉⵛⴰⵔ?” “ⴻⵔ ⵜⴳⴳⵖ ⵡⴰⵍⴻ! ⵉⵔⵉⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵡⴰⵟⴰ ⵎⴰ ⴷⴰⵢⵉ ⵤⵤⵉⵎⵏ ⵣⴳ ⵡⴻⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ ⴰ ⵎⴰⵛⴰ ⵟⴰ ⵤⴰ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴰ ⵎⵙⵢⴻ ⵔⵉⵛⴰⵔ, ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵜⴼⴻⴽⵜ ⵀⴰⵡⴷ, ⵉⵚⴱⵃ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ”. ⵢⴻⴳⴻⵔ ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵍⴰ: “ⵜⴼⴻⴽⵜ ⵜⵜⵇⴰⵃ ⵜⵜⴰⵙ ⴷ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⵇⴰⵃ ⴻⵔ ⴷ ⵏⵜⴷⵡⵉⵍ!”

ⴰⴷ ⵤⵤⵉⵎⵖ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵔⴷⵛⴻⵔ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵎⴻⵃⵎⵎⴷ ⴻⵔ ⵉⵔⵉ ⵉⵙⴱⴷⴷⴰ ⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵏⵃⵉⵜ ⵍⵉ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵔⴻⴳⴰ ⵙ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⴻ.

ⴷⵡⵀⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⴰ ⴷⴰⴼⵉ ⵉⵊⵊⴰ ⵣⵉ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵅⴰⵖ ⵛⵉⵏ ⵜⵎⵙⵀⴰⴼⵜ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵍⵉ. ⴳⵣⵔⵖ ⴷⵉ ⵎⴰ ⴼⵓⵔⴰⵏ, ⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⴰⴳⵎⵉ ⴰⵔⵣⵣⵓⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵙⵉ ⵏ ⵜⵙⵖⴷⴰ ⵉⵏⵓ. ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⵜⵜⵓⵖ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷ ⵜⵅⵔⴰⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⴳⴳⵯⵊⵖ ⴳⵅ ⵎⴰ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⴳⴰⵅⵉ. ⵡⴰⴳⴳⴰ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⴰ ⵎⴰ ⵜ ⵉⵛⵇⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ, ⴷ ⵡⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇⵏ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⵣⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵍⵙ.

ⵔⵓⴳⴰ ⵣⵎⵎⴰⵔⵖ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴳⴰⵅⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⴳⵙⵙ ⴰⴼⵉ ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴷ ⴳⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵙⵙⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⴳⵅ ⵜⵙⵃⴷⴰ ⵍⵉ ⵙ ⴼⵉⵊⵊ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵓⵇⵀⵀⵇ. ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⴼⴼⵏ ⵉⵔⴰ ⵙⴱⵃ ⵖⴰⵔⵙ, ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⴳⴰⵅⵙ ⵎⵀⵉⵃ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⴰⴷ ⴰⵡⵎ ⵎⵎⵀⵖ ⵜⴰⵎⴼⴰⵙⴰ ⵍⵉ ⵜⴰⵥⴰⴼⴽⵓⵜ ⵊⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ. ⵎⴰⵚⵚⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴼⵉ ⵉⵃⴰⵡⴷ ⴷⴳ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵉⵃⴷⵓⵏ, ⵓⵙⵉⵏ ⴰⴼⵉ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵀⵀⵉⵅ. ⵔⵓⴳⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵙⴼⴰⵅⵖ ⴰⵅⵔⴰⴼ ⵉⵎⵙⴱⵄⴰ. ⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⵓⵔ ⴷ ⵏⵛⵛ, ⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⴰⴳⵎⵉ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵙⵙⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵓⵅⵉⵖ ⴰⵣⵀⵀⵉⵅ ⵍⵙ ⵉⴷⵡⵀ ⴷ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵏⵓ, ⵓⵅⵉⵖ ⵉⴳⵅ ⵉⵏⵓ ⵜⵜⵍⵓⵄⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ ⵎⵉⵔⵉⵡ, ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵓⵛⴰⵔ ⴷ ⵉⵛⵓⵄⴰⵄ ⵉⴱⴰⵚⴱⵛⵏ ⴷ ⵡⴰⴳⴳⵓ ⴷ ⵊⵊⵓ ⴷ ⴷⴷⴰⴱ ⵍⵉ ⵏ ⴼⵉⵙⵀⵉ ⵙ ⴼⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ, ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ.

ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵉⵄⵚ ⴷ ⵣⴳ ⵜⵀⴷⵉⵜ ⵍⵉ ⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙ «ⵓⵎⵏⵉ ⴱⵓⵙ», ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵄ ⴰⴽⴷ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵏⴷⵟⵏ. ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵛⵡⴰⴼ ⵛⵡⴰⴼ ⴰⴳⵎⵉ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉⴳⴳⵓⵔⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ, ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙ ⵃⴰⵡⴷ ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵔⵙⵇⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵣⴷⴷⴰⵖ ⵍⵉ ⵏ ⴹⴹⵓⵎⵓⴱⵉⵏ, ⵛⵉ ⵉⴷⵀⴰ, ⵛⵉ ⵉⵃⴰⵔⵔⴰ. ⵜⵉⵇⵏⴱⵉⵏ ⵏ ⵓⵅⵙⴰⵔ ⴷ ⵉⵟⴷⵓⵎⵏ ⵓⵅⵅⵏ ⵎⵙⴱⵄⴰⵏ ⴷ ⵉⵇⴰⵔⵇⴰⵛⵏ. ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵉⵔⵡⵉ ⵀⵃⴰⵔ, ⵓⵔ ⵜⵙⵅⵔⵉⵣⴷ ⵉⵃⵔⵎⵓⵛⵏ ⵉⵎⵥⵥⴼⴰⵍⵍ ⵣⴳ ⵉⴼⴰⵣⵉⵄⵏ ⴷ ⵔⴱⵟⴰⴼⵎ ⴷ ⵉⴹⴰⵏ ⴷ ⵉⵔⵅⴰⵏ ⵉⵇⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵡⵡⵓⵔⴰ ⵏ ⵜⵣⴷⴷⴰⵖ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⵄ ⴷ ⵔⵇⵙⵄⴰ ⴷ ⵜⵀⴷⵉⵜⵉⵏ. ⴳⵣⵣⵔⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⴹⴹⴰⵕ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵉⵛⵛⴰⵜⵏ ⵜⴰⵎⵊⴰ ⴷ ⵀⵖⵉⵄⴰ. ⵛⵉ ⵣⵣⴰⴼⵙⵏⵜ ⵚⵥⵥⵏⵜ, ⵎⵏⵄⵚⵏⵜ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⵊⴰⵔ ⵛⴰⵔ ⴷ ⵔⵖⵉⵙ.

ⵉⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ: "ⵜⵓⵖⴰ ⵇⴷⵃⵖ ⵔⴰⴼⴰⵙ ⵉⵏⵓ ⵣⴳ ⵓⵙⵉⵊⵊⵉ ⵍⴽ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵍⵄⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵓⵅⵉⵖ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵀ ⵡⵉⵍⵍⵄⵏⵉ ⴰⵎⵛ ⵜⵏ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ". ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵎⵀ ⴰⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵀ, ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⴽⵉⴷⴱⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⵄ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵡⴰ ⴷ ⴳⵓⵏⵥⴰⵀⵓ, ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵀ ⵉⵏⵓ ⵣⵉ 'ⴱⴱⵉⵔⵓ[1]'.. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵀⵇⵓⴷⵔⴰ ⵉ ⵜ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⴰ ⵜⴰⵃⵅⵅⴰⵏⵜ. ⵡⴰⵟ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴳⴰⵀⵜ ⵏ ⵊⴰⵏ ⴳⴰⴱⵔⵉⴼⵉⵀ ⴷⴰⵔⴰⵏⴼⵉ, ⵎⴰⵏⵉ

1 Piru

ⵜⵕⴰⵃ ⴰⵍⵉⴱ ⴹⵓⴽⵍⴰⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵜⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵏ ⵉⵜ. ⵃⴰⵛⴰ ⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ, ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ, ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵙⴳⴳⵯⵊ ⵕⴱⴱⵉ ⵣⵉ ⵏⵃⵉⵜ ⴰ ⵏⵉⵖ ⵣⵉ ⵜⵇⴱⵉⵍⵜⴰ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⵙⵏ ⴳⴰⴽ ⴷⴳ ⵢⵓⵔ ⴰ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵙ ⵓⵏⵥⴰⵕ, ⵓⵔ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵛⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ: “ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴷ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⴰⵏⵖ ⵛⵉ ⵏⴷⴷⴰⵔ. ⵉⵔⴰ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵉⵡⵉ ⴰⵏⵖ”.

ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴳⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⴹⴰⵕⵏ ⵙ ⵓⵏⵥⴰⵕ. ⵓⵔ ⵄⵔⵉⵎⵏ ⵡⴰⵍⵓ ⵣⵉ ⵎⴰ ⵉⵔⵣⵎⵏ: “ⵜⵜⴳⵙⵖ ⵛⴽⴽ, ⵎⵓⵡⴰⵀ...[1], ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⴰⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⵙⵙⴰⵔⵜ ⴰ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰⵜ ⴰⵏ ⵔⴱⵀⴰⵢⵎ ⵉⵏⵓ ⵡⵃⴷⵙⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⴹⴰⵕ ⴰ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵓⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ. ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰⴷ ⴳⴰⴼⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⴷ ⵛⴽⴽ ⴳⵣⵔⵖ”. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵔⵄⵡⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵙ ⴹⵉⴱⵜ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⴷ ⵜⵛⵓⵏⵉ. ⵢⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙⵃⵓⵙⵙⴰⵏ ⵙ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵏⵏⵜⵏⵉ ⵜⵜⵎⵙⴳⴷⴰⵍⵏ ⵙ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⴷ ⵓⵛⴽⴽⵎ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵔⵓⴳⴰ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴳⴼ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵍⵍⴰⵏ ⴷ ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ. ⵎⴰ ⵉⵃⴷⴰⵊ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵎⵓⵍⴷⵓⵍⴼⴰⵏ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ. ⴰⵎ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵜⵃⴰⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵎⵖⴰⵔ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵍⵓⵍ, ⴷⴳ ⵜⵍⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⴷⵀⵏ ⵉⵢⵙⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵛⵛⴰⵜ ⵜⴰⵎⵊⴰ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵓⵜⵜⴰⵔ.. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⵛⴼⴼⴰⵔ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ, ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵉⴼ ⵛⴰ ⵎⴰⵢⵏ ⵖⴰ ⵉⵛⵛ. ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵇⵎⵉⵊⵊⴰⵜ ⵉ ⵢⴰⵕⵕⴹ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵏⵏⵉ, ⵎⴰ ⵏ ⵓⵡⵜⵎ ⵏⵉⵖ ⵎⴰ ⵏ ⵜⵡⵜⵏⵜ. ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵍⵍⴰⵏ, ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵃⴷⴷ ⴰⴷ ⵉⴼⵔⵔⵣ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⵇⵎⵉⵊⴰⵜⵉⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⵕⴹⵏ. ⵃⴰⵛⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵛⵉ ⵉⵀⵡⵏ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴳⴳⵯⵊ, ⵉⴳⵎⵎⵔ ⵙⵙⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵉⵣⵕⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ, ⴱⵍⵍⵉ ‘ⴰⴱⵉⵔⵓ’ ⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵜⵛⵏⵄ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵙⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ, ⵜⵓⵜⵜⴰⵔⵉ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴷ ⴳⴼ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ « ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ » ⵛⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⴽ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵢⵏ ⴷⴰⴽ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⵉⵜⵓⵜⵜⵓⴷ ⵍⴱⴷⴰ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷⵉ «ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⵍⵉⵍⴰⴽ» ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵏⵢⵔⴰⵡⵏ ⵉⵏⵣⵓⵔⵏ ⴷ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵣⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴰⵎ, ⵀⵉⵎⵉⴳⵡⴰⵢ ⵙⴽⵓⵜ ⴼⵉⵜⵣⵊⵉⵔⴰⵍⴷ, ⵀⵏⵔⵉ ⵎⵉⵍ, ⵔⴰ ⴷ ⵙⴰⵏⴷⵔⴰⵔ ⵉⴼⴼⵖⵏ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵎⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⴰⵏⵢⵉⵙ ⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⴹⵕⵕⵖ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ ⵎⵉⵍⵔ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴷⵃⴰ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵣⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵄⴷⵍ ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵙ

1 Mohamed

ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵍⴽⵓⵔⵙⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵥⵥⵕ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵏⵏⴰ ⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⴰⴷ ⵔⵎⵙⵏ ⵊⴰⵔ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵏ! “ⵛⴽⴽ, ⵜⵎⴰⵔⵔⵉⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵙ ⵜⴰⵎⵊⴰ ⵏⵏⵉ, ⵜⵅⵣⵣⵔⴷ ⵃⴰ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵡⴹⵀⴰⵕⵏ ⴷ ⵉⴼⵔⴰⵏⴽⴰⵜⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵎⵄⵄⴰⵛⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⴳⴳⵏ ⴷⵉ ⵓⵛⴰⵛⵉⵡ ⵏⵏⴽ ⵉⵛⵕⴳⵏ ⴰ ⵉⵎⵅⵙⵉ ⵉⵏⵓ” ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴹⵚⵚⴰ ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵍⴽⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵊⴰⵔ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵎⵥⵢⴰⵏⵜ ⴷ ⵜⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵎⵖⴰⵔ. “ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ...” ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵇⴰⵟⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵄⴰⵡⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵡⴰⵍⵓ. ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵉⵔⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵓⵔⵉⵙⵃⵉⵏ. ⵡⴰⵀⴰ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵓⵎⵉ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⴷ ⵍⵢⵓⵏⴰⵏ ⴷ ⵍⵢⴰⴱⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵏⵏⴹ ⴰⵙⵏⵜ ⵎⴰⵔⵔⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵏⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵚⵎⵎⴰⴹ ⴰⵎⵛ ⵙⵙⵏⵖ...”. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵇⴰⵟⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⴷⴰⵔ ⵣⵉ ⵥⵥⴳⴰ ⵏⵏⵉ. “ⵀⴰⵇⴰ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ, ⵜⵙⵍⵉⴷ ⴰ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ, ⵄⵔⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵜⵥⵕⴷ ⴷⴰ, ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵙⵊⵊⴰ ⵅⴼ ⵜⵇⴱⵉⵍⵜ ⵏⵏⵖ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⵓⵄⵔⵓⴼ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵏⵖ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ. ⵓⵔ ⵜⵎⴰⵕⵕⴰ ⵛⵉ, ⵢⴰⵍⵍⴰⵀ ⴰⴷ ⵏⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵊⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴼⵔⵃ ⵙ ⵜⵡⴰⵙⵉⵜ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵉⵏⵓ ⵉⵄⵣⵣⵏ, ⵎⵡⴰ!”.

ⵜⴷⵡⵍ ⵏⵃⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵉⵖ ⵉⴷⵅⵅⵍ ⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⴰⵇⴱⵉⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⴷ ⵉⵏⵏⵓⴼⵙⵔⵏ ... ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵏⴹⵕⵏ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴱⴷⵍⵏ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵙ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵙⵙⵄⴷⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⵚ, ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⵏⴰⵎ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵓⵔⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⵏⵏⵓⵎⵏ ⵉⵎⵣⵣⵓⵖⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵇⴰⵔⵇⴱ ⵏ ⵜⵙⵔⵔⵙⵉⵜ ⵏ ⵍⴽⴰⵜⵉⴷⵔⴰⵍ ⵏ ⵙⴰⵏ ⵙⵓⵍⵉⵙ, ⵉ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵇⵇⴰⵃ ⵙⵃⵉⵙⵙ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵏⵉ ⵅⴼ ⵓⵙⵇⴰⵔⵇⴱ ⵏ ⵜⵙⵔⵔⵙⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵕⵕⴰⵃⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏⵏⵉ, ⵉⵔⴰ ⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵅⴼ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ. ⴷ ⵜⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵙⵙⵏⵏⵜ ⵃⵙⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰⵏⵜ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⴼⵖⵏⵜ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵎⴰ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ. ⵉⴼⵔⵔⵣ ⴰⵢⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ: «ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴼⴰⵣ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ, ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⴷⵡⵍⵖ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵉ». ⴰⵎⵢⴰ

ⵉⴼⵔⵔⵣ ⵎⵓⵃⵎⵎⴰⴷ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵉⵏ ⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵜⵏⵀⵣⵣⴰⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵜⵉⴽⴹⴼⵉⵏ, ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⵢⵓⵔⵏ ⵅⴼ ⵜⵣⵍⵍⵉⵜ ⵏ ⵜⴽⴹⴼⴰ, ⵜⴰⵎⵄⵅⴰⵣⵜ, ⵜⴰⵎⴰⵔⵅⵓⵜ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⴰⴽⴷ ⵜⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵣⵢⵢⴰⴼ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵢⵓⵢⵍⵏ ⵅ ⵔⵃⵢⵓⴹ. ⵉⵙⵎⵇⵓⴷⴷⴰ ⵜⵏⵜ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵏⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵎⵢⵍⵏⵜ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⵎⵉ ⵜ ⵜⵜⴰⴼ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵓⵍⵉⵙ, ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ: “ⵓⵔ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵎ ⵛⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⵜⵃⴷⴰⵊ ⴰⵔⵅⴰⵣ?!” ⵡⵏⵏⵉ ⵖⴰ ⴷ ⵢⴰⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ, ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ. ⵏⵜⵜⴰ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵊⵊⵉ ⵛⵉ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⴼⴰⵇⵛⵖⵔ. ⴰⴷ ⵜ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⴰⵇⵓⴹⴰⴹ, ⵉⵙⵙⵉⵔⵉⴹ “ⴼⵓⵕⴷ” ⵏ ⵅⴰⵍⵜⵙ ⴽⵓⴷⵉⴼⴰ. ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵉⵃⴷⴷⵍ ⵛⵉ ⵏ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴽⵡⴰⴷⵔⵓ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⵉⵏⵏⵓⴼⵙⵔ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵙⵉⵖⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵓⵅⴷⴷⴰⵎ, ⵉⴽⵙⵙⵉ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵢⴰⵎ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵙⴰⵡ ⵉⴱⵓⵇⴰⵍ ⴷⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ.

ⵏⵜⵜⴰ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵜⵓⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵡⵟⵟⴰ ⴷ ⴰⵎ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⵏ ⵍⵃⵙⵙ. ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵛⴰ ⵓⵍⵉⵙ, ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵣⴰⵡⴰⵔ ⵉⵜ, ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⵛⴽ ⵜⵙⵇⴰⵔⴷ, ⵙⵙⵉⵡⵍ, ⵉⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ. ⵛⵛⵎ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵏⵛⵛ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⵉⴷ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵜⵣⴰⵡⴰⵔ ⵉⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵜⵏⵅⵍⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴷⵔⵓⵙ ⵜⵚⴱⵃ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵉⵜ ⵉⴷ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ. ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵢⵍⵏ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵃⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵜⵜ ⴰⴹⵟⴰⵚ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵜⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ ⵃⵙⵏ.

ⵓⴼⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵍⵎⴷ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⴰⵎⵛⵏⴰⵡ ⴰⵍⵎⵎⵓⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵄⵕⴰⴱⵜ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵍⵓⵍ ⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵙⵄⴷⵓ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵙⵖⵓⵔⵏⵜ ⵉⴼⵇⵉⵔⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵉⵖⵔⴰ ⵔⴰ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵉⵎⵓⵙⵏⴰⵡⵏ ⵅⵉ ⴼⴰⵙ. ⵡⴽⴽⴷⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵖⵔⴰ ⵔⴰ ⵖⴰⵔ ⵔⴼⵇⵉⵀ ⵍⴽⵜⵜⴰⵏⵉ. ⵉⵍⵎⴷ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵢⴰⵔⵏⵉ ⵉⵍⵎⴷ ⵉⵜⵜ ⴰⴹⵟⴰⵚ ⵓⵎⵉ ⵉⵅⴷⵎ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ. ⵃⴰⵛⴰ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵉⵍⵎⴷ ⵉⵜⵜ ⵅⴼ ⵓⴼⵓⵙ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⵅⴰⵣ ⴷ ⴰⵅⵣⴰⵢⵕⵉ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ: «ⴽⴷⵓⴷⵓ ⵍⵅⴰⵣⵓⵍⵉ» ⵏⵜⵜⴰ ⴷ

ⵜⵓⵔⵊⵎⴰⵏ ⵏ «ⵙⴰⴷⵔ ⴰⵍ ⴰⵄⴹⴰⵎ»: ⵍⵃⴰⵊ ⴰⵍ ⵎⴰⵇⴰⵕⵕⵉ. ⵢⴰⵔⵏⵉ ⵉⵍⵎⴷ ⵉⵜⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ ⴰⴷ ⵉⵖⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ.

ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ.ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵓⵜⵜⵇⵔⵉⵃ ⵅⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵜⴰⵏⴳⵍⵉⵣⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵙⴳⴳⴷⵏ ⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵅⵎⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ, ⵛⵉⵔⵓⵡⵓⴷ ⴰⵏⴷⵉⵔⵔⵙⵓⵏ ⴷ ⵀⵉⵎⵉⵏⴳⵡⴰⵢ ⵃⴰⵛⴰ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵊⵊⴰ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⴰ ⵉⵛⵏⵄ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴰⵙⵙⴰⵖ ⴰ ⴷⴳ ⵉⵇⵎⵎⵓⵎⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ: ⵉⵙⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⵢⵍ ⵉⵜ ⴷⵉⵀⴰ ⴷⵉ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵉⵏⵏ. ⵙⵓⵄⵍⴰ ..ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵛⵡⴰⵢⵜ. ⵉⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴽⴷ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ. ⵉⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ. ⴰⵔⴳⴰⵣ ⴰ, ⵉⵙⵙⴽⵜ ⵉⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ !ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⴷⵔⵉⵏ ⵙ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵙⵜⵓⴼⴰ ⵢⵓⵢⵍ ⵀⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵜⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵙⵉⵜ, ⵜⵓⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ!.

ⵉⴱⴷⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴷⵡⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵙ. ⵏⵛⵛ, ⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⴱⴷⴷ ⵙ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵏⵅⵔⴰⵄ ⵅⵎⵉ ⴷ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵃⴷⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵎⴰⵔⵍⵓⵏ ⴱⵔⵓⵏⴷⵓ, ⵢⴰⵙⵙⴰ, ⵜⵖⵉⵍⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵉⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵍⵎⵉⴷ ⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵙⴰⵔ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴰⵎ ⵜⴰ ⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜ ⵜⴰⵊⵊⵉ ⵛⴰ ⵜⵖⵉⵍⵖ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⴰⵙⵓⵖⵍⵜ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⴳⴳ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵢⵓⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ. “ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴰⵡⴰⵍ ⵉⵏⵟⵟⵕ ⴰⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ... ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ? ⵓⵛⴰ ⵏⵣⵄⵎ ⵏⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⴳ ⵓⴹⴹⴰⵕ ⵏⵏⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴷⵡⵍ ⵙⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵉⴼⵔⵉⵃ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵏⵜⵜⵉⵇ ⴷⵉ ⵡⴰⵍⵓ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵃⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ.” ⵎⴰ ⵃⴰ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⵃⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ? ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ.

ⵏⵛⵛ, ⵏⵄⵎⵖ ⵜⵉⴷⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⵎⵙⵓⵙⵙⵏⵖ ⵅⴼ ⵙⵙⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⵏⵛⵛ ⵇⵇⴰⵔⵖ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹⵏⵜ, ⴰⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵚⴼⴰ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵜⵏⵎⵍⴰⵍⵜ.

ⵀⵡⵏⵏⵜ ⵜⵉⴳⵓⵔⵉⵡⵉⵏ ⵏ ⵓⵎⵙⴳⴷⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵔⵡⵙ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵔⵡⵙⵏ ⴷⴳ ⵓⴳⵣⵉ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵜⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⴷ ⵜⵡⴰⴼⵉⵜ ⵉ ⵜⵉⴳⵓⵔⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵡⵃⴷⵙⵏ ⴰⵏⴰⵎⵇ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵃⴷⵊⵏⵜ ⵜⴰⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⵏⵉⵖ ⴰⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⴰⵙⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵜⵙⵄⵉⴼ ⵛⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵎⵔⵉ ⵜ ⵉⵙⵄⵉⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ!

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ! ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴼⴰⵃ. “ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵜⵎⵓⵏⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴰⵙⵙⵏⴷ ⵅⴼ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵖ, ⴰⴷ ⵏⵄⴷⵓ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵙⵜⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵃⴰⵣ ⴰⵙⵏⵙⵓ. ⴰⴷ ⵏⵙⵄⴷⵓ ⴰⵏⴱⴷⵓ ⵏ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴰ ⴷⵉ ‘ⴽⵓⵜⴷⴰⵣⵓ’…” ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵖⵉⵍⵖ ⵓⵔ ⵜⴽⵙⵙⵉ ⵛⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵅⴰⵍⵜⵉ ⴽⵓⴷⵉⴱⴰ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵙ ⴽⵕⴰⴹ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵡⴳⴳⴰⴹ ⵉⵜ, ⵏⵛⵛ, ⴷ ⵛⵛⴽ … ⵡⴰⵀⴰ. ⴰⵍⵉⵙ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⵖⴰ ⵜⴳⴳ. ⵓⵛⴰ ⵜⵄⴰⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵛⵡⵢ ⵛⵡⴰⵢ. “ⵖⴰⵡⵔ ⴷ ⵜⴰⵎⴷⵉⵜ ⴰ, ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴽ ⴰⴷ ⵏⴳⵣⵔ ⴰⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵉⵏⵓ. ⵄⴰⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵜⵥⵕⵉⴷ ⵛⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵄⴰⵀⴷ ⴰⵢⵉ, ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵇⴰⴹ ⴳⵎⵉ, ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵉⵏⵏⵉⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵏⵜ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ. ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵣⵔⴷ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵇⴰⵔⴷ. ⵉⵛⵇⴰ ⵢⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵛ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ. ⵛⴽⴽ, ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵡⴰⵡⴰⵍ.”

ⵢⴰⵔⵔⴰ ⴰⵙ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵜ ⵏⵏⵙ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⵎ ⵜⴰⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵄⴷⵍⵏⵜ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴳⵔⴰⵏⵜ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵓⵓⴹⵏ ⵅⴼ ⵍⵡⴰⵍⵉⴷⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⵉ ⵔⵡⴰⵙⵟⴰ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴼⵔⵃⵏⵜ ⵙ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴼⵔⵃⵏ ⵜⵚⴹⵏ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵓⴼⴰⵔ ⵛⵉ ⴰⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴰⵍⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⵜⵏⵜ, ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ, ⵃⴰ ⴷ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⴰⴷ ⵜⴷⴷⵓ.

ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵊⴱ ⵅⴼ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵙⵇⵙⵉⵜⵏ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵜⵓⴳⵉ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⴰⵙ ⵍⵉⵢⵓⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⴰⵊⵊ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⴼⴳⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵎⵛⵃⵍ ⵎⵎⴰ ⵏⵙⵙⵓⴷⵔⵓⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵓⵖⴰ ⵃⵙⵏ ⴰⵏⵖ”. ⵉⴽⵜⵜⵓ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⴰⵍ ⵙⵜⴰⵢⵏ: “ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵄⵔ ⴰⴽⴷ ⵡⵓⵎⴰⵙ ⵍⵉⵢⵓⵏ, ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵉⵕⴰⵃ ⵉⵣⴷⵖ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙⴰ. ⴷ ⵍⵢⵓⵏ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰⵏ, ⵢⵓⵄⵔ ⴰⴷ ⵜⵍⵍⵉⴷ ⵜⵃⵔⵛⴷ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ!”.

ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴼⴰⵔⵔⵃ ⴳⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵜⴹⵀⵕⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ, ⵡⴰ ⴷ ⴼⵍⵉⵔⵉ ⵍⴰⵔⴱⵓ, ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ. ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵖⵍ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵉⵏⵓ, «ⴽⵕⴹ ⵏ

ⵔⵎⴰⵔ» ⵖⴰⵔ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ. ⵡⴰ ⴷ ⵜⵔⵉⵙⵜⴰⵏ ⵜⵣⴰⵔⴰ, ⵉⵡⵉ ⵜ ⵉⴷ ⴱⵉⴽⴰⴱⵢⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⵉⵏⵓ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⴱⵓⵀⴰⵍⵉ ⵏⵉⵛⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵍⵉⵙ ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵔⵇ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵅⴼ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵜⴰⵛⵉⵟⴰⵏⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⴰⴼⵙⵓⵙⵉ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵓⵏⴼⵔⵓⵃ, ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵎⵎⵉⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵉ, ⵓⵎⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⵣⵉ ⵜⴰⴳⴰⵎⴰ! ⵡⴰⵀ, ⵡⴰ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵜⴳⴳⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ, ⵎⴰⵏ ⵔⴰⵢ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ. ⵉⵙⵙⵓⴽⵍ ⵜⵉⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ, ⵉⵜⵜⴷⵡⵉⵍ ⴷ ⴰⵎⵣⵉⵡ ⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵡⵊⴰⴷ ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵃⴽⵎ, ⵀⵉ ⵡⴰ? ⵡⴰ ⴷ ⵊⵓⵔⵊ ⴱⵔⴰⴽ. ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⴰⵀ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵛⵉ ⵜⵎⵙⴼⵀⴰⵎⵏ ⴰⵎ ⵣⴷⴰⵜ. ⵓⵎⵉ ⵄⴷⵓⵖ ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ ⵅⴼ ⵓⵅⴷⴷⴰⵎ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵢⵓⵙⴰ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰⵏ ⵔⴰⵢ ⵛⵉ ⵏ ⵡⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⴰⴱⵍⵓ ⵉⵔⵉⵖ ⵙⵙⵏⵖ ⴰⵔⵢⴰⵣ ⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵎⵎⵓ ⵜⵎⵃⵉⵣⵡⴰⵔⵏ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ ⴱⵟⵟⴰⵏ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙⵏ.

ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⴱⴱⴰⵔ ⴰⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵜⵏⵇⵔⴱ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵓⵃⵃⵍⴷ ⵉⵏⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵏⵙⴱⴷⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ”. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵜⵉⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵉⵙⵉⵡⵍⴰⴼⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⵓⵜⵜⴰⴼ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⴽⵉⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵛⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵎ ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⵃⴷⵙ, ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ.

ⵜⵓⵖⴰ ⴳⵣⵣⵔⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ. ⴰⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ ⵅⴼ ⵉⴼⴰⴷⴷⵏ ⵏⵏⵙⵏ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴳⵣⵣⵔⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵜⵚⴹⵏ, ⵜⵜⵎⵙⵖⵎⴰⵣⵏ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ. ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵃⵃⵔ ⴰⵍⵉⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵔ ⵙⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃ ⵜⵢⴰⵣⵉⴹⵜ ⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵔⵄⵓⵛ ⵏⵏⵙ. ⵛⵃⴰⵍ ⵜⵙⵇⵏⴰⴹ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⵎ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ, ⴰⵎⵏⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴰⵔ. ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵜⴰⵎⵙⵉⵡⵍⵜ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵉⵎⴰⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⴰⵙ, ⵃⴰ ⴰⵄⴰⵡⴷ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵏⵏⴰ ⵙⵉⵏ ⴷ ⴽⵕⴰⴹ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴽⴽⵓⵣ ⴰⵔ ⵙⵎⵎⵓⵙ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ. ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵎⵇⴰⵜⴰⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵉⵏⵉⴷ ⵍⵍⴰ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵃⵎⵉⵔⴷ ⵃⴷⴷ, ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⴰⴽ ⵜⵇⵇⵙ. ⵛⴽⴽ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵅⵙⴷ ⴰⴷ ⵜⴳⴳⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ.

ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵣⴰⵢⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵛⴰⵀ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵉⵣⵡⴰⵔ ⴰⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵏⵏⵉⵟⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵔⴰ ⴷⴳ ⵉⵙⵉⵡⵍⴰⴼⵏ

ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵜⵉⵔⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵄⴰⴷ ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴽⵜⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷⵉ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵉ. ⵢⵓⵎⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵛⴰⵔⵛⵏⵜ ⵛⵉ ⵃⴰ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⴷ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵡⴰⵀⴰ. ⵛⴰⵔⵛⵏⵜ ⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵟⵚ ⴷⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰⵎⵛ ⵜⵏⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔⵏ ⵎⵍⵉⵃ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉⵔⵎⵙ ⵉⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵡⴰⵀⴰ ⵅⴼ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⵍⴰⴼ ⵜⵎⵟⵓⵔⵓⵄⵏⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ «ⴱⵓⵔⵊ ⵏ ⵢⵉⴼⵉⵍ» ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⴷ ⵜⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵎⵍⵍⵉⵖ: “ⴷ ⵛⴽⴽ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⵉⵊⴱⴷⵏ.” ⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ ⵢⴰⵔⵙⴰ!. ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵔ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⵎⵎⵍ ⵅⴼ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵏ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⵏ ⴽⵓⵜ ⵀⴰⵎⵙⵓⵏ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵙⵏⵏⴰⴹ ⵉ ⵡⵉⵙ ⵉⴼⵟ ⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵓⵔⴰⵔ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵅⵛⵛ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴹⵓⴽⵍⴰⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⵇⵔⴱ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵚⵏⵏⴰⴹ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵔⵅⴰⵟⴰⵕ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ.

ⵓⵎⵉ ⵅⵛⵛⵖ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵓⴼⵉⵖ ⵜⵜ ⵜⴼⴰⵃ, ⵜⵄⴷⵍ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵙⵡⵊⴷ ⵉ ⵡⵓⵔⴰⵔ ⵉ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵉⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⵛⴹⴹⵃⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⵓⴱⵓⵔⴰⴷ ⴷ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⴷⵉ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ ‘ⵎⴰⵊⵉⵍⴰⵏ[1]’. ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵛⵉ ⵅⴼ ‘ⵍⵉⴹⵡⴰⵍ’[2]. ⵉⵔⵉⵖ ⵜⵜⵙⵔⵉⵖ ⵉ ⵔⵖⵏⵓⵊ ⴼⵔⵃⵏⵜ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ. ⵔⵖⵏⵓⵊ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼⵏ ⴷⴳ ⵉⵖⵙⴰⵏ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵉⴼⵔⵉⵣ ⴰⵏⴰⵎⵇ ⵏ ⵜⴳⵓⵔⵉ. ⵛⴽⴽ, ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵡⴰ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰⴷ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⵔⵖⵏⵓⵊ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ. ⵜⵔⵉⵙⵉⵏⴹⵉ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵃⴰⵢⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵚⵓⵟⵏ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⴽ. ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵡⵡⴰⵟ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵏⵙ ⵏⵏⴽ, ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⴼⴰⵃⴷ, ⵜⴷⵀⵛⴷ, ⴰⵔ ⵖⴰ ⵜⵙⵢⴰⴼⴷ ⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵉⵖ ⵙ ⵛⵉ ⵏⵏⵟⵏⵉ ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⴰ ⵎⴰ ⵉⵄⵏⴰ.

ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵛⵛ, ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⵀⴰⵔⵢⵉⵜ ⵍⵉⴼⵉ[3], ⵏⵓⵙⴰ ⴷ ⴷⵉ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵣⵉ ‘ⵛⵉⵔⴱⵓⵔⵖ’[4], ⵏⵄⴷⵓ ⴷ ⵅⴼ ⵡⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⵏ ⵡⴰⴳⴰⵎⴰ. ⴷⵉ ‘ⵏⵓⵔⵎⴰⵏⴷⵉ’ ⴷ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵏ ⵜⴱⵃⵃⴰⵔ ⵏ ⵜⵓⴳⴰ ⴷ ⴱⵏⵏⵄⵎⴰⵏ ⴷ ⵜⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ ⵏ ⵜⵓⵔⵜⵓⵊⴰⵏ ⴰⵏⵉⵍⵉ, ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵉⵚⴼⴰ ⵣⵉ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴷ ⴰⵏⵉⵍⵉ ⴰⵎ ⵢⵉⵍⵍ ⵢⴰⵙⴰ, ⵢⵓⵔⵉ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴰ.

1 Magellan
2 L’étoile
3 Harriet LEVY
4 Cherbourg

ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵙⵏⵏⵊ. ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉ ⴷⵉ ⴳⵎⵎⵖ ⵓⵎⵉ ⴳⵛⵛⵖ, ⴰⴷ ⵏⵕⴰⵃ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⵊ ⴳⴼ ⵎⵙⵜⵔ ⵎⵉⴽⴰⵢⵉⵍ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴷ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⵔⴰ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⴽⴷ ⵎⵙⵓⵅⵔⵓⴼⵖ ⴷⵉ 'ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ'. ⴷⵉ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵢⵉ ⴰⵎ ⵛⵉⵏ ⵓⵙⵓⵏⵖ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵣⴷⴷⵓⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵏⵏⵉ ⵉⴷⵍⵉⵏ ⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵀⴰⵏⵔⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ.

ⵜⵚⵇⴰⵕ ⵛⵡⴰⵢ ⴰⵍⵉⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ: ⴰⵎⵢⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵊⵉⵔⵜⵓⴷ, ⵜⵚⴱⵃ, ⴰⵎⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵔⵓⴳⴰ, ⵙ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⴰ ⴰⵛⵎⵔⵓⵇ ⴷ ⵔⴳⴷⵔⴰⵏⵜ ⴰ ⵜⵜⵛⵛⵓⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⴷ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ ⴰⵇⵏⵓⵏⵏⴰⵢ ⵉⵣⵡⵖⵏ ⵙ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵏ 'ⵜⵓⵙⴽⴰⵏⴰ', ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵙⵙⵅⴷⵓ ⵜⵉⴳⴳⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵏⴱⴷⵓ ⴰⴽⴷ ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ, ⵜⵉⵣⴷⴰⴷⵉⵏ, ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⴳⴷⴰⵔⵏⵜ .ⵉⵔⴰ ⵜⵢⴰⵕⵕⴹ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵜⵃⴷⵇ ⵙ ⵓⵅⴱⴰⵏ ⵏ ⵇⴰⵟⵉⴼⴰ. ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵙⴷⴷⵉ ⵏ ⵜⵅⵇⵇⴰⵢⵏ[1] ⵔⵛⴳⵏⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⴳⵎⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵣⴳ ⵓⵙⴷⴷⵉ ⵏⵏⵉ. ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⴷⵀ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔⵙ. ⵣⴳ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵢⵉ ⴰⴳⵎⵉ ⵉⵖⵣⴰ, ⵉⵃⵎⴰ, ⴷ ⴰⵣⴷⴰⴷ, ⵉⴼⵙⵓⵙ, ⵣⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⴹⵀⵕ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⴰⵖ.

“ⵎⵡⴰ... ⴰⵕⴰⵃ ⴷ ⵅⴰⴼⴰⴽ ⴳⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⴽⵎⵎⵍ ⴰⵍⵉⵙ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵖⵓⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⴷⴰⴽ ⵉⵏⵉⵖ» ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ: «ⵓⴽⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ!». ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵅⴷⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵅⴰⵡⴰⴷ ⴰⵍⵉⵙ. ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵓⴼⵍⵓⵔⵉⵙ, ⵜⵣⴷⴷⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴰⵙ, ⵍⵉⵢⵓ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⵣⴷⵖⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵙⵅⴷⵓⵖ ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⴰⴽⴷ ⴰⵡⵎⴰⵜⵏ ⴰ, ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵙ 'ⵉⵟⴰⵍⵢⴰ'. ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏⵛⵛ ⵍⴱⴷⴰ ⵓⴼⵉⵖ ⵉⴳⴼ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⵛⴰⵜ ⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⴳⵎⵎ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵓⵙⵉⵏ ⴷ. ⵓⵙⵉⵏ ⴷ ⵉⵏⵥⵓⵔⵏ ⴷ ⵉⵎⴰⵔⵉⵏ ⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴷ ⵉⴼⵉⵣⵢⴰⵉⵢⵢⵏ ⴷ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵢⵢⵏ ⴷ ⵉⵙⴷⵔⴰⵙ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵢⵉⵏⴰ ⵓⵙⵉⵏ ⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵅⴰⴷ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⵜⵜⴰⵙⵙⵏ ⴷ. ⵛⴽⴽ, ⵜⵥⵕⵉⴷ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⴷ ⴰⴽⴷ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵅⴰⴷ ⴰⴷ ⵜⴳⵣⵔⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵎⴰ ⵉⵛⵏⵉⵏ, ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⴰⴼⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵚⴹⵉⵚ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵡⴰⴳⴳⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴽⵕⴰⴹ ⵉⴷ

1 مرجان

ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵙⵎⵎⵓⵙ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵚⴹⵉⵚ.ⵜⴹⵚⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ, ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵢⴰ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵎⵎⴰ ⵜⵎⵖⴰⵔ. ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵉⵡⵙⴰⵔ. ⵛⴽⴽ, ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏⴷ ⵛⵉ... ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵎⵎⵜ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ ⴰⵎ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵡⵙⴰⵔ ⴰⵔⴱⵉⵄ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⴰⵏⴷⴰⵛⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ... ⵏⵉⵖ ⵍⵍⴰ? ...ⵡⴰⵀ..ⵡⴰⵀ.

ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵏ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵙⵏⵏⴰⵟ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵍⵎⵄⴰⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵓⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ. “ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ” ⵉ ⴷⴰⵙ ⴷ ⵜⵓⵔⴰ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵓⵔⴰ, ⵓⴼⵉⵖ ⵏⵛⵛ ⵃⴰ ⵛⴰ ⵏ ⵙⵎⵎⵓⵙ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵚⴹⵉⵚ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵎⴰⵚⵚⴰ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴽⵜⴰ ⵣⴳ ⵓⵣⴳⵏ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵜⵉⵎⵏⵓⵀⴷⴰⵢ ⵏ ⵡⴰⵍⵓⴳ ⵏ ⵢⵉⵏⵎⴰⵍ. “ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ ⵙ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ!”. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ. ⵓⵔ ⵏⵓⴼⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ (ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜⵜ, ⵓⵔ ⵓⴼⵉⵖ ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜ ⵣⵉ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⵏⵏⵙ. ⵃⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⴷ ⴰⴼⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵔⴰⵜⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⵛⵉⴼ ⴷ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ). ⵎⴰⵛⴰ ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⵙⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵖⴰⵔⵉ. ⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⵎ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵎⵉⵏⵅⴼ ⵏⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⵏⵉⵖ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⵜⴼⵔⵔⵣⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ.”ⵅⵎⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵡⵊⴷⵏ!”. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴳⵓⵔⵉ ⵜⵣⵢⴼ ⵙ ⵍⵎⴷⴰⴷ, ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ. ⵖⵉⵍⵖ ⴷ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⵎⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⵡⴰ ...

ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵔⵎⵙⵖ ⵏⵛⵛ, ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴳⴳⵯⵏ, ⵜⵖⴰⴱ. ⵎⴰⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵓⴷⵙ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ... ⵏⵉⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵍⴱⴷⴰ ⵅⴼ ⵜⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵉⵏ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵇⵏ. ⵉⵎⴽⵏ ⴰⵎⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵍⵍⴰ?

ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵉⵚⴱⵃ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉ ⴰⵎⵛ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵣⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏ ⵔⵄⵉⵣⵣ ⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵓⵔ ⴷ ⴷⵡⵉⵍⵏ ...

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵛⵛ, ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜ ⵣⵕⵉⵖ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵃⴷⴷ, ⵓⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵡⵙⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵛⵛ ⵄⴹⵟⴰⵔⵖ ⵓⵔ ⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵖ

ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵅⵎⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⵣⵉ ⴰⴳⴳⵯⴰ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⴷⵇⵉ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⵙⴰⵔ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔⴰ ⵉⵕⵥ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ.

ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵃⴰⴷ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵙⵃⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵙⵙⵃⴷⵓ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵣⵔ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵣⴷⴰⵜ, ⵜⴱⴱⴰⵔⴽⵏ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵏⵏⴰ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵟⴱⵇ ⵉⵜⵜⴽⴰⵔ ⵓⵍ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵇⴰⴹ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵥⵄⵄⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵉⵇⴰⵔⵔⵏ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⴳⴳ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⵜⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖⵜ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⵔⴱⵀⵓⵜ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⴷⵡⵍ ⴰⵎ ⵜⵎⵛⵉⵛⵜ, ⵜⵓⵜⵜⵉⵛ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵀⵡⵏ, ⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉ ⵅⵎⵉ ⵏⴷⴷⵀⵏ ⵜⵜ ⵖⴰⵔ «ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵏ ⵓⴼⵜⴰⵇ»! ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⴰⵍⵉⵙ. ⵅⵎⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵇⴷⴷ, ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵥⵥⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴰⵢⵙⵏ. ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵙⵢⴰⴼⵉⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵏⵛⵛ, ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵅⵣⵔ ⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵉⵏⵓ.

ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵥⴰⵔⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵇⴰⵣⵏ ⴷⵉ ⵓⵙⵥⵙⵉ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵛⵥⴰ ⵜ ⴰⵄⵄⴰⵟ. ⵎⴰ ⵜ ⵉⵛⵥⴰⵏ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵥⵙⴰ ⴷⵉ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉⵜ. ⵎⴰ ⴰⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵉ ⵜⵅⵔⴼ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵓⴼⴼⵉ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ? ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵙ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ? ⴷ ⵎⴰⵏ ⵛⵛⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⴷ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵊⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰⴽⴷ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉⵜ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ. ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷ ⴰⴳⴰⵎⴰⵢ ⵉⵖⵓⴷⴰ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⴰⵔⵡⴰ ⵏⵏⵙ, ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ? ⵔⵇⴰⵟⵓⵕ ⴷ ⴰⵙⵉⴳⴳ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⴰⴷ ⵉⵇⴰⴹ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵔⴰ ⵃⴰⴷ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ. ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵡⵇⴷⵙ: “ⵍⵍⴰ, ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵉⵜⵜⵥⵙⵙ ⴰⵙ...” ⵏⵛⵛ, ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴹⵟⵟⴰ ⵅⴼ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. “ⵎⴰⵔⴰ ⵥⵥⵉⵎⵏⵜ ⴰⵎⵢⴰ ⵜⵉⵇⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⴰⴷ ⵃⴷⵓⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵍⵍⵓⵍ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵇⴰⵔⵎⵓⵛ!”.

ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵔⵎⵎⵙ ⵉ ⵜⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵜⵥⵥⴷ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⴳⴳⴰ ⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙ. ⵛⵡⴰⵢⵜ... ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵜ, ⵜⵙⵏⵀⵣⵣ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵇⴷⴰⵊ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵇⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵇⴷⴼ ⴰⵙⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰⵎ ⵜⵉⵛⵜⵉ ⵏ ⵓⵙⵇⴰⵔ! ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵎⴰ ⵜⵜ ⵉⵅⵙⵙⵏ ⴷ ⵎⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ. ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⵓⴼ ⵜⵅⵙⵙⵉ ⵜⵜⵙⵙⵉⵅⵡⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵔⵉⵡ ⴰⵔ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴱⵇⵉⵔⵜ...

ⴰⵍⵉⵙ ⵜⴷⴼⴼⴰⵔ ⵉⵜ ⵙ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵜⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵃⵃⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵚⴱⵅⴰⵏⵉⵏ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏⵜ ⵛⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵙⵡⵊⴰⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵜⵙⵙⴽ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵏ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵖⴰⵔ ‘ⴽⴰⵔⵍⴼⴰⵏ ⴼⵉⴳⵜⵏ’ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ, ⵡⴰ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ ⵉⵅⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ «ⵜⴰⴽⵄⵉⴱⵉⵢⵢⴰ[1]» ⵏ ⵜⵅⵓⴷⵔⵉⵜ ⵙⵜⴰⵢⵏ. ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉ ⵖⴰ ⵢⴰⵔⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. “ⵄⴰⴼⴰⴽ, ⴳⴳ ⴰⴹⵕⵉⵚ ⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵡⵔⴰⵎ!” ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵓⵔⴰ ⵔⴰ ⵉ ⴰⵍⴼⵔⵉⴷ ⵙⵜⵉⴽⵍⵉⵣ ⴷ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵙ «ⴽⴰⵎⵉⵔⴰ ⵡⵓⵔⴽ»[2] ⴷ ⴰⵔⵏⵉⵙⵜ ⵀⵉⵎⵉⵏⴳⵡⴰⵢ ⴷⵉ «ⵜⵔⴰⵏⵙⵍⴰⵏⵜⵉⴽ ⵔⵉⴼⵢⵓ»[3] ...

ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵜⵙⵎⵎⵅ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴹⴼⴼⵕⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵄⴰⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵥⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵔⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴰ ⵅⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⴰ ⵉⴳⵙⵙ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⵜⵓⵔⴰⵔ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵢⴰⵔⵛⴰ, ⵢⵓⵅⵅⵔ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵛⵏⵄ. ⵅⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⴳⵣⵔ ⴰⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵥⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵢⴰⵣⵣⵍ ⵙ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵉ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ! ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵊⵊⴰⵍⵜ ⵜⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵜ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵉⵏⵣⴰⵔ ⵉⵅⴷⴰⵊ ⵡⵉ ⵜ ⵖⴰ ⵉⴼⵔⵔⵥⵏ. ⵛⵅⴰⵍ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵓⵎⵛⵉⵛ ⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵉⵜⵜⵓⵜⵜ ⵣⴳ ⵉⴼⵜⵜⵓⵜⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⴼⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵉⵕⵥⵎ ⴰⵇⵎⵎⵓⵎ, ⵉⴳⵣⵔ ⴷⵉ ⵉⵖⴰⵕⴹⴰⵢⵏ ⵜⵓⵜⵜⵏ ⵣⵉ ⵣⵣⴰⴷ, ⵜⵅⴰⴷⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⴽⵙⵓⵎ! ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴰⵎⵛⵉⵛ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵓⵎⴰⵔ ⵉⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵅⴰ ⴰⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⴼⵙⵙⵉ. ⵎⴰⵔⴰ ⵅⴰ ⵜⵙⵙⵏⵀⵣⵣ ⵜⵉⵃⵃⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵔⵀⵏⴷ, ⵉⵜⵜⵕⴰⵅ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵜⵜⴰⵣⵣⵍ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⴰⵛⵃⵃⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵅⴰⴱ, ⵉⵏⵏⵓⵎ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ.. ⵙ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ? ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵃⵃⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⵙⵙⴰⴼ ⴷ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵏ ⵜⵡⵜⵎⵏⵜ ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵙⴰⵡⴰ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⵉ ⵓⵙⵏⵇⵔ, ⵉⵥⵓⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵜⴳⴰⵎⴰ ⵄⴰⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⵓⵍⵙⵏ ⴰⵔⵄⵔⴰⵄ ⵏ ⵢⵉⵔⵖⵎⴰⵏ, ⵉⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵎⵓⴳⴷⵉⵔⵉⵏ ⴰⵎ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⴳⴳⵓⵔⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⴷⵉ ⵏ ⵜⵏⵣⵔⵓⴼⵜ ⵏⵉⵖ ⴳⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⵏ ⵃⴰⵏⵊⴰ.

---

1 التكعيبية
2 Camera Work
3 Translantic Review

ⵎⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵃⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵢⵓⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴹⵕⵉⵚ ⵏ ⵔⴽⵛⴰⵢⴼ, ⵓⴼⵉⵖ ⵜ ⵊⴰ ⵔ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵟⵟⴼ ⴰⵙ ⵜⵉⵡⵙⵙⴰⴼ, ⵉⵜⵜⵃⵇⵇⴰⵇ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵡⵏⴰⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⵄⵡⵜ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ. ⵄⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵖⵔⵉⵖ ⵏⵉⵖ ⴷⵡⵍⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵉ ⵜⴼⵔⵉⵡⵜ ⵏⵏⵙ, ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵜⵡⵉⵏⵙⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵄⵍⴰ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴼ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⴰⵏ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵄⴰⴷ ⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⴷ ⴰⵙⵉⴽⴽⵍ.

ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⴳⴷⴰⵔ..., ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⴰⴼⵔⵉⵡⵜ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵔⴰ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵟⵟⴼ ⵉⵜⵜ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⴰ. ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵛⵎⵍⴰⵍⵜ, ⵜⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖⵜ ⵜⵜⵡⴳⴳⵉⴹ ⵜⴰⵎⵣⴷⴳⵓⵜ, ⵓⵔ ⵜⵜ ⵜⵡⵔⴰⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵜⵓⵛⵎⵍⴰⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵓⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵔⴰⵜⴰ ⵏ ⵢⵉⵅⴱⵉⵛⵏ. ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵄⵕⵓⴹⵜ ⵜⴰⴼⴰⵙⵉⵢⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴳⵣⵜ ⵜⴼⴰⵣ. ⵜⵣⵓⵔⵖ ⵜⵜ ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵇⵡⵇⵛ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉ. (....) ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⵏⵓⵏⵏⴰⵢ, ⵉⵚⴱⵃ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⴷⴳ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵍⵉⵎⴰⵏⵏ ⵉⵡⴰⵔⵎ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ. ⵉⵖⵣⴷⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵛⴷⴷⵏ ⵙⵙⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⴰⵣⴳⵏ ⵏ ⵏⵏⵊ ⵅⴼ ⵓⵣⴳⵏ ⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ. ⵉⵣⵓⵕⴰⵏ ⴷ ⵉⵣⴷⴰⴷⵏ ⴷ ⵉⵣⴳⵣⵡⵏ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵢⵡⵉⵏ ⵜⵉⵣⴷⴰⴷⵉⵏ ⵜⵜⵡⵉⴳⵉⴹⵏⵜ, ⵜⵜⴰⵣⵣⵍⵏⵜ. ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵡⴰⵟⵟⴼⵏ ⵙ ⵍⵃⵎⴰⵢⵍ, ⵓⵄⵍⴰⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ, ⴰⴷ ⴰⴽ ⵜⵏⴷⵀ ⴷⵉ ⵜⵍⵍⵙⵜ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ. ⵜⴷⵡⵡⵍ ⵣⵣⴰⵢⴽ ⴰⵔ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏ ⵓⵙⵓⵟⵟⵓⴹ, ⴷ ⵡⴰⴹⵓ ⵏ ⵓⴽⴼⴼⴰⵢ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ.

ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵓⵖ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵔⵓⵅⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴰⴷ ⵍⵍⴰⵏ ⵜⵜⴽⴽⵙⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙⵏ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵟⵟⴼ ⵔⵡⵇⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵙ ⵉⴱⴽⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⵜⵜⴱⵍⵍⴰ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵜⵎⵣⵢⴰⵏⵜ ⴷ ⵜⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵢⴰⴼ ⴷⴳ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ... ⵜⵓⴹⴰ ⴰⵙ ⴷ ⵓⵏⵅⴰⵍ ⵏ ⵀⴰⵎⵙⵓⵏ ⵣⵉ ⵜⵎⴰ ⵏ ⵇⴰⵎⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵓⵜⵜⵡⴷⴷⴰⴱ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵓⵏⵏⵓⴹ ⵅⴼ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⵄⴷⴷⵉⵙ. ⵉⵏⵏⵓⵎ ⴰⴽⴷ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏ, ⵉⵡⵙⵄⵏ, ⵉⵙⵙⵓ ⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵇⴹⴰ ⵃⴰⵊⴰ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⴰ ⴰⵎⵔⵔⵜ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵙ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴰⵏ ⵜⴰⵙⴼⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ... ⴰⵔ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏⵜ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⴰⵔⵏⵉⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ, ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵓⴳⴳⵓⵔ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵓⴼⵓⵖ ⵏⵏⵖ ⵣⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵙⴱⴷⴷⵖ ⵜ, ⵜⵜⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜ ⵅⴰⴼⵙ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ

ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ .» ⴼⵓ, ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ ». ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵜⵎⴼⴷⵖ ⴷⵉ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵎⴼⵔⴷⵀ . ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵡⵉⵏⴳⵉⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ, ⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵏⴷⵔ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⴷⵓ ⵉⵊⴷⵉ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ . « ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ, ⵓⴳⵓⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴰⵀⵙ ». ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵎⵓⵙⵙⵓ ⴰⵀⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵀⵓⵙⵉ, ⵉⵛⵢⴰⵔ ⵙ ⵓⵅⵉⵢⵢⵇ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⵛⵉ ⵅⵀ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵏⴷⴷⵓ ⵏⴽⵎⵎⵍ ⵉⵙⵓⵔⵉⵀⵏ ⵏⵏⵖ. ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ» ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ» ⵄⴰⴷ ⴷⴳ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵉⵏⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⴰⵙⵙ ⴰⴽⴷ ⵔⴱⴰⵇ. ⵓⵛⴰ ⵏⵕⴰⵃ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵏⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⴷⴰⵜ ⵎⴰ ⵉ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵓⵎⵙⵅⵏⵀⵓ. ⵓⵔ ⵏⵅⵎⵎⵉⵎ ⵛⵉⴱⵍⵍⵉ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵡⴰⴼⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵜⵓⵙⴷⵉⵜⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ.

ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵜⵜⵎⴼⴰⵔⵔⵜ, ⵉⵛⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵙⵖⴷⴷⴰ ⵔⵡⵇⵜ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵎⵙⵅⵏⵀⵓ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵇⴹⵄ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵡⴰⴼⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⵀ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵉⵊⵊⴰ ⴷⴳ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵀⵔⵉⵥⵏ « ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⴰⵣⵢⴽⵓⵜ ».

ⵏⵛⵛ, ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵜⴱⴷⴰ ⵜⴰⵍⵍⴰⵙⵜ ⵜⴼⵇⵇⴰ ⴷ ⵅⵀ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⵔⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ,

ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵜⴰⵡⵍⴰⵀⵉⵏ ⵡⵟⵟⴰⵏⵜ ⵉⴷ ⵅⵀ ⵓⵣⵍⵍⵉⵀ. ⵜⵎⵇⴰⵟⴰⵄⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ: ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵙⵙⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⵔⵉⵖ ⴷⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⵎⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵙ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵉⵏⵓ.ⵜⴱⴷⴰ ⵜⴰⵎⴰⵣⵓⵏⵜ ⵜⵀⵙⵓⵙ ⴷⴳ ⵜⵓⵀⵀⵓⵜ ⵙ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⵅⵢⵢⵇ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵏⴼⵥⵥⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ. ⵓⵔ ⵜⵛⵏⵉ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵃⴷⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⵙ ⵜⵜⵏⵏⴰⵏ ⵓⵔ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵢⴰⵔ ⵎⵥⵕⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙ.ⵜⵚⴱⴰⵃ ⴷⴳ ⵓⵎⵖⴷⵓⴷⴷⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵓⵏⵖ ⵙ ⵓⴽⵕⵕⴰⵊ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵉⵙⴰⵍⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵉⵏⵓ. ⵓⵛⴰ ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵉⵅⵀ ⵉⵏⵓ: ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵜⵜⵉⵏⵉ ⵜⴰⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵢⵓⵄⵍⴰ ⴱⵍⴰ ⵜⴰⵣⵣⴳⵣⵓⵜ? ⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵟⵟⴰⵡ ⵜⴰⵊⵟⵉⴹⵜ ⵏⵏⵉ ⵡⵃⴷⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ, ⵜⴳⴳⵯⵊ ⵅⵀ ⵢⵉⵍⵍ, ⵜⵓⵄⵍⴰ ⴰⴽⴷ 'ⴰⴱⵉ ⵔⵇⵔⴰⵇ', ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉⴷ ⵜⵜⵀⵀⵖ?... «ⴰⵎⵢⴰ, ⴰⵎⵢⴰ, ... ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵏⵡⵙⴰⵔ»

ⵉⵙⵍⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵜⵜⴰⵡⴹ ⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵀⴰⵃ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵜⵕⵥⵉⵜ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ; ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵖⵓⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵢⵢⵇ. «ⴰⵍⵉⵙ, ⴰⴷ ⵜⵇⴹⵉⴷ ⵉⵀⵛⵇⴰⵏ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⴰⵎⵎⵓ ⵜⵓⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵉⴷ ⵍⴱⴷⴰ...» ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵜ, ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵚⴱⵃ, ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ

ⵏⵏⵙ. ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴷⵉ ⵜⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵜ ⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵍⵉ ⵉⵇⵣⵏ ⵣⵣⴰⵊ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵜⴰⵎⵃⵡⴰⵙⵜ, ⵜⴼⵉⵖⴰⵔⵜ ⵍⵍⵉ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴻⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵡⵃⴷⵙ!.»

ⵜⵅⵙⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵜⵡⴹⴰ ⵣⵉ ⵟⴰⵎⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵟⵟⵔⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵥⵎⵓⴽⵉⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵡⴹⴰ ⴷ ⵅⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵜⵜⵓⵔⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ.» ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴰⴽⵙⵓⵎ, ⴱⴰⵟⴰ ⵜ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ». ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵥⴳⴳⴰⵖ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ ⵙ ⵍⵏⵊ ⵉ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ, ⵊⵊⵓ ⵍⵍⵉ ⵉⴼⵓⵃ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴼⴰⵟⵟ, ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵜ. ⵏⵛⵛ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵓⵔⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵉⵏⵓ, ⵜⴰⵃⵎⵔⴰⵏⵉⵜ, ⵥⵉⴷⵢⴰ. « ⴰⵎⵛ ⵜⴻⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ, ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵓⵔ ⴷⴰⵏⵖ ⵜⵊⵊⵉⵏⵜ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵏⵀⵏⴰ»!. ⵓⵛⴰ ⵜⵊⴱⴱⴷ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔⵙ, ⵜⵀⵡⴰ ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵣⵓⵇ. ⵜⵎⵙⵥⵙⴰⵟ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⵔⴽⵣ. ⵓⵛⴰ ⵏⵉⵔⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵅⴼ ⵓⴽⴹⵉⴼ ⵍⵍⵉ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⵉⵅⴷⴰⵔⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ, ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵔⵅⴷⵍⵍⵉ: «ⵉⵜⵜⵄⵊⵉⴱ ⴰⵢⵉ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵎ» ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: «ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰ ⴷⴰⴽ ⵉⵜⵜⵄⵊⵉⴱⵏ, ⵎⵉⵥⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵔⵃⵎⵖ ⴷ ⵖⵓⵔⴽ ⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ... ⵜⴻⵜⵜⴰⵛⵉⵖ ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⴽ ⵜⴰⵣⵉⵔⴰⵔⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵉⵏⵓ!». ⵃⴼⴼ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⴽ, ⵙⵙⵓⴷⵔⵓⵙ ⵣⴳ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⴽ». ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵏⵛⵛ: “ⵎⴰ ⵡⵙⴰⵔⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ?» ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: «ⵎⵓⵡⴰ, ⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⵉⵣⵥⵉ ⵍⵍⵉ ⴰⴱⵓⵥⵓⵏⵉⵣ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ? ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ, ⴰⵎⵏⵄⵓⵥ, ⵉⵙⵙⵉⵡⵥ ⵅⴼ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⴰ ⵉⵇⵣⵎⵏ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ...» ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵜⴰ, ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵙⵥⵥⵖ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵥ ⵅⴼ ⵡⵉⵙ ⵜⵣⴰ ⵏ ⵎⴰⵢⵏ ⵉⵍⵍⵓⵇⵣⵎⵏ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ: ⵜⵍⵍⵉ ⴰⵟⴰ ⵜⵜ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⴷⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ!» ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: ⴰⴷ ⴰⴽ ⵉⵏⵄⵥ ⵇⴱⴱⵉ! ⵛⴽⴽ ⵜⵏⴼⴹⵃⴷ ⴽⵜⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵜⵏⵏⴰ ⵥⵉⴷⵢⴰ: “ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵟⵟⴰⵙ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴰⵎⵛ ⵖⵔⵉⵖ ⴷⴰⵜ”. ⵓⵛⴰ ⴰⵇⵇⵉⵖ ⵅⴰⴼⵙ: “ⵎⴰⵏⴰⵢ ⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰⵅⵎⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵉ ⵢⵓⴷⴼⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⴷⴼⵏ ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ”. ⵥⵉⴷⵢⴰ ⵜⵏⵏⴰ: “ⵥⵥⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴰⵔ ⴷⵉⵍⵍⵉ, ⵜⵥⵥⵉ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉⵏⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ...” ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵏⵛⵛ: “ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵡⴰⵥⵓ!” ⵓⵛⴰ ⵙⵥⵎⵖ ⴰⵙ ⴰⵟⵎⵎⵓⵎ ⵉⵏⵓ. ⵎⴰⵛⴰ, ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ, ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ: ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵙⵏⵖ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵢⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵉⴷⵥⵉⵙⵏ.

7

ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵕⵃⵉⵟ ⴰⵡⵔⴰⵖ

ⵉⵄⴰⵇ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⵉⴽⴽ. ⵉⴽⴽⵔ ⴷ ⵣⵉ ⵇⴰⵎⴰ, ⵉⵊⵊⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵀⴰⴷ ⵜⵇⵇⵏ ⵜⵉⴼⴼⴰⵡⵉⵏ, ⵜⴼⴼⴹ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵍⴱⴷⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵢⴰⵄⴰ ⵛⵉ ⵙ ⵔⵀⵓⵔⴰⵏ ⵏ ⵜⵙⵀⵀⴰⵜ ⵏ ⵕⵃⵉⵟ ⵓⵔⴰ ⵙ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⴼⴹⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ ⵇⴰⵎⴰ. ⵉⵕⴰⵃ ⴰⴷ ⵉⵙⵔⵉⵔ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵎⵏⴰⵄⵓⵜ, ⵜⴰⴱⵔⵓⵜⵓⵏⵉⵜ, ⵍⵓⵙⵉⵢⴰⵏ, [1] ⵜⵙⵙⵓⵀⵍⴰ ⴰⵖⵔⴰⵡⵏ ⵜⴳⴳⵯ ⴰⵔⴽⵜⵉ, ⵜⵙⵙⵓⵊⴰⴷ ⴰⵖⵔⵓⵎ ⵏ ⴷⴷⵕⴰ ⴰⵙⵙ ⴰ. ⵢⵓⵙⴰ ⴷⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵖⴰⵔ ⴼⴼⴰⴱⵍⴰ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ ⵏ ⵓⵖⵓⵊⵊⵍ. ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵀⴰⴷ ⵓⵔ ⵜⵄⵉⵇ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵢⵉⵟⴹ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵜⵄⵄⵖ ⴰⴽⴷ ⵜⵔⴰⴽ[2], ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵡⴰⵏ ⵣⵉ ‘ⴽⴰⵎⴱⵓ’, ⵜⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵙⵙⵓⵇ. ⵜⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ.

ⴷⴳ ⵓⵖⵊⵊⴰⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ‘ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ’ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎⵓⵎ ⴰⴼⴼⴹ. ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵙⵇⵟ ⴷⵉ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵏ ⵓⵎⵙⴳⵏⵄ. ⵓⵔ ⵜⵄⵔⵉⵃ ⵛⵉ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵓⵙⵍⵎⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵙⵖⵓⵔ ⵉⵜⵜ ⵜⵎⴰⵙⵙⴰⵏⵜ ⵏ ⵜⵟⴱⵉⴱⵜ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⴳⴰⵄⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵢⵓⵄⴰ ⵜⵜ ⵜⵃⵎⴰ ⴰⴼⴼⴹ ⴷⴳ ⵓⵄⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵎⴰⵢⵏ ⵖⴰ ⵜⴳⴳ. ⵓⵛⴰ ⵜⵎⵎⵓⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵣⴷⴷⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴰⵙ ⵍⵉⵢⵓⵏ. ⵀⵉⵏⵔⵉ ⴱⵉⵔ ⵔⵓⵛⵉ[3] ⵉⵎⵓⵏⵏ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⵢⵓⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⴷ ⵍⵉⵢⵓⵏ ⵉ ⵉⵙⵙⵎⵙⴳⴰⵔⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵓⵣⵣⵍ ⴰⵙⴱⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴽⵍⵓⵄⵉⵙ ⵙⴰⴳⵓ[4]. ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰⵏ ⴳⵄ ⵜⵄⵔⵉⵙⵜ. ⵉⵔⴰ ⵓⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⵢⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⵔⵔⵉⵎⴰⵜ ⵏ

1 Luciene
2 Trac
3 H.P. Roche
4 Klovis SAGOT

ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵢⴻⴼⴰ ⵜⵜ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵜⴳⴷⴰⵔ ⴻⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵇⵏⵃ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⴰⵡⴻⵔⵉ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵔ ⵉⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴻⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴻⵏⵖ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵎⵏ ⵜⵍⵍⴰ!.

ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⴻ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵙ ⴻⴽⴼⴰⵢ ⴷⵉ ⵜⴻⴼⴼⴻⵜ. ⵉⴷⵀⵏ ⴰⵖⵔⴻⵎ ⵉⵇⵇⴹⵏ ⵙ ⵜⵔⴻⵙⵙⵉ ⴷ ⵎⵉⵔⵎⵉⵍⴰⴷⴰ. ⵉⵙⵡⵉⵏⴳⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵉⵃⴷⴻⵏ ⵊⴰⵔ ⵉⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵉ ⵉⵙⵙⵃⴷⴻ ⴰⴽⴷ ⴻⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⴻⵎ ⴷⵉ ⵜⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵅⵣⵣⴰⵔⵏⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵉⵙⵙⴷⵄⴰ ⴻⵛⴰ ⵉⵙⵙⴰⵀⵡⴰ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵔⵄⵢⴰ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵊⵊⵀⴷ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵎⴻⵎⵎⴻ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵡⵚⵚⴳⴹⵏ. ⵉⵃⵇⵍ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⴻⵜ ⵉⵙⵃⴷⴻ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵙⵙⵔⵊⴰⴼⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵔⴳⴰⵣ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴻⵔ ⵣⵣⴰⵉⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ ⵉ ⵉⵜⵜⵙⴷⵄⴰⵏ «ⴰⵎ ⵜⵉⵡⵙⵙⴰⴼ ⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⴰⴼⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⵅⵙⵖ!» ⵉⵙⵍⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ.

ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵜⵔⴰⴽ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵢⵙⵉ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⴷ ⵉⴳⴻⵎⵎⴰ ⴷ ⵣⵣⴰⴷ. ⴻⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⴼⴻⵙ ⴷⴳ ⴻⵣⴰⵣⴻ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⴰ, ⵃⴰⴼⴰⴽ! ⴻⵛⴰ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵅⴼ ⴰⵍⵉⵙ: «ⵊⵊⵉⵖ ⵜⵜ ⴰⴽⴷ ⴻⵊⵊⴰⵕ ⴷⴳ ⴻⵎⵣⵡⴰⵔ ⵏ ⴻⴱⵔⵉⴷ ⵜⵎⵀⴰⵔⴰⵜⵏⵜ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴻⵔ ⵜⴹⵀⵕ ⵛⵉ ⴰⵙⵙ ⴰ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ». ⵉⵜⵜⵃⵉⵣⵣⴰ ⴻⵅⴷⴷⴰⵎ ⴰ ⵅⴼ ⵎⴻⵄⵎⵎⴷ, ⵔⴰ ⴷ ⵡⴰ, ⴰⴽⴰⵎⴱⴻⴷⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵣⵉ ⵡⴰⵎⵉ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵣⵉ ⵜⴳⴳⴰ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⴷ ⵉⵕⵥⵎ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵄⵎⵎⴰⵙ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⴻⵎⵉ ⴷ ⵢⴻⵙⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴽⴽⴻⵙⵙⴻ ⵏ ⵊⵀⵕ ⵏⵏⵙ. ⵉⵡⵉ ⵣⵉ ⵀⴰⵏⴻⵡⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵊⴹⵉⴹⵏ ⴷ ⵉⵇⴰⵔⵇⴰⵛⵏ, ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵣⵃⴹⴻⴹ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵃⴱⴰⵏ ⵏ ⵔⵄⵔⵉⵔ. ⵢⴻⴼⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⵎⴰⵄⴰⵍ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵉ ⴰⵙⵏⴼⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴷⵉ ⵛⵛⴰⵔⵉⵃ ⵏ ⵎⴻⵏⴱⴰⵔⵏⴰⵙ. ⴻⵛⴰ ⵜⴽⴽⵙ ⴰⵙ ⵍⴻⵙⵉⵢⴰⵏ ⴰⵡⴰⵍ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⴷ ⵜⵙⵎⵄ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⴰⴷ ⵜⵎⴻⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵅⴷⵎ ⴷⴳ ⴻⵄⵎⵎⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⵎⵍⵍⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⴻⵄⵎⵎⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵡⴰ, ⴻⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵙⵏⴼⴰⵔ ⵏ ⴻⵄⵎⵎⴰⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⴷ ⴰⵙⵏⴼⴰⵔ ⵔⴰ ⵏ ⵔⵎⵔⴰⵛ!. ⵀⴰⵀⴰ...”. ⴻⵛⴰ ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵙ ⵎⴰⵃⵇⴻⵍ: “ⵔⵄⴰⵚⴻⵕ, ⵃⵔⵎ ⴰⵙ ⵉ ⵜⵄⴻⴷⵔⵉⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⴷ ⵜⴻⴳⴻⵔⵎ”. ⴻⵛⴰ ⵏⵏⴰⵏ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵏ ⴽⴻⵔⵛⵉ. ⴰⴷ ⵢⴰⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵅⴷⴷⴰⵎ ⴷ ‘ⴰⴽⴰⵎⴱⴻⴷⵉ’ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⴻ, ⵉⵔⴰⵖ ⴰⵙ ⵜⵔⴰⴽ, ⵉⵙⵇⵏⵃⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵅⴷⵎ ⴰⴽⴷ ⴰⵍ ⵙⵜⴰⵢⵏ. ⵜⵜⵙⵍⴰⵏ ⵉ ⵡⵏⴰⵄⵏⴰⵄ ⵏ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵣⴳ ⴻⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⴻⵛⴰ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ. ⵢⵉⵣⵡⴰⵔ ⴷ ⴻⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ, ⵢⴼⴼⵏ ‘ⴱⴰⵙⴽⵉⵜ’ ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵟⵚⵏ ⴰⵔ ⵜⴼⴻⴽⵜ...

ⵉⴼⴼⵖ ⵎⵓⵃⵎⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⴷ ⵢⴰⵡⵉ ⴼⵓⵕⴷ ⵣⵉ ⵍⴳⴰⵕⴰⵊ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⴼⵓⵊⵉⵔⴰⵔ’. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ‘ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ’. ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵎⴰ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ‘ⵅⴰⵍⵜⵙ ⴽⵓⴷⵉⴱⴰ’. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⴰⵏⴷⴰⵀ ⵏⵏⵙ ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ ⴷ ⵍⵎⵍⵉⵃ. “ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵄⴷⵓ ⵜⵉⴳⴳⴰ ⵏⵏⵖ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ. ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵏⴰⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⴷ ⵍⵎⵍⵉⵃ ⴷⵉ ‘ⴽⴰⵏ’ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ‘ⴰⵏⵜⵉⴱ’, ⵎⴰⵔⴰ ⵡⴰⵍⵓ ⴰⴷ ⴷⴷⵡⵍⵖ ⵄⴰⵡⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ ‘ⴱⵉⵔⵏⵓⵍⵉ’ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵖ ⵜⴰⵏⴼⴽⴰⵢⵜ, ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵓⵔⵏⵓ. ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵓⵖ, ⵔⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵙⵄⴷⴷⵓ ⴰⵏⴱⴷⵓ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵖⵔⵙ ⴰⵅⵅⴰⵎ ⵃⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵡⵃⴷⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴷⵉ ‘ⴱⵢⴰⵔⵉⵜⵣ’ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵏ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⴰ”.

ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⴰⵇⵇⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ, ⵜⵏⴷⵀ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⴳⴳⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵔⵇⴱⴰⵜ ⵜⵉⵣⴷⵉⴳ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⵉⴽⵉ ⴷ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⴷ ⴰⵣⴷⴰⴷ ⵉⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕ. ⴷⴳ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵉⵕⵓⵜ ⵏ ⵡⵓⵔⵖ ⵜⵀⵡⴰ ⴰⵙ ⵊⴰⵔ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵛⵛⴰⵜ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⵓⵍⴰⵏⵟⵉ ⵏ ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵍ, ⵜⵜⵉⵏⵉ: “ⵜⵙⴰⵔⵢⵃ ⵅⴰⵍⵜⵉ ⴰ, ⵜⵙⴼⵕⴰⵃ ⴽⴰⵍⵜⵉ ⵢⴰ”. ⵜⵛⵛⴰⵜ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⴳ ⵜⵖⵔⵓⵜ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⴷⴷⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⵓⵜⵜⴷⵊⴷⵉⵏ ⵜⵖⵍⵍⴰⵊ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵙⴰⵔⵊⴰⴼ ⵣⵣⴰⵢⵙ: On the trail of the lone so some “ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜ ⵜⴰⵡⵃⴷⴰⵏⵛⵜ” ⵓⵎⵉ ⵜⵅⵛⵛ ⵖⴰⵔ ⵜⵏⴳⴳⴰ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵔⴰⵢⵏ ⵜⴷⵡⵍ ⴰⵎ ⵓⵔⴳⴰⵣ, ⵜⴱⵢⵙ ⵙ ⵡⴰⵖⵔⴰⵡⵏ ⵏ ⵇⵓⴱⴱⵓ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⵅⴼ ⵓⴱⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵜ ⵉⵀⵡⴰ ⵅⴼ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴰⵔ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ.

ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵍⴰ ⵉ ⵎⵙⵢⵓ ⴱⵏ ⴷⴰⵔⴰⵙ ⵉⵜⵜⵡⵔⴰ ⵜⵜ ⴰⴷ ⵜⵙⵏⴼⵍ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖ. “ⵓⵔ ⴷⴰⵎⵎ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴱⵓ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⴷⵉ «ⴽⵓⵟ ⴷⴰⵣⵓⵟ» ⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵎ ⵛⵎⵎ, ⵓⵔⴰ ⴷⵉ «ⴽⴰⵏ» ⵓⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵅⵎⵎ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉⴹⵏⵉ, ⵖⴰⵔⵉ ⵜⵉⵣⴷⴷⴰⵖ ⵙⴷⵀⴰⵛⵏⵜ ⴰⵎ ⵊⵏⵏⴰⵜ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ!”. ⵉⴹⵀⵕ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⴰ ⴷ ⵓⴷⴰⵢ, ⵏⵜⵜⴰ ⵣⵉ ⵔⴳⵣⴰⵢⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵣⵣⵏⵣ ⵙⵙⵔⵄⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵄⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ, ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⴳⴳ ⴰⵕⵕⴰⵢ. ⵉⴼⴳⴳⴷ ⵉⵜⵜ ⴰⴷ ⵜⴱⴷⴷⴰⵍ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ.. “ⵃⴰⵛⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵛⵎⵎ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵢⴰⵙ ⵖⵓⵔⵎ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵉⵔⵉⴷ ⴰ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵉⵏⵓ!”

ⵜⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵙⵜⵎⵀⴷ, ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵎⴰⵔⴰ

1 Pernolet

ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴱⴷⵍⵖ “ⵍⴽⵓⵟ ⴷⴰⵣⵓⵟ” ⴰⴷ ⵜⴰⴼ ⴰⴷ ⴷⵡⵍⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵎⵏⴰⴹⵜ ⵏ ‘ⵕⵓⵏ’[1], ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵜⵅⵙⵖ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵜ ⵜⵙⵙⵎⵍⴷ ⵙ ⵓⵎⵥⴰⵔⴷⴼ. ⴳⴳ ⵉⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⵡⴰⵥⴰ! ⴰ ⴱⵉⵏ.[2] ⴰⴼ ⴰⵢⵉ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴷⵖⵢⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵃⵙⴽⵔⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴷ. ⵍⴱⴷⴷⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ‘ⵍⵇⵓⵙⴰⵢⵔ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵉⵏ’! ce jolie mansoir. ⵓⵛⴰ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵥⵓⵔⵖ ⵛⴽⴽ ⵣⵉ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵙⴰⵡⵏⵜ ⵅⴼ ⵓⵙⵢⴼ ⴰ ⴷⵉ‘ⴽⵓⵜ ⴷⴰⵣⵓⵜ’!” ⵓⵛⴰ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵇⵇⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵍⵏⵏⵉ. “ⵙⵜⴰⵎⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵡⵛ ⴰⵢⵉ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ!”. ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵔⴰ ⵃⴰⴷ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵓⵎⵙⵜⵏ ⵏ ⵜⵎⴰⵍⵍⴰⵢⵜ. ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵊⵊⵉ ⵄⴷ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵖⴰⵔ ⵙ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏ ⵓⵏⴱⴷⵓ ⵏⵉⵖ ⵏ ⵜⴳⵔⵔⵙⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵛⵛⴰⵔ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵉⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵄⴰⵣ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵡⵄⴷⵙ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ.

“ⵏⵛⵛ, ⵙⵙⵏⵖ ⵜ, ⵏⵜⵜⴰ ⵢⵉⵖⵉⵜ ⴷ ⵉⵎⵉⵣⵉ» ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵃⴰⵡⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵣⴷⵖ «ⵊⴰⵏ ⴽⵓⴽⵜⵓ» ⴷⵉ «ⵎⵓⵏⵟⵓⵏ» ⴷ «ⵙⵜⵉⴼⴰⵏ ⵣⴼⴰⵢⴳ » ⴷⵉ « ⵏⵉⵙ » ⴷ «ⴱⵍⵉⵣ ⵙⴰⵏⴷⵔⴰⵔ» ⴷⵉ «ⵉⴽⵙ ⵓⵏⴱⵔⵓⴼⴰⵍⵙ» ⴷ «ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ» ⴷⵉ «ⴰⵏⵜⵉⴱ» ⴷ «ⴱⵓⵍ ⴼⴰⵍⵉⵔⵉ» ⴷⵉ «ⵙⵉ» ⴷ « ⵊⴰⴽ ⴱⴰⵔⵉⴼⵉⵔ» ⴷⵉ «ⵜⵓⵍⵓⵏ[3]». ⵉⵎⵍⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴰ ⵣⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵛⴽⴽⵉⵖ ⵛⵉ ⵇⵇⴰⵃ ⴱⵍⵍⵉ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵣⴷⵖⵏ ⵎⴰⵍⴰⵔⵎⵉ ⴷⵉ «ⴰⴼⵉⵏⵢⵓⵏ». ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⵉⵙⵇⴰⴹⵏ ⴰⵜⴰⵔ ⵔⴰⵎⴱⵓ[4] ⵖⴰⵔ «ⵃⴰⴷⴰⵏ» ⴷ «ⵍⵄⴰⴱⴰⵛⴰ»! ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴹⴰⵕ, ⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵅⴷⴷⵎ. ⵜⵓⵙⵓⵔⵜ ⵏ ⵜⵉⵖⵎⵉ ⴷⴳ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ: “ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ! ⵎⵓⵡⴰ.. ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ”.

“ⵉⵅⵣⵔ ⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⴷⵉ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵇⵓⴹⴰⵜ, ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵢⵉ ⵣⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⴰⵔ ⵉⴹⴰⵕⵏ». ⵉⵃⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵚⵎⵎⴰⴹⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵃⴰⵡⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴰⴼⵙ: “ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⴼⵔⵉⵣ. ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵓⵍⵍⵙ ⵇⵇⴰⵃ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴹⵥⵕ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵥⴰ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵄⴰⵔ, ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⴷⵖⵢⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ!”.

1 Rhône
2 Ben
3 Menton, Stefan ZWEIG, Nice, Blaise CENDRARS, Aix-en-Provence, Picasso, Antibes, Paul Valéry, Sète, Jaques PREVERT, Touloun, Mallarmé, Avignon.
4 Arthur RIMBAUD

ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⵕⵕⵔⴰⵏⵜ ⵣⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵔⵎ. ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵜⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵇ ⵉⵛⵏⵖ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⵙⴰ ⴷ ⵣⵉ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⴰⵙ: «ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ[1]» ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⴰⵅⵎⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⵉⴹⴼⴼⴰⵇ ⵉⵜ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵓⴷⴼⵏ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵏⴷⴰⵍⵓⵙ!

ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵔⵉⵕⵕ ⵛⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵕⵙⴰ ⵅⴼ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵃⴰ ⴰⵣⴳⵏ ⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵃⴰ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵣⴳ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵙ ⵜⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⴷⵕⵏⵜ. ⵜⴹⵀⵇⵏⵜ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵉⵣⴳⴳⵯⴰⵖⵉⵏ ⵙ ⵓⵕⵚⵚⴰⵇ ⵏⵉⵖ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵉⵙⵙⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⴹⵔⵏ. ⴰⴳⴰⵔⵔⵓ ⴷⴳ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⵎⵉ ⵜ ⵉⵡⴰⵊⴰⴱ:«ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⵏⵖⵖ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵉⵙⵙⴷⵄⵕ ⴰⵛⵄⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵢⴰⵔⵖⵍ!». ⵓⵛⴰ ⵉⵕⵕⵉⵎ ⵉⵙⵕⵀⵕⵉⵀ ⵙ ⵜⴹⵚⴰ. (ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵉⵜⵜⵣⴰⵡⴰⵔ ⵉⵜ), ⵉⵕⵕⵉⵎ ⵉⵙⵔⵓⴼ ⴰⵙ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ, ⵉⵜⵜⵡⴳⴳⵉⴹⵏ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⵓⵙⵉ ⵉⵜⵜⵔⵊⵉⵊⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵄⴷⵍ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ. ⵉⵙⵏⵡⵊⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵕⴱⵓⵛ ⵏ ⵓⵙⴰⴹⵔⵏ. ⵉⵙⵙⴷⵖⵔ ⵉⵜⵏ ⴰⴷ ⵙⵡⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵇⴰⵃⵏ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⴱⴰⵔ ⵢⵓⴷⵙ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⴰⴳⴳⵯⵊⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵅⴼ ⵜⵓⵊⵊⵓⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⵉ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵣⴰⵜⵉⵎ ⵉⵙⵙⵃⵏⵉⵕⵏ.

ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⴽⵔⴰⵏ, ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵍⴱⴰⵇ. ⵢⵓⵔⵎ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵔⵉⵕⵕ, ⴱⴷⵍⵏ ⴰⵙ ⵜⴰⵣⵉⵢⵢⴰⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵔⵉⵕⵕ ⵔⴰⵃⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⵡⴰⵀ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ.”ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴷ ⴰⵙⵎⵎⴰⵎ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴷⵉⵍⵜ ⴰ!”. ⵢⵓⵏⵓⴹ ⴰⵍⴽⴰⵙ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴹⵀⵇ ⵜⵔⵀⴰ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. “ⵛⴽⴽ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⵃⵓⵢⵣⴷ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ ⵏⵏⴽ ⵏ ⵡⴰⵏⴷⴰⵍⵓⵙ ». ⵓⵛⴰ ⵄⴰⵡⴷ ⵉⵙⵎⵓⵙⵙⵓ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵏⵏⴰ ⵍⵍⴰ, «ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵕⵉⵖ ⵛⴰ ⴷⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ: ⴰⵃⵓⵢⵣ, ⴰⵃⵓⵢⵣ ⵉⵏⵓ ⴰⵕⴰ ⵜ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ”. ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵙⵏⵡⵉ ⵛⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵍⵍⵉ: “ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵛⵉ ⵉⵙⵙⴰ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ. ⴰⵎⵏ ⵄⴰⴷ ⵉ ⵜ ⵢⵓⵔⵎ. ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴰⴳⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵓ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵉⵙⵙⴰⵏ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ, ⴰⴽⴷ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵜⵓⴷⵓⵎⵏ ⵙ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ ⴰⵎ ⵜⵥⴰⵢⴰⵔⵜ!”.

1 Hôtel du Maroc

ⵓⵎⵉ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⵡⵛⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵅ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵙⵙⴰⵏ ⵍⴽⴰⵙ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵎⵓⵡⴰ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜ ⵉⴳⴳⵉ ⵉ ⵔⴱⴰⵕⵕⴰⵏⵉ. “ⵅⵎⵎ ⴰ ⴰⵍⵉⵙ, ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵄⵣⵣⵏ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵅⴰⴼⵙ: ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵎ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⴰⵡⴰⵍ ⴰ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵎⵣⵉⵢⵢⵜ ⵉⵏⵏⴰ ⵜⵜ ⵉⵊⵊ ⵉⵛⵏⵄ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔⵉⵖ ⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵍⵓⴳ ⵉⵏⵓ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵇⴰⵜⵄ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⵙ ⵓⵢⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵜⴰⵚⵎⵎⴰⵟⵜ! ⵉⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵙ ⵜⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵓⵛⴰ ⵜⴳⵎⴳⵎ ⴰⵍⵉⵙ.. “ⵓⵀ ⵙⵙⵖⴷ.. ⵙⵙⵖⴷ, ⵎⵓⵡⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵛⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵜⵎⴹⵓⵕⵓⵄⵏ, ⵜⵜⵎⴱⴷⴰⵍⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵎⴰⵛⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⵜⵜⵎⵙⵖⵎⴰⵣⵏ, ⵜⵜⵄⵢⵢⴰⴱⵏ, ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ!». ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵅⵣⵣⵔ ⵎⵉⵏ ⴷ ⵉⵡⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵡⵢⵏ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ. ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ, ⴰⵍⵉⵙ ⵍⴱⴷⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉ ⵉⵜⵜⴼⴰⵔⵖⵏ ⵙⵙⵏⴷⵓⵇ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵖⵓⵢ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵕⵥⵎ ⴰⵎⴹⴰⵏ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵏ ⵜⵎⵙⵖⵓⵏⵜ (ⵜⵔⴰⵏⵙ ⴰⵟⵍⴰⵏⵟⵉⴽ ⵕⵕⵉⴼⵢⵓ)[1] ⵓⵛⴰ ⵜⵓⴼⴰ ⴼⵙⵙⵏ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵓⵍⵜ ⵣⴳ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ: (ⵜⵡⴰⴼⵉⵜ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ)[2]. “ⵓⵀ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴰ ⵀⵉⵎ! ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⵀⵉⵎ Hem!”. ⴱⵉⵎⵉⵏⴳⵡⴰⵢ ⵉⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵇⵇⵜ, ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵥⵕⴰ ⵍⵅⵟ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⵏⵙ, ⵓⵎⵉ ⵢⵓⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵖⵔⴰ ⵛⵉ ⵥⵥⴰⵢⵙⵏ ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵜⵉⵥⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵉⴼⵙⵔ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⵡⵏⵏⵉ ⴷⴰⵙ ⵖⴰ ⵉⴼⵙⵙⵏ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ.

“ⵜⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵜⴳⴳ ⵔⴱⵀⵓⵜ ⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴹⵚⵚⴰ ⴰⵎ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ ⵏ ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ, ⵜⵙⵇⵀⵇⵉⵀ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⴷⴷⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⵓⴹⴰⴹ, ⵉⴳⴷⴰⵔ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵜⴼⵔⵃ, ⵚⴱⵃⵏⵜ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵔⵉⵖ ⵅⵣⵔⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵎⵉⵖⵉⵙⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ. ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵓⵢⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⵉⵖ ⵜⵜ ⵏⵛⵛ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵚⴼⴰ, ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴼⵙⵓⵙⵉ ⵏ ⵜⵡⵜⵎⵜ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵙⵙⵅⵙⵔ ⵉⵜⵜ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵔⴳⴷⵔⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵡⵜⵎ...” ⵉ ⵢⵓⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⴳⴼ ⵡⵓⵇⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ.

ⵢⵓⵙ ⴷ ⵜⵔⴰⴽ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵎⵓⵏ ⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵍⵓⵙⵉⵢⴰⵏ. ⴱⴷⴷⵏ ⴰⵎ ⵜⵉⵔⵉ ⵏ ⵏⵏⵃⴰⵙ ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔ, ⴷ ⴰⵛⵎⵔⵓⵇ ⵓⵛⴰ ⵓⴳⵓⵔⵏ “ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴰⴷ ⴷ ⵢⴰⵙ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⵡⵏⵏⵉ ⵎⵉⵅⴼ ⴷⴰⵎ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ, ⵏⴳⵓⵢⴰⵏ” ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴽⴰⵎⴱⵓⴷⵉ, ⴰ ⵔⴰⵍⵍⴰ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⴷⴰⵎ

1 «مجلة تراس أتلنتيك ريفيو»
2 «اختراع الأمريكين»

ⵍⵉⵖ ⴰ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵉⵏⵓ, ⴳⴳⵉ ⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵔⵀⴰ ⴰⵅ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵓ ⴰⵙⵏⴰⵔ̌ⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⴹⵢⴰⵚ ⵉⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵔⵅⴷⵍⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵓⴳⵓⵔⵏ ⵖⵔ ⵓⵙⵏⵜⵉ ⵍⵙⵏ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ.‘ⴰⴽⴰⵎⴱⵓⴷⵉ’ ⵉⵄⵣⵣⵏ, ⵉⵙⵙⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⴼⵅⵅⴷ ⵉⵜ ⵣⴷⴰⵜ, ⵓⵔ ⵉⵍⵉ ⵛⵉ ⵔ̌ⵔ̌ⴰ, ⵉⵅⵙⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ, ⵔ̌ⵓⵙⵉⵢⴰⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵙⵙ.

ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⴰⵔⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ, ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵍⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵅⴼ ⵓⵃⵓⵢⵣ ⵍⵙ. “ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵃⵓⵢⵉⵣⵖ ⵃⴷⴷ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵉ ⴱⵓ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⴰⵅⴰⴼⵉ ⵉⵅⵉⵢⵢⵇ ⵏⵉⵖ ⴰⵅⴰⴼⵙ ⵅⵢⵢⵇⵖ”. ⵜⵅⵣⵔ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵏⴷⵀ ⴷ ⴱⴰⵙⵔⴽⵉⵜ. “ⵡⴰⵀ! ⵜⵙⵙⴽⴽⴷ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵣⵕⵉⵖ ⵛⵉ ⴱⴰⴱⴰⴽ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵎⵎⴰⴽ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⴱⵔ̌ⵔ̌ⵉ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⴷⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵏⵖⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉ ⵔ̌ⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵔ̌ ⵅⴼ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ. “ⵙⴰⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵅⵙⴷ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵔ̌ⴷ ⵅⴼ ⵉⵎⵎⴰⴽ, ⵏⴱⵔ̌ⴰ!”. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵔ̌ ⵅⴰⴼⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵄⴷⴷⵓ ⵉⵢⵓⵔⵏ ⴷ ⵉⵢⵓⵔⵏ ⵡⵃⴷⵙ ⵓⵎⵉ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵍⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ ⴰⴽⴷ ⵜⵙⴷⵔⴰⵙⵜ ⵏ ⵓⵣⵔ̌ⵔ̌ⵉⴷ. ⵜⵎⵎⵓⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵔ̌ⵓⵔ̌. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵔ̌ⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ. ⴱⴰⴱⴰⵙ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵓⵎⵉ ⴷ ⵉⵔ̌ⵓⵔ̌. ⵙⵙⵅⵎⵏ ⵜ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵉⵚⴱⵃⴰⵍ ⵣⵉ ⵜⵔⵡⴰ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ. ⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵖⴰⵔ ⵓⵔ ⵉⴽⴽⵜⵉ ⵛⵉ ⵔⴰ ⵅⴼ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⴱⴰⴱⴰⵙ. ⵉⵔⴰ ⵄⴰⴷ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵀⵓⵔⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⵔ̌ⴰⴳ. ⴰⵎⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵉⵙⵙⴹⵀⴰⵕ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵙⵙⵍ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵙⵔ̌ⴰ ⴰⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵖⴰ ⵜ ⵜⴼⵙⴰⵔ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵔⵉⵣⴰⵔ ⵙ ⵜⵃⵓⵊⴰ ⴷ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⴷ ⵜⵉⵏⵜⵔ̌ⴰ ⵍⵙ. ⵔⵅⴷⵍⵉ ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⴰⵜ ⵎⵔ̌ⵉⵃ, ⵉⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⵡⴰⵔ̌ⵏ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ, ⵉⴷⴳⴳⵯⵔ̌ ⵉⴼⴰⵣ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ.

ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴰ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵓⵜⵜⵟⵟⴼ ⵉⵜ ⵙ ⵓⵙⵇⵙⵉ, ⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴷⵀⵛ, ⵜⵙⵜⵎⵀⴹ ⴷⴰⵢⵙ. ⵜⵜⵍⴰ ⵡⴰⵡ! ⵓⵀ! ⵜⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⴰⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵜⵓⴱⵓⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵉⵙⵔ̌ⵉ ⵍⵙ ⵉⵃⵎⴰⵏ. ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ ⵜⵜⵓⵔⴰⵔ. “ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⵉ ⴰⵙⵃⵓⵢⵣ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴰⵕⵥⵎⵖ ⵓⵔ̌ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ!» ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵔ̌ ⵜⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⵔ̌ⵔ̌ⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵡⵃⴷⵙ, ⵓⵔ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ, ⵓⵔ ⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ. ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⴷ ‘ⴰⵙⴱⴰⵏⵢⵓ’, ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⴷ ‘ⴰⵔⵔⵓⵙⵉ’!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵚⴹⵖ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⵖⴰⵔ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵣⵉ ‘ⵔⵓⵙⵉⵢⴰ’. ⵎⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵄⵏⴰ ⵉ ‘ⴱⵓⵔ̌ⵛⵓⴼⵢⵏ’. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⵔ̌ⵔ̌ⵉ ‘ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ’ ⴰⵔⵡⵙⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⴳ ‘ⴰⵔⵓⵙ’, ⴰⵎ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵜⵓⴷⵔⵓⵙ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵍⵙⵏ ⵇⵇⴰⵄ ⵅⴼ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ

ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵍⵍⵙⵏ ⵄⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵎⵊⵄⵄⴰⵇ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⴽⵙⵉⴱⵏ ⵔⵡⵇⵜ, ⵜⴰⵎⴷⵉⵜ ⵍⵍⵙⵏ ⴰⵎ ⵡⴰⵙⵙ, ⵡⴰⵙⵙ ⴰⵎ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ. ⵓⵔ ⵜⵜⵍⴰⵏ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵙⵢⴰⴼⴰⵏ. ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜⵙⵄⵉⵏ ⵉ ⴽⴷⴷ. ⵓⵔ ⵜⵙⵄⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⵙⵏ ⵜⵇⵇⴰⵔⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⴳⵎⵉ ⵜⴰⵎⵙⵄⴰⵢⵜ ⵍⵍⵙⵏ, ⵔⴳⴷⵍⵍⵉ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵄⴰⵏ!

“ⵉⵜⵜⵖⵉⵄ ⴰⵢⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ” ⴷ ⴰⵊⴰⵔⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⵛⵉ ⴷⴰⵢⴽ!” ⵓⵛⴰ ⵉⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⵄⵄⵉ ⴰⵔⵡⵙⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵏ ⵄⵎⵓⵜⴰⵡⴰⵙⵙⵉⴹ, ⴷ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏ ⵄⵎⵓⵜⴰⵡⴰⵙⵙⵉⴹ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵎⵓⴽⵎⵎⴷ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ ⵔⴳⴷⵍⵍⵉ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵄ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴳⴼ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵎⵛⴽⴰⵄ ⵜⵏ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵜⴰⵔⵡⴰ ⵍⵍⵙⵏ, ⵓⵔ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵛⵉ ⵉⵣⵓⵕⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵎⵉⵄⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵓⴳⵓⵔⵏ ⵣⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⴰⴽⵓⵢⵣ ⵍⵍⵙⵏ ⴷ ⵜⵃⵊⵊⴰⵊⵜ ⵍⵍⵉ ⵉ ⵜⵜⵟⵟⴰⵕ ⵜⵓⵄⴷⵉⵜ ⵍⵍⵙⵏ. ⵙ ⵓⵢⵍⵍⵉ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵉⵇⵇⴰⵕ ⴱⵄⵄⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⴷ ⴽⴷⴷ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵓⵔⴰ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵍⵍⵙ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉ ⵎⴰ ⵍⵍⵙ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵄ ⴰⵢⵉ ⵎⵓⴽⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵙⵇⵙⴰ, ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴳⴼ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ ⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴷ ⴼⵔⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵡⴰⵢⴼⵔⴰⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: “ⵜⴰⵎⵙⵄⴰⵢⵜ ⴰ ⵓⵔ ⵜⵄⵄⵉ ⵛⵉ ⵇⵇⴰⵃ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵖⵉⵄⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵔⴽⴰⵚⵓⵕ ⴰⴷ ⵜⵉⵔⵉⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵃⵏⵉⴷ, ⴰⴷ ⵜⵉⵔⵉⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵜⵅⵙⴷ ⵛⴽⴽ ⵙ ⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵍⵙ ⵏⵉⵖ ⵡⴰⴳⴳⴰ ⴳⴳⵉⵏ ⴳⴰⴽ ⴱⵙⵙⵉⴼ, ⵜⵇⴱⵄ ⵜ ⵙ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵍⴽ !…” ⴱⵏⴰⴷⵎ, ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵙⵉⴳⵯⵊⵊ ⵔⴰ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵍⵙ. ⵔⴽⴰⵚⵓⵕ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⴽⴹⴰⵕ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰⴷ ⵉⵡⵛ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵢⵉⴳⴼ ⵍⵍⵙ. ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⴷ ⵖⴰⵔⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵛⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵍⵙ ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵍⵍⵙ. ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵙⴽⵇⴰⵔⵏ ⴷⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵍⵙ ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵍⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵇⴰⵔ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵄ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ.«ⵛⴽⴽ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵍⴽ ⴰ ⵎⵡⴰ ⵜⵙⵙⵉⵡⵄⴷ ⴰⵢⵉ ⴳⴼ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵄⵓⵄⵏ ⴷⵉ ⵜⵓⵄⴷⵉⵜ, ⵓⵛⴰ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵍⵍⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⵓⵛⴰ ⵛⴽⴽ, ⴳⵎⵎ ⵎⵛⴽⴰⵄ ⵏ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷ ⵉⴳⵎⵉⵔⵏ ⴷ ⵜⴽⴰⵕⴹⴰ ⵉ ⴳⴼ ⴷ ⵉⵃⴷⵓ. ⵙ ⵓⵢⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵄⵓⵄⵏ ⴷⵉ ⵔⴳⵔⴰ ⴱⵄⴰ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵍⵍⵙⵏ, ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵄⴰⵡⴰⵢ ⵉⵇⴹⵃⵏ ⴰⴳⵎⵉⵔ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵏ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵍⵍⵙⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔⵜ ⵍⵍⵙ, ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⵊⴰ ⵍⵍⵙⵏ, ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵄ ⵍⵍⵙⵏ, ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵄⵙ ⵍⵍⵙⵏ, ⵏⵉⵖ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⵍⵍⵙⵏ! ⵎⴰⵛⴰ ⵔⴽⴰⵚⵓⵕ ⴱⵏⴰⴷⵎ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵍⵙ, ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵏⵉⵖ?

ⵉⵜⵜⴰⵡⴹⴷ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵙⵄⵉ ⵏ ⵉⵣⵄⴰⵏ ⴷ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⴰⵀ, ..ⴰⵕⴰⴽ ⴷ ..ⴰⵕⴰⴽ ⴷ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴳⵉⵢⵓⵎⵖ ⵄⴱⴷⴰ. ⴰⵕⴰⴽ ⴷ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⴷ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵍⵍⴹⵏⵉ ⴷ ⵔⴱⴰⵕⵕⴰⵏⵉ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴽⴰ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ.. ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⴰⴱⵓⵄⵓⵏⵉⵣ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵓⴷⴼ ⴷ, ⵉⴹⴼⴰⵕ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⵎⵓⴽⵎⵎⴷ: ⵎⵉⵏ

ⵉⵀⵏⴰ ⵡⴰⵏⵉⵜⵉⵏ? ⴷ ⵍⵎⴰⵍⴰⴽⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵅⴰⵥⵉ ⵉⵃⴹⴹⴰⵏ, ⵉ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵙ ⵜⵥⵕⴰⵏⵟⵉⵟⵜ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵅⵎⵎⴰⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ. ⵉⴱⴱⵉⵔⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵍⵉ, ⴰⵎ ⵜⴰⵡⵉⵏⵙⵜ ⴰ ⵜⵊⵊⴰ ⵜ ⵉⴱⴱⵉⵔⴼ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⵎⴰ. “ⴰⴼ, ⵍⵎⴰⴽⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⵉ ⵅⴰⵥⵉ ⵉⵃⴹⴹⴰⵏ”. «Oh! Mon ange gardien!» ⵉ ⵜⵍⴰ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵙⵍⵉ ⵉⵙⵙⴰⴳⴳⵯⴰⴷ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵀⵉⵡⴷ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⴰ ⵡⵍⵉ ⵙ ⵔⵇⴷ ⵍⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ? ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵎⵍⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵇⴰⵢⴷ ⵏ ⵜⵙⵔⴷⴰⵙⵜ ⵏ ⵢⵉⵎⵏⵖⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵓⵔⴰⵔ ⵙ ⵢⵉⵣⵎ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ‘ⵙⵉⵔⴽⵓ’ ⴷ ⵔⵅⴷⵎⵜ ⴰ ⵉ ⵜ ⵖⴰ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵣⴷⴰⴷ, ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵍⵙ ⵛⵛⵉⵏⵜ. ⵏⵉⵖ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵜⴽⴽⵔⵙⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵙ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷⵉ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⵡⴹⴹⴰⵏ ⵅⵥ ⵓⵣⵍⵍⵉⵥ ⵍⵙ. ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⴳⵉⵢⵓⵎ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵍⵙ ⵏ ⵓⵙⵉⵄⵢⴰⵟ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵍⵙ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷⵔⵓⵙⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵏⵉⵖⵙ ⵙ ⵓⵃⵔⴰⵛ ⵍⵙ ⵏ ⵓⵖⴰⵊⴰⵔ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵜⵜⵄⴼⵕ ⴰⵎⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵏⵓⵥⵥⴰⵔ ⵣⵣⵀⴰⵎⵜ, ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵍⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵢⵉⵏⵉ. “ⵖⴰⵔⴽ ⵔⵡⵇⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⴽ ⵉⵔⵉⵇⵇ, ⵔⵃⴰⵟⵓⵕ ⵛⴽⴽ ⵜⵔⵉⵇⵇⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵛⴽⴽ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ, ⵉⵃⵥⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵍⴽ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⴳⵉⵢⵓⵎ ⵎⵉⵏ ⴷ ⴰⴽ ⵉⵔⵉⵇⵇⵏ ⴷⵉ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵉⵏⵓ? ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴷ ⴰⴽ ⵖⵔⵉⵖ ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⴷ ⵍⵎⵍⵉⵃ. ⵅⵙⵙⵖ “ⵉⵣⵍⴰⵏ ⴰⵍⵓ”[1] ⴷ “ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⴰⴷ ⵔⵣⵓⵖ ⵅⵥ ⵓⵇⴰⴹⴰⵟ”[2] ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵍⴽ ⵅⵥ ⵙⴰⵜ ⵏ ⵜⵉⵡⵡⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ! ⵓⵛⴰ ⵉⵄⵟⵟⴰ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ, ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⴽⴽ ⴰⵎ ⵏⵛⵛ! ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵣⵔ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵡⴰ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⴷⴰⵀ ⴰⵎ ⵏⵛⵛ ! ⵉⵜⵜⵡⴰⵄⴼⴰⵕ ⴰⴷ ⵜ ⵅⵙⵖ ...”

ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵉⵅⵎⵅⵎ... “ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵍⵉⴷ ⵡⴰⵍⵓ, ⵎⵉⵏ ⵜⵍⵉⴷ? ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵛⴽⴽ ⵜⵟⵇⴰⵔⴷ. ⵜⵅⵅⵉⴷ ⴰⵕⵕⴰⵢ ⵉ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵍⴽ ⴰⴹⴹⴰⵟ”. ⵊⵉⵢⵓⵎ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵄⴼⵕ. “ⵙⵏⵉⵖⵙⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵛⵜⴰ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵣⴳ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵏ ⵜⵙⴰⵔⵙⴰⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ!”. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⴰⵊⴰⵔ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⴰⵔⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵓⵙⵖⴷⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵢⵓⵥⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵍⵙ. “ⵓⵔ ⵅⴰⵎ ⵙⵏⵓⵥⵥⴰⵔⵖ ⵛⵉ, ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵄⴼⵕ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴷ ⵔⴱⴰⵕⵕⴰⵏⵉ, ⵀⴷⵓⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ”. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵙⵙⵏⴷ? ⴷ ⴰⵙⵃⵓⵙⵙⵉ ⵡⴰⴼⴰ! ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⴰⴹⴹⴰⵟ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⴷⵖⵢⴰ

1 Poèmes à Lou
2 En allant chercher des obus

ⵙ ⵓⵎⴰⵕⵕⵉ. ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⴱⴷⴷⵉ ...! ⵍⵍⴰ ... ⵍⵍⴰ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵙ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵟⵟⴰⵡⵏ. ⴰⵎⵛ ⵜⵥⵕⵉⴷ. ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵜⵏ! ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: "ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵅⴼ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ..."

ⴷⵉ ⵕⵎⵕⴰⵃ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⵔⵄⴰ ⵜⵏ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ: "ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ! ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵥⵍⵉ ⴷ ⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵎ ⵙⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵜⵜⵉⵙⵉⵖ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵎ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵃⴷⴷ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ. ⴱⵓⵃⵎⵕⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵓⵃⵎⵕⵓⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵅⵙⴷ ⵛⵎⵎ ⵉⵙⵙⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⴷ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⴰⵙ, ⵙⴰⵍⴼⴰⴷⵓⵔ ⴷⴰⵍⵉ" ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵜ ⵏⵉⵖ? ⵡⴰⵀ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ! ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ 'ⴰⵙⵓⵔⵢⴰⵍⵉ'. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⵉⵙⵓⵔⵢⴰⵍⵉⵢⵢⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵉⵣⵡⴰⵔⵖ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ. ⵇⴰⵢⵏ ⵡⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ ... ⵅⵡⴰⵏ ⵎⵉⵔⵓ. ⵜⵜⵡⴰⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵙⴷⴷⵃⴰ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⴷ ⵔⴰⵖⵉⵖ ⵅⴼ ⴱⴰⴱⵍⵓ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴷⴳ ⵜⵓⴼⵓⵜ. ⵓⵛⴰ ⵜⵅⵣⵔ ⴰⵍⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵎⵡⴰ, ⵉⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⴳⵓⵏⵥⴰⵍⵓ, ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⵏⵖⴰⵍⵜ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: ⴰⴷ ⴰⴽ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵅⵡⵡⴰⵏⵏ ⵜⵕⴰⵊⴰⵍ ⵛⴽⴽ!(...) ⵡⴰⵀ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵉ[1], ⵔⵓⵅⴰ ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⵅⴼ ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵉⵅⵅⴰ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴷ ⴰⵇⴼⴼⴰⵍ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎ, ⵉⵡⴰⵊⴱ ⴰⵢⵉ: "ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ!" ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⴰⴱⵓⵀⴰⵍⵉ, ⵡⴰⵀ ⴰ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛ!

ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴷⴳ ⵓⵅⴰⵎ ⵏ ⵣⵄⵄⴰ, ⵜⵜⵇⴷⴷⵓ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵍⵉ. ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵄⵄⵉⵎ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ, ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⴼ ⴷⴰⵢⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵓⵎⵎⵓⵜ ⴰⵙ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ.ⵜⵃⴰⴷⴰ ⴰⵙ ⴰⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵎⴰⵏⴰⵢ ⴰⵔⵊⴰⴼ. "ⵓⵓⵓⵓⵓⵀ, ⵜⵓⴷⴰⵛⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ!". ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ. ⴰⴷ ⵉⵎⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵡⵡⴹ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵓⵖⵍⵍⴰⵢ ⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ. ⵉⴷⴷⵓ, ⵉⵙⵙⵓⵇⵍⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵓⵎⵏⴷⴰⵀ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵇⴰⴼⴰⴽ. ⵉⵙⵙⵎⵖⴰⵔ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵅⵓ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵄⵙⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ. ⵜⵉⵃⵏⵊⵉⵔⵉⵏ ⵇⴰⵔⵔⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ, ⵉⵔⵅⴰⵣⵏ ⵊⵊⵉⵏ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵀⵡⴰ, ⵉⵙⵍⵉ ⵏ ⵉⴼⴹⵉⵚⵏ ⵏ ⵉⵎⵣⵉⵍ. ⵜⵉⵥⵕⵉⴼⵉⵏ, ⵜⵉⵖⴰⴹⵜⵉⵏ, ⵉⵄⵣⵉⵏⵏ ⴷ ⵉⵢⴰⵣⵉⴹⵏ ⴷ ⵉⵔⴼⴰⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵏ ⵉⵊⵊⴰ. ⴷⵉⵏⵏⵉ

1 Gerty

ⵄⴷⴷ ⵓⵔ ⵢⴰⵔⵔⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵓⵔⴰ ⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⴰ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⵛⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⵢⴰⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵖⴼⵔⵏ ⵅⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ: "ⵢⵉⵏⴰ ⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵓⵔ ⴰⵙⵏ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵄⴷⴰⵊⵊ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰⵏ ⵛⵉ ⵔⵄⵏⵓⵏⵉⵜ, ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵜⵓⵜⵜⵅⵙⴷ ⵛⵉ ⵙ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⵏⵏⴽ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏ ⵛⵉ ⴰⵎ ⵛⴽⴽ ⴷ ⵏⵛⵛ. ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⵎⵡⴰ!...".

"ⵎⴰⵛⴰ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴰⵎ ⵏⵛⵛⵉⵏ!". ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵔⵎⵙ ⵉⵜ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙⵏ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴷ ⵓⵙⵉⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ, ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵛⵛ ⴷ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵉⵛⴰⵏ. "ⵃⴰⵡⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵎⵡⴰ.. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵄⴷⵉⵊⵊ ⵛⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ, ⵓⵔ ⵜⵜⵙⵙⵏⵏ ⵛⵉ ⵇⵇⴰⵃ!" ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵙ ⴷ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ, ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵉⴹⵏ, ⵉⵎⵎⵍ ⴰⵙ ⵜⵏ ⵉ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ. ⵡⴰ ⴷ ⵉⵎⵉⵍⵢⴰⵏ, ⵉⵙⵙⵏ ⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵓⵚⵓⴹⵉ. ⵜⴰ, ⴷ ⵉⵍⵉⵏⴰ, ⵜⵙⵙⵏ ⵄⴰ ⴰⴷ ⵜⵄⴰⴷⴰ ⵉⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵜⵍⴰⵍⴰⵢⵜ. ⵎⵓⵍⴷⵉⴼⴰⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴽⵔⴱⴰⵢ ⵏ ⵊⵊⵉⵏⵣ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ, ⵍⴱⴷⴰ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵕⴹ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⴷⴼⴼⴰⵙⵜ ⵜⴰⵣⴳⴳⵯⴰⵖⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵎⴽⴽⵓⵣⵏ ⴷ ⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵏ. ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⵛⵜ ⵏ ⴼⵉⵙⵜⴰ ⵏ ⵢⵉⵍⵎ ⴱⵍⴰ ⴰⵖⵔⴰⵡⵏ, ⵜⴰⴷⵎⵎⴰⵏⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⴼⵔⵇⵉⵃⵏ ⵏ ⵔⵢⵓⴷⵏⵜ, ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵢⴰⵔⵡⵙⵏ ⵉⴼⵓⵍⴰⵙⵏ. ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵀⴰⵡⴰ. "ⵜⴰ, ⴷ ⵜⴰⵔⴱⵉⵄⵜ ⵏⵏⵖ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ. ⵎⵡⴰ! ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵜⵙⵙⵏⵏ ⴰⵏⵖ». ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴷ ⵜⴰⵄⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵛⴰⵜⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵊⴰ, ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴼⵙ ⵙ ⵙⵙⵡⴰⴱ: "ⵜⵜⵓ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴽ ⵉⵏⵏⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵡⴰⵀⴰ! ⵎⴰⵏⴰⵄⵙⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵍⵉⴷ ⴰⵏⵖ, ⵙ ⵓⵙⵢⴰⴼⴰ ⵏⵏⴽ.

ⵏ ⵏⵏⴽ. ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⴽ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵏⵖ ⵜⵙⵍⵉⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ, ⵓⵔ ⵙ ⵢⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵖ!". ⵏⴱⴷⴰ ⴷⴳ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵉⵎⵉⵍⵢⴰⵏ. ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⵜⵎⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ. "... ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⴷⴳ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵖ, ⵏⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⴷ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏⵏⵖ ⵣⴳ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵖ!".

ⵉⵡⵃⵔ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⵖⵏⵏⴰⵊ ⵉ ⵢⴰⵔⵡⵙⵏ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵡⵃⵔ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ ⵜ, ⵓⵔⴰ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵏⵃⴰⵡⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵜ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ, ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⴳ ⵉⵅⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵎⴹⴰⵚ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵔⴱⴰⵕ.ⵜⴰⵔⵊⴰⵊⴰⵜ ⴷ ⵓⵛⵀⴰⵇ ⴷ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⴷ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⴷ ⵓⵅⴹⴰⴼ. ⴰⵢ, ⴰⵡⵟⵟⵓ ⵉ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ! ⴰⴽ ⵉⵏⵃⵍ ⵕⴱⴱⵉ ⴰⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⴰⵔⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷⵉ ⵔⵎⵔⴰⴼⵃ, ⵓⵔ ⵜⵏ ⵉⵜⴳⴳ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ. ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴰⵕⴰⵄⵉⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⵎⴰⵏⵉⵙ

ⵜⵜⴰⵡⵡⵉⴷ ⵜⴼⵉⵖⴰⵔⵜ ⴰ ⵜⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵜ, ⵜⴰⵄⵡⴰⵜ ⴷ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⴰ? (ⴷ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙ .. ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⴷ ⴳⴳ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙ!. ⴰⵢ! ⵡⴰⵀ ⴰ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ !ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⴽⵏ ⵙⵙⵓⴼⵓⵏⵜ ⵉⵜ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵣⵉ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏⵏⵙⵏⵜ, ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵙⵙⵓⴼⵓⵖⵏⵜ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵣⵉ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⴰⵍⵍⴰⵀ, ⴰⵍⵍⴰⵀ! ⵉⵔⴰ ⵜⴰⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵉ ⵉⵔⵙⵇⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ, ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵥⵥⵓⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ ⵢⵉⵏⴰ ⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ? ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰ ⴷ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵃⴷⴷ ⵏⵏⵉⴹⵏ, ⵢⴰⵔⵔ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ: "ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴽⴽⵙ ⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵓⵔ ⵜⵖⵏⵏⵉⵊⵏ" ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⴽⵜⵜⵓ ⵅⴼ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵉⵟⵟⵚ ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵉⵛ?

ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴷ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵜ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⴼⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵙⵙⵓⵎⵜⵏ ⵜⵙⵓⵎⵎⵜ, ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⵉⵟⵟⵚ ⵅⴼ ⵜⵊⴰⵕⵕⴰⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⴽⴰⵟⵓⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⵎⴰ, ⵅⴼ ⵜⵊⴰⵜⵉⵔⵉⵏ ⴷ ⵜⵙⵙⵓⵜ ⵜⵛⴰⵔⵔⴳ: "ⵟⵟⵙⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⵉⵚⴱⵃ, ⴱⵍⴰ ⵉⵎⵅⵏⵜⵉⵙⵏ, ⵍⵍⵉⵖ ⵃⴷⴰⵊⵊⵉⵖ ⵜ ⵎⴰⵛⴰ ⵟⵟⵚⵖ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ! "ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵅⴼ ⵓⵙⵏⵡⵊⵉ ⵢⴰ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ". ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ: ⵏⵛⵛⵉⵏ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴰⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⴽ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵉⴷⵡⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ. ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ ⵜⵖⵏⵊⵊⴷ ⵎⵍⵉⵃ, ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⴷ ⵔⵖⵏⵓⵊ ⵏⵏⵉ. ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⴽ ⵉⵍⵉⵏⴰ? ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ..." ⵓⵛⴰ ⵢⴰⵔⵊⵊⵉⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵙ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ, ⵍⵍⴰ ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ! ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢⵉ ⵣⴰⵢⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⵉ ⵓⵙⴰⴹⵔⵏ ⵡⴰⵀⴰ. ⵛⴽⴽ, ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴰⵢⵉ, ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵔⴰⵔⵖ ⵛⵉ ⵙ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ. ⵖⴰⵔⵉ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴷⵉ ⵙⵓⵍⵍⴰⵜ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏⵜ ⴰⵎ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ!". ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵎⵅⵎ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵎⵚⴰⴼⴰⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙ: "ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⴱⴷⴷⵍⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⵜⴷⴷⴰⵔⴷ ⵛⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉⵜ ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ!".

ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵔⵀⵓⵔⴰⵏ, ⵙⵙⵓⵊⵓⴷⵏ ⵉ ⵓⵎⵏⵙⵉ ⵏ ⵓⵙⵉⴹⵢⴰⵚ. ⵢⵓⵙ ⴷ ⵓⵅⴷⴷⴰⵎ ⵏⵏⵉ 'ⴰⴽⵎⴱⵓⴷⵉ' ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ ⵜⵜⴱⴷⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ, ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ, ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵙⴹⵀⴰⵕ ⴷⴰⵢⵙ ⵚⵡⴰⴱ ⴷ ⵓⵙⵉⵢⵢⵙ. ⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⵛ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⴳⴳⴰ ⵉⵅⴼ ⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴼⵙⵔ ⵏ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴼⵓⵍⴰⵔ, ⵙⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⵏ ⵙⵉⵍⴼⵢⴰ ⴱⵉⵜⵛ,[1] ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙⵏ ⵔⵡⵇⵜ. ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴷⴼ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵜ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵙⴰⴷⵓ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵓⵢⵍⵏⵜ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ ⵜⴰⵄⴰⵢⴰⵏⵜ ⵖⴰⵔⵙ ⵙⵓⵍⵍⵜ ⵏ ⵜⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⵄⵔⵔⴰ ⵜⴱⴷⴷ. ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵔⵙⵇ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵏⵏⵉ,

1 Sylvia BEACH

ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵏⵏⴰ. ⵓⵔ ⵜⵙⵍⵍⵎ ⵛⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⴰⵎⵏ ⵜⵏⵏⵓⵎ ⵜⵜⴳⴳ ⵍⴱⴷⴰ. ⵉⵅⵎⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⴼⴼⵓⴷ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ ⵜⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵉⵙⴱⵓⵏⵢⵓ. ⵜⵇⵇⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵜⵜⴷⴼ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵔ ⵜⴹⴼⵕ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵓⵔⴰ ⵙ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵓⵙⵜ. ⵓⵔⴰ ⵙ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵙⵙⵜⵜⵓⵏ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵜⵀⵇⵇⴰ ⴷ ⴰⴽⴷ ⵍⵎⴰⵍⴰⴽⴰⵜ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵣⴳ ⵉⵎⴰⵙⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖⵏ. “ⵎⵡⴰ, ⵄⴰⴼⴰⴽ. ⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴷ ⵉⵄⴼⴼⵏ. ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⵉ ⵅⴼ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ, ⵓⵔ ⵜⵜⵙⴼⵔⵉⵃ ⵛⵉ ⴰⵎⵏ ⴷⴰⴽ ⵅⵙⵙⵖ ⵉ ⵛⴽⴽ”. ⵉⵔⴰ ⵜⵇⵙⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵔ ⴰⴷ ⵜⴼⴼⵓⵖ ⵣⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵉⴹⴼⵕ ⵉⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵓⵔⵏⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵏⵖⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⴰⵍⵉⵙ. ⵜⴰⵃⴰⵏⵓⵜ ⵏ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵓⵎⴱⴰⵔⵡⴰⵣ[1] ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⵍⴰⴼⵉⵜ’[2], ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⵎⴰⵃⴰⵍ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵖⴰⵔ ⴰⵎⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵓⵅⴰ. ⵃⴰⵛⴰ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴱⴱⴰⴱ ⴷ ⴰⵃⵔⴰⵢⵎⵉ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵟⵟⵚ ⵃⵎⴰ ⵡⴰⵔ ⵜⵎⵛⵟⵟⴰⵔⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵄⵎⵎⵕⵚ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵥⵕⵉ ⴷⴰⵜ. ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⵟⵢⴰⵚ, ⴷⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⴰ. ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵍⵓⵍ ⴷⵉ ⵜⴳⵣⵉⵔⵜ ⵏ ‘ⵍⴰⵔⵉⵏⵢⵓⵏ’. ⵢⵓⵙ ⴷ ⵣⵉⴽⴽ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴽⵎⵎⵍ ⴰⵍⵎⵎⵓⴷ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵍⵃⵓⵇⵓⵇ ⵓⵛⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵉⵜ, ⵉⴱⴷⴷⵍ ⴰⴱⵔⵉⴷ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⴷⵀⵛⵏ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵉⵣⵣⵏⵣ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵙⵖⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⴰⵙⵏⵜ ⴰⵣⵏⵓⵣⵉ. ⵉⵜⵜⴽⵜⵜⵓ ⵅⴼ ⵉⵙⵇⵍⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵔⵉⵔⵉⵡⵜ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵜⵣⵍⵖⴰ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵛⴰⵔⵉⴷⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵉⴽⵯⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵜⵉⵍⵉ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵛⵛⴰⵜⵏ. ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵔⴰ ⵅⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ . ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⵛⵛⴰⵕ, ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹⵏ ⴷ ⵜⵄⵛⵎⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ, ⵜⴰⴳⴷⴷⴰⵄⵜ, ⵜⴷⵍⴰ ⴰⵖⵙⵎⵉⵔ ⵏⵏⵙ. “ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⵛⵉⵟⴰⵏ ⵏⵏⵉⴹⵏ, ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵎⵙⴰⴳⵔⴷ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴰ ⵎⵡⴰ! ⵅⴰⵎⵎ, ⵉⵊⵊ ⵏ ⵎⵏⴰⴷⵎ ⴰⵎ ⵡⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵔ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ: ⵖⵓⵖⴰⵏ ⴷ ⴼⴰⵏ ⵖⵓⵖ ⴷ ⵙⵉⵙⴰⵏ. ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴷⵉ ⵎⴰⵕⵚ, ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⴷⵉ ⵎⴰⵢ, ⵡⵉⵙ ⴽⵕⴰⴹ, ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ, ⴷⵉ ⵏⵓⵡⴰⵏⴱⵉⵔ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴰⵖ ⵢⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⴳⴳⵯⴰⵙ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ, ‘ⵜⴰⵙⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉⵡⴰⵏ’ ⴰⵔ “ⵜⵉⵛⵜⵉ ⵏ ⵏⵛⵛⴰⴱ”[3] ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵙⴼⵙⵔ ⵏⴰⴱⵉⵢⵢⵉⵏ[4], ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵡⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵉⵙⵖⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⵖⵓⵖⴰⵏ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕⵏ ⴷⵉ ‘ⵜⴰⵢⵀⵉⵜⵉ’!”.

1 Ambroise VOLLARD
2 Rue Laffit
3 Coup de dès
4 Les nabis

ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵏⵄⵓⵍ, ⵢⴰⵟⵟⴰ ⴳ ⵡⴰⵏⴹⴰⵡ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ, ⵉⵜⵜⴼⵍⵍⴰ ⵙ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ. ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⴱⴱⴰⴱ ⵉⵙⵙⵏ. ⵡⴰⴳⴳⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⴰⵢⵏⵓⵏ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵍ ⴷ ⵜⵉⵖⵉⵙⵜ, ⵓⵔⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵄⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵉⵔⵎⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⴱⴷⴷ: ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ! ⵎⴰⵛⴰ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵉⵙⵙⴱⵔⴰⴷ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ: «ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵢⵢⵉⵇ ⵛⵉ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ...ⴷ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵢⵢⵉⵏ!. ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵉⵎⵣⵓⵖⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴷⵖⵔ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ, ⵜⵜⴳⴳ ⵜⴰⵎⴰⵏ ⵉ ⵜⵅⵙ “... ⵔⴰ ⴷ ⵜⵏⵄⴰⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵍⵍⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⴰ ⵢⵓⵛⵛⵏ!” ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⵙ ⵓⵡⴽⴽⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵎⴰⵍ ⵙ ⵉⵎⵍⵍⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵖⵎⵎⵣ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏ ⵡⴰⴹⵕ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⵖⴰⵔⵙ «ⵜⵙⵍⵍⴰ, ⵏⵛⵛ ⴰ ⴷⴰⴽ ⵡⵛⵖ ⵜⴰⵔⵡⵉⵃⵜ ⵏ ⴱⵓⵏⴰⵔ[1] (ⵍⵇⴰⵢⵍⵓⵍⴰ) ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵔⵡⵉⵃⵜ ⴰ ⵏⵉⵖ ⵜⵉⵏ ⵏ ⵔⵓⵏⵡⴰⵔⵃⴰⵛⴰ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵏ ⵖⵓⵖⴰⵏ (ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵡⴹⴹⴰⵕⵏⵜ

ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵔⵃⵉⴹ ⴰⵡⵔⴰⵖ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⵏ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵄⴱⴷⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵅⴼ ⴰⵜⵜⴰⴽ) ⵏ ⵖⵓⵖⴰⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰ. ⴰⴷ ⵉⴹⵀⵕ ⴰⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⴹⵢⴰⵚ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵙ ⵓⵏⴰⵣⵓⵕ ⴰ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕⵏ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ. ⵓⵀ, ⵔⴰ ⴷ ⵡⴰ ⵏ ⵜⵓⵍⵣ ⵍⵓⵜⵔⵉⴽ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ... ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵉⵖ ⵔⵓⵅⴰ, ⴰⴷ ⵅⵎⵎⴰⵎ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵜⵅⵙⵙⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⵙⵍⵍⴰ ⵖⴰⵔⵉ, ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ, ⵛⴽⴽ ⵉⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⵜ!. ⵓⴳⵓⵔⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵉⵛⴰⵏ, ⵓⵔ ⵄⴷⵓⵏ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⵏ ⵙⵉⵍⴼⵢⴰ. ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⴱⴷⴷⵏ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵙ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉⵙ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵏ ⴷⴼⴼⵉⵔ, ⵎⴰⵏⵉ ⵎⵔⵓⵙⵏⵜ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵏⴷⴷⵀ, “ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵙⴱⴷⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ, ⴰⴷ ⵏⴰⴼ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⴰ ⵓⴽⴰⵔⵏ ⵜⵏⵜ ⵉⵎⴽⴽⴰⵔⵏ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵏⵏ, ⵎⴰⵔⴰ ⵓⴼⴰⵏ ⵜⵏⵜ ⵍⴱⵓⵍⵉⵙ ⴷⵉ ⵜⵄⵛⵓⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵜ ⵏⵏⴽ, ⵜⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵜ! ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵏⵏⵙ?” ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⴰⵅⵢⵢⵇ ⵏⵏⵙ .«ⵉⵍⵉⵏⴰ, ⵉⵍⵉⵏⴰ, ⵏⵏⵉⵖ ⴰⴽ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴰⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵎ ⵜⵜ !». ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⴱⴰⵔ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⵙⴷⵃⴰ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⵢⴰⵙⵜ’!. ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵎⴰ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⴰⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵅⴼ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⴷ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⴷ ⵉⵙⵏⴽⴽⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵙⵎⵉⵏ ⴰ? ⵄⴰⵡⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ « ⵎⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⵛⵉ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴰⴼⵉ..., ⵣⵄⵎⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⵓⵎⵉ ⵖⴰⴱⵖ, ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ ⵓⵎⵉ ⵇⵙⵙⴰⵔⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ? ⵍⵍⴰ ⵜⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⴰ ⵜⴰⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵜⵉⵔⴰⵔ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴰⴽⵉⴷⵉ?». ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵙⵙⵓⵊⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵔⵇⴰⴼ ⴰⵙ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ

1 Bonnard

ⵉⵜⵜⵟⴼ ⵉⵜⵜ ⵓⵅⵢⵢⵇ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵊ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵍⵉⵙⵉⵢⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵓⵍⴳⴰ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵜⵣⵍⵉ ⴷ ⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵎ ⵙⵎⵃⴰ ⵢⵉ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵃⴹⴰⵔ ⵉ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⴹⵢⴰⵚ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ. «ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵎ ⴰ ⵔⴰⵍⵍⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵎⵙⵢⵓ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ ⵢⵓⴷⴼ ⴰⵎⵙⴳⵏⴼⵓ ⵙ ⵓⵎⴰⵕⵕⵉ, ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵀⵔⵛ ⵙ ⴱⵓⵃⵎⵔⵓⵏ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ, ⵉⴷⴷⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ». ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⵇⵉⵙ ⴰⴽⵛⵛⵓⴹ ⵏ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵙⵖⵓⵢ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵙ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ. “ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵓⴼⴰ ⴱⵓⵃⴰⵎⵔⵓⵏ ⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵓⵔ ⵉⵃⴹⵉ ⵛⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵥⵥⴰⵢⵙ, ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵄⵙⴽⵔⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵄⵏⴰⵏⵜ ⵜⵉⵙⴳⵏⴰⴼ, ⵡⴰⵀ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ !ⵏⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵓⵙⵉⴹⵢⴰⵚ!”

ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⴼⵔⵔⵣ ⴰⵍⵉⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵜⵄⵍⴰ ⴳⵉⵢⵓⵎ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⴷⴼ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴱⴷⴷⵍ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ. “ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵇⵇⴰⵄ ⴱⵍⵍⵉ ⵢⵓⴹⵊ”. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵀⵎⵕ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵜⵜⴰⴹⵊ, ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴱⵓⵃⵎⵔⵓⵏⴰ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵡⴰⵀⴰ! ⵃⵎⴰ ⴰⵥⵥⴰⵢⵙ ⵢⴰⴹⵊ. ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴷ ⴰⵏⴼⵔⵓⵃ, ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜ ⵉⵙⵙⵅⵙⵙⵏ, ⵉⵜⴷⵡⵡⵍ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⵛⵉ ⴰⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵜⵔⵉⴷ.

ⵓⵛⴰ ⵜⴱⴷⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵙⵎⵔ ⵎⴰⵎⵎⵛ. ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⴷ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⴰⴷⴷⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⵢⴰ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⵃⴷⴷ ⵣⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵖⴰ ⵊⵓⵔⵊ ⴱⵔⴰⴽ ⴷ ⴷⵓⵔⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⵓⴱ, ⵍⴱⴷⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵜⵅⵙⵏ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵎⵄⴰⵏⴰⴷⵏ ⵅ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵅⴼ ⵉⵣⵍⴰⵍ, ⵅⴼ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ, ⵅⴼ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵙⵖⵡⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵎⴰⴽⵙ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵢⴰⵜⵜⵔ ⴷ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵅⴼ ⵓⵎⴰⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵊⵉⵢⵓⵎ, ⵢⵓⵊⴰⵔ ⵉⵜ ⴷⵉ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴰⵎⵛ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ! ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵙⵙⵏ ⵡⴰⵍⵓ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵔⵙⵍⴰⵢⵜ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵎⵍⵉⵃ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵄⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵢⵉⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵓⴱⵓⵀⵍⵢⴰ ⵏⵏⵙ. ⵜⵏⵏⴰ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ, ⵊⵉⵔⵜⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉⵔⵉⵖ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵜ. ⴰⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ. ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵔⵅⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵔⵣⵎ ⵅⴰⴼⵙ ⵇⵇⴰⵄ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⴰⵏⴰⵢⵏⵏⵉ. ⵉⵎⵎⴰⵙ ⵜⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵜ, ⴱⴰⴱⴰⵙ ⴷ ⴰⵜⴰⵍⵢⴰⵏⵉ. (ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵀⵡⴰ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⵔ ⵔⵃⴷ ⵏⵏⵙ ..) ⵎⴰⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴷⴷⴰⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⵍⵉⵃ, ⵓⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ. ⵉⵟⵟⴼ ⵔⵙⴷⵓⴷ ⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⵅ ⵉⵎⵏⵖⵉ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ. ⵀⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵎⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴰ ⵎⵡⴰ, ⵙ ⵓⵇⴰⵛⵇⴰⵛ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵣⵉ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵉⴳⴳⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵔⵣⵣⵜ ⵙ ⵜⴰⵍⴱⵉⴳⵜ!

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵡⵊⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵙⵄⵄⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵄⵉⵙ ⵜⵔⵀⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵓⵊⴷ ⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⵣⵎⵏ ⵏ ⵜⵎⴰⵜⵛⴰ. ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵙ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ ⵍⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵢⵄ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵜⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵜⵏⵜ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ.«ⵢⵉⵏⴰ ⴷ ⵉⵏⴱⵖⵉⵡⵏ ⵍⵖ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ!» ⵜⵍⴰ ⴰⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵄⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵅⵎⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵄⵓⵔⵏⵙ, ⵉⵏⴱⴳⵉⵡⴰⵏ ⴷ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ ⴰⵎ ⵡⵉⵍⵉ. ⵉⵍⵓⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⴰⴽⴷ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵜⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵉⵏ ⵉⵣⴷⵖⵏ ⴷⵉⵍⵉ, ⴷ ⵜⵍⵉ ⵜⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵉⵏ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⵅⵛⵛⴰⵏ. ⵉⵎⵖⴰⵛⴰⵔ ⵙ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵍⵙ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⴷⴰⵜ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵍⵉ. ⵉⵍⵓⵎ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵎⵉⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵍ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵍ. ⵎⵉⵏ ⵉⵔⵎⵙ ⴷⴰⵢⵙ, ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵓⵔ ⵉⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⵉ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵍ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵍ. ⵜⴷⵡⵄ ⵖⴰⵔⵙ ⴷ ⵀⴰⴷⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵀⴰⵡⴰⴷ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵄ ⵏ ⵓⵏⴰⵥⵓⵕ ⵉ ⵓⵏⴰⵥⵓⵕ ⵍⴹⵏⵉ. ⵉⴷⵡⵄ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ, ⴷ ⵉⵎⵏⵖⴰⵏ ⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵍ ⵊⴰⵔ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ. ⴰⴷ ⵏⵉⵍⵉ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵄ ⵏ ⵜⵓⵍⵓⵖⵜ: ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵎⵎⴰⵄ ⴰⵏⵖ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵍⵙ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵛⵛⴰⵔ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵙ ⵙ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⵅⵎⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵓⵖⵏⵉ ⵢⵓⵢⵄ, ⵉⵎⵎⴰⵄ ⴰⵏⵖ ⵜⵉⴼⵔⴽⵜ ⵍⵙ ⴰⵏⵉⵄⵉ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵛⵛⴰⵔ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵙ ⴰⵏⵉⵄⵉ ⵏ ⵢⵉⵄⵄ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ!

ⵜⵙⵙⵉⵔⵃⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⴰⵎⵎⴰⴷ ⵉⵢⵓⵢⵄⵍ ⵅⴼ ⵙⵄⵄⵓⵎ ⵙ ⵜⴼⴹⵉⵙⵟ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ. ⵉⵀⵡ ⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⴷⵄ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ, ⵎⴰⵏⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵎⵎⴰⵄ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵙ ⴷ ⵏⵅⵓⵢⴰⵍ ⴰⵅⴷⴷⴰⵎ ⵍⵉ ⴰⴽⴰⵎⴱⵓⴷⵉ, ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵙ ⵚⵉⵏⵢⵢⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⴹⵔⵏ. «ⴰⵄⴽⴰⵙ ⵏⴽ ⴰ ⵎⵡⴰ, ⵙⵓ ⵜ ⴷⵉ ⵙⵃⵜ ⵏ ⵅⵓⵅⴰⵏ ⴷ ⵔⵓⵍⵡⴰⵔ!» ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵓⵀⵄⴰ ⴰⵄⴽⴰⵙ ⵍⵙ, ⴷⵉ ⵙⵃⵜ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵉⴼⵔⵃⵏ ⴷ ⵜⵎⵅⵔⵙⴰ ⵉⴼⵔⵃⵏ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⴼⵔⵃⵏ» ⵓⵛⴰ ⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜⵏ ⵅⴼ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵍⵉ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⴱⵜ ⵉⴳⴳⵉⵏ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵄ ⴰⵢ ⵔⵓⵅⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵛⴰ ⵙ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ, ⵉⵄⵎⴷ ⵜⴰⵣⵓⵄⵜⴰ. ⵉⴷⵡⵄ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵎⵙⴱⴹⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⴷⴰⵜ. ⵙ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ, ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵙⵄⵉ ⴷ ⵓⵄⵎⵎⵓⴷ ⵣⴳ ⵓⵙⵖⴷⵉ, ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵖⵓⵔⵉ. ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵄ ⵍⵙ, ⵙⵙⵏⵖ ⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵎⵉⵏ ⵣⵎⵎⵔⵖ, ⴰⵊⵊⵎ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵄⵄⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵍⵉ, ⵜⵀⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵓⵙⵅⵎⵉ ⵍⵙ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵎⴰⵔⴰ ⵍⵉⵖ: ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⵜ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ!».

ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵄⵉⵖ ⴰⵙ ⵔⵓⵅⴰ, ⵜⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵅⴼ ⵓⵙⴳⴳⵉⵡⵔ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙⵍⵊ ⵉ ⵙⵄⵄⵓⵎ. «ⵉⵜⵜⵖⵉⵄ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵙⵙⵏⵜⵉⴷ ⵜⴳⵏⴼⵉⴷ ⵣⴳ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ!»

8

ⴰⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

ⴰⵙⴹⵢⴰⵚ, ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵡⴰⵙⵙ ⵏ ⵓⵙⵉⵎⵡⴰⵚ, ⴷ ⴰⵎⵇⵏⵓⴷ.

ⵉⵄⴷⵓ ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ ⴷ ⵉⴼⵔⵉ ⵉⴹⵏⵏⴰⵟ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵛⴰⵏ. ⵍⴱⴷⴰ ⵅⵎⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⴷⵔ ⵔⵇⵏⴷ, ⴰⴷ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⴼ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵙⵏⵏⵊ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵉⵙⴱⴱⴰⵔ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴼ ⵓⵙⵏⵡⵉ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⵜⵎⵣⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⴷ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴱⴷⴷⵓ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵜⵣⵓⵕⵉ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓⵏⵓⴹ ⴷⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⵏⵓⴼⵔⵏ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵛⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵙ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⵉⵔⴰ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⴰⵙⵜⵓⵎ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙⵜⵓⵎ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵙⴽⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⴷ ⵕⵇⵏⴹⴰⵕⵜ ⵏⵏⵉ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵉⵖⵥⴰⵔ ⵏ ‘ⵙⵉⵏ’ ⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⴳⵏⴼⵓⴼⵏ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵖⵔⵎⴰ, ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵏ ⵓⵎⵣⵔⵓⵢ ⵙⵊⵊⵏ ⵉ ⵉⴳⴰⴷⵉⵔⵏ, ⵛⵉ ⵉⴱⴷⴷ ⵢⵓⵄⵍⴰ, ⵉⵎⵜⵏ, ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⴼⵔⵓⵔⵢⵏ ⵣⵉ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵓⴷⵎ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵖⵥⴰ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵅⵥⵥⴰⵔ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵉⵅⵥⵥⴰⵔ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵇⵏⴱⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⴼⵙⴰⵔ ⴷ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵉ ⵉⵇⴰⵕⵇⴰⵛⵏ. ⵉⵅⵥⵥⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵃⵓⵏⴰ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⵉⴷⵔⴰⵙⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵙⴽⵜⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⴽⴰ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⴷ ⵔⵙⵡⴰⵇ ⵏ ⵓⵣⵣⴳⵣⵓ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵣⵏⵓⵣⵏ ⵉⵙⵍⵎⴰⵏ ⴷ ⴰⴽⵔⵙⵓⵎ ⵏ ⵢⵉⵔⴼ ⵉⵛⵏⴼⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵙⴱⴱⴰⴱⵏ ⴷⵉ ⵔⴱⴰⵕⵉ. ⵎⵉⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⴽⴰⵕⵕⵓ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⴷⵀⵏ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⴷ ⵕⵓⵏⵓⴹⵜ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵛⵔⵉⵀ ⵛⵉ ⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵉⴽⴱⴰⵔⵜ ⵏ ⵢⵉⵍⵎ ⵉⵡⵜⵃⵏ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ. ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⴽⴰⵎⴰⵏⵊⴰ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔ ⴰⵍⴹⵓ. ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ

ⵜⴰⵎⵊⴰ ⵜⵊⵀⴷ ⴰⵎ ⵜⵍⵉ ⵏ ⵉⵎⵉⵥⵢⴰⵏ. ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⴰⴱⵔⴰ ⵜⴰⵥⴳⴳⵯⴰⵖⵜ ⴰⵎ ⵜⵍⵉ ⵏ ⵉⵥⵉⵏⴰ. ⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵓⵢⵉⵙ ⴷ ⴰⵎⵖⴷⵓⴷⴷⵓ, ⵉⵛⴽⵔⴰⴷ ⵍⵙ ⴷⴷⵇⵥⵏ ⵅⴼ ⵜⵣⴼⵜ, ⵜⵓⵥⴷⵉⵜ ⵙ ⵜⵊⴰⵕⴰⵕⵉⵏ ⵏ ⵖⵓⵎⵎⴰ. ⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴷ ⴰⵎⵏⴷⴰⵀ ⵉⵙⵄⴷⴷⵓ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵡⵡⵃ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ?

ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵎⴰⵛⴰ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴷ ⵡⵓⵥ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵍⵉ ⵣⵉ ⵔⵇⵙⴹⴰ ⴷ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⴷ ⵉⵄⵓⵔⵉⵛⵏ ⵏ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵏⴱⴰⵛⵏ ⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⴷ ⵉⵃⴼⴼⴰⴼⵏ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵜⵜⵍⵍⴹⵏ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵙⴹⵚⴰⵏ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵜⵜⵖⵍⵍⴰⵊⵏ ⵙ ‘ⵜⵔⵓⴱⴰⴷⵓⵔ’ ⴷ ⵢⵍⵉ ⵉⵜⵓⵜⵜⴰⵔⵏ ⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⴷ ⵉⵎⴰⴽⵔⵏ ⴷ ⵉⵙⵃⴰⵔⵏ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⴱⴹⴹⴰⵏ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵢⵍⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵏ ⵙ ⵡⵓⵥ ⵍⵙ, ⵙⵎⵓⵙⵙⵓⵏ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵙ.

ⵖⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵡⴰⵀⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ, ⴰⵇⴰ ⵜ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵡⵃⴷⵙ.

ⴷⵉ ⵔⵅⵔⴰⵡⴰⵜ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵎⵜⵔⴰⵖⵏ ⵙ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⴷ ⵜⵉⴷⵉ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵍⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵜ. ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃ ⵙⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵜⵉⵜ ⵏ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⴷⵎⵔⴰⵏ, ⵉⴷⵡⵥ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵓⵜⵉⵜ ⵍⴹⵏⵉ.

ⵜⵉⵡⴰⵛⵓⵏⵉⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ. ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⵜⵉⵄⴰⵔⵢⴰⵏⵉ, ⵙⵙⵎⴰⵥⵏⵜ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ. ⵛⵉ ⵏ ⵢⴰⵔⵢⴰⵣⵏ ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵏ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵍⵙⵏ, ⵙ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵙⵙⵓⵥⵙⵏ, ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵍⵙⵏ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⵥ, ⵛⵥⴰⵖⵎ ⵍⵙⵏ ⵎⵖⴰⵔⵏ, ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙⵏⵜ ⵜⵇⵇⵙ. ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵍⵙⵏ ⵉⴼⵥⵉ, ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵜⵄⵊⵊⴰⵛⵜ ⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⴷ ⵡⵓⵍⵓⴹ. ⴰⴳⴳⵓ ⵏ ⵜⵎⵙⵙⵉ ⵉⵜⵜⵓⵄⵥⴰ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⵍⴰ. ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ ⴳⴳⵓⵔⵏ ⴷ ⵜⴰⵔⴱⵉⵄⵜ, ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵎⵓⵍ ⵜⵟⵀⵕⵏ ⴰⵎ ⵉⵛⵓⴹⴰⴹ ⵏ ⵓⵄⴱⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵥⵡⴰⵏⴰⵜ. ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⵔⵓⴳⴰ ⵉⵍⵓⵎ, ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⴷⵀⵛ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵎⵙⵥⵙⴰⵇⵏⵜ ⵜⵉⵃⵣⵣⵓⴷⵉⵏ, ⵛⵉ ⴷ ⴰ ⵛⵉ ⴷⵉⵀⴰ. ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵜⴰⵃⵣⵣⵓⵜ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵉⵕⵉ ⵏ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏ ⵉⵅⵔⵡⴰⵊ ⵏ ⵜⵓⴳⴰ.. ⴰⴽⴷ ⵓⵣⴰⵡⵏ ⵏ ⵉⴱⴰⵇⵊⵉⵊⵏ ⴷ ⵓⵖⴰⵔⵖⴰⵔ ⵏ ⵉⵇⴰⵇⵔⵉⵡⵏ ⴷⴳ ⵉⵃⵓⴱⴰⴹ ⵍⵉ ⵏ ⵡⴰⵎⵏ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔⵙⵏ.

ⴰⵙⵉⴹⵢⴰⵚ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵄⵉⴷ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵙⵜⴰⵢⵏ. ⵜⵜⵅⵛⵛⴰⵏ ⴷ

ⵉⵏⵡⵊⵉⵡⵏ ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵎⴰⵏ ⵏ ⵔⵡⴰⴹ, ⵉⵔⵡⵉ ⵊⵊⵓ ⵍⵉ ⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⴱⴷⴰⵏ ⵏⵚⴹⵏ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵄⴰⵢⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵙⵢⴰⴼⵉⵏ ⵙ ⵊⵊⵓ ⵏ ⵜⵉⴷⵉ. ⵙ ⵓⵢⵍⵉ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⴷ ⵄⵃⴰⵙⴰⵙⵉⵢⴰ, ⵜⵜⵕⵕⵉⵎⵏ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⵓⵙⵓ ⵛⵉ ⵉⵏⵚⵚⴹ. ⴰⵔ ⵖⴰ ⵍⵓⵎⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴰⴽⴷ ⵊⵊⵓ ⵏ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⴰⵎⵛ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⴷⴳ ⵉⵙⴰⵔⴰⴱⵏ ⵉⵅⴷⵓⵏ. ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⴷ ⵉⵛⵜ. ⵡⴰ ⵉⵜⵜⵣⵓⵇ ⵡⴰ, ⴷ ⵓⴹⴰⵔⵔⵅ ⴷ ⵓⵙⵄⵄⵎ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏ ⵢⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⵏⵉⵖ ⵜⵡⴽⴽⴰⴷⵏ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵄⴰ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ. ⵄⴱⴷⴷⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵅⴰⴷⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵔⵢⴰⵣⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵍⵉⴹⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵍⴹⵏⵉ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵢⴰⵔⴳⴰⵣⵏ, ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⵉⴹⵏ ⵢⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴰⴷ ⵏⴳⵎⵎ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ ⴷ ⵜⵎⵙⵙⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ!

ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵄⵓⵏ, ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵔⴷ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵉⵛⵛ ⴰⴳⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵜⵙⵄⵄⴰⵎ. ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵄⵉⵙ ⵜⴷⴼⴼⴰⵔ ⵉⵜⵜ, ⴰⴳⵎⵉ ⵜⵙⵙⵉⵖⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵙ. ⵛⵉ ⵣⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⴹⵚⵚⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵓⵔ ⵙⵙⵍ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵏⴰ ⵡⴰ? ⵎⵉⵏ ⵜⵅⵏⴰ ⵜⴰ? ⵎⴰⵏⵉ ⵣⵇⵉⵖ ⴷⴰⵜ ⴰⴳⵏⴼⵓⴼ ⴰ? ⴰⵎⵍⵉ ⵉⵕⵕⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉⵍⵉ ⴷⴳ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⴳⵏⴼⵓⴼ. ⵅⵄⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵍⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵙⴰⵔⴰⴳ ⵉⵅⴷⵓⵏ ⴷ ⴳⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵉⵖ ⴳⵎⵉ ⵉⵜⵜⵇⴰⵃ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵙⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⴷⴳ ⵉⴳⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵇⵇⵓⴹ ⴷⵉ ⵕⵓⵔⴱⴰⵜⴰⵜ ⴷⵉ ⴼⵓⵄⴰⵔⴰⵜ ⴷⵉ ⵜⵃⴰⵔⴰⴼⵉⵏ ⴷⴳ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⴷⵉ ⵔⵎⵙⴰⴽⴰⵜ ⵏ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⴷⴳ ⵓⵎⵓⴹⵉ ⴷ ⵓⵎⵛⴰⴹ, ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵄⵏ, ⴷ ⵓⵎⵙⵖⵎⴰⵣ, ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⴱⴹⵉ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴷ ⵓⵏⵢⵔⴰⵡ ⵍⵙⵏ, ⴷⵉ ⵜⵔⴱⵉⵅⵉⵏ.

ⴰⵎ ⵡⵍⵉ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⴷⵉ ⴰⴷⵔⴰⵙ ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵜⴰⵡⵡⴹ ⵜⴰⵡⴰⵄ ⴰ, ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ ⵙ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⴷⴷⵕⵄⵏ, ⵙⵓⵔⵉⴼ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵙⵓⵔⵉⴼ. ⵉⵇⵣⵎ ⵉⵎⵣⵓⵖⵏ ⵍⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵟⵓⵏⵓⴹⵏ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⴰ ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴰ ⵉ ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵇⵇⵓⴹ ⴰ. ⵙⵙⵏ ⵜⵉⵙⵙⴰ ⵢⴰ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⵜⵓⵜⵜⵏ ⵜⵉⵎⵜⵛⴰ ⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵢⵓⴷⵏⵜ, ⵖⴰ ⴰⵄⵉⵙ ⵉ ⵉⵙⵍ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵉⵜⵜⵔⵉⵕⵕⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴳⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵙⵙⵓⵅⵄⴰⵏ ⵣⴳ ⵓⵙⵏⵡⵉ ⵍⵙ! “ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⵔⵓⴳⴰ, ⵏⵛⵛ ⵇⵣⵎⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵄⵓⵏ ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵏ ⵓⵙⵓⵏⵖ ⵍⵙ ⵓⴼⵉⵖ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵜⵉⴼⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵎⵎⵣⵣⵓⵖⵓⵔⵏⵜ ⵉⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴷⵉ ⵜⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ. ⴷⵉ ⵡⴰⵕⵓⴷ ⴰ ⵙ ⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⵄⵄⵙⵜ ⴱⴰⵇⵇⴰ. ⵜⵓⵖⴰ

ⵉⵣⴰⵢⴷ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏⵉⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵅⵏ ⴰⵣⵕⵉ ⴷ ⵓⵙⵏⴼⵍⵓⵍ ⴷ ⵜⵡⵏⵅⵉⵎⵜ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰⵢⵜ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵏⵜ ⴰ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰ ⴷ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⴰ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵅⵙⵙⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵇⴰⵢⵉ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵡⵇⵇⴰⵔⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵇⴰⵢⵉ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵛⵛ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⵙ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵍⵍⴰ?” (ⵉ ⵢⵓⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏⵏⵏⵙ).ⵏⵛⵛ ⵙⵙⴽⵜⵉⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵙⴰⵍⵓ ⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵄⴱⴱⴰⵛ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵄⴱⴱⵛⵏ ⵅⴼ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⴳⴰⵕⵕⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵙ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⴽⵎⵎⵍ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉⵛⵇⴰⵜ «ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ!» ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴰ ⴷ ⵜⵓⵛⴷⵇⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵣⵉ ⵢⵓⵛⴰ ⵡⵃⴷⵙ, ⵓⵔ ⵓⵔ ⵜⴰⵔⵡⵙ ⵓⵔⴰ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⵣⴰⵢⵏⵖ. ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵓⵙⵃⵇⴰⵔ ⵏⵉⵖ ⵙ ⵜⵓⵢⵏⵏ ⵏⵏⵖ... ⵡⴰⵀⴰ. ⵙ ⴷⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵍⵍⴰⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵃⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵡⴰⵀⴰ ⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵜⴰⵎⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ, ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵣⵉ ⴱⵓⵃⴰⵎⵔⵓⵏ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⴰⴷⵢⴰⵙ ⵉⵔⵙⵇ ⵙⵏⵏⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⵟⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵍⵖⴰ ⵉ ⵉⵣⵄⵎⵏ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⴰⴱⵓⵍⵓⵏⵉⵣ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⴷ ⵢⵏⵏⴹⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰⵢⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ. ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⵉⵎⵉⵍⴷⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵅⵡⴰⵏ ⵖⵔⵉ, ⴰⵏⴷⵔⵉ ⵖⵔⵉⵏ, ⴰ.ⴰ. ⴽⴰⵎⵉⵖ, ⵔⵓⴱⵢⵉⵔ ⴷⵓⵍⵓⵏⵉ, ⵎⴰⵔⵉⵢⴰ ⵍⵓⵔⴰⵏⵙⴰⵏ, ⵊⴰⵏ ⴽⵓⴽⵜⵓ, ⴱⵢⵉⵔ ⵔⵉⴼⵉⵔⴷⵉ, ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⵓⴱ, ⵛⵉⵔⵡⵓⴷ ⴰⵏⴷⵉⵔⵙⵏ, ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵙⴽⵓⵜ ⴼⵉⵜⵣⵊⵔⴰⵍⴷ, ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵡⴰⵃⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ. ⵜⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⵙ ⵣⵉⵍⴷⴰ ⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵏⴷⵀ ⵟⵉⵢⴰⵔ. ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵜⵢⵍⴰⵍⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵏⵢⴰ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵙⵉⵍⴼⵢⴰ ⴱⵉⵜⵛ ⵙ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴱⵔⴽⴰⵏ, ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ ⴷ ⵜⵉⵏⵣⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵣⵉⵔⴰⵔⵉⵏ ⴷ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵖⵣⴰⵏ ⴷ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵉⵏ. ⴼⵓⵔⴷ ⵎⴰⴷⵓⴽⵙ ⴼⵓⵔⴷ, ⵀⴰⵏⵔⵉ ⴱⵢⵉⵔ ⵔⵓⵛⵉ, ⴰⵏⴷⵔⵉ ⵙⴰⵍⵎⵓⵏ, ⵔⵓⵎⴰⵏ ⴱⵔⵓⴽⵙ, ⵊⵓⵏ ⴷⵓⵙ ⴱⴰⵙⵓⵙ, ⵙⵉⵙⵉⵍ ⴱⵉⵟⵓⵏ, ⵎⴰⵔⵙⵉⵍ ⴷⵓⵛⴰⵏ, ⵎⵉⵏⴰⵍⵡⴰ, ⴼⴰⵍⵔⵉ ⵍⴰⵔⴱⵓ, ⵎⴰⵏ ⵔⴰⵢ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵛⵛⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵅⴰⵍⵜ. ⵉⵢⵔⵉ ⵉⵎⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵙⵓⵏⵓⵖ ‘ⵍⴰⵢⴽⴰ’ ⵉⵅⵟⵟⴼⵏ. ⴷⵊⵓⵏⴰ ⴱⴰⵔⵏⵙ, ⵉⵔⵉⴽ ⵙⴰⵜⵉ, ⵏⴰⵜⴰⵍⵉ ⴽⵍⵉⴼⵓⵔⴷ, ⴱⴰⵔⵏⵉ, ⵊⵉⵍ ⵙⵓⴱⵔⴼⵢⵉⵍ, ⵔⵓⵏⵉ ⵍⴰⵍⵓ, ⵎⴰⴱⴰⵍ ⴷⵓⴷⵊ, ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⴷ ⵓⵄⵡⵡⴰⴷ ⴽⵓⵏⴷⵔⴰⴷ ⵎⵓⵔⵉⴽⴰⵏⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⵓⴱ, ⴱⵓⵍ ⵓⵊⵉⵏ ⵓⵍⵎⴰⵏ, ⴰⵎⵙⵙⵓⵏⵖ ⴰⵎⵔⵉⴽⴰⵏⵉ, ⵉ ⵉⵣⴷⵖⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⵡⵓⴷⵣ, ⵜⴰⵎⴰⵔⵉⵜ ⴷ ⵜⴰⵏⵖⵎⵉⵙⵜ, ⵀⴰⵏⵔⵉ ⴽⴰⵏⴼⴰⵢⵍⵔ, ⴽⵍⵓⴼⵉⵙ ⵙⴰⵖⵓ.

ⵢⵓⵙ ⴷ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵣⴰⵡⴰⵏ ⴼⵉⵔⵊⴰⵍ ⵟⵓⵎⵙⵓⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⵙ ⵓⵏⵇⵎ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⴷⵅ ⵓⵖⵎⵉⵙ ⵏ «ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⵀⵉⵔⴰⵍⴷ ⵜⵔⵉⴱⵢⵓⵏ» ⴷ ⴰⵏⵎⵅⴰⵍ ⵏ ⵜⴰⵢⵎⵉⵣ ⴽⴰⵔⵍ

ⴼⴰⵏ ⴼⵉⵅⵜⵏ. ⵢⵓⵙ ⴷ ⵔⴰ ⴷ ⵙⵉⵔⵊ ⵊⴰⵙⵜⴰⵔⴱⵣⵓⴼ, ⵡⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵔⴰⵖⴰⵏ «ⵙⵉⵔⵊ ⴼⵉⵔⴰ». ⴱⴰⴱ ⵏ ⴰⵖⵎⵉⵙ « ⵍⵉⵙⵡⴰⵖⵉ ⴷⵓ ⴱⴰⵔⵉⵣ» ⴷ ⵓⵍⵜⵎⴰⵙ ⵉⵏⵏⵡⵊⵡ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ‘ⴰⴽⴰⵟⴰⵍⴰⵏⵉ’, ⵔⴰⵎⵓⵏ ⴱⵉⵛⵓ ⴷ ⵊⵉⵔⵎⵉⵏ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⵟⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵉⴼⴰⵔⵔⵃ ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵉⵛⵛⵓ. ⵉⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵓⵍⵜⵎⴰⵙ, ⴰⵏⵜⵡⴰⵏⵉⵜ ⵟⵓⵔⵏⵓⵔⵓⴷ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖⵏ, ⵔⵓⴷⵓⵍⴼ ⵟⵓⵔⵏⵓⵔⵓⴷ, ⴰⵏⵟⴰⵡⵉⵜ ⵟⵓⵔⵏⵓⵔⵓⴷ. ⵢⵓⵙ ⴷ ⵔⴰ ⴷ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵕⴰⵃ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵡⴹ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵉⵄⵟⵟⴰ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ, ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵜⴹⵀⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵛⵏⴰ ⵙ ⵜⵔⵙⴰⵡⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵖⴷⵓⴷⴷⵉⵜ, ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵙ ⵍⵓⵏ ⵏⵏⵉ, ⵜⴼⴰⵃ ⵙ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ.ⵜⴳⴳ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵉ ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ. ⵜⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⴰ, ⵜⴹⵚⵚⴰ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ ⴷⵉ ⵜⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴱⵔⴱⴰⵛⵜ, ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵜⵓⵇⵇⴰⵔⵛⵜ ⴷ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⵏ ⵜⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⵛⵏⵉⵏⵜ. ⵜⵜⵓⵏⵓⴹ ⵅⴼ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ, ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵙⵏⵜ ⵛⵛⴰⵏ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵏⵏⵓⵎ ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵖⴰⵔ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵜⵜⴰⵎⴰⵔ ⵉⵜⵏ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵛⵛⴰⵜ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵖⵔⵓⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵉⵖ ⵜⴰⵃⵃⴰⴱ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵛⵛⴰⵜ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ. ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵖⴰⵔⵙ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⴽⵜⴰ, ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵓⵏⵓⴹⵏ ⵉ ⵀⴰⵏⵔⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⵓⵔ ⴷ ⵢⵓⵙⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⴱⴹⴰ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ. ⵉⵔⴰ ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ, ⵉⵀⵎⵜ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵡⴰⴷⴷⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵇⵓⴷⴷⴰ, ⴷ ⵓⵄⵛⵎⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⴰⴱⵏ, ⵉⵃⴼ ⵉⵜ ⵉⵙⵙⵎⵇⵓⴷⴷⴰ ⵜ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵙ ⵓⴹⴰⴹ ⵏ ⵛⵛⵉⵀⴷ ⵜⵉⵙⵎⵇⵇⴰⵍⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ ⴰⵇⵏⵓⵏⵏⴰⵢ. ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ, ⵉⵙⵖⴰ ⵜⵏⵜ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵍ ⵙⵜⴰⵢⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ‘ⴰⴱⵓⴹⵉ’, ⵉⵜⵜⵉⵇ ⴷⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵜⴰⵎⵏ, ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⵙⵇⵙⴰⵏ ⵜ. ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵉ ⵛⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⴰⵅⵎⵉ «ⴷⴷⵇⵍⵏ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙ». ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴼⴰⵊⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ, ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵜⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵎⵉⴽⴰⵢⵉⵍ ⵡⵉⵍⵢⵓ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵙⵡⴰⴱ ⵡⴰⵀⴰ. ⵉⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴹⵀⵕ ⵓⵔ ⵜⵙⴷⵃⵉ ⵛⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵏⵖ ⵅⴼ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵎⵓⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵉⴹⵀⵕ ⴱⵍⵍⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⴷ ⵙⵎⴹⵏ ⵊⴰⵔ ⵉⵏⵥⵓⵕⵏ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵇⵏ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵡⵃⴷⵙ! ⵅⵎⵉ

ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵉⵜ ⵉⵛⵛⴰⵜ ⴷⵉ ⵍⴽⴰⵎⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ: ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵍⴱⴷⴰ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ. ⵍⴱⴷⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵅⴼ ⵜⵙⵇⴷⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ.ⵜⵜⴹⵀⵕ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⴰ ⵏ ⵉⵣⵣⵍⵎⴰⴹ ⵏ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⵢⵜ ⵉⵃⴰⵣ ⵉ ⵜⵜ ⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵃⴷⵙ, ⵢⵓⴼⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵏⵣⵓⵔ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵄⵄⵔⴰⵏ ⵔⵎⵉⵣⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⵙ. ⵉⵙⵙⵄⵙⴰ ⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ «ⵅⴰⵎⵉⴷⵓ» ⵉⴳⴳⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⵓⵀ ⵇⴰⴷ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ? ⵄⴰ ⵉⵙⵖⴰ ⵜⵜ ⵅⴰⴼⵉ ‘ⴰⵕⵓⵙⵉ’: ⵙⵉⵔⴳⵉ ⵉⴼⴰ ⵏⵓⴼⵉⵜⵛ ⵛⵉⵏⵛⵓⴽⵉⵏ». ⵓⵛⴰ ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉ ⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵇⴰⴷ ⵉⵙⵙⴽⵜⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵍⵉⵃ.. ⵇⴰⴷ ⵉⵙⵙⴽⵜⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵅⴼ ‘ⵃⴰⵎⵉⴷⵓ’ ⵙ ⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⴰ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⵎⴰⵜⵉⵙ?:

— ⵡⴰⵀ ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵙⵙⴽⵜⵉⵖ.ⵎⴰⵎⴰⵛ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵜⵓⵖ?ⵉⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵓⵔ ⵢⴰⵔⵡⴰⵙ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⴷⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵄⵜⴰⵇ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⴰⵜⵉⵙ: ⵓⵔ ⵜ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵢⴰⵔⵡⴰⵙ ⴷⴰⵢⵙ. ⴳⴳⵉⵖ ⵜ ⵢⴰⵔⵡⴰⵙ ⴷⴰⵢⵉ! ⵓⵛⴰ ⵉⵄⵄⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵙⴼⵔⴰⵣ ⴰⵙ: ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴰ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⴷ ⴰⵢⵉ, ⴱⵍⵍⵉ ‘ⵅⴰⵎⵉⴷⵓ’ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⴽ, ⵉⵜⵜⵓⵎⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ. ⴰⵎⵅⵉⴱ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⵏⵓⵎⵏ ⵖⴰ ⴰⴽⴷ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⴷ ⵡⴰⴹⴰⵕ, ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵇⵍⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵄⵄⴰⵇ ⴷⴳ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⴷⵖⵢⴰ ⵉⴽⴽⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⴰⵣⵣⴰⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵄⴱⵔⵏ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵄⴷⴷⴰⵔⵏ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ? ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴰⵜⵉⵙ: ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵛⵛⴽ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵍⵎⴷⵉⴷ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵙ ⵎⴰⵎⵎⴰⵛ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵙⵙ ⵛⵛⴽ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⵏ ⵜⵣⵓⵕⵉ, ⵏⵜⵜⵅⵙ ⴰⴷ ⵏⵙⵎⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵜⵣⵓⵕⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵜⵉⴷⵜ ⵉ ⵉⵔⴰ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ‘ⵃⵎⵉⴷⵓ’, ⵎⴰⵏⴰ ⵢⵏⵏⵉ ⴷ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⵏ ⵜⵣⵓⵕⵉ..

— ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵍⵎⴷ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴼⴰⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙ ⵔⵃⵏⵓⵏⵛⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ: ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⴱⴷⵍⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⴽ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏⵜ ⵛⵉ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵏⵜ ⴰⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵖ ⵙⵎⴰⵍⵏⵜ ⴰⵏⵖ ⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵏⵇⴷⵍ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ. ⵉⴱⴷⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵉⵄⴱⴰⵔⵏ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ, ⵉⵅⵎⵎⴰⵎ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵢⴰⵔⵉ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵙⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵉⵄⵄⵉⵎ ⵉⵜⵜⵇⴰⵡⴰⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵉ

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: «ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵔⵍⵎⴰⴷ ⵉⵎⵖⴰⵔ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴰ ⵎⵡⴰ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴰⵎⵢⵓⵔⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⵔⴰⵡⵙⴰⵏ, ⴷⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵏⵉⵖ?». ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵡⵊⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵡⴰⵀ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵡⴰⵀⴰ. ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵓⵅⴰⵢⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵣⵉ ⴰⴷ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵎⵉⵏ ⴷ ⴰⴽⵉ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵀⴰⵏⵔⵉ. ⵏⵛⵛ ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵔⵎⵙⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵔⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ.«ⵇⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵎⵛⴹⵏ ⴰⵅⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎⵛ ⵜⵏⵀⵣⴰⵏ ⵉⵜⵔⴰⵏ!». ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ? ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵄⴰⵡⴷ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵄⴰⵡⴷ.

— ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵓⵍⵙⵏ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⴷⵜ ⴷ ⵓⵅⴰⵢⵔ. ⵊⴰⵔ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷ ⵙⵉⵣⴰⵏ, ⵎⵉⵏ ⵓⵢⵍⵏ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⵓⵟ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ ⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⵉ ⵅⴼ ⵉⵅⴷⵎ ⴰⵏⴰⵣⵓⵕ ⴰ ⵏⵉⵖ ⵡⵉⵏ. “ⵙⵓⵢⴰ ‘ⵃⵎⵉⴷⵓ’ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ... ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ!!!” ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵍⵀⵉⵔⵓⵅⵍⵉⴼⵉⵢⵢⴰⵢ ⴰ? ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰⵏ? ⵓⵔ ⴰⵙ ⵖⴰ ⵉⵙⵙⵎⴰⵍⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵣⵕⵉⵏ, ⵜⵙⵙⵏ ⵉⵜ, ⵉⵙⵎⵓⵙⵙⵓ ⵜⵏⵜ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵓⵜⵉ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ. ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ?

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵏⵅⵔⴰⵄ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵜⵜⴷⵀⴰⵛ, ⵜⵅⵙ ⵉⵜ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ, ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴰⴼ ⵔⵃⵓⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⴷⵀ ⵖⴰⵔ ‘ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ’ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵓⵛⴰ ⵜⵙⴱⴷⴷⴰ ⵜ ⵇⵉⴱⴰⵔ ⵉ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⴹⵀⵕ ⵙ ⵓⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⵜⵎⴳⴳⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴷⴰ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵉⵔⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵍⵎⴷⴰⴷ. ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵍⴱⴷⴰ. ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵅⵊⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵜⵡⵡⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⴰⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵣⵉ ⵙⵏⵏⵊ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵜⵟⵟⴰⵡ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵡⵏ. ⴰⴷ ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵇⴰⵔ, ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵢⵓⴼⵉⵏ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴷⵖⵔ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵏⵉ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵀⵎⵜⵏ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵃⵍ.

ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵓⵛⵄⵓⵍ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⴰⵔⵊⵉⵊⵉⵏ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵃⵟⵟⵓ ⴷ ⵜⵉⵖⵉⵜ. ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵔⴰⵣⵎⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵍⴱⴷⴰ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⴼⴰⵣ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵎⴰⵍⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⵉⵕⵣⵎⵏ ⵣⵣⵉⴼ ⵏⵏⵉ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵏⵏⵓⴼⴼⵔ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ, ⵏⵉⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵄⴰⵔⵔⴰ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⴷⴰⵔⵏ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ

ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵃⵎⴰⵏ, ⵉⵙⴼⴰⴼⴰ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵓⴳⴷⵉⵔⵜ, ⵉⴳⴳⵉⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵟⵟⵚ, ⵉⵊⵊⵉⵡⵏⵏ ⵙ ⵓⵏⵎⵓⴳⴳⴰⵔ ⵏ ⵉⴽⵯⵍⴰⵏ, ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⵜⴰⵛⵓⵏⵉ!.

ⵀⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵜⵏⴷⴷⵀ ⵉⵏⵡⵊⵉⵡⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴱⴷⴷⵏ ⴰⴱⴷⴷⵉ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵙⵍⵍⴰⵏ ⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙⵏⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⴰⵔⵓⵜ. ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵉ ⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵊⵊⴰ ⵜ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ, ⵎⴰⵏⵉ ⵉⴱⴷⴷ, ⵜⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⵜⴰⵄⵔⵓⵟ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⴼⵔⵓ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵟⵟⴰⵡⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⴰⵏⵛⵓⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵔⵓⵙ ⵅⴼ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⵡⵟⵟⴰⵏ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ.

ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵍⵎⴷ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ, ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⴷ ⵓⵙⴳⵓⵏⴼⵓ ⵏ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵄⴰⴷ ⵉⵃⴱⴱⵙ! ⵎⴰⴽⵙ ⵊⴰⴽⵓⴱ ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ, ⴰⵄⵡⵡⴰⴷ ⴽⵓⵏⵔⴰⴷ ⵎⵓⵔⵉⴽⴰⵏⴷ. ⵓⵏⵓⴹⵏ ⴰⵙⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ, ⵅⵙⵙⵏⵜ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ, ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵍⴱⵓⵔⵊ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵀⵉⵏⵔⵉ ⴱⵉⵔ ⵔⵓⵛⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵍⵢⵓ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵓⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⴰⵙⴼⵙⵔ ⵏ ⴽⵍⵓⴼⵉⵙ ⵙⴰⵖⵓ. ⴰⵎⵚⴹⵃⴰⵛ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵙⵉⵔⴽⵓ, ⵔⵓⵅⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵙⴱⴱⴰⴱ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⴰ ⵉⵙⵖⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ «ⵏⵀⵔ ⵏ ⵓⴱⵀⵍⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵖⵓⵙ» ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵉⵊⵊⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵔ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵙⵎⵙⴰⴳⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵓⵛⴰ ⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ.

ⵕⵓⵛⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⴱⴷⴷ ⵙ ⵔⵇⴷ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ. ⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⵙⵇⵙⴰⵏⵜ, ⵏⵜⵏⵜⵉ ⵓⵔ ⴰⵔⵛⵎⴰⵏⵜ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⵔⵎⵛⵏⵜ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵉⵃⴷⵇⵏ. “ⴰⵏⵡⵡⴰⵛ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵙⵙⵏ, ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ”. ⵉ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵍⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⴷⴼⴼⵔ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵏ ⵜⵡⵛⵓⵏⵜ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵣⴳ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵅⴼ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ

ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵅⴼ ⵉⵏⵥⵓⵕⵏ ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⵜⴰⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵏⵉ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵔⴰ ⵅⴼ “ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵡⵉⵏ ⵛⴰ” ⵏ ⵉⵏⵥⵓⵕⵏ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ. “ⵎⴰ ⵜⵅⵎⵎⴷ ⵊⵉⵔⵜⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴷⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⵉ ⵜⵇⵛⵛⴰⵔⵜ ⵏ ⴼⵓⵍⴰⵔ? ⵙⵉⵣⴰⵏ ⵢⴰⵛⵎ «ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵉⵜⵜⴰⵔⵊⴰ» ⴱⵓⵏⴰⵔ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵛⵉⵛⵜ ⵏⵏⵙ», ⵔⵓⵏⵡⴰⵔ ⵉⴳⴳⴰ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ «ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵉⵜⵜⵎⵅⵓⵎⴱⵓⵔ ⴰⴽⴷ ⵉⵢⵏⴷⵓⵥⵏ» ⵔⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵢⵓⴼⴰ ⴼⵓⵍⴰⵔ ⵙ ...ⵢⴰ ⵔⴰⵄⵊⴰⴱ! ⵎⴰ ⵡⴰ ⴷ ⵜⴰⵥⵓⵕⵉ? ⵎⴰ ⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⵣⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ?”. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵓⵔ ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵜⵙⵇⴰⵔ, ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵜⴰⵖⵏⵏⴰⵏⵜ ⵏ ⵔⵓⵛⵉ. ⵓⵔ ⴰⵔⵏⵉ ⵛⵉ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵔⴰ ⴷ ⵛⴽⴽ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ ⴰⵎⵣⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵙ ⵓⵅⵢⵢⵇ ⴰ ⵉ ⴷⴰⴽ ⵉⵜⵜⵅⵏⵏⵉⵇⵏ ⵣⵉ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ...». ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵇⴰⵜⴰⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ: “ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴰⵔ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⴱⴰⵖⵓⵙ ⴰ ⴰⵎⵣⵉⵡ, ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵙⵜⴰⵍ ⵏ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵏⵥⵓⵕⵏ!”.

ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵇⴰⵢⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ. ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵄⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵄⵏ. ⵉⵏⵥⵓⵕⵏ, ⵉⵏⵛⵛⴰⴷⵏ, ⵉⵏⵖⵎⴰⵙ, ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⴼⵉⴼⵖⵜ, ⵉⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⵏ, ⵢⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏ ⵜⵏⵄⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ. ⵉⵙⴷⵔⴰⵙ ⴷ ⵔⵡⴰⵖⵓⵛ, ⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵏ ⴷ ⵉⵎⵣⵢⴰⵏⵏ.ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ ⴷ ⵉⵖⵛⴰⵛⵏ. ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵙⴳⴷⴰⵍ ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ, ⵜⵏⵢⵔⴰⵡⵏ, ⵓⵛⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰⵏ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⴰ ⵉⵏⵀⵣ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⴰ ⵉ ⵉⵍⵙⴰⵡⵏ ⴷ ⵓⵡⵛⵡⵛ ⴷ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵜⵎⵇⴰⵜⴰⵄⵏⵜ. ⴷ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⵎⵢⴰⵡⴰⴹⵏⵜ ⵜⵜⴳⴳⵏⵜ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵙⵙⵎⴰⵍⵏ, ⵔⵎⵄⴰⵏⵉ, ⴰⵎⵙⵖⵎⵣ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵕⵥⵎ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵖⵓⵢⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵅⵣⵣⵔ.

– ... ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵢⵓⵙ ⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ...

– ... ⵉⵎⵚⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⴹⵀⵕⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⴼⴰⵖⵏ...

– ... ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵅⴷⴷⴰⵎ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵡⴰⵀⴰ...

– ... ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⵇⵓⵏⵏⴰⵔⵉⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵜⴰⵎⴽⴽⵓⵥⵜ...

– ... ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵥⵕⵉⵖ ⵜⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵢⴰⵏ ...

– ... ⵅⵣⵔ, ⵅⵣⵔ, ⵎⵛⵃⴰⵍ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵉⵅⴱⴱⵉⵛⵏ...

– ... ⴷ ⵔⴱⵓⵜⵉⵢⴰⵜ, ⵢⵓⵙ ⴷ ⴰⴷ ⵉⴳⵔⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵙ ⴰⴹⵔⵏ...

– … ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⴷ ⵉⵎⵅⵙⵉ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⴰⵏⵏⵓⴼⵔⴰ…

– … ⵓⵀ, ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ.. ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ…

– … ⵍⵍⴰ, ⵏⵛⵛ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵅⴼ «ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⴽⵙⵙⵉⵏ ⴰⴱⵇⵔⵉⵛ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ» ⵍⵉⴼⵉⵔⵎⵉⵔ…

– … ⴼⵙⵜⴰ, ⵛⵉ ⵏ ⴷⴰⴱ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ …

– … ⵅⵣⵔ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵙ ⵡⴰⵀⴰ…

– … ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⵜⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵔ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⴰⵜ, ⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⵙⴰⵍⵓⵏ ⵓⵙⴼⵙⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ…

– ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⴷ ⵎⵓⵏⵉⵀ. ⵙⵄⴷⵓⵏ ⵅⴼ ⵍⵃⴰⵔⴰⴽⴰ ⵉ ⵣⵉ ⵏⵄⵔⵎ ⴰⵢⵍⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵜ ⵉⵡⵉ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ. ⵎⵉⵏ ⵏⵜⵜⵅⵅ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⵏⴰⵣⵓⵕⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ? ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵅⵅ ⵖⴰⵏⴰ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵏⵙⵙⵍⵎⴰⴷ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵙⴼⴰⵣ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵅⵎⵉⵎ ⴷⵅ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵖ ⴽⵜⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴷⵡⵍ ⴷ ⵜⴰⴹⴰⴼⵜ ⵏ ⵃⵟⵟⵓ! ⵛⴽⴽ ⵍⴱⴷ ⵜⵙⵇⵙⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵊⴰⵡⴱⵖ. ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⴷⴼⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵓⵔⴰ ⴷⵅ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ. ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵜⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵔⵎⵙⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴷⵓⵎⴰⵎ ⵏ ⵉⵖⵔⵉⵇ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵉⵕⵣⵣⴰ. ⴱⵍⴰ ⴰⴹⴰⵕ, ⴱⵍⴰ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ, ⴱⵍⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ. ⵓⵔ ⵔⵎⵙⵖ ⵛⵉ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⵎⵓⵏ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴷ ⵉⴹⴰⵕⵏ. ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⵎⵣⵢⵖ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⵜⵚⴱⵃ ⵉⵔⴰ ⵙⵏⵏⵊ ⵜⴹⵀⵕ!.

ⵜⵓⵖⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵀⴰⵏⵔⵉ ⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ, ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ, ⵉⵇⴼⵔ ⴰⵔⵚⵎⵉⴹ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ, ⵉⵏⵏⴹ ⴰⵕⵣⵣⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵎⵍⵉⵃ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵙⴰⴼⴰⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵍⵎⴰⴹ ⵡⵏⵏⵉ ⴰⴼⵓⵙⵉ ⵉⵟⵟⴼ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵄⴽⴽⴰⵣ ⵏ ⵓⴱⵓⵏⵓⵙ, ⵓⵎⵉ ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⴰ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵟⵟⵉⵇⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⵖⴰⵔⵏ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ. ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴰ ⵜⵎⵓⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵎⵚⴱⴹⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵅⵙ ⵜⵛⴰⵔⵀ ⴷⵅ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ. ⵉⵃⵔⵎ

ⵎⵉⵏ ⴷ ⵉⵀⵓⵀⵏ ⵣⵉ ⵜⵙⴽⵇⵓⵜ ⵍⵙ ⴰ ⵎⵎⵉ!”. ⴱⵀⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵙⵖⵀⵉ ⵉⴽⵓⴼⴼⴰⵏ ⵍⵙ, ⵉⵙⵙⵏⵟⵣ ⵉⵀⵙ ⵍⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵀⴰⵢⵜ. ⵡⵍⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵏ, ⵀⴱⴷⴰ ⴰⵕⴰ ⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴷⴷⵔⵖⵀ, ... ⴷ ⴰⵣⵉⵣⵓⵏ ⵣⵉ ⵡⴰⵎⵉ ⴷ ⵉⵀⵓⵀ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⵄⴰⵡⴰⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴰⴳⴳⵯⵊ:« ⵙⵙⵉⵜⵎⵖ ⵓⵔ ⵜⵛⵛⴰⵔⴷ ⵛⵉ ⴰⵣⵀⵀⵉⴼ ⵍⴽ ⵙ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵕⵏ, ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵡⴹⴹⵓ ⵏ ⵔⵃⵏⵓⵏⵛⵜ ⴷ ⵓⴹⴰⵇⵇⵄ.. ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴽ ⵜⵙⵎⵃ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵎⵉⵀⵎⵉ ⵎⵎⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵀⵀⴰ ⵣⵉ ⵛⵉ ⵉⵔⴰⵣⵎ ⵉⵜⵜ!».

ⵉⵇⴰⵃ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⴳⵢⴰⵔ ⵍⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳⵯⵊ ⵅⴼ ⵇⵃⵉⴹ ⵍⵉ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵥⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ‘ⵀⵓⴽⵙⴰⵎⴱⵓⵔⵖ’. ⵓⵛⴰ ⵜⵉⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⵍⵉ ⵜⵉⵃⵥⵥⵓⴹⵉⵏ, ⵜⵜⵡⴹⵟⴰⵇⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵓⴼⴼⵏⵜ ⵙ ⵓⵏⵥⴰⵇ ⴰⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⵅ ⵉⵖⵓⵙⵓⵜⵏ ⵍⵙ. ⵉⴷⵡⵀⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵡⴹⴹⴰⵇ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵍⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⵖⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ. ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵍⵙ ⴷⴷⵕⵀⵏ, ⵉⵄⴷⵓ ⴷ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵍⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵏ ⵉⵥⵇⴰ ⵉⵢⵙⴰⵏ. « ... ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵕⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵍⴰ ⵟⴰⵏⵔⵉ, ⵉⵛⵕⴰⵢⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵔⵎⵙⵖ ⵏⵛⵛ ⵥⵥⴰⵢⵙ!». ⵉⵜⵜⵖⵉⵀ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⵍⴼⵙ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ. ⵎⵉⵀⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵢⵓⴷⵙ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵍⵉ ⵉⵜⵜⵙⵀⴰ ⴰⵡⵅⵅⴹ ⵍⵙ ⵉ ⵉⵛⴰⵟ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵉⵜⵎ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵎⵀⵉⵃ ⵣⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵍⵙ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵙ ⵜⵎⵙⵙⵉ ⵉⵜ ⵉⴹⴼⵏ.

ⵙⵉⵏ ⵍⵉ ⵏ ⵜⵡⵡⵓⵔⴰ ⵍⵉ ⵀⵀⴰⵏⵜ ⵄⴰⴷ ⵇⵥⵎⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵙⴰⵀⵓⵏ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵉⵔⵉⵡⵏ ⵓⵅⵓⵔⵏ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵕⵕⵉⵎⵏ ⴽⵇⴰⴹ ⵏ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵍⵉ ⵥⵥⵓⵖⵓⵔⵏ ⵎⵉⵙⵙⴰⵜ, ⵄⴷⵀⵏ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ. ⵜⴹⵟⵇ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⴰⵀⵓⵏ ⴷ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⵀⴰⵢ ⵉⵎⵖⴰⵔ. ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵜⵉⵎⵊⵎⴰⵔⵜ ⵜⵙⵙⵉⵃⵎⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵓⵔ ⵀⵀⵉ ⵃⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵡⴰⵟⴰ. ⵉⵏⴹⵕⴷ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵉ ⴰⵀⵉⵙ ⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵍⴹⵏⵉ ⵅⴼ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵍⵉ ⵉⵅⵅⵉⵏ. “ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵖⵓⴷⴰ, ⵜⵎⴰⵜⵛⴰ ⴷ ⵜⵉⵥⵉⵜ ⴷ ⵜⵙⵙⵉⵜ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵜⵜⵕⵔⵉⵕⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵎⵓⵅⵅⴰⵔ ⴰ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵙ ⴷⴷⴰⴱ ⴰ”. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: “ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ ⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵍⵖ ⵜⴰⴽⵔⵉⵎⵜ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵅⵅⵉⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ!”.

“ⴳⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⴼⴼⵖⵖ ⴰⴷ ⵓⵏⵓⴹⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ...” ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵍⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵡⵅⵅⴰⴹ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵔⵓⵛⵉ, ⵉⵥⵇⴰ ⵜⵜ ⵉⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵅⵓⵔ ⴷ ⵣⵅ ⵓⵏⵎⵉⵔ, ⵛⴽⴽ ⴷⴰ? “ⵜⵜⵡⴰⴹⵟⴰⵇⴷ ⴰⵢⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵡⵉⴷ ⴰⴹⴹⴰⵚ!” ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ: “ⵏⵜⵜⴰ, ⵀⴱⴷⴰ ⴰⵎⵎⵓ ⴰⵎ ⵔⴱⵓⵜⵉⵢⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⴼⵙⵙⴷ ⵛⵉ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵖⵉⵎ ⵉⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⴼⴼⵖ ⵛⵉ, ⵉⵍⴰ ⴰⵙ: «ⴱⴰⵇⵇⴰ, ⵢⵓⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ! ⵉⵚⵎⴹ ⵓⵙⵅⵏⵓ

ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ. ⵟⵟⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⴷⵉ ⵔⴳⴰⵔⴰⵊ, ⴳⴰⵔⴰⵊ ⵉⵇⵇⵏ, ⵔⵓⵅⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵙⵙⵏⴷ». ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵄⴷⵓⵖ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵡⵇⵜ ⴰ, ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵏⵉⵖ ⴱⴷⴷⵖ. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵛⵉ ⵉⴹⵚ. ⵙ ⵓⵢⴰ ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⴹⵕⵇⵖ ⵛⵡⵢⴰⵜ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵉⵏⵓ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴷ ⵔⵓⵛⵉ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵖⴰⵔ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⴰⴷ ⴽⴰⵎⵍⵏ ⵅⴼ ⵓⵇⵙⵙⴰⵕ ⵏⵏⵙⵏ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰⵔⵏ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵍⴽⴰⵙ ⵉⴼⵙⵓⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵔⵢⵢⵃ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⴼⴰ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙ ⴽⴽⵓⵣ ⵉⴷⵙⵏ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵔⵓⵛⵉ.

ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⴳ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵏⵏⵙ, ⵉⵙⵇⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵇⵇⴰⵄ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴷⴼ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⴱⴰⴳⵜⴰⵜⴰ, ⵉⵔⴰⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵜⴰⵣⵣⵍ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⴷ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵙⵍⵉⵜ ⵜⴼⴰⵃ, ⵜⵡⵛ ⴰⵙ ⴷ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴹⴰⵕⵕⵄ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⵜⴷⵔⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵛⴰ ⴰⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⴰⵣⵣⵍ ⵖⴰⵔⵙ!. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵅⴼ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, «ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴳⵎⵎⵓⵎ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵅⵙⵉ ⴷ ⵓⵃⵓⵢⵣ!» ⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⴹⵀⵕ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵜⵜⵙⵃⴰⴼⵏ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵚⵎⵎⴰⴹⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵉⵔⵜ ⵏⵏⵉ. ⵉⵖⵔⴱⵉⵜ ⵔⵓⵛⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵃⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵔⵀⴰ, ⵜⵙⵀⴰ, ⵓⵔ ⵉⵛⵇⵉ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: “ⵏⵛⵛ ⴷ ⵛⵛⵎ, ⵓⵔ ⵏⵇⵙⵉⵃ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ..” ⵓⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵣⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵉ. ⵢⵓⵍⵉ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵥⵕⵓ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵃⵍⴰⵏ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⴰⵕⵥⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵣⴰⵡⴰⵔ ⴷⵉ ⵔⵓⵛⵉ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴷⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⵚ. ⵉⵙⵙⵉⵊ ⵅⴼ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⴰⵎⵛ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵍⴱⴷⴰ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵡⵃⴷⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏ ⵛⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵔ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⴰⴷ ⴷⵡⵍⵏ. ⵉⵏⵏⴰ: «ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵄⴷⴷⵓⵏⵜ ⴼⵔⵃⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵔⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ, ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵡⴰⵍⵓ» ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ? ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⴰⴷ ⵟⵚⵖ ⵔⵓⵅⴰ. ⴰⴷ ⵉⴷⴷⵓ ⴰⵄⴼⴼⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵔⵓⵛⵉ, ⵎⴰⵙⵢⵓ ⵔⵓⵛⵉ ⴽⵉⴽ ⵛⵓⵣ, ⴰⴷ ⵉⴱⵛ ⴷⵉ ..ⵏ “ⵍⵉⴷⵓ ⵎⴰⵊⵓ» ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵍⵍⴰⵢⵍⴰⴽ» ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵏⵉ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵏⴰⵢⵏⵏⵉ!”

ⵓⵎⵉ ⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ, ⵉⴱⴷⴷ ⵇⵉⴱⴰⵍ ⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ: “ⵔⵓⵛⵉ ⵉⵃⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ, ⵏⵛⵛ? ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ” ⴰⵇⵣⵉⵏ ⵎⵎⵉⵙ ⵏ ⵓⵇⵣⵉⵏ, ⵔⵃⵏⵓⵛⵜ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵄⴰⴷ! Oui, Oui. ⵔⵃⵏⵓⵛⵜ ⴷ

ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵃⵇⴰⵕ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵄⴰⴷⵉ! Oui, c'est comme ça ! ⵎⵉⵏ ⵅⴰⴼⵉ ⵖⴰ ⵢⵉⵏⵉ ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵉⵖ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⵏⵉ, ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵓⴽⵞⵖ .. ⴹⵓⵣ, ⵉ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ? ⴰⴽⵉⴷ ⵎⴰⵏⵡⵏ? ⴰⴷ ⵜⵥⵕⴷ ⴰ ⵔⵓⵛⵉ ⴰ ⴰⵇⵥⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ!». ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵞ ⴷ ⴱⴰⵅⵜⴰⵜⴰ ⵙ ⵡⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏ ⵜⵎⴰⵖⵔⴰ ⴷ ⴰⵛⵎⵞⴰⵞ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ ⵍⵍⵉ ⵉⵙⵙⵓⵞⵙⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵃⵇⵇⴰⵇ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵍⵙ ⵅⵙⵙⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵍⵙ ⴰⴷ ⵉⵕⴽⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵍⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵙ ⵜⴹⵚⵚⴰ ⵏ ⵜⵎⵥⵉ ⵜⵊⵀⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵡⵡⴹ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵖⵓⵢⵉ ⵏ ⵉⵙⵞⵉ ⵍⵍⵙ. ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵍⵍⵙ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵜⴰⵣⴳⵣⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵓⴳⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴰⵕⴽⴹ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵙⵍⵍⵊ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵥⵇⵇⴰ ⵜⵓⵄⵞⴰ ⵏ ⵜⵉⵣⴼⵜ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵍⵍⵙⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⵏ ⵟⴰⵊⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⵞⵉⵏⵜ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵍⵍⵉ, ⵉⵙⵙⵏⵀⵣ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵍⵙ .. ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵕⴽⴽⴹ ⴰⴽⴷ ⴱⴰⵜⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵖⵍⵍⴰⵊ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵣⵞⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ.« ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵍⵎ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵉⵏⵓ ⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ. ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵇⵇⵏⵉⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵍⵎ, ⵏⵛⵛ ⵜⴼⴰⵇⵇⵉⵖ ⴷ!». ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵔⵓⵙⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵍⵙ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵍⵙ ⵜⵡⴽⴽⴷ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⵙⵔⵔⵙ ⴰⴼⵔⵉⵡⵏ ⵍⵍⵙ ⵉⵛⵎⵞⴰⵞⵏ ⵅⴼ ⵉⵖⵣⴷⵉⵙⵏ ⵍⵍⵙ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵉⴼⴰⵇ. ⵓⵛⴰ ⵜⴹⵡⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⵍⴰ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴳⵣⵣⵔ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵍⵍⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳⵯⵊ ⵅⴰⴼⵙ, ⵙ ⵜⵏⴷⴷⴰⵎ ⴷ ⵜⴰⴳⴰⵞⵜ ⴷ ⵉⴷⵓⵔⴰⵔ ⴷ ⵜⵉⵡⵔⵉⵔⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵙⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵔⴱⵃⵓⵔⴰⵜ ⴷ ⵉⵖⵣⵔⵏ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ... ⴰⵞⴰⵎⵉ ⵉⵎⵥⵉ, ⵉⵍⵍⵓⴼⵔ ⴽⵓⵔⵛⵉ.

« ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴳⴳⵖ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕⵏ ⵣⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ...» ⵉ ⵍⵍⵉⵖ ⵉ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ.

ⵉⵔⴰ ⵞⵉⴷⵢⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⵟⵟⴰⵚ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵏⵓ, ⵜⵎⵀⴰⴼⴰ ⴷ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵉ ⵜⵜ ⵄⴰⵡⴷ ⵉⴹⵚ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵍⵉ ⵢⵓⵣⵖⵏ ⴷ ⵜⵔⵎⵛⵜ ⵍⵍⵉ ⵜⵙⵙⵓⵎⵎⵔ ⵛⵡⴰⵢ, ⵜⵉⵅⵓⴱⵉⵔⵉⵏ ⵏ ⵜⵔⵎⵛⵜ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵣⵖⴱⵉⴱⵏ ⴼⵙⵓⵙⵏ, ⵉⴹⴼⴼⴰⵙ, ⵜⵢⵙⴰⵜⵉⵏ, ⵉⵇⵏⵓⵍⵍⴰⵢ ... ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵔⵀⴱⴰⵜ ⵏ 'ⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ' ⵉⵎⵃⴹⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵏⵓ. ⵏⵛⵛ ⵇⴰⵙⵖ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴰ ⵏ ⵏⵃⵃⴰⵙ ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔⵏ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⵇⴰⵙ ⴰⵢⵉ. ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵞⵉⴷⵢⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵇⵙⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵙ ⵓⵇⵙⴰⵔ ⵍⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵟⵟⵚ. ⵏⵛⵛ ⵇⵇⴰⵙⵖ ⵜⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵜⴳⵔⴰ ⵜⵉⵕⵉ ⵓⵛⴰ ⵜⵟⵟⵚ. ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵙⵙⵄⴷⵓ ⵔⵡⵇⵜ ⴷⴳ ⵉⴼⵔⵉ, ⵎⵉⵞⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵚⵎⴹ ⵙⵏⵀⵣⵣⵉⵖ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⵜⴰⵔⵊⵜ ⵍⵍⵉ ⵢⴰⵔⵖⵞⵉⵏ. ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵣⵔⵖ ⴰⴷ ⴼⴼⵔⵖ ⵜⵛⵓⵍⵉ ⵉⵏⵓ ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴷ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵉⵍⵍⵓⴼⴼⵔⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵏⵉⴼⵔⵙⵜ ⵍⵍⵉ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ. ⴰⵡⵔⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵉⵍⵍⵓⴼⴼⵔⵏ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⴰⵞⴰⵎⵉ ⵉⵜ ⵇⴷⵉⵖ, ⴰⵞⴰⵎⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵇⵇⴰⵄ ⵛⵉ.

... «ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵅⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵓⵖ ⴰⵣⵓⵔⵉ ⵍⵉ...» ⵜⵜⵍⵍⴰ ⵢⵉ ⵉⴹⵍⴰⵟ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵙ ⵔⵅⴼⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵉⵏⵓ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵏⵇⵙ ⴷⵉ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⵓⴳⴳⴰⵎ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵉⵣⵡⴰⵔ ⴷ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴹⴰⵕ, ⴹⴼⵕⵖ ⵜⵜ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵓⵛⴰ ⵅⴰⴷⵉⵖ ⵙ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⵜⵉⵙⵉ ⵏ ⵓⴹⴰⵕ ⵍⵙ ⵉⵜⵜⵡⴳⴳⵯⵉⴹⵏ, ⴰⵄⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵓⵛⵉⵖ ⵙ ....ⵓⵛⴰ ...ⴰⵎⵢⴰ ⵙ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⴳⴼ ⵜⴰⵙⵓⵔⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⴷ ⵓⴹⴰⵕ. ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵙⵄⵄⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵍⵍⵊ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏ ⵉⵖⵔⵉⵇ, ⵣⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵙⵉⵏⵜⴰ ⵙⴷⵀⵛⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵍⵓⴼⴼⵔ ⴷⵉ ⵔⴳⵥⵉⵏ ⵍⵉ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵡⴰⵔⴰⴷⵢⵓ ⵍⵉ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ, ⴰⴱⵄⴽⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵯⵉⴹⵏ.

ⵜⴼⴰⵇ ⵖⴰ ⵜⵓⴼⵓⵜ ⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴳⵣⵣⵔ ⵖⵔ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏ ⵣⵣⴰⵊ.« ⵓⵔ ⵜⴳⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⵙⵙ ⵏⴱⵔⴰ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴰⵎ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ. ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⴷⵉⵍⵉ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵜⴰⵚⵎⵎⴰⵟ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ... «ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴰ ⵉⵇⴷⵓ ⴰⵙ ⵉⵔⵉ!».ⵄⴱⴷⴰ ⴳⵎⵉ ⵜⴼⴰⵇⵇ ⴷ ⵄⵉⴷⵢⴰ ⵜⵃⵟⵟⴰ, ⵜⴹⵀⵕ ⴰⴳⵊⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵉⵛⴰⴼ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⴳⵢⵢⵇ, ⴰⴳⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴳⴼ ⵓⵇⵙⵙⴰⵔ ⴰⵔ ⵃⵔⴰⵢⵏ ⵜⵓⴼⵓⵜ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⴷⴷⵓ ⵖⴰⵔ ⵔⴳⴷⵏⵜ.

ⵙ ⵄⵓⵏ ⵍⵙ ⵉ ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔⵏ ⵉⵣⵉ ⵜⵛⴰⵀ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⵍⴰ.ⵙ ⵜⵉⴷⵜ !ⵡⵍⵉ ⵜⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵍⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷ ‘ⴷⵉⴱⵄⵓⵎⴰⵙⵉⵢⵢⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ’.ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵣⵉ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ‘ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⴰ’. ⵉⵍⴰ ⵢⵉ ⵔⴳⴰⴹⴰⵕ ⵉⵏⵓ ⵓⵎⵉ ⵜⵜ ⵥⵕⵉⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⵄⴰⴼ, ⵏⵜⵜⴰ ⵜⴰⵎⵙⵓⵏⵖⵜ ⵣⵉ ‘ⵙⵉⵏⵉⵖⴰⵄ’ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵜⵎⵖⵍⵍⵊⵜ ⵣⵉ ‘ⵄⴽⴰⵎⵉⵔⵓⵏ’ ⵏⵉⵖ ⵜⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵜ ⵣⵉ ‘ⵄⵎⵓⵣⴰⵎⴱⵉⵇ’!ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵍⵉ ⵏ ⵜⵉⴽⵢⵢⵓⴹⵉⵏ ⵍⵙ, ⵉⵎⵎⵓⴹⵏ ⵎⵄⵉⵅ. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⵜⵓⵃⵄⵉⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⴼⵓⴽⵜ, ⵓⵔ ⴰⵔⵎⵛⵖ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴳⵎⵉ ⵔⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⴷⴳ ⵓⵅⵙⵉ ⵍⵙ ⵉⵅⵎⴰⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⴳⵙⵙⵎ ⴰⴷ ⴼⵔⵔⵣⵖ.

ⵜⵍⴰ ⵢⵉ ⵄⵉⴷⵢⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵎⵄⵉⵅ ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴼⵓⵜ ⴰ.ⵜⵎⵙⵓⵎⵓⵅ ⵅⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵕⴰⵅⵖ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵔⴳⴷⵏⵜ ⵍⵙ ⴷⵉ ‘ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ’. «ⵅⵙⵏ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵔⵣⵓⵖ ⵜⴰⵎⵏⵜⵉⵄⵜ ⵅⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵕⴰⵅⵖ ⵛⵉ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⴰ ⵓⴼⴼⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵔⴳⴷⵏⵜ. ⴰⵣⵄⵄⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⵉⵙⵉⵢⵅ, ⵜⵜⴰⵔⵊⵊⵉⵊⵉⵖ, ⵓⵅⵄⵖ ⴰⵎⵎⵓ!» ⵖⴰ ⴰⵡⴰⵄ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵄⵉⴼⵓⵏ ⵡⴰⵀⴰ ⵉⵙⵙⵉⵡⴹ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵍⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⴹⵏⵉ. ⵜⵙⵔⵙ ⵜⵉⵄⵉⴼⵓⵏ ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴳⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵉ, ⵜⵙⵇⴰⵔ, ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⵙ ⵔⴰⵅⴰⵔ ⴰⴳⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵕⴹⵉ ⵛⵉ ⴳⴼ ⵉⴳⴼ ⵍⵙ. ⵙⵓⵃⵄⵉⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵏⴽⵎⵎⵄ ⴳⴼ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵍⵖ ⵏ ⵉⴹⵍⴰⵟ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵎⵓⵜⵓⵢ ⵖⴰⵔ ⵟⵟⴰⴱⵄⴰ ⵏ ⴰⵖⵓⵊⵊⵔ. ⵜⵙⵙⵉⴷⵙ ⴷ ⵔⴽⵓⵔⵙⵉ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴳⴰⴼⵙ. ⵙⵇⴰⵕⴱⵖ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵉⵏⵓ ⵙⵍⵍⵊ ⵉ ⵜⵖⵔⵓⵜ ⵍⵙ. «ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⴰⵣⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⵜⵜⴼⵓⵅⵖ ⵊⵊⵓ ⵍⵙ ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⴳⵎⵉ

ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴷⵉ ⵜⵓⵊⵊⵓⵜ ⵏ ⵜⵍⴰⵢⵎⵓⵏⵜ ⵜⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵇⵛⵛⴰⵔ!». ⵜⵜⵎⵉⵢⵍ ⵙ ⵢⵉⴹⵚ, ⵜⵜⴼⴰⵀ, ⵜⴰⵡⴹ ⴷ ⵖⵓⵔⵉ ⵊⵊⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⵏⵓⵎⵖ.

ⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ, ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⵄⵄⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵔⵉⵖ ⵙⵙⵏⵖ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵙⵄⴼⵖ ⵜⵜ ⵛⵡⴰⵢ ⵙ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵇⴱⵉⵍ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵔⵅⴷⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴷⴷⴰⴷ ⵓⵔ ⵜⴷⵖⵔ ⵏⵜⵜⴰⵜ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⵛⵏⵄⵜ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵜⴰⵍⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵄⵔⵎⵏⵜ ⴰⵙ ⵜⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⴷ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ, ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵖⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵃⴰⵡⴷⵏⵜ ⴰⵙ ⴰⵡⵙⵙⵉ, ⵙⵙⵉⴳⵯⴷⵏⵜ.

ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴷⵉ ⵜⵓⴼⵓⵜ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⴷⵖⵔⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ? ⵉⵡⵄⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⴷⵖⵔⵏ. «ⵏⵎⵔⴰⵖⴰ ⵅⴼ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵓⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵓⵙⵖⴷ ⵖⵓⵔⵎ, ⵛⵎⵎ ⵜⵓⵙⵉⴷ ⵖⵓⵔⵉ!». ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⴰⵙⵇⵙⵉ ⴷ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵉ! ⴰⵎ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⴳⴳⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ? ⵉⵔⴰ ⵖⵓⵔⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ».. ⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ? ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵊⵊⵉⵖ ⵜⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⴹⴼⵕⵖ ⵛⵎⵎ!. ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⵉⵍⵍⵉⵙ ⵏ ⵄⵣⵉⵣⵙ, ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵖⴰ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⵯⵊⵊ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⵉⵙ ⴰⵎ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ.

ⵉⵀⵡⵏ ⴰⴷ ⵏⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⴷⴰⵢⵉ ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⴰⵙⵇⵙⵉⵢ ⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵊⵊⴰ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵢ ⴰ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵏⵀⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵛⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵙ?... ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜ ⵙⵙⵇⵙⵉ ⵛⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵅⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⴷⴼ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵥ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ, ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵄⴰⴷ ⵔⴰ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⴷ ⵉⴼⵍⵉⵎⵏ. ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴱⵍⴰ ⴰⴷ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵟⵟⴼⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙⵏ.

ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵊⵊⵀⴷ ⵏⵏⵙ. ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵓⴼⴼⵔⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ

ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵏⵏⵓⴼⴼⵔⵏ. ⵜⵏⴷⵀ ⵉⵜ ⵣⵄⴰⵎⵜ, ⵜⵅⵙⵙ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⵏⴷⵔ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⴷⵔⴰⵔ. ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵣⵄⵎ ⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵅⵎⵎⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵖ ⵜ ⵉⵙⴰⵡⴰⵍ ⴽⵉⴷⵉ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵉⵏ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⵣⵉ ⵎⵉⵏⵅⴼ ⵜⵄⵇⴰⵔⵖ ⵉⵏⵓ. «ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵎⴳⵉⵏ ⵏ ⵡⵓⵍ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰ ⵅⴼ ⵓⵎⴳⵉⵏ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⵓ ⵓⵎⵚⴰⵡⴹ ⵊⴰⵔ ⵡⴰ ⴷ ⵡⴰ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵛⵉ ⵣⵥⴰⵢⵙⵏ ⵇⴰⵔⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵓⵍ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵡⴽⴽⴷⵖ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ!».

ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ: ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⵓⵍ ⴷ ⵓⴳⵔⵔⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴳⵓⵔⵉ ⴷⵉ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵖⵔⵎⴰ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵙⵙⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵏ ⵡⵓⵍ ⵅⴼ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵡⴰⴳⵔⵔⵓ! ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵥⴰⵢⵉ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⴰ. ⵜⵛⴷⴷⵉⵇ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⴱⵓ ⴰⵢⵓⵔⵉ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵇⵇⴰⵄ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵍ ⵏⵜⵜⴰⵜ. ⴰⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⴷ ⵜⴷⴰⵎⵙⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵎⴰⵛⴰ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ, ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⴽⵏⵏⵉⵡⵎ ⵜⵜⴳⴳⵏⵙⵉⵙⵎ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⴷ ⵜⵖⵔⵎⴰ ⵔⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵙⴳⵏⵙⵉⵙ ⵉ ⵜⵏ. ⵙⵓⵢⴰ ⴽⵏⵏⵉⵡⵎ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵓⵊⴰⵔⵎ ⴰⵏⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵓⵊⴰⵔ ⴽⵏⵏⵉⵡ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵏⵃⴷⴰⵊ ⴰⴷ ⵏⵎⵢⴰⵡⴹ ⵡⴰⵀⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴽⵎⴰⵍ. ⵏⵃⴷⴰⵊ ⵔⵀⵏⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ, ... ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ...ⵓⵛⴰ ⵙⵢⴰⴼⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⵉⵔⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⴰⵎⵛ ⵏⵜⵜⵎⵙⵅⵙⵙⴰ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵛⵎⵎ! ⵓⵛⴰ ⵙⵔⵓⵙⵖ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ. ⵡⴰⵀ, ⴰⵅⴷⴷⴰⵄ ⵉⵏⵓ! ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵏ ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ, ⵎⵢⵍⵏ ⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ. ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⵍⵉ ⵉⵙⵙⵔⵊⵊⴼ.

ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⴽⴼⵉ ⵛⵉ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵡⵛⵉⵖ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⵜⵟⵟⴼ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ, ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⴰⴳⴳⵯⵊⵖ ⵜⵓⴼⵓⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵔⵏⵉ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵉⵄⴷⵓⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⵅⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙⴳⵎⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴰⵙ ⴰⵙⵉⵍⵖ ⵉⵏⵓ, ⵎⴰⵎⵏⴽ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⴰ. ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⴷ ⵙⴱⴰⵖⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵄⴱⴰⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵡⴰⵇ ⴷ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⴷ ⵜⵏⵡⴰⵍⵜ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⴷ ⵛⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵥ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵖⴰ ⴷⴳ ⵓⵇⵛⵛⴰⵔ ⵏ ⵅⵉⵥⵥⵓ ⵏⵉⵖ ⴷ ⴰⵥⴰⵍⵉⵎ, ⵎⴰⵔⴰ ⵡⴰⵍⵓ. ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⴼⴷ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⵏⵉⵖ ...ⴷ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵓⴼⴰ ⵓⵔ ⴷ ⵜⵜⵅⵛⵉⵖ ⴷⵉ ⵔⵡⵇⵜ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⴰⵙⵜⵍ ⵏ ⵓⵅⴰⵜⴰⵔ

ⵏ ⵔⵡⵇⵜ... ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵜⵙⵇⵇⴰ ⵜⵉⵏⵄⵛⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⵢⵏ!». ⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵙⵏⵜⴰ ⵉⵏⵓ, ⵜⵓⴼⴰ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵉ ⴱⵓ ⴰⵙⵏⵜⵉ, ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: ⵏⵛⵛ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⵏⴱⵔⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ! ⵉⵜⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵖⵓⵔⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵟⴰⵡⴰⵏⵜ, ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵊⵜⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵣⵉ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵉⴷ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⵜⵔⵓⵃⵏⵜ ⴷⵖⵢⴰ ⵣⵉ ⵔⵅⵟⴰⵕ. ⵜⵟⴼ ⴰⵢⵉ ⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵜⵙⵖⵉⵎ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⴷⵓ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ. ⵢⵓⴹⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ. ⵙⵉⵖⵖ ⴰⵙ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⴹⵔⵄⵖ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ «ⵍⵍⴰ ⵔⵓⵅⴰ, ⵓⵔⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵔⵓⵅⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵉⵡⵍ ⵉⵍⵍⴰⵏ ⴷ ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ». ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⴰⴷⵙ ⴷ ⴰⵙⴳⴳⵉⵡⵔ, ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ. “ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⴳⴳⵓⵔⵏ, ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵜⵉⵇⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ” ⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵜⵔⴰⵢⵜ ⴷ ⵡⴰⵏⵎⴰⵇ ⵏ ⵜⴰⵎⵙⴽⵙⴰⵍⵜ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: ⵉⵜⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵉⵄⴷⵓ ⴰⵢⵉ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ. ⵎⴰⵔⴰ ⵍⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵛⵉ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵉⵎⵔⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⵜ ⴷⴰⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ: “ⵉⵎⵔⵉ ⵉⵔⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⴰⴽ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⵙⵏ ⵣⴷⴰⵜ, ⵉⵎⵔⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⵅⴰⴽ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵔⵙⴷ ⴽⴽⵓⵥ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⴷⵓ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵅⵎⵎⴷ ⵎⵍⵉⵃ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵎⵙⴱⴹⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵙⵏⴼⴰⵔⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ, ⴷ ⵜⵉⵏⵏⵉⴹⵏ ⵜⵉⵎⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⴷ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵜⵉⵏⵏⵉⴹⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵙⵖⵡⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵍⴱⴰⵏⴽ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵏ ⵜⵏⴼⵔⵓⵜ, ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵖⵓⵔⵏⵖ ...”.

ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⴰⵔⵛⵅⵏⵜ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵉⵏⵓ. ⵜⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⵉⵊⵊⵏ ⵓⵣⵖⵉⴱ ⵣⴳ ⵓⵛⵓⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵣⵖⵏ, ⵜⵜⵃⴰⴷⴰ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⴼⵙⵙⵉ, ⵜⵄⴷⵍ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵏⵏⵉⵢⵜ ⵏⵏⵙ. “ⵛⴽⴽ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ!” ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⵜⴰⵎⵖⵔⴰ. ⵙⵜⵎⵀⴷⵖ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ, ⴷⵀⵛⵖ, ⵜⵙⵙⵏⵅⵔⵃ ⴰⵢⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵛⴰ ⵥⵥⴰⵢⵉ, ⵜⵀⵓⴷⵉⵖ, ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ. ⵎⴰ ⵜⴳⴳⵯⴷⴷ? ⵏⵉⵖ ⵜⵙⵜⵎⵀⴷⴷ?ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵇⴰⵔⵖ ⵛⵡⴰⵢ.“ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴰⵙⵜⵍ ⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ” ⵉ ⴷⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ ⵙ ⵊⵎⵉⵕ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ: ⵓⵔ ⵜⵎⴰⵕⵕⵉ ⵛⵉ “ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵟⴼⴷ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴽ ⵙ ⵣⵄⴰⵎⵜ. ⵛⴽⴽ ⵜⵃⴷⵊⵉⴷ ⴰⴷ ⵜⵣⵄⵎⴷ...”. ⵓⵛⴰ ⵙⴱⴷⴷⵖ ⵜⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ: “ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵎⵙⴱⴹⵉⵖ ⵡⵓⵍ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵍⵇⴰⵍ ⵉⵏⵓ ⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ». ⵓⵛⴰ ⵔⵓ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵜⵙⵇⴰⵔ. “ⵛⴽⴽ ⵜⵣⵄⴼⴷ ⵓⵍ ⵉⵏⵓ!”

ⴽⴽⵔⵖ, ⴱⴷⴷⵖ, ⵢⴰⵔⴹⵖ ⴰⵔⵚⵎⵉⴹ ⵉⵏⵓ ⵏ ⵜⴰⴹⵓⴼⵜ ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵏⵖ ⵉⴼⵉⵔⴰⵏ ⵏ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ. ⵓⵛⴰ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⵏⵛⵛ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵖ ⵉ ⵡⴰⴼⵍⵉⵎ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵜⴰⴼⵔⵉⵡⵜ ⵙ

ⵜⴼⵔⵉⵡⵜ, ⴰⵡⵃⴰⴼ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵡⵃⴰⴼ. ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵇⵉⴱⴰⵃ ⵉⵏⵓ, ⵙ ⵉⴳⵔⵎⵉⵣⵏ ⵏⵏⵙ ⵀⵓⴼⴼⵏ. ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴰⵀⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵎⵢⵄ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⵛⵄⴰⵄ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵡⴰⵄⵟⴰⵚⵏ ⵏ ⵃⵎⵓⵙⵃⵉⵎ. ⵉⵜⵜⵡⵄ ⴷ ⴰⵡⴰⵃ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵃⴳⴳⵯⴰⵖ ⴰⵎ ⵉⵙⵃⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⴰ ⵃⵃⵉⵖ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴷ ⵜⵔⵓⵙⴰ ⵣⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⵏ ⵊⵊⵉⵔ ⵉⵖⵣⴰⵏ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⵛⵉ ⵣⴳ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵟ, ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ, ⵓⵔ ⵢⴷⵉⵊⵏ ⵛⵉ ⵙⵉⵃⵉⴽⵓⵏ!» ⵡⴰⵟ ⵀⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵀⴰⵖⵃⵉⵏ!

ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ, ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵀⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵉⵜⵜⵟⵡⵔ, ⵉⵙⵙⵓⵃⵃⵙ ⴷⵉ ⵚⵚⴱⴰⴹ, ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏ ⵜⵕⵎⵄ, ⵉⵅⵏⵇ ⵃⵢⵃ ⵙ ⵡⴰⵄⵓ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵄ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵄⵏⵉ ⵏ ⵉⵖⵣⴰⵔ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵃⵡⴰⵃⵊⴰ. ⵙⵀⴰⴼⴰⵖ ⵜⵓⴼⴼⵜ, ⵃⴰⴱⴷⴷⴰ ⴷ ⵜⵉⴷⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵢⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⴽⵙⵓⵎ ⵉⵏⵓ. ⵃⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⵥⵚⵓ ⵏⵏⵉ ⴰⵣⵀⴽⵓ ⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⴷ ⵉⵟⵡⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵉⵏⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵉⵖ, ⵓⵔⴰ ⴰⵔ ⵎⵛⵢⴰⵃ, ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵏⵉ. ⴰⵙⵜⴰⵃ ⵉⵏⵓ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵏⵖ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵛⵡⴰⵀ. ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵏⵏⴼⵙ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ. ⵓⵛⴰ ⴽⵎⵔⵖ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵉⵏⵓ ⵜⵜⵎⵀⴰⵃⵖ, ⵜⵜⵔⵊⵉⵖ, ⵙⵙⴽⵜⵉⵖ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉ ⴷⴰⵀⵉ ⵙⴱⴷⴷⵏ ⵅⴼ ⵔⵅⴷⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⵏ ⵓⵙⵃⵎⴰⴷ. ⵙⵎⵢⵖ ⴷⵉ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵣⵣⴰⵀⵉ. ⵙⵎⵢⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵀⵉⵏ, ⵊⵊⵉⵖ ⵢⴰ ⵡⵓⵃ ⵉⵏⵓ!

ⴷⵡⵃⵖ ⴰⵎ ⵛⵉ ⴰⵙⴼⵔⵉⵙ ⵉⵜⵜⵏⵟⵣⵣⴰ, ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ.

9

ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ

«ⵜⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵍⴹⵏⵉ, ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵏⵇⵙ ⴱⵄⴰ ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ!» ⵉ ⵜⵍⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵀⴰⵛ ⵣⵉ ⴷⵓⵅⵔ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴼⵓⵜ ⵏ ⵉⵅⵢⵢⵉⵇⵏ ⴽⵜⴰ ⵇⵇⴰⵃ ⵣⵉ ⵄⴱⴷⴰ ⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵜⴷⵖⵔ ⵜⴰⵣⴷⴷⵓⵖⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵜⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷ ⴼⴰⵇⵛⵖⵔ ⵍⵙ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⴷⴼⴼⴰⵔ ⵙ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵜⵇⵇⵙ ⵍⵉ ⴷⴳ ⵡⴰⴼⵔⴰⵢ ⵍⵙ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵅⵎⵎ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⴹⵏⵉ, ⵉⵍⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵊⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⴱⵓⵄⵓⵏⵉⵣ. ⴽⵓⵕⵛⵉ ⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵍⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵔⵡⵇⵜ ⵍⵙ ⵔⵓⵅⴰ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵅⴼ ⵓⵣⵄⵄⵉⴼ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⵜⵔⵓⵏⵜ ⵉⵎⵟⵟⴰ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ. ⴰⵅⵢⵢⵇ ⴷⴳ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵍⵙⵏⵜ ⵉⵇⵇⴰⵙ ⵉⴹⵀⵕ ⴷⴳ ⵅⴼ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙⵏⵜ. ⵉⴱⴷⵔ ⴰⵙⵏⵜ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ, ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵛⴰⵔⴼⵏⵜ. ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵍⵙⵏⵜ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵛⴰ ⵏ ⵎⵔⵖⵏⴰ ⵍⴹⵏⵉ.

ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ «ⵜⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵍⴹⵏⵉ, ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ!»

ⵜⵍⴰⵜ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵓⵄⵓⵏⵉⵣ. ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⴼⵇⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⴰⵊⴰⵔ ⵣⴳ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵏ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷⴰⵔ ⴰⵏⵀⵣⵣⵉ ⴷⴰⵢⵙ. ⴷⴷⵇⵄⵏ ⵛⵡⴰⵢ ⵡⴰⵡⴰⵄⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵄⵙ ⵍⵙ. ⵉⵎⵃⵛⴰⵇ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⴰⵙⵏ ⵡⴰⵡⴰⵄⵏ ⵉⵚⴱⵃⴰⵍ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⴰ ⵉⴷⴷⴰ ⵜⵓⴷⴰⵔ ⵍⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⴷ ⵜⴰⵎⴰⵅⵉⵜ ⴷ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴷ ⵢⵉⵄⵙ ⴷ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⴷⴳ ⵀⵔⵎⵓ, ⵓⵛⴰ ⵓⴳⵓⵔ! ⵜⵍⴰ ⵓⵄⵖⴰ, ⵓⵄⵖⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵇⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵊⴰⵔ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ. ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵄⵉⴼⵓⵏ: ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵎ ⴷⴳ ⵉⵎⵉⵣⵉ, ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵜⵇⴰⵕⴱⴷ ⵙ ⵉⵅⴼ ⵍⵎ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵡⵄⴰ ⵍⵉ ⵜⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ, ⵜⴰⵃⴼⴼⴰⵏⵜ? ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵕⵕⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ: ⵓⵔ

ⵅⵎⵎⵖ ⵛⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵙ ⵜⵡⴵⴰ ⴰ ⵉⵅⵃ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⴵⴷ! ⵏⵛⵛ ⵙⵄⴷⵓⵖ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⵍⵙ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ. ⵓⵔ ⵉⵀⵎⵉ ⵛⵉ ⵕⵀⴰⵕ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵣⵉ ⵔⵀⵎⵓ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵜⵙⵇⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢ ⵓⴵⵖⴰ, ⵓⵛⴰ ⵜⵍⵍⴰ: ⵅⵎⵎ, ⵉⵎⵎⵓⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⴰⴷⴷⵉⵜ ⵏ ⵓⵙⴱⴷⴷⵉ ⵏ ⵉⵎⵏⵖⴰⵏ ⵓ ⴷ ⵓⵙⵎⵓⵔ ⵏ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⴵⴵⴰ ⵉ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵍⵉ ⵏ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ, ⵄⴷⵓⵏ ⵅⵃ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ «ⴰⴷ ⵉⵡⴷⴰ ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ!» ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ.. ⵍⴹⵏⵉ, ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ ⵏ ⵉⵎⵏⵖⴰⵏ.. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ. ⴷⵉ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵍⵙ ⴰⵎⴳⴳⴰⵔⵓ, ⵉⵖⵉⴵ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵉⵜⵜⵣⴰⵡⴰⵔⴰ ⵉ ⵜ, ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵙ ⴰⵙ ⵕⵀⴰⵕ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⴵⴵⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵜⵜⵔⵓ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵉⵏⵉ: ⵉⵔⴰ .. ⴰⵙⵢⴰⵃⴰ ⵍⵉ.. ⴷ ⴰⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⵍⵍⵙ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ! ⵓⵛⴰ ⵜⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ: «ⵓⵔ ⴰⵙ ⵢⵓⵔⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⴰⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰ!

ⵢⵓⵃⵃⵓⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⴰⵙ ⵀⴷⴷ. ⵎⵓⵀⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵅⵢⵢⵇ, ⵉⵃⴰⵙⵙⵏ ⵍⵍⵙ ⵜⵜⴰⵔⵊⵉⵊⵊⵉⵏ. ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⴰⴷ ⵜⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵛⵡⴰⵢ ⵣⵉ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵍⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⴰⴱⵓⴵⵓⵏⵉⵣ ⵙ ⵉⵙⴵⵉ ⵢⵓⵄⴵⴰⵏ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵎⴼⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵅⵃ ⵍⵍⵙ. «ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⴵⴰⵢⵉⵏ ⵉ ⵏⴳⴳⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ» ⵜⵍⵍⴰ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⴰ ⵙ ⵓⵅⵉⵢⵢⵇ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵏⴷⵎ ⵅⵃ ⵎⵉⵏ ⴳⴳⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵙⵏⵓⵎⵔ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵕⴰⵀⵏ: ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⴽⵎⴵ, ⴷ ⴰⴽⵙⵡⴰⵜ. ⵉⵙⵙⵉⵖⴰ ⴰⵃⵓⵙ ⵉ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵍⵉⴹⵏ. ⴷ ⴰⴽⵔⵉⵎ. ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉ ⵢⵉⵍⴹⵏ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵅⵔⵓⵇ ⵣⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵍⴹⵏⵉ, ⵔⵓⵅⴰ ⵉⴷⵡⴵ ⵖⴰⵔⵙ. ⵓⵔ ⵜⵉⵇⵇⵖ ⵛⴰ ⴱⴵⴵⵉ ⴳⵉⵢⵢⵓⵎ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵅⴰⵃⵏⵖ ⴰⵎⵢⴰ ⴷⵖⵢⴰ.ⴵⴱⴷⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⴰⵎ ⴰⵙⵃⵔⵉⵙ ⵏ ⴼⵉⴵⵉⵏⵉ, ⵉⵙⵢⴰⵡⴰⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵡⴷⴰ ⴰⵙⵃⵔⵉⵙ ⴰ? ⵉⵃⵢⵢⴹ ⵓⵃⵔⴰⵢ ⵍⵍⵙ, ⵉⵎⵙⴱⴹⴰ ⴰⵃⵔⴰⵢ ⵍⵉ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵓⵔ ⴵⴵⵉⵏⵜ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵃⵔⴰⵢ ⴰⵎ ⵜⵍⵍⵉ ⵍⵍⵙ...

ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵔⵓⵅⴰ my Gerty! ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⴵⵉⵙ ⵜⵎⵙⵢⴰⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵀⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⴼⵛ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⴱⴷⴷⴰ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵕⴰⵀⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵉⵜ ⵍⵍⵙ ⵉ ⵓⵢⴵⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵃⵔⵉⵙⵜ ⵍⵉ, ⵜⴱⴷⴷ ⴷⴰⵜ ⵍⵍⵙ.

«ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵀⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⴵ ⵅⴰⵃⵉ ⴷ ⵜⵃⵔⵉⵙⵜ ⴰ.» ⵓⵛⴰ ⵜⵏⴼⵛ ⵄⴰⵡⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵙⵡⵏⴳⵉⵎ ⴷⴳ ⴰⵡⴰⴵ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵉⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⵜ ⵅⵃ ⵜⵃⵔⵉⵙⵜ. «ⵡⴰⴼ ⵢⴰ ⵎⵛⵀⴰⴵ ⵉⵚⵃⴰ ⵓⵅⵏⵃⵓⵃ ⵍⵎ!» ⵜⵙⵡⵏⴳⵎ ⵓⵎⵉ ⵉⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⴵⴵⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ «ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵍⵍⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵏ ⵍⵍⵙ ⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵢⴰ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏⴼⵣⵣⴰ ⵜ ⵛⴰ ⵉⵎⵖⴰⵔ ⵅⵃ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵍⵍⵙ! ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⵓⵔⵎ ⵣⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵏⵓⵖ ⵛⵎⵎ». ⵓⵎⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⴼ ⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵎⵓⵀⵎⵎⴷ ⴷⵉⵍⵍⵉ.. ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵔⴰ

ⵃⴰⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵔⴰ ⵃⴰⴷ ⵓⵔ ⵉⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵙⵓⵢⴰ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵃⴰⵡⴷ ⵅⴼ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵢⴰⵔⵉⵜⴰ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵎⵙⴰⵡⵡⴰⴹ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴷ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ‘ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ’. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⴰⵅⴰⵢⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜ ⵉⴷⵛⴰⵔ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵃⴰⵡⴰⴷ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵉⵃⴷⵓ ⵕⵄⴰⵕ, ⴱⴷⵍⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ. ⵡⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵉⵙⵡⵉⵏⵅⵉⵎ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴰ. ⵉⵙⵡⵏⵅⵉⵎ ⴷⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴰⴷⵡⵡⴰⵢⵜ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎⵓⵎ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵙⵃⴷⴰ! ⴰⵎⵏ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵔⵛ ⵓⵛⴰ ⵉⵣⵃⵎ, ⵉⵜⵜⴽⴽⵍ ⵅⴼ ⵕⴱⴱⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⴰⵥⵍⵎⴰⴹ ⵅⴼ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵔⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵜⵇⴰⴷⴰ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵎⵏ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵇⴰⴷⴰ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴽⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵇⴷⴷⵉ ⵜ ⵛⵉ, ⵏⵉⵖ ⵉⵇⵇⵏⵏⵃ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵙⵇⴰⵙⴰ. ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ ⵜⵡⵏⵅⵉⵎⵜ ⵜⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ. ⵔⴰ ⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵙ ⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉ ⵄⴷⴷ ⵏⵏⴹⵏⵉ.

ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵙ ⵙⵉⵏ ⴰⵢⴷⵙⵏ ⵙⵏⵉⵃⵎⵉⵍⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⵉⵍⵎⵉ? ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵜⴰⵡⵏⵅⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉ ⵎⵍⵉⵄ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⵜⴰⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵓⵏⵙⵓ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵃⵙⵙⴽⵜⵉ ⵛⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵙⵡⵉⵏⵅⵎⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵏⵉⵖ ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⵡⵄⴷⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵅⵅⴰ ⵏ ⵜⵡⵏⵅⵉⵎⵜ ⴰ? ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵉⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ. ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵡⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⵡⵜⴰⵎⵜ ⵜⵅⴷⴰⵔ ⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵄⵓⴷⵔⵉ ⴷ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵉⵖⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵛⵏⵃ.

ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ, ⵉⴳⴳⵉⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ, ⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵔⵉⵙⵇⵔⴰⵟⵉ, ⵓⵔ ⵜⵀⵡⵉⵏ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⵜⵉⵛ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵏⴰⵡ ⴽⴽⵓⵥ ⵡⴰⵅⵏⴰⵔⵏ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵉ ⴷⴳ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵉⵇⵇⵏ. ⵉⵎⵔⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ, ⵉⵙⵙⵔⵊⴼ ⵉⵜⵏ ⵅⴼ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ! ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵅⴼ ⵓⵎⵥⵔⵓⵢ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵙⵡⵙⵃⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ “ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ” ⵏⵏⵉ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⴰ ⴷ ⵉⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷ ⵜⵉⵕⵉ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⴹⵀⵕⵏ ⵉⵥⵉ ⵉⴷⵔⴰ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵏ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ, ⵉⵎⵙⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ. ⴰⵏⵥⴰ ⵏⵏⵙ, ⴷ ⵓⵎⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⵓⵜⵓⵢ ⵥⵉ ⵜⴼⵔⵇⴰ ⵖⴰⵔ

ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵄⴰⵡⴷ ⵉⵜⵜⵎⵓⵜⵓⵢ ⵣⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰⵔ ⵜⵉⴼⵔⵇⴰ ⴷ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙ! ⴰⵏⵥⴰ ⵏⵏⵙ ⵄⴰⵡⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵍⵍⴰⵏ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⴰⵙ, ⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵜⵜⵄⴰⵡⴷⵏ ⵎⵉⴷⴷⵏ, ⵅⴼ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵏⴰⵡ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵔⴰⵎⴱⵔⴰⵏⵜ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ. ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⴰⵡ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ. « ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ? .. ⵉⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵎⵎⴰ!» ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ, ⵉⵔⵏⵉ ⵓⵅⴰⵕⵉ ⵏ ⴰⴽⵍⵓⵏⴰⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⴰⵕⵉ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵏⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵀⵣⵣⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵎⵓⵏⵏⵜ!

ⵎⵓⴷⵉⵍⵢⴰⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵄⵟⵟⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⴷⴰⵜ ⵉ ⴰⵏⴰⵡ ⵉⴱⴷⴷⴰⵏ ⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵟⵟⴹ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⴰⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⴰⵙⵙⵓⵏⵖ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵊⵊⵉⵜⵏⵜ ⵅⵡⴰⵏⵜ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵊⵊⵉⴷ ⵜⵏⵜ ⴰⵎⵢⴰ? ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉ ⵜⵜ: «ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵎ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⵏⵖⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵎ!» ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⴷ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⴰ, ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵉⵃⵔⴰⵢⵎⵢⵏ: « ⵀⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⵡⴹ ⵎⵓⴷⵉ.. ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵓ ⵅⴼ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ? ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵜⴹⵡⴰ ⵎⴰⵏⵉⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙ, ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ, ⴰⵎ ⵓⵊⴷⵉⴷ ⴰⴱⵔⴱⴰⵛ, ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⴼⵉⵔⵓ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ!

ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⴼⵔⵣ ⵓⵔ ⵜⵃⴷⵉⵊ ⵛⵉ ⴽⵜⴰ ⵣⴳ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ, ⴷ ⴰⵏⵥⴰ! ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵡⵛⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⵎⵍⵉⵃ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⴳⴳⴰ ⵅⴼ ⵉⵏⴰⵡⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵉⴹⵀⵕ ⴱⵍⵍⵉ ⴱⴰⴱⵍⵓ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ, ⵜⴰⵎⴷⴼⴼⵉⵔⵜ ⵜⵉⵔⵉⵡ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ «ⵜⵉⵃⵎⵎⴰⵎⵉⵏ» ⴷ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ «ⵜⵃⵎⵎⴰⵎⵉⵏ ⵅⵣⵣⵔⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵢⵍⴰⵍⵜ»ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵎⴳⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⵇⴰ ⵜⵏ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ»

ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵜⴰⵣⵣⵍⵏⵜ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ». ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵎⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵊⴰⴷⴰⵔⴰ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵙⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵣⵉ ⵔⴰⴹⵕⵓⴼ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙⵏⵜ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ. ⵉⵏⵏⴰ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ: « ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵀⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵓⵥⵍⵍⵉⴼ, ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴷⴳ ⵡⴰⵏⴰⵡ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ!. ⵉⵔⴰ ⵓⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⴰⵢⵔ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⴷ ⵉⵄⴰⵔⵢⴰⵏⵏ ⴷⵉ ... « ⴷ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ, ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ, ⵉⵎⵔⵉ ⵏⴷⵀⵖ ⴷ ⵅⴰⵍⵜⵉ»ⴱⵓⵍⵉⵏⴰ» ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵏⵎⴰⵔⵜⵔ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵇⵇⵉⵎⵖ

ⴱⴷⴷⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵃⴰⵛⴰ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⴽⴽⵙ ⴷ ⴰⵅⵓⵎⵎⵓ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵓⵃⵥⵉⵔ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ.

ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ‘ⵎⵓⵏⵎⴰⵔⵜⴰⵔ’ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ! ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵅⵎⵉ ⵉ ⵜⵜⵙⴱⴷⴷⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵖⵉⵎⵉⴷ ⵜⴱⴷⴷⴰⴷ ⵔⵡⵥⵜ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵔⴰⵊⵉⴷ ⴱⵍⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⵓⵔⴽ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵔⴰⵊⵉⴷ ⵜ ⴷⵉ ‘ⵎⵓⵏⵎⴰⵔⵜⴰⵔ’ ⵜⴱⴷⴷⵉⴷ ⴷ ⵡⴰⵀⴰ! ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵥⵥⵉⵎⴷ ⵜⴱⴷⴷⵉⴷ!.ⴷⵉ ‘ⵎⵓⵏⵎⴰⵔⵜⵔ’, ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵥ ⵏ ⵔⴰⴼⵉⵏⵢⴰⵏ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ, ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⵉⵣⴷⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵅⴷⴷⵎ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⵙ ⵡⴰⵇⵇⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵣⴳⵣⴰ, ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵜⵡⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵇⵓⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ...ⵍⵎⴰⵃⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵙⵙⵏⵏ, ⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⵜⵉⵃⵓⵊⴰ ⴷ ⵓⵛⴽⴽⵎ ⴷ ⵜⴹⵚⵚⴰ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⵎⵍⵍⵖ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵉⵔⴰ ⵉⵊⵀⴷ, ⵉⵥⵥⵙ. ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵏⵏⵓⵎⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵔⴳⴰⴹⴰⵇ ⵉⵙⵚⴱⵃ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⴰⵙⵅⵅⴰⵡⵉ. ⵉⵊⵊ ⵣⵉ ⵟⴰⴼ, ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⵖⴰⵔⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⴰⵏⵎⵓⴳⴳⴰⵔ ⵜⵉⵡⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⴽⵯⵍⴰⵏ. ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⵏⴰⵣⵓⵇⵏ ⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴷ ⵉⵎⴹⵃⴰⴽ ⴷ ⵉⵙⵃⴰⵔⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵉⵔⴰⵔⵏ ⴷⵉ ‘ⵙⵉⵔⴽⵓ’ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴷ ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ... ⵃⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵇⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵜⵡⵡⵛ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵡⴰⵏⴰⵡ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴱⴰⴱⵍⵓ ⵉⵜⵜⵥⵥⵏ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵡⵃⴷⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵍⵓⴼ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ, ⴼⵉⵔⵏⴰⵏ ⵓⵍⵉⴼⵉ, ⵉ ⵜ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵡⵃⴷⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵏⵏ? ⴼⵉⵔⵏⴰⵏⴷ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵅⴼ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵔⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴰⵙ ⵍⵢⵓ ⴷⴳ ⵓⵙⴼⵙⵔ ⵏ ⴽⵍⵓⴼⵉⵙ ⵙⴰⵖⵓ!

« ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⵥⵥⵉⵎⵖ ⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵏⵓⴼⴰ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵓⵔ ⵏⵙⴱⴷⴷⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ». ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵓⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴰⵎⵛⴽⴰⴽ.

« ⴰⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵖ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵎⵓⵥⵔⵉⵙⵉⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ». ⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ.

ⵉⵡⵄⵔ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴼⵀⴰⵎ ⵅⴼ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ». ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵍⵉⵙ.

ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵥⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ! ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ,

ⴰⵢⵓⴷⵔⵉ ⵍⵉ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵟⵓ ⵉ ⵜⴰⵢⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵔⵉⴽⴰⵏⵉⵜ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵟⵓⵜ, ⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⴰⴷ ⵜⵍⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵙ ⵜⴳⵕⴰⵏⵣⵉⵜ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵜⴰⵏⴳⵕⵉⵜ? ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵛⵥⴰⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⴰⵙ ..., ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵍⴰⵏ ⴰⵙ.

ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵀⵃ ⵉ ⵜ, ⵜⵇⴰⵢⵖ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵖⴰⵔ “ⵜⵃⵔⵉⵙⵜ” ⵍⵉ ⵏ ⵓⵛⵄⵉⵄ, ⵉ ⵉⵛⴷⴷⴰⵏ ⵎⵕⵉⵢ. ⵔⵉⵔⵉⵡⵜ ⵍⵙ ⴷ ⵜⵉⵎⵊⴰⴼⴷⵛⵜ: ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ, ⵉⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⴼⵓⵔⵜⵔⵉⴼ ⵙ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⵏ ⵓⵣⵕⵕⵉⵃ ⴱⵕⴰ ⵛⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷⴰ ⴰⴹⴹⴰⵚ, ⵉⵙⵎⵎⵢ, ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⴷⵉ “ⵜⵃⵔⵉⵙⵜ”. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵉⵙⵏⵥⵔⴰⴱ ⴰⵀⴽⴰⵣ ⵉ ⵅⵃ ⵜⵜⵙⵍⴷ ⵅⵃ ⵇⵢⵉⵄ. ⵓⵛⴰ ⵉⵣⴰⵡⵢ ⵜⴱⵚⵉ ⵏ ⵉⵍⵉⵜⵏ ⴷ ⵛⵉⵜⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⴼⵓⵓⵓⵓⵓⵓⵃ ! ⵎⵉⵕⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵅⵣⵔⵖ ⴷⴰⵟⵎⵎ, ⵙⴱⴷⴷⵉⵖ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴰⵟⵎⵎ !».

. ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⴰⵕⴰⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵀⵔⴰⵟⵏ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵢ ⴷⴰⵟⵙ. ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⴱⴷⵉ ⵛⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⵙ ⵓⵣⵕⵕⵉⵃ

ⵓⵔ ⵜ ⵉⵙⵙⵥⵏⵀ ⵛⵉ ⵓⵅⵏⵃⵓⵃ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵓⵔ ⵉⵥⵍⵀ ⵙ ⵓⵅⵏⵃⵓⵃ ⴰ! ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵊⵃⵊⵃ ⵍⵙ ⵔⵅⴷⵍⵉ ⵟⵓⵀⴰⵔ, .. ⵃⵉⵔⵏⴰⵏⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⵎⴰⴳⴳⵯⴷⵜ ⵣⴳ ⵡⴰⵏⴰⵡ ⴷ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵍⵉ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⵏ ⵡⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴱⵕⴰ ⵏⵃⵀ. ⵜⵇⵣ ⴰⵙ ⵔⵅⴰⵄⴰⵇ, ⵜⵜⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⴰⵅⵉⵟⵟⵥ. ⵔⴰ ⴷ ⴰⵔⵡⵉⵏⴰ ⵍⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵊⵊⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵡⵏⵖⵛ ⴰⵎⵏ ⵉⵔⴰ. ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ ⵓⵔ ⵜⵀⴷⵉⵕ. ⵜⴱⴰⵚⵉ ⵜⵜⵥⵥⵉⵎⵏ ⴰⵎⵍⵉ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵙⵔⵉⵔⵉⵏ. ⵜⴰⵎⵙⵅⵙⵉⵜ ⵜⵜⵥⵥⵉⵎ ⴰⵎⵍⵉ, ⵜⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵉⴱⵉⵜⵡⵏ ⵏ ⵓⵅⴰⵇⵇⵓ. ⵉⵃⵜⵓⵜⵏ ⵏ ⵓⵖⵔⵓⵎ ⵟⵓⵣⵖⵏ ⵙⵍⵊ ⵉ ⴹⴰⴱⵔⴰ. ⴰⵜⴽⴽⴰⵟ ⵍⵉ ⵅⵃ ⵜⵖⵉⵎⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵟⴰⵔⵣ, ⵉⵎⵟⵔ ⴰⵙ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ. ⵜⵓⴷⵙ ⴰⵙ ⴰⵜⴽⴽⴰⵟ ⵍⵉ ⵉ ⵅⵃ ⵉⵎⵢⵢⴰⵄ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵉⵄⵇⴰ ⵙ ⵜⵀⵊⵊⴰⵛⵜ, ⵉⵛⵇⵇⵅ ⵉⵔⴰⵎ ⵍⵙ.

ⵉⵜⵜⵖⵉⵕ ⴰⵟ ⵙ ⵎⴰⵏⴰⵡⵟⵍⵉ ⵉⵀⴹⴹⴰ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵎⵎⵢ ⴷⵉ ⵜⵃⵔⵉⵙⵜ ⵍⵉ, ⵉⵜⵜⵇⴰⵢⵖ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵄⵏⵉ!

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵟⵏ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵟⴰⵏ ⴷ ...ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⵎⵙⴳⴰⵔ ⵜⵡⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴰⴽⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵙ ⵔⵅⵄⴰⵔ ⵍⵙ ⴷ ⵓⵅⴷⵀ ⵍⵙ ⴷ ⵔⵥⵙⴰⵢⵜ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙ. « ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⵉ ⴰⵃⵔⴰⵟ ⵍⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵎⴼⴰⵃⴰ ⵜ ⵉ ⴷ ⵣⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵍⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵍⵙ !». ⵎⵓⵢⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵙⵕⵕⴰ ⴰⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵍⴰ ⵎⴰⵏⴰⵟⴰ. ⵉⵙⵡⵉⵏⵅⵎ: ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⵉⵏⵣⵓⵇⵏ, ⴷ ⵜⵓⵃⵔⴰⵟⵉⵏ ⵉ ⵜⵏ ⵉⵜⵅⵅⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵕⴱⴷⴰ.

ⵉⵎⵍⵉ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⵏⵏⵉ ⵉⴹⴼⵕ ⵉⵣⵔⵢⴰⵡⵏ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵡⴹ ⴳⵉ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵡⵡⴹ. ⵜⵓⴼⵔⴰⵢⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜ ⵉⵏⴷⵀⵏ ⴷⵉ ‘ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ’ ⵏⵏⵉ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⴷⴼⴼⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵙⴼⵇⵇⴰⵀⵏ, ⵓⵔ ⵉⴱⴷⴷ ⴳⵉ ⵅⴼ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵖⴰ ⵉⵡⴳⵏ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏ ⴳⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ! ⵙⵓⵢⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⴰⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵕⵃⵉⴹ. ⵓⴳⴰ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵢⵢⵇ, ⵉⵊⴹⴹⴰⵕ ⵉⵎⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙⵏⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ. ⵓⴳⴰ ⵉⵙⵢⵓⵔⴰ ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ... ⴰⵎⵢⴰ ⵉ ⵉⵜⵜⵅⵅ ⵍⴱⴷⴰ.

ⵎⴰ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙⵙ? ⵀⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵅⵙⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙⵙ ⵏⵜⵜⴰ?

ⵡⴰⵀ! ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⵜⵀⵡⵏ, ⵙ ⵢⵉⴳⵜ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵜⵥⵍⵉ, ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ. ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ: ⵓⵔ ⵉⵅⵙ ⴳⴰ ⵃⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵡⴰⵀⴰ, ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⴳⵇⴰⵏ ⵏⵏⵉⴹⵏ, ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵅⴰⴼⵙ, ⴰⴷⴰⵢⵙ ⵉⵅⵅ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ.

ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵓⵢⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵓⵎⵏⵓⵙ ⵏ ⵓⵎⴰⵖⵔⴰⴱⵉ ⴰⵏⴱⴱⴰⴳ, ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ: «ⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵏ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵙⵇⵙⵉⵜⵏ ⵏⵏⴽ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵚⴹⵉⴷ ⴰⵢⵉ. ⵎⴰ ⵜⵙⵏⵉ ⴷ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ, ⵍⵍⵉⵖ ⵓⵔ ⵃⴷⴰⵊⵖ ⴳⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⴷⵡⵍⵖ ⵔⵣⵓⵖ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵓⵅⵊⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ. ⵓⵎⵉ ⵅⵅⵉⵖ ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⴷⵅ ⵓⵊⵅⵅⴰⵔⵓ, ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴳⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ!» ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵜⵓⵔⴷ ⴰⵏⵏⵙ ⵜⵎⵖⴰⵔ.

ⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵙⴰⵍⵉⵖ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵏⵏⴰⵏ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ «ⵓⵔ ⵜⵔⵡⵙ ⴳⵉ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ!». ⵓⵔ ⵜⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⵃⴷⴷ ⵙⵉⵡⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵜⵜ ⵉⵅⵅⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵏⴰⵡ. ⵉⴽⴽⵉⵎ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵔⵡⵙ ⴳⵉ ⵔⵓⵅⴰ, ⵎⴰⴳⴰ ⴰⴷ ⵎⵔⴰⵡⴰⵙⵏⵜ». ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴹⵚⵚⴰ ⵙ ⵓⵖⵓⵢⵢⵉ. ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⵣⵉ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ. «ⵉⴹⵚⵚⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ!ⵏ ⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ». ⴰⵎⵏ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ.

ⵔⴰ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⵏⵙ, ⵓⵔ ⵢⵓⴼⵉ ⴳⴰ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵉ ⵜⵔⵡⵙ ⴷⵅ ⵡⴰⵏⴰⵡ ⵏⵏⵙ. ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵡⵄⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵉⵀⵏⴰ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵙⵡⵏⵅⵎ ⵡⵃⴷⵙ, ⵉⵜⵜⴽⴽⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵡⵃⴷⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵅ ⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⵅⵓⵏⵣⴰⵍⵓ: ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⵉ ⴳⵉ ⴷⵖⵢⴰ ⴰⴷ

ⵉⵍⴽⵎ ⵅ ⵜⵎⵙⵄⴰⵢⵉⵏ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⴱⴷⴷⵄ ⵉⵅⵎⵎⵓⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⵛⵡⴰⵢⵛⵡⴰⵢ. ⵓⵔ ⵜ ⵉⵊⵊⵉ ⵛⵉ ⵉⵄⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵖⵔⴱ ⵅⴼ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵊⴰⴱ ⵉⵜⵏ ⴱⵄⵄⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ, ⵃⵎⵎⴰⵇⵕ ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵙⵅⴰⵔⵔⵉⵥ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ!

ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵏⵏⴰ: ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵄⵉⵍ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⴰⵏⵖ ⵉⵙⵎⴰⵄ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵛⵏⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵙⵀⴰⵊⵏ ...ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ. ⵓⵛⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⵖⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵙⵓⵏⴰⵖ! ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⵏ ⵊⵉⵔⵜⵉ ⴰⵟⵟⴰⵕ, ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵇ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ‘ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ’. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⴷⵅ ⵓⵊⵏⵏⴰ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴰⵔⵡⵙ ⵛⵉ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉⵙⵃⴰⵡⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵙ ⵜⵜⴰⵊ ⵏ ⵓⵔⵖ ⴷⵅ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⵉⵡⵏ, ⴰⵥⵓⵏⵏⴰⵔⵉ, ⵉⵅⵅ ⵉⵜ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵣⵉⴼ ⴰⵛⵎⵄⴰⵄ ⵉⵢⵓⵏⵓⴹⵏ ⵉ ⵢⵉⵔⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵍⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵕ. ⵃⵎⵎⴰⵇⵕ ⵍⴷⴷ ⵓⵔ ⵉⵣⵇⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴱⵄⴰ ⵜⵉⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⴰⵄⵉⵙ ⵄⴱⴷⴰ ⴰⵥⴰ ⵜⵜ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵉⵔⵙⵥ ⴰⵙ ⴷⵉ ⵎⵓⵎⵎⵓ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵏⵏⴰ: « ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵄ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵏⵉⵖ ⴷⵔⵓⵙ, ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⴹⵕⵕⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⴰⵢⵉ ⵉ ⴷ ⴰⵇⵇⴱⵉ: ⴰⵣⵎⵉ ⵣⵉ ⵜⵉⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⴰⵡⴰⵄ ⵏⵏⵙ!».

«ⵔⵍⴰⵕⵓⵇ, ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵃⵎⵎⴰⵇⵕ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ»

« ⵀⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵎⵡⴰ?»

“ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⴳⴳⴰ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵔⴰⵏⵉⵏ ⴳⴳⵯⵊⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵓⵔ ⴼⵔⵉⵣⵏⵜ ⵛⵉ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵡⵜⵏⵜ...”

ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵄ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⵉⵥⵥⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵕ. ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵉⵜ ⵛⵡⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵙ ⵔⵍⵏⵓⵏⵛⵜ.«ⵎⵄⵉⵍ ⴰⵟⵟⴰⵕ ⵓⵎⵉ ⵛⴽⴽ ⵜⵣⵇⵉⴷ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⵓⵏⴰ. ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵉⵙⵙⵎⴰⵄ ⴱⵄⵄⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉⴽⴽⵔⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ! ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴽⴽⵙ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵏⵏⵖ ⴷⵖⵢⴰ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵏⵖ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵅⴼ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵏⵏⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵜⵡⵉⵔⵉ ⵖⴰ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⴷ ⴰⵏⵖ ⵉⵙⵙⵎⴰⵄⵏ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⵉ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⵥⴰ ⵜ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵡⴰ, ⵄⴰⴱⴷⴷⴰ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵟⵟⴰⵕ, ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵄ ⴰⵢ ⴱⵄⵄⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⴰ. ⴰⵎⵎⵛ ⵔⵎⵙⵖ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵜⴰⵙⵓⵏⴰ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ!»

ⴳⵡⴰⵢ ⴳⵡⴰⵢ, ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎⴰⴳⵏⴰⵡ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵜⵅⵅⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰⵏ ⴷ ⴳⴳⵏⵃⵜ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴳⵉ ⵏ ⵓⵏⴰⵥⵓⵇ ⵏⵉⵖ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵣⵅ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴷⵉ ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴳⵉ ⵅⴼ ⴰⵙⵜⵍ ⵏ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵉ. ⵎⴰⴳⴰ ⵓⵔ ⵉⵅⵙⵙ ⴳⵉ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵏⵏⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⴷ ⴰⴱⵓⵚⵉ. ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵡⵃⴷⵙ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵙⵙⵎⴰⵍⵏ ⴰⴱⵔⵉⴷ! ⵉⵔⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵃⵎⵎⴰⵇⵟ ⵓⵔ ⵉⵊⵊⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵢⵙⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⵏⵅⵉⵎⵉⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵖⴰⵔ ⵢⵏⵏⴹⵏ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵛⵢⵢⵉⵚ ⴷ ⵖⵢⴰ, ⵉⵜⵓⵜⵜⵉⵜ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⴹⵟⵟⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵏⴷⵔⵉ ⵙⴰⵍⵎⵓⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵉⵅⵅⴰ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵉ ⴷⵅ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ, ⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵜⵏⴷⵀ ⵉⵜ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ! ⴱⴰⴱⵍⵓ ⵉⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵚⴰ ⵜⵜ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ!» ⵎⴰⴳⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵉⵚ ⴳⵉ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵓⴳⴰ, ⵉⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵄⴰⵏⵊⴰ: ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵉⴷⵔⵉⵏ ⴽⵓⵔⴳⵉ! ⵓⵔ ⵢⴰⵔⵔⵉ ⴳⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵙⴰⵍⵎⵓⵏ ⵉⴼⵔⵔⵣ ⴰⵙ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵓⵎⵉ ⵜ ⵉⵙⵙⵚⵙⴰ: «ⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴳⵉ! ⵉⵅⵅⴰ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵔⵡⵙⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⵓⵏⵏⴰ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵚⴰ? ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ? ⵉⵜⵓⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵙⵓⵏⵏⴰ ⵜⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⵉⵔⵉⵚⵚⵏ ⵣⵉ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵉⴹⴼⵇ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵏ «ⴱⵓⵍⵉⵏⵉⵣⵢⴰ ⴷ ⴷⴰⵀⵓⵎⵉ», ⵉⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⵉⴱⴷⴷⵍ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵙⵡⵉⵏⵅⵎ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵡⴰⵥⵇⵉ ⵏ ⵜⵥⵓⵇⵉ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍⵜ ⵏⵏⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵎ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵉⵙⵙⵎⵙⴱⴹⴰ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷⵏ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵥⵓⵇⵉ. ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵇ ⵉⵏⵥⵓⵇⵏ ⵉⵎⵣⵡⵓⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⵅⵅ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵇ ⵜⴰⵙⵓⵏⵏⴰ ⴰⴼⵔⵉⵚⵉ, ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⴽⴽⵔ ⵉⵜⵜⵓⵃⵍⴰ ⴳⵡⴰⵔⵜⵉ ⵏⵏⵙ...

ⴰⵎⴳ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴳⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⴳⵉ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵉⵣⵉ ⵖⴰ ⵉⵚⵢⵢⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵅⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵛⵎⵎⵉⵎ, ⴷ ⴰⵎⴳⴽⴰⴽ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵣⵉ ⴷⵉⵛⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⴰⵎⵎⴳ ⵜⵏⵜ ⵉⵜⵜⵛⴰⵢⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ. ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ ⵉⵜⵜⵃⵙⴰⴱ ⵉⵜⵜ ⵏ ⵔⴱⴰⵔⵔⵏⵉ, ⴰⵚⴰ ⵜⵜ ⴷⵅ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵡⴰⵀⴰ, ⵜⵅⵅⵯⴰⵊ ⵅⴼ ⵜⵉⴷⵜ ⵉⵔⴰ ⵊⴰⵔ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵖ!

ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⵏⴳⴳⵉⵏ ⵏⵜⵜⵎⵓⵏⵙⵉⵡ ⴷⵅ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵎⵎⴰⵙ 'ⵍⵉⴱⵔⵓⵏ'[1] ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵙⵓⵚⵜ ⵏ 'ⵔⵅⵣⴰⵢⴰ': «ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⴽⴰⵍ ⵏⵏⴽ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵉⵢⵃ ⵙ ⵡⴰⵄⵄⴰⵟ, ⵜⵚⵚⵙ ⴰⵎ

1 L'éperon.

ⵜⴼⵓⴽⵜ». ⵓⵛⴰ ⵙⵜⵎⵟⴹⵖ ⴷⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⵅⵙⵏ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵃⴹⵉ ⵛⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⵜⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵔ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵉⵊⴱⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵖⴷⵓⵏ, ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵜⵙⴱⴱⴰⵔ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ.

“ⵖⴰⵔⵎⵎ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ...” ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ.

“ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵛⵉ ⵥⵥⴰⵢⵙⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⵙⴰⵍⵜ ⵜⵚⴱⵃ ⵓⵛⴰ ⵟⵡⴰⵍ ⴷⴰⵢⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⴳⴳⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⵜⵔⵥⵥⵓ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵢⴰⴷⴷⵍ ⵥⵥⴰⵢⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ!”. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵜⵙⵜⵎⵟⴹ.

“ⵖⵓⵔⵎ ⵜⵉⴷⵜ...” ⵉ ⵍⵍⵉⵖ ⵜⵜⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵍⴱⴷⴰ.

ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵀⴹⵕ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵔⵡⵇⵜ ⴷ ⵡⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵓⵏⵜⵜⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ, ⵡⵡⴹⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⴽⴽⵓⵥ ⵡⴰⴳⵏⴰⵔⵏ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷⴳ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉⵔⴰ «ⵜⴰⴽⵀⵉⴱⵉⵢⵢⴰ» ⵜⴹⴹⴰⵡ ⴰⵙ ⴷⵉ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⴷⴳⴳⵍ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵣⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵖⴰ ⵜⴰⴼⵔⴰⵙⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵣⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ. ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵓⵔ ⵉⵡⴽⴽⴷ ⵛⴰ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔⴰ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ. ⵉⵔⴰ ⵉⵔⵥⵥⵓ ⵅⴼ ⵛⴰ, ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵖⴰⵔ ⵕⵃⵉⴹ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵓⵖ, ⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵉ ⵉⵢⴰⵔⵡⵍⵏ ⴷⴳ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵔⵎⵙ ⵔⵓⵅⴰ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵍⵜⵎⴰⵏ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⵜⵀⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⴳ ⵓⵃⵎⵎⴰⵙ ⴰ ⵢⴰⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉ ⵕⵕⴱⴰⵜ. ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⴷⴹⴰⵔⵏ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴹⴰⴼ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ, ⵉⵔⵊⴼ ⵅⴼ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵏⵥⵓⵕ ⴰ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ, ⴰⵥⴳⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵔⵉⵡ, ⴰⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ?

ⵉⵙⵙⵏⵊⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵙ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⵉⵡⵊⵉⵡⵏ ⵏⵏⵙ: « ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏⵜ ⵉ ⴷⴰ, ⵀⴰⵡⴷ!» ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵙⵙⵏ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵅⴼ ⴰⵢⵜⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ.

ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⴷ

ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ ⵉ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵛⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⴰⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵕ ⵏⵏⵙ ⵙ ⴽⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ, ⵎⴰⵎⵎⴽ ⵎⴰ ⵜⵜⴳⴳⴰ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⴰ! ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⵣⵍⴰⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ, ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵣⴳ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏ ⴱⵓⴷⵍⵉⵔ: ⵜⵜⵕⴰⵃ, ⵜⵜⴰⵙ ⴷ, ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ, ⵜⵜⵟⵟⴼ ⴰⴽⴹⴰⴹ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⴰⴱⵃⵔⵓⵔ, ⵜⵜⵙⴷⵀⴰⴽ ⵙ ⵔⵃⵏⵓⵏⴽⵜ, ⵜⵜⵏⵇⵇ ⵙ ⵜⴽⵓⵏⵉ! ⵓⴽⴰ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵏⴽⴽⵉⵏ ⵏⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵓⴽⴰ ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⴰⵏⵖ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⵎⵉⵊⵊⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵉ, ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ:

Une femme passa, d'une main fastueuse

Soulevant, balançant le feston et l'ourlet

(….)

La douceur qui fascine et le plaisir qui tue.

ⴷⴷⵔⵉⵡⴽ! ⵓⵎⵉ ⵜⵜ ⵉⵥⵕⴰ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵢⵓⴽⴰ ⵓⵔ ⵜⵓⵖⴰ ⴽⵉ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵥⵕ ⵉⵜⵜ ⴷⴰⵢⵙ, ⵢⵓⴽⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⴳ ⴽⵉ ⵏ ⵡⵓⵎⴽⴰⵏ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵙⵅⴰⵡⴽⵜ, ⵜⵙⴷⵀⴰⴽ, ⵎⵉⵏ ⵎⵎⴰ ⵜⵥⵕⴰ ⵉⵙⵙⴼⵔⵃ ⵉ ⵜⵜ. ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵜⵚⴱⵃ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉⵕⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵓⴽⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⵏⵓ: « ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⵏⵓ!». ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰ ⴰⵎ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ. ⵖⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⴽⵉ ⵏ ⵓⴱⵍⵍⴰⵔⵊ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵏ ⵜⵉⵏ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ!

ⵓⴽⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⵉ ⴽⵉ ⵍⴰ, ⵓⵎⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵔⵛⴹ ⴰⵛⵉⴷⵙ ⵜⵎⴰⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⴳ ⵓⵙⵓⵏⵙⵓ ⵏ 'ⴱⵉⵍⵍⴰ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵚ', ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵇⵇⴰⵄ ⵉ ⵡⴰⵔⵛⴹ. ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵅⴼ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵛⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⵉⵏⵓⵎⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔ.

ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵓⵎⵇⵇⵉⵙⵉ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴷ ⵓⵎⵙⵔⵔⵙⴰⵇ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⴽ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵏⵏⵅⵕⵄ ⵣⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ « ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴽⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵛⴹ », ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⵔⴰ ⴷ ⵏⴽⴽ!» ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴰⴼⵇⵇⵃⵜ ⴰⴷ ⵜⵜⵍⵎⵎⴷ ⴰⵔⵛⴹ ⵎⴰⴽⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⵓⵎⵉ ⵜⴳⴷⴰⵔ. ⵓⴽⴰ ⵜⴹⵚⴰ ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵛⵛⵔⵙ ⴽⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⴳⴳ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ « ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ!» ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⴽⵉ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉⴷ ⵜⵓⵙⴰ ⴰⵙ ⵜⴰⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⵏⵏⵉ, ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ. ⵓⴽⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵙ ⵜⴽⵓⵏⵉ ⵏⵏⵉ: ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ

ⵖⴰⵔⵎⵎ ⵉⵎⵣⵣⵓⵖⵏ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ, ⵜⴰ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵜ ⵜⵀⵡⵏ ⵙ ⵜⵏⴰⵎⵉⵜ, ⵔⴳⴷⵍⵍⵉ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⵙⵄⴰⴼ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ!»

ⵓⵎⵉ ⵓⴳⵓⵔⵏ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵔⴽⴹ, ⵔⵓⵃⵏ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴰⴽⴷ ⴰⵥⵉⵙ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⴽⴽⵙ ⴷ ⵓⵥⵓⴳ ⵏ ⵢⵉⵙⵡⵉⵏⴳⵎⵏ ⵍⵙ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵍⵍⴰ ⴰⵎⵏⵄⴰⴷ. ⵜⵍⵍⵉ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵙⵙⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵥⵥⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵃⵟⵟⴰ ⴰⵡⴰⵥⵏ ⴷ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵜⵉⵚⴱⵃⴰⵏⵉⵏ, ⵉⵙⴷⵀⴰⵛⵏ. “ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ, ⵜⵉⵙⵡⵉⵏⴳⵎⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵥⵏ ⵉ ⵅⴰⴼⵉ ⵉⵜⵜⵃⵉⵍⵍ!”. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⴰⵏⵎⵎⵔ ⵍⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⴰⵔⴰⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵏⵉⵖ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉ ⵉⵍⵍⴰⵏ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵓⵣⵓⵕⵉ ⵍⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓⵏ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ.

ⴰⵥⵉⵙ ⵜⴳⴳⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⴰⵙⵏ ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵅⵎⵉ ⵜⵉⵔⵃⵉⵎⵏ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵔⴰ ⵛⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⴷⴳ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵍⵉ ⴰⴽⴷ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵙ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼⵏ. ⵏⵉⵖ ⴰⵣⵥⵥⵉⴼ ⵍⵙ ⵉⴹⵡⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵍⵙ.

ⵓⵛⴰ ⵙⵙⵉⵖⵖ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵙⵖ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏ ⵥⵉⴷⵢⴰ ⵉⵎⵔⵓⵙⵏ ⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵟⵟⴰⴱⵥⴰ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ.« ⵔⵉⵖ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⴰⵎⵎ ⵉⵏⵉⵖ.. (ⵀⵓⴷⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵥ. ⵜⵓⵖⴰ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵇⴰⵙⵖ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵍⵖ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵍⵍⴰ. ⵓⵛⴰ ⵓⴼⵉⵖ ⵜⵜ ⵜⴳⴳⵯⴰⵊ ⵅⴰⴼⵉ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ).. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴱⵓⵇⴰ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⵙⴰⵥⵜ ⵍⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⵉ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵥ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵍⵉⵖ ⴰⵎⵎ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵣⴷⴰⵜ». ⵓⵛⴰ ⴷⵡⵥⵖ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵡⴰⵥ ⵉⵏⵓ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵎⵉⵏ ⵅⴼ ⴽⵯⵜⵉⵖ, ⴷ ⵎⵉⵏ ⴰⵢⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵥⴰⵢⵉⵏ ⵓⵢⵥⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⵔⵖⴰ ⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⵜⵙⵉⵇⵙⵉⵇⵏⵜ, ⵙⵄⵛⵉⵇⵏⵜ. ⵜⵍⵍⴰ ⴱⵥⵥⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⴷⴰⵢⵙ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙⵏⵜ ⴰⵙⵙⴰⵖ, ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵙ ⴷ ⵣⵉ ⵓⵇⵓⴱⴱⴰ ⵖⴰⵔ ‘ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ’ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵙ ⴷⴳ ⴰⵇⵔⴰⴱ ⵍⵙ ⵏ ⵢⵉⵔⵎ, ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵣⵉⵢⵢⴰⵜ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏ ⵔⵡⴰⴹ, ⵜⵕⵓⵛⵛ ⵉⵜⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⵔⵉ ⴷ ⵉⵇⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⵍⴰ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵔⵎⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⵉ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵏⴰⵣⵓⵕⵏ ⵍⴹⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖⵏ ⵖⴰⵔ ‘ⵜⵓⵏⵙ’ ⴷ ‘ⵔⴳⵣⴰⵢⴰ’ ⵏⵉⵖ ‘ⵜⴰⵢⵀⵉⵜⵉ’. ⵖⴰⵔ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴰ ⵣⵅⵏⵜⴰ ⵉ ⵖⴰⵔ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⴷⵓⵥⴰⴽⵔⴰⵡ! ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⴷ ⵜⵓⵇⵇⴰⵔⵇⵛⵜ ⴰ! ⵉⵔⴰ ⵜⵕⵣⵣⵎ ⵔⵇⴼⴰⵕ ⵏ ⵇⵓⴱⴱⵓ ⵍⵙ ⵜⵓⵜⵜⵍⴰ: ⴰⵡⵔⵏ ⴷ ⵣⵉ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵍⵉ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵣⵅⵏⵜⴰ!

ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⴰⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⴷⴷ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ. ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵎⵎⴰ ⵜⴽⴽⵉⴷ ⴰⵙ ⴷ, ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵣⵎⵎⴰⵔ ⴷ ⵊⵊⵀⴷ ⵉⵎⵕⴱⵄⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵃⵃⵓⵢⵣ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵔⵞⴰⵛⴰⵜ, ⵜⴼⴼⴰⵄ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵡⵛ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵣⵉⵄⵜ ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵓⵢⵙⵓⵎ ⵏ ⴹⵇⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⴹⴰⵏⵊⴰⵡⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵃⵣⵣⵓⵄⵏ, ⵉⵜⵜⵀⵓⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⵊⵎ, ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⵢ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵎⵞⵏⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ: "ⵓⵔ ⵜⵃⴷⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⵜⵢⴰⵣⵉⵜ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵉⵏⵉⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵞⵏⴰ ⵓⵢⴰⵣⵉⵄ". ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⵢⵏ ⵜⵅⵙ, ⵉⵙⵙⵖⵍⵉ ⵉⴽⵓⴼⴼⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵙⵙⵀⵡⴰ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ. "ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴰ ⵉⵔⵉⵟⵟ ⵣⵣⴰⵢⴽⵏⵜ". ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵙ ⴰⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: « ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉⴷⵖⵔⵏ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴰ, ⴰⵔ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⵣⵇ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵜⵎⵎⵍⴷ ⴰⵏⵖ ⵛⴽⴽ ⵣⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ!».

ⵓⵎⵉ ⵉⴼⴼⴰⵖ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⴳⴳⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⴰⵖⵔⵓⵜ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ. "ⴰⵍⵉⵙ, ⵜⵜⵃⵛⵛⴰⵎⵖ ⵛⵎⵎ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵡⵛ ⴰⵢⵉ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ ⴰ. ⵓⵔ ⵜⵜⴰⵙⵎ ⵛⵉ ⴰⴹⴹⴰⵕ! ⵜⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵛⵎⵎ ⵜⵅⵙⵙⵖ. ⵜⵉⵟⵟ ⴰⵢⵉ ⵞⴰⴼⴰⴽ, ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵟⴰⵙⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵛⵡⴰⵢ. ⵜⵏⵖⴰ ⵉⵢⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵍⴳⴳⵯⵖⵜ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ!"

ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ. "ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵉⵏⴷⵀ ⵛⴽⴽ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⴽ ⵖⴰⵔ ⵔⴳⴳⵯⴰⵊ ⴰⴽⴷ ⴱⵓ ⵡⵓⵜⴰⵎ ⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ!" ⵓⵛⴰ ⵏⵟⵟⵉⵎ ⵏⵜⵜⵄⵕⵕⴰ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵏⵀⵡⵔ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵟⵟⵉⵎⵏ ⵖⴰⵔ ⴹⴹⴰⴱⵍⴰ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⵖⴰⵔⵏⵖ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵃⵎⵎⴰⵙ ⴰ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⴽⵙⵙⵉ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ. ⵜⵡⵙⵙⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⵡⵟⵟⵔⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵉⵏⵓ. ⵉⵔⴰ ⵜⴳⴳⵯⴷ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⴰⴷ ⵜⵜⵓⵖ ⵢⵉⵏⵏⵄⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ. "ⵖⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴰⴹⴹⴰⵕ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵜⴰⵡⵜⵏⵜ ⵖⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⵉⵎ ⵜⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵍⵉⵙ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵜⵃⴰⴷⴰ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ" ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ: ”ⵜⵔⵎⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵃⴰⴷⵉ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⵓⵔ ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⴽⴼⴰ ⵜⵜ. ⵜⵖⴰ ⵜⵅⵙ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵇⵇⴰ ⵎⵣⵇⵉ ⵙ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ" ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉⵢⵉ ⴰⵔⵏⵉ ⵙⵉⵡⵍ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵔⵓⴳⴰ ⵜⵙⵍⵍⵉⵖ ⴰⵎⵎ. ⵓⵛⴰ ⵜⴼⵇⵇⵖ ⴰⵢⵉ ⴰⵙⴰⵄⵔⵏ ⵏⵏⵄⵏⵉ ⴷⵉ ⴰⵍⴽⴰⵙ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ. "ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴷ ⵛⵉ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ. ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵞⴰⵡⵍⴷ ⵙ ⵓⵙⴰⵄⵔⴰⵏ ⴰ ⴰⵎⵞⴰⴷⵉ ⵅⴰⴼⵉ, ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴰⵢⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵉⵜⵜⵔⵉⵟⵟⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴰⴹⴹⴰⵕ". ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵅⴰⴼⵉ: "ⴰⵅⵣⴰⵏ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⴰⵡⵍ

ⵛⵉ ⴷⵖⵢⴰ ⵅ ⵢⵉⵜⵜⵡⴰⵕⵥⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ". ⵓⵛⴰ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⴰⵢⵉ ⵡⴰⵅⵅⴰ, ⴰⴷ ⵏⵊⵊ ⴰⵅⵥⴰⵏ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵕⵣ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ..."

ⵓⵛⴰ ⵏⵙⵙⵉⵡⴰⴽ ⴰⴹⴹⴰⵟ.

ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵎⵀⵔⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵓⵔⴷ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵙⵏ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⴹⴰⵍⵊⴰ. ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⴰⴽⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⴷⵢⴰⵙ ⵉⴻⵟ ⵖⴰⵔ ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵍⵉ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴷⵉ 'ⵙⵡⵉⵜ'. ⵃⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵕⵎⵎⴽ ⵅⴼ ⵓⵇⵟⴰⵔ ⵍⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⴻⵟ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⵕⴰⵏⵜ ⵉⵔⵊⴼⵏ.

ⵜⵣⵎⵓⵎⵎⵉ ⴽⵉⴷⵢⴰ, ⵣⵎⵓⵎⵢⵖ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ, ⵃⴰⴱⵖ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⴹⴰⴼ ⵉ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵏⵓ, ⴰⵎⵏ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵅⵎⵉ ⵏⵅⵙ ⴰⴷ ⵏⵣⵣⴽ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵥⵉ ⵉⵎⵔⵓⵙ ⴰⵏⵖ ⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵏⵥⴰⵚ.

ⵉⵜⵜⵖⵉⴽ ⴰⵢⵉ ⵜⵍⵉ ⴷ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵉⴷ ⵢⵓⵙⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⴽⴽⵉⴼ ⵣⴷⴰⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵜ ⵉⵍⵉⵖ.. ⵓⵔ ⵜⴽⴽⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵢⵉⵥⵉ! ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴹⴰⵍⵊⴰ ⵣⵣⴰⵜⵉ ⴰⵎⵏ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⵉ ⴽⴼⵉⴽⵎ ⵙ ⵓⵛⵎⴽⴰⴽ ⴷ ⵓⴱⴰⵔⵕⴰⵏ. ⴹⴰⵍⵊⴰ, ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⴽⴽ ⵏ ⴹⴰⵍⵊⴰ, ⴰⵙⵏⵙⵓ ⵏ 'ⴱⵉⴽⴽⴰ ⴷⵉ ⴼⵚⴰⵏⵟ'. ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⴰⵔⵕⴰⵣ ⴷⵉ 'ⵜⵅⴰⵎⵉⵏ ⵏ ⵓⵇⵙⴰⵔ'. ⵜⴰⴽⴽⵙⵜ ⵍⵉ ⵜⵟⵎⵎⴰⴻ ⵉⴷⴽⴰ ⵜⵜ ⵓⵏⵥⴰⵚ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ, ⵙⵉⵏ ⵍⵉ ⵏ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵡⵃⴷⴰⵏⵉⵢⵉⵏ, ⵉⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵣⴳ ⵉⵎⵏⵥⴰⵡⵏ ⵍⴻⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⵢⵉ ⴽⵉⴷⵢⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⴹⴹⴼ ⵅⴼ ⴰⴽⵕⴰⵙ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵍⵙ ⴰⵕⴷ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ: "ⵉⵔⴰ ⵉⵎⵕⵔⴰⵏ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵉⴼⴻ ⵏ ⵕⵉⴽⵓⵎⵉⵜⵔⴰⵜ ⴷ ⵉⵅⴰⵔⵡⵏ ⴷ ⵔⴱⵃⵓⵔⴰⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵡⴻⵏ ⵖⴰⵔ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵊⵊⵉⵏ ⵛⴰ ⵅⵔⴰⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⵎⵎⵔⵏ ⵅ ⵉⵊⴷⵉ!". ⵄⴰⵡⴷ ⵙⵙⵏⵀⵣⵖ ⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵏⵓ.

ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ, ⴰⵅⵎⵉ ⵊⵉⵔⵜⵓⵔⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ. ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ ⵏ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⴳⴳⵉ ⵔⵃⵙⴰⴱ: « ⵎⴰ ⵄⵎⵎⴰⵚⵟ ⵛⵕⵕ ⵜⵓⴷⴼⴷ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴷ ⵜⵉⵏⴷⵔⵜ? ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵙⴽⵉ ⵢⵓⴷⴰⵔ, ⵛⵡⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵜⴼⵚⴰⵏⵟⵉⵟⵜ ⵜⴷⵇⴽ:"As-tu déjà pris une vierge".

ⵓⵛⴰ ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉ ⵜⵜ, ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ, ⴱⴽⴰ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵇⵏ: ⵡⴰⵀ, ⴳⴳⵉⵖ ⵜⵜ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⴷⵉ ⵜⴰⵅⴰⵎⴰ ⴰⵕⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵜⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ, ⵜⴼⵙⵓⵙ ⵣⵉ ⵏⵀⴰⵔ ⵉⵏⵓ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴽⴽⵉⵖ ⴼⵙⵓⵙⵖ!»

ⵜⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵙ ⵏⵄⵎⴰⴻⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ

ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ ⵜⵉⵔⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵛⵛ ⵉⵜ ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ “Ah ! cela me repousse !” “ⴰⵀ, ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵉⵙⵙⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⴰⵢⵉ!”.

ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵍⵅⵔⵄ ⵣⵉ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⵏⵏⵙ. ⵢⵓⴼ ⵉⵜⵜ ⵜⵙⴱⵄⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵎⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵎⵛⵃⴰⵃ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⴳⴳⵯⴷ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵄⴷⵃ ⵜⴰⵎⵙⵃⴰⵢⵜ ⵍⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵉⵔⵉⵟⵟ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵅⴼ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵍⵉ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ, ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ ⵍⵉ ⵏ ⵜⴰⴳⴰⵎⴰ ⵉⵟⵏⴻⵏ ⵙ ⵜⵓⵄⵣⴰⵔⵉⵢⴰ ⵏⵏⵙ. ⵜⴳⴳⵯⴷ ⴰⵅⴰⴼⵙ ⵉⵄⴷⵓ ⵔⵡⵟⵜ, ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵏⵊⴰⵎ ⵜⵛⵓⵏⵉ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷⵅ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵜⵅⵙ ⴰⴷ ⵜⵟⴰⵙ ⵓⵛⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵜⵅⵙ ⴰⴷ ⵜⵀⵏⴰ ⵣⵉ ⵜⵓⵄⵣⴰⵔⵉⵢⵢⴰ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵎⵎ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵟⵙⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵓⵕⵖⴷⵉ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵃⴰ ⵖⴰⵔⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵍⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵉⵔⵃⵉⵎ ⵅⴰⴼⵙ, ⵜⵜⵓⴱⵓⴻ, ⴰⵎ ⵜⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ.

Ne crois pas que tu vas me prendre. Cela n’arrivera jamais, ni a toi, ni a un autre, même si j’aime!

ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵛⵉ ⴷⴰⵢⵉ, ⵄⵎⵎⴰⵇⵕ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵛⴽⴽ!

ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴰⵟⵙⴰ ⵜⵜ ⵙ ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⴱⵃⴰⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵏⵉ ⵀⵉ ⵎⴰⵏⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⴰ ⵉⵏⵜⵜⴳⴳ? ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵃⵃⵎ ⴰⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵥⵇⵉ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵊⵀⴷⵏ, ⵉⵃⵎⴰⵏ, ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵉⵜⵜⴻⵇⵇⵄ ⵉ ⵜⵜ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵖⴰⵔⵙ. ⵉⵔⵉⵟⵟ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵙⵃⵃⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵃ ⴰⵙ ⵅⴼ ⴱⴰⵅⵜⴰ, ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵥⵄⵄⵎ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⴽⴽⵙ ⴰⵇⵇⵓⴻ. ⵉⵔⴰ ⵜⴰⵇⵥⵥⵓ ⴰⴷ ⵜⵜⵔⵡⵃⵏ ⵣⵉ ⵔⵅⵔⴰ ⵍⵉ ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵡⵓⵛⵏⴰⵏ ⴷ ⵉⴼⵉⵙⴰⵏ ⴷ ⵉⴱⴰⵖⴰⵏ. ⴷⵉⵍⵉ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵄⴰⴷⴰⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵡⵟⵟⴰⵔⵏⵜ.

ⴰⵥⵓⵔⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵉⵙⵙⵉⴼⵙⵓⵙ ⴷⵖⵢⴰ. ⴰⴷ ⵉⵥⵓⵇ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ, ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ, ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⴷⵅ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵙ ⵉⵃⵙ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵉⵄⵡⴰⴷ ⵉ ⵜⵉⵏⵥⴰⵇ, ⴰⴷ ⵉⵥⵓⵇ ⵜⵉⵏⵥⴰⵔ ⵍⵉ ⵉⵛⵏⵄⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵍ ⵖⴰⵔ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴳⴳⵉⵏⵜ. ⴰⵟⵎⵎⵓⵎ ⵉⵥⵎⵎⵔ ⵉ ⵡⴰⴹⴹⴰⵕ ⴰⵎ ⵜⴼⴰⵡⵜ. ⴰⵟⵎⵎⵓⵎ ⴷ ⵡⵍⵉ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ, ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵎⵕⴱⴻⴰⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ, ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⴼⵖⵏ ⴰⵥⵓⵇⵉ ⵖⴰⵔ ⵉⴳⵇⵎⵉⵥⵏ ⴷ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵎⵉⵛⴰⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴷ ⵉⵖⵣⴷⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⴰ ⵃⵉⴷⵢⴰ, ⵅⵎⵎ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⴷⵓⴷⵜ ⵍⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵡⵡⴻⴰ ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵍⴰ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: “ⵇⵃⵉⴻ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⴷ ⴰⵟⵓⴻⴰⴻ, ⵊⴻⵓⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⴰⴷⴼ ⴷ!” ⴰⴷ ⵉⵀⵡⴰ ⵙ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⴼⴼⵏ ⵣⵅ ⵢⵉⵔⵉ ⴰⵔ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ. ⴰⵥⵓⵔⵉ ⵉⵙⴱⴷⴷⴰ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ. (…)

ⴻⵔ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⴽⵉ ⵟⵢⵢⵉ ⵎⴻⵛⵎⵎⴷ ⵣⴳ ⵓⵉⵍⵍⵉ ⵉⵜⵜⴻⵏ ⵉⵃⴰⵙⵙⵏ ⵍⵍⵙ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⴰⵓⴼⵍⵍⵉ. ⵢⴰⵟⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⵎⵎ ⴷⴳ ⵉⴹⴻⴹⴰⵏ ⵍⵙ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵉⵙⵙⵉⴷⵃ ⴷⴳ ⴻⴽⵓⵓⴰⵃ ⵍⵉ ⴰⵟⵔⵄⴰⵏ ⵛⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵙⵙⵀⵓⴰ ⴰⴽⵏⴼⴰ ⵍⵙ. ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵔⵥⵥⴻ ⴷⴳ ⵉⵎⴻⴽⴰⵏ ⵍⵉ ⵉⵢⴳⴳⵯⴰⵖⵏ ⵙ ⵜⴳⴳⵯⴷⵉ ⴷ ⵔⵛⵎⴻ ⴽⵓⴰⴼ ⴽⵓⴰⴼ, ⴻⴽⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⵓⴰ, ⴰⴷ ⵉⵀⵓⴰ, ⴰⴷ ⵉⵀⵓⴰ. ⴻⴽⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⴰⵏⴰⵎⵇ ⵉⵖⵣⴰⵏ ⵏ ⵓⴰⵓⵢⴰⵃ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵜⵉⵙⴰⵓⵉⵏ ⵙ ⵜⵓⵔⴰⵔⵉⵏ ⵉ ⵉⵊⴷⵉ ⵉⵟⴷⴷⵏ ⴷ ⵜⴰⴼⵙⴰⵔⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵓⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⵓⵜⵎⵜ. ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵍⵉ ⴷⵉ ⵜⵏⵣⵔⴻⵃⵜ ⵜⵔⵓⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵎⵛⴰⴹ ⴰⵎ ⴽⵉ ⵏ ⴼⵉⵊⴷⵉ ⵉⵛⵎⴰ. ⵎⴰ ⵜⵇⵏⴹⴷ ⵙ ⴷⴷⵇⵢ! ⵏ ⵓⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⴻ?» ⵜⵍⵍⵉ ⵜⴰⵓⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵓⴰⵔⴻⵜ ⴼⴻⵢⵉ, ⴷⵉ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ, ⴰⵎⴽ ⵉⵍⵍⴰ.

“ⵙ ⵕⵎⴰⵇⵕⴻⵟ, ⴳⵎⵉ ⵉⵜⵜⵃⵙⵉⵙ ⵉⵎⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵃⵙⵉⵙ ⴰⵄⵉⴷⵙ ⵔⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ”.

ⴻⴽⴰ ⵜⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵙ ⴻⵎⴰⵕⵕⵉ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⵖⵉⵢ ⵍⵙ ⵛⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴹⴰⵕⵕⵃ: ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⴼⵉ ⵔⵊⵓⴰⵟ ⵍⵄ.

10

ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵉⵎⵓⴷⴰⵔ

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⴷⴷⵓ ⵣⵉⴽⴽ ⵣⵉ ⴱⴰⵔⵉⵅ, ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵉⴳⴳⴰ ⵜⵎⵖⴰⵔ. ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵓⴼⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⵙ ⵜⴳⴳⴰ ⵉ ⵜⵎⵓⵟⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵣⴷⵉⵖⵜ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴷⵉ ‘ⴱⵉⵍⵉⵏⵢⴰⵏ’. Bilignin ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ: ⴱⵏ ⴷⴰⵕⵕⴰⵙ, ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⵓⵙⵙⵏⵜⴰⵎ ⵙⴰⵏ ⴱⵢⵉⵔ. ⵜⴼⴰⵇ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵙ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⴰ. ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵡⴰⵀⴰ ⵉ ⵜⵓⴼⴰ ⴰⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵉ, ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵜⵇⴰⵔ ⵅⴼ ⵓⵎⴰⵛⴰⵏ ⵉⵛⵏⵉⵏ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵎⵎⵡⵛ ⴰⵙ ⵔⵀⴷⵉⵢⵜ, ⵉⵟⵟⵙ ⴰⴷ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵙⵎⵇ..

ⵜⴰⵀⵔⵀⵉⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⴱⵔⴽⴰⵏⵜ ⵜⴳⴳⵓⵔ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⵄⵀⵕⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵅⵡⴰ ⵣⵉ ⵜⵀⵉⵔⵉⵏ. ⵎⵓⵇⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵏⵟⵟⴱ ⴷⵉ ⴱⵓⵍⴰⵏⴰⵏⴹⵉ ⵙ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵣⵡⴰⵏ ⵙ ⵍⵇⵙⵙ. ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵍⵉⵙ, ⵉⴽⴽⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵄⵚ ⵏ ⵓⵣⵉⵔ. ⵇⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⴰⵣⴳⵣⴰ, ⵉⵡⵉ ⵜⵏ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵜⵀⵔⵀⵉⵔⵜ. ⵓⵔ ⵜⵏⵏⵉ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⴷ ⵇⴷⴷ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵇⴷⴷ. ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⵜⵜⵟⵟⵉⵎ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⵄⵄⴰⵕⵏ. ⵏⵉⵖ ⵉⵔⴰ ⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵔⵉⵟⵉⵏ ⵏ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏ ⵏⵏⵓⵎⵏ ⵜⴳⴳⵏ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ. ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴷⴷⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏ ⵓⵄⵕⵉⵚ ⵉⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ. ⵜⵜⵟⴰⵙⵏ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⴷⵉⵅⵔ, ⴷⴳ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙⵏ. ⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵔⵉⵏ ⴼⴰⵟⵛⵖⵔ ⵏⵉⵖ ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ ⵔⵇⴰⵍ, ⵔⵀⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵄⵕⵉⵚ ⵏⵏⵙⵏ ⵏ ⵓⴳⵏⵙⵓ.

ⵜⴰⵔⵉⵏ, ⵜⵃⴰⵡⴰⴷⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ, ⴰⵔⵏⵉⵏ, ⵃⴷⵍⵏ, ⵜⵜⴱⴷⴰⵍⵏ, ⵜⵚⵇⴰⵇⵏ, ⴰⵅⵎⵉ ⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵄⵀⵕⵏⵜ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵜⴰⵖⴰⵔⴰⵙⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⴰⵚⴱⵇⴰⵏⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵓⵎⴰⵏⵜ.

ⵎⵓⵇⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵕⴰⵇⵖ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⴰⵍⵉⵙ, ⵃⴰⴷ ⵜⵟⵟⵏ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ, ⵜⵙⵉⵄ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵏⵏⵟ. ⴰⵎ ⵜⴼⵉⵖⵔⴰ

ⵜⵓⵣⵖ ⵅⴼ ⵉⴷⵓⵔⴰⵔ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵢⴰⵔⵡⵍ ⵣⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼⴰ ⴰⵣⴷⴰⴷ, ⴰⵡⵔⴰⵖ, ⴷ ⴰⵏⵥⴰⵇ ⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ, ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵢⵓⵄⵍⴰ, ⵢⴰⵔⵡⵍ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ.

ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵍⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⴰⵍⵉⵙ. ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵍⴱⴷⴰ. ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵜⵙⵀⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵊⵊ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵃⴰⴷⴰⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ. ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵃⴰⴷⴰ ⵔⵃⵎⴰⵢⵔ ⵏ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⴳⴳⵯⴰⴷ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵉⵜⵜ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵢⵓⵛⵉ. ⵓⵔⴰ ⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵥⵉⵔⴰⵔ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⴰⵔⵏ ⵜⴰⵔⵊⵊⵉⵊⵉⵜ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵜⴰⵀⵍ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴰⵏⵕⵎ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵓ ⵡⵏⵏⵉⴹⵉⵏ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵃⴷⴷ ⵏⵏⵉⴹⵉⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ.

ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵏⵉⵛⴰⵏ, ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⵙⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵊⴰⵔ ⵙⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵅⵎⵉ ⵡⵃⴷⵙⵏⵜ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵡⵡⴹ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵍⵃⴱⵙ, ⴷ ⵡⴰⵡⵍⵏⵓⵔ ⴽⵎⵉⵍⵏ: ⴰⵀ ⴰ ⵜⴰⴼⵓⵏⴰⵙⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⵎⵥⵢⴰⵏⵜ! ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵍⵍⵏⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵏⵡⴰⵍ. ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⴰⵎⴰⵡⴰⵍ ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⴷ ⵉⵅⵅⵉⵜⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ. "ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵛⵛⵖ... ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵟⴹⵖ... ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵙⵍⵅⴷⵖ... ⵜⴰⵜⴼⴼⴰⵃⵜ ⴰ...ⴰⵀ, ⴷ ⵜⴰⵥⴰⵇⵜ ⴰ!". ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵜⴰⵇⵏⵉ ⴷⵉ ⴷⴷⵕⵍ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵃⵙⴰⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵇⵇⵓⴹ.

ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⴰⵣⴷⴷⵓⵖⵜ ⵏ ⵢⵉⵖⵔⵎⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⴷⴼⴼⴰⵔ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙ ⴱⵏ ⴷⵇⵇⴰⵚ, ⵉⵜⵜⵙⴱⴱⴰⴱ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵢⵓⴼⵉⵏ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵣⴷⵉⵖⵜ ⴷⵉ ‘ⵇⵓⵏ’ ⵉ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵯⵊⵊ ⵛⵉ ⵅⴼ ‘ⵉⴽⵙ ⵓⵏⴱⵔⵓⴼⴰⵏⵙ’ ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵢⵓⴼⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵣⴷⵉⵖⵜ ⵏ ⵓⵏⴱⴷⵓ ⴷⵉ ‘ⴽⵓⵜ ⴷⴰⵣⵓⵜ’. ⵎⴰⵛⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵉⵏⴷⵀ ⵉⵜⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵃⴰ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵏ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵕⵏ. ⵉⵔⵉⵕⵕ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵓⵎⵉ ⵢⴰⵙⵙⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⴷ ⵙⵅⴰⵡⵛⵜ ⵏ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵓ: ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ, ⵓⵛⴰ ⵜⵕⵕⵉⵎ ⵜⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵜⵣⴷⵉⵖⵜ ⵉ ⵍⴱⴷⴰ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵔⵙⵕ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵉⵜ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵓⵛⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴱⴱⵙⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵇⵏⵉ ⵜⵉⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏⵏⵉ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵙⵏ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵉⵔⵍⵓ ⴱⵍⵍⵉ ⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⴰⵇⵏⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵅⴷⴷⵉⵖⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⴱⴷⵍ ⴰⵙⵏ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵏ ⵙ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵉⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⵡⵏ. ⵜⵙⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵉⴱⵃⵃⴰ ⴷ ⵇⵓⴹⴰ ⴰⵥⴳⵥⴰ ⵉⵅⵅⴰ ⵜⵉⵄⵓⵔⴰ ⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵡⴹ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ, ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉⵉ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵏ «ⵔⵓⵏ».

ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⵄⵊⵊⴱ ⴰⵙ, ⵜⴹⴼⵇ ⵜⵛⵏⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵔⴰⵖⴰ ⴰⵙ, ⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵍⴱⴷⴰ. ⴰⵎⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ.

ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵙⴽⴰ ⵏⵉⵖ ⵜⴰⵎⵙⵉⵖⵜ ⵏⵉⵖ ⵔⴽⵔⴰ ⵏ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵣⴷⵉⵖⵜ ⴷⵉ ⵉⵖⵔⵎⴰ ⵜⵡⵡⴹ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⵀ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵏⵓⵏⵏⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵓⵏⵓⴹ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵔⵣⵣⵓ ⴷⵉ ⵜⵎⵎⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⴱⵃⵃⴰⵔ ⴷ ⵜⵣⴷⴷⴰⵖ ⴷ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⴳⴳ ⴷⴰⵢⵏⵖ ⵓⵍ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵖⴰ ⵓⵎⵉ ⵏⵣⴷⴷⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵡⴰⴼⴰ, ⵄⴰⴷ ⴰⴷ ⵏⵇⴰⵃ. ⵔⴰ ⴷ ⵓⵎⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⴷⵡⵍ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵜ. ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵀⵇⴰⵏⵚⵉⵚⵜ, ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ, ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵡⴰⵍⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⵀⵓⵙ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⴰⵙⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⵍⴰⵎⴰⵔⵜⵉⵏ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⴱⵓⵍ ⴽⵓⴷⵉⵍ, ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⴽⵍ ⵏ ⵜⵡⴰⵛⵓⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⴰ ⵉⵖⵔⵎ ⴰⴳⵏⵙⵓ ⵏ ⵓⵀⵇⴰⵏⵚⴰⵡⵉ. ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵎⵏⵣⵉⵏⵜ, ⵓⵔ ⵜⵜⵎⴽⵔⵉⵏⵜ. ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵜⵥⴹⵄ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵓⵙⵜⵍ ⵏⵏⵉ. ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵀⵀⴰⵖ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⵥⵉⵀ ⵏⵏⵙ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵊ ⴳⵀ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵉⵏ ⵙⵏⵏⵏⵊ ⵉ ⵓⵢⴷⴷⵉⵎ ⵏⵏⵉ ⴰⵣⵣⴳⵣⴰ, ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵍⵉⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵏⵜⵜⵇⴰⵃ, ⴰ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵄⵉⵣⵣⵏ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵏⵣⴰⵇ ⵎⴰ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵏⵙⵖ ...». ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵇⴰⵊⴰ ⵛⵉ ⵜⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ, ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵢⴰⵔⵔⴹ ⵜⵇⴰⵅⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴱⵍⴽⴰⵏ, ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵛⴰⵛⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵖⵍⴰⵏ, ⵢⵓⵏⵏⵓⴹ ⴰⵙ ⵜⵉⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⵙ ⵓⵄⴱⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵣⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵓⵛⴰ ⵜⴷⴷⵓ ⴷⵉ ⵜⴰⴼⵔⴱⵉⵔⵏ. ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⵓⵀⵉⵏ ⵉⴳⵀ ⵏⵏⵙⵏ ⵙⵥⴰⵔⵥⵓⴱⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵜⵙⴰⵥⵙⴰⵏⵜ ⴳⵀ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⴳⵀ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ. ⵉⵔⵉⵥⵥ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⴰⵙⴽⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⴷ ⵢⵉⵣⵔⵢⴰⵡⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵅⴰⵎⴰ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵢⵓⵏⵏⵓⴹⵏ.

ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ, ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ, ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵍⵓⵍ ⴱⵉⵣⴰⵏ. ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵏⵖ ⵔⵅⴹⴰⵇ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵙⴰⵖ ⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⵙⵏⵖ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ. ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵀⵔⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵢⵏⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ. ⵔⵅⴹⴰⵇ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵇⵥⴹ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵉⵖⴷⵓⵏ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰⵏ ⵍⴱⴷⴰ. ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵎⵙⴱⴹⴰⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵉⵛⵛⴰⵔⵏ ⵙ ⵜⵀⴰⵡⵜ ⴷ ⵔⵄⵡⵉⵏ ⴰⵣⴳⵣⴰ ⵉⵚⵀⴰⵏ, ⴰⵔⵊⴰⵀ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ, ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵜⵓⵀⵔⴰⵢⵉⵏ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵙⵢⴰⵀⴰ ⵙ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵍⴱⵓⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵄⴽⴽⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵅⵙⴰ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵜⵜⵇⴰⵊⴰⵏ. ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⵣⴷⵖ. ⵉⵙⵙⵖⵀⵔ ⵉⵜⵜ ⵉⵊⵊ

ⵏ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⴷ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⴰⵡⵉ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵖⵉⵎⵉⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵏ ⵕⵄⵙⴽⴰ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ. ⵓⵙⵉⵏ ⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵊⵊⵉⵏ ⵜⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵔ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ ⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ. ⵍⴱⵓⴷⴰ ⵜⴰⵣⴷⴷⵓⵖⵜ ⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵏⵓ, ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵃⴰⵔ. ⴷ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵎⵎⴰ ⵉⵙⵡⴰ ⵔⵛⵕⴰ ⵏⵏⵙ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵥⵕⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴱⵓⵀⴰⵍⵉⵢⵏ ⴰⵎ ⴽⵏⵏⵉⵡ!». ⵉⵏⵏⴰ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⴰⵡⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵜⵎⵀⴹ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴰⵄⵙⴽⵔⵉ ⵥⵥⴰⵢⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵙⵖ, ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ? ⵉⵏⵉⵎ ⴰⵢⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵡⴰⵀⴰ. ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵕⵇⴱⵟⴰⵏ ⴰ ⵕⴰⵍⵍⴰ!

ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵙⵏⵏⵉ ⵣⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ, ⵣⴳ ⵓⵙⵇⵉⴼ ⵏ ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵓ. ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⴰⴷⵔⴰⵔ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ. ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴰⵔⵊⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⵙ ⵜⴰⴱⵃⵉⵔⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵜ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵛⵛⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⵓⵣⴳⵣⵓⵜ ⵉⵔⴰ ⵎⴰⵏⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵣⵔⴷ. ⵔⴰ ⵅⴼ ⵔⵃⵢⵓⴹ ⵢⵓⵍⵉ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵜⵓⴳⴰ. ⴰⵔ ⵜⵏⵏⴰ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ: «ⵜⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⴰ ⴷ ⵜⴰⵙⴽⵔⵓⵜ!». ⵓⵛⴰ ⵉⵔⴰⵖⴰ ⴰⵙ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴱⵏ ⴷⴰⵕⵕⴰⵙ, ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵎⵎⴰⵍⵏ ⴰⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵏ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵃⴰⵔ ⵅⴼ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵎⵔⵔⵜ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ.« ⵓⵎⵉ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴹⵓⵎⵎⵉ ⴷ ⴰ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⵄⴰⵡⴰⵏⴷ ⵙ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵏⵏⴽ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵙⵎⵓⵜⵓⵢⴷ ⵙⴰⵏⵜⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵛⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵜⴳⴳⴷ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵔⵅⵉⵔ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⵍⵉⵃ. ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵙⵓⵄⵍ ⵉⵜ, ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴰ ⴱⵓ ⵓⵎⵛⴰⵏ, ⵜⵜⵉⵇⵇ ⴰⵢⵉ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵙⵎⵓⵜⵢⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵙⵎⵃⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵓⵎⵉ ⴷⴰ ⵉⵊⵊ!».

ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵎⵓⵣⵔⵜ ⵜⴰⵎⵇⵔⴰⵜ ⵏ ⴰⵙⴷⵔⴰⵙ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵉⵙⵙⵉⵡⴹ ⴷ ⵜⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ, ⵜⴹⵀⵕⵏⵜ ⵛⵉⵏⵉⵜ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⴳⴳⵓⵔⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏ, ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉ ⴱⵓⵍⴰⵏⵟⵉ, ⵉⴳⵣⵣⵔ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⴷ ⴰⵣⵥⴰⵢⴽⵓ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵉ ⴰⵄⵙⴽⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⵢⵏ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵛⵛⵓⵔ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵏⵖ ⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ, ⴰⴷ ⴰⵙ ⵏⵡⵛ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵉⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⵉⵍⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ. ⵛⵎⵎ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⴷ ⵔⵇⴰⵢⴹ ⵅ ⵉⵙⴷⵔⴰⵙ ⵏⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵉⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ? ⵙⴰⴼⵉ ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵏⵊⵎⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵥⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⴰⴷ ⵉⵟⵟⴼ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵜⵉⵏⵄⵛⵉⵏ ⵅⴼ ⵎⴰⵜⴰⵢⵏ. ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵃⵙⵏ ⴰⵙ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⵙⵓⵄⵍⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵇⵇⵙⵃ ⴰⵙⵓⵄⵍⵉ ⴱⵍⴰ ⴰⵙⵍⴳⵏ, ⴰⵙⴷⵔⴰⵙ ⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵜⵉⴷⵎⵉ ⵉⵏⵓ

ⵎⵍⵉⵃ? ⴰⵎⵢⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵉ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵛⵎⵎ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵛⵇⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⴷ ⵎⵉⵏ ⵏⵅⵙⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛⵉⵏ.

«ⵜⴰ ⴷ ⵜⵉⵖⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ! ⵏ ⵛⵛⵉⵟⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵏ ⴱⵏ ⴷⴰⵕⴰⵙ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵏⵉⵖ ⵄⴰⴼⴰⴽ?». ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴳⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵍ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴷⴼⴼⴰⵔ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵢⴰⵔ. ⵉⵔⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⴼⴰⵃ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵅⵛ ⴰⵙ ⵜⴰⴱⵔⴰⵜ ⵏ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵉⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⵣⴳ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵙ ⴷ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⵛⵉⵏ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵜⵉⴷⵜ ⵏ ⵓⵎⵓⵜⵓⵢ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵙ ⴷ ⴰⴱⴷⴷⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵡⵄⵔⵏ ⵅⴼ ⵉⵎⵖⵔⴰⴱⵢⵢⵏ, ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⵉⵏ ⵔⵅⴱⴰⵔ ⵏⵏⵉ. ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⵓⵄⵍⵉ, ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⴱⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⴰⵢⵙ «ⵉⵡⵊⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵡⴰⵀⴰ, ⵉⵛⴰⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⴷ ⵜⵅⵍⵍⵚ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊⴰ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⴷⵡⵍ».

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵇⵇⵙⵜ ⴰ ⵏ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⴳⵙⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⵜⵏ ⵉⵎⵔⵔⵜ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⵎ ⵉⵊⴱⵍⵢⵏ ⵏ ⵉⵖⵔⵎ. ⵉⵔⴰⵣⵎ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⴷ ⵉⵡⵛ ⴰⵙⴽⵍⵉⵏ ⵉ ⴰⵎⴰⵔⴰ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵙⵢⵓ ⵙⴰⵏ ⴱⵢⵢⵉⵔ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵣⵓⵕ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵜⴰⵔⵡⴰ ⵏ ⵉⵎⴰⵔⴰ ⵉⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵏ ⴷ ⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵏ ⵔⵊⴷⵓⴷ ⵏⵏⵙⵏ ⵣⵉ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏ ⵢⴰⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ. ⵏⵜⵜⴰ ⵡⵃⴷⵙ ⵉⵣⵎⵎⵔⵏ ⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ.

ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵏ ⵉ ⵜⴰⵣⵣⵓⵍⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⴼⴰⵃ ⵉⵎⵛⵜⴰⵔⵢⵏ ⵏⵏⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴼⴰⵃ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ.«ⵔⵃⴰⵚⵓⵕ ⴷ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵎⴰⵔⴰ ⵢⵓⵔⵊⴰ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙ, ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵔⵊⴰ». ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵏⵏⴰ: ⵉⴳⴳⴰ ⵔⵎⵣⵢⵢⵜ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵏⵖ ⴱⵉⵏ ⴰⵙⵏⵙⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴰ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⵉⵀⵏⴰ ⵣⵉ ⵜⴳⵏⵏⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⴷⴰⵔ ⴰⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ, ⵎⴰⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵄⵔ ⵉⵜ ⵕⴱⴱⵉ, ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵍⵉⵃ ⵓⵎⵉ ⵉⴷⵖⵔ. ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵔⴰ ⵉ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ ⵉ ⵉⴱⴷⵍⵏ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵏⵏⵖ ⵉⵎⵣⵢⴰⵏⵏ ⵙ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵎⵖⴰⵔⵏ, ⵜⵙⴰⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵏ ⵔⵓⵏ ⴷ ⵜⵓⵣⵣⴳⵯⵣⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵉⵜⵜⵃⴷⴷⵉⵏ. ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵢⵉ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵣⴳ ⵓⵢⴷⴷⵉⵎ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ. ⵃⵎⴰ ⵣⴷⵖⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵔⵡⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⴱⵓⵖⵍⵓⵜ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵍⴼⵉⵍⵎⴰⵜ ⵉⵣⵢⴽⵓⵜⵏ ⵏ ⵡⴰⵏⴳⵍⵉⵣ. ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵉⵏⵓ! ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵜⵚⴱⵃ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⴰ! ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵉⵔⵍⵓ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⴰⵔⵡⵙ ⴷⵉ ⵜⵙⴽⵕⵓⵜ ⵜⵓⵄⵍⵉⴷ ⵣⵉ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ!»

ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵔⵀⵏⴰ ⴷ ⵓⵙⵖⴷⵉ, ⵓⵔ ⵜⵙⵔ̌ⵉⴷ ⵖⴰ ⵉ ⵓⵙⵎⵓⵀⵔⵓⵜ ⵏ ⵉⴼⵓⵏⴰⵙⵏ ⴷⵉ ⵜⴱⵃⵃⴰⵔ ⴷ ⵜⵣⴷⴷⴰⵖ ⵉ ⴷ ⵢⵓⴷⵙⵏ. ⵏⵉⵖ ⴰⵎⵙⵔ̌ⵉ ⵏ ⵓⵙⵔⵙⴰⵔ ⴷⴳ ⵢⵉⵔⵉ ⵏ ⵜⵉⵖⴰⵢⴹⵉⵏ ⴷ ⵉⵛⴰⵕⵢⵏ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⴰⵔ̌ⵢⵏ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵔⵜ ⵏ ⵉⴷⵓⵔⴰⵔ ⴰⵛⵎⵔ̌ⴰⵔ̌. ⴷ ⵉⵇⵣⵉⵍ ⵏ ⵉⵎⵢⵙⴰⵏ ⵜⵜⵣⵓⵏ. ⴷ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵔ̌ⵓ, ⵎⴽⵓⵕ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⵜⵅⵛⵛⴰ ⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵙ ⵜⴹⵚⴰ ⵍⵙ ⵜⴰⵣⵉⵔⴰⵔⵜ, ⴰⵔ̌ⴰⵎⵉ ⵜⵜⴳⴳⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵍⵙⵏ. ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⵎⵄⴰⵛⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴰⵔ̌ⵉⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⴰⵡⵡⵉ ⴷ ⵜⵔⵓⵙⵙⵉ ⴷ ⵙⵓⵔ̌ⵔ̌ⵜ ⵏ ⵜⵎⵔ̌ⵔ̌ⴰⵔ̌ⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵛⴰⴽⴰⵏ ⵜⵎⵚⴱⴹⴰ ⵣⵉ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵍⵙ. ⵉⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ, ⵜⵎⵔ̌ⵔ̌ⵉⵖ: « ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙⵔ̌ⴰⵔ̌ⵉ ⴰ ⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴽⵕⴰⴹ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵜ ⵍⵉ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ: ⴷ ⵜⵛⵔⵉⵛⵜ ⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵔ̌ ⵉⴷ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⴻⵜⵜⵖ ⴰⴽⴷⵡⵎ ⵔ̌ⴱⴷⴰ ⴷ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴱⵢⵉⵔⵔ̌ⵓⵜ...

ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵍⵙ ⵅⴼ ⵜⵙⴽⵔ̌ⴰ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵙⴰⵡⵉⵜ. ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵔ̌ⵓ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⵡⵡⵉ ⴰⵙ ⴷ ⵉⴷⵔ̌ⵉⵙⵏ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵎⵎⴰⵔ̌ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⵙ. ⵣⵉ ⵜⵙⴷⵎⵔ̌ⵉⵙⵜ ⵏ ⵓⵙⵏⵙⵉ. ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵖⵔⴰ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ ⵅⴼ ⴱⴰⵔ̌ⵣⴰⴽ ⴷ ⴱⵉⴽⵜⵓⵔ ⵀⵉⵊⵓ ⴷ ⴼⵔ̌ⵓⴱⵢⵉⵔ ⴷ ⵣⵓⵔ̌ⴰ ⴷ ⵎⵓⴱⴰⵙⴰⵏ... ⴷ ⵡⵉⵍⵉⴹⵏⵉ. ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵓⵏⴳⴰⵔ̌ⵏ « ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵓⴼⴰⵔⵉ » ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ, ⵎⴰ ⵓⵎⵉ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵉⵅⵡⵍ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵅⵙⵏ ⵍⴹⵏⵉ. ⵏⵉⵖ ⵙ ⵜⵎⴰⵎⴽⵜ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉⵙⵙⵏ, ⵉⴳⴳⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵙⵙⵓⵄⵔ̌ⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⴹⵄⴼⵏ ⴰⵔ̌ⴰⵎⵉ ⵜ ⵉⵙⵙⵉⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵔ̌ⵃⴰⵎⴰ ⵜⴰⵙⴽⵔ̌ⴰⵢⵜ?. ⵉⵔⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵛⵓⵏⵉ ⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵛⵇⵉ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵔ̌ⴰⵢⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵉⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⴰⵎⵙⵙⴰⵡⴰⴹ ⵍⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵔ̌ⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⵍⴰ ⴱⵔ̌ⵔ̌ⵉ ⵓⵔ ⵢⵓⴼⵉ ⴰⵙⵓⵔ̌ⴼ ⵔⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵔⴰ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔⴰ ⵉ ⵡⵉⵍⵉⴹⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⵉⵍⵉ ⴰⵎⵍⵉ ⵡⴰⵀⴰ! ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵇⵙⴰ? ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵔ̌ⴱⴷⴷⴰ, ⴱⵔ̌ⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ, ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ, ⵄⴰⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵅⴼ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ? ⵡⵍⵉ ⵉⵙⵓⵏ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵙⵙ? ⴷ ⵡⵍⵉ ⵉⵜⴻⵜⵜⵏ ⴷ ⵡⵍⵉ ⵉⵙⴽⴼⵏ ⵔⵄⵡⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴰ ⵡⴰⵀⴰ!

ⵉⵔⴰ ⵉⵇⵇⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵙⵙⵓⵄⵔ̌ⴰ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⵣⴳ ⵓⴷⵔ̌ⵉⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⵇⵡⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵍⴰ ⵉⴳⴳⵯⵏⵏ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵢⵔⴰⵡ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴰⵎⴳⴷⵓⴷⴷⵉ, ⵏⵉⵖ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵍⵉ ⵜⴰⵛⵎⵔ̌ⴰⵔ̌ⵜ ⵉⵜⵜⵓⵍⵓⴹⵏ ⵡⵃⴷⵙ, ⵉⴱⴷⴷⵏ ⵙⵏⵍ ⵉ ⵓⵣⵔ̌ⵔ̌ⵉⴼ ⵍⵙ. ⴷ ⴼⵉⵔⵓ ⵍⵉ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵉ ⴷ ⵉⴼⴼⵖⵏ, ⵉⵀⵡⴰ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ. ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜ ⵏ ⵜⵢⴷⴰ ⵅⴼ ⵓⵣⵔ̌ⵎⴰⴹ ⵍⵙ. ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⴽⵔⵓⵜⵉⵏ ⵏ ⵜⴼⴰⵃ ⴷ ⵔⵎⴰⵛⵎⴰⵛ ⴷ ⴰⵔⴷⵔ̌ⵉⵎ ⴷ ⵜⵜⵓⵜ ⵉⵜⵜⵎⵖⴰⵔⵏ ⴷⴳ ⵓⵏⵍⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵏⵇⵔⴰⴱ ⵖⵔ ⵔⵙⴷⵓⴷ ⵏ ⵔⴳⵓⵛⴼ ⵢⵓⴹⵙⵏ

ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵄⵉⵕ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⴷ ⵓⵣⴳⴳⵯⴰⵖ ⴷ ⵓⴱⴰⵔⴽⴰⵏ. ⵔⵙⴷⵓⴷ ⵏⵏⵉ, ⴰⴳⵎⵉ ⵙⵙⵓⵏⵖⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⵉⵢⵢⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵓⵙⴰⵄⵔⵏ ⴷⵉ ⵉⴽⵯⵍⴰⵏ, ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵟⵟⴰⴱⵍⴰ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵄⵀⴰⵕ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵓⴳⵓⵔ ⴷ ⵣⵉⴽⴽ ⴰⵙⵙ ⴰ, ⵣⵉ ⵎⵎ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ, ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ. ⵜⵃⴷⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵉⵄⴼⵕ ⵉⵜⵜ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ, ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵜⵉⵍⵉ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⴷ ⴰⵍⵓⴳ ⵏ ⵓⵇⵢⵢⴷ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵓⵜⵜⴱⵍⴰ ⵙ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵅⴼ ⴷⴰⵛⵢⵉⵍ ⵀⴰⵎⵉⵜ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵎⴰ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⴰⵎ ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏ ⵍⴱⵓⵍⵉⵙ ⴷ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⴱⵇⵇⴰⵄ. ⵢⵓⵛⴰⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⵅⴼ ⵜⵓⵥⵥⴳⵯⵥⵓⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵄⵏⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵀⵡⴰ ⴷ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ, ⵜⵡⵄⵀⴰⵕ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴰⵎ ⵓⴼⵉⵔⵓ.

ⵓⵔ ⵅⴼ ⵉⵃⴷⴷⵓ ⵛⵉ, ⵣⵉ ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⴷ ⵓⵎⵢⵍ ⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴷⴰⵔⵏ ⴷ ⴰⵛⵄⴰⵄ ⵏⵏⵙ ⵉⵄⴼⵙⵏ. ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵎⵢⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵛⵇⴰ ⵜ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⵏ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⵄⵜ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⴳⵉⵡⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴱⴷⴷⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵏⴽⵔⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔ ⵎⵥⵕⵉ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵕⵕⵓⵄ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴹⵥⵥⵓⵄ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵢⴰⵛⴰ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⵏ ⵜⵓⴼⵔⴰⵢⵉⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵡⵉⵙ ⵚⵄⵉⵚ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵔⴰ. ⵜⵓⴼⵔⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖⵏ ⵣⴳ ⵢⵉⵎⴰⵏ, ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⴳⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵡⵉⵍ, ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎ ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵉⵣⵣⴰⵔ ⵉ ⵜⵜ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵜⴳⵙⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵓⵜⵜⵔ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⴹⵛⵛⵎ ⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴷⴳⴳⵍ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴰⵍ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴱⵓⴼⴰⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⵢⵏⵓⵏ, ⵓⵔ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵔⵊⵉⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵎⴰ, ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ. «ⴰⴳⵎⵉ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⴼⵕⴰⵏⵙⴰⵡⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵢⵏⵓⵏ, ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵡⵟⵟⴰ ⴷⵉ ⵜⵙⵔⴰⴼⵜ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ, ⵓⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵔⴰⵣⵎⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ. ⵖⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵙⵎⴹ ⵉ ⵜⵖⴼⴼⴰⵏⵜ ⴰ!». ⵓⵛⴰ ⵃⴰⵡⴷ ⵉⵜⴷⴳⴳⵍ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵜⴰⵎⴳⵉⵜ ⵏ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵥⵕⵓⵄ, ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ ⴱⵍⴰ ⴰⵎⵢⴰⵡⴰⵄ, ⵓⴳⴳⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵇⵇⵏ, ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵜⵎⵃⴰⵡⴰⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵔⵎⵔⴰⴹ, ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⴰⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⴷ ⵉⵊⵊ, ⵜⴰⵙⵡⵡⵓⵔⵉ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ, ⵜⵉⵎⴳⴳⴰ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ, ⴰⵏⵀⵥⵥⵉ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ, ⴰⵡⴰⵍⵏ ⴷ ⵏⵉⵜⵏⵉ, ⵉⵍⵙⴰⵡⵍ ⴷ ⵏⵉⵜⵏⵉ.. « ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵏ «ⵢⵉⵎⵎⴰ» ⵍⵍⴰⵏⵜ ⵓⵃⵍⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. « ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⴹⴷⴰⵊ ⴰⵣⵃⵎ !».

ⴰⵎⴹⴰⵄ ⵅⴼ ⵜⵓⵥⵥⴳⵯⵥⵓⵜ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⴹⵎⵎⴷ, ⵔⴰ ⴷ ⵡⴰⵄⵓⵏ

ⵛⴰⵇ ⵢⵓⴼⴼⵏ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴼⵡⵡⴰⵔ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⴼⵓⵕⵜ ⵢⴰⵙⵙⴰⵏ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵓⵣⵣⴳⵯⵣⵓⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵎⵃⵄ ⴷⵉⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴷⴰⵙ ⵍⵙ, ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⴷⴽⵉⴷ ⵍⵙ. ⵉⵔⴰ ⵎⵉⴽⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵡⵃⴽ ⵏⵉⵖ ⵜⵥⵏⵄ ⵣⵉ ⵓⴷⴽⵉⵙ ⵍⵉ, ⵜⵙⵙⵏ ⴹⴽⴽⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵥⴰ ⵜ ⴷⵉⵍⵉ ⴰⵕⵉⴷⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⵉⵔⵃⵉⵎ ⵖⴰⵔⵙ ⵅⴼ ⵓⵀⴷⴷⵉⵙ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵥⵙⴰ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⴽⴰⵢⵜ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵊⴰⴹ ⵉ ⵜⵜ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵎⵎⴰ. ⵜⵜⵎⴱⴰⵔⵔⴰⵜⵏ, ⵓⵛⴰ ⵜⵖⵉⵎⴰ ⵜⵜⵓⴹⵓⵄ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵍⵓⵎ. ⵏⵛⵛ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ, ⵙⵙⵏⵖ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵎⵓⴳⴷⵉⵔⵉⵏ ⵍⵉ ⴽⴹⴷⴰ ⴰⵥⴰ ⵜⵏⵜ ⴷⵄⵏⵜ, ⵉⵜⵜⵔⵉⵥⵥⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵅⵎⵉ ⴱⵏⴰⵏⵜ ⵣⵉ ⵥⴰⵎⴰ ⴷ ⴹⴰⵄⴰⵄ ⵏ ⴹⵙⵙⵉⴼ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⵙⵏ ⵙ ⵓⵎⴱⴰⵔⴷⴼ, ⴰⵎ ⵓⵎⵣⵉⵡ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⴳⵢⵢⵉⵥⵏ ⴰ ⵙ ⵓⴷⴱⴰⵛ ⵍⵉ!

ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ, ⴰⵕⴷ ⵓⵖⵉⵎⵉ ⵍⵉ ⴰⵚⴹⵃⴰⵏ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ. ⴷⴳ ⵡⴰⵄⵓ ⵍⵉ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵉⵙⵕⵔⵓⵜⵉⵏ ⵏ ⵕⴰⵎⵜⴰⵔⵉ, ⵜⵓⵜⵜⴰⵔ ⴰⵙ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵥⴰⴹⵔ ⵜⴰⴹⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⴹⴽⴽⵉ ⵜⵜⵟⵟⴰⴼ ⵣⵉ ⴹⴰⴹ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵥⵔⵀ ⵜⵉⵙⵕⵔⵓⵜⵉⵏ ⵏ ⵔⴳⵓⴳ ⵉⵡⵙⴰⵔⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵣⵣⵓⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙⵏⵜ ⵜⵉⵍⵉⵄⵏ ⵜⵉⵎⴰⵢⵏⵓⵜⵉⵏ. ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⵥⵔⵀ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵔⵎⴰⵛⵓⵔ ⵍⵉ ⴰⵀⴼⴼⴰⵏ ⵉ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵍ ⵉⴹⴳⵓⵛⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⵥⴽⴽⵉⵥⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵎⴱⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⵕⵉⴷⵙ ⵅⴼ ⵡⴰⵊⵓⵊⵏ ⴷ ⵉⵥⴰⵥⵔⵉⵡⵏ ⵉ ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵏⵟⵡⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵍⴰⵏ ⵏⵡⴰⵏ, ⵓⴼⵉⵏ ⵉⴳⴹⵉⵔⵏ ⵏ ⵉⴼⵉⵖⵔⴰⵏ, ⵖⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵓⴷⵙⵏ ⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵣⵣⵓⵏ ⵔⵔⵙⴷⵓⴷ ⵏ ⵕⵔⵓⵎ. ⵜⵙⵎⵉⵡ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵛⵉⵛⵜ ⵙ ⵊⵏⴱⴷ ⴰⴽⴰⵎⵉ ⵜⵏⵄⵓ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵙ ⵓⵎⴱⴰⵔⴷⴼ ⵍⵉ. ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵙ ⵅⴼ ⵓⴽ ⵍⵙ: «ⵀⴽⴰⵢⵏ ⵉⴹⴷⴷ ⴰⵢⵉ ⵓⴽ, ⵓⵓⵓⵓⴱ!» ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵏ ⴰⵎⵛⵉⵛ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵏⴷⵡⵏ ⴰⵎ ⴽⴹⴷⴰ, ⵏⵉⵔⵜⵉ!» ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵡⴰⵄⴱⴰⵇ ⵉⵀⵊⴹ ⴰⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵅⵎⵉ ⵜⵎⵅⴰⵡⴰⵄⵏ ⵉⵎⵛⵉⵛⵏ. «ⵛⵕⵕ ⵓⵔ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴰⵎⵍⵉ ⵡⴰⴱⴰ! ⵎⴰ ⴷ ⴰⵎⵛⵉⵛ, ⵎⴰ ⴷ ⵜⵎⵛⵉⵛⵜ. ⵎⴽⵉⵃ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⵉⵎⵛⵉⵛⵏ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴰⵎⵎⵓ, ⴹⴽⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵃⴷⴷ. ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵜⴳⴳⵏ ⵎⵉⵏ ⵅⵙⵙⵏ ⴷⵉ ⴹⴰⵇⵇⴰ!»

ⴷⴳ ⵓⴹⵔⵉⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⴹⴷ ⴷⵡⴽ, ⵜⵥⵥⵉⵎ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵀⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ ⵍⵙ ⵉⵜⵜⵎⵏⴰⵢⵏ ⵙ ⵜⵣⴷⴷⵉⵖⵜ ⴰ. ⴷⴰ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴹⵉⵕⴰⵙⵓ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵎⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ. ⵏⵜⵜⴰ ⵢⵓⴷⵙ ⴰⵏⵖ ⴷ ⴰ, ⴰⵎⵏ ⴰⵕ ⵍⵉⵖ ⵣⴷⴰⵜ, ⵏⵜⵜⴰ ⴰⵥⴰ ⵜ ⴷⵉ ‘ⴰⵏⵜⵉⴹ’. ⵔⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵏⵡⵊⵉⵡⵏ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵡⵙⵀⵏ. ⴷ ⵉⵛⴰⵕⵏ ⵜⵜⵥⵥⵉⵎ ⵃⴰ ⵜⵜⵎⵏⴷⵔ. ⵉⵍⴰ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: « ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵏⵉ ⵏⵥⴰⵇⵉ ⵍⵄⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵏⵣⵣⵓ. ⵃⵙⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵇⴰⵃⵖⴷ ⴰⵔ ‘ⵎⴰⵔⵔⵙⵉⴽⵢⴰ’ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵡⵉⴷ ⵙⵍⵉ ⵉⵕⴽⵓⵙⴰ ⵏ ⵜⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⴷⵉⵍⵉ ⵉⵎⵙⴹⵄⴰ. ⵜⵉⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⵏ «ⴰⵕⴰⵙⵢⴰ» ⴷ «ⵎⴰⵔⵊⴰⵔⵉⵜ» ⴷ «ⵎⴰⵏⵢⵓⴽⵢⴰ» ⴷ «ⵙⴰⵡⵙⴰⵏ» ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵣⵣⵓ

ⵢⵓⵏⵓⴹ ⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⵅⴳ ⵊⵊⵍⵜ ⵍⵖ ⵙ ⵉⵅⴼ ⵍⵖ». ⵓⵛⴰ ⵜⵊⵊ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⵎⵉⵄⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ. ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵜⴱⴽⵉⵔⵜ ⵉ ⵢⴰⵔⵡⵙⵏ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⵓⵎⵖ ‘ⴰⴱⵓⴷⵉ’ ⴷ ⴰⵎⵣⴰⵢⵏ, ⵏⵉⵖ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵍⴹⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⵎⵉⵄⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ!.

ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵜⵜⴽⵥⵥⴰⵥ ⴷⵉ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵍⵙ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵎⵙ ⵎⴰⵖⴰⵔ ⵙⵅⴰⵡⵛⵜ ⵍⵙ? ⵎⴰ ⵜⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵃⴼⴼⴰⵏ ⵖⴰⴷ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ? ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵙⵍⵍⵊ ⵉ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⴷ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵜ. ⵓⵛⵇⴰⴼ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⵓⵛⵇⴰⴼ ⵍⵉ ⴷ ⴰⵣⴷⴰⴷ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴹⵀⵇ ⵙⵉⴰⵡⴰ ⵎⴰⵔ ⵜⵡⵡⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴼⵓⵕⵜ ⵏⵉⵖ ⵜⵉⵔⵉ. ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵣⵉ ⵔⴰⴷⵙ ⴷⴳ ⵉⵅⵔⵎⵉⵣⵏ ⵏ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵉ ⵢⵓⴼⴼⵏ, ⴷ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵖⵙⵎⵉⵔⵜ ⵍⵙ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵉⵇⵉ ⵍⵙ, ⵃⴰⴷ ⵉⵅⴷⴰⵔ, ⵉⵜⵜⵖⴰⵇⵇⴰ ⵡⵍⵍⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵅⵣⵣⵔⵏ, ⵉⵜⵜⵃⵛⵛⵉⵥ ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵔ ⵎⵣⵇⵉ ⵙ ⵓⵙⴰⵍⵍⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵔⵉ ⵉⵔⵉⵡ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴰⴷ ⵜⵀⵏⴰ. ⵖⴰⵔⵙ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⵛⵎⵄⵄⴰⵄⵜ ⵜⴰⵄⵅⵅⴰⵖⵜ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴰⵇⵇⵓⴹ ⵍⵙ ⵉⴹⴼⵙ, ⵜⵜⴳⴳ ⵔⵅⴰⴹⴰⵇ, ⵜⵙⵙⴰⵔⵊⴰⴼ. ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵙⵕⵕⴰ ⵏ ⵍⵊ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵕⴷ ⵎⵓⴽⵎⵎⴷ, ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴼⵓⵙ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵔⵓ ⵜⴰⵔⵥⴱⴰⵜ ⵍⵙ ⵜⴰⵛⵎⵄⴰⵄⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵃⴰⵡⵏ ⴰⵕⵉⴷⵙ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵜⵕⵕⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵃⵔⵓⵔ. ⵉⵙⵙⴰⵔⵙ ⴰⵙ ⵙⵉⵔⵙⵉⵜ ⵅⴼ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵙ ⵜⵎⵉⵏⵓⵜ ⵍⵉ. ⵔⵅⴷⵍⵍⵉ ⵉ ⵜⵜⵉⵔⵉⵏ ⵉⵎⵅⵙⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⵉⵜⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⵍⴰ, ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ, ⵜⵎⵙⵓⵃⵔⵓⴼⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵣⵉ ⴱⴷⴷⵓ.

ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵍⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴼⵓⵕⵜ ⴷⵉ «ⵄⴰⵢⵏ» ⵜⵙⵙⵉⵊ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵢⵉⴹⴰⵚ ⵍⵙ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⴷ ⵜⴰⵣⵉⵔⴰⵔⵜ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵜⵔⵙⵥ ⴷⵉ ⵔⴽⵉⴹ ⵏ ⵓⵣⵇⵓ, ⵢⵓⵃⵄⴰⵏ, ⵉⴹⵇⵉⵏ ⵙ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ. ⵜⵙⵙⵉⵊ ⴷ ⵙ ⴰⵇⵇⵓⴹ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⴰⵛⵎⵄⴰⵄ, ⵉⵙⵡⴰⴹⵀⴰⵇ, ⴰⴹⵓ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⵉⵏⴷⴷⴰⵔⵏ. ⴰⵎⵏ ⵃⴰⴷ ⵜⵕⵕⵔ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⴹⵏⵉⵜ ⵜⴽⵎⴰ ⴰⵕⴷ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ. ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ ⴷⴳ ⵓⵛⵎⵄⴰⵄ ⵅⴼ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ, ⵜⵙⵙⵔⵊⵊⴼ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ.

ⵎⵓⴽⵎⵎⴷ ⵉⴼⴰⵥ ⵣⴷⴰⵜ ⵍⵙ. ⵉⵀⵡⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⴷⴷⵓⵇⵉ, ⴰⵎⵏ ⵉⵍⵓⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ. ⵢⵓⴼⴰ ⴰⵄⵉⵙ ⵙ ⵓⴱⴷⴷⵉ ⵍⵙ, ⵜⵜⵀⵓⴷⴷⴰ ⴰⵎ ⵄⴱⴷⴰ. ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵜⵙⵓⵊⴷ ⴰⵖⵓⵊⵊⵔ ⴰⵚⴱⴽⴰⵏ ⵏ ⵉⴼⵇⴰⵏⵙⴰⵡⵢⵏ ⴱⵄⴰ ⴰⵕⵄⵄⴼ. ⵔⵥⵀⵡⴰ ⵜⴰⴱⴰⵔⵕⴰⵏⵜ ⵜⴼⵙⵓⵙ, ⵜⵔⵓⵙⵙⵉ, ⵜⵉⵕⵄⵉⵄⵜ ⵏ ⵜⵖⴰⵜ, ⴰⵖⵔⵓⵎ ⵉⵥⵥⴷ, ⵜⵉⵢⵓⵔⵉⵏ, ⴰⵎⴰⵖⵓⵙ ⴷⴳ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⴼⵏⵊⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵎⵣⵣⵢⴰⵏⵉⵏ: ⵛⵉ ⵏ ⵇⵎⴰⵛⵎⴰⵛ ⴷ ⵡⵍⵍⵉ ⵏ ⵜⵣⵡⴰⵄⵜ ⴷ ⵡⵍⵍⵉ ⵏ ⵜⴰⵣⴰⵔⵜ, ..ⵜⴱⴷⴷ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵜⵇⴰⵊⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵀⵡⴰ ⵜⴰⴽⵓⴷⵔⵉⵜ. ⴰⵏⵣⵡⵉ ⵏ ⵄⴱⴷⴰ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵍⵉ ⵉⵃⴷⴷⵓⵏ ⵟⵟⴰⵡⵏ.

ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵍⵉ ⵢⵓⵃⵄⴰⵏ ⵏ ⵓⵕⵛⵛⵓⴹ ⴰⴷⵎⵎⴰⵏ, ⵜⵥⵥⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷ ⵙⵍⵍⵉ

ⴷⵉ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵙⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵜⴰⵢⵙⴰⵜ ⵜⴳⴳⴰ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵉⴹⴼⴼⵓⵙⵏ ⵏ ⵜⵡⵜⴰⵏⵜ ⴷ ⴰⵣⵣⴳⵣⴰ. ⵜⵉⵙⵔⴽⵕⵓⵜⵉⵏ ⴷ ⴽⵔⵓⵎ ⴷ ⵜⵉⴹⵕⵉⵏ. ⵜⵅⴹⵔ ⵜⵓⵣⴳⵣⵓⵜ ⵣⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵃⴷⵇⵏ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ. ⵢⴰⵙⵙⴰ ⵔⵃⴰⵍ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⴳⴳⵓ ⵉⵅⵏⵇⵏ, ⵓⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵉⵙⵇⴰⵔ, ⵢⴰⵔⵙⵙⴰ, ⵃⴰ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⴷ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴷ ⵔⵀⵏⴰ.

ⵎⵍⵉⵃ ⵓⵎⵉ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵃⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴽⴽⵙ ⵔⵖⴱⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵔⵄⵡⵉⵏ ⵉⵥⴷⵉⵅⵏ, ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵛⵓⵏⵉ.

ⵖⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵜⵀⵡⴰ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵅⵛⵛⵉ ⵏⵏⵙ ⵖⵔ ⵡⴰⵏⴷⵓ ⵏ ⵓⵖⵓⵊⵊⵔ. ⵜⵡⴰⴹⵀⴰⵕ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵎⵍⵉⵃ ⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵔⵅⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ. ⵉⵥⵕⵉ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⵉⴳⵔⵎⵉⵥⵏ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ, ⵉⴱⴷⴷⵏ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵜⴰⵙⴽⵔⵓⵜ ⵏ ⵎⵉⵕⵕⵓ, ⵉⴷ ⵉⵙⵙⵓⴼⵖⵏ ⵜⵉⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ. ⵜⵜⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵅⵉⵢⵢⵇ ⵉⴼⵙⵓⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵟⵟⴼ ⴷⴳ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⵏⵏⵉ ⴰⵣⴷⴰⴷ ⵉⵙⵙⵖⵎⵉ ⵔⵡⴰⴹ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵏⵜ ⵙ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵜⵎⵙⵓⵣⵣⵓⵔⵏⵜ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵛⵛⴰⵜ ⴰⵙ ⴷⵉ ⵜⵖⵔⵓⵜ. ⵜⵏⴷⵀ ⵉ ⵜⵜ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵏⴷⵓ, ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⴼⵙⵙⵏⵜ ⴷⵉ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏ ⵓⵖⵓⵊⵊⵔ. ⵎⵉⵏⵥⵉ ⴰⴷ ⵜⴰⵙ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵉⵔⵍⵓ ⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵙⴰⵔⴰⵏ ⵅⴼ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵏ ‘ⵔⵓⵏ’.

ⴰⵎⴰⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵀⵡⴰ ⴷ ⵡⵃⴷⵙ, ⵉⵜⵜⵙⵢⴰⵃ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎ ⵜⵙⴼⴼⴰⵢ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ.

ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵃⴰⵔⴱⵏⵜ ⵙ ⵔⵣⵢⵓⴼ, ⵜⵉⵃⴰⵔⴰⴼⵉⵏ ⵜⵜⵎⴰⵀⴰⵔⵔⴰⵜⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵙⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵢⵎⵎⴰⵔⵏ, ⵜⵕⴰⵊⴰⵏ ⵜⴰⵙⵏⵏⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⴰⵏ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵥⵓⵇⵇⴰ ⵉⵖⵣⵔ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵜⵖⴰⵔⴱⵓⵜ ⵡⴰⵃⴷⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵜ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵛⴰ ⵜⵥⵎⵓⵎⵎⵉ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎ, ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵢⵖ ⵛⵉ ⵏⵛⵛ». ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⴰⵍⵓⵅ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵎⵎ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ. ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⴰⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵏⵎⵔⴰⵡⴰⵙ».

ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵓⵔ ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⴼⴹⵃ ⵉ ⵢⵏⵏⴹⵏ ⵅⴼ ⵜⵉⵡⵏⵉⵎⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⵙⵡⵊⴳⵎ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵙ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵅⵥⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵢⴰⵔⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⴷⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵓⴽⵜⵜⵓ ⵏⵏⵙ ⴰⵔ ⵖⴰ

ⴰⵡⴹⵏⵜ, ⴰⴷ ⵙⵎⵎⵏⵜ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵃⵉⵎⵏⵜ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵎⵓⵏⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⴷ ⵜⵙⴷⴷⴰⵔⵉⵏ, ⵜⴰ ⵅⴼ ⵜⴰ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⴷ ⵉⵡⵡⴹ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⴷⵉ ⴰⴷ ⵍⵓⵍⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⴰⵎⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ, ⵉⵔⴰ ⵉⴼⴰⵕⵕⵃ ⵅⵎⵉ ⵜⵜ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜⴼⴰⵕⵕⵃ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ. « ⵓⵔ ⵙⵅⴰⵔⵉⵇⵖ ⵛⵉ, ⵏⵛⵛ ⵇⴱⵔⵖ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵉⵙⴰ, ⴼⴰⵔⵃⵖ ⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵜⴼⴰⵔⵔⴰⵃ». ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵉⵔⴰ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵄⴰⴷ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ. ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵜⵉⵙⵎⵉⵏ ⵅⴼ ⴰⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵏⵙⵢⴰⴼⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ, ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵖ, ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵙⵎⵓⵏⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⴱⴹⴰⵏ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ.

ⵉⵎⵃⴹ ⴷⵉ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴳ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵚⴼⴰⵏ ⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⴰⵏ ⵜⴰⵕⴰ ⵉ ⵣⵉ ⴷ ⵓⵙⵉⵏ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵎⴰⵏ ⵚⴱⴱⴰⴱ ⴰⴷ ⵀⵡⴰⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵜⵓⵙⴰ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵙ, ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵜⵙⴽⴽⵏ ⵙ ⵢⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵜⵜⵏⵏⴰ ⵙⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉ ⴷ ⵜⴰⵙ, ⵙⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉ ⴷ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵉⵖⵣⴰⵔ ⵏ «ⵔⵓⵏ». ⵡⴰ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵍⵍ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⵎⵓⵟⴰⵡⴰⵙⵙⵉⵟ. ⵜⵃⴰⴹ ⴷ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⴰⵍⵉⵙ ⴷ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙⵏⵜ ⵜⵓⵙⴰ ⴷ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ ⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ. ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵙⵙⴰⵔⵙⵏ ⴷ ⴰⵎⵛⵍⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ, ⴰⵎⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵏⴰⴼⵓⵜ, ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ. ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴱⵢⵉⵔⵍⵓ ⵉⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ.

ⵜⵎⵃⴹ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⴰⵢⵃ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵓⵎⵛⵕⵉ, ⵊⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ, ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴹⵓ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⴼⴰⵃ. « ⴰⵔ ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴰⴷ ⵉ ⵙⵙⵏⵖ, ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵜⵛⵏⴰ». ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵍⵃⵙⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵙⴰⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ? «ⵍⴰ ⴷⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵏ ⵜⴰⵢⵔⵉ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ!» ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ. ⵜⵉⵎⵙⴰⵔⵉⵏ ⴷ ⵢⵉⵎⵙⴰⵔⴰⵏ ⵓⴳⴳⵓⵔⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⴳⴳⵓⵔ ⴷⵉ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵣⴳⵏ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ. ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⴰⵣⵣⵍ, ⵜⵜⵏⵏⴰⵇ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵢⴰⵣⵣⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⴳⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⴰⵣⵣⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵜⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵜⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵥⵕⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⵉⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⴽⵓⵣ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⴰⵣⵣⵍ ⵅⴼ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵜⵓⴳⴰ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⴼⴼⵏ ⵙ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⵉⴼⵙⵓⵙⵏ, ⵜⵜⵏⵟⵟⵓ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ ⵉⵥⵕⴰ ⴷ ⵉⵖⴰⵔⴷⴰⵢⵏ. ⵜⵜⵏⴳⵥ ⴷⵉ ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⵙ, ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⴹⴰⵡ ⵉ ⵜ ⵔⵄⵡⵉ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⴰⴳⴳⵯⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵙⵙⵓⵃⵔⵓⵜ. ⵓⵛⴰ ⵜⵜⵖⵎⵎⵥ ⴷ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵜⴹⵚⵚⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵉⵖⵎⵥ ⴰⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵃⵙⵏ ⵄⴰⴷ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ ⴰⵎ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ». ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ. «ⵍⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ

ⵉⵏⵓ.» ⵓⴳⴰ ⵜⴱⴷⴷ ⴳⵡⴰⵢⵜ, «ⴰⵊⵊ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ». ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⴰ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵡⴰⵀ ⵍⵍⵉ.»ⵀⴰ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵔⴰⵜⴰ ⵍⵍⵙ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⴰ.»

ⵎⴰⵎⵎⵎⴳ ⵎⴰ ⵉⵔⴰ ⵡⴰⵡⴰⵀ ⵓⵔ ⵏⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵏⵎⵎⵀ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⵅⴰⵣ ⵣⵉ ⴳⴰⵇ ⴰⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⵅⴷⴰⵔ, ⵉⵜⵜⵛⵎⵎⴰⴷ ⵅⴼ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⴰⵡⵜⵎⵜ ⵜⵜⵙⵢⴰⵡⴰⵏ. ⵎⴰⴳⴰ ⵜⵎⵓⵇⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴳⵉ ⴰⴷ ⵉⵍⵍⵉ ⵀⵀⴰ! ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴰⵎⴰⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⴰⵡⴷ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⵍⵍⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵙⵏ ⴱⵀⵀⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵚⵡⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵏⴷⴰⵚ. ⵎⴰⵔⴰ ⵃⴰ ⵜⵖⵎⵣⴰ ⴰⵙ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵜⵅⵅⴰ ⴰⵙ ⵉⵄⵓⵄⴰⵏ ⴷⵅ ⵓⴳⵡⵡⴰⴼ, ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⵢⵉⵄⵓⵄⴰⵏ ⵏ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ ⵏⵉⵖ ⵏ ⵓⵀⵜⵎⴰⵙ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ!

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴰⵎⵉⵖⵉⵙⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵀⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵍⵙ. ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⴳⵉ ⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵟⵟⴼ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵇⴱⵀ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵅⵙⵙ, ⴰⵎ ⵡⵍⵍⵉ ⵢⴰⵄⵍⵍ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵙⵎⵖ ⵙ ⵔⵅⴰⵄⴰⵕ ⵍⵍⵙ. ⵏⴳⴳ ⵙⵙⵏⵖ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵡⴰⵄⵚⴰⵕ ⴰⵙ ⵜⴰⴹⴱⵃⴰⵏⵜ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵛⵎⵎⴰⴰⵕⴹ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵍⵍⴰ ⴱⵀⵀⵉ ⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⴹⴱⵃⴰⵏⵜ. ⵎⴰⴳⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵊⵛⵎ ⴰⵢⵉ ⵜⵉⴷⵜ, ⴱⵀⵀⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵔⵉⵇⵇⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⵅ ⵓⵅⵊⴼⵓⴼ ⵍⵍⵙ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵅ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵍⵍⵄⵏⵉ ⴷⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵍⵙ ⵉⵅⴷⴰⵔⵏ, ⴷⵅ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵍⵉ ⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵍ, ⴷⵉ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⴹ. ⵉⵔⴰ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵜⵏⵚⵣⵣⴰ ⵙ ⵓⵣⵅⵏ ⵍⵍⵙ ⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ».

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴳⵉ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵍⵍⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⵉⴳⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵣⵉ ⵔⴱⴰⵔⵔⴰⵏⵉ. ⴷⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵉⵅⵅⴰ ⴰⵎ ⴳⵉ ⵏ ⵓⴳⴳⵏ ⵉⵚⵎⵜ ⴰⵀⴰⵎⵉ ⵉⵃⴰⵄ ⵅⴼ ⵉⵣⵉⵎⵎⵔ ⵓⴳⴰ ⵢⴰⵔⵡⵀ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⵅⵅⵯⴰⵊ ⵣⵅ ⵜⵃⵉⵎⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵔⴱⴰⵢⵎ. ⵎⴰⴳⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵍⵙ ⵉⵙⵙⵉⵅⵅⵯⵊ ⵉⵜ ⵅⴼ ⵓⵖⴰⵔⵔⴰⴱⵓ. ⵜⵉⵅⵏⵓⵜ ⵍⵍⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵊⵚⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵓⴳⴰ ⵓⵔ ⵢⵓⴼⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵅⵅ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵍⵙ ⵙⵉⵡⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵍⵍⴰ ⵡⴰⵚ. ⵉⵅⵅⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵍⵙ ⴰⵎ ⵓⴳⴳⵏ ⵍⵍⵉ ⵉⵙⵏⵉⵛⵎⵉⵔⵏ ⵓⵔ ⵉⵅⵅⵉ ⴳⵉ. ⵎⴰⴳⴰ ⵜⵉⵎⵙⵀⴰⵢⵉⵏ ⵜⵉⵛⴼⴼⴰⵏⵉⵏ, ⵉⵅⵅⴰ ⵜⵏⵜ ⵙ ⵓⵙⵏⵉⵛⵎⵔ ⵍⵍⵉ. ⵙ ⵓⵢⵍⵍⵉ ⵓⵛ ⵉⵍⵍⵉ ⴳⵉ ⵀⴰ, ⵓⵎⵉ ⵜⵛⴰⵔⵄ ⵉⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ «ⵜⴰⵙⵓⵔⴰⵔⵜ ⵏ ⵇⴰⵎⴰ ⵜⴰⵎⴳⴳⴰⴳⵓⵔⵜ» ⵜⴰⵡⵏⵅⵉⵎⵜ ⵍⵍⵉ ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⴷ ⵉⵄⵕⵉⵏ ⵓⵎⵉ ⵀⵀⴰⵏ ⵜⵇⵏⵓⵍⵍⵓⵢⵏ ⵙ ⴽⵕⴰⵄ ⴷⵉ ⵔⵎⴰⴳⵓⵔ ⴰⵣⵣⵅⵣⴰ. ⵓⵎⵉ ⵕⴰⵃⵏ ⵜⵜⵓⵏⵓⵄⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵏ ⵔⵓⵏ.

ⵀⵀⴰⵏⵜ ⵜⵉⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵍⵍⵉ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⴷ ⵡⴰⵕⵕⵓⵄ ⵉⵅⵅⴰ ⵓⵎⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⴼ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏⵜ.

ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵜⵜⴼⵓⴷⴷⴰ ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⵓⵍ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⵏⵏⵙ. « ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵅⵙⵙ ⵉ ⵜ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵓⵔ ⵉⵜⴳⴳ ⵡⴰⵍⵓ...» ⵜⵙⵙⵉⴷⵃ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ ⵉⴳⵃ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⴳⴳⵯⴷⴷ? ⴰⵇⴰⵄ ⴷ ⵓⵔ ⴷ ⴰ ⵄⴷⴷ ⴰⴽⵉⴷ ⵏⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵏⵖ ⴷ! ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴽⵜⵉ ⵜⴰⵍⵍⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵄⴰⵔⵎⵓⵛⵏ ⵉⵔⴰ ⵙⵍⵎⴰⴷⵏⵜ ⵉⵙⵍⵎⴰⴷⵏ ⴷⴳ ⵜⵉⵏⵎⴰⵍ ⵏ ⵉⵎⵣⵣⵢⴰⵏⵏ. ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴷⵃ ⵉⵊⵊ ⴰⴽⴷ ⴰⵎⵎⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⴱⵄⵉⵔⵜ ⵏ ⵓⴹⵉⵔ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⴽⴽⵙ ⵜⵉⵣⴽⵓⵏⵉⵏ ⵏ ⵓⴹⵉⵔ, ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵢⵓⵃⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ. ⵢⵓⴳⵉ ⴰⵙ ⵎⵎⵉⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵖⵓⵢ ⴳⴰⵃⵙ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵛⵛ, ⴰⴷ ⵉⵙⵥⴰⵔ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵄⴷⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵄⵔⵎⵓⵛ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵏⴳⵔⵀ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵏⵖ ⵇⴱⴱⵉ ⴰ ⴱⴰⴱⴰ!»

ⵀⴰⴷ ⴰⵥⴰ ⵜ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵉⵜⵜⴼⵓⴷⴷⴰ, ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵎ ⵓⵄⴰⵔⵎⵓⵛ:» ⵇⴱⴱⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵏⵖ!». ⵜⴹⵚⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵊⵊⴼⴷ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⵃ ⵜⴰⴹⵚⴰ ⵏⵏⵉ. «ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴽ ⵢⵓⵖⵉⵏ, ⵜⵜⵅⵙⵙ ⴷ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵄⵖⴷ ⵖⴰⵔ ⵊⵊⵏⵜ ⵡⵄⴷⴰⴽ». ⵓⵔ ⵜⵙⵀⵃⵏⵜ ⵜⵉⵄⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴷⵄⴰ, ⵉⵙⵢⴰⵃⴰ ⴰⵎ ⴰⵖⵍⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵙⵙⵓⵃⵓⵖⵏ ⵣⵉ ⵜⵥⵛⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ. «ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵓ ⵔⵀⵉⴱ ⴷⵉ ⵡⴰⵅⴰⵎⴰ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵜⴳⴳ ⴱⵙⵙⵉⵃ ⴰⴷ ⵏⴳⴹⴰ?». ⵛⵉ ⵏ ⵜⴳⴳⵯⴷⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴳⴳⵯⵊ ⴷⴳ ⵉⴳⵃ ⵏⵏⵙ. ⴰⵃⵔⴰⵢ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵎⵙⵍⵎ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⴳⵯⴷ ⵛⵉ ⵙⵉⴷⵉ ⵇⴱⴱⵉ, «ⴰⵎⵙⵍⵎ ⴰⵙⵖⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵓⴷⵔⵓⵙ» ⴰⵎⵏ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵟⵟⵃ ⴷⴳ ⵓⵄⴰⵔⵎⵓⵛ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ. ⵏⴼⵔⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵢⴰⵔⵡⵍ ⴰⵙ!

ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⴰⴷⵃ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ ⴷⵉ ⵥⴰⵎⴰ, ⵜⵥⵥⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵜⵡⴰⵙⵙⴰ ⴷⴰⵢⵙ. « ⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵅⵎⵉⵎ ⴷ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⵛⵡⴰⵜ ⵣⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵙⵙⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙⴷ. ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴷ ⴰⵚⴱⵄⴰⵏ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴷ ⴰⵀⵃⵃⴰⵏ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⴽⴽ ⴰⵎⵎⵓ ⴷ ⴰⵚⴱⵄⴰⵏ, ⵜⴼⵓⵏⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵇⴱⴱⵉ ⵡⵄⴷⵙ ⵓⵔ ⵛⴽⴽ ⵉⵜⵜⵥⴷⴷⵉ. ⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵇⴱⴱⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵛⵛⵉⵟⴰⵏ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ?» ⵜⵙⵙⵏⴼⵣ ⴰⵍⵉⵙ ⴰⵣⵍⵍⵉⵃ ⵏⵏⵙ, ⵜⵅⵙⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵜⵀⵎⵎⴷ ⴳⵃ ⵓⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ, ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ:» ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵇⴱⴱⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵓⴳⵓⵔ ⵔⴰ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵛⵉⵟⴰⵏ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵡⴰⵔⵉ ⵛⵉ ⵓⵔⴰ ⵉⵊⵊ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ. ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ ⴷ ⵎⵏⴰⴷⵎ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙⵙ ⵡⴰⴼⴰ, ⵓⵔ ⵉ ⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵉ?» ⵜⵎⵄⴰⴹ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵉⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵜⵄⵥⴰⵥ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ. «ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ, ⵉⵅⵙⵙ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵛⴰⵇⵇⴼ, ⵏⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⵓⵎⵓⵄ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵄⵙⵙⴷ, ⵏⵜⵜⵅⵢⵢⴰⵥ, ⵏⵔⵣⵣⵓ ⴳⵃ ⵜⵍⵖⵖ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵜⵥⵔⵉⵄ ⵏⵜⵉⵛ ⴰⵃⵓⵙ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵜⴰⵔⵎ!» ⵓⵛⴰ ⵜⵏⴷⵔ ⴰⵃⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵜⵉⵔⵉ

ⴰⵍⵓⴳ ⵏ ⵜⵡⴰⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⴼⴰⵃ, ⵢⵓⴷⵔⵓⵙ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵉ ⵏⵜⴰⴼ ⵉⵜⵜ ⴰⵎⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵎⵇⴰⵟⴰⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵏⵏⴰ: « ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ!». ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵀⴰ ⵛⵡⴰⵢⵜ.ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵊⵊⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⵓⵄⵓⴼⵏⴰ ⵏⵏⵉ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵍⵍⴰ? ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵜⵎⵥⵉ ⵏⵏⵙ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ, ⵜⴼⴰⵃ ⴰⵎ ⵓⵊⴷⵉⴷ ⵏⵏⵉ, ⴰⴽⴰⵔⴽⴰⵔ ⵉⵛⵛⵉⵏ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⴷ ⵜⵓⴳⴰ, ⵉⴳⴳⴰ ⵎⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵙⵙ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵜⴹⵚⵚⴰⵏ ⵙ ⵜⵃⴰⵊⵉⵜⵉⵏ, ⵉⵜⵜⵓⵄⵔ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴰⵄⴰⵡⴷ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵙⵎⵓⵜⵓⵢⵏⵜ ⵉⵍⵙ ⵖⴰⵔ ⵉⵍⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⴷⵡⵍⵏ ⵙ ⴽⵕⴰⴹ ⵖⴰⵔ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⴷ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵙⵙⵏ ⴽⵜⴰ ⵎⴰ ⵜⵙⵡⴰ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰ. ⵓⴼⵉⵏ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⵍⵏ ⵅⴼ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⴰⵍⵉⵙ.» ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ! ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ, ⴷⵉ ⴰⵙⵏⵙⵓ ⵏⵏⵉ ⵏ ‘ⴱⵉⵍⵍⴰ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵙⴰ’. ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰⵏ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⵏ ⵎⵓⵟⴰⵡⴰⵙⵙⵉⵟ.

ⵔⵉⵖ ⵜⵄⵓⵎⵉⵖ ⴷⵉ ⵔⴳⴳⵯⴰⵊ ⵓⵎⵉ ⵜⵄⴷⵓ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵜⴰⴹⴹⴰⵏⴳⴰ, ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⵙⵏⴳⵔⵄ ⴰⵢⵉ!» ⵃⴰⵛⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵎ ⴰⵍⵉⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⵣⴳⵓⵏⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵔⴰ. « ⵓⵔ ⵏⵃⵉⵡⵔ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⵛⴽⴽ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵡⵛ ⵉ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵉⵏⵓ, ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ, ⵜⵏⵏⵉ ⴰ ⵎⵓⵡ... !»

ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏ ⵜⵥⴰ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵜⵓⵙ ⵉ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷⵉ ⴱⴷⴷⵓ ⵏ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏ ⵙⵉⵏ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ. ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵙⴰⴳⴳⵯⴷ, ⴷⴰⵢⵙ ⵜⴰⵖⵔⵎⴰ. ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴰⵡⵏⵜ, ⵜⵀⵡⴰ ⴷ ⴰⵔ ⵉⵍⵍ. ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵛⵎⵍⴰⵍⵉⵏ. ⵉⴳⴰⴷⵉⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⵄⵍⴰⵏ, ⵜⴰⴹⵔ. ⵢⵓⵏⵏⵓⴹ ⴰⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⴱⵓⴹ ⵢⵉⵔⵉⵡ ⵉⵄⵓⴼⴼⵏ. ⵍⵇⵙⴱⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵙⴰⵡⵏⵜ, ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵖ ⵇⵇⴰⵄ ⴽⵜⴰ. ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵙⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵚⵓⵎⵄⴰⵜⵉⵏ. ⵖⴰⵔⵙ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⴽⵜⵉⵏ ⵅⴼ ⵉⵍⵍ ⵡⴰⵀⴰ, ⵛⵉ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵃⵙⴰⵔⵏ, ⵙⵙⵓⵍⵙⵏ, ⵓⵏⵏⵓⴹⵏ, ⵙ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏ ⵓⵥⵕⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵖⴰ ⵜⵔⴰⴷⵃⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴷⵔⵉⵏ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⴷⵉ ⵔⵓⴹⴰ. ⵃⴰⵛⴰ ⵜⵉⵣⴷⴷⴰⵖ ⵏ ⴽⵕⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵡⵙⴰⵙⵏ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵙⵇⴰⴷⵏ ⴼⵕⴰⵏⵙⴰ ⴷ ⵢⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ ⴷ ⵡⴰⵏⴳⵍⵉⵣ. ⴷ ⵜⵣⵉⵏⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵇⵓⵏⵙⵓⵍⵉⵢⵏ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵜⵉⵣⴷⴷⴰⵖ ⵏⵏⵙⵏ ⵢⵓⵏⵏⵓⴹ ⴰⵙⵏⵜ ⵉⴳⴰⴷⵉⵔⵏ ⵜⴰⵙⴽⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⵎⵜⵏ, ⵜⵉⵣⴷⴷⴰⵖ ⵓⵄⵍⴰⵏⵜ, ⵜⵉⴱⵓⵔⵊⴰⵜⵉⵏ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ.

ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙ ⴽⵕⴰⴹ ⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜⵏ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵅⴼ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙⵏ. ⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⵥⴰ ⵏ ⴰⵡⵏⴽ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵃⵉⵣⵡⴰⵔⵏ. ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⵜⵓⵎⴰⵙⵜ ⵏ ⵇⵓⵏⵙⵓⵍⴰⵜ, ⴽⵕⴰⴹ ⵏ ⵉⵎⵙⵜⴰⵏ ⵏ ⵜⴰⵎⵢⴰⵣⴰⵍⵜ. ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷⵉ ⴰⵏⵀⴰⵣⵉ ⵏⵏⵙ. ⴽⵓⵣⵣ ⵏ ⵉⴷⵔⵉⵎⵏ ⵉ ⵜⵚⴰⵔⵔⴼⵏ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵚⴰⵔⵔⴰⴼⵏ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵙⵙⵇⴰⵔⵏ ⴷ ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ ⵣⵉ ⵎⴽⵓⵔ ⴰⴽⵍⴰⵙⵉ, ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵏ ⵎⴰⵔⵙⴰ, ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵜⵉⵖⴼⴼⴰⵏⵉⵏ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵢⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵎⵙⵍⵎⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵙⴱⴱⵓⵏⵢⴰ, ⴰⵎ ⵏⵉⵜⵏⵜⵉ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⵣⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⴳⵏⵓⵙ. ⵔⵀⵏⵓⴷ ⴷⵉ ⵔⴱⵏⵓⴽ, ⵉⵙⴱⵓⵏⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵙⴽⴰ, ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵓⵢⵍⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⵛⵛⵓⵔⵏ ⵙ ⵜⵏⵉⴼⵙⵜ ⵏ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ ⴷ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵏ ⵢⵉⵊⴷⵉ. ⵜⵉⵙⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵢⵙⴰⵔⵉⵏ. ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⴰⵕⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⴰⵡⵏⵜ, ⵜⴷⴷⴹ ⴳⴳ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ. ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵉⵔⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ, « ⴰⵡⵉⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵎ ⴰⴷ ⵜⵃⴰⴷⵉⴷ ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵓⵔⵓⴱⴱⴰ. ⵅⵣⵔ ⵎⵍⵉⵃ, ⵙⴰⴱⴱⴰⵏⵢⴰ ⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ ⵙ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⵉⵀⴰ!». ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⴰⵣⵍⴰⴹ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵃⴰⵎⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵛⵎⵎ ⵜⵙⵙⴰⵡⵍⴷ ⵅⴼ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ, « ⵙⵙⵓⵇ ⴷⴰⵅⵍ » ⵉⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵉⵙⴱⴱⴰⴱⵏ, ⵉⵎⵙⵍⵎⵏ ⴷ ⵓⴹⴰⵢⵏ.

ⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⵉ ⴳⵛⵛⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵓⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵜⴹⵚⵚⵏ. ⴳⵎⵎⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵃⵎⵎⴰⵕ ⵏⵏⵉ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵉⵖⴹⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵣⴳ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ, ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏ ⵓⵖⴰⵔⵔⴰⴱⵓ. ⵉⵔⴰ ⵉⵢⵙⵉ ⵜⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵣⵡⴰ ⵉⵃⵓⴱⴰⴹ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⵓⵇⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵄⵍⴰⵢⵍ ⴰⴷ ⵉⵙⴳⴳⵯⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵓⵙⵉⵖ ⴰⵊⵊⴰⵖ ⵜⵏⵜ ⴰⴷ ⵓⵏⵓⴹⵏ ⵅⴼ ⵉⵖⵣⴷⵉⵙⵏ ⵉⴳⴰⵜⴰⵔⵏ. ⵜⴹⵀⵕⵏ ⵙⵢⴰⴼⴰⵏ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴰⴷⵡⵍ ⴰⵎⴰⴹⵍⴰⵏ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⵉⵏ ⴰⵎⵙⴷⴰⴳ ⴳⵓⵜⵔⵓⵢⵉⵜ ⵣⵉ ‘ⵜⵓⵏⵙ’. ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⴱⵔⴰⵣ ⵉ ⵜⵏⴰⴼⵓⵜ ⵏ ⵜⵙⴽⴰ ⴷ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵏ ⵎⴰⵔⵙⴰⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵇⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ, ⵓⵎⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵙⴰⴷⵓ ⵓⵏⴳⵔⴰⵡ ⴰⴷⵡⵍ, ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⴰⵙⵏⴼⴰⵔ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⴷⴳ ⴰⴷⵡⵍ ⴰⵎⴹⵍⴰⵏ ⵏ ⴱⵔⵉⵟⴰⵏⵢⴰ ⴷ ⴰⵍⵉⵎⴰⵏ ⴷ ⵙⴱⴰⵏⵢⴰ ⴷ ⵏⵏⴰⵎⵙⴰ. ⴰⵎⵓⵔ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵉⵔⴰ ⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⴰ ⵜⵃⵡⵡⵙ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵎⵓⵔ ⵏ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵎⵣⵉⵔⵜ ⵏ ⵃⵉⵎⴰⵢⴰ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵡⴰⵀ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵅⴼ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⴽ! ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉ ⴷ ⵜⵡⵡⵉ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ? ⵉⴽⵎⵣ ⴷⴳ ⴰⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵉⵙⵍⵉ ⵢⴰⵔⵣ. « ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵏ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵊⵉⵔⵜⵉ». ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⴰⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ: ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴽⵜⵉⴷ, ⵊⵉⵔⵜⵉ, ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⵏⵏⵎ ⵣⵉ ⵜⵏⴰⵛⴰ ⵅⴼ ⵓⵢⵉⵙ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ? ⵓⵛⴰ ⵜⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: ⵍⴰ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴳⴳⵯⵉⴷⵖ ⵣⴳ ⵓⵢⵉⵙ, ⵏⵛⵛ ⵍⵍⵉⵖ ⴳⴳⵯⴷⵖ ⵣⴳ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ. ⵛⴽⴽ ⵜⵅⵙⴷ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⴰⵔ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙ? ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵉⵟⵟⵡⵉⵏ.

ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ : ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵓⵎⵉ ⵉ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⵡⵉⵏ. ⵉⵏⴷⵎ ⵅⴼ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵉⵙⵙⵉⵃⵔ ⵉⵜ, ⵉⵎⵔⵔⵜ ⵉⵜ, ⵉⵙⵙⵄⴷⵓ ⵡⴰⵙⵙ ⵎⴰⵕⵕ. ⵓⵛⴰ ⵜⵛⵔⵀ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ.

ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵉⵏⵏⴰⵢⵔ ⵏ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵏⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵙⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵏⵥⵕ. ⵜⵙⴱⴷⴷⵉⵜ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⴷⵍⵉⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵓⵔ ⵜ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⵚⴼⴰ ⵔⵃⴰⵔ, ⵓⵛⴰ ⵡⵙⵙⴰⵏⵜ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ. ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵡⵃⴷⵙ. ⵓⵔ ⵜ ⵉⵏⴼⵉⵄ ⴷⵉ ⵛⵉ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⵔ ⵎⴰⵔⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⴰⴽⵓⴷ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵅⵙ.

ⵙ ⵍⵃⴱⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴰⵜⵉⵙ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵔⴰ ⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵉⵏⵉ. «ⴷ ⵛⴽⵇ ⵉ ⵉⵙⵏⵊⵎⵏⴰⵏⵖ» ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⴳⴳⵉ ⵜⵏⵏⴰ: «ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⵙⵏⵇⵔ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵏⵊⵎⴰⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ.. ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵀ ⵎⵡⴰ.. ⵎⵛⵃⴰⵍ ⴷ ⵉⵚⴱⵃⴰⵏⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵉ!». ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵙ, ⵓⵟⵟⵓ 35 ⴷⵉ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ « ⴱⵉⵍⵍⴰ ⴷⵓ ⴼⵕⴰⵏⵙ ». ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵔⵅⵉⵔ ⵏ ⴰⵔⴱⵉⵄ ⵏ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ ⵡⴰⵏⴳⵍⵉⵣ, ⵎⴰⵙⵜⴰⵔ ⴱⵔⵓⴽⴱ. ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵣⴳ ⵜⴱⵓⵔⵊⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⵜⵡⴹⵀⴰⵕ ⴰⵙ ⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ, ⵜⵜⵙⴼⵔⴰⵃ, ⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴷ, ⵜⵜⵏⵏⵓⵕⵥⵎ, ⵜⵜⵎⵙⵓⵎⵓⵃ. ⵜⵓⵖⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⴰⵄⵜⵜⵓⵇⵜ.

ⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⴰⵙⵓⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵛⵎⵍⴰⵍⵜ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ, ⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵣⴰⵊ. ⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴼⴼⵖ ⵉⵜⵜⵏⵏⴹ, ⵢⴰⵛⵛⵎ ⵏⵜⵜⴰ ⵢⴰⵕⵕⴹ ⴰⵇⵏⴷⵓⵔ, ⴷⴳ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵏⵏⵙ ⵍⴱⵍⵖⴰ ⵜⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⴰⵏⵥⴰⵕ ⵏ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵉⵊⵊⴰ ⵜ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⴰⵎⵓⵄⵍⵉ ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⵉⵅⵔ ⵓⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵡⵡⴹ ⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⴰⵔⴱⵉⵄ.

ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ. ⵉⵔⴰ ⵜⵉⴳⴳⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⴰⵔⵜ ⵜⵛⵏⴰ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵍⴱⵢⵉⵔ ⵎⴰⵔⴽⵉ ⵉⵜ ⵉⵡⵙⵙⴰⵏ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ. ⵣⵉ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⵏⵛⵛ ⵔⵎⵙⵖ ⵓⵎⵉ ⵇⵇⴰⵕⵏ ⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏⵏⴹⵉⵏⵉ ⴷ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵏⵏⴹⵉⵏⵉ. ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⴰⴳⴳⵯⵊ ⵅⴼ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ. ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵚⴼⴰⵏ ⵏ ⵍⵎⵓⵜⴰⵡⴰⵙⵙⵉⵟ! ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵜⵙⵔⵉⵔ, ⵜⵊⵊⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⵏⵟⵟⵓ. ⵓⵔⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵜⵛⵓⵏⵉ, ⴰⵎⴰⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ, ⵉ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⴹⵉⵏⵉ. «ⵜⵛⵓⵏⵉⵜ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵔⵀⵏⴰ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ, ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⴷ ⵢⴰⴼ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ!».

ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴹⴹⵉⵎ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵢ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵙ ⵜⴰⵎⵥⵡⴰⵔⵓⵜ, ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵍⵉ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜⵉⵏ ⵉ ⵜⵙⵟⴷⵓ ⴷⵉ ⵄⴰⵍⵊⴰ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⵉ ⵖⴰ ⵜⴳⴳ, ⵉⵎⵢⵉ ⵓⵔ ⵜⵇⴰⵃⵖ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵄⴰⵍⵊⴰ ⴷ ⵣⵉⵢⵢ ⵍⵉ ⴷ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵍⵉ ⴷ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵉ ⵎⵉⵔⵉⵡ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⵙⵔⴽⵇⵓⵜⵉⵏ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷ ⵣⵉⵢⵢ. ⵉⵎⵢⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵣ ⴰ, ⴰⵎⴰⴳⵔⴰⴱⵉ ⴰⵎⵥⵥⵣⴰⵏ!, ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴹⵔⴰⴱ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ.«ⵜⵢⵢⵉⴷ ⴷ ⵓⵛⵛⵏ, ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵙⴷ ⵜⴼⴼⴰⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵍⵙ. ⴰⴷ ⵜⵙⵓⴷ ⴰⵎⴰⵏ ⵏ ⵜⵃⴱⵓⵜ. ⵉⵔⵉⵖ ⵏⵛⵛ ⴷ ⵜⴰⵎⴰⵣⵙⴰ ⵏ ⵣⵉⵖⵔⵎ. ⵏⵛⵛ ⵟⵎⵎⴰⵇⵚ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⴽ ⴷ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵍⴽ ⴷ ⵉⵙⵢⵉ ⵍⴽ ⴷ ⴰⵇⵇⵓⴻ ⵍⴽ ⴷ ⴰⵃⵥⵥⵓⴻ ⵍⴽ. ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⴰⴹⵎⵎⵓⵎ ⵍⴽ ⵉⵜⵜⵃⴰⴷⴰⵏ, ⵉⵜⵜⵥⵟⴼⵏ, ⵉⵜⵜⵙⵙⵓⵃⵔⵓⵜⵏ, ⵉⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵢⵏ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵢ, ⵉⵙⴹⴰⵔ. ⵥⵉ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏ ⵄⴰⵍⵊⴰ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵟⴰⴼⴰⴽ ⵉ ⵓⵊⵍⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⴽⴽⵙⵖ ⵜⵎⵉⴻ ⵉⵏⵓ ⴷⵉⵍⵍⵉ ⴷⵉ ⵄⴰⵍⵊⴰ».

ⴰⵢⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵢⵢⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵜⵏⴰⴹⵇⴰ ⴷⴳ ⵉⵎⵙⴳⴳⴰⵔ ⵉⵃⵎⴰⵏ, ⵜⵙⴹⴰⵔ, ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵥⵥⵔ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵥⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵢⴼⵉⵢⵎ ⵏ ⵄⴰⵍⵊⴰ ⵥⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ. ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵛⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⴷⴷ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵙⵢⵢⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵟⴰⵡⴰⴷ ⵅⴼ ⵄⴰⵍⵊⴰ. ⵜⵍⴰ ⴰⵙⵏ: « ⵄⴰⵍⵊⴰ ⵜⵢⵓⵢ ⵉ ⴷⴰⵣⵉ ⴷ ⵜⴰⵎⴰⵣⵏⵓⵜ. ⵢⵢⵉⵖ ⵉⵙⵉⵖ ⴰⵎⵏⵓⵙ ⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ, ⴳⴳⵯⴷⵖ ⵅⴼ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵓⵢ ⵉⵏⵓ ⵉⴷⵡⵢ ⵉⵏⵄⵄⵓ. ⴰⵙⵙ ⵉⵏⵓ ⵉⵥⵥⴳⴳⵯⵔⵜ. ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵓⴼⵓⵜ ... ⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ, ⴰⴹⴰ ⵉⵣⵉ ⵅⵥⵥⵔⵖ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵏⵓ, ⴷⵉ ⵜⵉⵄⵄⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⴷⴳ ⵓⵣⵏⴰⵔ ⵉⵏⵓ, ⴷⴳ ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵉⵏⵓ, ⴰⴽⵙⵓⵎ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵇⵇⴰ, ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵟⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵅⴰⴼⵉ, ⴰⴷ ⵜⴱⴱⵓⵢⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ. ⵓⵛⴰ ⵜⴻⵀⵇ ⴰⵣⵉ ⴷ ⵄⴰⵍⵊⴰ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⵓⵛⴰ ⵓⵅⵓⵔⵖ ⴷ ⵖⴰⵙⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴱⴷⵢⵖ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵏ ⵉⵊⵉⵡⵡⵉ ⵉⵚⴱⵃ ⵉⵏⴷⵀ ⴰⵣⵉ ⴷⵉⵍⵍⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵟⴰⴼⴰⴽ ⴰ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵅⴼ ⵓⵡⵙⵙⵉ ⵍⴽ!». ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵢ ⵖⴰⵔ ⴰⵡⴰⵢ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵉ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵄⴰⵍⵊⴰ. ⵟⵢⴰⵣⵏ ⵜⵙⴰⵔ ⵜⴱⴷⴷ ⴷⵉ ⴹⴰⵎⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵎⴰⵢ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵍⵅⵔⵟ. ⵉⵜⵜⵙⴹⵙⴰ ⵜⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵍⴼⵊⴰⵟ: ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ? ⵢⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴷⵓⵢⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⵜⴳⴳⴰ ⵣⵉ ⴰⵎⵏⵓⵙ, ⵔⵓⵅⴰ ⵀⵏⵉⵖ ⵥⵥⴰⵣⵙ!». ⵜⴹⴹⵉⵎ ⵜⴻⵚⵚⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴽⵜⵜⵉ ⴰⵎⵙⴰⵔ ⵍⵉ, ⵜⵟⵣⴰⴱ ⴰⵃⵓⴷⵔⵉ ⵍⵉ ⴰⵄⴰⵍⵊⴰⵡⵉ ⵉⵏⵅⵔⵟⵏ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵥⵓⵇ ⴰⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵙ ⵡⵓⵢ, ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ «ⵙⵎⵃ ⴰⵣⵉ. ⵓⵔ ⵢⵢⵉⵖ ⵛⵉ ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵢⵢⵉ ⵛⵎⵎ ⵟⴰⴷ ...». ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴰⵔⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⴻⵚⴰ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴽⵜⵜⵓ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵜⵢⵀⴰ ⵥⵥⴰⵣⵙ ⵔⵅⴷⵍⵉ.«ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵜⵅⵎⵎⵉⵎⴷ, ⵙⵜⴰⵎⵏ, ⵏⵛⵛ ⵔⵓⵅⴰ ⵏⴼⴽⴽⵖ!». ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵣⴰⵔⵏⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⴰⵔⵊⴰⵊⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵢⴰ ⵜⵉⵎⴹⴹⴰ ⵍⵉ ⵏ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ ⵜⴰⵛⵎⵢⴰⵢⵜ. « ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵍⵉ, ⵅⴻⵉⵖ, ⵅⴻⵉⵖ, ⵎⵉⵏⵥⵉ ⵃⴰⴷⵉⵖ ⴰⴷⴷⵓⵔ ⵍⵎ.» ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⵔⵅⴷⵍⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ: « ⵢⵢⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⴷⴷⵓⵔ»

ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵏⴷ ?ⴷⵉ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰ, ⵏⵜⵜⵉⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⴷ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵙⵙⵅⵖⵏ ⵜⴰⵎⴽⵓⵜ, ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⴷⴷⵓⵔ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⴽⵜⵜⵓ ⵜⵜ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴰⴳⵎⵉ ⴷ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⵉⵏⵓ ⵉⴳⵣⵎⵖ, ⵛⵎⵎ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⴼⵔⵉⵎⴷ.»

ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⴳⴳⵯⵊ ⴰⴽⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴳⴳⵯⵊ, ⴰⵎⵢⴰ ⵉ ⵉⴳⵎⵎ ⵏⵜⵜⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵣⴷⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵣⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵙⵀⵡⴰ ⴷ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⴰⴳⵎⵉ ⵉⵔⵊⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ. ⵉⴹⴹⴰⵕ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏ ⵔⴱⴷⵉⴼ, ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴱⵛ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵏⵓⵖ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴷⴰⵢⵙ. « ⵛⵎⵎ ⵜⵣⴹⵉⴷ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⴼⵔⵉⵎⴷ !». ⵉⵔⴰ ⴼⴰⴷ ⵜⵡⴰⵍⵡⵉⵍ ⵙ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⵏ ⵡⴰⴳⵣⵎ, ⵜⵏⵏⴰ: « ⵓⵀ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⵊⵊⵉⵖ ⵉⴳⵅ ⵉⵏⵓ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ. ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ: « ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵔⵉⵖ ⵎⵣⵔⵉ !». ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵄⵄⴰ ⵏⵏⵅⵙ ⵛⵡⴰⵢ, ⵜⵎⵙⵃ ⴰⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵣⵉⵅ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖⵏ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵙⴰⵡⴰⵍ ⵛⵡⴰⵢⵛⵡⴰⵢ ⴳⴰⵅⵙ. “ⵓⵔ ⴳⴰⴽ ⵙⵏⵓⵅⵅⴰⵔⵖ ⵛⵉ, ⴰⵔ ⵔⵓⴳⴰ ⴼⴰⴷ ⵉⵀⵏⵉⵖ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵉ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⴷ ⴰⵣⴰⵢⴽⵓ !”.

ⵜⵣⴳⴳⵯⵔⵜ ⵜⴰⵎⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⴷⵉ « ⵍⴰⵢⵏ ». ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵃⴰⴹ ⴳⴰⵅⵙⵏ ⵜⵓⵅⵅⵓⵜ ⵣⵉⴽⴽ. ⵓⵔ ⵓⵛⵉⵏ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵜⵙⵍⴰⵏ ⵉ ⵜⵖⵓⵢⵉⵜ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵢⴰⵣⵉⴷ ⵣⵉ ⵔⴰ ⴷⴰⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵎⴰⵔ ⵉⵜⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵟⵙⵏ ⵛⵡⴰⵢ. ⵉⴳⵎⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⴰⵣⵍⵍⵉⵅ ⵏⵏⵙ ⴳⵅ ⵜⵙⵓⵎⵎⵜ, ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵜⵙⵙⵏ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵣⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵅⵜⵓⵙⵉⵏ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵖⴰⵔⵙ ⵎⴰⵄⵄⴰ ⵔⵀⵉⴱⵜ ⴰ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵡⴰⵃⴷⵙ ⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵜⵙⵓ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵙⴽⴽⵉⵅⵏ ⵏ ⴰⵕⴹⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ. ⵖⴰⵔⵙ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵅⵔⴰⵖ ⴰ!

١١

ⵕⴱⴱⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵛⵉ

ⵖⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ, ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵜⵎⵔⵓⵙ ⴰⵏⵖ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵥⵥⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⵉ ⵛⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴰⵎⵏⵏⵉ. ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴰⵙⵏ ⵣⵉ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵡⴰⴼⵔⵉⵇⵢⴰ, ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵀⵡⴰⵏ ⵣⵉ ⵜⴼⵓⴽⵜ. ⵓⵔ ⵉⵜⵏⵉⵎ ⵛⵉ ⴷⵖⵢⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴷ ⵓⵟⵎⵎⵉⵄ.

ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⵍⵉⵢⵓⵏⵉ (Léonie) ⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ: « ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵓ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵡⵡⵜ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⴰⵙⵙ ⴰ» ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⴼⵉⵖⵔⴰ ⵏⵏⵉ, ⵉⵔⴰ ⵜⴱⴷⴷ ⴷⵉ ⵔⵎⵔⴰⵃ ⴰⵎ ⵜⵎⵇⴰⵔⵏⵜ ⵏ ⵉⵛⵔⵉⵛⵏ. «ⵍⵍⴰ, ⵃⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵊⵉⵡⵡⵉ ⵢⵓⵥⵖ ⵡⴰⵀⴰ».

ⵉⵔⴰ ⵀⴰⴷ ⵉⵎⵛⵛⵄ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵙⵉⵜ ⵓⵎⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵅⵣⵔ ⴰⵍⵉⵙ, ⴰⵎⵏ ⵜⵏⵏⵓⵎ ⵜⵜⴳⴳ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ:« ⵎⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴰⵔⵉ ⵉⴼⵙⵓⵙ ⵅⴼ ⵜⵉⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ « ⵙⵉⵏ» ⵅⴼ ⵉⵙⴱⴱⴰⴱⵏ ⵏ ⵉⴷⵍⵍⵉⵙⵏ ⵉⴱⵓⵔⴰⵢ!». ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴰⵎⵎⵛ ⵉⵏⵏⵓⵎ. « ⵍⵍⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵄⵀⵕ ⵛⵉ ⴰⵙⵙ ⴰⵏ « ⵙⵉⵏ». ⵅⵎⵎⵖ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⴰⴷ ⵥⴰⵕⵖ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ.. ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵥⵕⵉⵖ. ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ, ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵉ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛ, ⵉⵜ ⵉⵀⴰⵛⴰⵔⵏ ⴰⴹⴹⴰⵟ, ⵉⵙⵔⵓⴼ ⴰⵙ ⵉ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵢⵓⴷⴰⵔⵏ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⵛⵉ ⵛⵉ ⵙ ⵓⵡⵍⵉⵡⵍ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵎⵎ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ.

ⵉⵔⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵍⵉⵢⵓⵏⵉ. ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵖⴷⵓⵏ ⴱⵓ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ. ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵏⵇⵉⴷⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ, ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵡⵉⵏⴰⵖⵉⵏ, ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⴷ ⴰⵣⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴼⵙⵓⵙ ⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵥⵕⵉⴷ ⵜⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰ ⴷ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵜⴰⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ. ⵜⵉⵣⵣⴰⵔ ⵉ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏⵏⵙ, ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵄⵟⵟⴰ. ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵉⵃⴰⵊⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵓⵎⵍⵍⵖ. ⵓⵔ ⵜⵙⴷⵃⵉ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵍⵏ

ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ. ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵔⴰ ⵙ ⵔⵎⵄⴰⵏⵉ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ ⴰⵇⴰ ⵉⵢⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴷⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵃⵎⴷ ⵕⴱⴱⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⵛⵉⵏ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ! ⵓⵛⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵀⴰ. ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⴰⴷ ⴰⵡⵔⵏⵜ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵣⴰⵖⵏⵜ ⵛⵡⴰⵢⵜ. ⵄⴰⴷ ⵉⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ. ⵉⵛⵇⴰⵜ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⴷ ⵉⵊⵊ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ. ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⵖⴰⵔ ⴷ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵢⴰⵡⵡⴹ.

ⴷⴳ ⵢⵓⵔⵏ ⴰ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ, ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⴷ ⵓⵙⵉⵏ ⵣⵉ ⵍⴰⵢⵏ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙ ⴰⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵄⵉⵣⵣ ⵏⵏⵉⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⴽⴽⵙ ⴰⵙ ⵜ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵎⴼⴰⵜⵃ ⵏ ⵜⵡⵡⵓⵔⴰ. ⵜⵉⴼⵏⵉⵇⵉⵏ ⴷ ⵉⵙⴽⵙⵏⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵇⵏⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵙⵓⴼⵔⵉⵏ ⵡⴰⵍⵓ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵏⵜⵏⵜⵉ ⴱⵍⵄⵏⵜ ⵎⵙⵇⵇⵎ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ. ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⴰⵇⵙⵉ ⵃⴷⴷ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵔⴱⴰⵔⵔⴰⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵢⵓⵍⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵙⵏⵏⴰⵊ, ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴰⵊⵏⵏⴰ ⵉⵜⵔⵇⴰⴼ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵡⵟⵟⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ? ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵀⵡⴰ ⵖⴰⵔ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ ⵉⵜⵜⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵜⴷⵡⵡⵍ ⵜⴰⵍⵇⵇⴰⵖⵜ, ⵜⵜⵙⴰⵅⵅⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⴰⴽⵓⴷ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵍⴱⴷⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⴱⴰⴹⴰⴹ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵣⵢⴽⵓ ⵉⵇⴹⴰ. ⵉⵜⵜⵙⴰⵔⴰ ⴷⵔⵓⵙⵜ ⴷⵉ ⵜⵣⵇⵇⴰ, ⵉⵜⵜⵎⵄⴰⵛⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵏⵏⵓⵎ. ⵜⵓⵜⵜⴰⵔⵏ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙⵏ ⵉⵙⵙⴰⵔⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⴱⵓⵇⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵍⵡⵡⴰⵛⵉⵏ. ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵉⵅⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⵉⴽⴽⵙ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵅⵉⵢⵢⵇ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏ ⵡⴰⵡⵍⵉⵡⵍ. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵏⵏⴹ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⴰⵊⴰⴱ ⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵇⵙⴰ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵖⴰⵔ ⵃⴷⴷ ⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⵉⵡⵍⵏ ⵖⴰⵔⵙ.

ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵢⵓⵄⵔ ⴰⵡⵍⵉⵡⵍ, ⵉⵜⵜⴰⴷⴼ ⴷⴳ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵖⴰⵔ ⴷⵉⵅⵔ ⴰⵎ ⵓⵏⵥⴰⵕ ⴰⵚⵎⵎⴰⴹ. ⴰⵡⵍⵉⵡⵍ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵉ ⵜⵙⵢⴰⴼⴰⴷ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵛⴽⴽ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ, ⵜⵊⵊⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⴼⴰⵇⵇⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ.. ⵜⵙⵡⴰⵍⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ.

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵉⵕⵥⴰ ⵔⵅⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷⵉ ⴰⵏⴰⵇⵎ: « ⵎⵡⴰ, ⵎⵉⵏ ⴷⴰⴽ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⴽ? «ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵍⴱⴷⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵇⵙⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⴰⵙⵇⵙⵉ ⵢⴰ ⴰⵃⵢⵓⴹ ⵏ ⵜⵓⵔⴷⴰ?». ⵉⵔⵎⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵇⵏⴷ ⵙ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵃⵢⵓⴹ. ⵃⴷⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵉⵅⵎⵎⵓⵎ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ

ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵙ ⵓⵄ ⵍⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵉⵡⵜⵜⴰ ⵏ ⵜⵙⵎⵉⵏ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵜⵜⵅⵙⵙⴰ «ⴱⵔⵓⵜⵔⵓⵀ» ⵉⵛⵇⴰⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵜⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵍⵉ. ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵡⵔⴰⵜ ⵜⴱⴷⴷⴰⵄ ⴰⵙ ⴰⵎⵛⴰⵏ. ⵉⵛⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵅⴼ ⵕⵃⵉⵟ ⵏ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ, ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵍⵟⵏⵉ ⴷⵉ ⵓⵣⵔⴰⵅ ⵏ ⵡⴰⴷⴰⴼ. ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵍⵟⵏⵉ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏ ⵓⵖⵉⵎⵉ, ⵙⵍⵊ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵎⵙⵃⵎⵉⵜ. ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵙ ⵉⵟⵚ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵓⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵄⴱⴷⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⴰⵎ ⵜⵉⵙⵉⵜ.

ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵉ ⴷⵉⵍⵉ. ⴷⵉⵍⵉ ⵔⴰ ⴷ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵉⵖⵣⵉⵜⵏ ⵏ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴽⵜⴰ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴽⵜⴰ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉⴳⴳⴰ ⴼⴰⵄⵓⴹⵓⵏ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⴱⵓ ⵛⵉ ⵍⵟⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵍⵙ ⵙ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵍⵙ ⴷⴳ ⴰⵥⵔⵡⴰⵄ, ⴷ ⵜⵙⴱⵉⵃ ⵍⵉ ⵜⵃⴱⴱⴰ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵄⵓⵏ ⴰⵏⵉⵄⵉ, ⵜⵡⵉⴳⴳⵯⵉⴷⵏⵜ. ⴷ ⴼⵉⵔⵓ ⵍⵉ ⴰⵣⴳⴳⵯⴰⵖ ⵉ ⴷ ⵉⵀⵡⴰⵏ ⵅⴼ ⵓⵄⴰⴷⴷⵉⵙ ⴷ ⵜⴼⴰⵙⵙⵉⵏ ⵍⵉ ⵍⵙ ⵜⵉⵚⴱⵃⴰⵏⵉⵏ, ⵓⴼⴼⴰⵏⵜ ⵛⵡⴰⵢⵜ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵣⵄⵄⵉⴼ ⵍⵉ ⵉⵙⵙⵓⵎⴰⵔⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⴳⴳⴰ ⵄⵉⴱⵜⵛⵉⵜⵙ. ⴰⵎ ⵓⵣⵄⵄⵉⴼ ⵏ ⵉⵖⵔⵉⵇ, ⵜⵜⵓⵎⴰⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵜⵉⴼⵔⴰⵙ ⵍⵙ ⵉⵃⴷⵇⵏ, ⴷ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵍⵙ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵍⵙ ⵉⵎⵓⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ. ⵉⵄⴰⵡⴷ ⴰⵢⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴱⵄⵄⵉ ⵔⴰ ⴱⵉⵔⵎⴰⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵄⵄⵉ ⵛⵉ ⵜⵓⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵄⴱⴷⴰ ⵜⵙⵙⵎⴰⵄ ⵉⵜⵜ ⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵍⵟⵏⵉ.

«ⵉⵎⵄⵉ ⵙⴼⵀⵎⵖ ⵛⴽⴽ ... ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ!» ⵜⵙⵖⵓⵢ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ. ⵓⵔ ⵉⵍⵓⵎ ⵛⵉ ⵔⵓⵄⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵜⴱⴷⴷⵄ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵓⵔ ⵉⵥⵕⵉ, ⵉⵙⵢⵓⵔⴰ ⴰⵔⵎⵙ ⵍⵙ. ⵏⵉⵖ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵏ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵔⴰⵣⵎⵏ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵔⵅⴷⵍⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴱⵄⵄⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⵡⵇⵇⵔ ⴷⵉⵍⵉ. ⵉⵜⵡⴰⴽⴽⵙ ⴰⵙ ⵔⵀⵏⴰ ⵍⵉ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ.

ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵄⵄⵉ ⵔⵅⴷⵍⵉ ⵉⵙⵙⵉⵡⵄ ⴰⴽⴷ ⵓⵣⵄⵄⵉⴼ ⵍⵙ ⴰⴷ ⵙⵍⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ, ⵓⵔ ⵉⵜⴷⵡⵡⵉⵄ ⴷ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵙⵖⵄⵉ ⵉⵄⵓⴼⵚⴰⵏ ⵍⵙ ⵢⵓⵣⵖⵏ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⴱⵄⵄⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⴷ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵄⴰⵡⴷ, ⵉⵜⴷⵡⵡⵉⵄ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵄ ⵍⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵉⵙⵏⵓⵖⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵍⵉ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵔⵙ ⵉⵖⴰⵔ ⵉ ⵜ, ⵉⵏⴷⵀ ⵉ ⵜ ⵖⴰⵔⵔⵙ, ⵉⵇⵇⵏ ⵉ ⵜ ⵖⴰⵔⵔⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵓⵜⵜⵀⵡⵔ ⴰⵎⵍⵉ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ, ⴷⵉ ⵜⵎⴳⴳⴰ ⵍⵙ, ⴷ ⵔⵅⴰⵟⴰⵕ ⵍⵙ.

ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⵢⵓⴳⵓⵔ ⴰⴷ ⵉⴼⴼⵖ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵜⵙⵊⵊⴰ ⵉ ⴰⵊⵉⵙ ⵜⵜⵍⴰ ⵉ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ.» Rien de rien, ⵓⵔ ⵉⵄⵏⵉ ⴷ ⵛⵉ.., ⴷ ⵙⴰⵔⵟⴰⵏ ⵏ ⵉⵊⵊ, ⵉⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵣⵖ ⵉⵅⴼ ⵣⴳ ⵉⵏⴷⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⴷⵡⵡⵊ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ?». ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵙⵊⵊⴰ ⵉ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵅⴼ ⴰⵊⵉⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⴰⵡⵡⵉ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⵀⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⵙ ⵜⵃⴰⵔⴰⴼⵜ». ⵉⵔⴰ ⵜⵓⵢⵊ ⵅⴼ ⵕⵃⵉⴹ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵊⵓⵏ. ⵜⵣⵣⵊⵣ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵊⵉⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵄⵏⵏⴰⵏⵜ ⵙ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵍⵙ, ⵜⵙⵙⵓⴷ ⵙ ⵓⵇⵎⵎⵓⵎ ⵍⵙ ⴷⵖⵢⴰ ⵅⴼ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ, ⵓⵛⴰ ⵜⵉⵙⵉ ⴰⵙ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵍⵉ.» ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ? ⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴰⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵔⵉⴷ?. ⵜⴱⴷⴷ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵙⵍⵏ ⵉ ⴰⵙⴷⵊⵉⵙ ⵍⵙ. «ⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵎⴰⴷⴰⵎ ⵙⵉⵣⴰⵏ. ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵎⵓⵜⵢⵖ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⴰ ⵖⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵊⵊⴰⵙⵜ. ⵙⵙⵉⵜⵎⵖ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵙⵎⵓⵜⵢⵖ ⵉⵎⴰⵏ ⵏ ⵙⵉⵣⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵉⵏⵓ!».

ⵓⵛⴰ ⵜⵎⵙⴰⴼⴰⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⵏⵏⴰ ⵡⴰⵃⴷⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⵔⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵊⵉⵙ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ. ⵜⵍⵀⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ: ⵎⴰⵏⴰⵢⵍⵉ? ⵓⵔ ⴷⴰⵎ ⵍⵉⵖ ⵏⵉⵔⵜⵉ? ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵙⵇⵙⵉⵖ ⵛⵎⵎ. «ⵜⴰⵎⵙⵊⴰⵢⵜ ⵜⴼⵔⵣ ⵔⵓⵅⴰ ⵏⵉⵛⴰⵏ, ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵉⵎⵔⵛ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⴷⵢⴰⵣⵉⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ». ⵓⵛⴰ ⵜⵍⵀⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵍⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⵡⵉⴷ ⴰⴱⵓⵀⵊⵉ ⵢⴰ, ⴰⵊⵉⵙ? ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵣⵕⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ, ⵃⴰ ⵎⵉⵏ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ». «ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵜⵉⴳⵡⵡⴰⵏⵉⵏ». ⵉ ⵜⵍⴰ ⵜⴼⵉⵖⵔⴰ ⵍⵉ ⵙ ⵊⵃⵙⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵊ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵀⴰⵏ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵜ ⵙ ⵓⵅⵎⵅⵎ ⵍⵙ. ⵜⴱⴷⴷⵊ ⴰⵡⴰⵊ ⵍⵙ. ⵓⵔ ⵜⴱⵓⵇⴰ ⵛⵉ ⴰⵊⵉⵙ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵅⵙⵖ. ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⵉ ⵄⴰⴷ ⵜⵙⴷⵃⵉⵖ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⴰⵛⵉⵖ. ⴰⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⵅⵙⵖ ⵡⵍⵉ ⵉⵅⵙⵖ ⴰⴷ ⵛⵕⵀⵖ ⵡⵍⵉ ⵛⵕⵀⵖ.ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵓⵔ ⵙⵙⵓⴳⵓⵔ ⵛⵉ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵛⵛⵛ ⵜⵅⵙⴷ...» ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵊⵉⵙ ⵜⴱⴷⴷ, ⵜⵜⴼⴼⵣ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⴼⴰⴷ, ⵏⵉⵖ ⵢⵓⵣⵖ ⴰⵙ ⵉⵊⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵍⴹⵏⵉ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵉⵏⵏ ⵏ ⵓⵙⵖⴷⵉ ⵉⵙⵙⵇⵏⵉⴷ. «ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴰ ⴰⵊⵉⵙ ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵉ ⵜⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵙ ⵎⴰⵛⵛⵛ ⵜⵜⴳⴳ ⵉⵜ ⴰⴽⴷ ⵔⵅⴹⴰⵕ ⵍⵎ». ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴷ ⴷⴷⵔⵉⵡⵛⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴼⴰⵔⵖⴷ ⵊⴱⵉⴷⵓ ⵏ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵛⵜⵉ. «ⵏⵉⵔⵜⵉ, ⵎⴰ ⵜⵅⵙⴷ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵙⴰⵏⵉⵜⵉⵏ? ⵎⴰ ⵜⵅⵢⵢⵇⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵔⵎⵉⵙⵖ ⵛⵉ?». ⵙ ⵏⵏⵀⴷ ⴽⵜⴰ: «ⴰⵊⵉⵉⵉⵉⵉⵙ, ⵜⵣⴰⵡⴰⴳⵖ ⵛⵎⵎ, ⵓⵔ ⴷ ⵙⵙⵓⴼⵖ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵎⵉⵏⵏⴰ ⵉⵏⵓ ⴰⵡⴰⵊⵏ ⵉ ⵓⵔ ⵍⵉⵖ ⵛⵉ». ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵣⵣⵊ ⴰⵊⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵙ, ⵜⵓⵜⵜⵔⵓ. ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵊⵊⴰⵏ ⴱⴷⴷⵏ ⴷⵉ ⵔⴰⵎⵔⴰⵃ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ, ⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔⵏ, ⵢⵓⴷⵙ ⴰⵙⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵡⴰⵔⴰⵏ ⵏⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴼⴼⵖ ⴷ ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵛⵊⵉ ⵜⴷⴷⵇⵊ, ⵜⴹⴼⵕ ⴰⵊⵉⵙ.

ⵜⵓⵙⴷ ⵊⵉⵢⵓⵏⵉ, ⵜⵛⵔⵉⵛⵜ ⵍⵉ, ⵜⵛⴽⴽⴰⵎⵜ, ⵜⵙⵊⵊⴰ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵊ ⵏ ⵜⴰⵃⵓⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵍⵉ. «ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴰⵎ ⵛⵎⵎ, ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵇⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ..

ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⵙⵏⵅⵔⴰⵄ...ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ. ⵛⵎⵎ ⵜⵔⵎⵙⴷ, ⴰⴳⵉⴳⴻ ⵏⵏⵉ, ⴰ... ⴰ..ⵜⵉⵛⵜⵉ ⵏⵏⵉ.. ⴰⵎⵢⴰ, ⵜⵙⵏⵀⵣ ⴷⴰⴷ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⴼⵓⵙⵉ ⵜⵙⵎⴰⵍ ⴰⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⴻⴼⵉⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ, ⵜⴰⴻⴼⵉ ⵏⵏⵉ, ⵏ ⵓⵅⴻⴰⴼ, ⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵡⴰⵙⵙⴰⵖ. «ⵛⵎⵎ ⵜⵔⵎⵙⴷ, ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ! «Oh my god!...» ⵉⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵎⵙⵃ ⵉⵎⴹⴹⴰⵡⵏⵏ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ, ⵜⵙⵙⵓⴱⵓⴻ ⵉ ⵜⵜ. « ⵓⵔ ⵜⴰⴳⴳⵯⴷ ⵛⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ, ⵛⵎⵎ ⵜⵜⵄⵣⵣⵉⴷ ⵅⴰⴼⵉ.ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵃⴰ ⴰⴽⵉⴷⵎ.ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵏⵜⵎⵙⴰⵅⴰⵔ ⵏⵜⵎⵃⴰⴷⴰ, ⵇⵜⵜⵉⵖ ⵃⴰⵊⴰ ⵉⵏⵓ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⴽⵉⴷⵎ ⵡⴰⵀⴰ ⵉ ⵜⵢⴰⵡⴰⵏⵖ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵎ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ. ⴰ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵄⵉⵣⵣⵏ ⵅⴰⴼⵉ, ⴰ ⵜⴰⴼⵓⵏⴰⵙⵜ ⵉⵏⵓ, ⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ! Oh my baby precieous!...ⵓⵔ ⵙⵏⵓⴼⴼⵔⵖ ⵛⵉ ⵅⴰⵎ.ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵓⵔ ⵏⵎⵙⴰⵅⴰⵔ, ⵏⵛⵛ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵙⵃⵃⵔ ⴰⵢⵉ. ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⵉ ⵏⴹⵡⵖ ⴰⵎ ⵓⵇⴰⵇⵔⵉⵡ ⴰⵎⵏ ⵍⵍⵉⵖ ⵣⴷⴰⵜ!» ⵜⵙⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⵍⵉⵢⵓⵏⵉ, ⵓⵎⵉ ⵜⵣⵣⵓⵍ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⴰⵍⵉⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵜⴰⵎⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴰⴻⴼⵉ.. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵡⴰⵀⴰ.»ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ... ⵃⴰⵛⴰ ⵛⵎⵎ, ⵜⴰⴼⵓⵏⴰⵙⵜ ⵉⵏⵓ, ⵛⵎⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵛⵏⵉⴷ, ⵜⵓⴷⵙⴷ ⴰⵢⵉ, ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ.ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵖ ⵛⵎⵎ, ⵅⵙⵖ ⵛⵎⵎ, ⵅⵙⵖ ⵛⵎⵎ...»

ⵓⵎⵉ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⵡⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⴷ ⵔⴼⵔⴰⵃⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵢⵓⴳⵓⵔⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵉ ⵔⵀⵔⴰⵛ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵙⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵅⵏⴼⴰ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵜⵓⵙⴰ ⴷ ⴰⵔⵔⴰⵃⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵜⵜⴳⴳ, ⵉⵜⵜⴰⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⴳⵔⴰⵏ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⴰⴽⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵏⵏⵉ, ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵛⵉ ⵏ ⴷⴰⴱ ⵏ ⵜⴼⵔⴰⵙ! ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵉⵣⵍⵍⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴼⴰⵔⵖⵏ, ⵡⵉⵏⵏⵉⴻⵏⵉ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵎⵢⵔⵏ. ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵜⵉⴷⴰⵖⴰⵍⵉⵏ ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵢⵔⴰⵍⵜ. ⵉⵔⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵣⵉⵏ ⵉⵙⵙⵄⵛⵉⵇ. ⵍⴰⴱⴷⴷⴰⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵏ ⴰⵕⵕⵓⴻ ⵏⵏⵙ, ⴷ ⵙⵔⴰⵙⵔ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵉⵔⵉⵡⵉⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵔⵉ ⴷ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ. ⴷ ⵉⴱⵓⵢⴰⵙ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵔⵎ ⴰⴱⵔⴽⴰⵏ ⴷ ⴰⴷⵎⵎⵏ, ⵛⴷⴷⵏ ⵙ ⵛⵉ ⵍⵎⵄⴷⵏ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵛⵏⵉ. ⴳⴳⵉⵏ ⴰⵍⴽⴰⵙ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ, ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⴰⵔⵡⵉⵏⴰ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⴷⵛⴰⵔ, « ⵜⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⴷ ⵜⴰⵎⵜⵔⵓⵢⵜ, ⵜⴰ ⵉ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⴰ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ.ⵡⴰ ⴷ ‘ⵔⵃⵙⴰⴱ ⵏ ⵎⵉⵍⵉⵎⵜⵔ’ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴻⵀⵕ ⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵜⵔⴰⵖⵏ ⵜⴰⵎⵜⵔⵓⵢⵜ!. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵎⴰ ⵃⴷⴷ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⴰⵎ ⴰⴷ ⵉⵀⵏⴰ ⵣⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵙⵙⵀⵔⴰⵛⵏ, ⵉⵣⵏⵇⵏ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⵇⵜ ⵏ ‘ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ’. « ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴽ ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⵓⴽⴽⵯⵍ ⵉⵏⵓ!» ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ : ⵜⵜⵓ ⵇⵇⴰⵄ ⵀⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉ ⵅⴼ ⵜⴰⵔⵉ ⵜⴰⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⴰⵎⵏ ⵜⵜⴳⴳ ⵅⴼ ⵜⵉⵖⵎⵉ ⴷ ⵉⵏⵖⵎⴰⵏ. ⵖⴰⵡⵍ ⴰⴷ ⵜⴱⴷⵍⴷ

ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⴽ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ..» ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵉⵙⵥⴰⵔ, ⵉⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ, ⵉⵥⴱⵍ ⴰⵙⵏⵡⵊⵡ ⵏⵏⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⵜⵙⵏⵡⵊⵡ ⵉⵜ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ. “ⵖⴰⵡⵍ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ? ⵥⵉⵎ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵔⴷ ⵎⵣⵕⵉ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵜⵅⵙⴷ. ⵖⴰⵔⵏⵖ ⴰⵟⵟⴰⵇ ⵏ ⵔⵖⵏⵓⵊ ⵏⵡⵉ ⵜⵏ ⴷ ⴰⴽⴷ ⵜⵄⵊⵊⴰⵊⵜ ⵉⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰⵏ. ⵉ ⴷ ⵏⴳⵔⴰ ⵙ ⵜⵍⴷⵉⵜ ⴷ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⵣⴳ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵉⴳⴳⵯⵊⵊ, ⵏ ⵓⵛⴰⵔ. ⵔⵖⵏⵓⵊ ⴰ ⵜⴼⵖⵏ ⴷ ⵣⵉ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ.. ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ, ⵉ ⵉⵍⵖⴰⵏ ⴰⵏⵖ ⵜ!» ⵉⵟⵟⴼ ⵉⵜ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴰⵔ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⵉⵜ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵅⵙ ⵏⵏⵙ, ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⴰⵙ ⴰⴷ ⵜⵥⵙⵙⴰⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ. “ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⴽ ⵅⴰⴼⵙ ⴰ ⵎⵡⴰ ⵣⴷⴰⵜ, ⵍⵍⴰ? ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ, ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ? ⵎⴰ ⵜⴽⵜⵜⵓⴷ?” ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵙⵏⵡⵊⵡ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵀⵡⴰⵏ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⴷⵉ ⴰⵡⵍⵉⵡⵍ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵉⴷⵡⵍ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵃⵙⵏ ⴷ ⵓⵇⵖⴷⵉ.

ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⵜⵜⴳⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⵅⵉⵔ. ⵙ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵇ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵀⴰ ⵓⵎⵉ ⴰⵙ ⵜⵏⵏⴰ: «ⵛⴽⴽ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰ ⵎⵡⴰ.., ⵏⵉⵖ ⵄⴰⴷ ⵛⴽⴽ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⴽ ⵢⵓⵢⵍⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⵥⵥⴰ?». ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵔⴱⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⵍⵍⵖ ⵏⵏⵉ ⴰⵇⴱⵃⴰⵏ. «ⵍⵍⴰ ⵏⵛⵛ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⴳ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ». ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵔⵃⵉⵎ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵙⵏⴷⵓⵥ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴷ ⵜⵥⵥⵉⵎ ⵅⴰⴼⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ. “ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵛⴽⴽ ⵜⵎⴰⵔⵔⵜⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵏⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵓⵎⴰⵔⵔⵜ ⵉⵎⵖⴰⵔ. ⵅⵎⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⵥⴰ ⵜ ⵡⵃⴷⵙ ⴰⵎ ⵓⵊⴷⵉⴷ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵔⵄⵓⵛ ⴳⴼ ⵜⵣⵥⵥⴰ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵅⵓⴱⵉⵔ ⵢⵓⵢⵍ ⵊⴰⵔ ⵉⴳⴰⴷⵉⵔⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵃⴰ ⵏⵜⵜⴰ. ⵜⵙⵥⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵔ, ⵜⴱⴷⴷ, ⵜⴱⵍⵍⴹ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. « ⴰ ⵕⴱⴱⵉ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜⵏ ⵡⵃⴷⵙ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴱⵏⴰⴷⵎ!”. ⵉⵔⴰ ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⵉⵎⵣⵓⵖⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵏⵏⵙ ⵢⴰⵛⵎⵏ ⵙ ⵜⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ. ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⴰ ⵉⵡⵡⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⴰⵟⵟⴰⵇ ⵏ ⵓⵊⵔⵉⵙ, ⵟⵇⵏ ⴰⵟⵟⴰⵇ ⴷⵉ ⴱⴰⵕⵕⴰ, ⴷⵉ ⵔⵄⵡⵉⵏ, ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⴷ ⵓⵏⵣⴰⵕ ⴷ ⵓⴷⴼⵍ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵇ ⵓⵔ ⵙⴱⴷⴷⵉⵏ ⴰⵎⵓⵜⵉ, ⴰⵎ ⵉⵜⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⴰⵔⵙⵙⵉⵏ!

ⵎⵓⵜⵢⵏ ⵙ ⵙⵎⵓⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵅⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⵉⴳⴳⵯⵊ, ⵖⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵡⴰⵀⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵙ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ. ⵜⵓⵖⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⴱⵉⵔⵓ ⵜⴼⴰⵣ. ⵉⵜⵜⴹⵀⵕ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵔⵀⴰ ⴷⴳ ⵓⵄⴷⴰⵍ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵖⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵄⵛⵓⵛⵜ ⵡⴰⵀⴰ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴷ ⴷ ⵔⵥⵙⴷⵉⵔ. ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏⵜ ⵎⵡⴰⵔⴰⵎⵏⵜ. ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏ ⵉⴽⴰⵜⵓⵍⵉⴽⵏ, ⵎⵓⵏⵢⴰⴽⵓⵜ, ⴷ ⵉⵛⵓⴹⴰⴹ ⵓⵏⵓⵖ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ‘ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰ ⵍⴰⵜⵉⵏⴰⵢⴰ’. ⵉⵡⵍⴰⴼⵏ ⵏ ⵉⵎⵉⵔⵔⴰⵢⵏ ⵣⵉ ‘ⴱⵉⵔⵓ’ ⴷ ‘ⴽⵓⴱⴰ’ ⴷ ‘ⵛⵉⵍⵉ’ ⴷ ‘ⴱⵓⵍⵉⴼⵢⴰ’ ⴷ

ⵜⵉⵎⵎⵓⵔⴰ ⵜⵍⵟⵏⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⵉ ⵉⵔⴰ ⵣⴳ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵢⴰⵔⵡⴰⵏ ⵜⵉⴽⵔⵓⵎⵙⵉⵏⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵉⵎⵓ ⵍⵍⴰⵏ ⵜⴰⵔⴱⵉⵄⵜ ⵍⵉ ⵛⴰ ⵉⵚⵚⵉⵎ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵔⴽⵔⴰⵙⵉ ⵎⵙⴱⵟⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⵖⵎⵉ, ⵛⴰ ⵢⴰⵔⵢⵄ ⵅⴼ ⵓⵜⴽⴰⵢ, ⵉⵅⵣⵔ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴷⵉ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ «ⴰⵄⵚⴰ, ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⵎⵏ ⵃⴰⴷ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵍⵖ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⵉ, ⵎⵉⵍⵔ, ⴰⵎⴰⵔⵉ, ⵀⴰⵏⵔⵉ ⵎⵉⵍⵔ..» ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵔⴳⴷⵍⵉ ⵜⴰⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⵙⵜⵍ ⴰ ⵣⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ, ⵓⵎⵉ ⵉⵄⵟⴰⵔ ⵉ ⵓⵙⵊⵍ ⵏ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴷ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ. “ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴷ ⴰⵕⴱⵄⴰⵏ ⴰⴹⴹⴰⵕ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵖⵔⵉⵏⵖⵓ ⴷ ⴰⵃⴼⴼⴰⵏ. ⵉⵜⵜⵟⵀⵇ ⴷ ⴰⵕⵉⵏⵉ ⵙ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵢⴰⵔⵅⵓⵏ ⴷ ⵡⴰⴹⴹⴰⵡⵏ ⵍⵙ ⵢⵓⴼⴼⵏ. ⵉⵅⵙⵙⵉⵛⴽ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⵛⵉ ⵚⵚⴰⵃ ⵜⴰⵄⵓⴷⵔⵉⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵎⵏⵃⴰⴷ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵊⵓⵏ (June). ⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔⵙ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵍⵙ ⵏ ⵜⴰⵙⴽⵍⴰ ⴷⵉ ⵍⵓⴼⵉⵙⵢⴰⵏ. (Louveciennes) ⵎ 2 ⵉⵎⵃⴰⵡⴰⴷ, ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏ ‘ⵎⵓⵏⴱⵡⵉⵙⵓⵏ’ (Montbuisson), ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ. ⵜⵎⵍⵍⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⴳⴳⵉⴷ, ⵜⵛⴰⵀⴷ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⴰⵎ ⵛⴽⴽ?” ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵓⵔ ⵉⵅⵎⵎ ⵚⵚⴰⵃ, ⴱⵍⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵉⵡⴽⴽⴷ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴰⵎⵍⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⵍⴰ ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⵉⵖ, «ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵎⵔⴰⵡⵉⵙ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ, ⵓⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵓⵜⵍⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵜⵙⵎⵓⵏⴰⵏⵖ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵓⴽⵍ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵡⴰⵣⵚⵚ ⵏⵜⵥⵓⵇⵉ (ⵜⴰⴽⵃⵉⴱⵉⵢⵢⴰ)[1]. ⵎⴰⵔⴰ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⵃⴰⴷ, ⵍⵉⵖ ⵄⵙⵏ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵍⵎⴷⵖ ‘ⵍⵀⵉⵔⵓⵖⵍⵉⴼⵉⵢⴰ’ ⵄⵎⴰ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⵛⵉ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵉⴷⴷⴰⵔⵏ ⵙ ⵉⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵓⵛⴰ ⵉⵍⴰ ⴰⵙⵏ ⴷ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ: “ⵖⵓⵔⴽ ⵜⵉⵟⴷⵜ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵍⵉⴷ ⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ. ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ ⴰⴹⴹⴰⵕ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵉⵎⵅⵍⴰⵡⵏ ⴰⵎⵛ ⵉⵜⵜⵍⴰ ⵍⴰⴱⴷⴰ. ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⴰⵎ ⵏⵛⵛⵉⵏ! ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴱⵍⵉⵣ ⵙⴰⵏⴷⵔⴰⵔ ⴰⴹⴹⴰⵕ. ⵉⵍⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⵎⵎⵉⵙ ⵏ ⵙⵙⵓⵚ ⴰⵎ ⵏⵜⵜⴰ!”

ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⵎⵓⵄⵎⵎⴷ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⵙ ⵓⵖⵙⴷⵉⵙ, ⵉⴷⴼⴼⴰⵔ ⵉ ⵜⵜ ⵙ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵇⴰⵄⵖ, ⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ? ⵙ ⵓⵛⵓⵡⴰⴼ ⵍⵙ ⴰⴱⵍⴽⴰⵏ ⵉⵀⵡⴰ ⵅⴼ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵍⵙ, ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵙ ⵛⵛⵓⵔⵏ ⵛⴷⴷⵏ. ⵜⵜⵉⵖⵉⵍ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⵜⵜⵏⵀⵣⵣⴰ ⵡⵄⴷⵙ. ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵉ ⵉⵜⵜⴳⵙⵙⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵜⵍⵟⵏⵉ ⵖⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵛⵎ ⵜⵓⵊⵊⵓⵜ ⵍⵙ. ⵖⴰ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⴽⴽⵔ ⵜⵉⵎⵙⵙⵉ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵢⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵢⵉⵍⵟⵏ ⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⴰⵢⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵀⵡⴰ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⵏ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵓⵛⴰ ⵉⵄⵔⴱ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵍⵙ ⵅⴼ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⴰⴳⴳⵯⵊ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴱⴳⴳⵓⵢ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵟⵀⵇ.

1 Cubisme de la merde

ⵉⵍⵉⵏⴰ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵓⵣⵎⵓⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⴼⵔⵉⵣ; ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵎⴰ ⴷ ⴰⵣⵎⵓⵎⵎⵉ ⵏ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵏⴳⵣⵏ ⵡⴰⵀⴰ ⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰⵔⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⵔⴰⵔⵏ ⵙⵏⵓⴼⴼⴰⵔⵏⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵅⵢⵉⵇⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵢⵓⵛⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵙ ⵓⵖⵎⴰⵣ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⴽⴰⵙ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ « ⵙⵓ ⵡⴰ ⴳⴳ ⴰⵢⵉ ⵔⵅⴹⴰⵕ» ⵜⵔⵢⵢⵃ ⵅⴼ ⵡⴰⵜⵜⴰⴳ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ « ⴰⵕⴰⵃ ⴷ, ⵇⵉⵎ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴳⴳ ⴰⵢⵉ ⴰⵕⵕⴰⵢ» ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵓⵎⵉ ⵍⵍⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵜⵙⵏ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵙ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵣⴳ ⵉⵅⵢⵉⵇⵏ.« ⴷⵡⵍⵖ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜⵜ, ⵜⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵉⵖ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ». ⵄⴰⴷ ⴰⵎⵏ ⵄⴰⴷ, ⵏⵓⴳⵓⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵏⵜⵜⵙⴰⵔⴰ ⵙ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⴰⵎ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ, ⵜⵙⵎⵎⵍ ⵖⴰⵔ ⴰⵇⵣⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: « ⴷ ⵡⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴰⵍⵓⵍⵉ ⵢⴰ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⵉⵛⵏⵉⵏ, ⵉⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴷ ⵉⵡⴰⵊⴰⴱ ⵅⴰⴽ!» ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵓⵔⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ ⴰⵎ ⵍⴱⴷⴰ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵙⴰⵎⴰⵃ ⴰⵙ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⴷ ⴰⵎⵏⵓⵙ. ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵍⵉⵙ, ⵍⴱⴷⴰ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⴼ « ⴰⵎⵄⴰⵛⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ» ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵖⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴷ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⴷⵉ ⵉⵅⵎⵎⵓⵎ. « ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵜⵙⵍⵍⵉⵖ ⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴼⵕⴰⵏⵙⴰⵡⵢⵏ ⵣⵉ ⵏⵀⵔ ⵏ ⴰⵢⵜ ⵙⵜⴰⵢⵏ ⵇⴰⵔⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵅⵙⵉ ⵓⵔ ⵉⵙⵡⵉ!» ⵓⵛⴰ ⵉⵃⴹⴰ ⵉⵖⵉⵍ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: ⵙⴰⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⴽ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⴰ». ⵓⵛⴰ ⵉⵟⵟⴼ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ. « ⵍⴰ ⵍⴰ ⵍⴰ, ... ⵓⵔ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⴽ, ⵛⴽⴽ ⴷ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ.»

ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵎⴰ ⵜⵅⵛⵛ ⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⴷⵉ ⵜⵍⴷⵉⵜ ⵏ «ⵓⵎⵏⵉ ⴱⵓⵙ» ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⴱⵓⵔⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⵏⵓⵕⵣⵎⵏ, ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵖⴰ ⵉⵜⵜⵡⵙⵙⴰ ⵜ ⴰⵍⴽⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ. « ⵜⵜⵉⵇ ⴷⴰⵢⵉ ⴰ ⵢⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ, ⵓⵔ ⴷ ⴰⴽ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴱⵓ ⵓⵎⵛⴰⵏ. ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ ⵉ ⵣⵕⵉⵖ ⴰⵍⵉⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴰⵣⵣⵓⵍⵜ, ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵅⴰⴽ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵜⵔⵣⵣⵓ ⵅⴼ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⴰ. ⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵜⵄⵉⵣⵣⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵜⴰⵀⵍⵍⴷ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵜⵓⵜⵜⵉⵇ ⵛⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵍ ⵖⴰⵔⴽ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⵏⵏⵓⴼⴼⵔ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵣⵣⵓⵍⵖ ⴰⵙ ⵙ ⵔⵊⴷⵓⴷ ⵉⵎⵔⴰⴱⴹⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵉⵇ ⵛⵉ. ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⴷ ⴰⵙ ⵉⵛⵛⵓⵔⵏ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵙ ⵜⵃⴰⵊⵉⵜ ⴰ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵜⵓⵜⵜⵉⵇⵇⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⴰⵖⵔⵉⴱⵉ. ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵅⴰⵡⵎ ⵉⵙⵅⵔⵔⵇ ⵛⵉ ⴷⴳ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ, ⵜⵜⵉⵇ ⴰⵢⵉ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵓⵜⵜⵉⵇ ⵙ ⵉⵅⵔⵔⵉⵇⵏ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ

ⵜⵙⵃⴷⴷⵓ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⴼⵔⵉⵣ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ, ⵓⵔ ⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵍⵍⴰ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙ ⵇⴰⵄ».

ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵅⵎⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⴷⴼ ⵜⵓⵜⵜⵓⵎⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴷⴷⴰⵔ, ⵜⴰⵄⵓⴷⵔⵉⵜ ⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹ, ⵜⴼⵙⵓⵙ, ⵜⵚⴼⴰ, ⵜⵍⵖⴰⵖ ⴰⵎ ⵡⴰⵎⴰⵏ. ⵜⴳⴳⴰ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵜⵣⴳⵔⴰⵔⵜ ⴰⵟⴹⴰⵚ ⴷ ⵜⴰⵣⵓⴳⴳⵯⵖⵜ, ⵜⴳⴳⴰ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵍⵎⴹⴰⴹ, ⵓⵛⴰ ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵎ ⵜⴰⵙⴷⴷⴰ ⵜⴼⴼⵖ ⴷ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵃⴰⴷ ⵣⵉ ⵜⵍⵍⴰⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵄⴰⵔⵎⵓⵛⵏ. ⵜⵓⵙⴷ ⵜⴽⴽⵙ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵏⴽⵓⵍⵜ ⵏ ⵜⵎⵉⵣⵉⴹⵉⵏ, ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴼⵓⵙ ⵜⴰⵔⵏⵣⴰⵕ ⴷ ⴰⴱⵔⴱⴰⵛ ⴷ ⵡⴰⵍⵓⴳ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⵉⴷⵍⴰ ⵙ ⵢⵉⵔⵎ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖ. ⵜⵙⵍⵍⵎ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵣⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⵓⵛⴰ ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵜⵜⴰⴳ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵙⵉⵖⴰ ⴰⴼⵓⵙ. ⵎⵙⵓⵙⵙⴰⵏ ⵣⴳ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵙⵙⵉ ⵏⵏⵉ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙⵙⵏⵏ ⵜⴰⵄⵓⴷⵔⵉⵜ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵜⵏ ⵙⵉⵡⴰ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵜⵜ ⵉⵣⵕⵉⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏⵏⵉ, ⵜⵕⴰⵄⵖ ⴰⵟⴹⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵍⴳⴰⵍⴰⵙⵉ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ: «ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵇⴰⵔⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵎⵛ ⵜⵏⵏⵓⵎⴷ». ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵜⵎⴳⵙⴰ. ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵖⵓⵔⵉ ⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. ⵜⵕⵣⴳ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵉ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵉⵏⵓ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵜⵊⴱⵉⵔⵖ. ⵃⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵛⵛⴰⵏ ⵏⵏⴽ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⴳⴳⵉⴷ. ⵃⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰⴳⵉⵏ ⵏⵏⴽ ⵜⴰⵚⴱⵄⴰⵏⵉⵏ. ⵛⵎⵎ ⵓⵍ ⵏⵏⵎ ⴷ ⴰⵄⵏⵉⵏ, ⵜⵛⵏⵉⴷ» ⵉⵜⵜ ⵉⵡⴰⵊⴰⴱ ⵙ ⵜⵎⴳⵙⴰ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙⵏ ⴷ ⵎⵓⵍⴷⵉⴼⴰⵏ, ⵉⵙⵙⵉⴷⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵎⵀⴰⵔⵔⵜ.«ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵍⴰⴱⴷⴰ ⴰⵎⵢⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵍ ⵄⴰⵎⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵎⵉⵏ ⵅⴼ»

ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵡⵡⴹⵏ ⵉⵎⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ, ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⵍⵍⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⵍⵉⵄ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵇⵢⴰⵏ ⵅⴼ ⵓⵍⵓⴼ.« ⵙ ⵓⵢⵏⵏⵉ ⵜⵉⵟⴹⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵎ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⴰⵎⵏⵓⵙ !» ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ . ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⴷⴰⴷ ⴷ ⴰⵣⴳⴳⵯⴰⵖ, ⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⵣⵡⵖ ⵜⴼⵙⵓⵙ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵄⵓⴷⵔⵉⵢⵢⵏ.« ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵎⵉⵍⵄ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⴷ ⵔⵄⴰⵚⵓⵕ» ⵉⴹⵚⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ: « ⵜⴳⵙⵙⴷ ⴰⴷ ⵜⵜⵉⵏⵉ, ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵏⵛⵛ ⵡⵄⴷⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵡⵄⴷⵉ ⵡⴰⵀⴰ, ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵜⵃⴱⴱⵛ ⵙ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵇⵏⴰⵏ, ⴰⵎⵎⵓ ... ⴰⵎ ⵙⵉⵏ ⵏ ⴰⵔⴷⵍⵉⵎⵏ». ⵓⵛⴰ ⵜⵚⴹⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵙⵢⴰⴼⵏ ⵙ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵡⵡⴹ ⴷ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ. ⵎⵓⵍⴷⵉⴼⴰⵏ ⴰ ⴰⵡⵙⵙⴰⵔ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵙⵏⵀⵣ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⴽ ⴰ ⵢⴰⵎⴷⴷⴽⴽⵍ ⵉⵏⵓ». ⵉⵙⵖⵓⵢ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ. «ⵏⵀⵣ, ⵜⴷⵡⵍⴷ ⴰⵎ ⵓⵢⴷⵉ ⵏ ⵓⵎⵄⵉⵣⵡⵔ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵄⴰ ⴷ ⴰⵇⵣⵉⵏ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵔ ⵏⵓⵣⵣⵓ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵏⴳⴳ ⵔⵃⵉⴱ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ». ⵓⵛⴰ ⵙⵙⵏⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⴳⵏⵏⵊ, ⵛⵛⴰⵜⵏ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ. ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵉⵛⵏⵉⵏ ⵙⵙⵏⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵛⵃⴰⵍⵏ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ!

ⵓⵎⵉ ⵜⵥⵕⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵏⴳⴰⵍⵜ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵉⵙⴷⵀⵛ ⵉⵜⵜ ⴰⴷⴷⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵃⵍⴰⵏ, ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⵓⵎⵎⵔⵏ, ⴷ ⵜⴰⴹⵚⴰ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵡⵉⴳⴳⵉⴹⵏ ⵅⴼ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵏⴳⴰⵍⵜ ⴽⴰⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵔⴽⵙ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ, ⴰⴷ ⵇⵙⵙⴰⵔⵏ, ⴰⴷ ⴳⴳⵏ ⵓⵔⴰⵔ ⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵔⴱⵉⴽⵜ ⴰⴷ ⵜⴰⵙ ⵣⵉ ⵜⴰⵢⵀⵉⵜⵉ, ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⴰ. ⴰⵕⴰⴽ ⴷ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵃⴷⵓ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⴷⴰⴽ ⵜⵃⵊⵊⴱⴽ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵖ”.

ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⵓⵜⵜⵀⵡⵔ, ⵖⵏⵊⵏ, ⵏⴳⵣⵏ, ⵙⴽⵓⵔⵛⵉ. ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏ, ⴰⴽⵓⴷⵔⵉ ⵢⴰ ⴷ ⴰⵀⵉⵏⴷⵉ ⵣⵉ ⴰⴳⴷⵓⴷ ⵏ « ⴰⵏⴽⴰ»

ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵜⴳⴳⵯⵊ, ⵜⵏⵏⵓⴼⴼⵔ. ⵓⵎⵉ ⵎⵙⵍⵙⴰⵇⵏ ⵏⴳⵣⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ: “ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵉⴷ ⵜⵡⵡⵉⴷ ⵣⵃⴰⵎⵜ ⴰ, ⵡⵏⵏⵉ ⵛⵎⵎ ⵖⴰ ⵉⵥⴰⵕⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴰⴷ ⵢⴰⴳⴳⵯⴷ ⵣⵣⴰⵢⵎ ⴷ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵎ. ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⴱⵓⵢⴱⴽⵏ ⴷ ⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ. ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵎⴰⵔ ⵉⵜ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵖⴰ ⵜⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ. “ⵙ ⵜⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ ⵜⵙⵍⵉⵖ ⵙ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴽⴰ ⵙ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵉⵏⵓ ⵡⴰⵀⴰ!”

ⵉⵜⵜⴱⵍⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵙ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. ⵉⵙⵔⵓⵙⴰ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵙⵓⵎⵎⵜ ⴽⴰⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵖⴰⵔ ⵉⵜⵏ, ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵉⵃⴰⵡⴷ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⵚ ⴷ ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⴼⴰⵇⵇ. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴽⵜⴰ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ: “ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵎⴰⴽⴰⵔⵉⵎ» ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴼⵜⵉⵏ ⵙ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵏⵜⵏⵉ ⴷ ⵉⴽⵥⵥⵓⵟⵏ. ⵙ ⵉⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⴷⵎⵎⴰⵏ. ⴷⵡⵍⵏ ⵜⵜⵏⵢⵔⴰⵡⵏ ⵅⴼ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⴷ ⵜⵉⵏⴼⵓⵙⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⴽⵓⵊⴰ ⵏ ‘ⵔⵀⵏⵓⴷ’. ⵓⵛⴰ ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵙⵎⴽ ⴷⵉ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵀⵉⵍⵢⴰ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴰⵣⵉⵣⵓⵏⵜ, ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. ⵓⵔ ⵉⵙⴱⴷⴷⵉ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵛⵎⵎ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵓⵍ ⴽⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵍⵍⵉⵖ ⵖⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵙⴽⴽⵉⵔ ⴷ ⵉⵎⴰⵙⵃⵉ”. ⵉⴷⵡⵍ ⵉⴽⴽⵙ ⵉⵜⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⵉⵖⵔⵎ ⵏ ⵉⵏⴱⴱⴰⵛⵏ ⴷⵅ ⵓⴼⵔⴰⴹ, ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ ⴷⵅ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴱⴷⴷ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏ ⵜⴰⵍⴷⵉⵜ ⵏ ⵊⵉⵏⴳⵓ , ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⵓⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⵉⵃⴼⴼⴰⵏⵉⵏ ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵜⴰⵎⵣⵉⵡⵜ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⴰⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵣⴰⵎⴰ ⵏⵏⵙⵏ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉⵏ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ, ⵜⵜⵙⴱⴷⴷⴰ ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ.

ⵃⴷⴻⵏ ⴻⵙⵙⴰⵏ ⴻⵛⴰ ⵜⵙⵖⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵅⴼ ⵊⵉⵏⴳⴻ ⵜⴰⵍⴷⵉⵜ ⵉ ⴳⴻⵏⵣⴰⵍⴻ ⵉⵔⴰ ⵉⵔⵉⵥⵥ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵍⴷⵉⵜ ⴰⵎ ⵜⵎⴷⵢⴰⵣⵉⵏ. ⴻⵛⴰ ⵅⵅⵉⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴻⴽⵛⵛⴻⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵙ ⵔⴰⵎⴰⵏ. ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. “ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⴻⵏⴻⵖⵖ” ⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴳⴻⵏⵣⴰⵍⴻ. ⵜⴷⵓⵍ ⵜⴰⵡⴻⴷⵔⵉⵜ ⵏⵏⵉ, ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⴰⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙ, ⵡⴰⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ, ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉ, ⴰⴷ ⵜⵖⵏⵏⵊ, ⴰⴷ ⵜⵔⴳⵣ, ⴰⴷ ⵜⴰⵔ ⵎⴰⵣⵍⵉ ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴳ ⵉⵏⴱⴱⴰⵛⵏ ⵏ ⴻⴼⵔⴰⵄ ⵅⵎⵉ ⵉⴷ ⵜⴷⵓⵓⵍⵏ ⵣⵉ ⵜⵉⵣⴻⴱⴰⵔ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⴷⴳ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵜⵛⵃⴰⵍⵏ ⵍⴰⵎⴱⴰⵜ, ⵙⵙⵏⵓⴰⵏ ⴰⵎⵏⵙⵉ ⴷⵉ ⵔⵅⵇⴰ. ⴷ ⵜⵃⵓⴰⵄⵉⵏ ⵜⵡⵙⴰⴱⵏⵜ ⵜⵉⵏⵃⴰⵛⵉⵏ ⵉ ⴳⵔⴰⵏⵜ ⴷⴳ ⵓⴰⵙⵙ ⵏⵏⵙⵏⵜ. ⴷ ⵉⵎⴽⵔⴰⵏ ⴱⴹⴹⴰⵏ ⵎⵉⵏ ⴻⴽⴰⵔⵏ ⴷⴳ ⵓⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ. ⴷ ⵉⵡⴰⵔⵎⴻⵛⵏ ⵃⴰⴷ ⵜⵉⵔⴰⵔⵏ ⵙ ⵛⵄⴰⵔⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⵍⵍⴰⵙⵜ. ⵜⵄⵀⵇⵏ ⴰⵎ ⵉⵛⴻⵄⴰⴷ ⵉⵜⵜⴰⵓⵓⵉ ⵜⵏ ⵔⴰⵃⵓⵉⵏ !

ⴷⵉ ⵔⵀⴻⵔⴰⵏ ⵏⵏⵉ, ⴷ ⴰⵣⴰⵓⴰⵏ, ⴷ ⵣⵀⵉⵊ ⴷ ⵓⴰⵄⴻ ⵏ ⵅⴰⵇⵇⴻ ⴷ ⵓⴰⴹⴹⴰⵕ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵓⴷⴰⵏ ⵉ ⵉⵜⵜⵏⵢⵔⵓⵏ ⴷⴳ ⴻⵏⵅⵔⴻ ⴰⴳ ⵊⵓⴰⵏ ⴳⴻⵏⵣⴰⵍⴻ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵎⴻⵡⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⴻⵎⵅⴻⵎⴱⵔ ⵉ ⴷ ⵢⴻⵙⵉⵏ ⴷ ⵉⵎⵏⵖⴰⵏ ⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ, ⵃⴰⵓⴷ ⵅⴼ ⵜⴰⵙⴷⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⵎⴻⴷⵔⴻⵙⵜ. “ⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ, ⵎⴻⵓⴰ, ⵀⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵓⴰⵔⵉⴷ ⵜⵙⵍⵍⵉⵜ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⵉⵏⴻ. ⵎⵛⵡⴰⵍ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵃⵛⵉⵥ ⵜⴰⵙⵅⴰⵓⵛⵜ ⵜⵀⵔⵛ ⵙ ⵜⵎⴰⵅⵙⴰ, ⵜⵔⵊⵊⴼ, ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ? ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵅⵙⵙⵏ ⴰ ⴰⵎⴷⴷⴻⴽⵍ ⵉⵏⴻ. ⴻⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴷⵖⵔ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵓⵏⵏⵉ ⵜⵔⵣⵣⴻ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ. “ⴻⵔ ⵉⵔⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⴰ ⵜⴰⵎⵅⵙⵉⵜ ⵉⵏⴻ? ⴻⵔ ⴰⵙ ⵜⵙⵍⵉ ⵉⴼⴰⵣ”. ⵜⵓⵛ ⴰⵢⵉ ⵔⵃⴰⵀⴷ ⴻⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵉⴷⵛⴰⵔ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴳⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵥⵥⵉⵎⵖ ⵏⵏⴻⴼⴼⵔⵖ. ⴻⵛⴰ ⵉⵅⵣⵔ ⵜⵓⴰⵔⴰⵜ ⵓⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ, ⵀⴰ.. ⵏⵎⵙⵜⴼⴰⵥ ⴻⵔ ⵜⵉⴷⵛⴰⵔ ⵛⵉ ⴰⵙⵙⴰⵖ ⵉⵏⴻ ⴻⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⴷⵍⵉⵙ. ⵏⵉⵖ ⴰ ⴳⴰⴼⵉ ⵢⴰⵣⵣⵍ ⵎⴰⵙⵢⴻ ⵊⴰⵏ ⴳⴰⴱⵔⵉⵢⵉⵍ ⴷⴰⵔⴰⵏⵢⵉ.[1] ⵛⵎⵎ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴷⴷⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⵏ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵜⵙⵏⴳⴰⵍⵜ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵉⵛⵏⵃⵏ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⴷⴷⵎ ⴰⵙⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴽⵜⴰ ⵣⴳ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⵙⴷⴰⴳ ⵏ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵉ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵍⴱⴷⴰ, ⴻⵔ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵛⵉ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵏⵏⵙ ⴰⴷ ⵊⴰⵔⵄⵏ ⵅⴼ ⵉⵎⵛⵜⴰⵔⵢⵏ ⵏⵏⵙ. ⴻⵡⵔⴰ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵉⵊⵊ ⴰⴷ ⵎⵙⴳⵙⴰⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⴳⵢⵢⵉⵥ ⴰⴹⴹⴰⵕ. ⴻⴳⴳⴰⵔ ⴻⵎⵉ ⵉⵀⵔⵛ, ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⵙ ⵔⵡⵔⵉⵥ ⴷⴳ ⵜⵓⵜⵎⵉⵏ ⵏⵏⵙ”. ⴻⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. “ⴻⵔ ⵜⵜⵥⵥⵉⵎⵉⴷ ⵛⵉ ⴰⵎⵎⴻ ⴰ ⴱⴰⵄⴰⵄ ⵉⵏⴻ, ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⴽ ⴳⴳⵖ ⵜⴰⵙⵏⴳⴰⵍⵜ ⵏⵏⴽ ⵓⵡⴷⴰⴽ, ⴻⵔ ⵜⵜⵅⴷⵎⵉⴷ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⵉ ⵔⴻⴳⴰ ⵖⴰⵔ ⴷⴰⵜ ⵛⴽⴽ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵏⵎⵀⴰⵍⵏ

1 J.G.Daragnès

ⵜⵙⵏⴳⴰⵍⵜ ⵏⵏⴽ, ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⵅⴷⵎⵖ ⴰⴽⴷ ⴽ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵙⵍⵎⴷⴷ”. ⵉⴱⴱⵉⵔⵀ ⵓⵃⴰⵔⵎⵓⵛ ⵏⵏⵉ, ⵍⵅⴰⵍⴰⵙⵉ, ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵥⵓⵕ ⵉⵜⵜ ⵣⴳ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⴷ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ .ⴰⵏⴰⵢⵢⵉⵙ ⵛⵎⵎ ⵜⵍⵓⵍⴷ ⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ, ⵜⵜⴰⵊⵊⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵜⵅⵙⵙⵖ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ. ⵍⵍⵉⵖ ⵎⵎⵓⵜⵖ, ⵜⵔⴰⵔⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⵜⵡⵛⴷ ⵉⵢⵉ ⵖⴰⵏⴰ ⴷ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⵜⵢⵙⵉⴷ ⴰⴽⵉⴷ ⵔⵎⵃⴰⵢⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⴰⵎⵏⵄⵓⵔⵜ, ⵀⵉⵍⵉⵏⴰ, ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴷⴰⵢⵉ ⵓⵍ ⵏ ⵓⵙⵙⵓⵏⵏⵖ. ⵜⵜⴳⴳⵉⴷ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏ ⴰⵙⵏⴼⵍⵓⵍ, ⵍⵍⵉⵖ ⵃⴰ ⴷ ⴰⵎⵙⵡⵓⵔⵉ, ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵅ, ⴷ ⵉⵎⵉⵛⴽⵉ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵢⴰⴷⵍⵏ ⴷ ⵜⵉⵣⵓⴱⴰⵔ ⵏ ⵜⵙⵔⵜⵉⵜ ⴷ ⵉⵙⵔⵜⵉⵜⵏ”. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵔⵓⴼ ⴰⵙ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵉ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ: “ⵙⵜⴰⵎⵏ ⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵄⵉⵣⵣⵏ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵅⵢⵢⵉⵇⵏ ⵛⴽⴽ ⴰⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⵀⵏⵉⴷ. ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵅⴰⴽ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵅⵙⵙⵖ. ⵏⵛⵛ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⴰⴷ ⵙⵅⴰⵔⵇⵖ ⵅⴼ ⵉⵎⵍⵓⵙⵙⴰⵏ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔ ⵙⵎⵃⵖ ⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⴽ ⵜⵉⴱⴰⵔⴽⴰⵏⵉⵏ ⴷ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⴰ ⵏⵏⴽ ⴰⴱⴰⵔⴽⴰⵏ ⵏ ⵉⵖⴰⵏⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵥⵓⵕ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵏⵏⵙ. “ⵛⵎⵎ ⴷ ⵜⴰⴷⵓⵙⵜ, ⴷ ⵜⴷⵓⵙⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⵉⵜ ⵉⵏⵓ. ⴷ ⵜⴰⵃⵏⵉⵏⵜ, ⵜⵡⴳⴳⵉⴹⴷ ⴰⵎ ⵉⵎⵓⵣⵣⴰⵔ ⵀⵡⴰⵏ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏ ⵉⴷⵓⵔⴰⵔ ⵏ ‘ⴰⵏⴰⴷⵉⵥ’. ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵛⵎⵎ, ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵛⵎⵎ...”

ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ: ⵎⴰ ⵜⵕⴰⵃⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵙⵏⴳⴰⵍⵜ ⵏ ⵎⴰⵙⵢⵓ ⴷⴰⵔⴰⵏⵢⵉ? ⵜⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ : “ⵍⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵍⴱⴷⴰ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⵢⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵙ ⵔⵓⵇⴰⵕ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵛⵛ ⵍⵍⵉⵖ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ ⴷⴰⵜ ⵙ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵖⵎⵉⵙ «Le portique» ⵉ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵍⴱⴷⴰ. ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴳⴰⵍⵜ. ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⴱⵓⵍⵉ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵓⵀⵏⴷⴰⵡⵉ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵜⵕⴰⵃ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵔⵉⵃⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵍⵍⵉⵖ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰⵢ. ⵏⵛⵛ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵓⵔ ⴽⵜⵉⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵏⵉⵛⴰⵏ, ⵎⴰ ⴷⵉ ⵜⵙⴷⵍⵉⵙⵜ ⵏ ⵙⵉⵍⴼⵢⴰ ⴱⵉⵜⵛ, ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵜⵡⴰⵙⵉⵜ ⵏ ⵜⵙⴼⵉⵜⵢⵉⴱⴰ, ⵏⵉⵖ ⴷⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵜⵡⴰⵙⵉⵜ ⵏ ⵏⵉⵔⵓⴷⴰ, ⵓⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵔⴰⵔ ⵉ ⵏⴳⴳⴰ ⵉ ⵔⵉⴽⵍⵉⵀ. ⵓⵔ ⴽⵜⵉⵖ ⵛⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⴰⵢⵢⴰ ⴷⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ!”

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵏⵏⴰ: “ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵛⵏⴰ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵎ ⵜⴰⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵜ ⵡⴰⵀⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⴷⴰⵢⵙ ⵡⴰⵀⴰ. ⵖⴰⵡⴰⵍ ⵖⴰⵔ ⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⴷⵉ ‘ⴼⵍⵓⵔⴰⵏⵙ’ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵛⵎⵎ

ⵙⵙⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⴰⴷ ⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⴰⵕⴰⵃ ⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵜⵅⵙⵙⴷ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⵜ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵜⵉⴳⴳⵉⵜⵉⵏ ⵏ ⵙⵎⵓⵙ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ. ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⴰⴷ ⵏⵏⵏ ⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ, ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⵅⴼ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⴰⴷ ⵏⵎⵓⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⴰⴷ ⵏⵕⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ". ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ: "ⵡⴰⵔ ⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵏⴰ ⵔⴳⴰⵢⴰ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ, ⵏⵛⵛ ⵉⵛⵥⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⵅⵣⵔⵖ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵅⴼ ⵙⴰⵡⴰⵍⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵡⴽⴽⴷⵖ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰ, ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⴽ ⴳⴳⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵓⵥⵔⵉⵙⵉⵏ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵄⴷⴷ ⵉⵜⵜ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⴰⵏⴰ ⵜⵉⵎⵓⵥⵔⵉⵙⵉⵏ ⴰ, ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵜⴼⴰⵃ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵉⵎⵍⵉ ⵜⵓⴼⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷⴰⵢⵎ ⴰⵎⵏⵓⵙ".

ⴰⴽⴷ ⵍⵖⴰ ⴷ ⵓⵣⵡⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵙⵄⵓⵀⵍⵓⵢⵏ, ⵜⵓⵙ ⴷ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⵜⵙⵙⵉⵖ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⴳⵣ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵜⵙⵄⴷⴷ ⵉⵜ ⵣⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵢⵓⴳⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⴹⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵥⵥⵙⵏ ⴰⵙ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵏⴳⵣ. ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵜⵜⴳⴳⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵄⵙⵙⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵔ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵜⵎⵓⵏ ⵉⵍⵉⵏⴰ ⴰⴽⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵏⴳⵣ. ⵜⵜⴳⴳ ⴰⵙ ⵉⵛⵜ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵣⴳ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ ⵜⵏⵏⴰⴹ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵢⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵥⵏⵄⵓⵛ ⴷ ⴰⵄⵔⵄⴰⵛ ⵙ ⵉⵛⵓⵜⴰⵔ ⴷ ⵉⵣⵉⵔⴰⵔⵏ. ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵛⵛⴰⵜⵏ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉ ⵓⴳⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵉ ⴰⵚⵄⵃⵏ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵖⴰⵔ ⵜⵥⵄⵉⵍⵜ ⵏ ⵉⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵢⵢⵏ. ⴼⴰⵃⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴷⵉⵏⵏⵉ.

ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵉⵔⵉⵡ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵉⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵉⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵄⵉⵔⵏⴰⵔ ⴷ ⵎⵓⵃⴰⵎⵎⴰⴷ ⵅⴼ ⵜⵛⵓⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ. "ⵡⴰⵀ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵜⵚⵄⵃ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴰ! ⴳⵎⵎ ⴷⵉ ⴰⵣⴰⵡⴰⵏ ⴰ ⵉ ⴷ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵖⵏ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ. ⵓⵀ ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵜⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉⵜ ⴰ, ⵉⵍⵉⵏⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵓⵙⵓⴼ ⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⴰⵙⵙⵇⴷ ⵏ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵜⵜ ⵅⵙⵙⵏ!" ⵉⵔⴰ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴹⵚⴰ ⵏ ⵡⵓⵔⵖ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵙⵀⴰ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵅⵣⵣⵔⵏ. "ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵀⵡⵉⴷ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵅⵣⵣⵔⴷ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⴷ ⵉⵜⵜⵡⴰⵅⵣⵔ!. ⵏⵛⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ, ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ, ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵄⵓⵄⵍⵓⵢⵏ ⴰⵥⴰ ⵜ ⴷⵉⵀⴰ, ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵕⵣⵎⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ?".

ⵓⵎⵉ ⴷ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ, ⴰⴽⴷ ⵓⵄⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⵔⵜ ⵏ ⴰⵢⵜ ⵄⴰⵄ ⵏ ⵙⵜⴰⵢⵏ, ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵄⵍⵍⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵜⴼⴰⵃ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵙ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ

ⴰⴽⵉⴷⵎ. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ. “ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵜⵉⴷⵜ! ⴰ ⵔⴰⵍⵍⴰ”. ⵓⵛⴰ ⵉⵕⴰⵃ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵉ ⵉⵢⵙⵉ ⵅⴼ ⵉⵏⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵍⵎⴰⵍⴰⴽⴰⵜ. ⵉⵕⴰⵃ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵉⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵅⴼ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⵙⵓⴳⴳⴰⵏ ⵅⴼ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⴰⵄⵛⵛⵉ, ⵣⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵎⵍⵍⴰⵢⵜ ⴷ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⴷ ⵉⵎⵄⵛⴰⵇ ⴷ ⵉⵏⵍⵎⴰⴷⵏ ⵏ ⵜⵉⵏⵎⵍ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷⵉ ⵡⴰⵙⵙ ⵏ ⵡⴰⵚⵉⴻⵢⴰⵚ, ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵎⵙⴱⴻⴰⵏ. ⵃⴰⵛⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⵉ ⵓⵎⴰⵖⵔⴰⴱⵉ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵡⴰⵏⴰⴱ. ⵅⴼ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⴰⵙⴱⴱⴰⵏⵢⵓ, ⵉⵥⵓⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ «ⴽⵓⴱⴰ». ⴷ ⵉⵎⵎⴰⵙ ⵜⴰⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵜ ⵉⵥⵓⵕⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ« ⴷⴰⵏⵉⵎⴰⵔⴽ». ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵅⴼ ⵜⵍⵓⵍⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ «ⵏⵓⵢⵢⵉ». ⴷ ⵓⵍⵓⴼ ⵏ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⴷ ⵉⵎⵎⴰⵙ ⴷ ⴰⵎⵓⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⵎⴰⵙ ⴷ ⴰⵢⵜⵎⴰⵙ ⵖⴰⵔ «ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ». ⴷ ⵜⴰⵎⵖⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵙ, ⴷ ⵓⵎⵉ ⵢⴰⵔ ⵉⵜⵜ ⵖⴰⵔ« ⴱⴰⵔⵉⵣ». ⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ, “ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵜⴰⵔⵉⵖ ⵓⵎⵉ ⵖⴰⵔⵉ ⵎⵔⴰⵡ ⵏⵉⵖ ⵢⴰⵏ ⵉ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵙⵙⵉⵣⵡⴰⵔⵖ ⵙ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉ ⴱⴰⴱⴰ, ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴷ ⴰⴷ ⵜⵙⵉⵏⴳⵎⴷ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵔⵉⵖ ⵔⵊⴼⵖ ⵅⴼ ⴱⴰⴱⴰ.ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵜ ⴰⴹⴹⴰⵚ...ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵉ ⵉ ⵅⴰⴼⵉ ⵉⵃⴰⵔⵎⵏ. ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ?.ⵓⵛⴰ ⵜⵏⴻⵓ ⴷ ⵜ ⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷ,ⵓⵔⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ. “ⵔⴰ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵓⵔⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵙⴰⵔ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵉⵏⵓ, ⵏⵉⵖ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵎⵙⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵃⴷⴷ, ⵜⵎⵙⵓⵎⵓⵃⵖ ⴰⴽⴷ ⴰⵍⵓⴳ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵡⴰⵙⵙ ⵉⵏⵓ ⵉⴳⴳ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵡⴰⵀⴰ. ⵜⵉⵇⵇ ⴰⵢⵉ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵖⵉⵎⵉⵖ ⴰⵙⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ ⵅⴼ ⵙⵎⵓⵙ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜⵉⵏ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⵜⵏⵜ.ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ,ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵣⵉ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴷⴷⴰⵔⵏ ⵢⵓⵔ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ ⵓⵛⴰ ⵜⵜⴰⵔⵔⴰⵏⵜ ⴷⵉ ⵙⵎⵓⵙ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜⵉⵏ, ⵎⴰ ⵜⵔⵎⵙⴷ?”

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉ ⵉⵕⵥⵎⵏ ⴰⵙⵏ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵇⵔⵇⴱ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵙ ⵓⵥⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ.ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵔⴳⵥⵔⴰⵜ ⵜⴷⴷⵇⵍ ⵣⴳ ⵉⴻⴰⵔⵏ ⴰⵔ ⴰⵥⵍⵍⵉⴼ,ⵜⵜⴳⴳ ⵉⵜⵜ ⴷⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ. ⵜⵜⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵓⵊⵓⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⴷ ⴷ ⵉⴷⵡⵍ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵕⴰⵃ. “ⵀⴰⵢ ⵊⵉⵔⵜⵉ, ⵜⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵖ ⴳⵓⵏⵥⴰⵍⵓ, ⵜⴰⵎⴰⵔⵉⵜ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵜⵜ ⵏⵉⵖ ⵜⵙⵍⵉⴷ ⵅⴰⴼⵙ, ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⴱⵓ ⵜⵓⵔⴷⴰ. ⵜⵓⵙ ⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵅⵥⵔ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵎ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ...” ⵓⵛⴰ ⵜⴽⴽⵙ ⴰⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵙ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ, ⵜⵇⴷⵄ ⴰⵙ ⵔⴰⵢⴰⵙ : “ⵜⴰ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵥⴷⴷⵉⵖⵜ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵙⴼⵙⵔ ⵏ ⵙⵙⵓⵇ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ!”

ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵉⵙⵏⵉⵄⵎⵉⵔ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵣⵎⵓⵎⵎⵓⵢ ⵖⴰⵔⵙ: “ⵜⵎⵍⵍⵉⵖⴷ ⵢⴰⴽ ⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ”. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵜ: “ⵍⵍⴰ! ⵏⵛⵛ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ!”. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ, ⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ ⵉⵡⴹⴰ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵙⵇⴰⵔⵏ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵜⵓⴼⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴼⴼⵓⵖⵖ ⵙ ⵓⵇⵣⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⵢⴰⵍⴰⵀ ⴰⴷ ⵏⵎⵓⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⴰⴷ ⵏⵓⵅⵓⵔ ⵛⵡⴰⵢ, ⴰⴷ ⵏⵎⵀⴰⵔⵔⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⴰ ⵜⵇⴱⴰⵔ!” ⵉⴱⴷⴷ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵄⴰⴷ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵣⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵏⵜⵜⴰ, ⵜⴰⵔⵅⵓ ⴷⵉ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ, ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵡⵔⵖ, ⵜⴽⴽⵙ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵜⵓⵣⵡⵖ. ⵢⵓⵣⵣⵍ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵢⵓⵣⵣⵍ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵇⵙⵏ.

ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵓⵍ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵎⵉⵏ ⵅⴼ ⵉⴽⴽⴰ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⵉⵜ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵙ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ. “ⴷⴳ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵉⵛⵜⵉ, ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴷ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙ ⵊⴰⵔ ⴽ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ, ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏⵜ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵙⴷⴰⵖⵍⵏ ⵜ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⴰ, ⴷ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵄⴷⵓⴷ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵎ ⵜⴰ?ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵎⵃⵉⴷ ⴷⵉ ⵜⵏⴱⵖⵉⵡⵜ ⴰ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖ, ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵀⵡⵉⴷ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ, ⴰⴷ ⵜⴰⴷⴼⴷ ⴰⵎ ⵓⵢⴷⵉ ⵢⵓⴼⴼⵏ, ⵉⵙⵅⴹ ⵅⴰⴼⵙ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ?ⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖⴷ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵣⵍⵎⴰⴹ, ⴰⵢⴷⵉ ⵅⴼ ⵓⴼⵓⵙⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵢⴰⵔ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙ ⴱⵄⴷⴰ, ⴰⴷ ⵙⵙⵉⵡⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⵎⵙⴰⴼⴰⴷ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⵡⵍ?... “

ⵜⵄⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⵙⴰⵔⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵓⵢⴷⵉ ⵖⴰⵔ ⵣⴷⴰⵜ, ⵜⴱⵍⵍⵖ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ. “ⴰⵕⴰⵃ ⴷ ⴰⴷ ⵏⵎⵀⴰⵔⴰⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⴰⴷ ⵏⵙⵙⴰⵔⴰ ⴷⵉⵀ ⴰ, ⵖⴰⵔ ⵃⵔⵃⵉⴹ ⵏ ⵜⵓⵔⵜⵉⵜ ⵏ ⵍⵓⴽⵙⴰⵎⴱⵓⵔⵖ”. ⵜⵓⵅⵓⵔ ⵙⵏⴰⵜ ⵜⵎⴰⴹ ⵎⵉⵜⵔ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵇⴰⵔ ⵜⵏⴷⵀ ⴰⵢⴷⵉ ⵏⵏⵙ ⴱⴰⵙⴽⵉⵜ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵢⵉⵏⵉ. ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵜⵜⵙⴷⵓⵇⵇⵓⵣ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵣⵍⵉ ⵙ ⵍⵃⵙⵙ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵔⵎⵉⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵎⴰ ⵙ ⵜⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⵜ ⵎⴰ ⵙ ⵜⵙⴱⴱⴱⴰⵏⵢⵓⵜ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴳⴳⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵎⵙⵔ ⵡⴰⵍⵓ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ. ⵉⵙⵙⵓⵄⵍⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ, ⵢⵓⴼ ⵙ ⵜⵉⴷⵉ, ⵉⵅⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵢⴰⵔⵣⵣⵓ ⵔⵄⵡⵉⵏ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵣⵡⵖ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵃⴰ ⴷⴳ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵡⴰⵀⴰ! ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⵅ ⵓⵏⵅⴰⵔⵓ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. “ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⵅⵎⵎ ⴷⵉ ⵜⵉⵇⵇⵙⵜ ⵏⵏⵉ, ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕⵏ ⴰⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵀⵉⵎⵎⵜ ⵏⵏⵙ. “ⴷⴳ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷ ⵏⵛⵛ, ⴷⵡⵍⵖ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⴽⴽⵙⵏ ⴰⴷⴷⵓⵔ ⵏⵏⵙ”

ⵜⵙⴱⴷⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵓⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. “ⴰⵔⴰⵃ ⴷ, ⵓⵔ ⵙⵉⵃⵉⵔ ⵛⵉ ⵉⵅⴼ ⵍⴽ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵙⵡⵉⵏⴳⵎ, ⵓⵔⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵛⵉ ⴱⵀⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ”. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵉⴳⴳⵯⵊ ⴰⵅⵉⵢⵢⵇ ⵍⵉ. “ⵎⴰⵛⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵏⵀⵀⵉ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⵣⵣⴰⵢⵙ”. ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⵍⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴳⴳⵯⵊ ⴰⵖⵉⵔⵉⵏ: “ⵓⵔ ⵙⵡⵉⵏⴳⵎⵖ ⵛⵉ ⴱⵀⵀⵉ ⴰⵏⵀⵀⵉ ⵍⵙ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ ⴰⵎ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ”. ⵓⵛⴰ ⵜⴹⵚⵚⴰ, ⵜⵍⴰ ⴰⵙ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵜⵛⵓⵏⵉ ⵍⴽ ⵓⵛⴰ ⵜⵟⵟⴼ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵔⴰⵙⴱⴰⵢ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵖⴰⵔ ⵡⵍⵉ ⵏ ⵎⵓⵏⴱⴰⵔⵏⴰⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵃⴹⴰ ⵜⵜ ⴰⵀⴰⵎⵉ ⵜⵜⵡⴹⴹⴰⵕ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵍⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵀ ⴷ ⵉⴹⴼⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵍⵉ ⵉ ⵉⵍⵓⵎ ⵉⵙⴼⵔⵃ ⵉⵜ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ, ⵉⵅⵙⵉ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ.

ⵏⵛⵛ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵖ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵍⵉ ⵉⵡⵄⵔⵏ ⵉⵜⵜⵟⴼⵏ ⵉⵀⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴰⵎⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵛⵜⵉ ⵢⴰ, ⴰⵅⴰⴼⴽ ⵜⵇⵇⵏ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵉ ⵉⴷⵡⵀⵏ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⴽ ⴰⵎⵏ ⵜⵍⵉⴷ. ⴰⴷ ⵏⵅⵎⵎ ⵛⴽⴽ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵉ ⵉ ⵜⵍⵓⵎⵉⴷ ⵉ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⵛⵜ ⵜⵃⴹⴰ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⴰⵢⵍⵉ, ⵜⵎⵖⴰⵔ ⴰⵎ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⵜⵜⵓⵅⵓⵔⴷ ⴷⵉ ⵜⴰⵀⵀⴰⵙⵜ, ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⴷ ⵡⵍⵉ. ⴱⵀⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⵉⵙⵇⵉⵏⴼⴷ, ⵓⵔ ⵉⵥⵎⵎⵔ ⵛⵉ, ⵡⵍⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⴽⴽⵙ ⴰⵎⵙⵙⴰⵡⴹ ⵙ ⵏⵄⵎⴰⴷⴰ. ⵏⵥⵎⵎⵔ ⵔⴰ ⴰⵏⵅⵎⵓⵎⵎ ⴱⵀⵀⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵔⴰⵖⴰ ⵅⴼ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵍⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵃⵎⴰ ⵃⴷⴷ ⵓⵔ ⵉⵕⵥⵎ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ ⵉ ⵕⵥⵎⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵎⵏⵖ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⴱⴷⴷ ⵔⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵙⵉⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵡⵊⴷ ⵎⵀⵉⵃ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵖⴰ ⵜⵍⵉ ⵙ ⵔⵓⵄⴰⵜ ⵍⵙ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ. ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⵙⵀⵀⴰ ⴰⵙⵇⴰⵔⵇⴱ ⴷⵉ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ, ⴰⴷ ⵜⵕⵥⵎ ⴰⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⴷⴷⵇⵀ, ⵜⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵔⵓⵄⵔⴰⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵣⵉ ⵙⵍⵊ. ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵉⵊ ⵛⵡⴰⵢⵛⵡⴰⵢ, ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵖⵓⵢ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵀⵏ ⵉⵡⵄⵔⵏ: “ⵜⴰ ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵙⴰⵀⴰⵢ ... ⵏ ⵊⵎⴰⵄⵜ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ!”. ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵡⵔⵖⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵙ ⵜⵏⴰⵢⵏ, ⵎⴽⵓⵔ ⵉⵊⵊ ⴷ ⵔⵙⴱⴰⴱ ⵍⵙ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏⵀⵥ ⵉⴹⵓⴹⴰⵏ, ⴰⴷ ⵜⵏ ⵉⴳⴳ ⴷⴳ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴹ ⵙ ⵔⵃⵎⵓ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ, ⵉⵙⵙⴷⵃⴰ, ⵉⵍⵅⵔⵄ. ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵔⵎⴹ. ⵓⵓⵓⵓⴼ! ⴷⴳⵢⴰ ⵜⵙⵄⴷⵓ ⴰⵙⵎⵎⴰⵀ ⵍⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵙⵙⵅⵙⵉ ⵜⴼⴰⵡⵜ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴱⴷⴷ ⵜⵙⵄⴰⵜ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵄⴷⵓ ⵉⴳⴳⵉⴳ ⵓⵛⴰ ⵜⵙⴽⴼ ⵉⵜ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⴷ ⵓⵙⵢⵏⵓ!.

ⵢⵓⵀⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵍⵙ ⵙⵍⵊ, ⵉⴱⴷⴰ ⵉⴳⵔⵔⵓ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵍⵙ, ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⵍⵙ, ⵉⵄⴷⵀ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⴼⵔⵜ. ⵉⴳⴳⴰ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⵛⴽⴰⵕⵜ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵡⴷⴰ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ, ⵉⵜⵜⵔⵓ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⴷ ⴰⵣⵉⵔⴰⵔ, ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵅⴼ ⵜⴰⵣⵉⵜ ⵍⵙ ⵜⴰⵣⴰⵢⴽⵓⵜ: “ⵔⵉⵖ ⵙⵢⴰⴼⵖ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵙⵔⴷⴰⵙ ⵉⵍⵓⴼⵙⵔ, ⴱⵀⴰ ⴰⴷⴷⵓⵔ”.

ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴳⵄ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵎⵍⵉⵢ ⴷⵉ ⵎⴰⵏⴰⴼⵏⵏⵉ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⴼⵉⵛⵜ ⵡⴰⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏ ⵢⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⴳⴳ ⴰⵎⵏⵏⵉ. ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳ, ⵜⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴳⴳⴰ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵎⴰⴼⵏⵓ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⴱⵍⴰ ⴰⵔⴳⴰⵣ, ⴰⴷ ⵜⵜⵓⵜⵜ, ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵓ, ⴰⴷ ⵜⵜⵟⵟⴰⵙ, ⴰⴷ ⵜⵜⵙⵀⵀⴰ, ⴰⴷ ⵜⵜⵎⵎⵓⴷⴷⵓ ⴱⵍⴰ ⵓⵔⴳⴰⵣ, ⴰⴷ ⵜⴰⵔ ⵎⵣⵔⵉ!

ⵉⵏⵏⴰ ⵉ ⴼⵉⴳⵄ ⵏⵏⵙ: "ⵜⵙⵙⵓⴽⵍ ⴰⴼⵉ ⵜⵉⵔⵄⵜ!" ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵉⵡⵉ ⴷ ⵜⴰⵙⵓⵄⵔⵜ ⴷ ⵜⵛⴽⴰⵕⵜ ⵏⵏⵙ ⵢⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵢ, ⵓⵛⴰ ⵉⴷⵡⵍ ⵃⴰⵡⴷ ⵉⵙⵔⵙ ⵉⵜⵏ. ⵉⵜⵜⵀⵓⴷⴷⴰ, ⵉⴳⴳⵯⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵉⴳⴳ, ⴰⴷ ⴼⵓⴳⵓⵔ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵃⴷⴰ ⵃⴰⵡⴷ ⴰⵎⵛ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ. ⵛⵡⴰⴼⵜ ⵓⵛⴰ ⵉⵊⵊⴰ ⵜⵙⵓⵄⵔⵜ ⴷ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵙⵏⵏⵊ, ⵉⵀⵡⴰ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⴼ ⵢⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵏ ⵉⵜⵎⵙⴰⵔⵏ. ⴼⵓⵄⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ. ⵉⵙⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵅⴰⵄⵙ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⵙ ⵍⵢⵙⵙ. ⴰⵍⵉⵙ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⵅⵙⴰⴼ ⴰⴳⴳⵓ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵜⵟⵄⵄⴰⴼⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵣⵣⵔ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔ ⵜⵇⵏⵃ ⵛⵉ. "ⴰⵊⵊ ⴰⴼⵉ ⵊⵉⵔⵜⵉ ⵃⴰⵄⴰⴽ ⴰⴷ ⵔⵎⵙⵖ, ⵓⵎⵉ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵎⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵏⵉⵖ ⵉ ⵜⵎⵟⵟⵓⵟⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴷ ⵉⵎⵓⵏⵏ. ⵓⵔ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵎⴳⵓⵎⴱⴰⵔ, ⵉ ⴷ ⴰⵏⵖ ⵉⵙⵙⵉⵖⵏ ⴰⵄⵓⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ? ⵜⵡⵛⵡⵛ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵓⵄ ! ⵓⵔ ⵙⵉⵏⵖ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ".

ⵉⴱⴷⴷ ⵛⵡⴰⴼⵜ, ⵉⵙⵇⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⴷ ⵉⴷⵔⵉ ⵛⵉ, ⵉⴷⵡⵍ, ⴼⵓⵍⵉ ⵉⴼⵙⵉ ⴷ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵣⵔ ⵎⵍⵉⵢ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ. ⵉⵏⵏⴰ ⴰⴽⴷ ⵉⴳⵄ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⴼⵓⴳⵓⵔ ⵛⵉ ⵔⵓⵅⴰ, ⴰ ⵅⴰⵄⵙ ⵉⵃⴷⵓ ⵔⵎⵉⵊⴰⵔ!. ⵓⵔ ⴼⵓⵄⵉ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵃⴷⵓ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ, ⵔⴰ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵔⴰ ⵉ ⵉⵅⵄ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵔⵅⴼⴰⵔ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⵉ. ⵎⴰⴼⵎⵎⵉ, ⵎⴰⴼⵎⵎⵉ, ⴰⵎⴼⴰ...? ⵎⴰⴼⵎⵎⵉ ⵉⴹⵢⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴰⵎⴼⴰ, ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⵄ ⴱⵍⴰ ⵙⵡⴰⴱ?

ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⵙⵜⵎⵀⴷⵏ ⴷⴰⴼⵙ ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵏⵜ ⵉⴼⵙⵉ ⴷ ⴰⵕⵕⵓⴹ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵏⴰ ⴽⵜⴰⵔ ⵍⴼⵓⵏⵉ ⴷ ⵓⵅⴷⴷⴰⵎ ⵏⵏⵉ« ⴰⴽⴰⵎⴱⵓⴷⵉ» ⵓⵔ ⵣⵣⴰⴼⵙⵏ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ. ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ ⵍⵍⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵙⵏ ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⵢⵟⵟⴰⵏ ⵅⴰⵄⵙ, ⴱⵍⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵜⵉⵢⵓⴷⵔⵉⴼⵉⵏ, ⵙⵇⴰⵔⵏⵜ ⵅⵣⵣⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵛⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵄⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵢⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ, ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵄⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⴰⴼⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵙⴰⵄⴰⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵉⵙⵍⵍⴰ ⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ, « ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵜⵄⵖⴷ, ⵇⵇⵏ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵙ ⴷⵄⵄⵉⵔ ⵏⵏⴽ, ⵃⴰⵄⴰⴽ ⵓⵔ ⴷⴰ ⵜⴷⵡⵉⵍ ⵛⵉ ⵃⵎⵎⴰⵕⵚ». ⵓⵛⴰ ⵉⵕⴰⵢ ⴱⵍⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ

ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵥⵕⴰ ⵙ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵃⵉⵎⵎⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵟⵟⴰⵡⵏ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵉⵥⵕⴰ ⵉⴼⵔⵉⵡⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴷ ⵉⵎⵣⵢⴰⵏⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵜⵡⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵢⴰ ⵏ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵜⴰⵙⵎⵎⴰⵟ. ⵓⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵓⵔ ⵉⵥⵕⵉ ⵡⴰⵍⵓ ⵇⵇⴰⵄ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⴽⵜⵜⵓ ⵅⴼ ⵓⵣⵎⵓⵎⵎⵉ ⵏⵏⵉ ⵅⴼ ⵡⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵏⵏⵙ. ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵉ ⵉⴷⴱⵉⵔⵏ ⵏⵏⵉ, ⴷ ⵉⴼⵔⵉⵡⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴳⴳⵏ ⵜⵉⵔⵉ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ!

ⵉⵏⴷⵀ ⵓⵎⵏⴷⴰⵀ ⵜⴰⵍⴷⵉⵜ ⵏ «ⵓⵎⵏⵉ ⴱⵓⵙ» ⵙ ⵜⵉⵥⵉⴹⵕⵜ. ⵉⵙⵖⵓⵢⵓ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵏⵀⵣ ⵉⵢⵙⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⴰⵣⵣⵍⵏ ⵖⴰⵔ «ⵓⵙⵜⵔⵍⵉⵜⵣ». ⵉⵟⵟⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⵜⵙⵓⴼⴰⵔⵜ ⴷ ⵜⵛⴽⴽⴰⵔⵜ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵏⵓⴼⵙⵓⵔⵏⵜ ⵣⵉ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵜⴰⵍⴷⵉⵜ. ⵉⵅⵣⵔ ⴷⵉ ⵜⵙⴽⴰ ⴷ ⵜⵉⵃⵓⵏⴰ ⴷ ⵉⵃⵎⵎⴰⵙⵏ ⴷ ⵔⵇⵀⴰⵡⵉ, ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵕⵣⵎ. ⴷ ⵔⵃⵙⵔⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⴳⴳⴰ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵙ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ. ⵉⵔⴰ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵢⴰⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃⵖⵏ ⵖⴰⵔ 'ⵎⴰⵕⵙⵉⵍⵢⴰ'. ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵏⵏⵉ ⵢⴰⵔⵏⵉ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵏⵉ. ⵉⴳⴳⵯⴷ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵃⴰⴹ ⵛⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ, ⵏⵉⵢ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰⵏ ⵜ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴰⵎ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵏⵉⵢ ⴷ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ ⵏⵉⵢ ⴷ ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ ⵏⵉⵢ ⴷ ⵉⵍⵉⵏⴰ, ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵊⵊⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵕⴰⵃ.

ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵜⴰⵙⵓⴼⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ, ⵜⵡⴹⴰ ⴰⵙ ⵣⴳ ⵓⴼⵓⵙ, ⵉⵢⵙⵉ ⵜⵜ ⵉⴷ ⴷⵖⵢⴰ, ⴰⵎⵛⵏⴰⵡ ⵜⴰⵛⴽⴰⵕⵜ ⵜⵏⵏⵓⴼⵙⵔ ⴰⵙ ⵜⵡⴹⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ, ⵓⵛⴰ ⵜⵕⵣⵎ. ⴼⵜⵓⵜⵙⵏ ⵉⵍⵓⴳⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵖⵓⵢ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. "ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵜⵅⵙⵙⴷ ⵛⵉ?" ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵅⵔⵔⵓ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⵅⴼ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⵟⵟⵉⵡ ⵛⵉ ⵓⵛⴰⵛⵉⵡ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⵔⵔⵓ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵏⵏⵟⵏⵉ. ⵉⵙⵙⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵢⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵅⴷⵎⵏ ⴷⵉ ⴰⵍⴰⵡⴰⵢ. ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵄⴰⴼⴰⴽ: «ⴽⵏⵏⵉⵡⵎ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⵢⵉⵏ ⴰ ⵉⵅⴷⵎⵏ ⴷⵉ ⵙⴽⴽⵜ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵢⴰ, ⵏⵛⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⴰ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴽⵏ ⴷ ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ. ⵓⵎⵉ ⵜⵓⴳⵓⵔ ⴰⵍⴰⵡⴰⵢ, ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵜⵓⵏⵏⵓⴹ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵡⵛ ⴰⵙ ⵙ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵏⵏⵙ. ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵙ ⵡⴷⴷⴰⵢ ⵏ ⴼⵕⴰⵏⵙⴰ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵏ ⵓⵄⵛⵛⵉ ⴰⵚⵎⵎⴰⴹ ⴷ ⵜⵉⵥⵇⵇⴰ ⵏ ⵍⵇⵔⵎⵓⴷ ⴰⵥⵓⴳⴳⵯⵖ ⴷⵉ ⵉⵖⵔⵎⴰ ⵉ ⵅⴼ ⵉⵄⴷⴷⵓ ⵡⴰ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵡⴰ. ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⴼⴼⵏⵜ ⵙ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵔⵓ ⵅⴼ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵙⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ: ⵎⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵓⵖⵎⵎⵓⵢ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵢⴰⵔⵛⵛⴰ? ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ: "ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵉⵏⵏⵉⵖ ⵜⵉⴷⵜ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴱⵄⴷⴰ. ⵜⵉⵔⴼⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵛⴰⵀ ⴰⵢⵉ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ. ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵛⵇⵉ. ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵉ ⵉⵄⵓⴼⵏⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ, ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⴰⵙ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢⵉ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵖⵓⵔⵉ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ, ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵊⵊⵉⵖ ⵛⵉ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴰⴷ ⵉⵛⵔⵀ. ⵏⵛⵛ ⴰⵎⵎⵓ ⵉⵔⵉⵖ, ⵓⵔ

ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⵄⵅⵅⴰⵏ ⴷⴳ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵏⵛⵛ ⴰⵎⵎⵓ ⴷ ⴰⴱⵓⵀⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⵎⴼⵏⵓⵏ.. ⴰⵕⵥⵎⵖ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ, ⵜⵙⵢⵉⵖ ⵏⵛⵛ ⵥⵔⵓⵥⵉⵖ ⵉⵎⵥⵓⵖⵏ ⵉⵏⵓ!”.

ⴷⵉ ⵜⴰⵢⴷⵉⵜ ⵍⵉ ⴼⵉⵔⵉⵡⵏ, ⵜⵛⵛⵓⵔ ⵙ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵉⵜⵜⵟⴰⵙ ⴰⴷ ⵉⵟⵟⵏ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ ⵓⵔ ⵉⵥⵎⵎⵔ, ⵉⵛⵟⵟⴰ ⴳⴰⵅⵙ ⵉⵇⵚ, ⵉⵔⴰ ⵉⵇⵀⵕ ⴳⴰⵅⵙ ⵉⴳⵉⴼⴼⵟ ⴰⴹⴹⴰⵚ. ⵉⵙⵙⵏⴷⴰⵅ, ⵄⵔⴰⴼⵏ ⵉⵙⵢⵢⴰ ⵉ ⴼⵉⴳⵅ ⵍⵙ ⵉⵜⵜⴰⵕⵥⵥⴰ ⴰⵎ ⵥⵥⴰⵊ. ⵓⵔ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵏ ⵜⵉⵊⴰⵕⴰⵕⵉⵏ ⵏ ⵡⵓⵥⵥⴰⵢ ⵙⵍⵏⵊ ⵉ ⵙⴽⴽⵜ ⵍⵉ ⵏ ⵓⵥⵥⴰⵢ, ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵙⵢⵢⴰ ⵔⴰ ⵉ ⵥⵀⵉⵔ ⵏ ⵡⴰⵢⴰⵡⴰⴼ, ⵉⵙⵅⴰⵅⴰ ⵜ ⵉⴷ, ⵓⵔ ⵜ ⵉⵊⵊⵉ ⴰⴷ ⵉⴹⴹⵚ. ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵔⵃⵔⵉⵟ ⵄⴰⴷ ⴰⵟ ⵜ ⴰⵎⵍⵉ ⵉⵟⵟⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵓⵎⵉ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⵉ ⵔⴰⴷⴰⵙ, ⵡⴽⴽⴷⵖ ⵙ ⵓⵙⵎⵓⵜⵜⴳⴳ ⵍⵙ ⴷ ⴰⵢⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵥⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⴳⵎⵉ ⵜⵜⴳⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⴳ ⵓⵙⴰⵅⵔ ⵍⵙ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ, ⴰⴷ ⴰⵎ ⵟⵔⵄⵏ ⴷ ⴳⴰⵅⵙ ⵥⵉ ⵔⵀⵎⵎⵜ ⵏ ⵊⵍⵜ ⴼⵓⴳⵓⵔ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵓⵔⵜ!

ⵓⵔ ⵉⴹⴹⵅ ⵉⴳⵅ ⵍⵙ, ⵙ ⵓⵎⵀⵔⴷⵅ ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵉⵙⵖⵓⴼⵓ ⴷⵉ ⵜⵢⴷⵉⵜ. “ⵢⵢⴰ, ⵢⵢⴰ, ⵢⵢⴰ, ⵕⴱⴱⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ! ⵕⴱⴱⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ!”.

ⵉⵟⵟⵉⵎⵏ ⵉⵅⵕⴰⵏⵙⴰⵡⴼⵏ ⵉⵏⴼⵉⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙⵜⵎⵀⴷⵏ ⴷⵉ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⵉ ⴰⵄⵔⴰⴱⵉ, ⵉⴳⴼⴼⵟ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵢ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵢ ⵍⵙⵏ. ⵓⵔ ⵙⵉⵍ ⵏⵉⵛⴰⵏ ⵎⴰ ⴷ ⴰⵃⴼⵓⵇ ⵉⵔⴰ? ⵏⵉⵖ ⵜⵡⵇⵇⴰⵕ ⵥⵥⴰⴼⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵙ ⵓⴳⴼⴼⵟ ⵡⴰⵀⴰ! ⵓⵛⴰ ⵉⴽⴽⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵊⵊ ⴷ ⵔⵀⵉⴱ ⵉⵔⴰ ⵉⵟⵟⵉⵎ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵡⴰⵢⴰⵡⴰⴼ. ⵉⵇⵀⵕ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵏ ⵡⴰⵙⵖⴰⵏ, ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⴳⴰⵅⵙ. ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵉⵙⵙⴰⵇⴰⵕ ⵉⵜ ⵙ ⵔⴳⴰⵇⴰⵕ. ⴰⵡⵔⴰ ⴰ ⵎⵎⵉ, ⴰⵜⴰⵃ ⵛⵡⴰⴼⵜ, ⴰⵔⵔ ⴷ ⵉⴳⵅ ⵍⴽ, ⵜⵉⵥⵉⵇⵔⵜ ⴷⵢⵎⵢⵉⵃ ⵉ ⵓⴳⴼⴼⵟ...» «...ⵙ ⵓⴼⵍⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴰⴽⵉⴷⵡⵎ. ⵙⵓⴼⴰ ⵉⵜⵜⴱⴷⴷⴰ ⴰⴽⵉⴷⵡⵎ ⵙ ⴰⵔⵃⵎⵜ, ⵎⵉⵏⵥⵉ ⴷ ⵕⴱⴱⵉ ⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵙⵙⴰⵄⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰⵏ ⵖⴰⵔⵙ». ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⴰⵕⵕⴰⴼ ⵉⴷⵡⵢ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ, ⴼⴰⵔⴼⵃ.... ⵕⴱⴱⵉ ⴰⵟⴰ ⵜ ⴷⴳ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵢⴱⴷⴰ. ⴰⵟⴰ ⵜ ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵍⵖ ⴷ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵍⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵜ ⵏⵜⵡⵉⵔⵉ ⵛⵉ. ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵔⵥⵥⵓ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜ ⵏⵜⵡⴰⵔⴰ ⴰⵎⵎⵓ. “ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵕⴱⴱⵉ ⵄⵅⵓ ⴳⴰⵅⵏⵖ”. ⵀⴰⵟⴰ ⵕⴱⴱⵉ ⴰⵟⴰ ⵜ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴳⵥⵔ ⵎⵢⵉⵃ ⴰⴷ ⵜ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ!”. ⵓⵛⴰ ⵉⵟⵟⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴳⵥⵥⵔ ⴷⵉ ⵓⴳⵏⵅⵓⵅ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⵉ ⵏ ⵡⴰⵙⵖⴰⵏ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ. “ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵡⴰⵢⵓ ⴰ ⴱⴰⴱⴰ ⵉⵏⵓ! ⵜⴰⵢⵢⵙⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ”. “ⵓⵀ, ⵓⵔ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷ ⵛⵉ ⴰ ⵎⵎⵉ, ⵜⵅⴰⵡⵜ ⴰⵟⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⴷⵉⴳⵔ ⵍⴽ. ⴰⵔⴼⵃ, ⵛⵡⴼⵜ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵅⵔⵣ”. ⵉⴷⵡⵢ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⵉ ⵏ ⵔⴽⴰⵏⵉⵙⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⵙ. ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵅⵓⵙ ⴳⵅ ⵓⵅⵓⵙ, ⵉⵏⴷⵔ ⵔⴳⵥⵔⴰⵜ ⵍⵙ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ.

ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵡⵍⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ, ⵉⵜⵜⵕⴰⵊⴰ ⵡⵍⵉ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵟⴱⴰⵔⵏ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵍⵙ.

12

ⵔⵃⵉⵀ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ

ⵉⵔⴰⵣⵎ ⵅⴰⴼⵉ ⴰⴷ ⵄⴰⵡⴷⵖ ⴰⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵅⴼ ⵛⵏⵄⵜ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵉⵏⵓ, ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜ ⵊⴰⵔ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ.

ⵄⴹⴹⵔⵖ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⵡⵀⵖ ⵏⵜⵜⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ. ⵎⴰⵛⴰ ⵡⵀⵖ ⵏⵛⵛ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵡⵃⴷⵉ ⵖⴰⵔ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ. ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴷⵓⵏ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵅⴼ ⵔⵎⵓⵜ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵅⵣⵔⵖ ⴷⵉ ⵔⵎⵓⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴰⴷ ⵉ ⵜⵎⵙⴰⵔ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵖ ⵔⵓⵅⴰ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵊⵊⵖ ⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵜⵙⵄⴰⵜ ⵏⵏⵀⵏⵉ? ⵓⵔⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵇⵇⴰⵄ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵜⵉⵎⵣⵢⵓⵏⵉⵏ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵏⵜ ⵏⵏⵓⴼⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵏⵛⵛ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵙⵙⴱⴷⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵎ ⵓⵙⵉⵎⵉ ⵉⴼⴼⵖ ⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵣⵉ ⵓⵄⴷⴷⵉⵙ ⵏ ⵢⵉⵎⵎⴰⵙ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ. ⴰⵔ ⵡⴰⵙⵙⴰ, ⴰⵅⵎⵉ ⵄⴰⴷ ⴰⵇ ⵜ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⴹⴹⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⵙ ⵓⵛⵔⴰⴼ ⵏ ⵔⵅⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵡⵔⵉⵖ ⵜ ⵡⵃⴷⵙ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⵜ ⵙ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ.

ⴰⵎⵎⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⵉⵎⵙⴱⵀⴰ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⴰⵏ ⵉ ⵣⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵙⵙⵉⵔⵉⴷⵏ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵉ.” ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵢⵓⵔⴰ ⵍⴰⵎⴰⵔⵜⵉⵏ ⵅⴼ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵓⵎⵉ ⵉⵏⵏⴰ: “ⴰⵎⴰⵏ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵓⵅⵉⵢⵢⵇ, ⵉⵜⵜⵔⵓ ⴰⴽⴷ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ”!

ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⵃⵔⵉⵇ ⵉⵣⴷⵖ. ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵉⴽⵜⵓ ⵛⴰ ⵏⵉⵖ ⵉⵃⴰⵀⴰ ⵛⴰ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⵍⴰⴼⵜ ⴷⴳ ⵓⵖⵎⵉⵙ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵍⵉⴼⵉⵣⵢⵓⵏ. ⵡⴽⴽⴷⵖ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ, ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵢⵓⵏⵓⵀ ⴰⵙ ⴷ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵏ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⵉⵜⵜⵓ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵙⵡⵉⵏⵖⵉⵎ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ, ⴷⵉ ⵜⴼⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵀⵓ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⴽⵯⵍⴰⵏ ⴷ ⵏⵏⵉⵖⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵙⴰⵡⵍ ⵅⴼ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵄⴰⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵙⵔⵎⵉⵃ. ⴰⴹⴹⴰⵟ

ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴰⵃⵙⵏⵜ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵡⴼⴼⴰⵏⵜ ⴰⵙ ⵣⵉ ⵜⵉⴼⴼⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⵃⴰⵡⵜ ⵏ ⵜⵉⴼⴼⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵉⵅⵣⵣⵔ.

ⵉⴳⵔⴰ ⴰⵡⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⴽⵜ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵓⴽⴰ ⵜⵇⵄⴰ.

ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴽⴰⵏ ⵉⴷⵡⵍ ⵉⴳⴳⵯⵊ, ⵉⴳⴳⵯⵊ ⵅⵃⴰⵙ ⴰⴼⴼⴰⵚ. ⴷⴳ ⵢⵉⴽⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵙⵡⵉⵏⵖⵉⵎ ⴷⴳ ⵓⵅⵏⵃⵓⵃ ⵏⵏⵙ ⵎⵉⵔⵉⵡ, ⴷⵉ ⴽⵉ ⵏ ⵜⵃⴰⵡⵜ ⵎⴰⵔⴰ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ, ⵓⴽⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵙ ⴷⵖⵢⴰ. ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵍⵛⴰⵙ ⵏ ⵜⵙⴰⵙⵙⵉ, ⵓⴽⴰ ⵉⵜⵜⵣⵉⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵍⵙ ⵏⵏⵙ. ⵉⵜⴹⵇⵇⴰⵇ ⴷⵉ ⵍⵛⴰⵙ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜ ⵉⵅⵡⴰ, ⴹⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⴽⴼⵄⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⵙⵉ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵍⴱⴷⴰ ⵏⵏⴰⵏⵜ ⵀⵡⵏⵏⵜ ⴷⵉ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⴷ ⵜⴰⵔⵊⵉⵜ ⴷ ⵓⵏⵅⵓⵍⴰⵜ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵍⴱⴷⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴰⵙⴷ ⵖⴰⵔⵔⵙ, ⵜⵎⵙⵓⵎⵓⴹ ⴰⵛⵉⴷⵙ. « ⵜⵉⵇⵇ ⴰⵢⵉ ⵎⵡⴰ...ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⴽⵉ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⵉⵔⵉ ⴷ ⵏⴽⴽ ⵉⵏⵏⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⵏⵏⴰ, ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⴰ. ⵏⴽⴽ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴽⵛⵛ, ⵜⵜⵏⵏⵉⵖ ⵛ ⵙⵎⴹ ⴰⵢⵉ!.» ⵓⴽⴰ ⵉⵙⴳⴳⵯⵊ ⵉⵜⵜ, ⵉⵣⵍⵍⵉ ⵅⵃⴰⵙ ⴰⵣⵍⵍⵉⵃ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷⵃⵃⵔ ⵉⵜ. ⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵄⵏⵉ, ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵅⵣⵔ, ⵜⴱⴷⴷ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⴹⵎⴰ ⴰⴷ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⵅⵏⵃⵓⵃⵏ ⵏⵏⵙⵏ. « ⵓⵎⵉ ⵜⵢⵓⵔ ⴷ, ⵓⵔ ⴼⴼⵙⵖ ⴽⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵔⴰ ⴰⴷ ⵎⴹⴷⵖ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⵉⵏⵓ, ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵏⴽⴽ ⵜⵜⵔⵓⵖ. ⵜⵉⵇⵇ ⴰⵢⵉ ⴰ ⵎⵡⴰ, ⵏⴽⴽ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴽⵛⵛ, ⵏⴽⴽ ⴱⵓⵇⵉⵖ !».

ⵎⴰⴽⴰ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵓⵔ ⵜⵀⵡⵉⵏ ⴽⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵎⵓⴹⴰⵎⵎⴰⴷ ⵉⵜⵜⵃⴰⵇⵇⴰ ⴷ, ⵉⵜⵜⵊⵃⵊⵉⵃ. ⵛⵓⵔⴽⵉ ⵉⴱⴷⴷⵔ ⵅⴰⵙ, ⵛⵓⵔⴽⵉ ⵉⵇⵄⴰ. ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴽⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵜⵖⵏⵏⵊ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵟⴽⵉⵇⵏ. «ⵔⵉⵖ ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵛ ⵉⵛⵙⵙⵉⵏ ⵅⴰⵃⵉ, ⴰⴷ ⵣⵣⴰⵢⵛ ⵜⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔⵉ. ⵜⵓⵃⵓⵜ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵉ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ!» ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⵃ ⵖⴰ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵔⵣⵅⵏ, ⵉⵙⵔⵅⴰⵄ ⵉⵜⵏ ⴹⵎⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⴱⴷⴷⵉ ⴰⵎⵢⴰⵡⴰⵄ ⴰⵛⵉⴷⵙⵏ. ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ: ⴰⵢⵓⵔ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ ⵉⵚⴱⴹ. ⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵙ: «ⴰⵇⴰ ⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵣⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴽⵉ ⴷ ⴽⵛⵛ ⵉⵜ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵉ ⵏⵏⴽ.» ⵉⴳⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵢⵉⵏⵉ ⴽⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵅⵃ ⵓⴹⵃⵃⴰⵃ: « ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵓⴹⵃⵃⴰⵃ ⵍⵡⵉⴷⵊⵉ ...» ⵜⵙⴱⴷⴷⴰ ⵜ ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴷ ⵉⵇⵄⴰ ⵜⴰⵡⵉⵏⵙⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⵣⵡⵔⵓⵜ: “ⵓⵔ ⵜⵉⵇⵇⵉ ⴽⵉ ⴷⴳ ⵓⴹⵃⵃⴰⵃ ⴷ ⴰⵇⴽⴽⴰⵔ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵡⵇⵇⵔ ⵔⴰ ⴰⴽⵡⵡⴰⵃ ⵉⵔⴰ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⵃ ⵏⵏⴽ, ⵎⵓⴹⵔⴰ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴽⴽⴰⵏ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵖⵓⵔⵛ ⴷⴳ ⵓⵣⵍⵍⵉⵃ ⵎⴰⵔⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵖⵓⵔⵛ ⴷⴰⵢⵙ ⴽⵉ!” ⵅⵎⵉ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ: “ⵊⵉⵔⵜⵉ ⵅⵙⵙⵖ ⴰ ⴽⵎ ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ...” ⵜⵡⴰⵊⴰⴱ ⵉⵜ: “ⴰ ⴷⴰⵛ ⵉⵏⵉⵖ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⵙⵇⵙⵉ ⵏⵏⵛ ⵉⵙⵡⴰ!”... ⴷ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ, ⵜⵙⵇⵙⴰ ⵜ ⵉⴷ ⵣⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⵏⵏⵙ ⵅⵃ ⵔⴰⵟⵡⵉⵏ. ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ: “ⴰⵙⵢⵏⵓ ⴰⵙⵙ ⴰ” ⵓⴽⴰ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ: “ⵓⵔ ⵀⵇⵇⵔ ⵉⵅⵃ ⵏⵏⴽ, ⵅⵎⵉ ⴰⴷ ⵛⵛⵔⵖ ⴰⴷ ⵜⵏⵇⴰⵔ

ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵅⴼ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ!”. ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⴱⴷⴷⴰ ⴰⵎ ⴰⴷⵔⴰⵔ, ⵜⵜⵉⵏⵉ ⵙ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ: ⵄⴰⴷ ⴰⴷ ⵢⴰⵙ ⵡⴰⵙⵙ ⵉ ⵖⴰ ⴳⴳⵏ ⵉⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵢⴰⵏ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵥⵉⵏ ⵏ ⵔⴱⴰⵏⴽ!”.

ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵉⵏⵓ ⵢⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⵛⵓⵎⵄⵜ ⵉⵛⵄⵕⵏ ⵅⴼ ⵟⴰⴱⵔⴰ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⴷⴳ ⵓⵃⵎⵎⴰⵚ ⵏ «ⵓⵏⵜⵔⴽⵓ» ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵕⵕⵉⵖ ⵉ ⵕⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⵉⵏⵉ: “ⵡⴰⵀ ⵢⴰ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ! ⴰⵅⵎⵉ ⴷ «ⵙⴼⵓ» ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ, ⵜⵔⵡⵉ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⴰⴽⴷ ⴰⵙⴰⴹⵔⵏ, ⵉⵙⵙⵔⵅⴷ ⵉⵜⵏ ⵉⵛⴽⴽⴰⵎⵏ ⵓⵛⴰ ⵉⵔⵏⴰ.” ⵥⵥⵔⵖ ⴰⵙ ⴱⵕⵕⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵔⵏⴰ ⵛⵉ, ⵜⵙⵙⵓⴽⵕ ⵉⵜ!”. ⵓⵛⴰ ⵓⵛⵉⵖ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ. “ⵇⴰⵊⴰ ⵢⵉ ⴰⴷ ⴰⵎ ⵉⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵥⵥⵉⵎ...” ⵉⵜⵜⵍⴰ ⵢⵉ ⴱⵕⵕⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵙⵙⵃⵥⴰⵔ ⵖⴰ ⵓⴼⵓⵖ ⵍⵙ ⵣⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵓⴳⴳⴰⵔ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⵡⵢⵍⵉ. ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ, ⵉⵅⵛⵛ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⴰⴱⵔⴰⵜ ⵣⵉ ⴱⴰⵔⵉⵥ. ⵓⵎⵉ ⵉⵇⵥⵎ ⵉⵜⵜ ⵢⵓⴼⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵡⵕⴰⴼⵉⵏ ⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⴷⴰⵢⵙⵏ ⴷⵉ ⵔⵡⴰⵙⵟⴰ. ⵜⵙⵎⵙⴱⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷⴳ ⵉⵡⵕⴰⴼⵏ ⵍⵉ ⵎⴰⵇⵇⴰ. ⵜⵍⵍⴰ ⴰⵙ ⴱⵕⵕⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵥⴹⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ ⵉ ⵕⴱⴷⴰ. “ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⴰⵢⵉ ⵜⵉⵔⴼⵜ ⵣⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⵣⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵡⴰⵀⴰ”. ⵉⵥⵥⵉⵎ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵡⴰⵡⴰⵕ ⴰ ⴰⵔ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵍⵙ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ. ⵉⵡⵕⴰⴼⵏ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⴷⵡⵕⵏ ⴷ ⵉⵣⴳⵏ, ⵜⴽⴽⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏⵜ ⵜⵉⵎⵛⵔⴰⴹ ⵉ ⵕⴱⴷⴰ!

ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵔⵎⵙ ⵕⵉⴷⵢⴰ ⴰⵅⵢⵢⴰⵥ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵥⵕⵄⵏ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ. ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴱⵕⵕⵉ ⵜⵎⵓⵥⵔⵉⵙⵜ ⴰ ⵓⵔ ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵛⵉ ⵖⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⵏ ⵕⴱⴷⴰ ⵊⴰⵔ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ. ⵜⴰⵎⵓⵥⵔⵉⵙⵜ ⴰ ⴰⵥ ⵜⵜ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵎⵓⵏⵉⵜ ⵉⵎⴰⵏ ⴷ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵜⵎⵙⴱⴹⴰ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵕ ⴷ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ “ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵜⴼⴼⵓⵖ ⴷ, ⵓⵔ ⵜⵓⵜⵜⵓ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⴹⵏⵉⴷ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⴽ !” ⴰⵡⴰⵕⵏ ⴰ ⵀⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵖⵔⵜ ⴰⴷ ⵜⵏ ⵜⵉⵏⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵉⵜⵜⵖⵉⵎⴰ ⵉⵢⵣⵎ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵙⵏⴷⴰⴼⵏ ⴰⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ!ⵜ

ⵕⵉⴷⵢⴰ ⵜⵍⵍⴰ: ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵡⴹⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵅⵎⵎ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⵍⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰⵊⵉ ⵛⵉ ⴰⵔ ⵖⴰ ⵉⴳⴳ ⵛⵉ ⵍⵍⴹⵏⵉ, ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵡⴰⵕⵓ. ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⴱⵕⵕⵉ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵙⵕⴰⵢⵜ, ⵓⵔ ⵏⵙⵡⵉⵏⵖⵉⵎ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵓ ⵔⵃⴰⵔ. ⵎⴰⵛⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵖⵓⵔⴰⵎ ⵜⵉⴷⵜ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵢⵓⵙⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵥⵕⵕⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⴰⵀⵓⴷⴷⵉ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵅⵙ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴳ ⵓⴳⴳⴰⵎ ⵍⵙ. ⴷ ⵓⵏⴳⵔⵉⵖ ⵍⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⴷⴳ ⵓⵖⴰⵔⵔⴱⵓ ⵣⵉ ‘ⵎⴰⵇⵙⵉⵕⵢⴰ’ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵎⵉ ⵉⵙⵕⵕⴰ ⵉ ⵡⵍⵍⵉ ⵉⵥⵥⵉⵎⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵍⵙ ⵉⵜⵜⵍⵍⴰ ⴰⵙ: «ⵀⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵓⵅⵓⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵕⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⴰ ⵡⵓⵎⴰ!” ⵓⵛⴰ ⵉⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜ: “ⴰⴷ ⴷⵡⵕⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⴷⵜ ⵉⵏⵓ, ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵅⵙⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ!”. ⵉⵅⵣⵔ

ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵎⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵣⴳⵣⵓⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⵏⵏⵉ ⴰⵣⴳⵣⴰ. ⴰⵖⴰⵔⴰⴱⵓ ⵉⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵅⴼ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵖⵔⴱⵏⵜ ⵉⴷ ⵉⵎⵟⵟⴰⵡⵏ, ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⵔⵓ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ. ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵎⴰ ⵉⵅⴹⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⵕⴰⵃ, ⵏⵉⵖ ⵉⵅⴹⴰ ⵓⵎⵉ ⵉⴷ ⵉⴷⵡⵍ! ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵃⵙⴱⵖ ⵜⵉⵙⵄⴰⵜⵉⵏ ⵉ ⵅⴰⴼⵉ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵏⵛⵛ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴷⴳ ⵉⵃⵎⵎⴰⵙⵏ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⴹ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵏ ⵜⴷⴳⴳⵯⴰⵜⵉⵏ ⵙⵙⵉⵡⴹⵏⵜ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ, ⴷ ⵎⵛⵃⴰⵍ ⵉⵎⵓⵔⵏ ⵉⵙⴼⴰⴼⴰⵜ ⵔⴼⵊⵕ ⴷⴳ ⵓⴹⵔⵉⵖ ⵏⵏⵙ! ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵎⵄⴰⵡⴰⴹ ⴷⵉ ⴰⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵖ, ⵎⵉⵏ ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵉⵊⵊ ⵣⵣⴰⵢⵏⵖ, ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⵜ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⴰⵃⴰⴷⵉ ⵏⵏⵙ ⴰⴳⵔⵎⵉⵣⵏ ⵉⵏⵓ ⵉⵙⵙⴷⵀⴰⵛ. ⴷ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⴱⴱⴰⵜ ⴰⵢⵉ, ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵢⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵣⴳⵏ ⵉⵏⵓ ⵉⵟⵟⵚ. ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵅⵣⵔⵖ ⴷⴰⵢⵙ, ⵖⴰ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵇⵇⵏⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴹⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ: "ⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⴷ ⵜⵙⵏⴽⴽⵔ ⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵏ ⴱⵓⵢⵉⵙⴽ ⵊⴰⵔ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ!" ⵓⵛⴰ ⵙⵇⴰⵔⵖ ⵏⵛⵛ, ⵏⵉⵖ ⵜⴱⴷⴷⴰⵍⵖ ⴰⵙ ⴰⵡⴰⵍ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵜⵔⵇⴼⵖ ⵛⵉ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ, ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵜⵕⵥⵥⴰ.

ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵙⵍⵉ ⵏ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⴹⴼⵕ ⴰⵢⵉ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵛⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵉⵙⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⵢⴰⵙⴰⵏ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷ ⴰⵣⵡⴰⵏ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵏⵓⵎⵍⵖ ⵏⵉⵛⴰⵏ. ⴷⵡⵍⵖ ⵙⵢⴰⵎⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵜⵔⵊⴼ ⵅⴰⴼⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ, ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵢⵉ ⵜⵜⵀⵓⴷⴷⵉⵖ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ. ⵏⵎⵄⴰⵛⴰⵔ, ⵉⵔⵖ ⵏⵏⵓⵎⵖ ⴰⴽⴷ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ. ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⵡⴹ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵡⵉⵏⵖⵉⵎ ⴱⵍⵍⵉ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵡⵃⴷⵙ ⵉ ⴰⴷ ⵉⴼⴽⴽⵏ ⵜⵏⴰⵎⵉⵜ ⴰ ⵏ ⵍⵃⵙⵙ, ⵉⵙⵇⴰⵔⵏ. ⵜⵙⵙⵇⵙⴰ ⵢⵉ: ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴰⴽⴷ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵏⵏⴽ ⴰⵄⴼⴼⴰⵍ? ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵉⵏⵓ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵍ. ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵉ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰⵍ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵍ, ⵜⵎⴰⵔⵔⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⵡⴹ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵅⵙⵙ. ⵎⴰⵔⴰ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵉⵏⵓ ⵅⴰⴼⵙ ⵔⵀⵡⵔ, ⵏⵉⵖ ⵉⵙⵅⵢⵢⵉⵇ ⵎⴰⵛⴰ ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵎⵄⵔⵔⵜ. ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵎⴰⵔⵔⵉⵏ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵄⴰⵡⴷ ⵏ ⵔⵎⵔⴰⵛ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⴰⵔⵢⵃ ⵛⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵖⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⵉⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵓⴷⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵏⵀⵔ ⵉⵏⵓ ⵎⵍⵉⵃ, ⵜⵙⵀⵡⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ, ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ, ⵜⵜⵅⵢⵢⴰⵇ, ⵉⵜⵜⵇⵇⵙ ⴰⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⴰⵎ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵡⵃⴷⴰⵏⵢⵉⵏ. ⵜⵅⵊⴼⴰⵏⵜ ⵖⴰ ⵙ ⵓⴹⵔⵉⵖ ⴷ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵇⴹⵉⵄⵏⵜ ⵔⴰⵢⴰⵙ ⵏⵏⵙⵏⵜ, ⵜⵕⴰⵊⴰⵏ ⵜ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⵙ.

ⵓⵎⵉ ⵏⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴰⵔⵣⵣⵓⵖ ⴷ ⴰⵡⴰⵍⵏ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⴼⴰⵣ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵎⵍⵉⵃ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵅⵙⵙⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵄⴷⵖ ⵙ ⵛⵉ ⴷ ⵉⵅⴰⵔⵉⵇⵏ. ⵡⴰⵀ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ. ⵙⵉⵏ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵜⵎⵅⵙⴰ. ⵙⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⴰⵜ ⴰⵡⵢⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵄⴷ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵖ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵉ. ⴷⴰⵢⵉ

ⵛⵉ ⵏ ⵜⴳⴳⵯⴷⵉ ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⴻⵊⴷⵉⴷ ⴷⵉ ⵜⴳⵛⴼⵜ, ⵏⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵉⴳⵉⴷⵔ ⵉⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⴻⴷⵔⴰⵔ, ⵜⵙⴰⵔ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵛⵜⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵟⵟⴰⵡ.

ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⴳⵣⵣⴰⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⴻ. “ⵉⵊⵊ ⵏ ⵍⴽⴰⵙ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴻⵛⴰ ⴽ ⵥⴻⵕⵖ ⴰ ⵢⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ ⵏⴻⴱⴻⴹ....! ⴻⵔ ⵜⵖⴰⵡⴰⵍ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵇⴰⵎⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰ. ⴻⵔ ⵜⵙⵙⵉⵏⴷ ⵛⵉ: ⵇⴰⵎⴰⵜ ⴷ ⵉⵎⴻⵛⴰⵏ ⵢⵉⵣⴷⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ! ⴰⴷ ⵉⵔⵉ ⵜⵖⵔⵉⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵏⵏⴰⵏ ⴷⴳ ⴻⵖⵎⵉⵙ: ⵃⵙⴱⵏ ⴻⴼⵉⵏ ⵄⵔⴰⵢⵏ ⵜⵥⴰ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⵎⵜⵜⴰⵏ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ!” ⵜⴻⵜⵜⵏⵏⴰ ⵜ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴹⵚⵚⴰ, ⵜⵟⵟⴰⴼ ⴷⵉ ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵙ. ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⴻⴼⵉⵖ ⵜ ⵜⵢⴰⵔⴹ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⴻⴹ ⴷ ⴰⵣⴳⵣⴰ, ⵉⴼⵙⴻⵙ, ⴻⵔ ⴰⵙ ⵉⴷⵍⵉ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ. ⵜⴹⵀⵕ ⴰⵢⵉ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⴽⴽⵙ ⵔⴰ ⴷ ⵢⵏⵏⵉ ⵣⵉ ⵜⴽⵙⵙⵉ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ. ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴼⴻⵙ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⴻⴼⴻⵙ ⵉⵏⴻ, ⵜⵙⵙⵎⵙⴱⴹⴰ ⵉⴹⴻⴹⴰⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵎⵙⴱⴱⴰⴽⵏ ⵉⴹⴻⴹⴰⵏ ⵏⵏⵖ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⴰⵔ ⵔⴻⴳⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵛⴽⴽ ⵙⴼⴰⵃⵖ. ⴰⵔⵔⵉⵏ ⴷ ⵅⴼ ⵏⵖ ⴰⵙⵙ ⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵣⵉ ⵡⴰⵛⵉⵏⵟⴻⵏ ⵅⴼ ⴻⵎⴻⴷⴷⴻ ⵏⵏⴽ ⵖⴰⵔ «ⴻⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ.” ⵅⵙⵙⵏ ⴰⴷ ⴽ ⵎⵉⵏ ⵜⵔⵣⵣⴻⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⵉⴷ. ⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ «ⵏⵢⴻⵢⴻⵔⴽ» ⵔⴰ ⴷ «ⵎⵉⵜⵔⴻⴱⴻⵍⵉⵜⴰⵏ» ⴷ «ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⴻ» ⴷ ⵔⵃⴱⵙ ⵏ «ⴰⵍⴽⴰⵜⵔⴰⵙ». ⵛⴽⴽ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵔⴻⴳⴰ, ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵔⵉⴷ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⴽ ⵉ ⵜⵅⵙⴷ ⵅⴼ ⴻⵎⴷⴷⴻⴽⵍ ⵏⵏⴽ. ⵔⴻⴳⴰ ⵜⵣⵎⵎⵔⴷ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ ⵣⵉ ⵔⴰⴷⴰⵙ ⴰⴳⵊⴼⴻⴼ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⴻ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⴰⵍⴰⵢ ⵉⵎⵖⴰⵔ. ⴰⴷ ⵜⵥⵕⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵜⵅⵙⴷ ⵉ ⴻⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⴽ”.

ⵜⴼⴰⵃ ⴻⵎⵉ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵢⵉ ⴼⵃⵖ, ⵡⵊⴷⵖ ⴰⴷ ⵎⴻⴷⴷⵖ. ⴻⵛⴰ ⵏⴷⵡⵍ ⵖⴰⵔ ⵔⵃⵎⴻ ⵏ ⴻⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵖ, ⵉⵔⴰ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ, ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵙⵖ ⵜⵜ.. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ.

ⵜⴻⵖⴰ ⵏⵜⵜⵎⵙⵏⴼⴰ ⴻⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵉⵄⴷⴻ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏ ⵡⴰⵏⴹⴰⴼ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵥⴰⵊ ⵏ ⵜⴱⴻⵔⵊⴰⵜ ⵏ ⴻⵙⴰⵍⴻⵏ. ⵜⴻⵖⴰ ⴰⵔⵡⴰⵇ ⵉⴼⵙⴻⵙ ⵉⴷⵍⴰ ⵜⵉⴱⴻⵔⵊⴰⵜⵉⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴻⵔ ⴷⵍⵉⵏ ⵛⵉ. ⴻⵔ ⴰⵏⵖ ⵉⵥⵕⵉ ⵛⵉ ⴰⵏⴹⴰⴼ ⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵜⴻⵔⴷⴰ. ⴻⵛⴰ ⴻⴷⴼⵏ ⵉⴷⴻⴷⵏ ⵙⴰⴷⴻ ⵏⴰⵡⴰ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⵖⴰⵔ ⵉⵙⴳⴱⴰⵙ ⵏⵏⵙ. ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵜⵉⴳⵍⴳⴰⴹ ⵙ ⵡⴰⴷⴷⴰⵢ. “ⴻⵀ, ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⴽ ⴷ ⵉⵚⵎⵎⴰⴹⵏ!” ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⵙⵡⵃⵡⵉⵃ, ⴱⵍⴰ ⵜⴻⵔⴷⴰ ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵔⵃⵏⴻⵏⵉⵜ ⵉ ⴷ ⵉⵜⵜⴼⴼⴻⵖⵏ ⵙ ⴻⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵣⵉ ⴰⵔⵔⵉⵎⵎⵜ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵎⵙⴰⵡⴰⵍ ⵉⴳⵎⴰⵎⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵜⵜⵎⵊⴰⵡⴰⴱ ⵉⵎⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙ. ⵛⵉ ⵏ ⵊⵊⵀⴷ ⴷⴳ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵎⵛⴰⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⴳⵍⴼ ⵢⴻⵎⴰⵔ ⴰⴼⴻⵙ ⵏⵏⵉ ⵢⴻⴷⵙⵏ ⵉ ⵔⵃⵡⴹ ⴷ ⴻⵎⵊⴰⵡⴰⴱ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵏ ⵡⴻⵍ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵜⵙⴰ ⵏⵉⵖ ⴷ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ. ⵉⵊⵊ ⵏ ⴻⵏⵀⵣⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⴷⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵙ ⵡⴰⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⵅ ⵡⴰⵎⴰⵙ ⵏ ⵡⴰⴳⴻⵍⴰⵍ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵉⵜⵉⵏ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ ⵜⵎⵙⴰⵔⵏⵜ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵔⵃⵎⴻ ⴷ ⵜⵉⴷⵉ. ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵏ ⵜⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵉⵄⴷⴻⴷ

ⵅⴼ ⵜⴱⴻⵔⵊⵜ, ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⴻⵎⴹⴵⴰⵙ ⵏ ⴻⵢⴷⵉ, ⵜⵡⵡⵉ ⴰⵙ ⴰⵎⵏⵙⵉ. ⵙ ⴻⵡⴽⴽⴷ ⴻⵔ ⵜⵥⵎⵎⵔ ⵜⴰⵅⴷⴷⴰⵎⵜ ⵉⵍ ⴰⴷ ⵜⵥⵕⴰ ⵏⵖ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵣⴰⵊⵊ ⵉⴳⴳⴰ ⵜⴰⵢⵢⴻⵜ ⵙ ⵡⴰⵔⵀⴰⵜ ⵍⵖ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⵏ ⵜⴰⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵍⵖ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵎⴻⵏⵙⵉⵡ ⴷⵉ ⵛⵉ ⵏ ⴻⵃⵎⵎⴰⵚ ⵏ ⵕⵕⴱⴰⵟ, ⴻⵛⴰ ⵏⵜⴷⵡⵡⴵ ⴷ ⵏⵄⵟⵟⴰ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⴰⵏⵀⴰⵛ, ⴰⵏⵀⴰⵛ, ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⴻ ⵅⴼ ⵜⵎⵎⵏⵜ ⵍⵉ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵍⵙ ⵉⵙⵙⴻⵎⵎⵔⵏ, ⴻⵎⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⵜⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵉⴹⴻⴹⴰⵏ ⵏ ⵉⴼⵙⵙⵏ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵜⴰⵢⵢⴻⵜ ⵍⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⴻⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⴵⵉⴷⵢⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⵉⵀⴰ ⵜⴳⴳⵯⵊ ⴷⴳ ⴻⵍⵍⴰⵊ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵅⴼ ⵡⴰⴼⵔⵉⵡⵏ ⵏ ⵜⴰⵢⵢⴻⵜ ⵏⵉⵖ ⵉⵀⵏⴻⵛⵛⵔ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵉⵣⴷⵉⴳⵏ ⴷⵉ ⴷⴷⴻⵏⵉⵜ.

ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ, ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵇⴰⵎⴰ ⵜⴷⵡⵡⴵ ⴷ ⴰⵎⴰⵏ, ⵉⵙⵙⴻⴼⴼⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵖ, ⵉⵙⵙⴰⵔⵅⴻ ⵜ. ⵛⵉ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴻⵊⵍⵍⴰ ⴰⴷ ⵉⵀⵡⴰ ⵛⵡⴰⵢ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵍⵍⴷ ⴷ ⴰⵃⵣⵣⴻⴷ ⵅⴼ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵣⵇⵇⴰ ⵜⵙⴵⵎⴰ ⴰⵙ ⵉⵅⴼ ⵍⵙ ⵜⴰⵃⵣⵣⴻⵜ. ⴻⵛⴰ ⵜⵎⵢⴰⵡⴰⴹⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵉⵎⴰⵏ ⵍⵙⵏ ⴷ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵎⵙⴵⴰⵢⵉⵏ, ⴰⵀⵀⵀⵀ!

ⴵⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⴳⴳ ⵅⴰⴼⵉ ⵙ ⴱⵣⵣⴻⵣ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⴳⴳ ⴵⴱⴷⴰ, ⵙ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵍⵙ ⵜⵉⵎⵣⵢⴰⵏⵉⵏ: “ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⵉⵡⵏⴳⵉⵎⵉⵏ ⵍⴽ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵜⴰⵖⵍⴰⵏⵜ”. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵏⵡⵢⵍⵉ ⵉⴹⵚⵚ ⴰ ⵢⵉ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵍⵛ ⵙⵙⴰⵡⴰⴵⵖ ⴵⴱⴷⴰ ⵙ ⵍⵉⵢⵜ ⵉⵏⴻ, ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ. ⵍⵛ ⴰⵎⵢⴰ ⴻⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⴻ ⵉⵊⵊ ⵉⵙⵙⴻⵍⵍⴰ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵍⴹⵉ. ⴵⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵏⵅⵎⵎⴰⵎ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⴹⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵔⵎⵙ ⵜⵉⵎⵙⴵⴰⵢⵉⵏ ! ⴵⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏⴼⴵ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵍⵖ!”. ⴵⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵙⵏⴼⴵⵖ ⵉⵔⵎ ⵉⵏⴻ, ⴰⴷ ⴷⵡⴵⵖ ⴷ ⵛⵎⴰⵜ. ⴻⵔ ⵉⵙⵙⵍ, ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⵎⵍⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ ⵍⵉ ⵉⵙⵙⴻⴵⵙⵏ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵔⵇⵛⴵⵜ ⵏ ⵉⵙⴷⵔⴰⵙ. ⵉⵛⵇⴰⵜⵏ ⴷⵉⵍⵉ ⵖⴰ ⴰⴷ ⵙⴼⵔⵃⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵙⴽⵔⵉⵜⵉⵏ ⵍⵙⵏ, ⴰⴷ ⵙⵙⴻⵄⴵⴰⵏ ⴰⵙⴻⴳⴻⵔ ⵏ ⵜⵙⵏⵙⴷⴰⴷ ⵍⵙⵏ. ⵎⵉⵏ ⴳⴳⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵣⵣⴻⴵⵜ ⵍⵙⵏ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵔⵃⴰⵚⴻⵕ ⵖⴰⵔⵔⵖ ⴵⴱⴷⴰ. ⵜⴻⵖⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵟⴼⵖ ⴰⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵜⴻⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⴻ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⵙⵇⴰⴷⵜ, ⴷⵉⵀⴰ ⴷⵉ ⵜⵙⵡⴰⵏⵜⵉⵏ ⵙⵍⵊ ⵉ ⵉⵖⵣⵔ ⵏ «ⴰⴱⵉ ⵔⴰⵇⵔⴰⵇ» ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵎⴵⵉⵃ ⴷⴳ ⴰⵛⴵⵢⴰⵏ ⵍⵉ ⵢⴻⵄⴵⴰⵏ, ⵡⵍⵉ ⵥⵕⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ.

ⴻⵛⴰ ⵏⴷⵡⴵ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴳⵔⴰⵡⵜ ⵍⵖ ⴰⵎⵛ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ. ⵜⴻⴷⴼ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ ⵄⴰⵡⴷ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ. ⴵⵉⴷⵢⴰ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⴵ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⴰⵙⴰⴵⴰⵢ ⵍⵉ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ, ⵎⴰⵏⵉ ⴷⵉⵔⴰ ⵄⵔⴰⵢⵏ ⵙⵉⵏ ⵎⴰⴵⵢⴻⵏ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⵃⵉⵏ. ⵎⴰ ⵜⵅⵎⵎⴷ ⵏⵉⵖ ⵎⵛⵃⴰⴵ? ⵉ ⵉⵜⵜⵙⴻⴳⴳⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵄⵔⴰⵢⵏ ⵙⵎⴻⵙ ⵎⴰⴵⵢⴻⵏ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵉⵜⵏ ⵎⴽⴻⵔ ⴰⵙⴳⴳⵯⴰⵙ. ⴻⵛⴰ ⵜⵏⴹⴻ ⵖⴰⵔ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⴻⴷ, “ⵖⴰⵔ ⴻⵏⴳⴳⴰⵔⴻ ⴰⴷ ⵜⵃⴰⴷⵉⴷ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴷⴳ ⵜⵡⴵⴰⴼⵉⵏ ⴷ ⵉⴷⴵⵉⵙⵏ. ⴰⴷ ⵜⴳⴳⴷ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵡⴵⴰⴼ

ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵎⴰ ⵔⴰ ⵊⵊⵉⵏ ⵛⴽⴽ ⵉⵏⴹⴰⴼⵏ.ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵉⵜⵏⵉ ⴱⴷⴷⵏ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ, ⵓⵔ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏ ⵄⴷⴷ ⴰⴷ ⵢⴰⴷⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵛⴽⴽ ⵜⵓⵙⵉⴷ ⵣⵉ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ, ⴰⵙⵉⵊⵊⵉ ⵏⵏⴽ ⴷ ⴰⵎⴷⴹⵍⴰⵏ ⵜⵙⵇⴰⴹ ⴷ ⵛⴽⴽ ⵜⴰⵎⴰⵡⴰⵙⵜ ⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ. ⴰⴽⵉⴷⴰⴽ ⵉⵎⵓⵏ ⵔⴰ ⵉⵊⵊ ⵣⴳ ⵉⵎⵚⴰⵡⴰⴹⵏ, ⵎⵛⵄⴰⵍ ⴰⵚⴱⵄ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ...”!

ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰ ⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵙⵙⴰⵡⴰⵍⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴼ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵜⴽⵍⵖ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ, ⵉⵙⵙⴰⵔⵏ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵓⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⴰⴷ ⵜⴰⵢⵢⴰ. “ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵍⵍⵉ ⴷ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⴽ, ⵎⴰⵛⴰ ⵃⴰⴼⴰⴽ ⵡⵇⵇⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⴽ, ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵛⵏⵃ. ⵓⵔ ⵙⵙⴰⴷⴰⴼ ⵛⵉ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵜ ⵙⵙⵓⴼⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵜⵙⵉⵏⴼⵜ .ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵓⵔ ⵜⵇⴱⴱⴰⵔ ⵛⵉ ⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵔⵏⵉⴷ ⵛⵉ”. ⵓⵛⴰ ⵙⵏⵀⵣⵣⵖ ⴰⵙ ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ, ⵙⵇⴰⵔⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵓⵛⴰ ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ: “ⵏⵏⵛ ⵙⵙⵏⵖ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵅⴼ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⴽⵜⵜⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⴰⵢⴰⵔⵖ ⵜⵜ ⵛⵉ, ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵎⵏⵖⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⴽⵜⵜⵉ ⵏⵏⵙ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵜⵉⵣⵎⵎⴰⵔ ⵉⵏⵓ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵙⵔⵔⵣⵖ ⵉ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵏⵛ ⵙⵙⴷⵓⵙⵖ ⴰⴽⵜⵜⴰⵢ ⴰ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ. ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵙⵡⵏⵉⵖⵉⵎ ⴷⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵜⴰⵔⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵜⵜⴳⴳ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵛⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵉⵜⵜⵉⴳⴷⴰⵔⵏ ⴷ ⵏⵏⵉⵢⵜ, ⴷ ⵎⴰⵏⴰⵄⵙⵏ ⵇⵇⴰⵃ. ⵏⵏⵛ ⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵔⵏⵉⵖ ⵛⵉ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵜⵅⵙⵙⵉⵖ ⵛⵉ ⴰⴷ ⵉⵔⵉⵖ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉⵜⵜⵃⴰⵡⴰⴷ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵇⵏ! ⵓⵛⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵙ ⵜⴷⵀⵛ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵜ ⵙⵇⴰⵏⵃⵖ ⵙ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⵉⵖ. ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ, ⴰⵅⵎⵉ ⵛⵉ ⵏ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵣⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵏⵏⵙ, ⵜⵃⴰⵏ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⵖⴰⵔⵉ, ⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ. « ⵃⴰⴼⴰⴽ, ⵜⵥⴰⵡⴰⴳⵖ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⵅⵎⵎⴷ ⴷⵉ ⴰⵙⵜⵍ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⴽ. ⵎⴰ ⵜⵙⵙⵇⵙⵉⴷ ⵛⵉ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ, ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵜⴰⵎⵖⴰⵔⵜ ⴰⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵙⵎⴰⵄ ⴷⵉ ⵜⵎⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵕⴰⵄ ⵖⴰⵔ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⴹⵏⵉ? ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵎⴰ ⵜⴳⴳⵉⴷ ⴰⵙ, ⵜⴰⵔⵡⵍ ⴷ, ⵏⵉⵖ ⵜⵙⵎⴰⵄ ⴷⴰⵢⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵙ ⵡⴽⴽⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⵜⵅⵙⵙ ⵙ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵏ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⵜⴳⴳ. ⵛⴽⴽ ⵅⵎⵎ ⴰⵎ ⵀⵉⵎⵉⵏⵖⵡⴰⵢ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵎⵉⵍⵔ, ⴷ ⴼⵉⵜⵣⵊⵔⴰⵏⴷ, ⴷ ⴱⵓⵍ ⴱⴰⵡⵍⵣ, ⴷ ⴱⵓⵔⵔⵓⵣ ⴷ ⴳⵉⵏⵙⴱⵉⵔⵖ, ⴷ ⴽⵉⵔⵡⴰⴽ.. ⴷ ⴱⵓⴽⵓⴼⵙⴽⵉ.. ⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ..

“ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵙⵇⵙⵉⴷ ⵛⵉ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵉⴷ ⴰⵔⵡⵍⵏ ⵣⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ, ⵏⵉⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵙⵎⵄⵏ ⴷⴰⵢⵙ, ⵏⵉⵖ ⵎⴳⵓⵎⴱⵓⵔⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵜⵥⴰⵡⴰⴳⵖ ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵏⵜ ⵙⵄⵇⴰⵔ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⴳⴳⵉⵏ. ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴽ ⵣⴷⴰⵜ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⴰⵢⴰ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷⴳ ⵓⵄⵎⵎⴰⵚ ⵏ ⵍⵓⵊⵓⵢⵍⴰⵏ, ⵎⴰ ⵜⴽⵜⵜⵉ ⴷ? ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵕⵓⵄⵏ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵔⵓⴱⴰ ⴷ ⵛⵉ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ ⵓⵔ ⴷ ⵓⵙⵉⵏ ⵛⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⵎⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⴽ ⵄⵎⴰ ⴰⴷ ⵡⵛⵏ ⵜⵉⵎⴷⴼⴼⴰⵔⵜ, ⵏⵉⵖ ⵃⵛⵇⵏ ⴰⵇⴹⵉⴱ ⵏ ⵔⵀⵏⴷ, ⴰⵎⵛ ⵓⵔⴰⵏ ⵛⵉ

ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ, ⵣⴳ ⵢⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵏⵏⵙⵏ, ⵉⴷⴼⵛⵏ, ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ”. ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵇⴰⵔⵖ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ, ⵜⵙⵖⵓⵔ ⴰⵢⵉ. “ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵓⵔ ⵜⵄⴰⴷⴰ ⵛⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⵙ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵇⵏ ⵏ ⵔⵓⵅⴰ, ⵉⵔⵉ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ”. ⵜⵙⵏⵅⵔⵄ ⴰⵢⵉ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵅⵣⵔⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵜⵉⵇⵇⵖ, ⵓⵛⴰ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵉⴷⵜ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵎⴰ ⵔⴰⵊⵉⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵔⵓⵄⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ. ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ ⴷ ⴰⵍⴳⴳⵯⴰⵖ. ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵔⵓⵄⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵏⵏⵓⴼⴼⵔ ⴷⴳ ⴷⵉⴳⵔ ⵏⵏⵙ, ⵜⵙⵙⵓⴼⵖ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵇⴰⵔⵖ, ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵏⵏⵉⵖ ⵛⵉ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵜⵏⵏⵉⵖ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵎⴰⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵙⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⴰⵄⴼⴼⴰⵏ!”. ⵜⵙⵇⴰⵔ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵎⵏⵏⵉ, ⵜⵙⵙⴰⵀⵡⴰ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⴷⴳ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ: “ⵓⵔ ⵅⵟⵟⴰ ⵛⵉ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⴷⴳ ⵔⵓⵇⴰⵕ ⵏⵏⴽ ⴷ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⴽ. ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳⴷ ⵜⵉⵎⴳⵙⴰ, ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ ⵏⵡⴰⵎ ⴷ ⵉⵙⵎⵎⴰⴹⵏ, ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⵉ ⵉⵡⵜⵎⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ ⵏⵡⴰⵎ. ⵜⵓⵖⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⵣⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵕⴰⵃⵏ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ, ⴳⴳⵉⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⴳⴳⵏⵜ ⵜⵉⵎⵖⴰⵔⵉⵏ. ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵜⵉⵏⵉⵙⵉ ⵡⵉⵍⵉⵎⵣ ⵢⵓⵔⴰ ⵅⴼ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⴳⴳⵉⵏⵜ ⵜⵉⵎⴷⴼⴼⴰⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴷⴳ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⴹⵚⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⴷ ⵓⵙⵃⵇⴰⵔ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵙⵙⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵎⴰⵏⴰⵢⵏⵏⵉ. ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵜ ⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ. ⴰⵎ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⴷⴰ ⵓⵔ ⵉⵎⵙⴱⴹⵉ ⵛⴰ ⵔⴰⵃⴰⵔ. ⵍⴳⵏⵙ ⴷ ⵟⴱⵉⵄⵜ ⵏ ⴱⵏⴷⵎ, ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙ ⴱⵓ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⴷⴰ ⴰⴽⵉⴷⴽ, ⵡⵛⵉⵖ ⴰⴽ ⴰⴽⵙⵓⵎ ⵉⵏⵓ ⵎⵉⵣⵉ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⵎⵛ ⵅⵙⵙⵖ, ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⴷⵉⴳⵔ ⵉⵏⵓ, ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴷ ⴱⵏⴰⵎ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵢⵓⵔⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⴷ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ: “ⵄⴰⴼⴰⴽ, ⵓⵔ ⵜⴽⴽⵙ ⵛⵉ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ ⴰⵎ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵔⴰⵜⴰ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵖⴰ ⵎⵉⵣⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵔⵓⵅⴰ ⵜⵎⵎⵓⵜ, ⵏⵉⵖ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⴽ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ”.

ⵉⵔⴰ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵄⴷⵓⵖ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⴳⴳⵉⵖ ⵇⵓⴱⴱⵓ ⵉⵏⵓ ⵅⴼ ⵜⵖⵔⵓⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵛⴰ ⵕⴰⵃⵖ. ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵛⵉ ⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ; ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵡⵇⵇⵔⵖ ⴰⵎⵏⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⵄⴰⵔⵏ ⵎⵙⴰⴼⴰⵃⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ. “ⴰⴷ ⵜⵓⴼⴼⵓⴷ ⴷⵉ ⵔⵀⵏⴰ ⴰ ⴱⴰⴱⴰ ⵔⴰⵃⵓ”. ⵢⵓⴼ ⵉⵜ ⵉⴼⴰⵇ, ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⵔⴽⵙ ⵏ ⵡⴰⵜⴰⵢ ⴷ ⴰⵔⴰⴷⵢⵓ ⵜⵔⴰⵏⵣⵉⵙⵜⵓⵔ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵏⵏⵟ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵏ ⵜⵎⵙⵔⴰⴳⵜ ⴷ ⵉⵖⴰⵡⴰⵙⵏ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ, ⴰⵎⵛ ⵉⵏⵏⵓⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ. ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵔⵓⵅⴰ ⴰ ⵎⵎⵉ, ⵃⴹⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ!” ⵏⵏⵉⵖ ⴰⵙ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵓⵛⴰ ⵓⵅⵓⵔⵖ ⵅⴼ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵉⵏⵓ, ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵏ ⵟⴰⴽⵙⵉ. ⵉⵔⵉⵖ ⵄⴰⴷ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵢⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ.

ⵅⵎⵎⵖ ⵔⴰ ⴷⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ... ⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ .. ⴷ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ . ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⴷ ⵉⵙⵙⵏ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵎⵙⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵡⵏⵏⵉⴹⵏ ⴷ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⵙ . ⵃⵙⵏ ⴰⴷ ⵏⴳⴳⵯⴰⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⴷⵉ ⵔⵀⵏⴰ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⵓⵇⵇⵣ !. ⵅ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ , ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵅⴼ ⵜⵉⴷⴷⵉ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ . ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵅⴼ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵢⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵣⴰⵔⵖ ⵜⴰⵎⵓⵔⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴷⴷⵓⵏⵛⵜ ⵏⵏⵙ . "ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⵜⴰⵔⵉⴷ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵙⵙⵏⴷ». ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⵙⵙⵇⵏⵄ ⴰⵢⵉ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵔⵉⵖ ⵛⵉ ⵜⵉⵇⵇⵉⵖ ⵜⵜ ⵍⴱⴷⴰ. ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⵏⵡⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⴰⵔⵖ ⵜⴰⵙⵓⵔⴰⵔⵜ ⴰ ⵏⵏⵛ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵍⵎⴷⵖ, ⴰⴷ ⴰⵔⵣⵣⵓⵖ, ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵖ. ⴰⴽⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵔⵎⵙⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵖ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵉⵏⵓ ; ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⴽⴼⵉ ⵛⵉ ⵖⴰ ⴰⴽⵜⵜⴰⵢ ⴷ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵖⴰⵡⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵎⵛⴰⵡⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⴷⵍⵉⵙⵏ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴰⴷ ⴰⵡⵙⵖ ⵔⴰ ⵙ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ ⵏⵏⵖ ⵏⵏⵛ ⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵃⵎⴰ ⴰ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵎⵎⵍⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵕⴰⵃ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⵎⵎⴰ ⵣⵎⵎⵔⵖ. ⵙⵡⵉⵏⴳⵎⵖ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴷ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ "ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ" ⴷ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ "ⵎⴰⴷⴰⵎ" ⴷ ⵜⴱⵃⵉⵔⵜ ⵏ "ⵍⵓⴽⵙⴰⵎⴱⵓⵔⵖ" ⴷ ⴽⴰⵏⵉⵙⴰ ⵏ "ⵙⴰⵏ ⵙⵓⵍⴱⵢⵉⵙ" ⴷ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ "ⴼⵓⵊⵉⵔⴰⵔ" ⴷ "ⵎⵓⵏⴱⴰⵔⵏⴰⵙ" ⴷ "ⵔⴰⵙⴱⴰⵢ" ⴷ "ⵙⴰⵏ ⵎⴰⵔⵙⵉⵍ

ⴷ "ⴰⵎⵙⵔⵓⵙ ⵏ ⵡⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵏ ⵓⵙⵜⵔⵍⵉⵜⵣ"... ⴷ ⵎⵉⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵔⵓⵅⴰ ⵀⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵜⵜⴰⵔⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⴷ ⴰⵙⴰⵍⴰⵢ ⵏ ⵎⵉⵜⵔⵓⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ ⴷ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⴷⴰⵢⵉ ⵓⵍ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵉ ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⵉ ⵖⴰ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⴷⵡⵍ ⵔⴰ ⴷ ⴰⵙⵏⴼⴰⵔ ⵉⵏⵓ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵔⴰ ⵉ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵃⴰⵛⴰ ⵀⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵉ, ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⵉⵛⵏⵄⵏ, ⴰⵏⵄⵎⵄⵓⵔ, ⵡⵏⵏⵉ ⵢⵡⵉⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ. ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵖⴰ ⵅⵣⵔⵖ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵅⵎⵉ ⵖⴰ ⵅⵛⵛⵖ ⵖⴰⵔ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ. ⵖⴰ ⴰⴷ ⴰⴼⵖ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴰⵖⴰⵔⵙ ⵕⴰⵃⵖ ⵜⵜⴰⵣⵣⴰⵍⵖ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵖⴰ ⴰⴷ ⵅⵣⵔⵖ, ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵙⵖ ⵔⴰ ⴷ ⵓⵇⵇⵉⵙⵉ, ⴰⴷ ⵏⴼⵃⵖ ⵙⴱⴰⵖⵜ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵙⵃⵖ ⵙ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵙⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ, ⴷⵉ ⴷⵉⵅⵔ ⵉⵏⵓ, ⵉⵏⵏⵉⵜⵏ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵅⵟⵓⵟ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⴼⴰⵡⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵉⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⴹⵓ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⴷ ⵉⵛⵓⴹⴰⴹ ⵏⵏⵙ. ⴰⴷ ⴰⵔⵔⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵅⵣⵣⵔⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵉⵔⵃⵉⵎⵏ ⵖⴰⵔⵙ, ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳⵯⵏⵏ ⵅⴰⴼⵙ, ⵎⴰ ⵣⵎⵎⵔⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴳⴳⵖ ⴰⵡⵍⴰⴼ, ⴰⴷ ⵉⵅⵣⵔ ⵎⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵏⵏⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵎⴰ ⵄⴰⴷ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⵏ ⵔⵎⵡⵜ ⵏ ⵍⵎⵓⴷⵉⵍ ⵏⵏⵙ, ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖⵏ.

ⵡⴰⵀ ⵉⵔⵉ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵅⵎⵎⴰⵎ ⵎⵍⵉⵃ ⴷⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵉⵡⴰⵔⵎⵏ, ⵉⵔⵉ ⵢⵓⵔⴰ ⴰⴷⵍⵉⵙ

ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴼⴰⵔⵉ ⵜ. ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵔⴰ ⴼⵓⴷⵙ ⵖⴰⵔⵙ: ⴷⵅ ⵓⵃⵓⵙ ⵏⵏⵙ, ⵉⵅⵣⵔ ⴷⴰⴼⵙ, ⴷⵅ ⵡⵓⵢ ⵏⵏⵙ. ⵏⵏⵛ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵖⴰⴷ ⵔⵓⵅⴰ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⴼⵎⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⵉ ⵉⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⴼⴰⵔⵔⴰ. ⵛⵉ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵉⵜⵜⵖⵉⵢ ⴰⴼ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴱⵢⵢⵉ ⵜⴰⵎⵙⵢⴰⴼⵜ ⵜⵀⵡⵏ ⴷⵉ ⴱⴷⴷⵓ, ⵄⴰⴷ ⵅⵎⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⵉⵖⵉⵢ ⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵏⵏⴰⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵉⴽⵜⵜⵓ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜ ⴼⴰⵔⵉ ⴰⵎⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵔⵅⴹⴰⵇ, ⵓⵛⴰ ⵙⴰⵃⵉ ⴰⴷ ⵜⵕⴹⴰ ⵜⵎⵙⵢⴰⴼⵜ. ⵔⵃⴰⵚⵓⵇ ⴷ ⵜⴰⵎⵙⵔⴽⵙⴰⵢⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵙ ⴼⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⴰⴷ ⵛⴽⴽ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⴰⴷ ⵜⴽⵜⵜⵓⴷ, ⴰⴷ ⵜⵅⴰⴼⵔⴷ, ⴰⴷ ⵜⵄⴷⵢⴷ, ⴰⴷ ⵜⵎⵎⵢⴷ, ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵓⵃⵖⴷ, ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⵙⵏⵜⵉⴷ ⴷ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⴷ ⵜⵇⴰⵃⴷ ⴷ ⵎⴰⵏⵉⵙ ⴰⴷ ⵜⵙⴱⴷⴷⵓⴷ. ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⴼⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⴰⵎⴰⵎⴽⵜ. ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵎⴰⵎⴽⵜ. ⵎⴰⵏⴰ ⴰⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⴼⵏⵏⵉ, ”ⵜⴰⵎⴰⵎⴽⵜ ⴷ ⴱⵏⴰⴷⵎ” ⴰⵎⵏ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⴽⴰⴷ ⴰⵃⵇⴰⵏⵚⵉⵚ, ⴱⵓⵃⵓⵏ, ⵣⵉ ⵔⵕⴰⵏ ⵜⴰⵎ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ.

ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵇⴰⵃ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⵅⵅⵯⴰⵊ ⵕⵕⴰⵄ ⵏ ⵓⴽⵜⵜⵓⴼ ⵏⵏⵙ ⵙ ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷ ⵉⵙⵙⴰⵖⵏ ⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⴷⵡⵡⵢ ⴷ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵕⵕⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵕⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵓⵔ ⵏⵢⵢⵉ ⵛⵉ ⵏⵜⵜⴰⵔⵔⴰ ⵜⴰⴼⵏⵉⵜ ⵏⵉⵖ ⵉⵔⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⴽⵜⵜⵓ. ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⴰⵏⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵖⴰⵔ ⵜⴱⵃⵃⴰⵔ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵅⵯⵊⵊ, ⵉⵏⵏⵓⵃⵃⵔⵏ, ⵓⵛⴰ ⵉⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⵏⴹⵓ ⵅⵃ ⵓⵃⵔⴰⴼ, ⴰⴷ ⵏⴰⴷⵃ. ⵓⵔ ⵏⵉⵔⵉ ⵛⵉ ⵏⵅⵣⵣⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵖ, ⵉⵔⴰ ⵏⵅⵣⵔ ⵙ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ ⵜⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵃⵔⴰⴼ. ⵎⴰⵛⴰ ⴼⴰ ⵜⴰⵃⵕⵕⵃⵜ, ⵓⵔ ⵜⴽⵜⵜⵓⵖ ⵛⵉ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵔⴰ ⴷ ⵜⵉⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵜⴰⵔⵉⵖ ⵜⵏⵜ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵏⵜ ⴰⵃⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵓⴷⵢⵉⵙ ⵉⵏⵓ, ⵡⴹⴹⴰⵇⵏⵜ ⴰⴼⵉ, ⵓⵔ ⴷⴰⴼⵉ ⵉⵏⵃⵉⵄ ⵓⵔⴰ ⴷⵅ ⴼⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵢⴰⴼⵜ. ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵃⵕⵕⵃⵜ, ⵓⵔ ⵏⵙⵏⵓⵎ ⵉ ⴼⵉⵅⵃ ⵏⵏⵖ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ ⵅⵃ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵖ. ⵔⵓⵅⴰ ⵅⵎⵉ ⵏⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ ⵅⵃ ⴼⵉⵅⵃ ⵏⵏⵖ ⵉⵜⵜⵕⵙⵉⵃ ⵅⴰⵃⵏⵖ ⵔⵃⴰⵔ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⴽⵜⵜⴰⴼ ⵏⵏⵖ ⵏⵟⴰⵃ ⴷⴰⴼⵙ ⴷⵔⵓⵙ, ⵎⴰⵇⵇⴰ ⵉⵙⵙⵓⵢⵢⵙ. ⵙ ⵓⴼⵏⵏⵉ ⵉⵜⵎⵙⴰⵔⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵅⴰⵔⵔⵉⵕⵏ ⴷ ⴰⵎⴰⵏⴰⴼ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵢ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵏⵓⵏⵏⵓⵎ, ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵕⵢⵢⵕ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⵏⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⴼⵙ, ⵓⵔ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⵅⵅ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⴰⵎ ⵅⵎⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵖ. ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⵜ ⵏⵥⵇⵉ ⵛⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵙⴰⵔ. ⵓⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵏⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜⵜ ⵏⴰⵔⵉ ⵏⵜⵜⵇⴰⵃ ⵖⴰⵔⵙ ⵖⴰⵔ ⵔⴰⵅⵅⵯⴰⵊ ⵏⵜⵃⵜⵜⴰⵛ ⵅⴰⵃⵙ, ⴰⵎ ⵛⵉ ⵉⵄⴷⵓ, ⵉⵜⵜⵡⴰⵜⵜⵓ, ⵏⵜⴰⵃ ⵉⵜ ⵉⵇⴰⵃ.

ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⴷ ⵜⵉⵎⵙⵢⴰⴼⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵥⵥⴼⴰⵏⵉⵏ ⵏ ⵎⵙⴹⵃⵇⵏⵜ, ⵜⵉⵛⵛⵏⵜ ⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵖ ⴰⵏⴰⵎⴽ, ⵜⴰⵔⵏⵉ ⴰⵙ ⵛⵛⴰⵏ. ⵛⵉ ⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⴷ ⵉⵎⵥⵥⴼⴰⵏ ⵄⴷⴷⵓⵏ, ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⵏⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵙ ⵛⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙⵏ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵉⵄⴷⴷⴰ ⵏⵖ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⵏ ⵜⴰⵔⵉ ⵛⵉ. ⴰⴽⵜⵜⴰⴼ ⵏⵏⵖ ⴰⵎⵏⴰⵃⵓ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵜⵜⵓ, ⵉⴱⵟⵟⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵉⵎⵥⵥⴼⴰⵏⵏ. ⴰⵎⴼⴰⵉⵔⴰ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ, ⵉⵜⵜⵓ ⴰⵢⴰⵎⵉ

ⵉⵙⵢⴰⴼⴰ ⴷ ⴰⵎⵄⴹⵓⵔ, ⵉⵢⵣⵎ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵙⵏⵓⴼⴼⵔ ⵉⵜ ⵅⴼ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⴷ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⵉ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⴷⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵏⵏⵙⵏⵜ, ⴰⵎ ⵏⵛⵛⵉⵏ. ⵓⵔ ⵉⵡⴰⵔⵎ ⴰⴷ ⵏⴰⴼ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵏⵜⵜⴰ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵉⵅⵔⴰ ⵛⵉ!

ⵔⵓⵅⴰ ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴽⵜⵜⵉⵖ ⵜⴹⵚⴰ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ, ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⴳⴳⵓⵔ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵅⴼ ⵉⵊⴷⵉ ⵏ ⵜⵎⴰⵡⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⴷⵉ ⵟⴰⵊⴰ. ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵔⵄⵣ ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ «ⴱⵉⵍⵍⴰ ⴷⵓ ⴼⵕⴰⵏⵙ». ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴷ ⴰⵍⵉⵙ.. ⴷ ⵎⴰⵜⵉⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙⵏ. ⴷ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵏⵉⵢⴰⴱⴰ, ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵣⴷⵖ ⵍⵇⵓⵏⵙⵓⵍ ⵏ ⴼⵕⴰⵏⵙⴰ. ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵣⴷⵖ ⴷⵓⴽⵍⴰⵔⵓ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵏ 1830. ⴷ ⴱⴰⵔ ⵙⴰⵏⵜⵔⴰⵍ, ⵉⵣⵉ ⵉⵍⵎⴷ ⵙⴰⵏ ⵙⴰⵏⵙ ⵛⵉ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⴰⵏ. ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵏ ⵉⵄⵉⵙⴰⵡⵢⵢⵏ ⴷⴳ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵉⵏ, ⴰⵏⵅⴰⵣ ⵏ ‘‘ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉⵎⵎⵓⵜⵏ’’[1]. ⵏⵜⵜⵓⵅⵓⵔ ⵙ ⵛⵡⴰⵢⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵏⵜⵜⵎⵀⴰⵔⵔⴰⵜ ⵙ ⵜⵃⵓⵊⴰ ⴷ ⵜⵙⵄⴷⴰ, ⵏⴹⵚⵚⴰ, ⵣⴷⴰⵜ ⴰⴷ ⵏⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ‘‘ⵍⴰⴱⵉⵔⵏⵓⵍⴰ’’ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵉⵜⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵉ: ‘‘ⴰⴱⵓⵇⵉ ⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⵡⵃⴷⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵓⵎⵉ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵀⵓⴷⴷⵉⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⵖⵔⴰ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵓⵎⵉ ⵉⵔⵉⵖ ⵣⵎⵎⵔⵀⵖ. ⵓⵛⴰ ⵉⴹⵚⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ, ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵔⵓⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵏⵏⵙ ... ⴷⵡⵍⵖ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵊⴰ ⵊⵊⵉⵖ ⵜⵜ ⴰⵎ ⵜⵄⵣⵔⵉⵜ!’’ ⵓⵛⴰ ⵉⴱⴷⴷ, ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵜⵜⵥⵓⵍⵍⴰ ⵙ ⵊⵊⵀⴷ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉ ⴱⵓⴷⵍⵉⵔ, ⵉⵏⵣⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵃⴼⴹ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ ⵏⵏⵙ. ⵜⵜⵔⵉⵇⵇⴰⵏ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵏ ⵓⵏⵛⵛⴰⴷ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏ “ⴷⵉ ⵜⵎⴰⵙⵙⴰⵙⵉⵜ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ”. ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣ.“ⵛⴽⴽ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉⴷ ⵛⵉ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣ ⵡⴰⵀ! ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⴰⵔⴳⴰⵣ!”.

ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ ⵏⵏⵉ ⵣⴳ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵛⵉ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵉⵏⵏⵓⵕⵥⵎ, ⵉⵏⵏⵓⴼⴼⵔ. ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎ ⵓⵣⵀⵀⵉⴷ, ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⴽⴽⵓⵥ ⵏ ⵉⵔⴳⴰⵣⵏ ⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷⵏ ⵅⴼ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵙⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⵔⵉⵏ ⵏⵏⵙⵏ. ⵡⵏⵏⵉ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓ ⵉⵔⴰ ⵉⵇⵍⵍⵇ ⵣⵉ ⴼⴰⵇⵛⵖⵔ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ. ⵃⴰⵛⴰ ⵡⵉⵙ ⵙⵉⵏ ⵉⵔⴰ ⵉⵙⵙⵉⵜⵉⵎ ⵉⵎⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵏⵏⵛⵎⵜ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵅⴰ. ⵉⵎⵍⵉ ⵉⵎⵔⵛ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵅⵙⵉⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵄⴱⴱⵛ ⵎⵓⵃⵎⴰⵎⵎⴷ ⵅⴼ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵜⵉⵖⵎⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵏⵃⵃⴷ ⴰⵏⵅⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⵅⵕⵓ ⵙ ⵉⵀⴰⵔⴽⵓⵙⵏ ⵏⵏⵙ. «Quelque fois je la regrette j’aurai dû l’épouser».

ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⴷⴷⵎⵖ ⵅⴰⴼⵙ. ⵉⵔⵉ ⵎⵔⵛⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵔⵉⵖ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⵙ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⴷ ⴱⴰⴱ ⵏⵏⵙ ⵏⵉⵛⴰⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵥⵕ ⵉⵜ ⴱⵓⴷⵍⵉⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⴰⴽⴷ ⴽⵕⴰⵟ ⵏⵏⵟⵏⵉ. ⵢⵓⵙ ⴰⵙ ⴷ ⵛⵡⴰⵔⵜⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⵛⵏⵉⵏ ⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵅⴹⴰ ⵜ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵡⴰⵔⵎ, ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵅⵓⵔ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⵚⴱⵃⴰⵏⵜ. ⵜⵕⵓⵃ

1 Dance macabre

ⴰⴽⴷ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵍⴹⵏⵉ, ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵙⴰⵜ ⵏ ⵉⵃⴰⵔⵎⵓⵛⵏ, ⴰⵎ ⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵉⵏ ⵏ ⵜⵕⵕⴰⵙⵉⵏ, ⴷⵉ ⵜⵚⴱⵃ. Eh bien! mon cher ami, l’épouse est encore vierge que l’était votre maitresse” Rien n’était changer dans cette personne!

“ⵡⴰⵀ ⴰ ⵢⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵕ ⵉⵏⵓ ⵄⴷ ⴷ ⵜⵄⵣⵔⵉⵜ ⴰⵎⵏ ⵉⵔⴰ ⵜⵎⴳⵙⵉⵜ ⵍⴽ.” ⵓⵔ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵕⴰⵢⵜ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⴱⵕⵏ!

ⵉⵔⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵕ ⴰⵢⵉ ⴳⵅ ⵓⵏⵛⵛⴰⴷ ⵍⵉ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵓⵖⴰ ⵉⵜⵜⴰⵛⴰ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⴰⵔⵔⴰⵜ, ⵓⵛⴰ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵜⴰⵣⵣⵉⵜ ⵏ ⴰⵎⵙⵕⵉ ⵍⵙ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⵅ. “ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⴷ ⵜⵏⵄⵎⴷ ⵜⵉⴷⵜ ⴰ ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵕ ⵉⵏⵓ. ⵜⵉⵇⵇ ⴰⵢⵉ ⴰⵙⵜⵕ ⵏ ⵜⵎⵖⴰⵔⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵢⴰⵔⴳⴰⵣⵏ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴰⵙⵜⵕ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ; ⵓⵔ ⵜⵅⵉⴷ ⴱⵓ ⵔⵊⵡⴰⴱ ⴳⵅ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⴷⴰⵢⵙ, ⵖⴰ ⵎⵉⵏ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ. ⵛⴰ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵓⵔ ⵜⵔⵎⵙⴷ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵕⴰⵢⵜ” ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵉⵔⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⵎⵙⵕⵉⵏ ⴰⵡⵕⵉⵡⵕ. “ⵔⵉⵖ ⴷⵉⵍⵍⵉ...ⵙⴰⵅⵉ! ⵔⵓⴳⴰ ⴰⵇⴰ ⵉⵢⵉ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ...ⵓⵛⴰ ⵙⴰⵅⵉ.”Voila tout!”

ⵢⵓⵙⴷ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ, ⵉⴳⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵢⵉⵕⵕ. ⵉⵙⵇⴰⵔ ⴰⵎ ⵍⵛ. ⵉⴳⵣⵣⵔ ⵖⴰ ⵔⴰⴳⴳⵯⴰⵊ. ⴷⴳ ⵓⴳⵊⵅⵓⵅ ⵍⵙ ⵔⴳⵢⴰⵔ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⵏ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ ⵍⵙ. ⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵔⵎⵓⵜ ⴰⵎ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴳⵎⵉ ⵍⵓⵎⵖⴰⵔⵏ. ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ: “ ⵉⵣⵕⴰⵏ ⵜⵙⵄⴰⵅⵏ ⴰⵢⵉ ⵕⴱⴷⴰ. ⵜⴰⵅⵖ ⴷⵉ ⴱⵓⴷⵕⵉⵔ ⴷ ⵎⴰⵕⴰⵔⵎⵉ ⴷ ⵔⴰⵎⴱⵓ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵙⵎⴰⵕⵏ ⵉⴳⵅ ⵉⵏⵓ. ⵛⴰ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵜⵜⵍⵉⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵏⵜⵜⴳⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵉⵣⵡⴰⵔⵏ ⴰⵏⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵏ ⵏⴳⵙⵙ ⴰⴷ ⵏⵉⵏⵉ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵣⵕⴰⵏ ⵏ ⵡⵉⵍⵍⵉ ⵍⴹⵏⵉ ⵓⵔ ⵜⵜⵖⵉⵎⵉⵏ ⵛⴰ ⴰⴽⵉⴷⴰⴽ. ⵜⵃⴰⴷⴰⵏ ⵛⴽⴽ ⵡⴰⵀⴰ ⵓⵛⴰ ⵜⵔⵓⵃⵏ ⴰⴽⴷ ⴱⴰⴱ ⵍⵙⵏ. ⴰⵔ ⵔⵓⴳⴰ ⵄⴰⴷ ⵓⵔ ⵓⵅⵉⵖ ⵛⴰ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⵃⵅⴷⵖ ⵛⴰ ⵏ ⵢⵉⵣⵕⵉ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵕ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⴳⵅ ⴰⵔⴳⵓ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵉⵔⵅⵜ ⵉⵔⴰ ⵜⵊⵊⵀⴷ ⴳⴰⵅⵉ. ⵍⵛ ⵓⵔ ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵛⴰ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵢⵉⴳⵅ ⵉⵏⵓ ⴰⵕⴰⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵄⴷⵓ ⵔⵃⴰⵔ. ⵔⵉⵖ ⴳⴳⵓⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⵢⴰⵙⵙⴰ ⵍⵉ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵙ ⵍⵉⵢⵜ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵔⴰ ⵉⵔⴰⵣⵎ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ ⴰⵎ ⵎⵎⵉⵙ ⵏ ⵔⵃⵔⴰⵎ, ⵍⵛ ⴳⵙⵖ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵍⵉ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵜ ⵛⴰ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜ ⵜⵜⴳⴳⵖ ⵔⴰ ⵎⴰⵔⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵢⵙ. ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵍⵛ ⵜⵙⴷⵃⵉⵖ ⵏⵉⵖ ⵉⵜⵜⵃⴰⵙⴰⴱ ⴰⵢⵉ ⵉⴳⵅ ⵉⵏⵓ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⵎⵍⵍⵉ ⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⴷⵉ ⵍⵉⵢⵜ ⵉⵏⵓ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵜⵉⵏⵉⵏ ⴰⵙ!”.

ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ ⵓⵛⴰ ⵜⴳⴳⵯⵊ ⴰⵙ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⴳ ⵔⴳⵣⵔⴰⵜ ⵍⵙ. ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⴰ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵜⵜ ⵎⵕⵉⵃ ⴰⵎ ⵣⴷⴰⵜ, ⴷⴳ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵍⵉ ⵉ ⵉⵙⵙⵖⴷⵓ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵓⵎⵉ ⴷ ⵉⴷⵡⵕ ⵣⴳ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵍⵙ. ⵜⴷⵡⵕ ⴳⴰⵅⵙ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ, ⴰⵎ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵍⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⵡⴰⵔⴰ ⵡⵍⵉ ⵓⵔ ⵉⵟⵟⵚⵏ ⵎⵕⵉⵃ.”

ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⴰ ⵖⵓⵔⵉ ⵜⵉⴷⵜ, ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ: ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵡⴹⴹⴰⵕ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ! ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ ⵉⴷⵡⵔ ⵖⴰⵔ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵉⴷⴷⵇⵔ, ⴷⴰⵢⵙ ⵉⴹⵄ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⴳⴳⵓⵔ ⵅⴼ ⵛⴰ ⵏ ⵓⴷⵔⴰⵔ ⵢⵓⵢⵔ. ⵉⵇⴹⴰ ⴰⵙ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏⵏⵙ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵉⵏⵉ ⴰⵢⵉ ⴰⵟⵟⴰⵄ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⴱⴷⴷⵔ ⵅⴰⴼⵙ, ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵜⵏⵏⵉ ⴷ ⵟⴰⵏⵊⴰ, ⵜⵡⵙⴰⵔ ⴰⵙ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ, ⵉⵇⴹⴰ ⴰⵙ ⴰⵎⵄⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⵉⴷⵙ. ⵓⵔ ⵉⵜⵡⴰⵔⴰ ⵛⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵔⴰⵢⵜ ⴰⵥⵥⴰⵢⵙ ⵉⵙⵙⵏ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ.

ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵔⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷ ⵜⵉⵙⵙⵉ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵎⴹⵔⴰⵏ ⵉⵜⵜⵎⵢⵢⴰⵔ ⵉⵡⵔ ⴷ ⵉⵡⵔ, ⴷⵉ ⵜⵛⵔⵉ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵉⴷⵡⵔ ⵉⵜⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵢⵉⵔⵔ, ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵉⵄⴱⵢ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ ⵉⵙⵎⵓⵏ ⵉⵜⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵎⵏⵖⴰⵏⴷ ⴰⴽⴷ ⴰⵢⴰⵡⵢⴰ, ⵡⴰ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵉⵡⵉⵔ ⵖⴰⵔ ⵡⴰ. ⵓⵔ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵉⵢⴷⵉⵊ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏ. ⵜⵜⴹⵀⵕ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⵜⵎⵏⵖⴰ ⴰⴽⵉⴷ ⴽⵜⴰ, ⴰⵎ ⵜⴰⵎⵛⵉⵛⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵓⵜⵜⵏ ⵜⴰⵔⵡⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵎⵥⵢⴰⵏⵏ. ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⵛⴰⵀⵏ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵉⵣⵃⴼ ⴰⵎ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉⵏ ⵜⵉⵙⴼⴰⵢ ⵏ ⵢⵉⵔⵔ, ⵜⵔⵔⴰⵏⵜ ⵉⴷ, ⵉⴷⵡⵔ ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵜⵜⵅⵢⵢⵉⵇ, ⵉⵕⵥⴰ ⵔⵅⴰⴹⴰⵕ ⵏⵏⵙ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵙⵙⵓⴼⵓⵖ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵔ ⴷⵅ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵜⵙⵃⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ.

ⵖⴰⵔ ⵜⵡⵙⴰⵔ ⵏⵏⵙ, ⵙ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⴰⵛⵎⵔⴰⵔ ⴷ ⵓⵃⵛⵎⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⵇⵓⵏⵏⴰⵔⵉ ⴰⵛⵎⵔⴰⵔ, ⵙ ⵓⴼⵔⴰⵢ ⵏⵏⵉ ⵏⵢⴰⵔⵡⵜ ⴷ ⵓⵅⵢⵢⵇ ⵏⵏⵙ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ, ⵉⵔⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⵎⵓⵜ ⵓⵛⴰ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵡⴽⴽⴰⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵓⴷⵔⵉⵙ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⴹⴹⴰⵕⵏ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵙⵃⵉⴼ ⵛⴰ ⴰⴽⵜⵜⴰⵢ ⵏⵏⵙ. ⵢⵓⵔⵎ ⴰⴷ ⵉⴱⴷⴰ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵏⵏⴰ, ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵣⵎⵎⵔ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵏⵜⵜⴳⴳ ⵏⵛⵛⵉⵏ ⴰⵢⵜ ⴱⴰⴱ ⵏ ⵓⵙⵏⵇⵔ, ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⴰⵙ ⵔⵎⵉⵊⴰⵔ, ⵢⵉⵖⵉⵔ ⵓⵔ ⵜ ⵉⵃⴷⴷⵓ ⵡⴰⵇⵓⴷ. ⵏⵉⵖ ⵃⴰⴷ ⴰⴷ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴰⵔ ⵜ ⵖⴰ ⵉⴳⴳ. ⵓⵛⴰ ⵢⵓⵙⴰ ⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⴷⵅ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵏⴳⴳⵓⵔⴰ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵜⵇⴹⵟⴰ ⵎⴽⵓⵔ ⵡⴰⵙⵙ, ⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⴰⵎⵙⵔⴰⵅⵜ ⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⴷ ⵎⴽⵓⵔ ⵛⵡⵢⵜ, ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵏⵜⵜⴰ, ⵉⵡⵜⴰ, ⵜⵅⵛⵛⴷ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⵜⵡⵙⴰⵔ ⴷ ⵔⴰⵥⴰⵖ ⵏ ⵜⵛⵏⵏⴰⵡⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵃⴰⵀⴷⵖ ⵜ, ⵉⵔⴰ ⵢⴰ ⴷ ⴰⵡⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ ⴷⵅ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵔⵓⵅⴰ ⵀⴰⵇⴰ ⵢⵉ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ ⴰⴷⵔⵉⵙ ⴰ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ ... ⴷ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⵛⵟⵉⵢⵏ ⵎⴰⵔⴰ ⵓⵔ ⵏⵏⵉⵖ ⵓⵔⵉⵖ ⵜ ⵔⴰ ⵉ ⵢⵉⵏⵏⴹⵏ.

ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⴱⵓⵇⴰ ⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⴰⵔⵉⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵉⵏⵏⵉⵏ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵛⴰ ⵜⴰⴹⴼⵉ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ, ⵏⵉⵖ ⵓⵔ ⴰⵙ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⵛⴰ ⵖⴰ ⵎⵉ ⵜⵜⴰⵔⵉⵏ ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ. ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔ

ⴰⵙ ⴰⵎ ⵡⵍⵉ ⵉⴱⴹⴹⴰⵏ ⴰⵟⵟⴰⵙ ⵍⵙ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵅⴼ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵔⴱⵉⵃⵜ ⴷ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵡⵍⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉⵏ ⵜⵄⴷⴷⵓⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵟⵟⴰⵙⵜ, ⵜⴰⵙ ⴰⵙ ⴷ ⵣⵉ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵍⴻⵏⵉ ⵜⵄⴷⴷⵓ ⵅⴰⴼⵙ ⵖⴰⵔ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ ⵍⴻⵏⵉ. ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵖⵔⴰ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵥⵕⴰ. ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵎⵉⵏ ⵓⵔⴰⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⴰⵙ ⵡⵉⵍⵉⴻⵏⵉ. ⵄⵎⵎⴰⵕⵚ ⵎⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵎⵉⵏ ⵓⵔ ⵓⵔⵉⵏ ⵢⵉⵍⴻⵏ. ⵓⵛⴰ ⴰⵎⵢⴰ ⵉⵎⴰⵔⵉⵜⵏ ⵍⴻⵏⵉ ⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵍⴻⵏⵉ ⴷ ⵉⴷⵟⵉⵙⵏ ⵍⴻⵏⵉ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⴻⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵀⴰⵎⵓ ⵉ ⵉⵜⵎⵙⴰⵔⵏ...

ⵅⵎⵉ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⵏⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⵓⵔⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⴻⵏⵉ. ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵙⵡⴰⴻⵀⴰⵕ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵍⵉ ⵉⵍⵓⴼⴼⵔⵏ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵍⴻⵏⵉ ⵅⴼ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵍⵖ ⵜⵛⵎⵟⴰⵟⵉⵏ ⴰⵎⵏ ⵏⵜⵜⵉⵖⵉⵟ, ⵏⵜⵜⴷⴷⴰⵔ ⵣⴳ ⵓⵎⵥⵡⴰⵔⵓ ⵎⵉⵏ ⴷⴷⴰⵔⵏ ⴰⴹⴹⴰⵚ ⵣⴳ ⵢⵉⵍⴻⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⵏⵖ. ⵏⵜⵜⵄⴰⵡⴷ ⵉ ⵜⵉⵎⵙⵟⴰⵢⵉⵏ ⵍⵙⵏ ⴷ ⵜⵎⴳⴳⴰ ⵍⵙⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙⵏ. ⵅⵎⵉ ⵏⵜⴰⵔⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⵉⵏⴰⵙⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⵟⴱⴷⴰ ⵏⵜⵙⴰⵇⵙⴰ ⵉⵅⴼ ⵍⵖ ⵎⴰⵏⵉ ⵉⵜⵜ ⵏⵖⵔⴰ ⵣⴷⴰⵜ? ⵏⵙⵙⵓⵏⵓⵖ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵅⵏⴼⵓⴼ ⴷ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⴷⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵣⵟⵉ ⵏⵉⵖ ⴷⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ: ⵎⴰⵏⵉ ⵏⵥⵕⴰ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⴰ ⵣⴷⴰⵜ? ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵜⵎⵙⴰⵔ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵜⴷⵡⵟⵏⵜ ⵉⴷ ⵜⵉⵎⵙⵟⴰⵢⵉⵏ ⵍⵙ, ⵜⵎⵄⴰⵡⴰⴷⵏⵜ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵟⴱⴷⴰ ⵏⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵏⵜⵜⵃⴷⴰⵊⴰ ⵔⴰⵜⴰ ⵏ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⴷⴳ ⵜⵙⵓⵔⵉⴼⵉⵏ ⵉ ⵏⵓⴳⵓⵔ. ⵉⵃⴷⴰⵊ ⵎⵉⵏ ⵖⴰ ⵢⴰⵙⵏ ⴷ ⵖⵓⵔⵏⵖ ⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵄⴷⵓⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵡⵉⵖⵟ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵜⵜⵓ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵏⴰⵔⴰ. ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵛⵛⵉ ⵓⵔ ⵏⵜⵜⵄⴰⵡⵄⴷ ⵛⴰ ⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵢⵉⵍⴻⵏ, ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵜⵜⴷⴷⴰⵔ ⵔⴰ ⴷ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵍⵙⵏ. ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵉⵏⵜⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⴳ ⵓⵙⵢⵓⵔⵉ ⵍⵖ. ⵏⵜⵜⵄⵓⵎⵎⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵖⵣⵔ ⵍⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵍⵙ ⵉ ⴷⵉ ⵄⵓⵎⵎⵏ ⵢⵉⵍⴻⵏ. ⵙⵓⵢⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵎⵜⵜⵉ ⵛⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵓⵎⵉ ⵟⴱⴷⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵡⵍⵉ ⵖⴰ ⵢⴰⵔⵔⴰⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⵙ ⴷ ⵢⴰⵔⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵍⴻⵏⵉ.

ⵉⵄⴷⵓ ⵓⵎⴰⵟⴰⵙ ⵅⴼ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵟⵉⴷⵢⴰ.

ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵔⵉⵖ ⵜⵅⵢⵢⵉⵇⵖ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⵏⴳⵉⵎⵜ ⵜⵓⵖⴰ ⵙ ⵔⵙⴱⴰⴱ ⵍⵙ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵎⴰⵔⵔⵖ ⴷⵉ ⵎⵉⵏ ⴳⴳⵉⵖ. ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵢⵓⴷⴼ ⴰⵢⵉ ⵔⴳⴰⴻⴰⵕ ⴰⵥⴰⵢⴽⵓ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵏⵉⵖ ⴳⴳⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⴳⴳⴰ ⵙ ⵔⴳⴰⴻⴰⵕ ⵍⵙ ⵉⵕⵥⵏ. ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵣⴷⵖⵏⵜ ⴷⴰⵢⵏⵖ ⵜⵎⴳⴳⴰ ⵏ ⵡⵉⵍⵉⴻⵏⵉ ⴱⵟⴰ ⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵏ, ⵓⵛⴰ ⵏⴷⴼⴼⵔ ⵜⵉⵟⵉ ⵏⵉⵖ ⵔⴰⵜⴰ ⵏⵉⵖ ⵜⵓⵊⵊⵓⵜ. ⵛⴰ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏⵙⵎⵎⵃ ⴷⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⴷ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ ⵏⵉⵖ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵙⴷⵉⴷⵜ ⵜⵛⵏⴰ, ⵢⵓⵊⴰⵔ ⵎⴰⵔⴰ ⴰⴽⴷ ⵡⵍⵉ ⵏⵜⵜⵅⵙⵙⴰ, ⵓⵛⴰ ⵜⵓⵜⵜⴼ ⴰⵏⵖ ⵜⴰⴳⵕⵥⴰⵡⵜ ⴰⵎⵛ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵍⵉ ⵏⵛⵛ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵓⵎⵉ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⴷ ⵣⵉ ⵓⵥⵓⵕⵉ ⵏ ⵟⵉⴷⵢⴰ.

ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⴷⴷⵇⵍ ⵅⴰⴼⵉ. ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵙ ⵜⵟⵎⵀ ⴷⵉ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⴰⵎ ⵜⴰⵏⴷⴰⵛⵜ ⵢⵓⵏⵓⵀ ⴰⵙ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⵜⵏⴷⵔ ⴷⵉ ⵔⵡⵙⴹⴰ ⵏ ⵢⵉⵍⵍ ⵉⵙⵙⵓⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⵄⵜⵇ ⴰⵢⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴰⵖⵉ ⴷⵉ ⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ ⵣⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⵜⵓⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵢⵉ ⵎⴱⵔⵓⴽ ⵅⴼ ⵡⴰⵙⵙ ⵏ ⵜⵍⵓⵍⵉⵜ ⵉⵏⵓ. ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵡⵃⴷⵙ ⵉ ⵉⴽⵜⵜⵓⵏ ⵅⴼ ⴰⵍⵓⵍⵉ ⵉⵏⵓ. ⵏⵛⵛ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⵜⵜⵓⵖ ⵜ ⴰⴹⴹⴰⵟ ⵣⴳⴳⵯⴰⵎⵉ. ⵉⵔⴰ ⵜⵎⵍⵍⵉⵖ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⴰⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵡⴰⵍⵓ. ⵜⵓⵖⴰ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵜⵙⵍⵍⵉⵖ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵎⵉⵏ ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ. ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵏⵛⵛ ⵙⵔⵓⵙⵉⵖ ⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵓⵎⵉ ⵏⵙⴰⵍⴰ ⴰⵡⴰⵍ. ⵜⵙⵍⵉⵖ ⴰⵇⵇⴰⵙ ⵏⵏⵙ ⵉⵅⵛⵛ ⴷ, ⵉⴹⴹⴼ ⵜⴰⵡⵛⴽⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵏⵡⴰⵛⵉⵏ ⴷ ⵜⵉⵣⴳⵯⴰⵖⵉⵏ ⴰⴽⵉⴷⵙⵏⵜ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⵡⵔⵉⵇⵜ ⵜⴰⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵜ ⵜⵟⴱⵃ “ⵔⵄⵉⴷ ⵏⵏⴽ ⴷ ⴰⵎⵉⵎⵓⵏ, ⵎⴱⵔⵓⴽ ⵉⵅⵙⵙ ⵛⴽⴽ ⴰⴷ ⴽⵉⴷⵏⵖ ⵜⵎⵙⵙⵡⵀⴷ ⴷⵖⵢⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵙⵓⵊⴷ ⵎⵉⵏ ⵉⵔⴰⵣⵎⵏ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⴽ ⵖⴰⵔ ‘ⵍⵡⵉⵍⴰⵢⴰⵜ ⵍⵎⵓⵜⴰⵃⵉⴷⴰ ⵏ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ’...” ⵓⵛⴰ ⵔⴰⵖⵉⵖ ⴰⵙ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ, “ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵏⵏⵉⴷ ⵛⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵙⵙⵔⴽⴷ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵜⴰⵡⵛⴽⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵏⵡⴰⵛⵉⵏ. ⵜⵅⵅⵉⴷ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵔⵎⵣⵉⵢⴰⵜ ⵔⵓⵅⴰ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵀⵟⴰ ⵙ ⵜⵀⵟⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵍⴱⴷⴰ, ⵜⵡⵡⵀ ⴷ ⴰⵔ ⵉⵎⵥⵥⵓⵖⵏ ⵉⵏⵓ ⵣⵉ ⵜⵉⵍⵉⴼⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵓⵢⴱⵃ ⵏⵏⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⴼⵔⵃⵏ. “ⵏⵛⵛ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵜⵙⵙⵎⵙⴱⵀⵖ ⵊⴰⵔ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵓⴷⴷⵓⴽⵍⴰ ⴷ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ!”. ⵙⵙⵉⵡⵍⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⵄⴰⵡⴷ ⵎⵓⴹⴹⴰⴼⴰ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵏⵉⵖ ⵅⴼ ⵓⵎⵓⴷⴷⵓ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ. ⵓⴼⵉⵖ ⵜ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ ⵣⴷⴰⵜ, ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵓⵎⵉ ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵏⵏⵉ. ⵎⵟⴹⴰⴼⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⵟⴱⵃ. ⵉⵙⵙⵉⵖⴰ ⴰⴼⵓⵙ ⴰⴹⴹⴰⵟ. ⵓⵔ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⵓⵖⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵜ ⵣⴷⴰⵜ ⵓⵎⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⴷ ⵉⵎⵥⵥⵢⴰⵏⵏ. ⵉⴷⵡⵍ ⵉⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵖⴰ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⵡⴰⵙⵖⴰⵏ ⵍⴱⴷⴰ. ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵙⵚⴰ. ⵉⵜⵜⵀⵚⵕ ⵉⵡⵙⴰⵔ ⵙ ⵓⵄⵛⵎⵉⵔ ⵏⵏⵙ ⴰⵛⵎⵍⴰⵍ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵡⴰⵇⵓⴷ ⵏⵏⵙ. ⵔⴰⵜⴰ ⵏ ⵜⵙⴰⵍⵍⵉⵜ ⴷⴳ ⵓⵢⵏⴰⵔ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵔⵚⵉⴱⵜ ⴷ ⵔⵇⴰⵔ, ⴰⵔⵏⵉⵏ ⴰⵙ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵄⴷⵓⵏ ⵓⵙⵙⴰⵏ, ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵜⵜⴱⴷⴰⵍ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵜⵓⵖ ⵛⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵏⵏⵙ, ⵉⵜⵜⵖⵉⵍ ⴰⵢ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰ ⵄⴰⴷ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⵢⵉ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵣⵙⵙⴰ ⵛⴰ ⵅⵎⵉ ⴷ ⵜⵜⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ: ⵏⵜⵜⴰ, ⵣⴳ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵉⵎⵙⴰⵔ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⴷⴷⵍ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ ⴰ. ⵓⵔ ⴰⵔⵥⵥⵓⵖ ⵛⴰ ⴰⴷ ⵙⵉⵡⵍⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵔⵎⵉⵙⵖ ⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⴳⴳⴰ ⵙ ⵢⵉⵅⴼ ⵏ ⵢⵉⵊⵊ ⵏⵏⵉⵀⵏ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⴰⵎⵏⵉ, ⵉⴱⴱⵉⵔⵚ ⵙ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ, ⵉⴷⵡⵍ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴰⴳⴳⵯⴰⴷ, ⵉⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎ ⴷⵉ ⵔⵎⴰⵡⵜ ⴷ ⵓⵎⴰⵔⵔⴰⵜ ⵏ ⵓⵎⴹⵍ ⴷ ⵓⵙⵢⵓⵔⵉ ⵏⵏⵙ. ⵉⴷⵡⵍ ⵉⴷⴷⴰⵔ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ. ⵉⵎⵓⵏ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵙⵙⵉ ⵙⵓⵍⵍⴰⵎⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵏ ⵅⴰⵍⴰⴼⵉ ⴷⵉ ⵙⵉⴼⴰⵔ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴳⵓⵔ. ⵓⴼⵉⵖ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵜⵔⴰⵊ ⴰⵢⵉ, ⵎⴰⵏⵉⵙ ⵏⵜⵜⴷⴼ ⵖⴰⵔ ⵜⵙⵏⴱⴷⴰⴷⵜ ⵏⵏⵉ ⵢⵉⵔⵉⵡⵏ, ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⴱⴷⴷ ⵏⵛⵛ ⵇⵇⵉⵎⵖ

ⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵙⵓⵣⴰⵏ ⴷ ⴰⵊⵉⵍⵉⵏⴰ ⴷ ⴷⵓⵎⵉⵏⵉⴽ ⵉⵔⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵕⵓⵃⵉ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⴷ ⵜⵏⴷⴷⴰⵎ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⴷⵉ ⵍⵡⵉⵍⴰⵢⴰⵜ ⵍⵎⵓⵜⴰⵃⵉⴷⴰ ⴰⵎⵔⵉⴽⵉⵢⴰ. ⴰⴷ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵢⴰⵔ ⵎⴰⵕⵕⴰ. «ⵛⴽⴽ ⵜⵅⵙⴷ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⴷ ⴷⵉ ⵢⵓⵔ ⵏ ⵎⴰⵢⵓ» ⵉ ⵜⵏⵏⴰ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⴱⴷⴷ ⵅⴼ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵏⵏⵖ. ⵃⴰⵛⴰ ⴷⵓⵎⵉⵏⵉⴽ, ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴼⵔⴰⵃⵏ ⵎⵎ ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏⵏⵉ ⵉⴷⴷⴰⵔⵏ: “ⵓⵔⴰ ⴷ ⴰⴽⵓⴷ ⵏ ⵜⴰⴼⵙⵓⵜ ⵉⵛⵏⴰ ⵔⵃⴰⵔ ⴷⵉⵏⵏⵉ”. ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵍⵉⴷⵢⴰ: “ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵔⵉⵔ ⵏ ⵜⵍⴷⵔⴰⵔ ⴷ ⴰⵇⵓⴹⴰⴹ, ⴷⵖⵢⴰ ⵉⵜⵜⵅⵛⵛⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵓⵏⴱⴷⵓ ⵉⵣⵉⵔⴰⵔ ⴷⵅ ⵓⵣⵅⵏ ⴰⵏⵅⵅⴰⵔⵓ ⵏ ⵜⵍⴷⵔⴰⵔ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⵎⵙⴰⵔ ⵍⴱⴷⴰ ⴷⵉ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ”. ⴰⵎⴰⵛⵏⴰⵡ ⴰⵊⵉⵍⵉⵏⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ: “ⵎⴱⵔⵓⴽ ⵅⴼ ⵓⵙⵉⵊⵊⵉ ⵢⴰ. ⵡⴰⵀ ⴰⴷ ⵜⵕⴰⵃⵖⴷ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ, ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵍⵓⵍⵖ. ⵜⵇⴰⴹ ⴰⴽ ⵙ ⵜⴼⴼⴰⵃⵜ ⴰ ⵜⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵜ! ⴰⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⵏⵓ ⴷ ⵡⵓⵍ ⵉⵏⵓ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵙⵍⵍⵎ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⵉ ⵉⵛⵏⵉⵏ: “ⵍⴰⵢⵜⵍ ⵉⵜⴰⵍⵉ ⴷ ⵕⵇⵏⴹⴰⵕⵜ ⴱⵔⵓⴽⵍⵉⵏ ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ”. ⵅⵅⵉⵖ ⵎⵉⵏ ⵉⵃⴷⴰⵏ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵉⵏⵓ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵔⵓⵅⴰ ⵙⵙⵏⵖ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⵅⵅⵖ: ⵣⵉ ⴷⴰⵍⴱⵉⴷⴰ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵙⵜⵔⴷⴰⵎ, ‘ⴰⵎⵙⵜⵔⴷⴰⵎ – ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ’. ⴰⴷ ⵙⵙⴽⵖ ⵙⵎⵓⵙ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⴱⴷⴷⵏ ⵅⴼ ⵉⴹⴰⵕⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⴷ ⵡⴰⵙⵙ. ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ‘ⵙⵉⵢⴰⵜⵍ’ ⴷ ‘ⵙⴰⵏⵜⴰⴼⵉ’ ⴷⵉ ‘ⵏⵢⵓ ⵎⵉⴽⵙⵉⴽⵓ’, ⴷ ‘ⵙⴰⵏ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ’. ⵓⵛⴰ ‘ⴱⵓⵙⵟⵓⵏ’ ⴷ ‘ⵡⴰⵛⵉⵏⵟⵓⵏ’. ⴽⵓⵔⵛⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⴼⴰⵣ, ⵉⵡⵏⴷ ⵎⵍⵉⵃ. ⵓⵔ ⵔⴰⵏⵉⵖ ⵛⴰ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⵔⵅⴷⵏⵏⵉ ⴷⵉ ‘ⵎⵉⵜⵔⵓⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ’ ⴷ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵉⵅⵅⴰ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, “ⵀⵉ ⵎⴰⵏⵉ ⵜⵍⵍⵉⴷ? ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴽⴽ ⵜⵎⵓⴷⴷⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ”. ⵙⵓⵄⵍⵉⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵖⴰⵔⵙ. ⵉⵔⴰ ⵄⴰⴷ ⵜⴱⴷⴷ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⵜⵉⵙⵎⵇⵇⴰⵍⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵀⵡⴰⵏ ⴷ ⵅⴼ ⵜⵉⵏⵣⵔⵜ ⵏⵏⵙ. “ⵜⵏⵏⵉⴷ ⵜⵉⴷⵜ, ⵜⵓⵖⴰ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵓⴷⴼⵖ ⵖⴰⵔ ⴰⵙⴰⵍⴰⵢ ⵏⵏⵉ!”. ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⵛⴰ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵅⵅⵉⵖ, ⴷⵖⵢⴰ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵍⵉⴷⵢⴰ, ⴰⵎ ⵜⵏⵏⵉ ⵓⵏⵅⴰⵍ ⵏ (ⵍⵊⴰⵃⵉⵎ) ⵏ ⵀⴰⵏⵔⵉ ⴱⴰⵔⴱⵓⵙ.[1] ⴷⵖⵢⴰ ⵜⵖⵔⴰ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⵔⵉ ⵖⴰ ⴷⵉⵅⵔ ⵉⵏⵓ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⴷ ⵅⴰⴼⵉ ⵙ ⵍⵃⵙⵙ ⵣⵉ ⵜⵅⵓⴱⴰⵔ ⵏ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ, ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵙⴰⵊⵊⴰ ⵅⴼ ⵉⵎⴰⵏ ⵉⵏⵓ, ⵉⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵜⵔⵇⴼ ⴰⵢⵉ ⴷⵉ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵏⵏⵉ. ⵓⵎⵉ ⵅⵛⵛⵖ ⵖⴰⵔ ‘ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ’ ⵓⵎⵉ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵣⵅ ⵓⵎⵣⵡⴰⵔⵓ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⵅⵅⵉⵏ ⴽⵓⵔⵛⵉ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵢⴰⵙⵙⴰ ⵏⵏⵖ ⵓⵔ ⵉⵎⵜⵉⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵙ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵉ ⵉⵏⴷⴷⵓ ⵓⵍ ⵏⵏⵖ ⴷⵖⵢⴰ. ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵙⵖⵡⴰⵏ ⵓⵔ ⵖⴰⵔⵙⵏ ⴱⵓ ⵓⵙⵅⵏⴼⵓ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵖⴰ ⵜⵅⵅⴷ ⵎⵉⵏ ⵖⴰⴷ ⵜⵅⵅⴷ. ⵛⴰ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ, ⵉⵛⵇⵇⴰ ⵓⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵜⵜⴰⵊⵊⴰⵏⵜ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵜⵓⵄⵔ. ⵙⵙⵏⵖ: ⴰⵎⴰⵔⵉ ⵉⵜⵜⴰⵔⴰ, ⴰⵏⵛⵛⴰⴷ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⵉⵣⵍⴰⵏ, ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵉⵜⵜⵖⵏⵏⴰⵊ, ⴰⵎⵙⵓⵏ ⵏ ⵉⵙⵙⵓⵏⴰ. ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵜⵅⵅⵏ ⵎⴰⵏⵡⵢⵏⵏⵉ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵖⵔⴱⵏ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵉⵛⵇⵇⴰⵏ ⴷⵉ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ

ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵏ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵏ ⵙ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⵏⵏⵙⵏ. ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵏⵉⵖ ⵜⵉⴷⵜ ⵏⵏⴽ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵜⵙⵙⵓⴽⵍ ⵉⵜ ⵜⵓⴷⵔⵜ. ⵜⵜⵔⵓⵖ ⵍⴱⴷⴰ ⵅⵎⵉ ⵓⵔ ⵜⴰⴼⵖ ⵓⵎⵉ ⴰⴷ ⵄⴰⵡⴷⵖ ⵅⴼ ⵉⵢⵣⵣⵉⵎⵏ ⵉ ⵖⵓⵔⵉ ⴷⴳ ⵡⵓⵍ. ⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⴰⴼⵖ ⵔⵀⵉⴱⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵔ ⵜⵜⴰⴼⵖ ⴽⴰ ⵡⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⵙⵉⵖⵏ ⴰⴼⵓⵙ ⵏ ⵔⵃⵏⵓⵏⵏⵉⵜ. ⵏⴽⴽ ⴽⴰⵔⵀⵖ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⵣⵔⵖⵖ ⵣⵣⴰⵢⵙⵏ. ⴷⴳ ⵓⵙⵏⵙⵓ ⵏ 'ⴷⵉ ⵎⴰⴷⵉⵙⵓⵏ', ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴽⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⵏ ⵓⵟⵊⵊⵉ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ. ⵉⵇⵙⵙⵃ ⴰⴷ ⵜⵟⵟⵚⴷ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴷⵉ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⴰⴼ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵎⴰⵎⵎⴽ ⴰⴷ ⵉⵅⵅ ⵉ ⵢⵉⴹⵚ ⴷⴳ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵉⴷ ⵜⵜⴰⵙⴰⵏ. ⵔⴰ ⵅⵎⵉ ⵜⵡⵃⵍ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵙ ⵓⵙⴰⵔⵉ, ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵉⴽⴽ ⴼⴰⴼⵙ ⵉⴹⵚ. ⵜⵜⵇⵇⵉⵎⵉⵖ ⴹⵕⵕⵏⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵙⵓⵜ, ⵉⵔⵡⵍ ⴰⵢⵉ ⵉⴹⵚ. “ⵜⵉⵡⴽⴽⴰ ⴰⴷ ⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵎⵉⵜⵔⵓ ⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ, ⴰⴷ ⵙⵙⴽⵖ ⴰⵙⵙ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴷⵉⵏⵏⵉ”. ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵉⴷⵜ! ⵜⵉⴽⴽ ⴰⴽ ⴽⴰ ⵏ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴷ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵚⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵜⴰⴳⴰⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⵄⴷⵍ ⵜⵉⵎⵙⵍⴰⵢⵉⵏ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⴰⵅⵎⵉ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⴷⵉ ⴽⴰ ⵏ ⵙⵉⵏⵉⵎⴰ ⵉⵜⵜⴰⵙ ⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵣⵍⵍⵉⴼ ⵉⴼⵍⵉⵎⵏ ⴷ ⵜⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ. ⴰⵅⵎⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⵎⴰⵔⵜⵉⵏ ⵙⴽⵓⵔ ⵙⵉⵣⵉ. ⵏⵉⵖ ⴷ ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚ ⴽⵓⴱⵓⵍⴰ ⵏⵉⵖ ⴱⵍⴰⴽ ⵉⴷⵡⴰⵔⴷⵣ ⵏⵉⵖ ⵙⵉⵔⵊⵉ ⵍⵉⵢⵓⵏⵉ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴷⵉ ⴽⴰ ⵏ ⵓⵎⴽⴰⵏ ⵢⵓⵄⵍⴰ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵍⴽⴰⵎⵉⵔⴰⵜ, ⵎⵎⴰⵍⵏ ⵉ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵎⵎⴽ ⵉⵔⴰ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵅⵣⵣⵔⵖ ⴷⵀⴽⵖ ⴷⵉ ⵟⴰⴽⵙⵉⵢⴰⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵉⵎⵇⵇⵔⴰⵏⵉⵏ, ⵜⵉⵡⵔⴰⵖⵉⵏ. Yellow Cabs. ⵓⴽⴰ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵔⵓⴱⵢⵉⵔ ⴷⵉⵏⵉⵔⵓ, ⵉⵙⵍⵍⵃ ⴰⵎ ⴽⴰ ⵏ ⵓⵙⴷⵔⴰⵙ, ⴷⵉ «ⵜⴰⴽⵙⵉ ⴷⵔⴰⵢⴱⴰⵔ». ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ, ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ? “You talkin’to me?” ⴰⴹⵓ ⵉⵏⴷⴷⴰ, ⵜⴼⵓⴽⵜ ⵜⴹⵀⵕ ⵜⵓⴷⵙ. ⵔⵃⵎⵓ ⴷⴳ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵉⵏⵓ ⴰⵅⵎⵉ ⵙⵙⵉⵔⴷⵖ ⵙ ⵔⵎⵔⵃ. ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⴰⴼⵔⵉⵡⵏ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵔⵎⵙⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⵉ ⵜⵅⴰⵏⵜ ⴰ ⵏ ⵜⵙⵉⵎⵎⴰ ⴷ ⵣⵣⴰⵊ, ⴱⵍⵍⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉⵅⵣⵣⵔ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴱⴹⵉ ⵢⴰ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⵎⵓⵔⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⴰⴹⵀⴰⴽ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⴳⴰⵎⴰ ⵏⵏⵙ ⵖⴰⵔ ⴷⵉⴳⵔ ⵉⴳⴳⵯⵊⵊ ⵅⴼ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ. ⴰⵕⵣⵎⵖ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⵓⴽⴰ ⴷⵀⴽⵖ, ⵓⴽⴰ ⵇⵏⵖ ⵜⵏⵜ ⵓⴳⵓⵔⵖ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵙⵜⵎⵀⵉⴷⵖ, ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵡⴹⴹⴰⵕⵖ, ⵓⴽⴰ ⵜⵜⵓⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵓⵔ ⴷ ⵓⵙⵉⵖ ⴽⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵜⵓⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵔⵣⵓⵖ ⵅⴼ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ, ⵏⴽⴽ ⵣ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⴳⴰⵎⴰ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵓⵔ ⵜⵔⴰⵊⵉⵖ ⴽⴰ ⵙ ⵜⵏⵄⴰⴽⵉⵏ.. ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵙⵏⵜ ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ, ⴷ ⵉⴽⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵏ ⵜⵡⵓⵔⵉ ⵡⴰⵀⴰ! ⵎⴰⵢⵎⵎⵉ ⵓⵏⵓⴹ ⴰ ⵉⴷ ⴰⵏⵖ ⵉⵊⵊⵉⵏ ⴱⵍⴰ ⴽⴰ ⴷⵉ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ ⵏⵏⵖ? ⵔⵙⵡⴰⵇ ⴷ ⵉⵣⵉⵔⴰⵔⵏ ⵓⵔ ⴷ ⵜ ⵏⵃⴷⴷⵉⵏ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵓⵎⵎⴰⵔⵔⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⴱⵍⵍⵉ ⴰⵙⵙ ⴷ ⴰⵇⵓⴷⴰⴷ ⵅⴼ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵉ ⵏ 'ⵎⴰⵏⵀⴰⵜⵏ', ⴷ ⴱⵍⵍⵉ

1 Henri Barbus

ⵖⴰ ⵜⴰⵎⴷⴷⵉⵜ ⵉ ⵖⴰ ⵉⵙⴱⴷⴷⵏ ⵙⵙⵓⵇ ⴰ ⵉ ⴷⵉ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔⵖ ⵖⴰⵔ ‘ⵎⵉⵜⵔⵓⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ’. ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⵙ ⵓⵎⵉ ⵇⵇⴰⵕⵏ ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ, ⵓⴳⵓⵔⵖ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏⵏⵉ ⵏ ⵔⵀⵓⵔⴰⵏ, ⵜⵜⵙⵍⵉⵖ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵢⵓⴷⵙⵏ ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵏ. ⵔⴰ ⴷ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵇⴰ ⵜ ⵖⵓⵔⵉ ⴷⴳ ⵉⵎⵣⵣⵓⵖⵏ ⵉⵙⵅⴰⵛⵓⵛ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰⴽⴷ ⵔⵀⵉⵔⴰⵊ ⵏ ‘ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ’ ⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵎⵙⵍⵉⵜⵏ. ⴰⵎ ⵏⵛⵛ ⴰⵎ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ, ⴰⵣⵣⵍⵖ ⴷⴳ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ, ⵔⵡⵍⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵉⵍⵉ. ⴼⴼⵓⴷⵖ, ⴰⵏⵛⵓⵛⵏ ⵉⵏⵓ ⵓⵣⵖⵏ. ⴰⴽⴷ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵅⵎⵎⵖ ⴷⴳ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ ⵓⵎⵉ ⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵅⴼ ⵏ ‘ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ’. “ⵕⴰⵃⵖ ⴰⴽⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ, ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵢⵉ: “ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵢⴰⵍⵍⴰⵀ ⴰⴷ ⵏⵣⵣⵍ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⵏⵙⵢⴰⴼⴰ ⵛⴰ ⵙ ⵔⵓⵄⴰⵜ ⵏ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ”. ⵏⵛⵛ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵛⴰ ⵔⵓⵄⴰⵜ ⴰ ⵏⵛⵛ ⴳⴳⵓⵔⵖ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⴰ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵏⵛⵛ ⵜⵜⴰⵍⵍⵉⵖ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵍ ⵏ ‘ⵍⴰⵡⵙⵉⵜⴰ ⵎⵉⵜⵔⵓⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ’. ⴰⵍⴰⵎⵉ ⵉ ⴷ ⵄⴷⵓⵖ ⵅⴼ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⴱⵔⵉⴷⵏ ⴷ ⵔⵙⵡⴰⵇ. ⵙⵢⴰⴼⴰⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⴷⴷⵓⴽⵍⵜ ⵉⵏⵓ ⵣⵉ ⵎⵉⵍⵎⵉ, ⴰⵅⵎⵉ ⵣⵕⵉⵖ ⵜⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⵉⴼⵍⵉⵎⵏ, ⵖⵔⵉⵖ ⵅⴰⴼⵙ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⴷ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍⴰⵜ. ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⵙⴰⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵉⵔⴰ ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵙⵓⵎⵖ ⵙⵏⵏⵊ ⵉ «ⵍⵓⵍⴰⵎⴱ». ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ: ⴷⵉⴱⵓⵔⴰ ⵔⵓⵜ[1], ⵜⵏⵏⵉ ⵉⴳⴳⵉⵏ ⵅⴼ ⵓⵎⵙⵙⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵉⵡⴷⴰⵏ, ⴷⵉ ⴰⵙⴰⵍⵉ ⵏⵏⵉ. ⵜⵏⴷⵀ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴷⵍⵉⵙ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. “ⵙⴽⵓⵏ ⴰⵙⴰⵍⵉ ⵢⴰ ⵓⵎⵉ ⵙⴽⵓⵏ ⵜⴰⵙⴽⴰ ⵏⵏⵉ ⵢⵓⵄⵍⴰⵏ ⵉⵜⵜⴰⴷⴼⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵇⴰⵔⵏ ⵏ ⵡⵉⵙ ⵜⵣⴰ ⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵓⵎⵉ ⵜⴽⴽⵔ ⵜⵣⵓⵕⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵖ, ⵜⵙⵙⵏⵜⵉ ⴰⴽⴷ ⴽⴰⵔⵏⵉⵊⵉ ⵀⴰⵍ ⴷ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⴱⵓⵜⴰⵏⴽⵉⵍ ⵖⴰⴷⵔⵏ ... ⴷ ⵜⴰⴹⴰⴼⵜ ⵏ ⵜⵉⵍⵓⵍⵍⵉ!”. ⴰⵔⵔⵉⵖ ⵜⴰⵢⵏⵉⵜ ⵉ ⵜⵎⵟⵓⴹⵜ ⵏⵏⵉ, ⵔⵓⵜ, ⵜⵄⴷⵍ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ, ⵙ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵜⴰⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵜⵣⴳⵣⵡⵜ ⴷ ⵓⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵛⵎⵔⵓⵇ ⵉⵃⴷⵇ. ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵢⵉ ⴷ ⴰⵍⴽⴰⵙ ⵏ ⵔⵇⵀⵡⴰ. ⵖⴰⵔⵙ ⵄⵍⴰⵢⵏ ⵚⴹⵉⵚ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ. ⵜⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⴷⵃⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵙⵉⵏ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⵅⴼ ⵓⵙⵉⵊⵊⵉ ⴰ ⵏⵏⵙ ⵉⵙⵙⵉⵜⵎ ⴰⴷ ⵜⵄⴷⵓ ⵎⵍⵉⵃ. ⴳⴳⵉⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵎⵃⴷⵖ ⴷⴰⵜ ⵏⵏⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⵡⵊⴷⵖ ⴰ ⴷⴰⵢⵉ ⵜⵉⵏⵏⵉ ⵎⵉⵏ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵜⵜⵙⵙⵏⵀⵣⵣⴰ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏⵏⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵃⵎⴰ ⵓⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵜⵜⵇⵇⵙ ⵔⵃⴰⵔ ⵙ ⵓⵏⵖⵎⵉⵙ ⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⴷⵇ: « ⵇⴰ ⴰⵏⵎⵀⴰⵍ ⵏ ⴰⵙⴰⵍⴰⵢ, ⴱⵉⵍ ⵍⵉⴱⵉⵔⵎⴰⵏ[2] ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ, ⵉⵏⵏⴰ ⴰⴽ ⵙⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⴹⵀⵕ ⴰⵙ ⴷ ⴰⵡⵓⵔⵉ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ. ⵉⵊⵊⴰ ⴰⴽ ⴽⴰⵟⴰⵍⵓⴳ ⴰ ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴷⴳ ⴰⵙⴰⵍⴰⵢⴰ.» ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵍⵓⴳ ⴰⵚⴱⵃ, ⵢⵓⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵅⴼ ⵜⴼⵔⵉⵡⵜ. “ⵙⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⴰ ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵉⵄⵣⵣⵏ, ⵓⵎⵉ ⵓⵔ ⴰⴽⵉⴷⴰⴽ ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ. ⵍⴽⴰⵜⴰⵍⵓⴳ ⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵜⵉⵡⵍⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⴰⵍⵉⵙ

1 deborah Roth
2 Bill Libermen+

ⴹⵓⴽⵃⴰⵙ. ⵙⵙⵉⵜⵉⵎⵖ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵙⵄⵄⴰⵜ ⵍⴻⵏⵉⵜ!". ⵙⴷⴵⵉⵖ ⴰⵃⴰⵎⵉ ⴷⴻⵖ, ⵍⵉⵖ ⴰⵙ: "ⵏⴳⴳⴰ ⵔⵎⵉⵊⴰⵔ ⵣⵉ ⵕⵕⴱⴰⴹ ⴷ ⵙⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵣⵉ ⵡⴰⵛⵉⵏⴹⵓⵏ, ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵉⵢⵓⵔⵏ, ⴰ ⵔⴰⵃⵃⴰ". ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵛⵡⴰⵢ ⵛⵡⴰⵢ:

"ⵡⴰⵀ! ⴰ ⵙⵉⴷⵉ ⵎⴰⵛⴰ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⵣⵣⴰⴳⵣ, ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⵔⴳⴰⴻⴰⵕ ⵍⵙ!". ⵡⴰⵅⵅⴰ, ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ ⵍⴻⵏⵉ? ⵏⵛⵛ ⵜⵓⵖⴰ ⴰⵔⵣⵣⵓⵖ ⴷⵉ ⵜⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵃⵓⴳ ⵉ ⵖⴰⵔⵉ ⴷⴳ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ. ⵅⵣⵣⵔⵖ ⵜⵉⵡⵃⴰⴼⵉⵏ ⵏ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⵏ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵊⴰⵔ ⵉⵙⴳⴳⵯⴰⵙⵏ ⵏ 1895–1950ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵜⴰⵎⴹⴹⵓⴻⵜ ⵍⵉ, ⴱⵃⵃⵉ ⵔⴰ ⴷ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⵛⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⴷⵉ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⴰ ⴷⴳ ⵢⵓⵔ ⵍⵉ. ⵎⴰⵏⴰⵢⵍⵉ? ⵎⵉⵏ ⵜⵍⵉⴷ? ⴰⵎⵛ ⵜⵙⵃⵉⴷ, ⵏⵙⴽⴽ ⵉⵜⵜ ⴰ ⵙⵉⴷⵉ, ⵖⴰⵔ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⵏ ‘ⵃⵓⵏⴷⵓⵏ’ ⴵⵎⴰ ⴰⴷ ⵏⵙⵎⵓⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵔⵡⵉⴵⵉⵏ ⵏ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷ ⵎⴰⵜⵉⵙ. ⴱⵃⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⵜⵖⵔⵉⴷ ⵅⴼ ⴷⴳ ⵉⵏⵖⵎⴰⵙ! ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⴱⵃⵃⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⴷⴷⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⵓⴳⵉ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵣⴼ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵜⵓⵖⴰ ⵖⴰⵔⵙ ⵜⵉⵔⵡⵉⴵⵉⵏ ⵍⵙⵏ. ⵜⵓⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙⵏ ⵉⴷⵃⵉⵙⵏ. ⴰⵎⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⴷ, ⵏⵛⵛⵉⵏ ⵖⴰⵔⵏⵖ ⴰⵎⵟⴰⵡⴰⴻ ⴰⴽⴷ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⵏ ‘ⵃⵓⵏⴷⵓⵏ’. ⵔⴰ ⴷ ⵜⴰⵙⵏⵙⴷⴰⴷⵜ ⵏ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⵍⵖ ⵓⵔ ⵜⵣⵎⵎⵔ ⴰⴷ ⵜⴽⴽⵙ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵎⵙⵃⴰⵢⵜ ⵉ ⵓⵎⵟⴰⵡⴰⴻ ⴰ! ⵛⴽⴽ ⵜⵙⵙⵏⴷ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢ ⴰ! ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵙⵜⵎⵀⴷⵖ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⵡⴰⵢⵜ, ⵜⴰⵎⴹⴹⵓⴻⵜ ⵍⵉ ⵜⵅⵣⵣⵔ ⴷⴰⵢⵉ ⵎⵉⵏ ⴰⴷ ⴳⴳⵖ. ⵓⵛⴰ ⵜⵍⴰ ⵢⵉ: ⴱⵃⵃⵉ ⵜⴰⵔⵡⵉⴵⵜ ⵍⵉ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵃ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵢⵓⵔ ⴰ. ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵃⵓⵏⴷⵓⵏ ⴰⴷ ⵉⵎⵎⵓⵜⵉ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵣⵣⴰⵢⵙ ⵖⴰⵔ ⴰⵎⵙⵜⵔⴷⴰⵎ, ⴷ ⵙⴰⵏ ⴱⵉⵜⵔⵙⵙⴱⵓⵔⵖ, ⵎⴰⵛⴰ ⵜⴰⵔⵡⵉⴵⵜ ⵍⵖ ⴰⴷ ⵜⵡⴰⵎⵎⵃ ⵖⴰ ⴷⵉ ⵃⵓⵏⴷⵓⵏ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴰⵔⵔⴰ. ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵇⵇⵉⵎⴷ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⴰⵔ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵢⵓⵔ ⴰⴷ ⵜⵜⴰⴼⴷ ⵜⵜ ⴷⴰ, ⴰⴷ ⵜⵅⵣⵔⴷ ⵜ ⵖⴰ ⴰⴷ ⵜⵡⵡⴻ ⴷ ⵖⵓⵔⵏⵖ!». ⵉⵔⴰ ⴰⴳⵎⵉ ⵜⵍⵓⵎ ⴰⴽⴷ ⵉⵏⵖⵎⵉⵙⵏ ⴰ ⵏ ⵉⵅⵢⵢⵉⵇⵏ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵢⵉ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵊⵡⴰ ⴷ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵜⵍⴰ ⵢⵉ ⴱⵃⵃⵉ ⴷⴰⵢⵙ ⴽⵕⴰⴻ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ ⵅⴼ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵜⵙⵙⵇⵙ ⴰⵢⵉ ⵎⴰ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵙⴰⵔⵉⵖ ⵛⴰ ⵏ ⵓⵎⵓⵛⴰⵏ ⴷⵉ ⵓⵙⴰⵃⴰⵢ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵉⴽⵉⴷⵉ ⵜⵎⵓⵏ. ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵅⴼ ⵔⴳⵉⵔ ⵍⵙ. ⵙⵙⵇⵙⵉⵖ ⵜⵜ ⵎⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵣⵉ ⵡⴰⵏⴳⵃⵉⵣ, ⵏⵉⵖ ⵔⴰⵙⵔ ⵍⵙ ⵙⵍⵉ? ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⴷⴰⵎⵎⵏ ⵍⵙ ⴷ ⵉⵟⵎⵎⴰⴻⵏ!» ⵓⵛⴰ ⵍⵉⵖ ⴰⵙ ⵎⴰⵔⴰ ⵜⵅⵙⵙⴷ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵜⵎⵓⵏ ⵖⴰ ⵖⴰⵔ ⵓⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵏⵉ ⴰⵇⴰ ⵜ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. «ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵙ ⵔⴼⵔⴰⴵⵜ» ⵓⵛⴰ ⵏⴷⵡⵃ ⵖⴰⵔ ⵙⵙⵔⵙⵓⵔ .ⵜⵓⴳⵓⵔ ⴰⴽⵉⴷⵉ ⵜⴰⵎⴹⴹⵓⴻⵜ ⵍⵉ, ⵔⵓⵜ, ⵛⴰ ⵏ ⵉⵙⵓⵔⵉⴼⵏ ⴷⵉ ⵜⵙⴽⴽⴰ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ. ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵙⵎⵃ ⴰⵢⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵕⴵⵉⴻ ⴷ ⴰⴷⵎⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⵙⴰⵃⵓⵏ ⵍⵉ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ. ⵙⵙⴽⵏⵖ ⴰⵙ ⵙ ⵓⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵄⴰⵡⴷ ⴵⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵉⵏⵉⵖ ⵄⴰⴼⴰⴽ, ⵅⴼ ⵎⵉⵏ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⴽⵉⴷⵉ. ⵜⴻⵀⵕ ⴷⵉ ⵜⵔⵙⵡⴰⵢⵜ ⵍⵙ ⵜⴰⵣⴳⴳⵯⵣⴰⵜ, ⵜⴰⵣⴷⴰⵜ, ⵜⵎⵓⴷⵔⵓⵙⵜ ⴰⵎ ⵜⴰⴻⴰⴼⵜ ⵏ ⵜⵃⵓⵃⵃⵉ.

ⵅⵎⵎⵖ ⴷⵉ ⵕⴳⵉⴹ ⵍⵉ ⴰⴷⵎⵎⴰⵏ, ⴰⵥⵉⵔⴰⵔ. ⵅⵥⵥⵔⵖ ⵎⴰ ⴷⵉⵍⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵜⵔⵡⵉⴳⵉⵏ ⵓⵔ ⵜⵏⵜ ⵜⵡⵉⵔⵉⵖ, ⵏⵉⵖ ⴷⵉⵍⵉ ⵛⴰ ⵜⴼⵔⵉⵙⵜ ⴷⵅ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵜⵍⵉ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴰⵔ ⴰⴷ ⵜⴷⵡⵄ. ⵎⴰⵛⴰ ⵕⴳⵉⴹ ⵍⵉ ⵓⴼⵉⵖ ⵜ ⵉⵅⵡⴰ, ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵏⵅⵔⵃ ⵖ, ⵙⵢⴰⴼⵖ ⴰⵅⵎⵉ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵉⵏⵓ ⵉⵅⵡⴰ. ⵖⵉⵄⵖ ⵉⵇⴹⴰ ⴰⵎⵓⴷⴷⵓ ⵉⵏⵓ ⴷⵉ ⴱⴷⴷⵓ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵕⴰⴳⵖ ⵙⵍⵉ ⵍⵛ ⵅⵥⵥⵔⵖ ⴷⵅ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵏⵓ ⵡⴰⵄⵓ ⴷⴰⵢⵙⵏ, ⴷⴹⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵓⵔ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⴼⵓⵙ ⵉⵏⵓ ⵉⵃⵟⵟⴰⵔⵏ ⵅⴼ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵓⴷⵄⵉⵙ ⵏ ⵎⵓⴳⵎⵎⴷ. ⵜⴰⵎⵓⵇⵔⵉⵙⵜ ⴷⴰⵢⵉ ⵉ ⵜⵍⴰ ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⵎⵙⴰⵙⴰ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⵉⵏⵓ ⴰⴽⴷ ⵓⴽⵜⵜⴰⵢ, ⵏⵉⵖ ⴰⴽⴷ ⵓⵅⵎⵎⵓⵎ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ ⴳⴷⵊⵖ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵄⴰⵢⵜ ⵜⴰⵎⵣⵡⴰⵔⵓⵜ ⵏ ⵜⵉⵔⵔⴰ. ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⵃⴰⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵜⵢⴰⵡⴰⵍⵜ ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵚⴱⴰⵕ ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵔⵣⵣⵓ ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵓⵙⵄⵉ, ⴷ ⵛⵡⴰⵢ ⵏ ⵓⵙⵀⵡⵉ, ⴷ ⵓⵚⵖⴷⵉ...ⴷ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵜⵓⵙⵙⵏⴰ!

ⵀⵡⵉⵖ ⴰⴷ ⴰⴽⴷ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ, ⴰⵎ ⵛⴰ ⵏ ⵓⴳⴰⵔⵎⵓⵛ ⵉⵜⵜⵉⵔⴰⵔ ⴷⵉ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ ⵏ ⵊⵡⴰⵔⵏ. ⵛⴰ ⵏ ⴽⵓⵣ ⵏ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ ⴷ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵜⵉⵛⵄⵉ. ⵃⴰⵡⴷ ⵙⵎⵓⵙ ⵏ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ ⵓⵛⴰ ⴰⴷ ⵜⵙⵔⵉⴷ ⴷⵅ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵍⴹⵏⵉ ⵢⵓⵃⵄⴰ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⴷ ⵉⵜⵜⵙⵓⵅⵅⵏ ⴷ ⵉⵎⵙⴰⵔⴰⵏ. ⵃⴰⵡⴷ ⴽⵓⵣⵣ ⵏ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ, ⵀⵡⵉⵖ ⵍⵛ ⵜⵜⴳⵙⴰⴱⵖ ⵉⵙⴽⴽⵯⴼⴰⵄ ⵉⵛⵜ ⵙ ⵢⵉⵛⵜ, ⵍⵛ ⵅⵥⵥⵔⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵣⵕⵓ ⵍⵙⵏⵜ, ⴷ ⴰⵎⵖⴷⵓⴷⴷⵉ, ⵉⵖⵥⴰ ⵎⵉⵄⴳ ⴰⵎ ⵓⵣⵕⵓ ⵏ ⵔⵓⵎⴰⵏ. ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵅⵛⵛⵖ ⵖⴰⵔ ⵓⴱⵔⵉⴷ, ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵜⵜⵓⵅⵓⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵙⵙⵓⵏⵖⵏ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⴷ ⵡⵉⵍⵉ ⵉⵥⵥⵏⵥⴰⵏ ⵉⵡⵄⴰⴼⵏ ⴷ ⵜⵎⵙⵄⴰⵢⵉⵏ ⵍⵉ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴹ ⴷ ⵔⵙⵙⵓⴽ, ⵜⵡⴰⵅⵅⵏⵜ ⵙ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵉⵙⵙⵏ ⴰⵎ ⵉⴼⴰⵙⵙⵏ ⵏ ‘ⵛⵛⵉⵏⴰ’. ⵙⴱⴷⴷⵖ ⵛⵡⴰⵢⵜ ⵖⴰⵔ ⵉⵊⵏ ⵏ ⵓⵙⴰⵔⵔⵙⵉⵡ ⵏ ⵟⴰⴽⵔⵙⵉⵢⴰⵜ ⵜⵉⵡⵔⴰⵖⵉⵏ ⵏ ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ ⵙⵟⴰⵡⵏⵜ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ.ⵜⵜⴹⵀⵕⵏⵜ ⴽⵜⴰ ⵣⵉ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏⴰⵜ ⵜⵍⴹⵏⵉ. ⵜⵎⴳⵉⵣⵡⴰⵔⵏⵜ ⴷⵅ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵍⵉ ⴰⵎⵉⵔⵉⵡ. ⴰⵅⵏⴼⵓⴼ ⵏ ⵎⵓⴳⵎⵎⴷ ⵉⵃⴷⴷⵓⴷ ⵊⴰⵔ ⵜⵉⵟⵟⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ ⴷⵅ ⵢⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵙ ⵜⴹⵚⴰ ⵍⵙ ⵜⴰⵥⴰⵢⴽⵓⵜ ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ ⴷ ⵡⴰⵡⴰⵄ ⵉ ⵜⵓⵖⴰⵏⵜⵜⵍⴰ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⴷⵅ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵔⵇⵀⵡⴰ ⵏ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⴷⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵉⵎⵙⴱⵔⵉⴷⵏ ⵜⵜⵓⵅⵓⵔⵏ ⵜⵜⵎⴳⵉⵣⵡⴰⵔⵏ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵎⴳⵉⵣⵡⴰⵔⵏ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵙⵔⴰⵅⵜ. ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵉⵅⵏⴼⵓⴼⵏ ⴷ ⵜⴼⵔⴰⵙ ⴷ ⵡⵉⵍⵉⵜⵏ ⴷ ⵔⵅⵏⵓⵙ ⴷ ⵜⵓⵜⵄⴰⵢⵉⵏ ⵣⵉ ⵄⵇⴰⵕⵕⴰⵜ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵖⵔⵉⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⵅⴼ ⴱⴰⴱⵉⵄ. ⵔⵓⵅⴰ ⵍⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵜ ⴷⴰ ⴷⵉ ‘ⵎⴰⵏⵀⴰⵜⵟⵏ’, ⴷⴰ ⴷⵉ ‘ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ’. ⵓⵛⴰ ⵜⵚⴹⵉⵖ ⴰⵟⵟⴰⵚ ⴰⵄⴰⵎⵉ ⵅⵥⵔⵏ ⴷ ⵖⴰⵔⵉ ⵛⴰ ⵏ ⵉⵎⵙⴱⵔⵉⴷⵏ, ⵙⵜⵎⵀⴷⵏ ⴷⴰⵢⵉ. ⵀⵥⵖ ⴰⵙ ⵙ ⵉⴹⵓⴹⴰ ⵉⵏⵓ, ⵏⵜⵜⴰ ⵃⴰⵡⴷ ⵉⵙⵙⵓⵃⵄⴰ ⵉⴹⵓⴹⴰ ⵍⵙ. ⵓⵛⴰ ⵅⵅⵉⵖ ⴰⵙ ⵙⵄⴰⵎ ⵏ ⵉⵙⴷⵔⴰⵙ, ⴰⵎⵍⵉ ⵉ ⵍⵓⵎⵖ ⵜⵜⵅⵅⵖ ⵣⴷⴰⵜ.ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⴷⵅ ⵓⵙⵇⵙⵉ ⵉⵏⵓ, ⵉⵙⵏⵅⵔⴰⵃⵏ, “ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵜⴰ, ⴰ ⴱⴱⴰ ⵎⵓⴳⵎⵎⴷ ⵉ ⵜⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵍⵉ, ⵜⵎⵓⵅⴷⵉⵔⵜ, ⵉ ⵅⵅⵉⵏ ⴰⵎ ⵓⵔⵅⴰⵣ?”. ⵀⴰ ... ⵀⴰ ... ⵀⴰ! ⵀⵉ ⵛⴽⴽ, ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵜⵙⵢⵓⵔⵉⴷ ⵖⴰⵔ ⵓⵏⵅⵅⴰⵔⵓ? ⵓⵛⴰ

ⵙⴱⴷⴷⵉⵖ ⵜ. “ⵙⵇⴰⵔ, ⵙⵇⴰⵔ ⴰ ⵢⴰⵔⴳⴰⵣ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⴷ ⴰⵔⵃⵎⵜ, ⵜⴰⵔⵙⵙⴰ, ⵜⴰⵟⴱⵃⴰⵏⵜ ⵅⴼ ⵜⵏⵏⵉ ⵏⵏⴽ ⵎⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ ⵜⵉⵎⴳⵙⴰ ⵉⵏⵓ ⵓⵔ ⴼⵔⵉⵣⵏⵜ, ⵓⵔ ⵉⵔⵉⵏⵜ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ. ⵏⵏⵛ ⴷ ⵔⴼⴹⵃⵜ!”. ⵜⵉⵇⵇⵖ ⵜⵜ ⵏⵛⵛ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵜ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵡⵉⵙ ⵙⵎⵎⵓⵙ. ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵓⵙⴷⵉⴷⵜ ⵔⵉⵖ ⵅⵙⵙⵖ ⴰⴷ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⴰ. ⵜⵜⵅⵎⵎⵉⵎⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⴰⵎⵙⵍⴰⵢⵜ ⵜⵀⵡⵏ ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍ. ⵎⴰⵛⴰ ⵔⵓⴳⴰ ⵙ ⵔⵎⵇⵔⵓⴱ, ⵉⵅⵙⵙ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵎⴰⵔⵔⵜⵖ ⴰⴽⴷ ⵜⵉⵔⵔⴰ ⵏ ⵓⴷⵍⵉⵙ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵉ ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵣⴷⴰⵜ ⵉ ⵜⵉⵕⵕⴰⵡⵉⵏ ⵉⵏⵓ. ⵙⵡⵉⵏⴳⵉⵎⵖ ⴷⵉ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ, ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ ⵜ, ⵓⵔ ⴳⴳⵉⵖ ⵛⵛⴰⵏ ⵉ ⵃⴷⴷ, ⵓⵔⴰ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵙⵍⴰⵢⵜ. ⵙ ⵜⵉⴷⵜ! ⵜⵙⵙⵉⵖ ⴰⵢⵉ ⴰⴼⵓⵙ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵍⵜⵎⴰⵏ ⵉⵄⵉⵣⵣⵏ. ⵉⵔⵉ ⵓⵔ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴷ ⵉⴹⵓⴹⵏ ⵏⵏⵙ ⵅⴼ ⴱⵢⴰⵏⵓ, ⴷ ⵜⵍⵖⵖ ⵏⵏⵙⵏ ⵅⴼ ⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⵉⵏⵓ ⵉⵔⵉ ⵓⵔ ⵜ ⵓⵔⵉⵖ ⵛⴰ. ⴷ ⴰⵎⵙⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉⴼⵔⴰⵃⵏ, ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵜⵖⵏⵏⴰⵊ ⴰⵢⵉ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ «ⴱⵉⵙⵉ ⵙⵎⵉ»[1]. “ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵢⵏⵜ ⵡⴰⵎⴰⵏ, ⵓⵔ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⵛⴰ ⴰⴷ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⴷⴰⵏⵉⵜⵉⵏ ⵄⴰⴷ ⴽⵜⴰ”[2]. ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ ⵉⵜⵜⴰⵡⵉ ⴰⵙ ⴷ ⵉⵎⵕⵕⴰⵡⵏ! ⵜⵜⴳⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵔⴼⴹⵉⵃⵜ. ⵉⵣⵍⵉ ⵏ ⵢⵉⵊⵓⵡⵡⵉ ⵉⵊⵀⴷ, ⵜⵊⵊⴰ ⴰⵙⵢⵏⵓ ⴷⴳ ⵓⵊⵏⵏⴰ. ⵜⵇⵍⵍⵄ ⵜⴰⵡⵡⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔ, ⵜⴰⵡⵉ ⴰⴽⵉⴷⵙ ⴽⵓⵔⵛⵉ. ⵔⴰ ⴷ ⵏⵛⵛ ⵅⵙⵙⵖ ⵉⵣⵍⵉ ⵏⵏⵉ. ⵜⴷⵡⵍ ⵜⵜⴳⴳ ⵣⵣⴰⵢⵏⵖ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵣⴰⵡⵏ ⵉⵙⵔⵓ ⵍⵉⴷⵢⴰ. ⵏⵛⵛ ⵎⵙⵃⵖ ⴰⵙ ⵉⵎⵕⵕⴰⵡⵏ, ⵙⵔⵓⴼⵖ ⵉ ⵉⵖⵉⵍⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵃⵣⵣⵓⴹⵏ, ⴹⴼⵖ ⴰⵙ ⴷⴳ ⵓⴼⵓⵙ, ⵏⴷⵀⵖ ⵜⵜ ⵖⴰⵔ ⵓⵅⵅⴰⵎ ⵏⵏⴹⵏⵉ, ⵓⵛⴰ ⵏⵙⵙⵅⵙⴰⵢ ⵜⴼⴰⵡⵜ.

ⵖⴰ ⵉⵅⵛⵛ ⴷ ⴰⵍⴰⵡⴰⵢ ⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵎⵓⵔⵜ, «ⵙⴰⴱⵡⴰⵢ» ⴷⴳ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏ ⵙⴰⵙ ⵖⴰⵔ ⴰⵙⵏⵇⵔ ⵏ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ[3] ⵓⵛⴰ ⵖⵍⵢⵖ ⴷⴰⵢⵙ, ⵕⵕⴼⵖ ⴰⵎⵛⴰⵏ ⴰⵎⵣⵡⴰⵔ ⵉ ⵓⴼⵉⵖ ⵉⵅⵡⴰ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⵙ ⵛⴰ ⵏ ⵔⵓⵃⵔⴰⵜ ⵜⴰⵟⴱⵃⴰⵏⵜ. ⴷⴳ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵙⵙⵏⵖ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵏⵛ ⵉⵔⵉⵇⵇ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ. ⵙⵢⴰⴼⵖ ⵙ ⴰⵔⴰⵃⵜ ⵉⵏⵓ. ⵙⵙⵓⴼⴼⵖⵖ ⴷ ⵓⵏⴳⴰⵏ «ⵔⵀⵓⵔⵏ ⴷ ⵊⵊⵀⴷ» ⵏⵏⵉⵖ ⴰⴷ ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵜⵖⵓⵔⵉ ⵎⵏⵉ ⴹⴼⵟⵖ ⵜⴰⴼⵔⵉⵡⵜ ⵖⴰⵔ ⵜⵓⴼⴼⵓⵜ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ ⴰ. ⵏⵛⵛ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⴼⵓⵍⴽⵏⵔ ⴰⵎⵔⵉⴽⵉ ⵢⴰ ⴰⵎⵇⵇⵔⴰⵏ. ⵡⴰ ⴰⴽ ⵉⵊⵊ ⴰⴷ ⵜⵜⵅⵙⵙ ⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵜⵉⵡⵉⵏⴰⵙⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵜⵉⵣⵉⵔⴰⵔⵉⵏ, ⵙⴰⵃⴰⵔⴰⵏⵜ ⵛⴰ ⵣⵉ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵙⵙⵏⵜⵉⵖ ⵜⵜⵉⵏⵉⵖ, ⵓⵛⴰ ⵜⵙⵍⵍⵉⵖ ⵉ ⴽⵓⵏⵜⵏ, ⵏⵜⵜⴰ ⵉⵜⵜⵄⴰⵡⴰⴷ ⵉ ⵎⵉⵏ ⵉⵜⵜⵙⵍⵍⴰ ⴱⴰⴱⴰⵙ ⵉⵜⵜⵏⵏⴰ: “ⵓⵔ ⵜⵜⵉⵛ ⵛⴰ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⴽ ⵉ ⵔⵎⵃⴰⵢⵏ ⵏ ⵡⴰⴽⵓⴷ. ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵓⵔ ⵢⴰⵔⴱⵃ ⵙ ⵉⵎⴳⵓⵎⴱⵔ, ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⴱⴰⴱⴰ. ⵓⵔ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵎⴰ ⵉⵎⵏⵖ ⴷⵉ ⵔⴱⴰⵔⵓⴹ. ⵉⵎⵏⵖⴰⵏ ⵎⵎⴰⵍⵏ ⵉ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵃⴰ ⴼⴰⵇⵛⵖⵔ ⴷ ⵓⵇⴹⴰⵄ ⵏ ⵔⴰⵢⴰⵙ.

1 Bessie Smith
2 My house fell down, and I can’t live there no more
3 Lexington Avenue line

ⵜⴰⵔⵏⵉⵜ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵅⴰⵢⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⵏ ⴼⴰⵞⴰⵙⵉⴼⴰ ⴷ ⵉⵏⵀⴱⴰⵔ“. ⵢⵓⵍⵓⴹ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⴰⵞⴰⵡⴰⵢ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⵎⵓⵔⵜ, ⵓⴽⴰ ⵙⵢⴰⴼⵖ ⵙ ⴽⴰ ⵏ ⴷⴷⴰⴱ. ⴰⵅⵎⵉ ⴳⴳⵓⵔⵖ ⵖⴰⵔ ⴽⴰ ⵏ ⵓⵎⴽⴰⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ! ⵎⴰ ⵓⵎⵉ ⵓⵃⵞⵖ, ⵓⵔⴰ ⵣⵉ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵏ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵉⵏⵓ ⴷⴳ ⵉⴼⵞⵉⵎⵏ ⵏ ⵓⵅⴰⵢⵔ ⴷⵉ ⵙⵓⵞⵉⵎⴰ. ⵓⵔⴰ ⵙ ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵞⴰⵡⴰⵢ ⵍⵉ ⵏ ⵙⴰⴷⵓ ⵏ ⵜⵎⵓⵔⵜ, ⴷ ⵉⵍⵉ ⵍⵙ ⵏ ⵍⵓⵇⴰⵔⵜ, ⴷ ⵉⵖⵓⵢⵢⴰⵏ ⵍⵙ ⵙ ⵊⵀⴷ, ⴰⵎ ⴽⴰ ⵉⵟⵟⴰⵡ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ. ⵓⵔ ⵙⵙⵏⵖ ⴽⴰ ⵎⴰ ⵄⴰⴷ ⵅⵣⵔⵖ ⵣⵉ ⵜⴱⵓⵔⵊⵜ ⵏ ⵙⴰⴱⵡⴰⵢ ⵏⵉⵖ ⵉⴽⴽⴰ ⵅⴰⴼⵉ ⴽⴰ ⵏ ⵢⵉⴹⵚ ⵉⵔⴷ. ⵓⵎⵉ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ. ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜ ⴷⵉⵍⵉ ⵊⴰⵔ ⵉⵎⵏⴰⵢⵏ ⵏ ⴰⵞⴰⵡⴰⵢ ⵍⵉ ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵢⵙⵉⵏ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⴷⵉ ⵜⵉⵔⵉ ⵍⵉ ⵉⴳⴳⵯⵊⵊ. ⴷⴳ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ ⵍⵉ ⵜ ⵜⵓⵣⵣⴳⵣⵓⵜ, ⵉⵎⵃⴷ ⵅⴼ ⵓⵄⵔⵓⵔ ⵍⵙ. ⵜⵏⴹⵓ ⵅⴰⴼⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙ ⵉⴷⵎⴰⵔⵏ ⵍⵙ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ. ⵜⵙⴰⵔ ⴷ ⵅⴰⴼⵙ ⵣⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵉⵏⵉ ⵄⴰⴼⴰⴽ ⵉ ⵜⵎⵓⵔⵜ. ⵄⴰⵡⴷ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵜ ⵜⴽⴽⴰⵔ, ⵜⵜⴰⵊⵊⴰ ⵜ ⴰⵎ ⵜⵉⴼⵉⵙⵜ ⵜⵙⵎⵃ ⴷⵉ ⵎⴰⵜⴽⴰ ⵍⵙ. ⵄⴰⵡⴷ ⵥⵕⵉⵖ ⴱⴰⵅⵜⴰⵜⴰ, ⵜⵀⵡⴰ ⴷ, ⴰⵎ ⴽⴰ ⵓⵊⴷⵉⴷ ⴷ ⴰⵛⵎⵞⴰⵞ ⵅⴼ ⵉⵖⵉⵞⴰⵏ ⵍⵙ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵉⴷ ⵜⵙⴼⴰⵇ ⵣⴳ ⵉⴹⵚ ⵏ ⵡⴰⵙⵙ. ⵄⴰⴷ ⵜⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⵜⵏ ⴰⵎ ⴽⴰ ⵏ ⵜⵉⵞⵉ ⵎⵙⴰⵅⴰⵔⵏⵜ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵄⴰⴷ ⴰⵅⵎⵉ ⵉⵎⵙⵃ ⴽⵓⵔⵛⵉ ⴷⴰⵜ ⵉⵏⵓ. ⵓⴽⴰ ⴽⵜⵜⵓⵖ ⵓⵎⵉ ⵜⵜⵓⴳⵓⵔⵖ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ “ⵎⴰⴷⵉⵙⵓⵏ” ⴷⵡⵞⵖ ⵖⴰⵔ ⴰⵙⵏⵙⵓ ⵉⵏⵓ. ⵜⵉⵣⵣⴰⵔ ⴰⵢⵉ ⵜⵉⴳⴳⵯⴷⵉ ⵉⵏⵓ. ⵄⵔⴰⵢⵏ ⵓⵔ ⵜⵡⴰⵔⵉⵖ ⴽⴰ ⴰⵅⵊⴼⵓⴼ ⵍⵙ ⵙⴰⴷⵓ ⵜⴰⵢⵢⵓⵜ ⵍⵉ ⵉⴳⵔⴰⵏ ⴷⴳ ⵓⵊⵍⴰ ⵏ ⴷⴷⵓⵏⵉⵜ. ⵜⵙⵞⵞⴰⵖ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴰⵎⵙⵞⵉ ⵍⵙ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ, ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵇⵇⴰⵄ. ⴰⵎⵙⵞⵉ ⵏ ⵓⵏⴷⴰⵎ ⵍⵙ ⴷ ⵜⴰⵣⵣⵉⵜ ⵍⵙ, ⵓⵔ ⵙⵙⵉⵏⵖ ⴽⴰ ⵎⵉⵏ ⵜ ⵢⵓⵖⵉⵏ, ⵏⵉⵖ ⴰⵙⵞⵉ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵍⵙ, ⵎⴰⵔⴰ ⵏⵅⵙⵙ ⴰⴷ ⵜ ⵏⵉⵍⵉ. “ⵊⵊⵉⵖ ⵖⴰⵔⴽ ⵔⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ, ⵛⴽⴽ ⵜⵄⴰⵀⴷⴷ ⴰⵢⵉ. ⵃⴰⵙⴰⵏ, ⵞⴰⴱⴷⴷⴰ ⴰⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⴰⵔⵉⴷ ⴰⴷⵞⵉⵙ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵉⵏⵓ. ⴳⴳ ⴰⵙ ⴰⵎ ⵓⴷⵞⵉⵙ ⵍⴽ, ⴳⴳ ⵜⵛⵓⵏⵉ ⵉ ⵡⵓⵎⴰⴽ!”

ⵓⴽⴰ ⴳⴳⵉⵖ ⵜ, ⵓⵔⵉⵖ ⵜ.. ⴷ ⵡⴰ ⴷ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⵍⵙ.

ⵉⵇⴹⴰ

ⵉⴱⵙⵓⵔⵉⵜⵏ

«ⴰⵎⴱⵎⵢⵏ ⴷ ⴰⵎⵣⵖⴰⵏ»

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ

ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵜⵎⵎⵓⵜ ⴰⵎⵏ ⵄⴰⴷ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⵏⴰⴼ ⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵙ ⵙⴰⵔⴰⵟⴰⵏ ⵏ ⵓⵄⵔⵓⵔ. ⴼⵜⵃⵏ ⵅⴰⴼⵙ ⵓⵛⴰ ⵓⵔ ⵜⵏⵊⵉⵎ ⵛⴰ, ⵓⵛⴰ ⵜⵎⵎⵓⵜ. ⵉⵎⵙⴳⵏⴼ ⵏⵏⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵓⴼⵜⵃ ⵏⵏⵙ, ⵜⴼⴰⵇ ⴷ, ⵜⵙⵍⵍⴰⵏ ⴰⵙ ⵜⵜⵏⵏⴰ: ⵎⵉⵏ ⵉⵄⵏⴰ ⵔⵊⵡⴰⴱ? (ⴰⵎⴰⵔⵔⵜ ⵓⵔ ⵉⵜⵙⵇⵙⵉ ⵛⴰ!) ⵓⵛⴰ ⵜⴷⵡⵍ ⵜⵙⴰⵅ. ⵛⴰ ⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵎⵓⵜ, ⵜⵓⵔⴰ ⴰⵡⴳⴳⴹ ⵏⵏⵙ. ⵜⵊⵊⴰ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⴰⴳⵔⴰ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵣⵓⵕⵉ ⵉⵖⵔⴰⵏ ⵉ ⵓⵙⴰⵍⵢ ⵏ ⵜⵣⵓⵕⵉ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ: «ⵖⵓⵖⴰⵏⵀⴰⵢⵎ» ⴷⵉ 'ⵏⵢⵓⵢⵓⵔⴽ'. ⴰⵎⵛⵏⴰⵡ ⴱⵓⵔⵜⵔⵉⵀ ⵏⵏⵙ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⴳⴳⴰ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ, ⵜⵡⵛ ⵉⵜ ⵉ ⵓⵙⴰⵍⵢ 'ⵎⵉⵜⵔⵓⴱⵓⵍⵉⵜⴰⵏ' ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵜⵡⵉⵚⵉ ⵛⴰ ⴰⵍⵉⵙ ⵅⴼ ⴱ. ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ.

ⴰⵍⵉⵙ ⵟⵓⴽⵍⴰⵙ

ⵜⵇⵇⵉⵎ ⴰⵍⵉⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵡⵃⴷⵙ, ⵜⵟⵡⴰⵜⵜⵓ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵜⴰⵎⴰⵢⵏⵓⵜ ⴷⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ 'ⴽⵔⵉⵙⵜⵉⵏ', 5.

ⵜⴷⴷⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⴽⵕⴰⴹ ⵉⴷ ⵎⵔⴰⵡ ⴷ ⵜⴰⵎ ⵏ ⵉⵙⴳⴳⵯⵙⵏ. ⴳⴳⵉⵏⵜ ⵙⵉⵏ ⵏ ⵡⴰⵔⵔⵉⵎⵜ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ. ⵙⵉⵏ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵢⵉⵎⴰⵏ. ⴰⴽⵙⵓⵎ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⴷ ⵉⵎⴰⵏ ⵏⵏⵙⵏⵜ ⵢⴰⵔⵡⵉ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵎⵓⵜ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵜⵓⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⴰⵅⵎⵉ ⵜⵎⵎⵓⵜ ⴷ ⵔⵅⵢⴰⵔ ⵡⴰⵀⴰ, ⵜⵜⵓⴳⵓⵔ ⵊⴰⵔ ⵉⵅⵅⴰⵎⵏ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵉ ⵉⵅⵔⴰⵏ. ⵉⵔⴰ ⵜⵡⴰⵊⴰⴱ ⵅⴼ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵉⵎⴷⴷⵓⴽⴰⵍ. ⵣⵣⴰⵢⵙⵏⵜ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜ ⵏ ⵔⵄⵣⴰ ⵏ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ. ⵢⵓⵔⴰ ⴰⵙ ⵜⵜ ⵣⵉ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ, ⵙ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴱⵔⴰⵜ ⵜⵎⵣⵢⴰⵏⵜ, ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⴷⴰⵢⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵉⵅⵉⵢⵢⵇ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ: “ⵏⵛⵛ ⵓⵔⴰⵏⵜ ⴰⵢⵉ ⴰⴷ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⴷⴷⴰⵔⵖ ⵜⴰⵡⵃⴷⴰⵏⵛⵜ”.

ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ

ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵓⵔ ⵉⵎⵙⵃⵎⵉⵔ ⵛⴰ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵛⴰ ⵜⵎⵙⴰⵙⴰⵏ ⴰⴽⴷ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ.ⵉⵙⵎⴹ ⵓⵎⵙⴰⵙⴰⵔ ⵊⴰⵔ ⴰⵙⵏ. ⵙⴱⴷⴷⵏ ⴰⵙⴳⴳⵯⴰⵙ ⵓⵔ ⵔⵉⵃⵏ ⵖⴰⵔ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ. ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵖⴰ ⵙ ⵓⵎⵀⴰⵔⴷⴼ ⴷⵉ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴰⴷⵔⵉⵢⵉⵏ ⵎⵓⵏⵢⵉ. “ⵎⴰⵎⵎⵛ ⵜⴳⴳ ⵉⵜⵜ? ⵖⴰⵡⵍ ⵖⵓⵔⵉ!”. ⵓⵛⴰ ⵜⵡⴰⵊⴱ ⵉⵜ: “ⵍⵍⴰ, ⵓⴱⵍⴰ ⵜⵓⵔⴷⴰ, ⵓⵔ ⵜⴰⵙⵖ ⵛⴰ”.

---

1 Adrienne Monnier

ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⴰⵍⵉⵙ, ⵉⵔⴰ ⴰⴽⴷ ⵓⵖⵣⴷⵉⵙ ⵏⵏⵙ, ⵎⴰ ⵜⵙⵙⴰⵡⴰⵍ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ?. “ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵅⵎⵉ ⵜⵜⵏⵏⴰ ⴰⵡⴰⵍ, ⴷ ⵡⵏⵏⵉ ⵏⵜⵜⴰ!». ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵏ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⵏⵏⴹⵏⵉ ⴳ ⵓⵕⵥⵎ ⴰⵎⴰⵢⵏⵓ ⵏ ⵢⵉⵊⵊⵏ ⵏ ⵓⵎⵙⵎⵍ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ. ⵉⵇⴰⵕⴱ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⵖⴰⵔ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵔⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⴷⵉⵏⵏⵉ. ⵓⵛⴰ ⵉⴳⴳⴰ ⴰⵙ ⴰⴼⵓⵙ ⵅ ⵓⵖⵉⵍ ⵏⵏⵙ: “ⵙⴰⴼⵉ ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵏ ⴱⵓ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⵣⵉ ⵔⵓⵅⴰ ⴷ ⵜⵙⴰⵡⵏⵜ ⵊⴰⵔ ⴰⵏⵖ”. ⵓⵛⴰ ⵜⴰⵔⵔⴰ ⵅⴰⴼⵙ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵓⵛⴰ ⵜⵏⵏⴰ ⴰⵙ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵡⴰⵅⵅⴰ, ⵓⵛⴰ ⵎⴷⵓⵔⵓⵄⵏ. «ⵔⵓⵅⴰ ⵎⵉⵍⵎⵉ ⴰⴷ ⵏⵎⵙⴰⴳⴰⵔ?». ⵉⵙⵙⵇⵙⴰ ⵜⵜ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ. «ⴳⴳⵯⴷⵖ ⴰⴷ ⵏⵜⵜⵓ, ⴰⵔⴰⵃⵉⴷ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴳⵯⴰⵔⵓ ⵏ ⵓⵎⴰⵍⴰⵙ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵎⵓⵏⵙⵓⴷ ⴰⴽⵉⴷⵏⵖ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵇⴰⵟⴰⵄ ⴰⴽⵉⴷⵙ: «ⴰⴷ ⴰⵙⵖ ⴷ ⵜⵉⵡⵛⵛⴰ ⴰⴷ ⵎⵎⵓⵏⵙⵓⵖ». ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵉⵙⵜⵎⵀⴷ ⴱⵉⴽⴰⵙⵓ ⴷⵉ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⵜⵜ ⵢⵓⴼⴰ ⵜⵇⵙⵙⴱ ⴰⵛⵡⵡⴰⴼ ⵏⵏⵙ, ⵜⴽⵜⵜⵙ ⵜⵉⴷⵍⵉ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵣⵉ ⵜⴹⵀⵕ ⴷ ⵜⴰⵡⵜⵎⵜ. ⵓⵛⴰ ⵉⵏⵏⴰ ⴰⵙ: «ⵔⵓⵅⴰ ⵜⴰⴼⵔⵉⵙⵜ ⵉⵏⵓ ⵓⵔ ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵛⴰ ⵜⴰⵔⵡⵙ ⴷⴰⵢⵎⵎ ⵇⵇⴰⵄ. ⵜⵏⵖⵉⴷ ⴰⵢⵉ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⵉⵏⵓ!». ⵏⵏⴰⵏ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵏⵏⵉ ⵉⵔⴰ ⴷ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ ⵉⵕⴰⵃ ⴷⴰⵢⵙ, ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ 27 ⴷⵉ ⴷⵓ ⴼⵍⵓⵔⵉⵙ.

ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵏⵉⵏ

ⵜⵓⴳⵉ ⴰⴷ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵇⵇⴰⵄ. ⵜⵓⵔⴰ ⵅⴼ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵡⴰⵙⵏⵏ ⴰⵟⵟⴰⵚ: “ⵎⵙⴰⴳⴰⵔⵖ ⴰⴽⴷ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ, ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵡⴰⵀⴰ. ⵓⵔ ⵣⵣⴰⵢⵉ ⵜⵔⵉⵇⵇ ⵛⴰ. ⵎⵉⵏⵣⵉ ⵉⵔⴰ ⴰⵅⵎⵉ ⵜⴰⵢⵢⴰ ⴷⵉ ⵎⴰⵕⵕⴰ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⵉ ⴷⵉⵏⵏⵉ”. ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⴷ ⵀⴰⵏⵔⵉ ⵎⵉⵍⵔ, ⴷ ⴰⵏⵟⵡⴰⵏ ⴰⵔⵟⵓ ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴱⴱⵓⵀⵍⵉ. ⵉⵔⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵜⵔⵡⵍ ⵣⵉ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵎⵉⵏⵣⵉ ⴰⵎⵏ ⵜⵏⵏⴰ ⵏⵜⵜⴰⵜ ⵍⴱⴷⴰ ⵜⵜⵃⵙⵙⵔ ⴷⵉ ⵜⵅⵛⴼⵜ. ⴷ ⵍⴱⴷⴷⴰ ⵜⵜⵇⵇⵉⵎ ⵜⵉⵙⵎⵖⵜ ⵖⴰⵔⵙⵏ! ⵡⴰⵅⵅⴰ ⴰⵎⵏⵏⵉ ⵓⵎⵉ ⵜⵙⵎⵃ ⵙ ⴱⵙⵙⵉⴼ ⴷⵉ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ, ⵉⴷⵀⴰⵔ ⴰⵙ ⴷ ⴳ ⵓⵎⵛⴰ ⵉⵊⵊ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⵅⵙⵙ ⵉⵜ ⴰⵟⵟⴰⵚ, ⵜⵜⵔⴰⵖⴰⵏ ⴰⵙ ⴱⴰⴱⵍⵓ. ⴰⵎⵏ ⵜⵓⵔⴰ ⵅ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ.

ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ

ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵓⵔ ⵉⵙⵙⵓⴳⵓⵔ ⵛⴰ ⵎⵍⵉⵃ ⵜⴰⵙⵏⵖⴰⵍⵜ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵜⴳⴳⴰ ⴰⵏⵢⵉⵙ. ⵉⵔⵀⴰ ⴰⴽⴷ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⵏ ⵓⵙⵡⵓⵔⵉ ⴷⵉ ⵜⴰⵙⵔⵜⵉⵜ. ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴷⴷⴰⵎⵏ ⴷ ⵉⵎⵣⵡⴰⵅ ⵉ ⴷ ⵢⵓⵙⵉⵏ ⵣⵉ ‘ⴰⵎⵔⵉⴽⴰ ⵍⴰⵜⵉⵏⵉⵢⴰ’. ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵊⴼⵊⵉⴼ ⵙ ⵉⵎⵅⵓⵎⴱⴰⵔ ⴷⵉ ⵉⵎⵓⵛⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵜⵓⵖⴰ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵡⵊⴷ ⴰⴷ ⵉⵡⵛ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⵉ ⵎⴰⵏⴰⵡⵢⵏⵏⵉ. ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵜⵏⵏⴰ ⴱⵍⵍⵉ ⵏⵜⵜⴰ ⴷⴰⵢⵙ ⵛⴰ

1 Père La chaise

ⵏ ⵣⵃⴰⵎⵜ ⵏ ⵔⵎⵓⵜ ⵓⵔ ⵜⵍⵍⵉ ⵏ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ. ⵓⵔ ⴰⵙ ⵓⵔⵉⵏⵜ ⴰⴷ ⵉⵔⴰ ⴷ ⴰⵖⴰⵊⴰⵔⵉ ⵓⵔⴰ ⴷ ⵉⴳⴳ ⵛⴰ ⴷⴳ ⵓⵙⵙⵓⵏⵖ. ⵜⵓⵔⴰ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵅⴼ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ: “ⵖⵓⴼⵉⵖ ⴷⵉ ⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴳⴰⵍⵜ. ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⴰ ⵣⵎⵎⵔⵖ ⴰⴷ ⵉⵙⵉⵖ ⵜⴰⴼⵇⵀⵜ ⵏ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ...”

ⵃⴰⵡⴷ ⵜⵏⵏⴰ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ ⵜⵙⵙⴰⵡⵍ ⵅⴼ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵏⵏⵙ : “ⵉⵎⵎⴰⵔⵏⵉ ⴷⵉ ⵜⵙⵏⴳⴰⵍⵜ. ⵉⴳⴳⴰ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⴰⵟⵟⴰⵄ ⵏ ⵜⵎⵓⵇⵔⵉⵙⵉⵏ. ⵓⵔ ⵉⴳⴳⵉ ⵛⴰ ⵜⴰⵡⵓⵔⵉ ⴷⵉ ⵔⵎⵉⵊⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵉⵜⵜⵅⴷⴷⵉⵙ ⴼⴰⴽⵜⵓⵔⴰⵜ ...” ⵉⴷⵡⵍ ⴳⵓⵏⵣⴰⵍⵓ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴰⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵜⵙⴱⴷⴷ ⵉⵙⵏⴼⴰⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵛⴰ ⵉⴽⵜⵜⵙ ⴰⵎⵄⴰⵡⴰⴹ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⴰⵏⴰⵢⵉⵙ ⵇⵇⴰⵃ. ⵍⵇⵓⵏⵙⵓⵍⵉⵢⴰ ⵏ ⴱⵉⵔⵓ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵉ ⴷⴰⵙ ⵉⵡⵛⵉⵏ ⵜⴰⵏⵏⴼⵓⵍⵜ ⵏ ⵜⵢⵍⴰⵍⵜ ⵏ ⵓⴷⵡⵍ.

ⴱⵉⵔⵏⴰⵔ : ⴰⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⴰⴼⵕⴰⵏⵙⴰⵡⵉ

“ⵜⵎⵎⵓⵜ ⵉⵎⵎⴰⵙ ⵓⵎⵉ ⵢⵓⴳⵓⵔ ⵎⵓⵀⵎⵎⴷ ⵣⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵉⵜⵜⵇⴰⴱⴰⵔ ⵓⵍⵜⵎⴰⵙ, ⵜⴰⵎⵃⴷⵓⵔⵜ ⵛⴰ ⵏ ⵎⵔⴰⵡ ⵏ ⵢⵉⵙⴳⴳⴳⵯⵙ ⴷ ⵛⴰ. ⵣⴷⴰⵜ ⵉⵎⴰ ⴰⴷ ⵜⵎⵎⵓⵜ. ⵖⴰ ⵓⵏⴳⴳⵯⴰⵔⵓ ⵉⵣⴷⵖ ⴷⴳ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⴰⵔⴰⵀⵜ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⴰⵎⵏ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵀⵎⵎⴷ. ⵇⵇⵉⵎⵏ ⵜⴰⵔⵉⵏ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵢⴰ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ. ⵃⵎⵎⴰⵕⵄ ⵓⵔ ⵜⵅⵙⵙ ⵜⵉⵎⵅⵙⴰ ⵉⵏⵓ ⵉⵃⵉⵣⵣⵏ ⵉ ⵏⵜⵜⴰ”. ⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵏⵏⴰ ⵎⵓⵀⵎⵎⴷ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ.

ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴰⵍⵜⵎⴰⵏ

ⵜⴷⵡⵍ ⴷ ⵇⵓⵏⵙⵓⵍ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ ⵏ ⵜⵎⵣⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴼⵕⴰⵏⵙⴰ. ⴰⵡⴰⵔⵏⵉ ⴰⵟⵟⴰⵄ ⵏ ⵓⵙⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⴷⵉⴱⵍⵓⵎⴰⵙⵉⵢⴰ ⴳ ⴷⵉⵅⵔ ⴷ ⴱⴰⵕⵕⴰ ⵏ ⵓⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏ.

ⵜⵙⵙⵉⵊ ⵅⴼ ⴰⵎⴹⵍ ⵏ ⴱⵉⵔ ⵍⴰⵛⵉⵣ, [1], ⵜⵙⵔⵔⵙ ⵜⴰⵡⵛⴽⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ ⵅⴼ ⴰⵎⴹⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ.

ⵎⵙⴱⴹⵉⵖ ⴰⴽⴷ ⵍⵉⴷⵢⴰ ⴷⵉ ⵜⵡⵓⵔⵉ. ⵏⵇⵇⵉⵎ ⵖⴰ ⵏⵜⵜⴰⵔⵉ ⵉ ⵡⴰⵢⴰⵡⵢⴰ ⵜⵉⴱⵔⴰⵜⵉⵏ ⵏ ⵓⵙⵇⵙⵉ. ⵜⴰⴱⵔⴰⵜ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ, ⵜⵙⴽⴽ ⵉⵜⵜ ⵉⴷ ⴷⴰⵢⵙ ⴰⵡⵍⴰⴼ ⵏ ⵓⵎⴹⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ. ⵅⴰⴼⵙ ⵜⴰⵡⵛⴽⵉⵏⵜ ⵏ ⵜⵏⵡⵡⴰⵛⵉⵏ.

ⵜⴷⵡⵍ ⵜⵡⴰⵛⴽⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⴷ ⵜⴰⵏⵎⵢⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ ⵍⴱⴷⴰ.

1 Perugia
2 Rue notre Dames de champs
3 Roms

ⴼⵓⵔⴷ : ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ

ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏⵏⵙ ⵜⴰⵏⴳⴳⴰⵔⵓⵜ, «ⴳⴰⵍⵜⵙ ⵊⵓⴷⵉⴼⴰ» ⵜⴷⵡⵍ ⵏⵏⵙ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵎⴰ ⵉⵔⴰ ⵏ ⵛⴰ ⵏ ⵉⴼⵕⴰⵏⵙⵡⵢⵏ ⵢⵏ ⵏⵏⴹⵏⵉ. ⴷ ⵢⵉⵊⵊ ⴷ ⴰⵟⴰⵍⵢⴰⵏⵉ ⵣⵉ ⵜⵎⵙⵎⵓⵏⵜ ⵏ ⵢⵉⵎⵙⴳⵙⵉⵡⵏ ⵏ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏⴰⵜ ⵜⵉⵣⴰⵢⴽⵓⵜⵉⵏ, ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ ⴷⵉ ⵜⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏ ⵓⵙⵉⵣⵉ ⴷⴳ ⵓⵇⵍⵉⵎ ⵏ ‘ⴱⵉⵔⵓⵊⴰ’[1]

ⵏⵏⵛ ⵙ ⵢⵉⵎⴰⵏⵜ ⵉⵏⵓ ⵣⵕⵉⵖ ⵜⵜ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴰⵔ ⵏ ⵓⵙⵎⴰⵍ ⵏ ⵜⵓⵎⵓⴱⵉⵏⴰⵜ. ⵓⵎⵉ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵄⴰⵔⴹ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵉⵏⵓ ⴰⵚⴱⵃⴰⵏ, ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ ⴱⵉⴽⵉ, ⴷ ⵜⵎⵖⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ, ⵜⴰⵎⵟⵟⵓⵟⵜ, ⵔⵓⵙⵉⵏⴰ. ⵙⵏⵡⵊⵉⵏ ⴰⵢⵉ ⵖⴰⵔ ⵜⴰⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙⵏ ⵏ ⵓⴽⵛⵛⵓⴷ, ⵜⴰⵚⴱⵃⴰⵏⵜ, ⵜⵃⵎⴰ. ⴰⵇⴰ ⵜⵜ ⴷⵉ «ⴳⵡⴰⵍⴷⵓ ⵟⴰⴷⵉⵏⵓ» ⵜⴰⵎⴷⵉⵏⵜ ⵏⵏⵉ ⵜⵎⵣⵢⴰⵏⵜ, ⵉ ⵜⵓⵖⴰ ⵅⵙⵙⵖ ⵜⵜ ⵙ ⵡⴰⵟⵟⴰⵚ. ⵙⵜⵎⵀⴷⵖ ⵓⵎⵉ ⵓⴼⵉⵖ ⵜ ⵉⵙⵢⴰⵎ ⵓⵛⵛⵏ ⴷ ⵜⵓⵛⵛⵏⵜ ⴷⵉ ⵜⴷⴷⴰⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⴼⵕⴰⵏⵚⵉⵚⴽⵓ ⵉⵏⵏⴰ: «ⵓⵛⵛⵏ ⵓⵔ ⵉⵜⵄⴰⴷⵉ ⵛⴰ ⴱⵏⴰⴷⵎ, ⴷ ⴱⵏⴰⴷⵎ ⵉ ⵉⵜⵜⵄⴰⴷⴰⵏ. ⵎⴰⵛⴰ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵜⴰⴳⴳⵯⴷⵏ ⵣⵉ ⵎⵉⵏ ⵜⵜⵅⵎⵉⵎⵏ ⵅⴼ ⵓⵛⵛⵏⴰⵏ!». ⵓⵛⴰ ⵔⴳⴷⵏⵏⵉ ⴳⴳⵉⵖ ⴰⴽⴷ ⵉⵅⴼ ⵉⵏⵓ, ⵔⴰ ⴷ ⵏⵏⵛ ⴰⴷ ⵙⵙⵢⵎⵖ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵛⵛⵏ. ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⴰ ⵜⵜⵉⵇⵉⵖ ⴷⴳ ⵉⵟⴰⵏ !.

ⵡⵉⵏⵏⵉⴹⵏⵉ

ⵎⵓⵍⴷⵓⴼⴰⵏ, ⵉⴳⴳⴰ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵎⵛⴰⵏ ⵏ ⵓⵏⴳⴰⵣ ⴷⴳ ⵢⵉⵊⵊ ⵏ ⵙⵙⵓⵇ ⴷ ⴰⵎⵣⵣⵢⴰⵏ ⵖⴰⵔ ⴷⴼⴼⵉⵔ ⵉ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ ⵎⵓⵏⴱⴰⵔⵏⴰⵙ ⴷⵉ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵜⵡⴰⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵉⵙⵖⴰ ⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵎⵎⴰⵚ ⵏ ⵎⴰⵜⵛⴰ ⵏ ⵓⵎⴰⵕⵕⵉ. ⴷⴳ ⵙⵙⵓⵇ ⵏ “ⵏⵓⵜⵔ ⴷⴰⵎ ⴷⵉ ⵛⵛⴰ”.[2]

ⵉⵍⵉⵏⴰ,

ⵜⵅⵙⵙ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⴷ ⴰⵎⵣⵡⴰⴳ ⵣⵉ “ⵔⵓⵎ”[3]. ⵜⵕⴰⵃⵖ ⴰⴽⵉⴷⵙ, ⵓⵔ ⵏⵙⵙⵉⵏ ⵛⴰ ⵎⴰⵏⵉ. ⵓⵔ ⴰⵙ ⵉⴹⵀⵕ ⵔⴰⵜⴰ. ⵉⵇⵇⵉⵎ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵍⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴷⵛⴰⵔ ⵉⵜⵜ ⵙ ⵜⴹⴼⵉ.

ⵉⵏⵏⴰ ⵢⵉ ⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵡⴰⵔⴰⵜ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵏⵏⵙ ⵢⵓⴷⵔⵓⵙⵏ: “ⵜⵏⵙⴰ ⵓⵔ ⵜⵓⴼⴼⵓ.» ⵉⵔⴰ ⴰⴷ ⵡⵉⵏⵏⵉ ⴱⵍⵍⵉ ⵜⵕⴰⵃⵖ ⵖⴰⵔ ⵜⵎⴷⴷⵉⵜ, ⵓⵔ ⵜⴷⵡⵉⵍ ⴷ ⵛⴰ ⴷⴳ ⵡⴰⵙⵙ”.

ⴰⵎⴰⵔⵉ ...: ⵃⴰⵛⴰ ⵏⵛⵛ, ⵍⵍⵉⵖ ⵙⵎⵃⵖ ⴷⵉ ⴰⵙⵡⵓⵔⵉ ⵏ ⴰⵏⵖⵎⵉⵙ. ⵉⵙⵎⵃ ⴷⴰⵢⵉ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵖⵎⵉⵙ, ⵓⵔ ⵉⴼⵔⵉⵣ ⵓⴱⵔⵉⴷ ⵏⵏⵙ, ⵓⵎⵉ ⵓⴳⵉⵖ ⴰⴷ ⵎⵓⵏⵖ ⴰⴽⴷ ⵏⵎⵃⴰⵔ ⵏ ⴰⵖⵎⵉⵙ. ⵏⵜⵜⴰ, ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⵏ ⵜⴰⵙⵔⵜⵉⵜ, ⵉⵜⵜⵅⵙⵙⴰ ⴰⴷ ⵜ ⴹⴼⵕⵏ ⵉⵡⴷⴰⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ, ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⴷ ⴰⵎⵖⴰⵔ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵏⵜⵜⴰ, ⵖⴰ ⴷ ⵉⵊⵊ ⵏ ⵓⵔⴳⴰⵣ ⴰⵎ ⵎⵉⴷⴷⵏ ⵎⴰⵕⵕⴰ. ⵄⴰⴷ ⵜⵜⴰⵔⵉⵖ ⵉⵣⵍⴰⵏ ⵙ ⵜⵎⵅⵙⴰ, ⵡⴰⵅⵅⴰ ⵃⵓⵢⵣⵖ ⵜⴰⴹⴼⵉ ⵏ ⵓⵙⵓⵢⵓⵔ ⵏⵏⵙ. ⵓⵔ ⵇⵇⵉⵎⵖ ⵛⴰ ⵜⵜⵅⵙⵙⵖ ⵉⵎⵖⴰⵔⵏ.

ⵜⵉⵖⴱⴰⵍⵓⵜⵉⵏ:

- La nouvelle grammaire de l'amazighe : Fatima Boukhris, Abdallah Boumalek, El Houssain El Mojahid, Hamid Soufi. Institut Royal de la culture amazighe, 2008.

– المعجم العربي الأمازيغي، محمد شفيق، ثلاث أجزاء، أكاديمية المملكة المغربية. 1996

– معجم الإعلام، فاطمة بوخريص، عبد الله بومالك، الحسين المجاهد، حميد السويفي

– الروابط الإلكترونية :

- http : //tal.ircam.ma/lexique/

- http://tal.ircam.ma/conjug.tamazixr

ⴰⵙⴳⵔⵙ



المترجمة : دة. فاطمة والعالي

- الدكتراه في فقه اللغة، كلية الفلولوخية جامعة كوملوطنسي بمدريد (إسبانيا 1996).
- أستاذة باحثة وكاتبة.
- ترجمت عدداً من الكتب والمقالات من العربية والاسبانية إلى الأمازيغية.
- اشتغلت بالتعليم العالي وفي اللسانيات العربية والأمازيغية، سلك الماسّتر منذ 2009 بكلية الآداب بتطوان.
- مؤسسة أكاديمية اللغات الخصوصية "بصائر الهدى" بطنجة. وتحمل حاليا مهام مديرة الدراسات اللغوية في المؤسسة.

إشارة

أُنْجِزَتْ هذه الترجمة بدعم من وزارة الثقافة المغربية في إطار إقامة أدبية في بيت الصحافة بطنجة



“ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ” ⵓⵏⴳⴰⵍ ⵏ ⵃⴰⵙⴰⵏ ⵏⵊⵎⵉ 1960, ⴰⵎⴰⵔⵉ ⴷ ⵓⵏⵛⵛⴰⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ.
ⵉⵎⵙⴰⵔⵏ ⵏ ⵡⵓⵏⴳⴰⵍ ⴰ ⵄⴰⵡⴷⵏ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ ⵜⴰⵎⵉⵔⵉⴽⴰⵏⵜ “ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ” ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵙⴰ ⵏⵏⵙ ⴰⴽⴷ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ. ⵉⵙⵙⵏⵜⵉ ⵙ ⵡⴰⵡⴰⵍ ⵅⴼ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⵉⵜⵜⵎⵜⵜⴰ ⴷⴳ ⵓⵎⵙⴳⵏⴰⴼ. ⵓⵛⴰ ⵉⵙⵍⵎ ⴰⵙ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵜⵉⵡⵔⵉⵇⵉⵏ ⵏⵏⵙ, ⵉⵣⴰⵡⴳ ⴷⴰⵢⵙ ⵃⵓⵎⴰ ⴰⴷ ⴰⵙ ⵢⴰⵔⵉ ⵜⴰⵔⵉⴷⵉⵔⵜ ⵏⵏⵙ. ⵄⴷⵓⵏ ⵡⵓⵙⵙⴰⵏ ⵓⵛⴰ ⵢⵓⴼⴰ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵉⵅⴼ ⵏⵏⵙ ⵉⵜⵜⴳⴳ ⵎⵉⵏ ⴰⵙ ⵉⵏⵏⴰ ⵓⵎⴷⴷⵓⴽⵍ ⵏⵏⵙ, ⵉⴱⴷⴰ ⵉⵜⵜⴰⵔⵉ. ⵉⵏⵏⴰ ⵡⴰⵀ ⵉ ⵢⵉⵛⵜ ⵏ ⵜⵎⵅⵙⴰ ⵙ ⵜⵉⴷⵜ, ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵉⴹⵓ ⵙ ⵓⵙⵡⵉⵏⴳⵎ ⵏⵏⵙ ⴷⴳ ⵓⵏⴳⴰⵍ, ⴰⴷ ⵢⴰⵔⵉ ⴰⵙⵢⴰⴼⴰ ⵏⵏⵙ ⴷ ⵉⵅⵎⵎⵉⵎⵏ ⵏⵏⵙ, ⴰⴷ ⵉⴳⴳ ⵜⵉⵙⵄⴷⴰ ⵏⵏⵙ ⵎⴰⵎⵏⴽ ⵉⵅⵙ ⵏⵜⵜⴰ, ⵙ ⵔⵅⵣⵔⴰⵜ ⵏⵏⵙ. ⵉⵄⴰⵡⴷ ⵅⴼ ⵜⵓⴷⴰⵔⵜ ⵏ“ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵙⵜⴰⵢⵏ” (1874–1946) ⵓⵎⵉ ⵉⵔⴰ ⴷⵉ ⵍⵎⵖⵔⵉⴱ ⴷⴳ ⵓⵙⴳⴳⵯⴰⵙ 1912 ⴷ ⵓⵎⵉ ⵜⵎⵙⴰⴳⴰⵔ ⴰⴽⴷ ⵓⵃⵓⴷⵔⵉ ⵏⵏⵉ ⴰⵎⵖⵔⴰⴱⵉ, ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⴰⵟⴰⵏⵊⴰⵡⵉ, ⵉⵔⴰⵏ ⴷ ⴰⵎⴳⵡⴹ ⵏⵏⵙ, ⵉⵎⵎⴰⵍⵏ ⴰⵙ ⵟⴰⵏⵊⴰ. ⵓⵛⴰ ⵉⵎⵎⵓⵜⵜⵉ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ, ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⴰⵏⵖ ⵓⵎⴰⵔⵉ ⵅⴼ ⵎⵓⵃⵎⵎⴷ ⵓⵎⵉ ⵉⴹⴼⵕ ⵊⵉⵔⵜⵔⵓⴷ ⵖⴰⵔ ⴱⴰⵔⵉⵣ. ⵉⵙⵙⵉⵡⵍ ⵅⴼ ⵓⵙⴰⵍⵓⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵙⴽⵍⴰ, ⵉⵔⴰ ⴷ ⵉⵊⵊⵏ ⵏ ⵓⵏⵙⴰ ⵜⵜⴰⵙⵏ ⴷ ⵖⴰⵔⵙ ⵉⵏⴰⵥⵓⵕⵏ ⵃⵎⴰ ⴰⴷ ⵅⵥⵔⵏ ⵜⵉⵔⵡⵉⵃⵉⵏ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵥⵓⵕⵉ ⴷ ⵓⵎⵢⴰⵡⴰⴹ ⴰⴽⴷ ⵜⵎⵥⵥⵓⵡⵉⵜ ⵏⵏⵙ ⵏ ⵜⵎⴰⵔⵉⵜ.

”جيرترود“ رواية مغربية للروائي حسن نجمي (1960)، كاتب وشاعر مغربي.

تحكي أحداث الرواية جانبا من حياة الكاتبة الأمريكية ” جيرترود“ وعلاقتها بمحمد المغربي. يبتدئ بالكلام عن صديق جيرترود حين حضر احتضاره في المستشفى، فسلم له هذا الأخير مذكراته وطالب منه أن يتولى هو كتابة سيرته. مرت الأيام فوجد الكاتب نفسه يلبي النداء ويشرع في التدوين. يستجيب لرغبة واقعية فينطلق بخياله الروائي في نسج أحاسيسه وتأملاته الشخصية ويعيد بناء العالم وفق رؤيته. يستدرج حياة كاتبة أمريكية ”جيرترود استاين“ (1874 1946-) مبتدئا بالزيارة التي قامت بها إلى المغرب سنة 1912 حيث التقت بالشاب المغربي محمد الطنجاوي الذي كان لها ”مرشدا سياحيا“ . ثم ينتقل إلى إقامتها في باريس وصالونها الأدبي الذي كان محفلا للزوار والفنانين، يطلعون على لوحاتها الفنية ويتواصلون مع تجربتها وأفقها ككاتبة وفاعلة.

تصميم الغلاف: عبد الله الحريري

33 DH